



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 12]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 22, 1986/चैत्र 1, 1908

No. 12]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 22, 1986/CHAITRA 1, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)

PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं  
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India (other than the  
Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1986

सूचना

का.आ. 1115—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के  
अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है  
कि श्री राजवंत राय बाघवान एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी  
को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस  
बाध के लिए दिया है कि उसे जालंधर (पंजाब) में व्यवसाय  
करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति  
पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के  
चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेरे पात्र भेजा जाए।

[सं. 5(8)/86 न्या.]

MINISTRY OF LAW & JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 27th February, 1986

NOTICE

S.O. 1115.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956,

1668 GU/85—1

(1185)

that application has been made to the said Authority, under  
rule 4 of the said Rules, by Shri Rajwant Raiwadhavan,  
Advocate for appointment as a Notary to practise in  
Jalandhar.

2. Any objection to the appointment of the said person as  
a Notary may be submitted in writing to the undersigned with-  
in fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(8)/86-Judl.]

नई दिल्ली, 5 मार्च 1986

सूचनाएं

का. आ. 1116—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के  
अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री देवीभाई  
एच. दावे, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के  
अधीन एक आवेदन इन बात के लिए दिया है कि उसे भावनगर में व्यवसाय  
करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति को नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार  
का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में  
भेरे पात्र भेजा जाए।

[सं. 5(32)/86-न्या.]

New Delhi, the 5th March, 1986

NOTICES

S.O. 1116.—Notice is hereby given by the Competent  
Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules,  
1956, that application has been made to the said Authority,  
under rule 4 of the said Rules, by Shri Devi Bhai H. Dave,

Advocate for appointment as a Notary to practise in Bhavnagar.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(32)/86-Judl.]

का. आ. 1117.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री उगम राज भंडारी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जयपुर में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(33)/86-न्या.]

S.O. 1117.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ugam Raj Bhandari, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jaipur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(33)/86-Judl.]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

का. आ. 1118.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आनंद बिहारी लाल, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जयपुर (राजस्थान) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(34)/86-न्या.]

New Delhi, the 7th March, 1986

S.O. 1118.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Anand Beharilal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jaipur.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(34)/86-Judl.]

का. आ. 1119.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री एस. बी. पोवना एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कोडगु (कर्नाटक) व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(35)/86-न्या.]

S.O. 1119.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri M. B. Poovana, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kodagu, (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 15(35)/86-Judl.]

का. आ. 1120.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री महेंद्र कल्याणजी गेलानी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे संपूर्ण भारत में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(36)/86-न्या.]

S.O. 1120.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Mahendra Kalyanji Ghelani, Advocate for appointment as a Notary to practise in whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(36)/86-Judl.]

का. आ. 1121.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमती मीन महेंद्र गेलानी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे संपूर्ण भारत में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्त किया जाए।

2. उक्त व्यक्ति की नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(37)/86-न्या.]

आर. एन. पौडार, सक्षम प्राधिकारी

S.O. 1121.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Mrs. Mina Mahendra Ghelani, Advocate for appointment as a Notary to practise in whole of India.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F.5(37)/86 Judl.]

R. N. PODDAR, Competent Authority.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेशन मन्त्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1986

का. आ. 1122.—केन्द्रीय सरकार, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 25 की उपधारा (1) (अ)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित सहायक लोक अभियोजकों को, भारत के किसी भी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में जिसको पूर्वोक्त धारा के उपबन्ध लागू होते हैं, मजिस्ट्रेटों के न्यायालयों के समक्ष दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा संस्थित मामलों के लिए संचालन के सहायक लोक अभियोजक नियुक्त करती है।

1. श्री महेंद्र प्रताप सिंह
2. श्री ठाकुरी
3. श्री दिनेश कुमार सक्सेना ।

[संख्या 225/13/85-ए.वी.डी. II]

#### MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 3rd March, 1986

S.O. 1122.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) (A) of section 25 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints the following Assistant Public Prosecutors, Central Bureau of Investigation as Assistant Public Prosecutors for the conduct of cases instituted by the Delhi Special Police Establishment before the courts of Magistrates in any State or Union Territory of India to which the provision of the aforesaid section apply.

1. Shri Mahendra Pratap Singh.
2. Sh. Thakuri.
3. Sh. Dinesh Kumar Saxena.

[No. 225/13/85-AVD. II]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

का. आ. 1123—केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उपधारा (8) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के निम्नलिखित अभियोजकों को, भारत के किसी भी राज्य या संघ राज्य क्षेत्र में जिसको उक्त धारा के उपबन्ध लागू होते हैं, विधि द्वारा स्थापित विचारण न्यायालयों में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन द्वारा संस्थित मामलों के और विधि द्वारा स्थापित पुनरीक्षण या अपील न्यायालयों में इन मामलों से उत्पन्न होने वाली अपीलों, पुनरीक्षणों और अन्य विषयों के, संचालन के लिए विशेष लोक अभियोजक नियुक्त करती है:

सर्वेभ्यो

1. एम. आर. पंडे
2. वाई. के. सक्सेना
3. टी. पी. सिन्हा
4. डी. सी. सरकार
5. ए. बी. सोमसुन्दरम
6. वी. त्यागराजन
7. वी. ए. चैगप्पा
8. एन. के. सत्यदाम
9. ज्योति-स्वरूप शर्मा
10. जतिन्दर सिंह वाडिया
11. वी. डी. शर्मा
12. पून चन्द्र
13. मनोरजन प्रसाद सिंह
14. जितेन्द्र बहादुर सिंह
15. एस. के. शर्मा
16. जे. के. नन्दा
17. टी. एन. वीरकुमार
18. एम. कल्याण सुन्दरम

19. बी. एन. राहुवंशी
20. ब्रिजमोहन प्रसाद सिंह
21. राजपाल सिंह
22. एम. धनपालन
23. वी. पंचपकेसन
24. अमर सिंह
25. तेजपाल सिंह
26. एस. के. सक्सेना
27. एन. सी. पंडा
28. सतीश कुमार जैन
29. डी. के. पांडेय
30. वाई. के. कर्होल
31. एम. एम. कुमार रेड्डी

[सं. 225/13/85-ए.वी.डी-II]

एम. एस. प्रसाद, अवर सचिव

New Delhi, the 7th March, 1986

S.O. 1123.—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) the Central Government hereby appoints the following Prosecuting Officers, Central Bureau of Investigation, as Special Public Prosecutors for the conduct of cases instituted by Delhi Special Police Establishment in trial courts, and appeals, revisions or other matters arising out of these cases in revisional or appellate Courts, established by law in any State or Union Territory of India to which the provisions of the aforesaid section apply :—

S/Shri

1. S. R. Pande,
2. Y. K. Saxena
3. T. P. Sinha,
4. D. C. Sarkar,
5. A. V. Soma Sundaram,
6. V. Thyagarajan,
7. B. A. Chengappa,
8. N. K. Satya Das,
9. Jyoti Swaroop Sharma,
10. Jitinder Singh Wadia,
11. V. D. Sharma,
12. Phool Chandra,
13. Monoranjan Prasad Singh,
14. Jitendra Bahadur Singh,
15. S. K. Sharma,
16. J. K. Nanda,
17. T. L. Veera Kumar,
18. S. Kalyanasundaram,
19. B. S. Rahuvanshi,
20. Brij Mohan Prasad Singh,
21. Raj Pal Singh,
22. S. Dhanapalan,
23. V. Panchapakesan,
24. Amar Singh,
25. Tej Pal Singh,
26. S. K. Saxena,
27. N. C. Panda,
28. Satish Kumar Jain,
29. D. K. Pandey,
30. Y. K. Kahol,
31. S. M. Kumar Reddy.

[No. 225/13/85-AVD.II]

M. S. PRASAD, Under Secy.

का. आ. 1124.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक और अनुच्छेद 148 के खंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा-परिक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक से परामर्श करके के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) संशोधन नियम, 1986 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 18 में (क) उपनियम (2) के पश्चात् विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि सरकारी सेवक द्वारा विहित प्राधिकारी की पूर्वे मंजूरी अभिप्राप्त की जाएगी यदि ऐसी कोई संभवहार ऐसे व्यक्ति के साथ हो जिससे उसका शासकीय व्यवहार है।”

- (ख) उपनियम (3) के पश्चात् विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि सरकारी सेवक द्वारा विहित प्राधिकारी की पूर्वे मंजूरी अभिप्राप्त की जाएगी, यदि ऐसा कोई संभवहार ऐसे व्यक्ति के साथ हो जिससे उसका शासकीय व्यवहार है।”

[संख्या 11013/11/85-स्था. (क)]  
प्र. जयरामन, निदेशक

S.O. 1124.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Conduct) Amendment Rules, 1986.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 18 of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964:

- (a) after sub-rule (2), for the existing proviso the following proviso shall be substituted namely :—

“Provided that the previous sanction of the prescribed authority shall be obtained by the Government servant if any such transaction is with a person having official dealings with him.”

- (b) after sub-rule (3), for the existing proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided, that the previous sanction of the prescribed authority shall be obtained by the Government servant if any such transaction is with a person having official dealings with him.”

[No. 11013/11/85-Estt.(A)]  
A. JAYARAMAN, Director

### वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1986

(आयकर)

का. आ. 1125.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23ग) के उपखंड (v) द्वारा प्राप्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा उक्त धारा के प्रयोजनार्थ “श्री दुर्गियाना समिति, अमृतसर” को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत आनिवासी श्रवधि के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 6592/फा. सं. 197क/155/82-आ. क. नि. I]

आर. के. तिवारी, अवर सचिव

### MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Delhi, the 12th February, 1986

#### (INCOME-TAX)

S.O. 1125.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Shri Durganna Committee, Amritsar” for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6592/F. No. 197A/155/82-IT(AI)]

R. K. TEWARI, Under Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1986

का. आ. 1126.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एनद्द्वारा, श्री एन. एम. कौशिक को, जिनकी धारा 11 की उपधारा (1) के अन्तर्गत तीन वर्ष की नियुक्ति की पहली की श्रवधि 13-10-1985 को समाप्त हो गई थी, 14-10-85 (पूर्वाह्न) को प्रारम्भ होने वाली और 14-10-1985 (अपराह्न) को समाप्त होने वाली श्रवधि के लिए हस्ताती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, कोटा का पुनः मध्यस्थ नियुक्त करती है।

[सं. एफ. 2-26/85-आर. आर. बी.]

च. बा. मीरचंदानी, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, 17th February, 1986

S.O. 1126.—In exercise of the powers conferred by sub-section 2 of Section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby re-appoints Shri L. M. Kaushik as the Chairman of Hadoti Ashetriya Gramin Bank, Kota whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of Section 11 had expired on 13-10-1985 for a period commencing from 14-10-85 (FN) and ending with 14-10-85 (AN).

[No. F. 2-26/85-RRB]

C. W. MIRCHANDANI, Director

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

का. आ. 1127.—भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ग) के उपखंड (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली के अवर सचिव, श्री शरद केलकर को डा. विमल जालान के स्थान पर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक का निवेशक नामित करती है।

[संख्या एफ. 7/3/86-वित्त. आ. -1]

New Delhi the 7th March, 1986

S.O. 1127.—In pursuance of sub-clause (i) of clause (c) of sub-section (1) of section 6 of the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964), the Central Government hereby nominates Shri S. M. Kelkar, Additional



Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi as the Director of the Industrial Development Bank of India vice Dr. Bimal Jalan.

[No. F-7/3/86-B.O. I]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का. आ. 1128.—निधेय बीमा निगम (संशोधन) अधिनियम, 1968 (1968 का 56) की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा मार्च, 1986 के दसवें दिन को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस दिन उक्त अधिनियम की धारा 5 का खंड (ii) लागू होगा।

[संख्या एक. 6/1/86-बी. ओ.-I]

एस. एस. हसूरकर, निदेशक

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1128.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 1 of the Deposit Insurance Corporation (Amendment) Act, 1968 (56 of 1968), the Central Government hereby appoints the 10th day of March, 1986, as the date on which clause (ii) of section 5 of the said Act shall come into force.

[No. F. 6/1/86-BO I]

S. S. HASURKAR, Director

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1986

सं. 211/86-सीमा-शुल्क

का. आ. 1129:—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महाराष्ट्र राज्य के कोल्हापुर जिले में कोल्हापुर को भाण्डागार स्टेशन घोषित करता है।

[फा.सं. 473/670/85-सीमा-शुल्क-VII]

संदीप जोशी, प्रवर सचिव

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

New Delhi, the 22nd March, 1986

NO. 211/86-CUSTOMS

S.O. 1129.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Kolhapur in District Kolhapur in the State of Maharashtra to be a warehousing station.

[F. No. 473/670/85-Cus. VII]

SANDEEP JOSHI, Under Secy.

(केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समाहर्तालय)

हैदराबाद, 27 जनवरी, 1986

अधिसूचना सं. 1/86

का. आ. 1130.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 5 के अध्यावीन सुझाव प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, आर. गोपालनाथन, समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, हैदराबाद एतद्वारा दिनांक 16-12-1985 को केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समाहर्ता हैदराबाद द्वारा जारी अधिनियम सं. 2/85 को तात्कालिक प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

[फा. सं. सी. सं. IV/16/15/86-एम. पी.]

आर. गोपालनाथन, समाहर्ता

(Office of the Collector of Central Excise)

Hyderabad, the 27th January, 1986

NOTIFICATION NO. 1/86

S.O. 1130.—In exercise of the powers conferred upon me under Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I R. Gopalnathan, Collector of Central Excise, Hyderabad, hereby rescind the Notification No. 2/85 of Collector of Central Excise, Hyderabad dated 16-12-1985 with immediate effect.

[File C. No. IV/16/15/86-MP]

R. GOPALNATHAN, Collector

(केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समाहर्ता का कार्यालय)

मदुरै, 30 जनवरी, 1986

अधिसूचना सं. 2/86

का. आ. 1131.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 5 से प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, के. शंकररामन, समाहर्ता, केन्द्रीय-उत्पाद शुल्क, मदुरै, इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, 1944 के नियम 173K, 173L, 173M तथा 173N, अनुज्ञप्ति ग्राहियों से उत्पाद कर लगाने योग्य मालों का प्राप्ति की घोषणा का आदेश देते हुए अधिसूचना सं. 201/79 दिनांक-04-06-1979 और इसकी जैसी अधिसूचनाओं के अनुसार उचित अधिकारों के सामने दायरणीय डी.3 सूचना की प्रस्तुति में विवर्धन के संक्षमण के विषय में, समाहर्ता के अधिकारों को प्रत्यार्थित करते हुए इस समाहर्तालय की अधिसूचना संख्या 2/85 दिनांक [05-09-1985 को विवर्धन करता हूँ।

[फाइल सी. सं. 4/16/6/82-सी. एक्स. 2]

के. शंकररामन, समाहर्ता,

(Office of the Collector of Central Excise)

Madurai, the 30th January, 1986

NOTIFICATION No. 2/86

S.O. 1131.—In exercise of the powers conferred upon me, under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I, K. Sankararaman, Collector of Central Excise, Madurai hereby rescind this Collectorate Notification No. 2/85 dated 5-9-85 delegating the power of Collector to Range Superintendents and Divisional Assistant Collectors, in the matter of condonation of delay in presentation of D.3 intimation required to be filed with the proper officer in terms of Rules 173K, 173L, 173M & 173N of Central Excise Rule, 1944 and Notification No. 201/79 dated 4-6-79 and similar other Notifications requiring licensees to file declaration of receipt of excisable goods.

[F. C. No. IV/16/6/82- CX. 2]

K. SANKARAMAN, Collector

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय: मध्यप्रदेश)

इंदौर, 4 मार्च, 1986

अधिसूचना संख्या 2/86

का. आ. 1132.—मध्यप्रदेश समाहर्तालय, इंदौर के श्री पी. पी. इफाडे, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क समूह 'ख' 31-1-86 के अपराह्न में शासकीय सेवा में स्वेच्छिक सेवा निवृत्त हुए।

[फा. सी. सं. II (3) 2-गोप/86/1259]

एस. सी. रामकृष्णन, समाहर्ता

Indore, the 4th March, 1986

NOTIFICATION NO. 2/86

S.O. 1132.—Shri P. P. Dafade, Superintendent, Central Excise Group 'B' of Central Excise Collectorate, Indore has voluntarily retired from the Government service in the afternoon of 31-1-1986.

[F. C. No. II(3) 2-Con/86/1259]

S. V. RAMAKRISHNAN, Collector

उद्योग मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1986

का.प्र. 1133.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उपधारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस अधिसूचना के अनुलग्नक में उल्लिखित उपक्रमों के पंजीकरण को, उक्त उपक्रमों के वह उपक्रम होने पर, जिन पर उक्त अधिनियम के अध्याय-III के भाग क के उपबन्ध अब लागू नहीं होते हैं, के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

अधिसूचना सं. 16/12/86-एम.-3 का अनुलग्नक

| क्र. सं.  | उपक्रम का नाम   | पंजीकृत पता | पंजीकरण संख्या |
|---|---|-------------|----------------|
| 1. मै. पटेल फिल्टर्स लि.                          | 5/1/2, जी. आई. डी. सी<br>इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, वातवा.<br>अहमदाबाद-382445 |             | 1732/84        |
| 2. मै. बम्बई काटन लि.                             | 104, भारत हाउस, 5वीं मंजिल.<br>बम्बई समाचार मार्ग, बम्बई-400023         |             | 645/70         |
| 3. मै. असम कम्पनी (इंडिया) लि.                    | मैजान टी एस्टेट, पी. ओ. डिब्रुगढ़ असम                                   |             | 1515/81        |
| 1. मै. चिका लि.<br>(भूतपूर्व ब्रीस्टल बोट्स लि.)  | इन्डस्ट्रीयल एश्युरन्स बिल्डिंग,<br>5वीं मंजिल, चर्चगेट, बम्बई-400020   |             | 1358/77        |
| 5. मै. विन्डसर फूड्स लि.                          | नेशनल हाइवे नं. 8, मकरपुरा<br>वडोदरा-390014                             |             | 1361/78        |
| 6. मै. विराज इन्वेस्टमेंट्स प्रा. लि.             | इन्डस्ट्रीयल एश्युरन्स बिल्डिंग,<br>5वीं मंजिल, चर्चगेट, बम्बई-400020   |             | 2273/85        |
| 7. मै. भूपत इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस<br>प्रा. लि. | —यथोपरि—  |             | 2270/85        |
| 8. मै. डिस्ट्रीब्यूटर्स (वडोदरा) प्रा. लि.        | नेशनल हाइवे नं. 8, मकरपुरा,<br>वडोदरा-390014                            |             | 2268/85        |
| 9. मै. भारत मार्केटिंग एंड<br>एडवर्टाइजिंग कम्पनी | विपीन और ग्रसील्व में नहीं  |             | 291/70         |
| 10. मै. राज कमर्शियल कॉर्पोरेशन                   | —यथोपरि—  |             | 232/70         |
| 11. मै. स्वास्तिक फार्मसी                         | —यथोपरि—  |             | 275/70         |

[सं. 16(12)/86-एम.-3]

एम. सी. गोयल, अवर सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Company Affairs)  
New Delhi, the 28th February, 1986

S.O. 1133.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969

(54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of the undertakings mentioned in the Annexure to this notification, the said undertakings being undertakings to which the provisions of Part A Chapter III of the said Act no longer apply.

ANNEXURE TO THE NOTIFICATION NO. 16/12/86 M-III

| S. No. | Name of the Undertakings                       | Registered address   | Registration No. |
|--------|--|--|------------------|
| 1.     | M/s. Patel Filters Ltd.                        | 5/1/2, G.I.D.C Industrial Estate, Vatva, Ahmedabad-382445.         | 1732/84          |
| 2.     | M/s. Bombay Cotton Ltd.                        | 104, Bharat House, 5th floor, Bombay Samachar Marg, Bombay-400023. | 645/70           |
| 3.     | M/s. Assam Company (India) Ltd.                | Maijan Tea Estate P.O. Dibrugarh Assam.                            | 1515/81          |
| 4.     | M/s. Chika Ltd. (Formerly Bristol Boats Ltd.)  | Industrial Assurance Bldg., 5th floor, Churchgate, Bombay-400010   | 1358/77          |
| 5.     | M/s. Windsor Foods Ltd.                        | National Highway No. 8, Makarpura, Vadodara-390014.                | 1361/78          |
| 6.     | M/s. Viraj Investments Pvt. Ltd.               | Industrial Assurance Bldg., 5th floor Churchgate, Bombay-400020.   | 2273/85          |
| 7.     | M/s. Bhupat Investment & Finance Pvt. Ltd.     | Do-  | 2270/85          |
| 8.     | M/s. Distributors (Baroda) Pvt. Ltd.           | National Highway No. 8 Makarpura, Baroda-390014.                   | 2268/85          |
| 9.     | M/s. Bharat Marketing and Advertising Company. | Dissolved and no longer in existence.                              | 291/70           |
| 10.    | M/s. Raj Commercial Corporation                | -Do-   | 232/70           |
| 11.    | M/s. Swastik Pharmacy                          | -Do-   | 275/70           |

[No. 16/12/86-M.III]

L. C. GOYAL, Under Secy.

## उद्योग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

सं. आ. 1134.—आधिकार तथा प्रबोधक, व्यापारिक न्यायहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस अधिसूचना के अनुलग्नक में उल्लिखित उपक्रमों के पंजीकरण को, उक्त उपक्रमों के यह उपक्रम होने पर, जिन पर उक्त अधिनियम के अध्याय-III के भाग क के उपबंध प्रबल नहीं होते हैं, के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

अधिसूचना सं. 16/12/86-एम.-3 का अनुलग्नक

| क्रम सं. | उपक्रम का नाम                               | पंजीकृत पते  | पंजीकरण संख्या |
|----------|---|--|----------------|
| 1        | अवंतिका इन्वेस्टमेंट्स प्रा. लि.            | गणेशनाथ चैम्बरस, तूमरी मंजिल, आश्रम रोड, अहमदाबाद-380014   | 2138/84        |
| 2        | फोरमैक इंजिनियरिंग लि.                      | धरतानिया एस्टेट कंजूर ईस्ट बम्बई-400078  | 1463/79        |
| 3        | उमू जी फोर्ज एंड ए-एलाइव इंस्ट्रुमेंट्स लि. | सेंट्रल बैंक बिल्डिंग, महात्मा गांधी रोड, बम्बई-400001   | 1445/79        |
| 4        | शेरवानी सुगर सिंडीकेट लि.                   | 28-माधुय रोड, अलाहाबाद (यू.पी.)  | 2172/85        |
| 5        | केप्रीहंस इंडिया लि.                        | न्याक-डी, शिवसागर एस्टेट, डा. एनीबेसेंट रोड, वर्मी, बम्बई-400018   | 1308/76        |
| 6        | श्री राम एस्टेट लि.                         | श्री राम मिल्स फाउंड्री ऑफिस श्री राम एस्टेट परसीसेस, सूरत नवमारी रोड, पो. आ. बड़ोदा रेयन उद्यता, जिला सूरत (गुजरात) | 580/70         |
| 7        | हाइड्रोलिक एंड जनरल इंजीनियर्स लि.          | 203, अरुन चैम्बरस, तूमरी मंजिल, जे. दादाजी रोड, तारदेव, बम्बई-400034   | 1295/76        |
| 8        | बिकलवाट ऑफ इंडिया लि.                       | अनन्द-सुजिता रोड, पो. आ. कर्मसाद-388 325 गुजरात  | 2256/85        |
| 9        | मिल्कफूड लि.                                | पो. आ. बहादुरगढ़-147002 जिला—पटियाणा (पंजाब)   | 2069/84        |

[सं. 16/12/86-एम.-3]

एल. सी. गोयल, धवर मन्त्रि

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 7th March, 1986

S.O. 1134.—In pursuance of Sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of the undertakings mentioned in the Annexure to this notification, the said under-

takings being undertakings to which the provisions of Part A Chapter III of the said Act no longer apply.

Annexure to the Notification No. 16/12/86 M-III

| S. No. | Names of the Undertakings            | Registered address   | Registration No. |
|--------|--------------------------------------|--|------------------|
| 1.     | Avantika Investments Pvt. Ltd.       | Parshwnath Chambers, 2nd floor, Ashram Road, Ahmedabad-380014.   | 2138/84          |
| 2.     | Formac Engineering Ltd.              | Bharthania Estate Kanjur East Bombay-400078.   | 1463/79          |
| 3.     | WG Forge & Allied Industries Limited | Central Bank Buildings, Mahatma Gandhi Road, Bombay-400001.  | 1445/79          |
| 4.     | Shervani Sugar Syndicate Ltd.        | 28-South Road, Allahabad (U.P.)  | 2172/85          |
| 5.     | Caprihans India Ltd.                 | Block-D, Shivsagar Estate, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400018.  | 1308/76          |
| 6.     | Shree Ram Estate Ltd.                | Shree Ram Mills Foundry Office, Shree Ram Estate Premises, Surat Naysair Road, P.O. Baroda Rayon Udhna Distt. Surat (Gujarat). | 580/70           |
| 7.     | Hydraulic & General Engineers Ltd.   | 203, Arun Chambers, 2nd floor, J. Dadaji Road, Tardeo, Bombay-400034   | 1295/76          |
| 8.     | Beclawat of India Ltd.               | Anand-Sojitra Road, PO Karamsad-388325. Gujarat  | 2256/85          |
| 9.     | Milkfood Limited                     | P.O. Bahadur-garh-147002 Distt. Patiala (Punjab).  | 2069/84          |

[No. 16/12/86—M. III]  
L.C. GOYAL, Under Secy.

## पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1986

सं. आ. 1135.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सीधामण सी.टी.एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा विद्यार्थी जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3

की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना प्राण्य एनद्वारा घोषित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मृतवाही व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी.टी.एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात . जिला : साबरकांठा . तालुका : हिमनगर .

| गांव    | ब्लॉक नं. | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे | सेन्टीयर |
|---------|-----------|-----------|----------|-----|----------|
| हाजिपुर | 325       | 248       | 0        | 25  | 09       |
|         | 328       | 247/P     | 0        | 09  | 14       |
|         | 329       | 249       | 0        | 01  | 01       |
|         | 333       | 254/1     | 0        | 19  | 24       |
|         | 334       | 254/2     | 0        | 04  | 41       |
|         | 332       | 253/P     | 0        | 09  | 11       |
|         | 338       | 259/1     | 0        | 11  | 61       |
|         | 337       | 259/2/P   | 0        | 11  | 44       |
|         | 339       | 260       | 0        | 16  | 42       |
|         | 341       | 261       | 0        | 19  | 60       |
|         | 341       | 265       | 0        | 13  | 28       |

[सं. O-12016/27/86-ओएनजी-डी 4]

#### MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 13th March, 1986

S.O. 1135.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra - (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sabhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Sabarkantha Taluka : Himatnagar

| Village | Block No. | Survey No. | Hec-tare | Are | Centi-are |
|---------|-----------|------------|----------|-----|-----------|
| Hajipur | 325       | 248        | 0        | 25  | 09        |
|         | 328       | 247/P      | 0        | 09  | 14        |
|         | 329       | 249        | 0        | 01  | 01        |
|         | 333       | 254/1      | 0        | 19  | 24        |
|         | 334       | 254/2      | 0        | 04  | 41        |
|         | 332       | 253/P      | 0        | 09  | 11        |
|         | 338       | 259/1      | 0        | 11  | 61        |
|         | 337       | 259/2/P    | 0        | 11  | 44        |
|         | 339       | 260        | 0        | 16  | 42        |
|         | 341       | 261        | 0        | 18  | 60        |
|         | 341       | 265        | 0        | 13  | 28        |

[No. O-12016/27/86-ONG-D4]

का. भा. 1136.—यहां केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन-सी.टी.एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी साहनों के प्रयोजन के लिये एनद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना प्राण्य एनद्वारा घोषित किया है।

वर्णन कि उक्त भूमि में हितवन्त कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी मृतवाही व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य :—गुजरात जिला :— साबर कांठा तालुका :—हिमनगर

| गांव   | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आरे | सेन्टीयर |
|--------|-----------|----------|-----|----------|
| जिमोड़ | 73        | 0        | 00  | 27       |
|        | 56        | 0        | 27  | 56       |
|        | 55        | 0        | 21  | 60       |
|        | 54        | 0        | 00  | 35       |
|        | 53        | 0        | 32  | 91       |
|        | 50        | 0        | 19  | 93       |
|        | 51        | 0        | 17  | 03       |

[सं. O-12016/28/86-ओएनजी-डी 4]

S.O. 1136.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Sabarkantha Taluka : Himatnagar

| Village | Survey No. | Hec-<br>tare | Are | Centi-<br>are |
|---------|------------|--------------|-----|---------------|
| Jitod   | 73         | 0            | 00  | 27            |
|         | 56         | 0            | 27  | 56            |
|         | 55         | 0            | 21  | 60            |
|         | 54         | 0            | 00  | 35            |
|         | 53         | 0            | 32  | 91            |
|         | 50         | 0            | 19  | 93            |
|         | 51         | 0            | 17  | 03            |

[No. O—12016/28/86-ONG-D4]

का.भा. 1137.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन-सी.टी.एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

इससे कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति निर्निश्चितः से यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

1668 GI 85—2

#### अनुसूची

सोभासन सी.टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए ।

राज्य : गुजरात जिला : साबरकांठा तालुका : हिममत नगर

| गांव         | सर्वे नं. | हेक्टर | आरे | सेन्टीयर |
|--------------|-----------|--------|-----|----------|
| बोरीया खुर्द | 51        | 0      | 07  | 87       |
|              | 52        | 0      | 14  | 10       |
|              | 53        | 0      | 11  | 30       |
|              | 54        | 0      | 00  | 90       |

[सं. O-12016/29/86-ओएनजी-डी 4]

S.O. 1137.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Sabarkantha Taluka : Himatnagar

| Village     | Survey No. | Hec-<br>tare | Are | Centi-<br>are |
|-------------|------------|--------------|-----|---------------|
| Boria Khurd | 51         | 0            | 07  | 87            |
|             | 52         | 0            | 14  | 10            |
|             | 53         | 0            | 11  | 30            |
|             | 54         | 0            | 00  | 90            |

[No. O—12016/29/86—ONG-D4]

का.भा. 1138.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी.टी.एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाईपलाईन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के लिये एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से ही या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी.टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य:—गुजरात जिला:—साबरकांठा तालुका:—हिममतनगर

| गांव         | सर्वे. नं. | हेक्टर | घर. | सेन्टीयर |
|--------------|------------|--------|-----|----------|
| 1            | 2          | 3      | 4   | 5        |
| नावरीपैठापुर | 271/2      | 0      | 20  | 10       |
|              | 256        | 0      | 01  | 89       |
|              | 270        | 0      | 19  | 30       |
|              | 269        | 0      | 03  | 06       |
|              | 257/पी     | 0      | 17  | 61       |
|              | 260/पी     | 0      | 37  | 20       |
|              | 261/पी     | 0      | 23  | 43       |
|              | 189        | 0      | 27  | 96       |
|              | 189        | 0      | 00  | 39       |
|              | 190        | 0      | 20  | 01       |
|              | 191        | 0      | 03  | 65       |
|              | 191        | 0      | 00  | 19       |
|              | 192        | 0      | 15  | 05       |
|              | 177/पी     | 0      | 23  | 89       |
|              | 176        | 0      | 12  | 72       |
|              | 159/पी     | 0      | 18  | 08       |
|              | 158        | 0      | 18  | 13       |
|              | 157        | 0      | 19  | 46       |
|              | 161        | 0      | 00  | 07       |
|              | 118        | 0      | 23  | 74       |
|              | 118        | 0      | 00  | 18       |
|              | 120        | 0      | 01  | 43       |
|              | 123        | 0      | 00  | 22       |
|              | 122        | 0      | 22  | 13       |
|              | 130        | 0      | 21  | 84       |
|              | 131        | 0      | 15  | 45       |
|              | 133        | 0      | 02  | 20       |
|              | 135        | 0      | 03  | 85       |
|              | 134        | 0      | 10  | 75       |

[सं. O-12016/30/86-ओएनजी-डी 4]

S.O. 1138.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government

hereby declares its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission. Construction & Maintenance Division Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy  
State : Gujarat District : Sabarkantha Taluka : Himatnagar

| Village         | Survey No. | Hec-<br>tare | Are | Centi-<br>are |
|-----------------|------------|--------------|-----|---------------|
| 1               | 2          | 3            | 4   | 5             |
| Nadari Pethapur | 271/2      | 0            | 20  | 10            |
|                 | 256        | 0            | 01  | 89            |
|                 | 270        | 0            | 19  | 30            |
|                 | 269        | 0            | 03  | 06            |
|                 | 257/P      | 0            | 17  | 61            |
|                 | 260/P      | 0            | 37  | 20            |
|                 | 261/P      | 0            | 23  | 43            |
|                 | 189        | 0            | 27  | 96            |
|                 | 189        | 0            | 00  | 39            |
|                 | 190        | 0            | 20  | 01            |
|                 | 191        | 0            | 03  | 65            |
|                 | 191        | 0            | 00  | 19            |
|                 | 192        | 0            | 15  | 05            |
|                 | 177/P      | 0            | 23  | 89            |
|                 | 176        | 0            | 12  | 72            |
|                 | 159/P      | 0            | 18  | 08            |
|                 | 158        | 0            | 18  | 13            |
|                 | 157        | 0            | 19  | 46            |
|                 | 161        | 0            | 00  | 07            |
|                 | 118        | 0            | 23  | 74            |
|                 | 118        | 0            | 00  | 18            |
|                 | 120        | 0            | 01  | 43            |
|                 | 123        | 0            | 00  | 22            |
|                 | 122        | 0            | 22  | 13            |
|                 | 130        | 0            | 21  | 84            |
|                 | 131        | 0            | 15  | 45            |
|                 | 133        | 0            | 02  | 20            |
|                 | 135        | 0            | 03  | 85            |
|                 | 134        | 0            | 10  | 75            |

[No. O-12016/30/86-ONG-D4]

का. भा. 1139.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी.टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्भाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः मध्य पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का मपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी.टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य :—गुजरात जिला :—साबरकांठा तालुका :—प्रतिज

| गांव   | सर्वे नं. | हेक्टर | घारे | सेन्टीयर |
|--------|-----------|--------|------|----------|
| काटवाड | 40        | 0      | 13   | 00       |
|        | 41        | 0      | 07   | 13       |
|        | 44        | 0      | 00   | 14       |
|        | 45/2      | 0      | 15   | 98       |
|        | 45/1      | 0      | 03   | 60       |
|        | 46/2      | 0      | 07   | 17       |
|        | 46/1      | 0      | 09   | 62       |
|        | 60        | 0      | 09   | 00       |
|        | 58        | 0      | 05   | 49       |
|        | 59        | 0      | 12   | 74       |

[न. O-12016/31/86-ओ.एन.जी.-डी 4]

S.O. 1139.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Sabarkantha Taluka : Prantij

| Village | Survey No. | Hec-tare | Are | Centi-are |
|---------|------------|----------|-----|-----------|
| 1       | 2          | 3        | 4   | 5         |
| Katvad  | 40         | 0        | 13  | 00        |
|         | 41         | 0        | 07  | 13        |
|         | 44         | 0        | 00  | 14        |
|         | 45/2       | 0        | 15  | 98        |
|         | 45/1       | 0        | 03  | 60        |
|         | 46/2       | 0        | 07  | 17        |

| 1 | 2    | 3 | 4  | 5  |
|---|------|---|----|----|
|   | 46/1 | 0 | 09 | 62 |
|   | 60   | 0 | 09 | 00 |
|   | 58   | 0 | 05 | 49 |
|   | 59   | 0 | 12 | 74 |

[No. O—12016/31/86—ONG-D4]

का. भा. 1140.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी.टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और, यतः, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतदपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अध, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी.टी.एफ. से साबरडेरी तक पाइपलाइन बिछाने के लिए  
राज्य :—गुजरात जिला :—साबरकांठा तालुका : प्रतिज

| गांव | सर्वे नं. | हेक्टर | घारे | से. घारे |
|------|-----------|--------|------|----------|
| 1    | 2         | 3      | 4    | 5        |
| भोयव | 448       | 0      | 07   | 88       |
|      | 447       | 0      | 09   | 00       |
|      | 446       | 0      | 07   | 04       |
|      | 445       | 0      | 03   | 19       |
|      | 449       | 0      | 15   | 28       |
|      | 440       | 0      | 09   | 60       |
|      | 439       | 0      | 08   | 64       |
|      | 434       | 0      | 01   | 58       |
|      | 432       | 0      | 07   | 67       |
|      | 431       | 0      | 05   | 13       |
|      | 430       | 0      | 06   | 38       |
|      | 451       | 0      | 07   | 84       |
|      | 465       | 0      | 37   | 80       |
|      | 471       | 0      | 09   | 54       |
|      | 472       | 0      | 27   | 31       |
|      | 470       | 0      | 03   | 15       |
|      | 474       | 0      | 00   | 96       |
|      | 475       | 0      | 16   | 87       |
|      | 476       | 0      | 09   | 73       |
|      | 518       | 0      | 09   | 88       |
|      | 610       | 0      | 09   | 49       |

| 1 | 2          | 3 | 4  | 5  |
|---|------------|---|----|----|
|   | 509        | 0 | 15 | 00 |
|   | 508        | 0 | 09 | 00 |
|   | 512        | 0 | 06 | 37 |
|   | 513        | 0 | 06 | 93 |
|   | काटे ट्रैक | 0 | 02 | 21 |
|   | 590        | 0 | 05 | 10 |
|   | 594        | 0 | 21 | 75 |
|   | 598        | 0 | 11 | 09 |
|   | 595        | 0 | 05 | 64 |
|   | 597        | 0 | 14 | 17 |
|   | 599        | 0 | 02 | 32 |
|   | 608        | 0 | 17 | 38 |
|   | 609        | 0 | 03 | 09 |
|   | 606        | 0 | 25 | 71 |
|   | 631        | 0 | 06 | 49 |
|   | 639        | 0 | 01 | 49 |
|   | 632        | 0 | 25 | 61 |
|   | 637        | 0 | 13 | 81 |
|   | 638        | 0 | 11 | 14 |
|   | 636        | 0 | 00 | 40 |
|   | 635        | 0 | 06 | 60 |
|   | 655        | 0 | 01 | 01 |
|   | 667        | 0 | 20 | 74 |
|   | काटे ट्रैक | 0 | 01 | 70 |
|   | 939        | 0 | 17 | 80 |
|   | 938        | 0 | 17 | 82 |
|   | 937        | 0 | 00 | 72 |
|   | 949        | 0 | 03 | 00 |
|   | 950        | 0 | 07 | 80 |
|   | 935        | 0 | 12 | 17 |
|   | 951        | 0 | 05 | 16 |
|   | 934        | 0 | 04 | 25 |
|   | 932        | 0 | 10 | 58 |
|   | 931        | 0 | 12 | 37 |
|   | 930        | 0 | 02 | 21 |
|   | 929        | 0 | 06 | 48 |
|   | 1179       | 0 | 12 | 34 |
|   | 1180       | 0 | 11 | 70 |
|   | 1182       | 0 | 13 | 39 |
|   | 1183       | 0 | 10 | 85 |
|   | 1184       | 0 | 15 | 32 |
|   | काटे ट्रैक | 0 | 01 | 62 |
|   | 877        | 0 | 00 | 20 |
|   | 876        | 0 | 04 | 73 |
|   | 875        | 0 | 03 | 70 |
|   | 874        | 0 | 03 | 51 |
|   | काटे ट्रैक | 0 | 00 | 70 |
|   | 1185       | 0 | 05 | 14 |
|   | 1186       | 0 | 03 | 51 |
|   | 1187       | 0 | 02 | 56 |
|   | 1188       | 0 | 04 | 90 |
|   | 1189       | 0 | 06 | 27 |
|   | 1190       | 0 | 09 | 43 |
|   | 1194       | 0 | 03 | 73 |
|   | 1197       | 0 | 00 | 42 |

| 1 | 2          | 3 | 4  | 5  |
|---|------------|---|----|----|
|   | 1193       | 0 | 11 | 96 |
|   | 1241       | 0 | 12 | 32 |
|   | 1240       | 0 | 13 | 75 |
|   | 1255       | 0 | 09 | 73 |
|   | 1256       | 0 | 10 | 53 |
|   | 1253       | 0 | 24 | 37 |
|   | 1266       | 0 | 19 | 70 |
|   | 1267       | 0 | 07 | 59 |
|   | काटे ट्रैक | 0 | 02 | 32 |
|   | 1268       | 0 | 07 | 26 |
|   | 1401       | 0 | 10 | 16 |
|   | 1402       | 0 | 04 | 71 |
|   | 1403       | 0 | 03 | 70 |
|   | 1403       | 0 | 04 | 25 |
|   | 1403       | 0 | 00 | 66 |
|   | 1404       | 0 | 00 | 70 |
|   | 1404       | 0 | 04 | 83 |
|   | 1405       | 0 | 05 | 52 |
|   | 1405       | 0 | 05 | 40 |
|   | 1405       | 0 | 02 | 46 |
|   | 1405       | 0 | 03 | 63 |
|   | 1406       | 0 | 04 | 84 |
|   | 1418       | 0 | 01 | 20 |
|   | 1407       | 0 | 06 | 76 |
|   | 1408       | 0 | 05 | 25 |
|   | 1392       | 0 | 02 | 32 |
|   | 1391       | 0 | 10 | 09 |
|   | 1390       | 0 | 01 | 35 |
|   | 1386       | 0 | 17 | 28 |
|   | 1385       | 0 | 17 | 92 |

[सं. O-12016/32/86-ओ एन जो-बी 4]

S.O. 1140.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sphasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And, whereas, it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.



## SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Sabarkantha Taluka : Prantij

| Village | Block No.  | Hec-<br>tare | Are | Centi-<br>tiare |
|---------|------------|--------------|-----|-----------------|
| 1       | 2          | 3            | 4   | 5               |
| Moyad   | 448        | 0            | 07  | 88              |
|         | 447        | 0            | 09  | 00              |
|         | 446        | 0            | 07  | 04              |
|         | 445        | 0            | 03  | 19              |
|         | 449        | 0            | 15  | 28              |
|         | 440        | 0            | 09  | 60              |
|         | 439        | 0            | 08  | 64              |
|         | 434        | 0            | 01  | 58              |
|         | 432        | 0            | 07  | 67              |
|         | 431        | 0            | 05  | 13              |
|         | 430        | 0            | 06  | 38              |
|         | 451        | 0            | 07  | 84              |
|         | 465        | 0            | 37  | 80              |
|         | 471        | 0            | 09  | 54              |
|         | 472        | 0            | 27  | 31              |
|         | 470        | 0            | 03  | 15              |
|         | 474        | 0            | 00  | 96              |
|         | 475        | 0            | 16  | 87              |
|         | 476        | 0            | 09  | 73              |
|         | 518        | 0            | 09  | 88              |
|         | 510        | 0            | 09  | 49              |
|         | 509        | 0            | 15  | 00              |
|         | 508        | 0            | 09  | 00              |
|         | 512        | 0            | 06  | 37              |
|         | 513        | 0            | 06  | 93              |
|         | Cart Track | 0            | 02  | 21              |
|         | 590        | 0            | 05  | 10              |
|         | 594        | 0            | 21  | 75              |
|         | 598        | 0            | 11  | 09              |
|         | 595        | 0            | 05  | 64              |
|         | 597        | 0            | 14  | 17              |
|         | 599        | 0            | 02  | 32              |
|         | 608        | 0            | 17  | 38              |
|         | 609        | 0            | 08  | 09              |
|         | 606        | 0            | 25  | 71              |
|         | 631        | 0            | 06  | 49              |
|         | 639        | 0            | 01  | 49              |
|         | 632        | 0            | 25  | 61              |
|         | 637        | 0            | 13  | 81              |
|         | 638        | 0            | 11  | 14              |
|         | 636        | 0            | 00  | 40              |
|         | 635        | 0            | 06  | 60              |
|         | 655        | 0            | 01  | 01              |
|         | 667        | 0            | 20  | 74              |
|         | Cart track | 0            | 01  | 70              |
|         | 939        | 0            | 17  | 80              |
|         | 938        | 0            | 17  | 82              |
|         | 937        | 0            | 00  | 72              |
|         | 949        | 0            | 03  | 00              |
|         | 950        | 0            | 07  | 80              |
|         | 935        | 0            | 12  | 17              |
|         | 951        | 0            | 05  | 16              |
|         | 934        | 0            | 04  | 25              |
|         | 932        | 0            | 10  | 58              |
|         | 931        | 0            | 12  | 97              |
|         | 930        | 0            | 02  | 21              |
|         | 929        | 0            | 06  | 48              |
|         | 1179       | 0            | 12  | 34              |

| 1 | 2          | 3 | 4  | 5  |
|---|------------|---|----|----|
|   | 1180       | 0 | 11 | 70 |
|   | 1182       | 0 | 13 | 39 |
|   | 1183       | 0 | 10 | 85 |
|   | 1184       | 0 | 15 | 32 |
|   | Cart track | 0 | 01 | 62 |
|   | 877        | 0 | 00 | 20 |
|   | 876        | 0 | 04 | 73 |
|   | 875        | 0 | 03 | 70 |
|   | 874        | 0 | 03 | 51 |
|   | Cart track | 0 | 00 | 70 |
|   | 1185       | 0 | 05 | 14 |
|   | 1186       | 0 | 03 | 51 |
|   | 1187       | 0 | 02 | 56 |
|   | 1188       | 0 | 04 | 90 |
|   | 1189       | 0 | 06 | 27 |
|   | 1190       | 0 | 09 | 48 |
|   | 1194       | 0 | 03 | 73 |
|   | 1197       | 0 | 00 | 42 |
|   | 1198       | 0 | 11 | 90 |
|   | 1241       | 0 | 12 | 22 |
|   | 1240       | 0 | 13 | 26 |
|   | 1255       | 0 | 09 | 75 |
|   | 1256       | 0 | 10 | 53 |
|   | 1253       | 0 | 04 | 36 |
|   | 1266       | 0 | 19 | 71 |
|   | 1267       | 0 | 07 | 59 |
|   | Cart track | 0 | 02 | 34 |
|   | 1268       | 0 | 07 | 26 |
|   | 1401       | 0 | 10 | 16 |
|   | 1402       | 0 | 04 | 72 |
|   | 1403       | 0 | 03 | 70 |
|   | 1403       | 0 | 04 | 25 |
|   | 1403       | 0 | 00 | 66 |
|   | 1404       | 0 | 00 | 70 |
|   | 1404       | 0 | 04 | 83 |
|   | 1405       | 0 | 05 | 52 |
|   | 1405       | 0 | 05 | 40 |
|   | 1405       | 0 | 02 | 46 |
|   | 1405       | 0 | 03 | 63 |
|   | 1406       | 0 | 04 | 84 |
|   | 1418       | 0 | 01 | 20 |
|   | 1407       | 0 | 06 | 76 |
|   | 1408       | 0 | 08 | 25 |
|   | 1392       | 0 | 02 | 32 |
|   | 1391       | 0 | 10 | 09 |
|   | 1390       | 0 | 01 | 35 |
|   | 1386       | 0 | 17 | 28 |
|   | 1385       | 0 | 17 | 92 |

[No. O-12016/32/86-ONG-D4]

का. अ. 1141:—यस: केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में मोमासन-सी.टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन नाल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जायी जाहिए।

और, यतः, यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एनएफएन अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः जब, पेट्रोलियम और उचित पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्तन शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एनएफएन में घोषित किया है।

बशर्त कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के बीच पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सहन प्राधिकार, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-५ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के अन्दर कर सकता है।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित: यह भी कथन करेगा कि क्या यह बहुत है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी का मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन रा. टा. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला : साबर कान्ठा तालुका : प्रान्तिज

| गाँव         | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टेडर |
|--------------|-----------|----------|-----|----------|
| 1            | 2         | 3        | 4   | 5        |
| वाघपुर       | 356       | 1        | 14  | 81       |
|              | 267       | 0        | 22  | 64       |
|              | 276       | 0        | 27  | 48       |
|              | 275/पी    | 0        | 16  | 96       |
|              | 274/4     | 0        | 11  | 62       |
|              | 274/3     | 0        | 12  | 60       |
|              | 74/       | 0        | 23  | 93       |
| फाटे ट्रैक   | 0         | 01       | 54  |          |
| 191          | 0         | 17       | 50  |          |
| 195          | 0         | 10       | 98  |          |
| 192          | 0         | 03       | 35  |          |
| 193          | 0         | 11       | 71  |          |
| 194          | 0         | 00       | 08  |          |
| 187/5        | 0         | 14       | 35  |          |
| 186          | 0         | 14       | 70  |          |
| फाटे ट्रैक   | 0         | 01       | 14  |          |
| 185          | 0         | 00       | 14  |          |
| 12           | 0         | 03       | 98  |          |
| 15           | 0         | 19       | 47  |          |
| 14/सी/2      | 0         | 10       | 84  |          |
| 14/बी/1 + 2/ |           |          |     |          |
| पी           | 0         | 14       | 52  |          |
| 2            | 0         | 03       | 08  |          |
| 356/50       | 0         | 05       | 50  |          |
| 18           | 0         | 14       | 80  |          |
| 356/41       | 0         | 04       | 92  |          |
| 356/40       | 0         | 03       | 22  |          |
| 356/39       | 0         | 05       | 67  |          |
| 356/38       | 0         | 05       | 13  |          |
| 356/37       | 0         | 06       | 00  |          |
| 356/14       | 0         | 03       | 68  |          |
| 356/18       | 0         | 08       | 27  |          |

[सं. O- 12016/33/86- ओ एन प्री- डां 4]

S.O. 1141.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District : Sabarkantha Taluka : Prantij-

| Village | Survey no. | Hectare | Are | Centi-are |
|---------|------------|---------|-----|-----------|
| 1       | 2          | 3       | 4   | 5         |
| Waghpur | 356        | 1       | 14  | 81        |
|         | 267        | 0       | 22  | 64        |
|         | 276        | 0       | 27  | 48        |
|         | 275/P      | 0       | 16  | 96        |
|         | 274/4      | 0       | 11  | 62        |
|         | 274/3      | 0       | 12  | 60        |
|         | 274/2      | 0       | 23  | 93        |
|         | Cart track | 0       | 01  | 54        |
|         | 191        | 0       | 17  | 50        |
|         | 195        | 0       | 10  | 98        |
|         | 192        | 0       | 03  | 25        |
|         | 193        | 0       | 11  | 71        |
|         | 194        | 0       | 00  | 08        |
|         | 187/5      | 0       | 14  | 35        |
|         | 186        | 0       | 14  | 70        |
|         | Cart track | 0       | 01  | 14        |
|         | 185        | 0       | 00  | 14        |
|         | 12         | 0       | 03  | 88        |
|         | 15         | 0       | 19  | 47        |
|         | 14/C/2     | 0       | 10  | 84        |
|         | 14/B/1+2/P | 0       | 14  | 52        |
|         | 2          | 0       | 03  | 08        |
|         | 356/50     | 0       | 05  | 50        |
|         | 18         | 0       | 14  | 80        |
|         | 356/41     | 0       | 04  | 92        |
|         | 356/40     | 0       | 03  | 22        |
|         | 356/39     | 0       | 05  | 67        |
|         | 356/38     | 0       | 05  | 13        |
|         | 356/37     | 0       | 06  | 00        |
|         | 356/14     | 0       | 03  | 68        |
|         | 356/18     | 0       | 08  | 27        |

[No. O-12016/33/86-ONG-D4]

का. आ. 1142.—यतः, केन्द्रिय सरकार को यह प्रस्ताव होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन-सो. टा. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जाना चाहिए।

और, यतः, यह प्रस्ताव होता है कि एता पाइपलाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम, 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आग्रह एतद्वारा घोषित किया है।

बनते कि उक्त भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति, उस भूमि के लिये पाइप लाइन बिछाने के लिए आश्रय सक्षम प्राधिकार, सैन तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना का तारख से 21 दिनों के भीतर ज्ञात करेगा।

और ऐसा आश्रय करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसका सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विशिष्ट व्यवसायी को मार्केट।

अनुसूची

सोमासन सी. टी. एफ. से साबर डायरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए राज्य : गुजरात जिला : साबर कान्ठा तालुका : प्रान्तज

| गाँव | सर्वे नं. | हेक्टेयर | आर. | सेन्टेयर |
|------|-----------|----------|-----|----------|
| 1    | 2         | 3        | 4   | 5        |
| सोपड | 90/2      | 0        | 04  | 23       |
|      | 101/1     | 0        | 07  | 60       |
|      | 101/2     | 0        | 19  | 58       |
|      | 296       | 0        | 01  | 50       |
|      | 112       | 0        | 08  | 50       |
|      | 113       | 0        | 12  | 24       |
|      | 114/1     | 0        | 03  | 95       |
|      | 116/2     | 0        | 00  | 07       |
|      | 115/2     | 0        | 06  | 66       |
|      | 115/1     | 0        | 09  | 60       |
|      | 122/1     | 0        | 04  | 84       |
|      | 122/2     | 0        | 12  | 61       |
|      | 123/3     | 0        | 00  | 36       |
|      | 123/4     | 0        | 06  | 37       |
|      | 132/3     | 0        | 13  | 61       |
|      | 132/2     | 0        | 06  | 60       |
|      | 132/1     | 0        | 06  | 36       |
|      | 134/8     | 0        | 04  | 37       |
|      | 134/7     | 0        | 03  | 40       |
|      | 134/6     | 0        | 00  | 75       |
|      | 135/4     | 0        | 10  | 93       |
|      | 135/3     | 0        | 05  | 52       |
|      | 145/1     | 0        | 03  | 65       |
|      | 145/2     | 0        | 02  | 62       |
|      | 145/3     | 0        | 05  | 21       |
|      | 146/2     | 0        | 04  | 76       |
|      | 146/4     | 0        | 15  | 18       |
|      | 169       | 0        | 04  | 60       |
|      | 293       | 0        | 15  | 40       |
|      | 168       | 0        | 14  | 06       |
|      | 291/43    | 0        | 01  | 10       |
|      | 291/47    | 0        | 02  | 24       |
|      | 291/46    | 0        | 08  | 32       |
|      | 291/45    | 0        | 03  | 44       |
|      | 291/44    | 0        | 00  | 04       |
|      | 291/50    | 0        | 00  | 39       |
|      | 291/49    | 0        | 04  | 68       |

S.O. 1142.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra - (390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy  
State Gujarat District Sabarkantha Taluka Prantij

| Village | Survey no. | Hect. | Are | Centi-are |
|---------|------------|-------|-----|-----------|
| 1       | 2          | 3     | 4   | 5         |
| Sopad   | 90/2       | 0     | 04  | 23        |
|         | 101/1      | 0     | 07  | 60        |
|         | 101/2      | 0     | 19  | 58        |
|         | 296        | 0     | 01  | 50        |
|         | 112        | 0     | 08  | 50        |
|         | 113        | 0     | 12  | 24        |
|         | 114/1      | 0     | 02  | 95        |
|         | 116/2      | 0     | 00  | 07        |
|         | 115/2      | 0     | 06  | 66        |
|         | 115/1      | 0     | 09  | 60        |
|         | 122/1      | 0     | 04  | 84        |
|         | 122/2      | 0     | 12  | 61        |
|         | 123/3      | 0     | 00  | 36        |
|         | 123/4      | 0     | 06  | 37        |
|         | 132/3      | 0     | 13  | 61        |
|         | 132/2      | 0     | 06  | 60        |
|         | 132/1      | 0     | 06  | 36        |
|         | 134/8      | 0     | 04  | 37        |
|         | 134/7      | 0     | 03  | 40        |
|         | 134/6      | 0     | 00  | 75        |
|         | 135/4      | 0     | 10  | 93        |
|         | 135/3      | 0     | 05  | 52        |
|         | 145/1      | 0     | 03  | 65        |
|         | 145/2      | 0     | 02  | 62        |
|         | 145/3      | 0     | 05  | 21        |
|         | 146/2      | 0     | 04  | 76        |
|         | 146/4      | 0     | 15  | 18        |
|         | 169        | 0     | 04  | 60        |
|         | 293        | 1     | 15  | 40        |
|         | 168        | 0     | 14  | 06        |
|         | 291/43     | 0     | 01  | 10        |
|         | 291/47     | 0     | 02  | 24        |
|         | 291/46     | 0     | 08  | 32        |
|         | 291/45     | 0     | 02  | 44        |
|         | 291/44     | 0     | 00  | 04        |
|         | 291/50     | 0     | 00  | 39        |
|         | 291/49     | 0     | 04  | 68        |

का. प्रा. 1143:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तैयार तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए ऐताद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तैयार तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, भकरपुर रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितता यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।  
राज्य : गुजरात जिला : व. तालुका : मेहसाना

| गांव   | सर्वे नं.   | हेक्टेयर | आर. | सेन्टीयर |
|--------|-------------|----------|-----|----------|
| 1      | 2           | 3        | 4   | 5        |
| पुनासन | 81          | 0        | 07  | 50       |
|        | कार्ट ट्रैक | 0        | 01  | 80       |
|        | 137         | 0        | 14  | 30       |
|        | 138         | 0        | 00  | 15       |
|        | 145         | 0        | 03  | 68       |
|        | 180         | 0        | 06  | 36       |
|        | 181         | 0        | 08  | 55       |
|        | 178         | 0        | 00  | 70       |
|        | 177         | 0        | 04  | 15       |
|        | 176         | 0        | 05  | 65       |
|        | 175         | 0        | 01  | 00       |
|        | कार्ट ट्रैक | 0        | 03  | 00       |
|        | 183         | 0        | 04  | 70       |
|        | 188         | 0        | 10  | 00       |
|        | 189         | 0        | 03  | 40       |
|        | 187         | 0        | 04  | 50       |
|        | 193         | 0        | 17  | 00       |
|        | 218         | 0        | 04  | 00       |
|        | 197         | 0        | 40  | 88       |
|        | 198         | 0        | 08  | 20       |
|        | 199         | 0        | 02  | 72       |
|        | 201         | 0        | 02  | 96       |
|        | 202         | 0        | 02  | 10       |
|        | 203         | 0        | 05  | 60       |
|        | 205         | 0        | 00  | 90       |
|        | 206         | 0        | 00  | 09       |
|        | 211         | 0        | 17  | 10       |
|        | 212         | 0        | 02  | 16       |
|        | 213         | 0        | 00  | 75       |
|        | 210         | 0        | 07  | 75       |

S.O. 1143.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy  
State : Gujarat District & Taluka : Mehsana

| Village | Survey no. | Hect. | Are | Centi-are |
|---------|------------|-------|-----|-----------|
| 1       | 2          | 3     | 4   | 5         |
| Punasan | 81         | 0     | 07  | 50        |
|         | Cart track | 0     | 01  | 80        |
|         | 137        | 0     | 14  | 30        |
|         | 138        | 0     | 00  | 15        |
|         | 145        | 0     | 03  | 68        |
|         | 180        | 0     | 06  | 36        |
|         | 181        | 0     | 08  | 55        |
|         | 178        | 0     | 00  | 70        |
|         | 177        | 0     | 04  | 15        |
|         | 176        | 0     | 05  | 65        |
|         | 175        | 0     | 01  | 00        |
|         | Cart track | 0     | 02  | 00        |
|         | 183        | 0     | 04  | 70        |
|         | 188        | 0     | 10  | 00        |
|         | 189        | 0     | 03  | 40        |
|         | 187        | 0     | 04  | 50        |
|         | 193        | 0     | 17  | 00        |
|         | 218        | 0     | 04  | 00        |
|         | 197        | 0     | 40  | 88        |
|         | 198        | 0     | 08  | 20        |
|         | 199        | 0     | 02  | 72        |
|         | 201        | 0     | 02  | 96        |
|         | 202        | 0     | 02  | 10        |
|         | 203        | 0     | 05  | 60        |
|         | 205        | 0     | 00  | 90        |
|         | 206        | 0     | 00  | 09        |
|         | 211        | 0     | 17  | 10        |
|         | 212        | 0     | 02  | 16        |
|         | 213        | 0     | 00  | 75        |
|         | 210        | 0     | 07  | 75        |

[No. O-12016/35/86-ONG-D4]

का. प्रा. 1144:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन तैयार तथा प्राकृतिक गैस प्रायोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

अंतर यत यह प्रतीत होता है कि ऐसी साइनों को विधान के प्रयोजन के लिए एनद्राश्रद्ध प्रसारणों में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रिय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना भीयन एनद्राश्रद्ध घोषित किया है।

बजने कि उक्त भूमि में स्थित कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विधान के लिए आश्रय रखे प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बडादरा-9 को इस अधिनियम की नारीक से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आश्रय करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित: यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसकी गुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि दायता की माफत।

अनुसूची

गोमामन की टो. गफ. में मानर डेरी तक पाइप लाइन विधान के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: व. तालुका: मेहसाना

| गाँव        | मर्वे न. | हेक्टर | और | सेन्ट यर |
|-------------|----------|--------|----|----------|
| 1           | 2        | 3      | 4  | 5        |
| मुलसण       | 483      | 0      | 01 | 63       |
|             | 484      | 0      | 16 | 22       |
|             | 485      | 0      | 15 | 60       |
| कार्ट ट्रैक |          | 0      | 02 | 16       |
|             | 486      | 0      | 16 | 80       |
|             | 518      | 0      | 14 | 75       |
| कार्ट ट्रैक |          | 0      | 02 | 25       |
|             | 522      | 0      | 04 | 20       |
|             | 521      | 0      | 14 | 30       |
|             | 532      | 0      | 16 | 05       |
|             | 533      | 0      | 13 | 20       |
| कार्ट ट्रैक |          | 0      | 01 | 20       |
|             | 534      | 0      | 12 | 75       |
|             | 535      | 0      | 14 | 26       |
|             | 544      | 0      | 09 | 12       |
|             | 510      | 0      | 17 | 25       |
| कार्ट ट्रैक |          | 0      | 00 | 76       |
|             | 589      | 0      | 18 | 81       |
|             | 590      | 0      | 01 | 80       |
| 29          |          | 0      | 10 | 95       |
| कार्ट ट्रैक |          | 0      | 02 | 27       |
|             | 594      | 0      | 19 | 12       |
| 1           |          | 0      | 29 | 45       |
| 55          |          | 0      | 00 | 07       |
| 53          |          | 0      | 00 | 77       |
| 54          |          | 0      | 08 | 00       |
| 58          |          | 0      | 15 | 38       |
| 59          |          | 0      | 06 | 58       |
| 83          |          | 0      | 22 | 65       |
| 81          |          | 0      | 01 | 62       |
| 82          |          | 0      | 13 | 38       |
| 101         |          | 0      | 32 | 63       |
| 102         |          | 0      | 17 | 55       |
| 103         |          | 0      | 09 | 28       |

| 1 | 2   | 3 | 4  | 5  |
|---|-----|---|----|----|
|   | 99  | 0 | 16 | 58 |
|   | 105 | 0 | 09 | 09 |
|   | 106 | 0 | 00 | 38 |
|   | 107 | 0 | 18 | 15 |
|   | 109 | 0 | 25 | 90 |
|   | 592 | 0 | 00 | 59 |
|   | 125 | 0 | 65 | 00 |
|   | 117 | 0 | 07 | 35 |
|   | 118 | 0 | 01 | 41 |

[सं. 0- 12016/35/86 - ओ एन जी- डी 4]

S.O. 1144.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sabhasan CTF to Sabar Dairy

State Gujarat District & Taluka: Mehsana

| Village | Block No.  | Hect. | Ac | Centr |
|---------|------------|-------|----|-------|
| 1       | 2          | 3     | 4  | 5     |
| Mulsan  | 483        | 0     | 01 | 63    |
|         | 484        | 0     | 16 | 22    |
|         | 485        | 0     | 15 | 60    |
|         | Cart track | 0     | 02 | 16    |
|         | 486        | 0     | 16 | 80    |
|         | 518        | 0     | 14 | 75    |
|         | Cart track | 0     | 02 | 25    |
|         | 522        | 0     | 04 | 20    |
|         | 521        | 0     | 14 | 30    |
|         | 532        | 0     | 16 | 05    |
|         | 533        | 0     | 13 | 20    |
|         | Cart track | 0     | 01 | 20    |
|         | 534        | 0     | 12 | 75    |
|         | 535        | 0     | 14 | 26    |
|         | 544        | 0     | 09 | 12    |
|         | 510        | 0     | 17 | 25    |
|         | Cart track | 0     | 00 | 76    |
|         | 589        | 0     | 18 | 81    |
|         | 590        | 0     | 01 | 80    |
|         | 29         | 0     | 10 | 95    |
|         | Cart track | 0     | 02 | 27    |
|         | 594        | 0     | 19 | 12    |
|         | 1          | 0     | 29 | 45    |

| 1 | 2   | 3 | 4  | 5  | 1 | 2           | 3 | 4  | 5  |
|---|-----|---|----|----|---|-------------|---|----|----|
|   | 55  | 0 | 00 | 07 |   |             |   |    |    |
|   | 53  | 0 | 00 | 77 |   | 282         | 0 | 13 | 90 |
|   | 54  | 0 | 08 | 00 |   | 309         | 0 | 12 | 74 |
|   | 58  | 0 | 15 | 38 |   | 311         | 0 | 03 | 71 |
|   | 59  | 0 | 06 | 58 |   | 312         | 0 | 06 | 22 |
|   | 83  | 0 | 22 | 65 |   | 314         | 0 | 09 | 85 |
|   | 81  | 0 | 01 | 62 |   | 315         | 0 | 11 | 68 |
|   | 82  | 0 | 13 | 38 |   | 318         | 0 | 07 | 96 |
|   | 101 | 0 | 32 | 63 |   | 319         | 0 | 00 | 22 |
|   | 102 | 0 | 17 | 55 |   | 323         | 0 | 04 | 12 |
|   | 103 | 0 | 09 | 78 |   | 325         | 0 | 09 | 90 |
|   | 99  | 0 | 16 | 58 |   | 326         | 0 | 19 | 76 |
|   | 105 | 0 | 09 | 09 |   | 332         | 0 | 05 | 25 |
|   | 106 | 0 | 00 | 38 |   | 334         | 0 | 21 | 06 |
|   | 107 | 0 | 18 | 15 |   | 333         | 0 | 07 | 80 |
|   | 109 | 0 | 25 | 90 |   | 196         | 0 | 07 | 20 |
|   | 592 | 0 | 00 | 59 |   | 197         | 0 | 09 | 76 |
|   | 125 | 0 | 65 | 00 |   | 198         | 0 | 06 | 24 |
|   | 117 | 0 | 07 | 35 |   | 199         | 0 | 06 | 16 |
|   | 118 | 0 | 01 | 41 |   | 205         | 0 | 10 | 15 |
|   |     |   |    |    |   | 204         | 0 | 10 | 44 |
|   |     |   |    |    |   | 208         | 0 | 09 | 35 |
|   |     |   |    |    |   | 209         | 0 | 12 | 47 |
|   |     |   |    |    |   | 213         | 0 | 17 | 89 |
|   |     |   |    |    |   | कार्ट ट्रैक | 0 | 01 | 70 |
|   |     |   |    |    |   | 121         | 0 | 06 | 23 |
|   |     |   |    |    |   | 122         | 0 | 11 | 20 |
|   |     |   |    |    |   | कार्ट ट्रैक | 0 | 00 | 93 |
|   |     |   |    |    |   | 148         | 0 | 10 | 72 |
|   |     |   |    |    |   | 152         | 0 | 03 | 68 |
|   |     |   |    |    |   | 153         | 0 | 03 | 19 |
|   |     |   |    |    |   | 146         | 0 | 01 | 05 |
|   |     |   |    |    |   | 154         | 0 | 08 | 56 |
|   |     |   |    |    |   | 155         | 0 | 11 | 28 |
|   |     |   |    |    |   | 145         | 0 | 00 | 07 |
|   |     |   |    |    |   | 144         | 0 | 01 | 43 |
|   |     |   |    |    |   | 143         | 0 | 08 | 82 |
|   |     |   |    |    |   | 19          | 0 | 09 | 30 |
|   |     |   |    |    |   | 18          | 0 | 15 | 73 |
|   |     |   |    |    |   | कार्ट ट्रैक | 0 | 02 | 70 |
|   |     |   |    |    |   | 1904        | 0 | 10 | 08 |
|   |     |   |    |    |   | 1905        | 0 | 22 | 89 |
|   |     |   |    |    |   | 1903        | 0 | 01 | 54 |
|   |     |   |    |    |   | कार्ट ट्रैक | 0 | 03 | 24 |
|   |     |   |    |    |   | 1874        | 0 | 18 | 66 |
|   |     |   |    |    |   | 1873        | 0 | 15 | 32 |
|   |     |   |    |    |   | 1719        | 0 | 03 | 37 |
|   |     |   |    |    |   | 1724        | 1 | 81 | 40 |
|   |     |   |    |    |   | 1722        | 0 | 06 | 50 |
|   |     |   |    |    |   | 1735        | 0 | 10 | 95 |
|   |     |   |    |    |   | 1745        | 0 | 00 | 17 |
|   |     |   |    |    |   | 1744        | 0 | 14 | 65 |
|   |     |   |    |    |   | 1743        | 0 | 03 | 64 |
|   |     |   |    |    |   | 1739        | 0 | 15 | 00 |
|   |     |   |    |    |   | 1738        | 0 | 07 | 03 |
|   |     |   |    |    |   | 1737        | 0 | 06 | 50 |

[No. O-12016/36/86-ONG-D4]

का. आ. सं. 1145.—यतः केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासण-सी.टी. एफ. से साबर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्पावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

अर्थात् कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और वेधभाल प्रभाग, मकरपुरा रोड, बड़ोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चितः यह भी कथन करेगा कि क्या यह वह चाहता है कि उसको सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

## अनुसूची

सोभासण सी. टी. एफ. से साबर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य : गुजरात जिला व तालुका मेहसना

| गांव  | क्वा. फुट.  | हेक्टर | आर. | मैट. दर |
|-------|-------------|--------|-----|---------|
| 1     | 2           | 3      | 4   | 5       |
| खैरवा | 499         | 0      | 14  | 51      |
|       | कार्ट ट्रैक | 0      | 01  | 50      |
|       | 276         | 0      | 07  | 47      |
|       | 277         | 0      | 06  | 55      |
|       | 278         | 0      | 05  | 50      |
|       | 279         | 0      | 20  | 44      |
|       | कार्ट ट्रैक | 0      | 00  | 59      |
|       | 281         | 0      | 03  | 00      |

| 1 | 2    | 3 | 4  | 5  |
|---|------|---|----|----|
|   | 1750 | 0 | 07 | 25 |
|   | 1740 | 0 | 04 | 00 |
|   | 1769 | 0 | 10 | 87 |
|   | 1768 | 0 | 04 | 20 |
|   | 1767 | 0 | 03 | 06 |
|   | 1766 | 0 | 06 | 67 |
|   | 1773 | 0 | 20 | 97 |
|   | 1774 | 0 | 01 | 24 |
|   | 1780 | 0 | 09 | 04 |
|   | 1779 | 0 | 12 | 79 |
|   | 1778 | 0 | 16 | 79 |

[स. अं 12016/37/86-अं एन जी-ई(4)]

S.O. 1145.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CIF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodra - (360009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

## SCHEDULE

Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat District & Taluka Mehsara

| Village | Block No.  | Hect | Are | Cant. |
|---------|------------|------|-----|-------|
| Kherxa  | 499        | 0    | 14  | 51    |
|         | Cart track | 0    | 01  | 50    |
|         | 276        | 0    | 07  | 47    |
|         | 277        | 0    | 06  | 55    |
|         | 278        | 0    | 05  | 50    |
|         | 279        | 0    | 20  | 44    |
|         | Cart track | 0    | 00  | 59    |
|         | 281        | 0    | 03  | 00    |
|         | 282        | 0    | 13  | 90    |
|         | 309        | 0    | 12  | 74    |
|         | 311        | 0    | 03  | 71    |
|         | 312        | 0    | 06  | 22    |
|         | 314        | 0    | 09  | 85    |
|         | 315        | 0    | 14  | 68    |
|         | 318        | 0    | 07  | 96    |
|         | 319        | 0    | 00  | 22    |
|         | 323        | 0    | 04  | 12    |
|         | 325        | 0    | 09  | 90    |
|         | 326        | 0    | 19  | 76    |
|         | 332        | 0    | 05  | 25    |
|         | 334        | 0    | 21  | 06    |
|         | 333        | 0    | 07  | 80    |

| 1 | 2          | 3 | 4  | 5  |
|---|------------|---|----|----|
|   | 196        | 0 | 07 | 20 |
|   | 197        | 0 | 09 | 76 |
|   | 198        | 0 | 06 | 24 |
|   | 199        | 0 | 06 | 16 |
|   | 205        | 0 | 10 | 15 |
|   | 204        | 0 | 10 | 44 |
|   | 208        | 0 | 09 | 35 |
|   | 209        | 0 | 12 | 47 |
|   | 213        | 0 | 17 | 89 |
|   | Cart track | 0 | 01 | 70 |
|   | 121        | 0 | 06 | 22 |
|   | 122        | 0 | 11 | 20 |
|   | Cart track | 0 | 00 | 93 |
|   | 148        | 0 | 10 | 72 |
|   | 152        | 0 | 03 | 68 |
|   | 153        | 0 | 03 | 19 |
|   | 146        | 0 | 01 | 05 |
|   | 154        | 0 | 08 | 56 |
|   | 155        | 0 | 11 | 18 |
|   | 145        | 0 | 00 | 07 |
|   | 144        | 0 | 01 | 43 |
|   | 143        | 0 | 08 | 87 |
|   | 19         | 0 | 09 | 30 |
|   | 18         | 0 | 15 | 73 |
|   | Cart track | 0 | 07 | 70 |
|   | 1944       | 0 | 10 | 08 |
|   | 1905       | 0 | 22 | 89 |
|   | 1903       | 0 | 01 | 54 |
|   | Cart track | 0 | 03 | 24 |
|   | 1874       | 0 | 18 | 66 |
|   | 1873       | 0 | 15 | 32 |
|   | 1719       | 0 | 03 | 37 |
|   | 1714       | 1 | 81 | 40 |
|   | 1722       | 0 | 06 | 50 |
|   | 1735       | 0 | 10 | 95 |
|   | 1745       | 0 | 00 | 17 |
|   | 1744       | 0 | 14 | 65 |
|   | 1743       | 0 | 03 | 64 |
|   | 1739       | 0 | 15 | 00 |
|   | 1738       | 0 | 07 | 03 |
|   | 1737       | 0 | 06 | 50 |
|   | 1750       | 0 | 07 | 25 |
|   | 1749       | 0 | 04 | 00 |
|   | 1769       | 0 | 10 | 87 |
|   | 1768       | 0 | 04 | 70 |
|   | 1767       | 0 | 03 | 06 |
|   | 1766       | 0 | 06 | 87 |
|   | 1773       | 0 | 10 | 97 |
|   | 1774       | 0 | 01 | 24 |
|   | 1780       | 0 | 09 | 04 |
|   | 1779       | 0 | 12 | 79 |
|   | 1778       | 0 | 16 | 79 |

[No. O-12016/37/86-ONG-D4]

का. आ. 1146.—यनः केन्द्रीय सरकार को यत्र प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोमायन सी. टी. एक से सावर डेरी तक पेट्रोलियम के पम्पिङ्ग के लिये पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोजन द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और जव यष्ट प्रतीत होता है कि ऐसी साधनों को विद्यमान के प्रयोजन के लिये एतदुपायत प्रनसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार प्राप्त करना आवश्यक है।

अतः प्रथम पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष मसम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकारपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि यह क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी. टी. एक. से मावर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला—तापूक—मेहसाना

| गांव       | ब्लॉक नं. | हे. | घारे. | से. |
|------------|-----------|-----|-------|-----|
| धाधूसन     | 232       | 0   | 07    | 92  |
|            | 241       | 0   | 03    | 65  |
|            | 242       | 0   | 04    | 12  |
|            | 243       | 0   | 09    | 47  |
|            | 244       | 0   | 00    | 70  |
|            | 222       | 0   | 00    | 60  |
|            | 263       | 0   | 11    | 49  |
|            | 264       | 0   | 05    | 44  |
|            | 265       | 0   | 05    | 25  |
|            | 266       | 0   | 02    | 01  |
|            | 267       | 0   | 01    | 20  |
| कार्टट्रेक | 0         | 02  | 05    |     |
|            | 220       | 0   | 00    | 44  |
|            | 65        | 0   | 04    | 94  |
|            | 64        | 0   | 06    | 61  |
|            | 69        | 0   | 02    | 96  |
|            | 63        | 0   | 08    | 55  |
|            | 62        | 0   | 11    | 40  |

[सं. जो—12016/38/86—ओ एन जी सी 4]

S.O. 1146.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sabhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission Construction & Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

#### SCHEDULE

Pipeline from Sabhasan CTF to Sabar Dairy

State : Gujarat

District & Taluka : Mehsana

| Village    | Block No.  | Hectare | Area | Compensation |
|------------|------------|---------|------|--------------|
| Dhandhusan | 232        | 0       | 07   | 92           |
|            | 241        | 0       | 03   | 65           |
|            | 242        | 0       | 04   | 12           |
|            | 243        | 0       | 09   | 47           |
|            | 244        | 0       | 00   | 70           |
|            | 222        | 0       | 00   | 60           |
|            | 263        | 0       | 11   | 49           |
|            | 264        | 0       | 05   | 44           |
|            | 265        | 0       | 05   | 25           |
|            | 266        | 0       | 02   | 01           |
|            | 267        | 0       | 01   | 20           |
|            | Cart track | 0       | 02   | 05           |
|            | 220        | 0       | 00   | 44           |
|            | 65         | 0       | 04   | 94           |
|            | 64         | 0       | 06   | 61           |
|            | 69         | 0       | 02   | 96           |
|            | 63         | 0       | 08   | 55           |
|            | 62         | 0       | 11   | 40           |

[N. O-12016/38/86-C.N.G.-1-4]

का. आ. 1147.—अतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रत त होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में सोभासन सी. टी. एक से मावर डेरी तक पेट्रोलियम के परिवहन के निम्न पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के निम्न एतद्वारा अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः प्रथम पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवश कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष मसम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और देखभाल प्रभाग, मकारपुरा रोड, वडोदरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

#### अनुसूची

सोभासन सी. टी. एक. से मावर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात जिला—तापूक—मेहसाना

| गांव | ब्लॉक नं. | हे. | घारे. | से. |
|------|-----------|-----|-------|-----|
| मेड  | 173       | 0   | 11    | 48  |
|      | 786       | 0   | 05    | 25  |
|      | 167       | 0   | 02    | 75  |



| 1 | 2          | 3  | 4  | 5  | 1   | 2          | 3        | 4   | 5         |
|---|------------|----|----|----|---|------------|----------|-----|-----------|
|   | 170        | 0  | 05 | 98 |   | 550        | 0        | 00  | 28        |
|   | 168        | 0  | 08 | 78 |   | 549        | 0        | 20  | 00        |
|   | 163        | 11 | 11 | 05 |   | 553        | 0        | 09  | 21        |
|   | 161        | 0  | 12 | 55 |   | 554        | 0        | 12  | 30        |
|   | 159        | 0  | 06 | 70 |   | काटे ट्रैक | 00       | 01  | 70        |
|   | 160        | 0  | 00 | 30 |   | 567        | 0        | 13  | 12        |
|   | 154        | 0  | 13 | 60 |   | 566        | 0        | 08  | 15        |
|   | 157        | 0  | 01 | 35 |   | 565        | 0        | 10  | 78        |
|   | 155        | 0  | 19 | 69 |   | 564        | 0        | 08  | 18        |
|   | 152        | 0  | 02 | 16 |   | 563/1      | 0        | 00  | 02        |
|   | काटे ट्रैक | 0  | 02 | 25 |   | 563/2/ए    | 0        | 01  | 15        |
|   | 143        | 0  | 10 | 70 |   | 563/2/ब    | 0        | 02  | 60        |
|   | 142        | 0  | 08 | 17 |   | 573/1      | 0        | 01  | 80        |
|   | 191        | 0  | 05 | 65 |   | 577        | 0        | 06  | 50        |
|   | 227        | 0  | 84 | 23 |   | 578        | 0        | 06  | 50        |
|   | 218/5      | 0  | 02 | 02 |   | 579        | 0        | 02  | 94        |
|   | 218/4      | 4  | 00 | 14 |   | 580        | 0        | 03  | 50        |
|   | 218/3      | 0  | 14 | 35 | [सं. अ- 12016/39/86--बी.एन.जी- बी4]   |            |          |     |           |
|   | 218/2      | 0  | 04 | 86 | S.O. 1147.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.  |            |          |     |           |
|   | 218/1      | 0  | 03 | 60 | And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;   |            |          |     |           |
|   | 217        | 0  | 07 | 97 | Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:         |            |          |     |           |
|   | 271/सी     | 0  | 00 | 80 | Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -(390009). |            |          |     |           |
|   | कनस        | 0  | 02 | 40 | And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.   |            |          |     |           |
|   | 69/सी      | 0  | 24 | 15 | SCHEDULE  |            |          |     |           |
|   | 51         | 0  | 13 | 83 |   |            |          |     |           |
|   | 52         | 0  | 05 | 13 | Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy   |            |          |     |           |
|   | 50         | 0  | 05 | 51 | State : Gujarat District & Taluka : Mehsana   |            |          |     |           |
|   | 53         | 0  | 00 | 43 | Village   | Survey No. | Hect-are | Are | Centi-are |
|   | 56         | 0  | 08 | 79 | 1   | 2          | 3        | 4   | 5         |
|   | 62         | 0  | 01 | 20 | Matu  | 173        | 0        | 14  | 98        |
|   | 57/1       | 0  | 14 | 71 |   | 796        | 0        | 05  | 75        |
|   | 296        | 0  | 14 | 21 |   | 167        | 0        | 02  | 73        |
|   | काटे ट्रैक | 0  | 00 | 90 |   | 170        | 0        | 05  | 98        |
|   | 297        | 0  | 19 | 06 |   | 168        | 0        | 08  | 78        |
|   | 302        | 0  | 05 | 35 |   | 163        | 0        | 11  | 05        |
|   | 303        | 0  | 02 | 02 |   | 161        | 0        | 12  | 55        |
|   | काटे ट्रैक | 0  | 01 | 15 |   | 159        | 0        | 06  | 70        |
|   | 464        | 0  | 01 | 62 |   | 160        | 0        | 00  | 30        |
|   | 439        | 0  | 16 | 43 |   | 154        | 0        | 13  | 60        |
|   | 458        | 0  | 11 | 78 |   | 157        | 0        | 01  | 35        |
|   | 440        | 0  | 09 | 30 |   | 155        | 0        | 19  | 69        |
|   | 439        | 0  | 10 | 02 |   | 152        | 0        | 07  | 16        |
|   | 438        | 0  | 14 | 33 |   |            |          |     |           |
|   | 435        | 0  | 22 | 44 |   |            |          |     |           |
|   | काटे ट्रैक | 0  | 01 | 92 |   |            |          |     |           |
|   | 434        | 0  | 00 | 25 |   |            |          |     |           |
|   | 538        | 0  | 09 | 00 |   |            |          |     |           |
|   | 539        | 0  | 17 | 18 |   |            |          |     |           |
|   | 540        | 0  | 07 | 28 |   |            |          |     |           |
|   | 541        | 0  | 04 | 23 |   |            |          |     |           |
|   | 542        | 0  | 11 | 46 |   |            |          |     |           |
|   | 543        | 0  | 00 | 50 |   |            |          |     |           |
|   | 544        | 0  | 06 | 24 |   |            |          |     |           |
|   | 545        | 0  | 06 | 44 |   |            |          |     |           |
|   | 546        | 0  | 15 | 18 |   |            |          |     |           |

| 1       | 2          | 3 | 4  | 5  |
|---------|------------|---|----|----|
|         | Cart track | 0 | 02 | 25 |
| 193     |            | 0 | 10 | 70 |
| 192     |            | 0 | 08 | 17 |
| 191     |            | 0 | 05 | 65 |
| 217     |            | 0 | 84 | 23 |
| 218/5   |            | 0 | 02 | 02 |
| 218/4   |            | 0 | 00 | 14 |
| 218/3   |            | 0 | 14 | 35 |
| 218/2   |            | 0 | 04 | 86 |
| 218/1   |            | 0 | 03 | 60 |
| 217     |            | 0 | 07 | 97 |
| 271/P   |            | 0 | 60 | 80 |
| Kans    |            | 0 | 02 | 40 |
| 69/P    |            | 0 | 24 | 15 |
| 51      |            | 0 | 13 | 83 |
| 51      |            | 0 | 05 | 13 |
| 50      |            | 0 | 00 | 57 |
| 53      |            | 0 | 08 | 95 |
| 56      |            | 0 | 02 | 79 |
| 62      |            | 0 | 01 | 10 |
| 57/1    |            | 0 | 14 | 70 |
| 96      |            | 0 | 14 | 1  |
|         | Cart track | 0 | 60 | 90 |
| 297     |            | 0 | 12 | 06 |
| 302     |            | 0 | 06 | 35 |
| 303     |            | 0 | 02 | 02 |
|         | Cart track | 0 | 61 | 15 |
| 464     |            | 0 | 03 | 62 |
| 459     |            | 0 | 16 | 33 |
| 458     |            | 0 | 11 | 73 |
| 450     |            | 0 | 02 | 30 |
| 437     |            | 0 | 10 | 92 |
| 438     |            | 0 | 14 | 33 |
| 435     |            | 0 | 23 | 44 |
|         | Cart track | 0 | 01 | 9  |
| 434     |            | 0 | 00 | 25 |
| 538     |            | 0 | 02 | 00 |
| 539     |            | 0 | 17 | 13 |
| 540     |            | 0 | 07 | 26 |
| 541     |            | 0 | 04 | 73 |
| 542     |            | 0 | 11 | 46 |
| 543     |            | 0 | 02 | 60 |
| 544     |            | 0 | 06 | 24 |
| 545     |            | 0 | 06 | 44 |
| 546     |            | 0 | 15 | 13 |
| 550     |            | 0 | 00 | 28 |
| 549     |            | 0 | 10 | 03 |
| 553     |            | 0 | 09 | 1  |
| 554     |            | 0 | 12 | 39 |
|         | Cart track | 0 | 01 | 70 |
| 567     |            | 0 | 12 | 12 |
| 566     |            | 0 | 08 | 15 |
| 565     |            | 0 | 10 | 87 |
| 564     |            | 0 | 08 | 13 |
| 563/1   |            | 0 | 00 | 02 |
| 563/1/A |            | 0 | 01 | 16 |
| 563/2/B |            | 0 | 02 | 60 |
| 575/1   |            | 0 | 01 | 80 |
| 577     |            | 0 | 06 | 50 |
| 578     |            | 0 | 06 | 51 |
| 579     |            | 0 | 02 | 94 |
| 580     |            | 0 | 03 | 20 |

का. प्रा. 1143.—यह क्षेत्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में संभाषण सी. टी. एफ. से गाजर डेरी तक पैट्रोलियम के पाइपलाइन तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग द्वारा बिछाई जानी चाहिए।

और यही यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एनएचएड अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अन्य: जब पैट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) को धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग, निर्माण और विकास प्रभाग, मकरपुरा रोड, बंबादरा-9 को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिश्चित: यह भी बयान करेगा कि तथा वह यह चाहता है कि उनकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

संभाषण सी. टी. एफ. से गाजर डेरी तक पाइप लाइन बिछाने के लिए।

राज्य: गुजरात जिला: मेहसाणा तालुका: विजापुर

| ताप    | सर्वे नं.  | हे. | प्रार. | सं. |
|--------|------------|-----|--------|-----|
| 1      | 2          | 3   | 4      | 5   |
| बशर्ते | कार्टट्रैक | 0   | 01     | 50  |
|        | 860        | 0   | 06     | 90  |
|        | 856/1      | 0   | 07     | 56  |
|        | 856/2      | 0   | 07     | 10  |
|        | 854        | 0   | 06     | 27  |
|        | 853        | 0   | 05     | 94  |
|        | 831/1      | 0   | 04     | 68  |
|        | 837/2      | 0   | 04     | 66  |
|        | 838        | 0   | 09     | 37  |
|        | 839        | 0   | 12     | 25  |
|        | 824        | 0   | 01     | 56  |
|        | 825        | 0   | 02     | 41  |
|        | 826        | 0   | 07     | 70  |
|        | 828        | 0   | 07     | 70  |
|        | 827        | 0   | 03     | 11  |
|        | कार्टट्रैक | 0   | 01     | 09  |
|        | 815        | 0   | 31     | 06  |
|        | 738        | 0   | 11     | 34  |
|        | 709        | 0   | 11     | 20  |
|        | कार्टट्रैक | 0   | 01     | 27  |
|        | 779        | 0   | 13     | 17  |
|        | 777        | 0   | 14     | 42  |
|        | 776        | 0   | 27     | 16  |
|        | 764        | 0   | 00     | 10  |
|        | 763        | 0   | 08     | 23  |
|        | 762        | 0   | 08     | 25  |

| 1 | 2         | 3 | 4  | 5  |
|---|-----------|---|----|----|
|   | 614       | 0 | 25 | 50 |
|   | 595       | 0 | 00 | 20 |
|   | 600       | 0 | 12 | 68 |
|   | 599       | 0 | 23 | 00 |
|   | 598/2     | 0 | 01 | 65 |
|   | काटेद्रेक | 0 | 01 | 20 |
|   | 542       | 0 | 10 | 95 |
|   | 541       | 0 | 10 | 95 |
|   | 540       | 0 | 17 | 55 |
|   | 539       | 0 | 08 | 93 |
|   | 547       | 0 | 04 | 15 |
|   | काटेद्रेक | 0 | 00 | 11 |
|   | 521       | 0 | 07 | 56 |
|   | 520       | 0 | 06 | 75 |
|   | 518       | 0 | 06 | 00 |
|   | 1973      | 0 | 01 | 05 |
|   | 516       | 0 | 03 | 98 |
|   | 514       | 0 | 09 | 45 |
|   | 506       | 0 | 25 | 30 |
|   | 505/3     | 0 | 04 | 50 |
|   | 507       | 0 | 05 | 70 |
|   | 362       | 0 | 09 | 38 |
|   | 363       | 0 | 05 | 52 |
|   | 364       | 0 | 06 | 25 |
|   | 365       | 0 | 13 | 50 |
|   | 366       | 0 | 12 | 60 |
|   | 367       | 0 | 08 | 96 |
|   | 368       | 0 | 07 | 05 |
|   | 369       | 0 | 18 | 15 |
|   | 374       | 0 | 19 | 80 |
|   | 373/1     | 0 | 00 | 30 |
|   | काटेद्रेक | 0 | 00 | 90 |
|   | 307       | 0 | 16 | 50 |
|   | 306       | 0 | 13 | 80 |

[सं. ओ-12016/40/86ओ. एन. जी. डी-4]

पी. के. राजगोपालन, डेस्क अधिकारी

S.O. 1148.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Sobhasan CTF to Sabar Dairy in Gujarat State pipeline should be laid by the Oil & Natural Gas Commission.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Oil & Natural Gas Commission, Construction and Maintenance Division, Makarpura Road, Vadodara -(390009).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

| SCHEDULE                                  |                    |                  |     |           |
|---|--------------------|------------------|-----|-----------|
| Pipeline from Sobhasan CTF to Sabar Dairy |                    |                  |     |           |
| State : Gujarat                           | District : Mehsana | Taluka : Vijapur |     |           |
| Village                                   | Survey No.         | Hect-are         | Are | Centi-are |
| 1   | 2                  | 3                | 4   | 5         |
| Vasai                                     | Cart Track         | 0                | 01  | 80        |
|   | 860                | 0                | 06  | 90        |
|   | 856/1              | 0                | 07  | 56        |
|   | 856/2              | 0                | 07  | 10        |
|   | 854                | 0                | 06  | 27        |
|   | 853                | 0                | 05  | 94        |
|   | 837/1              | 0                | 04  | 68        |
|   | 837/2              | 0                | 04  | 86        |
|   | 838                | 0                | 09  | 37        |
|   | 839                | 0                | 12  | 25        |
|   | 824                | 0                | 02  | 56        |
|   | 825                | 0                | 02  | 41        |
|   | 826                | 0                | 07  | 70        |
|   | 828                | 0                | 07  | 70        |
|   | 827                | 0                | 03  | 11        |
|   | Cart track         | 0                | 01  | 09        |
|   | 815                | 0                | 31  | 06        |
|   | 788                | 0                | 11  | 34        |
|   | 789                | 0                | 11  | 20        |
|   | Cart track         | 0                | 01  | 27        |
|   | 779                | 0                | 13  | 17        |
|   | 777                | 0                | 14  | 42        |
|   | 776                | 0                | 27  | 46        |
|   | 764                | 0                | 00  | 10        |
|   | 763                | 0                | 08  | 23        |
|   | 762                | 0                | 08  | 25        |
|   | 614                | 0                | 25  | 50        |
|   | 595                | 0                | 00  | 20        |
|   | 600                | 0                | 12  | 68        |
|   | 599                | 0                | 23  | 00        |
|   | 598/2              | 0                | 01  | 65        |
|   | Cart track         | 0                | 01  | 20        |
|   | 542                | 0                | 10  | 95        |
|   | 541                | 0                | 10  | 95        |
|   | 540                | 0                | 17  | 55        |
|   | 539                | 0                | 08  | 93        |
|   | 547                | 0                | 04  | 15        |
|   | Cart track         | 0                | 00  | 11        |
|   | 521                | 0                | 07  | 56        |
|   | 520                | 0                | 06  | 75        |
|   | 518                | 0                | 06  | 00        |
|   | 1973               | 0                | 01  | 05        |
|   | 516                | 0                | 03  | 98        |
|   | 514                | 0                | 09  | 45        |
|   | 506                | 0                | 25  | 30        |
|   | 505/3              | 0                | 04  | 50        |
|   | 507                | 0                | 05  | 70        |
|   | 362                | 0                | 09  | 38        |
|   | 363                | 0                | 05  | 52        |
|   | 364                | 0                | 06  | 25        |
|   | 365                | 0                | 13  | 50        |
|   | 366                | 0                | 12  | 60        |
|   | 367                | 0                | 08  | 96        |
|   | 368                | 0                | 07  | 05        |
|   | 369                | 0                | 18  | 15        |
|   | 374                | 0                | 19  | 80        |
|   | 373/1              | 0                | 00  | 30        |
|   | Cart track         | 0                | 00  | 90        |
|   | 307                | 0                | 16  | 50        |
|   | 306                | 0                | 13  | 80        |

[No. O-12016/40/86-ONG-D 4]  
P.K. RAJAGOPALAN, Desk Officer

## खाद्य और खादिक दूर्गिह संसाधन

(सार्वजनिक प्रति विभाग)

जायजत मानक संस्था

नई दिल्ली, 21 फरवरी 1968

का आ 1149.—समय-समय पर सञ्चालित सार्वजनिक मानक संस्था (प्रमाण निष्ठा) विनियम, 1955 के विनियम 11 के उपविनियम (1) के अनुसार अभिसूचित किया जाता है कि प्रमाणित भुद्ध लघुम के लाइसेंस धितके विवरण नीचे प्रस्तुती में दिए गए है स्तम्भ (6) में दी गयी तिथि से सञ्चालित हो गये या उनका नवीकरण कर दिया गया है ।

## प्रस्तुती

| क्रम | लाइसेंस सं.                   | लाइसेंसधारि का नाम पता   | उत्पाद और IS संख्या                 | सञ्चालन की एम ओ नं. और तिथि जिसमें लाइसेंस की मञ्चरी की सूचना छपी थी | विवरण   |
|------|-------------------------------|--|-------------------------------------|--|---|
| (1)  | (2)                           | (3)  | (4)                                 | (5)  | (6)   |
| 1.   | सीएम/एन-0020609<br>1958-11-04 | द मैथिल केमिकल्स लि., त्रिवेन्द्रवार<br>डाकघर, बंगलौर जिला     | IS: 261—1966                        | एम.ओ. 2408<br>दिनांक<br>1958-11-22                                   | नवीकरण 1979-12-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि माना जाए । |
| 2.   | सीएम/एन-0016924<br>1960-02-22 | मैथिल इन्फेस्टोसाइड्स लि., मद्रास-600001                       | IS: 561—1978                        | एम.ओ. 611<br>दिनांक<br>1960-03-12                                    | 1980-11-15 के बाद गतावधि है   |
| 3.   | सीएम/एन-0020713<br>1960-07-20 | रिलोन विस्कुट्स लि., बम्बई-400027<br>(महाराष्ट्र)              | IS: 1011—1968                       | एम.ओ. 1991<br>दिनांक<br>1960-08-13                                   | नवीकरण 1979-08-30 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि माना जाए । |
| 4.   | सीएम/एन-0005836<br>1964-04-29 | प्रमपूर्णा फ्लवराइजिंग मिल्स, एनूरु (आ.प्र.)                   | IS: 565—1975                        | एम.ओ. 1676<br>दिनांक<br>1964-05-16                                   | नवीकरण 1969-05-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि माना जाए । |
| 5.   | सीएम/एन-0006737<br>1964-05-07 | गेस्ट कोल्ड बिलियम्स लि., हावड़ा (प.ब.)                        | IS: 226—1975                        | एम.ओ. 2173<br>दिनांक<br>1964-06-20                                   | नवीकरण 1980-06-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि माना जाए । |
| 6.   | सीएम/एन-0066838<br>1964-05-07 | —यथोपरि—   | IS: 1955—1975                       | —यथोपरि—   | —यथोपरि—  |
| 7.   | सीएम/एन-0080226<br>1964-10-23 | के.एल. मल्होत्रा आदर्ष, जयधर, इंदौर-144002<br>(पंजाब)          | IS: 831—1979                        | एम.ओ. 4038<br>दिनांक<br>1964-11-28                                   | 1980-10-31 के बाद गतावधि है   |
| 8.   | सीएम/एन-0091938<br>1964-11-28 | मैथिली फूड लिम्स लि., कलकत्ता-700001                           | IS: 2818(भाग)—1971<br>IS: 3790—1971 | एम.ओ. 79<br>दिनांक<br>1965-01-02                                     | नवीकरण 1977-11-30 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि माना जाए । |
| 9.   | सीएम/एन-0092031<br>1964-11-28 | —यथोपरि—   | IS: 3503—1965                       | —यथोपरि—   | —यथोपरि—  |
| 10.  | सीएम/एन-0107927<br>1965-06-01 | गेस्ट कोल्ड बिलियम्स लि., हावड़ा (प.ब.)                        | IS: 1118—1973                       | एम.ओ. 2503<br>दिनांक<br>1965-07-31                                   | नवीकरण 1980-06-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि माना जाए । |
| 11.  | सीएम/एन-0108020<br>1965-06-01 | —यथोपरि—   | IS: 1149—1973                       | —यथोपरि—   | —यथोपरि—  |
| 12.  | सीएम/एन-0130417<br>1966-07-28 | जेव केमिकल्स, मद्रास-600029                                    | IS: 561—1978                        | एम.ओ. 2600<br>दिनांक<br>1966-08-27                                   | नवीकरण 1979-12-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि माना जाए । |
| 13.  | सीएम/एन-0143022<br>1967-04-11 | श्री बल्लभ ग्लान बर्म्स लि., बरनग विधानसभा, बाया आनंद (गुजरात) | IS: 2553—1971                       | एम.ओ. 2769<br>दिनांक<br>1967-08-12                                   | नवीकरण 1979-12-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है ।       |

| (1)                               | (2)  | (3)                            | (4)                                | (5)   | (6) |
|-----------------------------------|--|--------------------------------|------------------------------------|---|-----|
| 14. सीएम/एल-0149842<br>1967-08-25 | एशियन केबल्स कार्पोरेशन लि., थाने (महाराष्ट्र)                       | IS: 398 (भाग 1 और 2)<br>— 1976 | एस.ओ. 3338<br>दिनांक<br>1967-09-23 | 1980-09-30 के बाद गतावधि  |     |
| 15. सीएम/एल-0151223<br>1967-09-12 | पाल्वा केमिकल्स,<br>मद्रास-600029                                    | IS: 564—1975                   | एस.ओ. 3733<br>दिनांक<br>1967-10-21 | 1981-01-31 के बाद गतावधि  |     |
| 16. सीएम/एल-0167945<br>1968-04-22 | भगवती स्टील प्रा. लि.,<br>कलकत्ता                                    | IS: 226—1975                   | एस.ओ. 2127<br>दिनांक<br>1968-06-15 | 1980-04-30 के बाद गतावधि  |     |
| 17. सीएम/एल-0182032<br>1968-10-15 | भूताष्ट्रेष्ट प्लाबरजर्स,<br>आगरा-282007                             | IS: 564—1975                   | एस.ओ. 4257<br>दिनांक<br>1968-11-30 | 1980-06-15 के बाद गतावधि  |     |
| 18. सीएम/एल-0188448<br>1968-12-30 | इंडो-स्वीडिश पाइप मैनु.<br>आगरा-6 (उ.प्र.)                           | IS: 3989—1971                  | एस.ओ. 370<br>दिनांक<br>1969-01-25  | नवीकरण 1979-02-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।    |     |
| 19. सीएम/एल-0199554<br>1969-06-30 | द उगर सुगर वर्क्स लि.,<br>डाकधर उगरखुर्द, जिला<br>बेलगांव (कर्नाटक)  | IS: 4100—1967                  | एस.ओ. 3018<br>दिनांक<br>1969-07-26 | नवीकरण 1980-06-30 के बाद स्थगित हो गया और उसी तिथि से गतावधि है।            |     |
| 20. सीएम/एल-0203923<br>1969-07-31 | एस.के. बेकर अफि एण्ड<br>कं., कलकत्ता                                 | IS: 10 (भाग 4)—1976            | एस.ओ. 3585<br>दिनांक<br>1969-09-06 | नवीकरण 1979-07-31 के बाद स्थगित हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है। |     |
| 21. सीएम/एल-0233023<br>1970-05-28 | द उगर सुगर वर्क्स लि.,<br>डाकधर उगरखुर्द, जिला<br>बेलगांव (कर्नाटक)  | IS: 3811—1976                  | एस.ओ. 2802<br>दिनांक<br>1970-08-22 | नवीकरण 1980-06-30 के बाद स्थगित हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है। |     |
| 22. सीएम/एल-0233124<br>1970-05-28 | —यथोपरि—   | IS: 4450—1967                  | —यथोपरि—                           | —यथोपरि—  |     |
| 23. सीएम/एल-0233225<br>1970-05-28 | —यथोपरि—   | IS: 4449—1976                  | —यथोपरि—                           | —यथोपरि—  |     |
| 24. सीएम/एल-0236332<br>1970-07-13 | एच. यू.एफ. लालजीभाई<br>जीवरास गज्जर, अहमदाबाद-<br>380002<br>(गुजरात) | IS: 325—1978                   | एस.ओ. 2109<br>दिनांक<br>1971-05-29 | 1980-10-15 के बाद गतावधि  |     |
| 25. सीएम/एल-0238942<br>1970-08-12 | आई.बी.आई. प्राइवेट<br>लि., मम्बई-400059                              | IS: 3830—1979                  | एस.ओ. 57<br>दिनांक<br>1971-01-02   | 1980-08-15 के बाद गतावधि  |     |
| 26. सीएम/एल-0239035<br>1970-08-12 | परशुराम पोटरी वर्क्स कं.,<br>अमरपुरा, बंकापुर<br>(गुजरात)            | IS: 777—1970                   | एस.ओ. 57<br>दिनांक<br>1971-01-02   | नवीकरण 1978-07-15 के बाद स्थगित हो गया है और उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है। |     |
| 27. सीएम/एल-0242731<br>1970-10-19 | यूनिफ इंडस्ट्रीज पिपनेज,<br>नाडियाद, जिला केरा                       | IS: 1596—1977                  | एस.ओ. 561<br>दिनांक<br>1971-01-30  | नवीकरण 1978-12-15 के बाद स्थगित हो गया है और उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है। |     |
| 28. सीएम/एल-0266240<br>1971-04-13 | द ब्राउन कोर सुगर केमिकल्स<br>लि., तिरुवल्ला-44 (केरला)              | IS: 4450—1967                  | एस.ओ. 3741<br>दिनांक<br>1971-10-09 | 1980-10-31 के बाद गतावधि है।  |     |
| 29. सीएम/एल-0266442<br>1971-04-13 | —यथोपरि—   | IS: 3811—1976                  | —यथोपरि—                           | —यथोपरि—  |     |
| 30. सीएम/एल-0332833<br>1973-02-09 | रॉयज (आर्टिस्ट्स मैटेरियल)<br>लि., थाने (पश्चिम)                     | IS: 789—1971                   | एस.ओ. 1553<br>दिनांक<br>1973-06-02 | 1980-09-30 के बाद गतावधि  |     |

| (1)                               | (2)  | (3)             | (4)                                | (5)   | (6) |
|-----------------------------------|--|-----------------|------------------------------------|---|-----|
| 31. सीएम/एल-0340832<br>1973-05-04 | निटेशलसाह जूट मिल्स कं.<br>लि., निटेशलसाह<br>ठाकुर, विशाखापट्टनम | IS : 2580--1968 | एस.ओ. 954<br>दिनांक<br>1975-03-29  | नवीकरण 1977-10-15 के बाद स्थगित<br>हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |     |
| 32. सीएम/एल-0361941<br>1973-11-30 | मिर्च इंजीनियरिंग वर्क्स<br>प्रा. लि., कानपुर                    | IS : 6915--1978 | एस.ओ. 1602<br>दिनांक<br>1975-05-24 | नवीकरण 1979-08-31 के बाद स्थगित<br>हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |     |
| 33. सीएम/एल-0406735<br>1974-11-28 | फिन्स्पेट प्रा. लि.,<br>भोपाल                                    | IS : 1308--1974 | एस.ओ. 2022<br>दिनांक<br>1976-06-19 | नवीकरण 1978-11-30 के बाद स्थगित<br>हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |     |
| 34. सीएम/एल-0408537<br>1974-12-12 | प्लॉट प्रोटेक्शन (इंडिया)<br>कट्टक-753001 (उड़ीसा)               | IS : 4323--1967 | एस.ओ. 2286<br>दिनांक<br>1976-07-03 | नवीकरण 1978-09-15 के बाद स्थगित<br>हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |     |
| 35. सीएम/एल-0420628<br>1975-02-10 | डिप्लोमेस फोलेट्स (इंडिया)<br>नई दिल्ली-110020                   | IS : 781--1977  | एस.ओ. 2473<br>दिनांक<br>1976-07-10 | नवीकरण 1978-04-30 के बाद स्थगित हो<br>गया है और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि<br>है। |     |
| 36. सीएम/एल-0437039<br>1975-05-12 | बम्बई रिफ ट्रावेल्स कं. लि.,<br>बम्बई-4000038                    | IS : 3523--1974 | एस.ओ. 3623<br>दिनांक<br>1976-10-16 | नवीकरण 1979-05-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 37. सीएम/एल-0450839<br>1975-07-25 | कनारा स्टील लि.,<br>बैकमपेडी, बल्लिण कनारा<br>जिला—कर्नाटक       | IS : 8057--1976 | एस.ओ. 3914<br>दिनांक<br>1976-10-30 | 1980-07-31 के बाद गतावधि  |     |
| 38. सीएम/एल-0450940<br>1975-07-25 | —यथोपरि—   | IS : 8052--1976 | —यथोपरि—                           | —यथोपरि—  |     |
| 39. सीएम/एल-0451033<br>1975-07-25 | —यथोपरि—   | IS : 8055--1976 | —यथोपरि—                           | —यथोपरि—  |     |
| 40. सीएम/एल-0453037<br>1975-07-31 | श्री फार्म केमिकल्स प्रा. लि.,<br>वारंगल-500007                  | IS : 561--1978  | —यथोपरि—                           | नवीकरण 1978-07-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 41. सीएम/एल-0453138<br>1975-07-31 | —यथोपरि—   | IS : 565--1975  | —यथोपरि—                           | —यथोपरि—  |     |
| 42. सीएम/एल-0453239<br>1975-07-31 | —यथोपरि—   | IS : 683--1975  | —यथोपरि—                           | —यथोपरि—  |     |
| 43. सीएम/एल-0453441<br>1975-07-31 | —यथोपरि—   | IS : 2568--1978 | —यथोपरि—                           | नवीकरण 1977-07-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 44. सीएम/एल-0453542<br>1975-07-31 | श्री फार्म केमिकल्स प्रा. लि.,<br>वारंगल-500007                  | IS : 4322--1967 | एस.ओ. 3914<br>दिनांक<br>1976-10-16 | नवीकरण 1977-07-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 45. सीएम/एल-0453643<br>1975-07-31 | —यथोपरि—   | IS : 7122--1973 | एस.ओ. 3914<br>दिनांक<br>1976-10-16 | —यथोपरि—  |     |
| 46. सीएम/एल-0454140<br>1975-08-11 | —यथोपरि—   | IS : 562--1978  | एस.ओ. 428<br>दिनांक<br>1977-02-05  | —यथोपरि—  |     |
| 47. सीएम/एल-0476150<br>1975-10-29 | स्पान रबड़ इंडस्ट्रीज,<br>कानपुर                                 | IS : 5676--1970 | एस.ओ. 1148<br>दिनांक<br>1977-04-16 | 1979-12-31 के बाद गतावधि है।  |     |
| 48. सीएम/एल-0485151<br>1975-11-28 | कनारा स्टील लि.,<br>बैकमपेडी, एस. के.<br>कर्नाटक                 | IS : 8054--1976 | एस.ओ. 1147<br>दिनांक<br>1977-04-16 | 1980-11-30 के बाद गतावधि है।  |     |

| (1)                               | (2)  | (3)            | (4)                                | (5)   | (6) |
|-----------------------------------|--|----------------|------------------------------------|---|-----|
| 49. सीएम/एल-0492451<br>1976-01-01 | अमीन चंद भोला नाथ,<br>जलंधर शहर (पंजाब)  | IS: 226-1975   | एस.ओ. 1312<br>दिनांक<br>1977-05-07 | नवीकरण 1976-12-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 50. सीएम/एल-0492754<br>1976-01-01 | श्री फार्म केमिकल्स प्रा. लि.,<br>बारंगल-506007<br>(आ.प्र.)                      | IS: 4323--1967 | एस.ओ. 1312<br>दिनांक<br>1977-05-07 | नवीकरण 1977-12-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 51. सीएम/एल-503127<br>1976-0-18   | केबल कारपोरेशन आफ इंडिया लि.,<br>बंबई-400066<br>(महा.)                           | IS: 5950--1981 | एस.ओ. 3441<br>दिनांक<br>1978-12-02 | 1980-10-31 के बाद गतावधि है।  |     |
| 52. सीएम/एल-0505333<br>1976-03-01 | सामन्तगढ़ जूट फैक्टरी कं. लि.,<br>डाकघर भादरेखर<br>(प.प्र.)                      | IS: 7407--1974 | एस.ओ. 12<br>दिनांक<br>1979-01-06   | 1979-02-28 के बाद गतावधि है।  |     |
| 53. सीएम/एल-0508743<br>1976-03-18 | रुक्मिणी स्टील इंडस्ट्रीज<br>बंगलोर  | IS: 7452--1974 | --यथोपरि--                         | नवीकरण 1978-03-15 के बाद स्थगित<br>हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |     |
| 54. सीएम/एल-0517037<br>1976-04-29 | फार्म केमिकल्स,<br>मुजफ्फरनगर-251101<br>(उ.प्र.)                                 | IS: 561--1978  | एस.ओ. 314<br>दिनांक<br>1979-06-27  | नवीकरण 1980-05-15 के बाद स्थगित<br>हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |     |
| 55. सीएम/एल-0518654<br>1976-05-07 | इलमेक्स इंजीनियरिंग कंपनी<br>नई दिल्ली   | IS: 6595--1972 | एस.ओ. 954 दिनांक<br>1979-03-17     | नवीकरण 1980-09-30 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 56. सीएम/एल-0522535<br>1976-05-21 | नेशनल जूट एंड प्लास्टिक<br>प्रोडक्ट्स, गोहाटी-<br>781001 (असम)                   | IS: 7406-1974  | एस.ओ. 954 दिनांक<br>1979-03-17     | नवीकरण 1979-05-31 के बाद स्थगित<br>हो गया है और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |     |
| 57. सीएम/एल-0522636<br>1976-05-21 | नैहाती जूट मिल्स कं. लि.,<br>24-परगना (पं.प्र.)                                  | IS: 7407-1974  | --यथोपरि--                         | नवीकरण 1978-04-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 58. सीएम/एल-0529953<br>1976-06-14 | मांडव उद्योग, पी.आ.मंडी,<br>टाउन-175001 सहसीख<br>जिला मंडी (हि.प्र.)--<br>175001 | IS: 458-1971   | एस.ओ. 1274 दिनांक<br>1979-04-21    | नवीकरण 1979-06-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 59. सीएम/एल-0532134<br>1976-06-28 | इस्ट क्रोस्ट पेस्टीसाइड्स,<br>जगन्नाथपुर, जिला गंजम<br>(उड़ीसा)                  |                | --यथोपरि--                         | 1980-09-30 के बाद गतावधि है।  |     |
| 60. सीएम/एल-0534643<br>1976-07-09 | बारिधोन इंडस्ट्रीज एंड<br>केमिकल्स, मद्रास-600050                                | IS: 564-1975   | एस.ओ. 1226 दिनांक<br>1979-04-14    | 1980-11-30 के बाद गतावधि है।  |     |
| 61. सीएम/एल-0536894<br>1976-07-14 | मनरे केमिकल इंडस्ट्रीज,<br>आगरा - 282004   | IS: 2568--1978 | एस.ओ. 1226 दिनांक<br>1979-04-14    | 1979-07-15 के बाद गतावधि है।  |     |
| 62. सीएम/एल-0540840<br>1976-08-02 | मेटल प्रोडक्ट्स एंड इंजी. कं.<br>लिवुड (हावड़ा)                                  | IS: 2552-1970  | एस.ओ. 3548 दिनांक<br>1979-10-20    | नवीकरण 1979-02-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |     |
| 63. सीएम/एल-0544343<br>1976-08-20 | माहू सुप्ता इंडस्ट्रीज,<br>रांची, बिहार  | IS: 1977-1975  | एस.ओ. 3448 दिनांक<br>1979-10-20    | 1980-08-31 के बाद गतावधि है।  |     |
| 64. सीएम/एल-0547753<br>1976-09-06 | केमारा स्टील लि.,<br>बैकमपेडी-575010   | IS: 8056-1976  | एस.ओ. 2549 दिनांक<br>1979-10-20    | 1980-09-15 के बाद गतावधि है।  |     |
| 65. सीएम/एल-0552241<br>1976-09-24 | जे. के. प्रायरन एंड स्टील<br>कं. लि., कानपुर (उ.प्र.)                            | IS: 6914-1978  | --यथोपरि--                         | 1980-09-30 के बाद गतावधि है।  |     |
| 66. सीएम/एल-0552342<br>1976-09-24 | --यथोपरि--   | IS: 226-1975   | --यथोपरि--                         | --यथोपरि--  |     |

| (1)                               | (2)  | (3)                       | (4)                                 | (5)  | (6) |
|-----------------------------------|--|---------------------------|-------------------------------------|--|-----|
| 67. सीएम/एल-0556653<br>1976-10-12 | फूड एंड एलायड प्रोडक्ट्स,<br>बिजयवाड़ा (520007<br>(भा. प्र.))                                  | IS: 561-1978              | एस. प्रो. 3550 दिनांक<br>1979-10-20 | 1980-10-15 के बाद गतावधि है  |     |
| 68. सीएम/एल-0558354<br>1976-10-25 | डेटस डिस्कस प्रा. लि.,<br>डाकघर मोहननगर,<br>गाहियाबाव, गाजियाबाद                               | IS: 4366 (भाग 1)<br>1972  | एस. प्रो. 3550 दिनांक<br>1979-10-20 | नवीकरण 1978-10-15 के बाद<br>गतावधि हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है।   |     |
| 69. सीएम/एल-0558556<br>1976-10-25 | श्री फार्म केमिकल्स प्रा. लि.<br>बारगल   | IS: 564-1975              | -यथोपरि-                            | नवीकरण 1977-10-15 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि<br>से गतावधि है  |     |
| 70. सीएम/एल-0562042<br>1976-11-05 | -यथोपरि-   | IS: 2567-1978             | एस. प्रो. 3761 दिनांक<br>1979-11-17 | नवीकरण 1977-11-15 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि<br>से गतावधि है  |     |
| 71. सीएम/एल-0563549<br>1976-11-05 | क्रोयंबल्लूर इंडस्ट्रीज,<br>क्रोयंबल्लूर-641006<br>(त. ना.)                                    | IS: 325-1978              | -यथोपरि-                            | 1980-10-31 के बाद गतावधि है।   |     |
| 72. सीएम/एल-0566050<br>1976-11-24 | प्लावा केमिकल्स,<br>मन्नास-600029  | IS: 4323-1967             | -यथोपरि-                            | नवीकरण 1980-11-15 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 73. सीएम/एल-0568458<br>1976-12-10 | अगोका इंजीनियरिंग कं.,<br>कलकत्ता  | IS: 3564-1975             | एस. प्रो. 3762 दिनांक<br>1979-11-17 | नवीकरण 1979-12-15 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 74. सीएम/एल-0571348<br>1976-12-10 | राजेश स्टील इंडस्ट्रीज,<br>भावनगर-3466001<br>(गुजरात)  | IS: 1977-1975             | एस. प्रो. 3762 दिनांक<br>1979-11-17 | नवीकरण 1979-06-30 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 75. सीएम/एल-0574453<br>1976-12-24 | हिविया क्रम्ब रबड़ प्रा. लि.,<br>पुवारानी पो. प्रो.<br>बाया पलाई कोट्टायम जिला<br>(केरल राज्य) | IS: 4588-1977             | -यथोपरि-                            | नवीकरण 1979-12-15 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है  |     |
| 76. सीएम/एल-8594964<br>1977-03-21 | बी और लेमिनेशन एंड कं.,<br>जोरहट-785001  | IS: 7406-1974             | एस. प्रो. 787 दिनांक<br>1980-03-29  | नवीकरण 1979-03-15 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 77. सीएम/एल-0595562<br>1977-03-21 | जयंत मेटल वर्क्स, राजकोट   | IS: 21-1975               | -यथोपरि-                            | नवीकरण 1979-02-28 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 78. सीएम/एल-0601026<br>1977-03-31 | गिरनार पेस्टीसाइड्स प्रा. लि.<br>दीवलपुर, जिला जूनागढ़   | IS: 565-1975              | -यथोपरि-                            | नवीकरण 1978-03-31 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 79. सीएम/एल-0601632<br>1977-03-31 | यूनीसिस्टम्स प्रा. लि.,<br>फरीदाबाद-121003<br>(हरियाणा)  | IS: 2771 (भाग 1)-1977     | एस. प्रो. 787 दिनांक<br>1980-03-29  | नवीकरण 1980-03-31 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 80. सीएम/एल-0602432<br>1977-04-07 | गीता प्रायरेन एंड ब्रास वर्क्स,<br>बाजुवा; 351310 बड़ोदरा<br>(गुजरात)                          | SI: 5312 (भाग 1);<br>1969 | एस. प्रो. 736 दिनांक<br>1980-03-29  | नवीकरण 1979-04-15 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 81. सीएम/एल-0602937<br>1977-04-07 | समीनबंद भोलनाथ,<br>जलंधर महार (पंजाब)  | IS: 1786-1979             | -यथोपरि-                            | नवीकरण 1980-02-29 के बाद स्थ-<br>गित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है। |     |
| 82. सीएम/एल-0605640<br>1977-04-20 | एन. वा. एब्संस प्रा. लि.<br>कलकत्ता-700008<br>(पं. बं.)  | IS: 3062-1974             | -यथोपरि-                            | 1980-04-15 के बाद गतावधि है  |     |



| (1)                               | (2)   | (3)  | (4)                           | (5)  | (6) |
|-----------------------------------|---|--|-------------------------------|--|-----|
| 83. सीएम/एल-0610835<br>1977-05-23 | रुकमणी स्टील इंडस्ट्रीज प्रा. लि., बंगलोर   | IS: 961-1975                                   | एस. ओ. 283 दिनांक 1981-01-24  | नवीकरण 1978-05-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 84. सीएम/एल-0616746<br>1977-06-03 | साउथर्न स्टील मेटल एंड एलॉय लि., बंगलोर   | IS: 3195-1975                                  | एस. ओ. 284 दिनांक 1981-01-24  | नवीकरण 1980-05-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 85. सीएम/एल-0617344<br>1977-06-06 | साउथर्न स्टील मेटल एंड एलॉय लि., बंगलोर-560043  | IS: 3431-1975                                  | एस. ओ. 284 दिनांक 1981-01-24  | नवीकरण 1981-05-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 86. सीएम/एल-0619449<br>1977-06-24 | प्रेस्टोलाइट आफ इंडिया लि. फरोबाबाद (हरियाणा)   | IS: 2077-1962                                  | एस. ओ. 284 दिनांक 1981-01-24  | --यथोपरि--   |     |
| 87. सीएम/एल-0623440<br>1977-07-14 | रुकमणी स्टील इंडस्ट्री प्रा. लि., बंगलोर  | IS: 7283-1974                                  | एस. ओ. 754 दिनांक 1981-03-07  | नवीकरण 1978-07-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 88. सीएम/एल-0624947<br>1977-07-14 | --यथोपरि--  | IS: 4432-1967                                  | --यथोपरि--                    | --यथोपरि--   |     |
| 89. सीएम/एल-0634243<br>1977-08-12 | साउथर्न स्टीलमेट एंड एलॉय लि., बंगलोर   | IS: 3885 (भाग 1)-1974<br>IS: 3885 (भाग 2)-1969 | एस. ओ. 755 दिनांक 1981-03-07  | नवीकरण 1978-08-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 90. सीएम/एल-0640844               | आवलम इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज लि., हैदराबाद-500037 (आं. प्र.)                                 | IS: 2834-1964                                  | एस. ओ. 920 दिनांक 1981-03-21  | 1980-09-15 के बाद गतावधि है  |     |
| 91. सीएम/एल-0641543<br>1977-09-21 | भारतीय इस्तेत उद्योग प्रा. लि., पटना-800001 (बिहार)   | IS: 1977-1975                                  | एस. ओ. 920 दिनांक 1981-03-21  | नवीकरण 1978-09-30 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है। |     |
| 92. सीएम/एल-0646755<br>1977-10-19 | फेन्सी निटिंग वर्क्स, तिरुपुर-638601  | IS: 4964 (भाग 2)-1975                          | एस. ओ. 921 दिनांक 1981-03-21  | नवीकरण 1979-11-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है। |     |
| 93. सीएम/एल-0653661<br>1977-12-20 | सारंग प्रोडक्ट्स, मुजफ्फरनगर (उ.प्र.)   | IS: 369-1965                                   | एस. ओ. 1222 दिनांक 1981-04-18 | नवीकरण 1978-12-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 94. सीएम/एल-0660648<br>1977-12-20 | गोरख प्रोडक्ट्स, मुजफ्फरनगर-251001  | IS: 4159-1976                                  | एस. ओ. 1222 दिनांक 1981-04-18 | नवीकरण 1979-12-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 95. सीएम/एल-0671754<br>1978-01-27 | के टो इंडस्ट्रीज (प्रा.) लि. कलकत्ता-700007   | IS: 10 (भाग 2)-1976                            | एस. ओ. 1615 दिनांक 1981-05-30 | 1980-01-31 के बाद गतावधि है  |     |
| 96. सीएम/एल-0676562<br>1978-02-17 | सिघल पेस्टीसाइड्स, आगरा-281006 (उ.प्र.)   | IS: 2359-1963                                  | एस. ओ. 1661 दिनांक 1981-06-06 | 1980-10-15 के बाद गतावधि है  |     |
| 97. सीएम/एल-0678162<br>1978-02-27 | पदीनजारीकारा एजेंसीज लि. कोडामठ यूनिट, कोट्टायम   | IS: 5430-1969                                  | --यथोपरि--                    | नवीकरण 1979-02-28 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है  |     |
| 98. सीएम/एल-0678263<br>1978-02-27 | पदीनजारीकारा एजेंसीज लि. चिनापेडुड़ी लैबरेट्स मे. यूनिट, चिनापेडुड़ी, विजुकीपोड काजिरापल्ली | IS: 5430-1969                                  | --यथोपरि--                    | --यथोपरि--   |     |
| 99. सीएम/एल-0680452<br>1978-02-28 | हिन्दुरी-रोलिंग इंडस्ट्रीज हैदराबाद-500018  | IS: 1977-1975                                  | --यथोपरि--                    | नवीकरण 1979-03-15 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है। |     |

| 1                                    | 2  | 3                          | 4                               | 5   | 6          |
|--------------------------------------|--|----------------------------|---------------------------------|---|------------|
| 100. सी.एम./एल-0680553<br>1978-03-28 | --यथोपरि--   | IS : 226-1975              | --यथोपरि--                      | --यथोपरि--  | --यथोपरि-- |
| 101. सी.एम./एल-0682860<br>1978-03-03 | जयश्री प्लास्टिक्स,<br>कलकत्ता-700053  | IS : 3076-1968             | एस.ओ. 1664<br>दिनांक 1981-06-06 | नवीकरण 1980-03-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है     |            |
| 102. सी.एम./एल-0683458<br>1978-03-06 | एंगस लेदर वर्क्स,<br>सारंगबाद, बूज बूज<br>(पश्चिम बंगाल)                             | IS : 583-1969              | एस.ओ. 1664<br>दिनांक 1981-06-06 | नवीकरण 1979-03-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि<br>गतावधि है        |            |
| 103. सी.एम./एल-0688973<br>1978-03-27 | आन्ध्र प्रदेश स्टील्स लि.,<br>पलोचा, काठगुडम,<br>खम्माम (जिला) आन्ध्र प्रदेश         | IS : 8054-1976             | --यथोपरि--                      | 1980-08-31 के बाद गतावधि है   |            |
| 104. सी.एम./एल-0684261<br>1978-03-31 | जिबल स्ट्रिप्स लि.,<br>हिसार (हरियाणा)   | IS : 1977-1975             | --यथोपरि--                      | नवीकरण 1979-04-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि<br>से गतावधि है     |            |
| 105. सी.एम./एल-0684362<br>1978-03-31 | --यथोपरि--   | IS : 226-1975              | --यथोपरि--                      | --यथोपरि--  | --यथोपरि-- |
| 106. सी.एम./एल-0684463<br>1978-03-31 | --यथोपरि--   | IS : 2836-1975             | --यथोपरि--                      | नवीकरण 1980-09-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि के<br>बाद गतावधि है |            |
| 107. सी.एम./एल-0694564<br>1978-03-31 | --यथोपरि--   | IS : 2831-1975             | --यथोपरि--                      | नवीकरण 1979-04-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि<br>से गतावधि है     |            |
| 108. सी.एम./एल-0696333<br>1978-03-31 | एकर इंडस्ट्रीज,<br>बंबई-400064   | IS : 4615-1968             | एस.ओ. 1664<br>दिनांक 1981-06-06 | नवीकरण 1979-04-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि<br>से गतावधि है     |            |
| 109. सी.एम./एल-0701434<br>1978-05-24 | रेक एंटरप्राइजेज,<br>कलकत्ता-700006  | IS : 10 (भाग 4)-1976       | एस.ओ. 2002<br>दिनांक 1981-07-25 | नवीकरण 1979-05-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि<br>से गतावधि है।    |            |
| 110. सी.एम./एल-0707547<br>1978-06-23 | हिन्द रि-रोलिंग इंडस्ट्रीज,<br>हैदराबाद  | IS : 1786-1979             | --यथोपरि--                      | नवीकरण 1979-06-30 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है     |            |
| 111. सी.एम./एल-0711839<br>1978-07-18 | कृष्णा माइनिंग एंड ड्रेजर्स,<br>जयपुर  | IS : 2567-1978             | एस.ओ. 2176<br>दिनांक 1981-08-15 | नवीकरण 1980-07-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |            |
| 112. सी.एम./एल-0781350<br>1978-08-30 | रवी इंडस्ट्रीज प्रा. लि.,<br>थाने-400602   | IS : 2878-1976             | एस.ओ. 2180<br>दिनांक 1981-08-15 | नवीकरण 1989-09-15 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है।    |            |
| 113. सी.एम./एल-0718956<br>1978-08-31 | प्रभात आयरन फाउंडरी एवं<br>मेटल इंडस्ट्रीज प्रा. लि.,<br>राउरकेला-769004<br>(उड़ीसा) | IS : 774-1971              | --यथोपरि--                      | --यथोपरि--  | --यथोपरि-- |
| 114. सी.एम./एल-0719857<br>1978-09-04 | बिहार ट्रेडिङ क्लब कं.,<br>24 परगना (पं.बं.)   | IS : 4355-1977             | एस.ओ. 2215<br>दिनांक 1981-08-22 | 1980-09-15 के बाद गतावधि है।  |            |
| 115. सी.एम./एल-0732748<br>1978-11-08 | स्वर्धा निटिंग मिल्स<br>तिरुपुर-638603   | IS : 4964 (भाग 2)-<br>1975 | एस.ओ. 2270<br>दिनांक 1981-08-29 | 1980-16-15 के बाद गतावधि है।  |            |
| 116. सी.एम./एल-0733447<br>1978-11-08 | पी.बी.एस इंडस्ट्रीज,<br>हास्पेट-843201<br>(कर्नाटक)                                  | IS : 1507-1977             | --यथोपरि--                      | --यथोपरि--  | --यथोपरि-- |

| 1                                   | 2   | 3                                | 4                               | 5        | 6  |
|-------------------------------------|---|----------------------------------|---------------------------------|----------|--|
| 117. सी एम/एल-0733548<br>1978-11-09 | एच यू एफ लालजी भाई<br>जींदराम गज्जर, अहमदाबाद<br>-380025 (गुजरात)           | IS : 7538-1975<br>IS : 6595-1972 | -यथोपरि-                        | -यथोपरि- |  |
| 118. सी एम/एल-0734045<br>1978-11-15 | सोन्धी एंड कं., द्वारा<br>डी पी भोन्साइल प्रा. लि.,<br>श्रीनगर (ज. एच. कं.) | IS : 10 (भाग 3)-1974             | -यथोपरि-                        |          | 1980-11-15 के बाद गतावधि है  |
| 119. सी एम/एल-0743652<br>1978-12-26 | ट्रापिकल एग्रोसिस्टम्स<br>(प्रा.) लि., मद्रास-58                            | IS : 632-1978                    | एस.ओ. 2276<br>दिनांक 1981-08-29 |          | 1980-12-31 के बाद गतावधि है  |
| 120. सी एम/एल-0769771<br>1979-04-09 | वेस्टन इंडिया पेंट एंड कलर<br>मद्रास  | IS : 158-1968                    | एस.ओ. 2974<br>दिनांक 1981-10-31 |          | 1980-04-15 के बाद गतावधि है  |
| 121. सी एम/एल-0776566<br>1979-05-22 | -यथोपरि-  | IS : 2339-1963                   | -यथोपरि-                        |          | नवीकरण 1980-05-31 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है  |
| 122. सी एम/एल-0781862<br>1979-06-22 | समाधुर केमिकल्स<br>कोयम्बटूर-641002<br>(तमिल नाडु)                          | IS : 564-1975                    | -यथोपरि-                        |          | नवीकरण 1980-06-30 के बाद स्थगित<br>हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से<br>गतावधि है। |
| 123. सी एम/एल-0797877<br>1979-09-06 | एच यू एफ लालजी भाई<br>जींदराम गज्जर,<br>अहमदाबाद-380025<br>(गुजरात)         | IS : 6595-1972<br>IS : 7538-1975 | एस.ओ. 1772<br>दिनांक 1982-05-15 |          | 1980-09-15 के बाद गतावधि है  |
| 124. सी एम/एल-0798980<br>1979-09-11 | प्रियम स्टील इंडस्ट्रीज,<br>हावड़ा-711107                                   | IS : 1977-1975                   | -यथोपरि-                        |          | -यथोपरि-   |
| 125. सी एम/एल-0800638<br>1979-09-19 | कनोरिया स्टील लारायुर,<br>जिला थाना (महाराष्ट्र)                            | IS : 6915-1978                   | -यथोपरि-                        |          | 1980-09-30 के बाद गतावधि है  |
| 126. सी एम/एल-0805244<br>1979-10-10 | बंगाल फेराण एयण्ड<br>स्टील लि. कल्याण                                       | IS : 6915-1978                   | एस.ओ. 1771<br>दिनांक 1982-05-15 |          | 1980-10-15 के बाद गतावधि है  |
| 127. सी एम/एल-0810338<br>1979-10-29 | बालाजी पल्परजिग<br>इंडस्ट्रीज, औद्योगिक-12<br>मदुराई जिला (त. ना.)          | IS : 561-1978                    | एस.ओ. 1771<br>दिनांक 1982-05-15 |          | 1980-11-15 के बाद गतावधि है  |
| 128. सी एम/एल-0811946<br>1979-10-31 | गणपति इंजीनियरिंग   | IS : 2675-1966                   | -यथोपरि-                        |          | -यथोपरि-   |
| 129. सी एम/एल-0819457<br>1979-12-06 | नंदी स्टील वर्क प्रो. लि.,<br>बंगलौर-560022                                 | IS : 1977-1975                   | एस.ओ. 2330<br>दिनांक 1982-07-03 |          | 1980-12-15 के बाद गतावधि है  |
| 130. सी एम/एल-000204<br>1966-10-24  | श्री दिग्विजय सीमेंट कं. लि.<br>मिर्जा (गुजरात)                             | IS : 269-1976                    | एस.ओ. 2679<br>दिनांक 1956-11-17 |          | 1980-10-15 के बाद स्थगित :   |
| 131. सी एम/एल-0031516<br>1961-06-26 | रोहताम इंडस्ट्रीज लि.,<br>झालमिया नगर -823005<br>(बिहार)                    | IS : 458-1970                    | एस.ओ. 1630<br>दिनांक 1961-07-15 |          | 1980-06-30   |
| 132. सी एम/एल-0058839<br>1963-10-04 | डी ग्रहमदत्तावर मेन्सु. केलिको<br>प्रिंटिंग कं. लि.,<br>बम्बई-400071        | IS : 694-1977                    | एस.ओ. 3230<br>दिनांक 1963-11-23 |          | 1980-10-15   |
| 133. सी एम/एल-0071225<br>1964-06-29 | मांगनेरिया कं. प्र. लि.,<br>कनकता-700007                                    | IS : 226-1975                    | एस.ओ. 2590<br>दिनांक 1964-08-01 |          | 1980-10-31   |
| 134. सी एम/एल-0071326<br>1964-06-29 | -यथोपरि-  | IS : 1977-1975                   | -यथोपरि-                        |          | -यथोपरि-   |
| 135. सी एम/एल-0155635<br>1967-11-07 | सहगल मैनिटरी फिटिंग<br>(प्रा.) लि.,<br>जलधर-144002 (पंजाब)                  | IS : 781-1977                    | एस.ओ. 4568<br>दिनांक 1967-12-23 |          | 1980-11-15   |

| 1    | 2                              | 3  | 4                               | 5 | 6          |
|------|--------------------------------|--|---------------------------------|---|------------|
| 136. | सी एम/एल-0187547<br>1968-12-23 | एशियन केमिस्ट कार्पो. लि.,<br>थाणे<br>IS : 1596-1977   | एस.ओ. 370<br>दिनांक 1969-01-25  |   | 1980-09-30 |
| 137. | सी एम/एल-0203822<br>1969-07-31 | मेनिफिक्स इंडिया प्रा. लि.,<br>हावड़ा (पं. बं.)<br>IS : 774-1971   | एस.ओ. 3585<br>दिनांक 1969-09-06 |   | —यथोपरि—   |
| 138. | सी एम/एल-0209329<br>1969-09-30 | के. आर. स्टील यूनिशन<br>प्रा. लि.,<br>कलकत्ता-700001<br>IS : 226-1975  | एस.ओ. 4310<br>दिनांक 1969-10-25 |   | —यथोपरि—   |
| 139. | सी एम/एल-0209430<br>1969-09-30 | के. आर. स्टील यूनिशन<br>प्रा. लि.,<br>कलकत्ता-700001<br>IS : 1977-1975   | एस.ओ. 4310<br>दिनांक 1969-10-25 |   | 1980-09-30 |
| 140. | सी एम/एल-0241123<br>1970-09-28 | ए. आर. नेग. चौधरी एंड कं.,<br>जिला 24 परगना<br>(पं. बं.)<br>IS : 3564-1975   | एस.ओ. 3349<br>दिनांक 1971-09-11 |   | 1980-09-15 |
| 141. | सी एम/एल-0262636<br>1971-03-29 | यूनास्टेड वायर रोप्स लि.,<br>थाणे<br>IS : 2266-1977  | एस.ओ. 2405<br>दिनांक 1971-06-19 |   | —यथोपरि—   |
| 142. | सी एम/एल-0276243<br>1971-09-13 | जौली स्टील इंड. प्रा. लि.,<br>पूना<br>IS : 226-1975  | एस.ओ. 2403<br>दिनांक 1972-09-02 |   | 1980-06-30 |
| 143. | सी एम/एल-0307733<br>1972-05-31 | द ग्रहमवाबाव मैन्सू. केमिका<br>प्रिंटिंग कं. लि.,<br>बम्बई-400074<br>IS : 2509-1973                                      | एस.ओ. 3308<br>दिनांक 1972-10-21 |   | 1980-10-15 |
| 144. | सी एम/एल-0310318<br>1972-07-13 | स्टार आयरन वर्क्स प्रा.<br>लि., हावड़ा (पं. बं.)<br>IS : 2108-1977   | एस.ओ. 1948<br>दिनांक 1973-07-14 |   | 1980-07-15 |
| 145. | सी एम/एल-0345842<br>1973-06-28 | पी. एन. एम. कम्पनी,<br>एरोड-638001<br>IS : 633-1975  | एस.ओ. 1037<br>दिनांक 1975-04-05 |   | 1980-09-30 |
| 146. | सी एम/एल-0374445<br>1974-03-15 | बी जनरल इलेक्ट्रिक कं.,<br>फाफ इंडिया लि.,<br>कलकत्ता-700024<br>IS : 2148-1968   | एस.ओ. 2554<br>दिनांक 1975-08-09 |   | 1980-09-15 |
| 147. | सी एम/एल-0392548<br>1974-08-13 | अवध प्लाईवुड इंडस्ट्रीज,<br>गोन्डा (उ. प्र.)<br>IS : 10 (भाग 4)-1976   | एस.ओ. 686<br>दिनांक 1976-02-14  |   | 1980-08-31 |
| 148. | सी एम/एल-0402222<br>1974-10-31 | रोजिन एवं नारपेंडाइन फैक्टरी<br>(से. हिमाचल प्रदेश राज्य<br>वन लि. लि., की एक इकाई)<br>शिमला (हि. प्र.)<br>IS : 533-1969 | एस.ओ. 1763<br>दिनांक 1976-05-29 |   | 1980-08-15 |
| 149. | सी एम/एल-0402424<br>1974-10-31 | एलायंस प्लास्टिक वर्क्स,<br>कलकत्ता-700007<br>IS : 2925-1975   | —यथोपरि—                        |   | 1980-10-15 |
| 150. | सी एम/एल-0428240<br>1975-03-29 | के. आर. यूनिशन प्रा. लि.,<br>कलकत्ता-700027<br>IS : 6914-1978  | —                               |   | 1980-09-30 |
| 151. | सी एम/एल-0428341<br>1975-03-26 | —यथोपरि—<br>IS : 6915-1978   | —                               |   | —यथोपरि—   |
| 152. | सी एम/एल-0442032<br>1975-06-05 | के. आर. स्टील यूनिशन<br>प्रा. लि.,<br>कलकत्ता-700027<br>IS : 1786-1979   | एस.ओ. 3073<br>दिनांक 1975-09-13 |   | 1980-09-30 |
| 153. | सी एम/एल-0449652<br>1975-07-18 | गोवर्धन वाम पी. ए.,<br>जलंधर शहर-144004<br>IS : 778-1971   | एस.ओ. 3914<br>दिनांक 1976-10-30 |   | 1980-10-15 |
| 154. | सी एम/एल-0450233<br>1975-07-25 | द सालिका इंडस्ट्रियल वर्क्स,<br>हावड़ा-700067<br>IS : 1729-1964  | —यथोपरि—                        |   | 1980-07-31 |
| 155. | सी एम/एल-0451639<br>1975-07-28 | शीनको इंटरप्राइजेज,<br>कलकत्ता-700067<br>IS : 10 (भाग 4)-1976  | —यथोपरि—                        |   | 1980-11-30 |

| 1                                       | 2   | 3                          | 4                               | 5 | 6          |
|---|---|----------------------------|---------------------------------|---|------------|
| 156. सी एम/एल-0458047<br>1975-08-20     | एंड्रियुस केमिकल्स एंड<br>मिनरल्स, गाजियाबाद<br>(उ. प्र.)           | IS : 561-1978              | एस.ओ. 428<br>दिनांक 1977-02-05  |   | 1980-10-31 |
| 157. सी एम/एल-0462341<br>1975-09-12     | एलायड केमिकल्स इंडस्ट्रीज,<br>गोहाटी-781031 (असम)                   | IS : 2567-1978             | एस.ओ. 832<br>दिनांक 1977-03-19  |   | 1980-09-15 |
| 158. सी एम/एल-0462442<br>1975-09-12     | उत्कल पेस्टीसाइड्स एंड<br>केमिकल्स, जिला गंजाम<br>(उड़ीसा)          | IS : 5279-1969             | -यथोपरि-                        |   | -यथोपरि-   |
| 159. सी एम/एल-0464648<br>1975-09-17     | रिट्रेबिलिएशन इंड कार्पो.<br>लि., कलकत्ता-700035                    | IS : 1989 (भाग 1)-<br>1978 | एस.ओ. 832<br>दिनांक 1977-03-19  |   | 1980-09-15 |
| 160. सी एम/एल-0465650<br>1975-09-22     | ब मिनरल्स माइनिंग कं.<br>प्रा. लि.,<br>भनस्तपुर-515455<br>(आ. प्र.) | IS : 561-1978              | एस.ओ. 832<br>दिनांक 1977-03-19  |   | 1980-10-15 |
| 161. सी एम/एल-0469052<br>1975-09-29     | असम टिन प्रैम्स कं.<br>(प्रा.) लि.,<br>बम्बई-400063                 | IS : 10 (भाग 4)-1978       | -यथोपरि-                        |   | -यथोपरि-   |
| 162. सी एम/एल-0470744<br>1975-10-15     | इंडियन पेपर पल्प कं. लि.,<br>कलकत्ता-700001                         | IS : 1848-1971             | एस.ओ. 1148<br>दिनांक 1977-04-16 |   | 1980-09-30 |
| 163. सी एम/एल-0474853<br>1975-10-17     | गोरापा एंड एसोसियेट्स,<br>देहरादून (उ. प्र.)                        | IS : 3055 (भाग 1)-1977     | -यथोपरि-                        |   | 1980-10-31 |
| 164. सी एम/एल-0478053<br>1975-10-31     | स्टील एंड एलाइड प्रोडक्ट्स<br>लि.,<br>कलकत्ता-700063                | IS : 5101-1969             | -यथोपरि-                        |   | -यथोपरि-   |
| 165. सी एम/एल-0478255<br>1975-10-31     | कार्मर्स पेस्टीसाइड्स,<br>जिला कुड्ड्या (आन्ध्र प्रदेश)             | IS : 561-1978              | -यथोपरि-                        |   | 1980-10-15 |
| 166. सी एम/एल-<br>9479964<br>1975-11-24 | जवा मार्टिन ब्लेक (बायर<br>रोपर्स लि., कलकत्ता-<br>700013           | IS : 2141-1968             | एस.ओ. 1147 दिनांक<br>1977-04-16 |   | 1980-11-15 |
| 167. सी एम/एल-0533439<br>1976-07-06     | एग्रो प्लास्टिक इंडस्ट्रीज,<br>बम्बई-400063                         | IS : 3906 (भाग 1) 1974     | एस.ओ. 1226 दिनांक<br>1979-04-14 |   | 1980-07-15 |
| 168. सी एम/एल 0543341<br>1976-08-11     | राजेश्वरी इंडस्ट्रीज, राजकोट-<br>360003 (गुजरात)                    | IS : 1601-1960             | एस.ओ. 3548 दिनांक<br>1979-10-20 |   | 1980-08-15 |
| 169. सी एम/एल 0544242<br>1976-08-20     | महवीरजुट मिल्स लि.,<br>गोरखपुर                                      | IS : 7406-1974             | -यथोपरि-                        |   | 1980-08-31 |
| 170. सी एम/एल 0546145<br>1976-09-02     | फिनोलेक्स प्लास्टिक्स प्रा.,<br>लि., पूना-11018                     | IS : 2509-1973             | एस.ओ. 3549 दिनांक<br>1979-10-20 |   | 1980-09-15 |
| 171. सी एम/एल-0548957<br>1976-09-20     | परतार प्रायल इंड्रस्ट्स,<br>पटना (बिहार)                            | IS : 1601-1960             | -यथोपरि-                        |   | यथोपरि     |
| 172. सी एम/एल-0549454<br>1976-09-20     | टाइगर हाईवेयर एंड टूल्स<br>लि.,<br>भलीगढ़ (उ.प्र.)                  | IS : 3564-1975             | -यथोपरि-                        |   | 1980-07-31 |
| 173. सी एम/एल-0552544<br>1976-09-24     | ए.के.एंड ब्रादर्स,<br>कानपुर-208004                                 | IS : 5852-1977             | -यथोपरि-                        |   | 1980-09-30 |
| 174. सी एम/एल 0554750<br>1976-10-04     | श्री एग्रो इंडस्ट्रीज,<br>भैसूर-570002 (कर्नाटक)                    | IS : 7121-1973             | एस.ओ. 3550 दिनांक<br>1979-10-20 |   | 1980-09-30 |
| 175. सी एम/एल-0554851<br>1976-10-04     | -यथोपरि-  | IS : 7122-1973             | -यथोपरि-                        |   | -यथोपरि-   |

| 1   | 2                              | 3  | 4   | 5                                   | 6          |
|-----|--------------------------------|--|---|-------------------------------------|------------|
| 176 | सीएम/एल-0564349<br>1976-11-17  | श्री ग्रैविका मेटल वर्क्स,<br>हावड़ा- 711204   | IS : 1977—1975  | एस. प्रो. 3761 दिनांक<br>1979 11-17 | 1980-11-30 |
| 177 | सीएम/एल-0567557<br>1976-11-30  | दिल्ली स्टील रोलिंग मिल्स,<br>दिल्ली- 110032   | IS : 226—1975   | "                                   | "          |
| 178 | सीएम/एल-0567658<br>1976-11-30  | "  | IS : 1977—1975  | "                                   | "          |
| 179 | सीएम/एल-0574049<br>1977-12-24  | विनम ब्रावर्स,<br>कायंबतूर - 641025  | IS : 7175—1974  | एस. प्रो. 3762<br>दिनांक 1979-11-17 | 1980-12-13 |
| 180 | सीएम/एल-0595057<br>1977-03-21  | श्री एमो इंडस्ट्रीज,<br>मैसूर- 570002<br>(कर्नाटक)                                   | IS : 564—1975   | एस. प्रो. 787 दिनांक<br>1980-03-29  | 1980-10-31 |
| 181 | सीएम/एल- 0607442<br>1977-04-29 | ब. गुरुनानक सीमेंट पावप<br>वर्कशॉप का-घाप<br>इंडस्ट्रियल सोसायटी लि.,<br>अमृतसर जिला | IS : 458—1971   | एस. प्रो. 786 दिनांक<br>1980-03-29  | 1980-08-15 |
| 182 | सीएम/एल- 0629351<br>1977-07-28 | एशियन केबल्स कापो. लि.,<br>पाने- 400601  | IS : 1026—1966  | एस. प्रो. 754 दिनांक<br>1980-03-07  | 1980-09-30 |
| 183 | सीएम/एल- 0635346<br>1977-08-16 | कृषि रसायन,<br>पो. प्र. राजीताल-<br>756111,<br>जिला बाणसोर (उड़ीसा)                  | IS : 1308—1974  | एस. प्रो. 755 दिनांक<br>1981-03-07  | 1980-08-15 |
| 184 | सीएम/एल- 0641644<br>1977-09-21 | बंगाल मेटल इंडस्ट्रीज,<br>हवड़ा- 711101 (प. बं.)                                     | IS : 1786—1979  | एस. प्रो. 920 दिनांक<br>1981-03-21  | 1980-09-30 |
| 185 | सीएम/एल- 0649761<br>1977-10-31 | असम बेले प्लाईवुड (प्रा.)<br>लि.,<br>कलकत्ता- 700017                                 | IS : 2202(भाग 1) 1973   | एस. प्रो. 921 दिनांक<br>1981-03-21  | 1980-10-31 |
| 186 | सीएम/एल- 0690253<br>1978 03-28 | मेट्रो वेंट इंडस्ट्रीज,<br>नई दिल्ली- 110064   | IS : 3537—1966  | एस. प्रो. 1664 दिनांक<br>1981-06-06 | 1980-03-31 |
| 187 | सीएम/एल- 0697671<br>1978-04-18 | यूनिवर्सल टेंडिंग कं.<br>(स्टील विभाग) पाने  | IS : 226—1975   | एस. प्रो. 1725 दिनांक<br>1981-06-13 | 1980 07-31 |
| 188 | सीएम/एल- 0709147<br>1978-06-30 | केन्द्रीय जिवनाशक एवं<br>उर्वरक,<br>जिला अहमदाबाद<br>(गुजरात)                        | IS : 7122—1973  | एस. प्रो. 2002 दिनांक<br>1981-07-25 | 1980-06-30 |
| 189 | सीएम/एल- 0709248<br>1978-06-30 | "  | IS : 561—1978   | "                                   | "          |
| 190 | सीएम/एल- 0718250<br>1978-08-28 | बेकफिल,<br>लखनऊ (उ.प्र.)   | IS : 8268—1976  | एस. प्रो. 2180 दिनांक<br>1981-08-15 | 1980-08-31 |
| 191 | सीएम/एल- 0721945<br>1978-09-15 | मिलार्ड वायर्स लि.,<br>मिलार्ड- 490001<br>(म.प्र.)                                   | IS : 398(भाग 2)—1976  | एस. प्रो. 2215 दिनांक<br>1981-08-22 | 1980-09-15 |
| 192 | सीएम/एल- 0723040<br>1978-09-18 | उड़ीसा टेक्सटाईल्स एवं<br>स्टील लि., कटक- 753004                                     | IS : 226—1975   | "                                   | 1980-09-30 |
| 193 | सीएम/एल- 0723242<br>1978-09-20 | बेक्टोजिन सेबोरेटरीज,<br>जबलपुर  | IS : 8268—1976  | "                                   | "          |
| 194 | सीएम/एल- 0723343<br>1978-09-21 | सुप्रीम मेटल वर्क्स,<br>दिल्ली-110006  | IS : 1660(भाग 1)-1976<br>IS : 1660(भाग II और III)<br>1972<br>IS : 1668 (भाग 4)—<br>1977 | "                                   | 1980-09-15 |

| 1                                   | 2  | 3                   | 4                                   | 5          | 6 |
|-------------------------------------|--|---------------------|-------------------------------------|------------|---|
| 195. सीएम/एल- 0724446<br>1978-09-25 | मार्कफेड रिफाइन प्रायल एंड<br>एलायड इंडस्ट्रीज,<br>कपूरथला (पंजाब)                       | IS : 2052—1979      | एस.ओ. 2215 दिनांक<br>1981-08-22     | 1980-09-30 |   |
| 196. सीएम/एल- 0725448<br>1978-10-03 | नेशनल इंजी. कं. लि.,<br>मद्रास   | IS : 226—1975       | एस.ओ. 2218 दिनांक<br>1981-08-22     | 1980-09-30 |   |
| 197. सीएम/एल- 0725751<br>1978-10-03 | श्री गणेश फोर्जिंग कं.,<br>बलूर- 711202  | IS : 226—1975       | "                                   | "          |   |
| 198. सीएम/एल- 0726450<br>1978-10-03 | अजंता आयरन एंड स्टील<br>कं. प्रा. लि.,<br>दिल्ली- 110032                                 | IS : 1729—1964      | "                                   | 1980-10-15 |   |
| 199. सीएम/एल- 0727654<br>1978-10-17 | जेम्स ब्रूटन एंड कं.,<br>एलिप्पी जिला (केरल)   | IS : 10(भाग 4)—1976 | "                                   | 1980-09-30 |   |
| 200. सीएम/एल- 0727856<br>1978-10-18 | मेकबेल, प्रा. लि.,<br>भुवनेश्वर- 751010  | IS : 261—1966       | "                                   | 1980-10-31 |   |
| 201. सीएम/एल- 0729759<br>1978-10-30 | केजरीवाल आयरन एंड<br>स्टील वर्क्स,<br>हावड़ा- 711101 (प. बं.)                            | IS : 780—1969       | "                                   | "          |   |
| 202. सीएम/एल- 0736150<br>1978-11-23 | बाबबों (इंडिया) प्रा. लि.,<br>गजियाबाद (उ.प्र.)  | IS : 4654—1974      | एस. ओ. 2270<br>दिनांक<br>1981-08-29 | 1980-11-30 |   |
| 203. सीएम/एल- 0738962<br>1978-12-04 | ग्यू ब्रंवेदी इस्टेट प्रा. लि.,<br>कन्याकुमारी जिला<br>(त. ना.)                          | IS : 5430—1969      | "                                   | 1980-12-15 |   |
| 204. सीएम/एल- 0762252<br>1979-03-21 | इंडिया यूनाइटेड मिल्स संस्था<br>2 फीर 3,<br>(ईस्ट्स फीर रीडिंग फैक्टरी)<br>बम्बई- 400033 | IS : 1739—1968      | एस.ओ. 2585 दिनांक<br>1981-10-03     | 1980-03-31 |   |
| 205. सीएम/एल- 0779774<br>1979-06-12 | एचन सविसेज (पी एच ए)<br>प्रा. लि.,<br>बम्बई- 400015                                      | IS : 933—1976       | --                                  | 1980-06-15 |   |
| 206. सीएम/एल- 0779875<br>1979-06-12 | "  | IS : 934—1976       | --                                  | "          |   |
| 207. सीएम/एल- 781458<br>1979-06-20  | भारत स्टील भेटल इंडस्ट्रीज<br>लि.,<br>कलकत्ता-- 700003<br>(प. बं.)                       | IS : 2552—1970      | --                                  | 1980-06-30 |   |
| 208. सीएम/एल- 0787874<br>1979-07-23 | जेमको एजेंसिज प्रा. लि.,<br>बिरलाग्राम,<br>नगधा (म.प्र.)                                 | IS : 1314—1967      | एस.ओ. 3443 दिनांक<br>1981-12-26     | 1980-07-31 |   |
| 209. सीएम/एल- 0788068<br>1979-07-23 | हिंदू पल्लवराईजर्स कं.,<br>राजकोट- 360002<br>(गुजरात)                                    | IS : 564—1975       | एस.ओ. 3443 दिनांक<br>1981-12-26     | 1980-07-31 |   |
| 210. सीएम/एल- 0788371<br>1979-02-25 | एग्रो कमिक्लस प्रा. लि. इंडिया,<br>नासिक- 422007<br>(महाराष्ट्र)                         | IS : 565—1975       | "                                   | 1980-07-31 |   |
| 211. सीएम/एल- 0789070<br>1979-07-31 | श्री राम स्टील रोलिंग मिल्स<br>पाने  | IS : 1786—1979      | "                                   | 1980-08-15 |   |
| 212. सीएम/एल- 0792362<br>1979-07-31 | वेय इंटरप्राइजेज,<br>हावड़ा-- 771101<br>(प. बं.)   | IS : 870—1969       | एस.ओ. 3446 दिनांक<br>1981-12-26     | 1980-08-15 |   |

| 1                                   | 2  | 3                                   | 4                                | 5          | 6 |
|-------------------------------------|--|-------------------------------------|----------------------------------|------------|---|
| 213. सीएम/एल-0794568<br>1979-08-22  | कोहिनोर पेट्रुस प्रा.लि.,<br>छेहार्ट-143105<br>(ममूतसर)  | IS : 525—1968                       | एस. ओ. 3446 दिनांक<br>1981-12-26 | 1980-08-31 |   |
| 214. सीएम/एल-0799073<br>1979-09-11  | हिन्द पलवरार्जिस क.,<br>राजकोट-360002                    | IS : 565—1975                       | एस. ओ. 1772 दिनांक<br>1982-05-15 | 1980-09-15 |   |
| 215. सीएम/एल-0799174<br>1979-09-11  | कावेरी केमिकल्स,<br>तिरुवेलाह-689101<br>(केरल)           | IS : 299—1975                       | "                                | "          |   |
| 216. सीएम/एल-0800234<br>1979-09-17  | उमाशंकर सोमानी<br>इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल्स,<br>इंदौर      | IS : 1178—1973                      | "                                | 1980-09-30 |   |
| 217. सीएम/एल-0800379<br>1979-09-19  | रोकसी इंटर्प्र्राइजेज (प्रा.)<br>लि.<br>बिल्ही-110035    | IS : 1554(भाग 1)—1976               | "                                | "          |   |
| 218. सीएम/एल-0801135<br>1979-09-21  | हिन्द पलवरार्जिस क.,<br>राजकोट-360002<br>(गुजरात)        | IS : 7122—1973                      | "                                | "          |   |
| 219. सीएम/एल-0801337<br>1979-09-21  | "  | IS : 4323—1967                      | "                                | "          |   |
| 220. सीएम/एल-0801741<br>1979-09-24  | "  | IS : 2567—1978                      | "                                | "          |   |
| 221. सीएम/एल-0802238<br>1979-09-24  | "  | IS : 5628—1978                      | "                                | "          |   |
| 222. सीएम/एल-0802339<br>1979-09-24  | "  | IS : 7121—1973                      | "                                | "          |   |
| 223. सीएम/एल-0802440<br>1979-09-25  | "  | IS : 561—1978                       | "                                | "          |   |
| 224. सीएम/एल-0803240<br>1979-09-28  | किलोस्कर ब्रोडर्स लि.,<br>वेवास-455001<br>(म.प्र.)       | IS : 6595—1972 और<br>IS : 7538—1975 | "                                | 1980-10-15 |   |
| 225. सीएम/एल-0803745<br>1979-09-28  | हिन्द पलवरार्जिस क.,<br>राजकोट-360002<br>(गुजरात)        | IS : 633—1975                       | "                                | "          |   |
| 226. सीएम/एल-0804141<br>1979-09-28  | मुल्कराज एंड क.,<br>रमेश नगर,<br>नई दिल्ली-110015        | IS : 1223(भाग 2)—<br>1972           | "                                | "          |   |
| 227. सीएम/एल-0804646<br>1979-10-09  | स्कैलपेक्स इंडिया,<br>फरीदाबाद (हरियाणा)                 | IS : 3319—1973                      | एस.ओ. 1771 दिनांक<br>1982-05-15  | "          |   |
| 228. सीएम/एल-0806246<br>1979-10-16  | कोदस ब्राफ इंडिया लि.,<br>कलकत्ता-700027                 | IS : 5046—1975                      | "                                | 1970-10-31 |   |
| 229. सीएम/एल-0807551<br>1979-10-17  | इलेक्ट्रो थर्म इंडस्ट्रीज,<br>मद्रास-600058              | IS : 368—1977                       | "                                | "          |   |
| 230. सीएम/एल-0809252<br>1979-10-29  | विजयसनी इंडस्ट्रीज,<br>कन्नानूर-670007<br>(केरल)         | IS : 10(भाग 4)—1976                 | "                                | 1980-11-15 |   |
| 231. सीएम/एल-08010439<br>1979-10-29 | लेबोरेटरीज एंड<br>इंडस्ट्रियल केमिकल्स,<br>मद्रास-600029 | IS : 695—1975                       | "                                | "          |   |



| 1                                  | 2  | 3              | 4                                | 5 | 6          |
|------------------------------------|--|----------------|----------------------------------|---|------------|
| 232. सीएम/एल-0811340<br>1979-10-30 | भगत राम सैटेक्स इंड,<br>त्रिवेन्द्रम (केरल)                            | IS : 4148—1967 | एस. ओ. 1771—दिनांक<br>1982-05-15 |   | 1980-11-15 |
| 233. सीएम/एल-0811845<br>1979-10-30 | सेवन हिल्स एमो केमिकल्स,<br>नरसारायपेट—522602<br>जिला गुंटुर (आ. प्र.) | IS : 565—1975  | "                                |   | "          |
| 234. सीएम/एल-0814649<br>1979-11-14 | मधिया लाईनर्स (प्रा.) लि.<br>मद्रास — 600058<br>(त. मा.)               | IS : 6750—1972 | एस. ओ. 1832 दिनांक<br>1982-05-22 |   | "          |
| 235. सीएम/एल-0815045<br>1979-11-15 | स्टीरियो केम्स,<br>मद्रास — 600023                                     | IS : 8401—1977 | "                                |   | 1980-11-30 |
| 236. सीएम/एल-0816047<br>1979-11-21 | इंडियन पेट्रोलियम,<br>बिल्सी — 110052                                  | IS : 4654—1974 | "                                |   | "          |
| 237. सीएम/एल-0821141<br>1979-12-13 | धरूणा स्टील रोलिंग मिल्स,<br>झाकधर—उडानगुडी,<br>625107 जिला मयुरी—     | IS : 1786—1979 | एस. ओ. 2320 दिनांक<br>1982-07-03 |   | 1980-12-15 |
| 238. सीएम/एल-0822042<br>1979-12-13 | जे. बी. स्टील रोलिंग मिल्स<br>(प्रा.) लि.,<br>कराईकुडी—623005          | IS : 226—1975  | "                                |   | "          |

[सं. सी एम ओ / 13 : 14]

## MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

## INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 21st February, 1986

S.O.1149:—In pursuance of sub-regulation.(4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in Column 6:

## SCHEDULE

| Sl. Licence No.<br>No. (CM/L-) | Licensee   | IS:No.       | S.O. No. & Date<br>of the Gazette<br>notifying grant of<br>Licence | Remarks  |
|--------------------------------|--|--------------|--|--|
| (1)                            | (2)  | (3)          | (4)  | (5)  |
| LICENCES LAPSED                |  |              |  |  |
| 1. CM/L-0010609<br>1958-11-04  | The Mysore Chemicals Mfrs<br>Ltd, Chikabanawan, P.O.<br>Bangalore Distt. | IS:261—1966  | S.O. 2408 dated<br>1958-11-22                                      | Renewal was deferred after<br>1979-12-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 2. M/L-0016924<br>1960-02-22   | Mysore Insecticides Co Pvt.<br>Ltd, Madras-600004.                       | IS:561—1978  | S.O. 611 dated<br>1960-03-12                                       | Lapsed after 1980-11-15  |
| 3. CM/L-0020713<br>1960-07-20  | Renown Biscuit Co, Bombay-<br>400027 (Maharashtra)                       | IS:1011—1968 | S.O. 1991 dated<br>1960-08-13                                      | Renewal was deferred after<br>1978-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 4. CM/L-0065836<br>1964-04-29  | Annapurna Pulverising Mills<br>Eluru (A.P.)                              | IS:565—1975  | S.O. 1676 dated<br>1964-05-16                                      | Renewal was deferred after<br>1969-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 5. CM/L-0066737<br>1964-05-07  | Guest Keens Williams Ltd,<br>Howrah (W.B.)                               | IS:226—1975  | S.O. 2173 dated<br>1964-06-20                                      | Renewal was deferred after<br>1980-06-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 6. CM/L-0066838<br>1964-05-07  | -do-   | IS:1977—1975 | -do-   | -do-   |

| (1)                            | (2)  | (3)   | (4)                           | (5)   | (6) |
|--------------------------------|--|---|-------------------------------|---|-----|
| 7. CM/L-0080226<br>1964-10-23  | K.L. Malhotra Brothers,<br>Jullundur City-144002 (Pb)                          | IS 831—1979                                 | S.O. 4038 dated<br>1964-11-28 | Lapsed after 1980-10-31.  |     |
| 8. CM/L-0091938<br>1964-11-28  | Nalhati Jute Mills Co. Ltd.,<br>Calcutta-700001                                | IS 2818 (Pt. II)—<br>1971 &<br>IS 3790—1971 | S.O. 79 dated<br>1965-01-02   | Renewal was deferred after<br>1977-1-30; the licence now<br>stand lapsed after that date.   |     |
| 9. CM/L-0092031<br>1964-11-28  | -do-   | IS 2566—1965                                | -do-                          | -do-  |     |
| 10. CM/L-0107927<br>1965-06-01 | Guest Ken Williams Ltd.,<br>Howrah (W.B.)                                      | IS 1148—1973                                | S.O. 2403 dated<br>1965-07-31 | Renewal was deferred after<br>1980-06-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 11. CM/L-0108020<br>1965-06-01 | -do-   | IS 1149—1973                                | -do-                          | -do-  |     |
| 12. CM/L-0130417<br>1966-07-28 | Plava Chemicals, Madras-<br>600029   | IS 561—1978                                 | S.O. 2600 dated<br>1966-08-27 | Renewal was deferred after<br>1980-11-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 13. CM/L-0143022<br>1967-04-14 | Shree Vallabh Glass Works<br>Ltd, Vallabh Vidaya Nagar,<br>Via Anand (Gujarat) | IS 2553—1971                                | S.O. 2769 dated<br>1967-08-12 | Renewal was deferred after<br>1976-12-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 14. CM/L-0149842<br>1967-08-25 | Asian Cables Corporation<br>Ltd. Thana (Maharashtra).                          | IS 398 (Pt I & II)—<br>1976                 | S.O. 3338 dated<br>1967-09-23 | Lapsed after 1980-09-30   |     |
| 15. CM/L-0151223<br>1967-09-12 | Palva Chemicals, Madras-<br>600029   | IS 564—1975                                 | S.O. 3733 dated<br>1967-10-21 | Lapsed after 1981-01-31   |     |
| 16. CM/L-0167945<br>1968-04-22 | Bhagwati Steel Pvt Ltd.,<br>Calcutta   | IS 226—1975                                 | S.O. 2127 dated<br>1968-06-15 | Lapsed after 1980-04-30.  |     |
| 17. CM/L-0182032<br>1968-10-15 | United Pulverisers, Agra-<br>282007  | IS 564—1975                                 | S.O. 4257 dated<br>1968-11-30 | Lapsed after 1980-06-15   |     |
| 18. CM/L-0188448<br>1968-12-30 | Indo-Sw dish Pipe Mfrs. Ltd.<br>Agra-6 (U.P.)                                  | IS 3989—1971                                | S.O. 370 dated<br>1969-01-25  | Renewal was deferred after<br>1979-02-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 19. CM/L-0199554<br>1969-06-30 | The Ugar Sugar Works Ltd.,<br>P.O. Ugarkhurd, Distt. Bel-<br>gaum (Karnataka)  | IS 4100—1967                                | S.O. 3018 dated<br>1969-07-26 | Renewal was deferred after<br>1980-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 20. CM/L-0203923<br>1969-07-31 | Sk. Bakar Ali & Co, Calcutta   | IS 10 (Pt IV)—1976                          | S.O. 3585 dated<br>1969-09-06 | Renewal was deferred after<br>1979-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 21. CM/L-0233023<br>1970-05-28 | The Ugar Sugar Works Ltd.,<br>P.O. Ugarkhurd, Dist. Bel-<br>gaum (Karnataka).  | IS 3811—1976                                | S.O. 2802 dated<br>1970-08-22 | Renewal was deferred after<br>1980-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 22. CM/L-0233124<br>1970-05-28 | -do-   | IS 4450—1967                                | -do-                          | -do-  |     |
| 23. CM/L-0233225<br>1970-05-28 | -do-   | IS 4449—1976                                | -do-                          | -do-  |     |
| 24. CM/L-0236332<br>1970-07-13 | H.U.F. Laljibhai Jivram<br>Gajjar, Ahmedabad-380002<br>(Gujarat)               | IS 325—1978                                 | S.O. 2109 dated<br>1971-05-29 | Lapsed after 1980-10-15   |     |
| 25. CM/L-0238942<br>1970-08-12 | I.B.I. Private Limited,<br>Bombay-400059                                       | IS 3830—1979                                | S.O. 57 dated<br>1971-01-02   | Lapsed after 1980-09-15   |     |
| 26. CM/L-0239035<br>1970-08-14 | Parshuram Pottery Works<br>Co. Amarpura, Wankaner<br>(Gujarat)                 | IS 777—1970                                 | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1978-07-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 27. CM/L-0242731<br>1970-10-19 | Unique Industries, Piplag,<br>Nadiad, Dist. Kaira                              | IS 1596—1977                                | S.O. 561 dated<br>1971-01-30  | Renewal was deferred after<br>1978-12-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 28. CM/L-0266240<br>1971-04-13 | The Travancore Sugar &<br>Chemicals Ltd. Tiruvalla-44<br>Kerala                | IS 4450—1967                                | S.O. 3741 dated<br>1971-10-09 | Lapsed after 1980-10-31   |     |
| 29. CM/L-0266442<br>1971-04-13 | -do-   | IS 3811—1976                                | -do-                          | -do-  |     |
| 30. CM/L-0332833<br>1973-02-09 | Reeves (Artists Material) Ltd.<br>Thana (West)                                 | IS 789—1971                                 | S.O. 1553 dated<br>1973-06-02 | Lapsed after 1980-09-30   |     |

| (1)                            | (2)  | (3)          | (4)                           | (5)   | (6) |
|--------------------------------|--|--------------|-------------------------------|---|-----|
| 31. CM/L-0340832<br>1973-05-04 | Chitevalsah Jute Mills Co. Ltd.<br>Chitevalsah P.O., Visakhapatnam   | IS:2580—1965 | S.O. 954 dated<br>1975-03-29  | Renewal was deferred after<br>1977-10-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 32. CM/L-0361941<br>1973-11-30 | Singh Engineering Works Pvt.<br>Ltd., Kanpur                         | IS:6915—1978 | S.O. 1602 dated<br>1975-05-24 | Renewal was deferred after<br>1979-08-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 33. CM/L-0406735<br>1974-11-28 | Kilpist Pvt. Ltd. Bhopal.  | IS:1308—1974 | S.O. 2022 dated<br>1976-06-19 | Renewal was deferred after<br>1978-11-30; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 34. CM/L-0408537<br>1974-12-12 | Plant Protection (India)<br>Cuttack-753001 (Orissa)                  | IS:4323—1967 | S.O. 2286 dated<br>1976-07-03 | Renewal was deferred after<br>1978-09-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 35. CM/L-0420628<br>1975-02-10 | Dripless Faucets (India),<br>New Delhi-110020                        | IS:781—1977  | S.O. 2473 dated<br>1976-07-10 | Renewal was deferred after<br>1980-04-30; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 36. CM/L-0437039<br>1975-05-12 | Bombay Ring Travellers Co.<br>Ltd. Bombay-400038                     | IS:3523—1974 | S.O. 363 dated<br>1976-10-16  | Renewal was deferred after<br>1979-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 37. CM/L-0450939<br>1975-07-25 | Canara Steel Ltd. Bilkam-<br>pady South Canara Distt.<br>Karnataka   | IS:8057—1976 | S.O. 3914 dated<br>1976-10-30 | Lapsed after 1980-07-31   |     |
| 38. CM/L-0450940<br>1975-07-25 | -do-   | IS:8052—1976 | -do-                          | -do-  |     |
| 39. CM/L-0451033<br>1975-07-25 | -do-   | IS:8055—1976 | -do-                          | -do-  |     |
| 40. CM/L-0453037<br>1975-07-31 | Shree Farm Chemicals Pvt.<br>Ltd., Warangal-500007                   | IS:561—1978  | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1978-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 41. CM/L-0453138<br>1975-07-31 | -do-   | IS:565—1975  | -do-                          | -do-  |     |
| 42. CM/L-0453239<br>1975-07-31 | -do-   | IS:633—1975  | -do-                          | -do-  |     |
| 43. CM/L-0453441<br>1975-07-31 | -do-   | IS:2568—1978 | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1977-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 44. CM/L-0453542<br>1975-07-31 | -do-   | IS:4322—1967 | -do-                          | -do-  |     |
| 45. CM/L-0453643<br>1975-07-31 | -do-   | IS:7122—1973 | -do-                          | -do-  |     |
| 46. CM/L-0454140<br>1975-08-11 | -do-   | IS:562—1978  | S.O. 428 dated<br>1977-02-05  | -do-  |     |
| 47. CM/L-0476150<br>1975-10-29 | Spin Rubber Industries,<br>Kanpur                                    | IS:5676—1970 | S.O. 1148 dated<br>1977-04-16 | Lapsed after 1979-12-31   |     |
| 48. CM/L-0485151<br>1975-11-28 | Canara Steel Ltd., Bilkam-<br>pady, S.K. Karnataka                   | IS:8054—1976 | S.O. 1147 dated<br>1977-04-16 | Lapsed after 1980-11-30   |     |
| 49. CM/L-0492451<br>1976-01-01 | Amin Chand Bhola Nath,<br>Jullundur City (Punjab)                    | IS:226—1975  | S.O. 1312 dated<br>1977-05-07 | Renewal was deferred after<br>1979-12-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 50. CM/L-0492754<br>1976-01-01 | Shree Farm Chemicals Pvt.<br>Ltd., Warangal-506007 (AP)              | IS:4323—1967 | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1977-12-31 the licence now<br>stands lapsed after that date   |     |
| 51. CM/L-0503127<br>1976-02-26 | Cable Corporation of India<br>Ltd., Bombay-400066 (Maha-<br>rashtra) | IS:5950—1971 | S.O. 3441 dated<br>1978-12-02 | Lapsed after 1980-10-31   |     |

| (1)                            | (2)  | (3)                  | (4)                           | (5)  | (6) |
|--------------------------------|--|----------------------|-------------------------------|--|-----|
| 52. CM/L-0505333<br>1976-03-01 | Samnugger Jute Factory Co. Ltd, Bhadrachar P.O. (W.B.)                     | IS:7407—1974         | S.O. 12 dated<br>1979-01-06   | Lapsed after 1979-02-28  |     |
| 53. CM/L-0308743<br>1976-03-18 | Rukmani Steel Industries Bangalore   | IS:7452—1974         | -do-                          | Renewal was deferred after 1978-03-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 54. CM/L-0517037<br>1976-04-29 | Farm Chemicals, Muzafarnagar-251101 (UP)                                   | IS:561—1978          | S.O. 314 dated<br>1979-01-27  | Renewal was deferred after 1980-05-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 55. CM/L-0518645<br>1976-05-07 | Elmax Engineering Company, New Delhi                                       | IS:6595—1972         | S.O. 954 dated<br>1979-03-17  | Renewal was deferred after 1980-09-30; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 56. CM/L-0522535<br>1976-05-21 | National Jute and Plastic Products, Gauhati-781001 (Assam)                 | IS:7406—1974         | -do-                          | Renewal was deferred after 1979-05-31; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 57. CM/L-0522636<br>1976-05-21 | Naihati Jute Mills Co Ltd, 24 Parganas (WB)                                | IS:7407—1974         | S.O. 954 dated<br>1979-03-17  | Renewal was deferred after 1978-04-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 58. CM/L-0529953<br>1976-06-14 | Mandav Udyog, P.O. Mandi Town-175001 Tehsil & District Mandi (H.P.)-175001 | IS:458—1971          | S.O. 1274 dated<br>1979-04-21 | Renewal was deferred after 1979-06-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 59. CM/L-0532134<br>1976-06-28 | East Coast Pesticides, Jagannathpur, Distt. Ganjam (Orissa)                | IS:633—1975          | -do-                          | Lapsed after 1980-09-30  |     |
| 60. CM/L-0534543<br>1976-07-09 | Vorlon Industries & Chemicals, Madras-600050                               | IS:564—1975          | S.O. 1226 dated<br>1979-04-14 | Lapsed after 1980-11-30  |     |
| 61. CM/L-0535319<br>1976-07-14 | Sunray Chemical Industries, Agra-282004                                    | IS:2568—1978         | -do-                          | Lapsed after 1979-07-15  |     |
| 62. CM/L-0540840<br>1976-08-02 | Metal Products & Engg. Co, Lilloah (Howrah)                                | IS:2552—1970         | S.O. 3548 dated<br>1979-10-20 | Renewal was deferred after 1979-02-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 63. CM/L-0544343<br>1976-08-20 | Sahu Gupta Industries, Ranchi, Bihar                                       | IS:1977—1975         | -do-                          | Lapsed after 1980-08-31  |     |
| 64. CM/L-0547753<br>1976-09-06 | Conara Steel Ltd, Blakampady-575010  | IS:8056—1976         | S.O. 3549 dated<br>1979-10-20 | Lapsed after 1980-09-15  |     |
| 65. CM/L-0552241<br>1976-09-24 | J.K. Iron & Steel Co. Ltd., Kanour (U.P.)                                  | IS:6914—1978         | -do-                          | Lapsed after 1980-09-30  |     |
| 66. CM/L-0552342<br>1976-09-24 | -do-   | IS:226—1975          | -do-                          | -do-   |     |
| 67. CM/L-0556553<br>1976-10-12 | Food & Allied products, Vijayawada-520007 (A.P.)                           | IS: 561-1978         | S.O. 3550 dated<br>1979-10-20 | Lapsed after 1980-10-15  |     |
| 68. CM/L-0558354<br>1976-10-25 | Dates Discs Pvt. Ltd, P.O. Mohannagar, Sahibabad, Ghaziabad.               | IS : 4366(Pt I)—1972 | S.O. 3550 dated<br>1979-10-20 | Renewal was deferred after 1978-10-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 69. CM/L-0558556<br>1976-10-25 | Shree Farm Chemicals Pvt. Ltd, Warangal                                    | IS : 564—1975        | -do-                          | Renewal was deferred after 1977-10-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 70. CM/L-0562042<br>1976-11-05 | -do-   | IS : 2567—1978       | S.O. 3761 dated<br>1979-11-17 | Renewal was deferred after 1977-11-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 71. CM/L-0563549<br>1976-11-05 | Coimbatore Industries, Colmbatore-641006 (TN)                              | IS : 325—1978        | -do-                          | Lapsed after 1980-10-31  |     |
| 72. CM/L-0566050<br>1976-11-24 | Plava Chemicals, Madras-600029   | IS : 4323—1967       | -do-                          | Renewal was deferred after 1980-11-15; the licence now stands lapsed after that date |     |
| 73. CM/L-0568458<br>1976-12-10 | Ashoka Engineering Co, Calcutta  | IS : 3564—1975       | S.O. 3762 dated<br>1979-11-17 | Renewal was deferred after 1977-12-15; the licence now stands lapsed after that date |     |

| (1)                             | (2)  | (3)   | (4)                             | (5)   | (6) |
|---------------------------------|--|---|---------------------------------|---|-----|
| 74. CM/L-0571346<br>1976-12-10  | Ramesh Steel Industries,<br>Bhavnagar-364001 (Gujarat)                                     | IS : 1977—1975                                      | S.O. : 3762 dated<br>1979-11-17 | Renewal was deferred after<br>1979-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 75. CM/L-0574453<br>1976-12-24  | Heveacumb Rubber Pvt. Ltd.,<br>Poovarani P.O. Via Palai,<br>Kottayam Distr. (Kerala State) | IS : 4588 --1977                                    | -do-                            | Renewal was deferred after<br>1979-12-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 76. CM/L-0594964<br>1977-03-21  | Veeaar Lamination & Co.,<br>Jorhat-785001  | IS : 7406--1974                                     | S.O. 787 dated<br>1980-03-29    | Renewal was deferred after<br>1979-03-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 77. CM/L-0595562<br>1977-03-21  | Jayant Metal Works,<br>Rajkot  | IS : 21—1975  | -do-                            | Renewal was deferred after<br>1979-02-28; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 78. CM/L-0601026<br>1977-03-31  | Girnar Pesticides Pvt. Ltd.,<br>Dolatpara, Distt. Junagarh                                 | IS : 565—1975                                       | -do-                            | Renewal was deferred after<br>1978-03-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 79. CM/L-0601632<br>1977-03-31  | Unisystems Pvt. Ltd.,<br>Faridabad-121003 (Haryana)  | IS : 2771 (Pt I)—1977                               | S.O. 787 dated<br>1980-03-29    | Renewal was deferred after<br>1980-03-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 80. CM/L-0602432<br>1977-04-07  | Geeta Iron & Brass Works,<br>Bajruva-391310 Vadodara<br>(Gujarat)                          | IS : 5312 (Pt I) -<br>1969                          | S.O. 786 dated<br>1980-03-29    | Renewal was deferred after<br>1979-04-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 81. CM/L-0602937<br>1977-04-07  | Amin Chand Bhola Nath,<br>Jullundur City (Punjab)  | IS : 1786—1979                                      | -do-                            | Renewal was deferred after<br>1980-02-29; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 82. CM/L-0605640<br>1977-04-20  | N. Dass & Sons Pvt. Ltd.,<br>Calcutta-700008 (W.B.)  | IS : 3062 -1974                                     | -do-                            | Lapsed after 1980-04-15.  |     |
| 83. CM/L-0610835<br>1977-05-23  | Rukmani Steel Industries<br>Pvt. Ltd., Bangalore.  | IS : 961—1975                                       | S.O. 283 dated<br>1981-01-24    | Renewal was deferred after<br>1978-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 84. CM/L-0616746<br>1977-06-03- | Southern Steel Metal & Alloy<br>Ltd., Bangalore  | IS : 3195--1975                                     | S.O. 284 dated<br>1981-01-24    | Renewal was deferred after<br>1980-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 85. CM/L-0617344<br>1977-06-06  | Southern Steelmet & Alloys<br>Ltd, Bangalore-560043  | IS : 3431—1975                                      | -do-                            | Renewal was deferred after<br>1980-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 86. CM/L-0619449<br>1977-06-24  | Prestolite of India Ltd.,<br>Faridabad (Haryana)   | IS : 2077—1962                                      | -do-                            | -do-  |     |
| 87. CM/L-0623440<br>1977-07-08  | Rukmani Steel Industries<br>Pvt. Ltd., Bangalore   | IS : 7283—1974                                      | S.O. 754 dated<br>1981-03-07    | Renewal was deferred after<br>1978-07-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 88. CM/L-0624947<br>1977-07-14  | -do-   | IS : 4432—1967                                      | -do-                            | -do-  |     |
| 89. CM/L-0634243<br>1977-08-12  | Southern Steelmet & Alloys<br>Ltd., Bangalore  | IS : 3885 (Pt I)—<br>1974<br>IS : 3885 (Pt II)—1969 | S.O. 755 dated<br>1981-03-07    | Renewal was deferred after<br>1978-08-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 90. CM/L-0640844<br>1977-09-19  | Oblum Electrical Industries<br>Ltd., Hyderabad-500037 (AP)                                 | IS : 2834—1964                                      | S.O. 920 dated<br>1981-03-21    | Lapsed after 1980-09-15.  |     |
| 91. CM/L-0641543<br>1977-09-21  | Bhartiya Ispat Udyog Pvt.<br>Ltd., Patna-800001 (Bihar)                                    | IS : 1977—1975                                      | S.O. 920 dated<br>1981-03-21    | Renewal was deferred after<br>1978-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 92. CM/L-0646755<br>1977-10-19  | Fancy Knitting Works,<br>Tirupur-638601  | IS : 4964 (Pt II) —<br>1975                         | S.O. 921 dated<br>1981-03-21    | Renewal was deferred after<br>1979-11-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 93. CM/L-0658661<br>1977-12-20  | Sarang Products,<br>Muzaffarnagar (U.P.)   | IS : 369- 1965                                      | S.O. 1222 dated<br>1981-04-18   | Renewal was deferred after<br>1978-12-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 94. CM/L-0660648<br>1977-12-20  | Gaurav Products,<br>Muzaffarnagar-251001   | IS : 4159—1976                                      | -do-                            | Renewal was deferred after<br>1979-12-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 95. CM/L-0671754<br>1978-01-27  | Kay Tea Industries (P) Ltd.,<br>Calcutta-700007  | IS : 10 (Pt II)—1976                                | S.O. 1615 dated<br>1981-05-30   | Lapsed after 1980-01-31.  |     |

| (1)                             | (2)  | (3)                      | (4)                            | (5)   | (6) |
|---------------------------------|--|--------------------------|--------------------------------|---|-----|
| 96. CM/L-0676562<br>1978-02-17  | Singhal Pesticides,<br>Agra-282006 (UP)  | IS : 2358—1963           | S.O. 1661 dated<br>1981-06-06  | Lapsed after 1980-10-15.  |     |
| 97. CM/L-0678162<br>1978-02-27  | Padinjarekara Agencies Ltd.,<br>Kodimatha Unit, Kottayam   | IS : 5430—1969           | -do-                           | Renewal was deferred after<br>1979-02-28; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 98. CM/L-0678263<br>1978-02-27  | Padinjarekara Agencies Ltd.,<br>Chenappady Latex Mfg Unit,<br>Chenappady, Vizhukithode<br>Kanjirapally | IS : 5430—1969           | -do-                           | -do-  |     |
| 99. CM/L-0680452<br>1978-02-28  | Hind Re-rolling Industries,<br>Hyderabad-500018  | IS : 1977—1975           | -do-                           | Renewal was deferred after<br>1979-03-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 100. CM/L-0680553<br>1978-02-28 | -do-   | IS : 226—1975            | -do-                           | -do-  |     |
| 101. CM/L-0682860<br>1978-03-03 | Jayshree Plastics,<br>Calcutta-700053  | IS : 3076—1968           | S.O. 1664 dated<br>1981-06-06  | Renewal was deferred after<br>1980-03-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 102. CM/L-0683458<br>1978-03-06 | Angus Leather Works,<br>Sarengabad, Budge Budge,<br>(West Bengal)                                      | IS : 583—1969            | S.O. 1664 dated<br>1981-06-06  | Renewal was deferred after<br>1979-03-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 103. CM/L-0688973<br>1978-03-27 | Andhra Pradesh Steels Ltd.,<br>Paloncha, Kothagudam,<br>Khammam (Distt) A.P.                           | IS : 8054—1976           | -do-                           | Lapsed after 1980-08-31.  |     |
| 104. CM/L-0694261<br>1978-03-31 | Jindal Strips Ltd.,<br>Hissar (Haryana)  | IS : 1977—1975           | -do-                           | Renewal was deferred after<br>1979-04-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 105. CM/L-0694362<br>1978-03-31 | -do-   | IS : 226—1975            | -do-                           | -do-  |     |
| 106. CM/L-0694463<br>1978-03-31 | -do-   | IS : 2830—1975           | -do-                           | Renewal was deferred after<br>1980-04-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 107. CM/L-0694564<br>1978-03-31 | -do-   | IS : 2831—1975           | -do-                           | Renewal was deferred after<br>1979-04-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 108. CM/L-0696333<br>1978-03-31 | Anchor Industries,<br>Bombay-400064  | IS : 4615—1968           | -do-                           | -do-  |     |
| 109. CM/L-0701434<br>1978-05-24 | Rek Enterprises,<br>Calcutta-700006  | IS : 10 (Pt IV)—1976     | S.O. 2002 dated<br>1981-07-25  | Renewal was deferred after<br>1979-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 110. CM/L-0707547<br>1978-06-23 | Hind Re-rolling Industries,<br>Hyderabad   | IS : 1786—1979           | -do-                           | Renewal was deferred after<br>1979-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 111. CM/L-0711639<br>1978-07-18 | Krishna Miners & Traders,<br>Jaipur  | IS : 2567—1978           | S.O.-2176 dated<br>1981-08-15  | Renewal was deferred after<br>1980-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 112. CM/L-0718350<br>1978-08-30 | Ravi Industries Pvt. Ltd.,<br>Thana-400602   | IS : 2878—1976           | S.O. 2180 dated<br>1981-08-15  | Renewal was deferred after<br>1979-09-15; the licence now<br>stands lapsed after that date. |     |
| 113. CM/L-0718956<br>1978-08-31 | Prabhat Iron Foundry &<br>Metal Industries Pvt. Ltd.,<br>Rourkela-769004 (Orissa)                      | IS : 774—1971            | -do-                           | -do-  |     |
| 114. CM/L-0719857<br>1978-09-04 | Bihar Treated Cloth, Co.,<br>24-Parganas (WB)  | IS:4355-1977             | S.O. 2215 dated<br>1981-08-22  | Lapsed after 1980-09-15.  |     |
| 115. CM/L-0732748<br>1978-11-08 | Swathi Knitting Mills,<br>Tirupur—638603   | IS:4964 (Pt II)—<br>1975 | S.O. 2270 dated.<br>1981-08-29 | Lapsed after 1980-11-15.  |     |
| 116. CM/L-0733447<br>1978-11-08 | P.V.S. Industries, Hospet—<br>843201 (Karnataka)   | IS:1507-1977             | -do-                           | -do-  |     |

| (1)                             | (2)  | (3) | (4)                             | (5)            | (6)   |
|---------------------------------|--|-----|---------------------------------|----------------|---|
| 117. CM/L-0733548<br>1978-11-09 | H.U.F. Laljibhai Jivram Gajjar, IS : 7538-1975<br>Ahmedabad-380025 IS : 6595-1972<br>(Gujarat) |     | S.O. 227, dated<br>1981-08-29   |                | Lapsed after 1980-09-15.  |
| 118. CM/L-0734045<br>1978-11-15 | Sondhi Co., C/o D.P. Bhonsile IS : 10(Pt III)—1974<br>Pvt Ltd., Srinagr (J&K)                  |     | -do-                            |                | Lapsed after 1980-11-15.  |
| 119. CM/L-0743652<br>1978-12-26 | Tropical Agrosystems (P) Ltd., IS : 632-1978<br>Madras-600058                                  |     | S.O. 2276 dated<br>1981-08-29   |                | Lapsed after 1980-12-31.  |
| 120. CM/L-0769771<br>1979-04-09 | Western India Paint & Colour Co., Madras IS : 158-1968   |     | S.O. 2974 dated<br>1981-10-31   |                | Lapsed after 1980-04-15.  |
| 121. CM/L-0776566<br>1979-05-22 | -do- IS : 2339-1963  |     | —                               |                | Renewal was deferred after 1980-05-31; the licence now stands lapsed after that date. |
| 122. CM/L-0781862<br>1979-06-22 | Samathur Chemicals, Coimba- IS : 564-1975<br>tore-641021(T.N.)                                 |     | —                               |                | Renewal was deferred after 1980-06-30; the licence now stands lapsed after that date. |
| 123. CM/L-0797877<br>1979-09-06 | H.U.F. Laljibhai Jivram Gajjar, Ahmedabad-380025 IS : 6595-1972 & IS : 7538-1975<br>(Gujarat)  |     | S.O. 1772 dated<br>1982-05-15   |                | Lapsed after 1980-09-15.  |
| 124. CM/L-0798980<br>1979-09-11 | Shyam Steel Industries, IS : 1977-1975<br>Howrah-711107  |     | -do-                            |                | -do-  |
| 125. CM/L-0800638<br>1979-09-19 | Kanoria Steels, Tarapur, Distt. IS : 6915-1978<br>Thana (Maharashtra)                          |     | -do-                            |                | Lapsed after 1980-09-30.  |
| 126. CM/L-0805244<br>1979-10-10 | Bengal Ferro Alloy & Steel Ltd., Kalyani IS : 6915-1978  |     | S.O. 1771 dated<br>1982-05-15   |                | Lapsed after 1980-10-15.  |
| 127. CM/L-0810338<br>1979-10-29 | Balaji Pulverising Industries, IS : 561-1978<br>Aundipatti-626512<br>Madurai, Distt (T.N.)     |     | -do-                            |                | Lapsed after 1980-11-15.  |
| 128. CM/L-0811946<br>1979-10-31 | Ganapathy Engineering Manu- IS : 2675-1966<br>facturers Pvt. Ltd.,<br>Coimbatore-641006        |     | -do-                            |                | -do-  |
| 129. CM/L-0819457<br>1979-12-06 | Nandi Steel Works Pvt. Ltd., IS : 1977-1975<br>Bangalore-560022                                |     | S.O. 2320 dated<br>1982-07-03   |                | Lapsed after 1980-12-15.  |
| LICENCES DEFERRED               |  |     |                                 | DEFERRED AFTER |   |
| 130. CM/L-0002004<br>1956-10-24 | Shree Digvijay Cement Co. Ltd., IS : 269-1976<br>Sikka (Gujarat)                               |     | S.R.O. 2679 dated<br>1956-11-17 |                | 1980-10-15  |
| 131. CM/L-0031516<br>1961-06-26 | Rohtas Industries Ltd., IS : 459-1970<br>Dalmianagar-823005<br>(Bihar)                         |     | S.O. 1630 dated<br>1961-07-15   |                | 1980-06-30  |
| 132. CM/L-0058839<br>1963-10-04 | The Ahmedabad Mfg. & Calico IS : 694-1977<br>Printing Co. Ltd., Bombay-<br>400071              |     | S.O. 3230 dated<br>1963-11-23   |                | 1980-10-15  |
| 133. CM/L-0071225<br>1964-06-29 | Sanganeria Co. Pvt. Ltd., IS : 226-1975<br>Calcutta-600007                                     |     | S.O. 2590 dated<br>1963-08-01   |                | 1980-10-31  |
| 134. CM/L-0071326<br>1964-06-29 | -do- IS : 1977-1975  |     | -do-                            |                | -do-  |
| 135. CM/L-0155635<br>1967-11-07 | Sehgal Sanitary Fittings (P) Ltd., Jullundur-144002<br>(Punjab)                                |     | S.O. 4568 dated<br>1976-12-23   |                | 1990-11-15  |
| 136. CM/L-0187547<br>1968-12-23 | Asian Cables Corpn. Ltd., IS : 1596-1977<br>Thana  |     | S.O. 370 dated<br>1969-01-25    |                | 1980-09-30  |
| 137. CM/L-0203822<br>1969-07-31 | Sanfix India Pvt. Ltd., Howrah IS : 774-1971<br>(W.B.)   |     | S.O. 3585 dated<br>1969-09-06   |                | -do-  |
| 138. CM/L-0209329<br>1969-09-30 | K.R. Steel Union Pvt. Ltd., IS : 226-1975<br>Calcutta-700001                                   |     | S.O. 4310 dated<br>1969-10-25   |                | -do-  |
| 139. CM/L-0209430<br>1969-09-30 | -do- IS : 1977-1975  |     | -do-                            |                | -do-  |

| (1)  | (2)  | (3)                    | (4)                                      | (5)        | (6) |
|--|--|------------------------|--|------------|-----|
| 140. CM/L-0241123<br>1970-09-28            | A.R. Nag Choudhury & Co.,<br>Distt. 24 Parganas (W.B.)   | IS : 3564-1975         | <del>S.O. 3349 dated</del><br>1971-09-11 | 1980-09-15 |     |
| 141. CM/L-022636<br><del>1971-03-29</del>  | <del>United Wire Ropes Ltd.,</del><br>Thane  | IS : 12266-1977        | S.O. 2405 dated<br>1971-06-19            | -do-       |     |
| <del>142. CM/L-0276243</del><br>1971-09-13 | Joty Steel Inds. Pvt. Ltd.<br>Poone  | IS : 226-1975          | S.O. 2403 dated<br>1972-09-02            | 1980-06-30 |     |
| 143. CM/L-0307773<br>1972-05-31            | The Ahmedabad Mfg. & Calico<br>Printing Co. Ltd.,<br>Bombay-400074   | IS : 2509-1973         | S.O. 3308 dated<br>1972-10-21            | 1980-10-15 |     |
| 144. CM/L-0310318<br>1972-07-13            | Star Iron Works Pvt. Ltd.,<br>Howrah( W.B.)  | IS : 2108-1977         | S.O. 1948 dated<br>1973-07-14            | 1990-07-15 |     |
| 145. CM/L-0345842<br>1973-06-28            | P.N.M. Company, Erode-<br>638001   | IS : 633-1975          | S.O. 1037 dated<br>1975-04-05            | 1980-09-30 |     |
| 146. CM/L-0374445<br>1974-03-15            | The General Electric Co. of<br>India Ltd., Calcutta-<br>700024   | IS : 2148-1968         | S.O. 2554 dated<br>1975-09-08            | 1980-09-15 |     |
| 147. CM/L-0392548<br>1974-08-13            | Avadh Plywood Industries,<br>Gonda (U.P.)  | IS : 10(Pt. IV)-1976   | S.O. 686 dated<br>1976-02-14             | 1980-08-31 |     |
| 148. CM/L-0402222<br>1974-10-31            | Rosin & Turpentine Factory,<br>(A unit of M/s. Himachal<br>Pradesh State Forest Corpn.,<br>Ltd.), Simla (H.P.) | IS : 553-1969          | S.O. 1763 dated<br>1976-05-29            | 1980-08-15 |     |
| 149. CM/L-0402424<br>1974-01-31            | Alliance Plastic Works,<br>Calcutta-700007   | IS : 2925-1975         | -do-                                     | 1980-10-15 |     |
| 150. CM/L-0428240<br>1975-03-26            | K.R. Steel Union Pvt. Ltd.,<br>Calcutta-700027   | IS : 6914-1978         | —  | 1980-09-30 |     |
| 151. CM/L-0428341<br>1975-03-26            | -do-   | IS : 6915-1978         | —  | -do-       |     |
| 152. CM/L-0442032<br>1975-06-05            | -do-   | IS : 1786-1979         | S.O. 3073 dated<br>1985-09-13            | -do-       |     |
| 153. CM/L-0449652<br>1975-09-18            | Govardhan Das P.A.,<br>Jullundur City-144004   | IS : 778-1971          | S.O. 3914 dated<br>1976-10-30            | 1980-10-15 |     |
| 154. CM/L-0450233<br>1975-07-25            | The Salkia Indl. Works,<br>Howrah-700007(W.B.)   | IS : 1729-1964         | -do-                                     | 1980-07-31 |     |
| 155. CM/L-0451639<br>1975-07-28            | Greenco Enterprises,<br>Calcutta-700067  | IS : 10(Pt. IV)-1976   | -do-                                     | 1980-11-30 |     |
| 156. CM/L-0458047<br>1975-08-20            | Industrial Cheical & Minerals<br>Ghaziabad (U.P.)  | IS : 561-1978          | S.O. 428 dated<br>1977-02-05             | 1980-10-31 |     |
| 157. CM/L-0462341<br>1975-09-12            | Allied Chemical Inds., Gauhati<br>781031 (Assam)   | IS : 2567-1978         | S.O. 832 dated<br>1977-03-19             | 1980-09-15 |     |
| 158. CM/L-0462442<br>1975-09-12            | Utkal Pesticides & Chemicals<br>Distt. Ganjam (Orissa)   | IS : 5279-1969         | -do-                                     | -do-       |     |
| 159. CM/L-0464648<br>1975-09-17            | Rehabilitation Inds Corpn. Ltd.,<br>Calcutta-700035  | IS : 1989 (Pt. I)-1978 | -do-                                     | -do-       |     |
| 160. CM/L-0465650<br>1975-09-22            | The Mineral Mining Co. Pvt.<br>Ltd., Anantapur-515455<br>(A.P.)  | IS : 561-1978          | S.O. 832 dated<br>1977-03-19             | 1980-10-15 |     |
| 161. CM/L-0469052<br>1975-09-29            | Assam Tin Mfg. Co. (P) Ltd.,<br>Bombay-400063  | IS : 10(Pt. IV)-1976   | -do-                                     | -do-       |     |
| 162. CM/L-0470744<br>1975-10-15            | Indian Paper Pulp Co. Ltd.,<br>Calcutta-700001   | IS : 1848-1971         | S.O. 1148 dated<br>1977-04-16            | 1980-09-30 |     |
| 163. CM/L-0474853<br>1975-10-17            | Goraya & Associates<br>Dehradun (U.P.)   | IS : 3055(Pt. I)-1977  | -do-                                     | 1980-10-31 |     |
| 164. CM/L-0478053<br>1975-10-31            | Steel & Allied Products Ltd.,<br>Calcutta-700063   | IS : 5101-1969         | -do-                                     | -do-       |     |
| 165. CM/L-0478255<br>1975-10-31            | Farmers Pesticides, Distt.<br>Cuddapah (A.P.)  | IS : 561-1978          | -do-                                     | 1980-10-15 |     |
| 166. CM/L-0479964<br>1975-11-24            | Usha Martin Black (Wire<br>Ropes) Ltd., Calcutta-700013  | IS : 2141-1968         | S.O. 1147 dated<br>1977-04-16            | 1980-11-15 |     |
| 167. CM/L-0533439<br>1976-07-06            | Agro Plastic Industries,<br>Bombay-400063  | IS : 3906 (Pt I)-1974  | S.O. 1226 dated<br>1979-04-14            | 1980-07-15 |     |



| (1)  | (2)                        | (3)   | (4)  | (5)                           | (6)        |
|------|----------------------------|---|--|-------------------------------|------------|
| 168. | CM/L-0543341<br>1986-08-11 | Rajeshwari Industries, Rajkot-<br>360003 (Gujarat)  | IS : 1601-1960   | S.O. 3548 dated<br>1979-10-20 | 1980-08-15 |
| 169. | CM/L-0544242<br>1976-08-20 | Mahabir Jute Mills Ltd.,<br>Gorakhpur (U.P.)  | IS : 7406-1974   | -do-                          | 1980-08-31 |
| 170. | CM/L-0546145<br>1976-09-02 | Finolex Plastics Pvt. Ltd.,<br>Poona-411018   | IS : 2509-1973   | S.O. 3549 dated<br>1979-10-20 | 1980-09-15 |
| 171. | CM/L-0548957<br>1976-09-10 | Pattar Oil Engines,<br>Patna (Bihar)  | IS : 1601-1960   | -do-                          | -do-       |
| 172. | CM/L-0549454<br>1976-09-20 | Tiger Hardware & Tools Ltd.,<br>Aligarh (U.P.)  | IS : 3564-1975   | S.O. 3549 dated<br>1979-10-20 | 1980-07-31 |
| 173. | CM/L-0552544<br>1976-09-24 | A.K. & Brothers, Kanpur-<br>208004  | IS : 5852-1977   | -do-                          | 1980-09-30 |
| 174. | CM/L-0554750<br>1976-10-04 | Shree Agro Industries, Mysore<br>570002 (Karnataka)                                       | IS : 7121-1973   | S.O. 3550 dated<br>1979-10-20 | -do-       |
| 175. | CM/L-0554851<br>1976-10-04 | -do-  | IS : 7122-1973   | -do-                          | -do-       |
| 176. | CM/L-0564349<br>1976-11-17 | Shree Ambika Metal Works,<br>Howrah-711204  | IS : 1977-1975   | S.O. 3761 dated<br>1979-11-17 | 1980-11-30 |
| 177. | CM/L-0567557<br>1976-11-30 | Delhi Steel Rolling Mills,<br>Delhi-110032  | IS : 226-1975  | -do-                          | -do-       |
| 178. | CM/L-0567658<br>1976-11-30 | -do-  | IS : 1977-1975   | -do-                          | -do-       |
| 179. | CM/L-0574049<br>1977-12-24 | Venus Brothers, Coimbatore-<br>641025   | IS : 7175-1974   | S.O. 3762 dated<br>1979-11-17 | 1980-12-15 |
| 180. | CM/L-0595057<br>1977-03-21 | Shree Agro Industries,<br>Mysore-570002 (Karnataka)                                       | IS : 564-1975  | S.O. 787 dated<br>1980-03-29  | 1980-10-31 |
| 181. | CM/L-0607442<br>1977-04-29 | The Guru Nanak Cement Pipe<br>Workshop Co-op. Industrial<br>Society Ltd., Amritsar Distt. | IS : 458-1971  | S.O. 786 dated<br>1980-03-29  | 1980-08-15 |
| 182. | CM/L-0629351<br>1977-07-28 | Asian Cables Corpn. Ltd.,<br>Thana-400601   | IS : 1026-1966   | S.O. 754 dated<br>1981-03-07  | 1980-09-30 |
| 183. | CM/L-0635346<br>1977-08-16 | Krishi Rasayan, P.O. Ranital-<br>756111, Distt. Balasore (Orissa)                         | IS : 1308-1974   | S.O. 755 dated<br>1981-03-07  | 1980-08-15 |
| 184. | CM/L-0641644<br>1977-09-21 | Bengal Metal Industries,<br>Howrah-711101 (W.B.)  | IS : 1786-1979   | S.O. 920 dated<br>1981-03-21  | 1980-09-30 |
| 185. | CM/L-0649761<br>1977-10-31 | Assam Valley Plywood (Pvt.)<br>Ltd., Calcutta-700017                                      | IS : 2202(Pt I)-1973   | S.O. 921 dated<br>1981-03-21  | 1980-10-31 |
| 186. | CM/L-0690253<br>1978-03-28 | Metro Paint Industries, New<br>Delhi-110064   | IS : 3537-1966   | S.O. 1664 dated<br>1981-06-06 | 1980-03-31 |
| 187. | CM/L-0697671<br>1978-04-18 | Universal Trading Co. (Steel<br>Deptt.) Thana   | IS : 226-1975  | S.O. 1725 dated<br>1981-06-13 | 1980-07-31 |
| 188. | CM/L-0709147<br>1978-06-30 | Central Insecticides & Fertiliz-<br>ers, Distt. Ahmedabad<br>(Gujarat)                    | IS : 7122-1973   | S.O. 2002 dated<br>1981-07-25 | 1980-06-30 |
| 189. | CM/L-0709248<br>1978-06-30 | -do-  | IS : 561-1978  | -do-                          | -do-       |
| 190. | CM/L-0718250<br>1978-08-28 | Bacfil, Lucknow (U.P.)  | IS : 8268-1976   | S.O. 2180 dated<br>1981-08-15 | 1980-08-31 |
| 191. | CM/L-0721945<br>1978-09-15 | Bhilai Wires Ltd., Bhilai-<br>490001 (M.P.)   | IS : 398(Pt II)-1976   | S.O. 2215 dated<br>1981-08-22 | 1980-09-15 |
| 192. | CM/L-0723040<br>1978-09-18 | Orissa Textiles & Steel Ltd.<br>Cuttack-753004  | IS : 226-1975  | -do-                          | 1980-09-30 |
| 193. | CM/L-0723242<br>1978-09-20 | Bactogin Laboratories,<br>Jabalpur  | IS : 8268-1976   | -do-                          | -do-       |
| 194. | CM/L-0723343<br>1978-09-21 | Supreme Metal Works,<br>Delhi-110006  | IS : 1660(Pt I)-1967<br>IS : 1660(Pt II & III)-<br>1972<br>IS : 1660(Pt IV)-1977 | -do-                          | 1980-09-15 |

| (1)                             | (2)  | (3)                      | (4)                           | (5)        | (6) |
|---------------------------------|--|--------------------------|-------------------------------|------------|-----|
| 195. CM/L-1724446<br>1978-09-25 | Markfed Refined Oil & Allied Industries, Kapurthala (Punjab)           | IS : 2052-1979           | S.O. 2215 dated<br>1981-08-22 | 1980-09-30 |     |
| 196. CM/L-0725448<br>1978-10-03 | National Engg. Co. Ltd. Madras.  | IS : 226-1975            | S.O. 2218 dated<br>1981-08-22 | 1980-09-30 |     |
| 197. CM/L-0725751<br>1978-10-03 | Shree Ganesh Forging Co., Belur-711 202 (Howrah)                       | IS : 226-1975            | -do-                          | -do-       |     |
| 198. CM/L-0726450<br>1978-10-03 | Ajanta Iron & Steel Co. P. Ltd, Delhi-110032.                          | IS : 1729-1964           | -do-                          | 1980-10-15 |     |
| 199. CM/L-0727654<br>1978-10-17 | James Hutton & Co., Allappy Distt (Kerala)                             | IS : 10 (Pt IV)-<br>1976 | -do-                          | 1980-09-30 |     |
| 200. CM/L-0727856<br>1978-10-18 | Makewell Pvt Ltd., Bhubaneswar-751010                                  | IS : 261-1966            | -do-                          | 1980-10-31 |     |
| 201. CM/L-0729759<br>1978-10-30 | Kajriwal Iron & Steel Works, Howrah-711101 (W.B.)                      | IS : 780-1969            | -do-                          | -do        |     |
| 202. CM/L-0736150<br>1978-11-23 | Wadbro (India) Pvt. Ltd. Ghaziabad (U.P.)                              | IS : 4654-1974           | S.O. 2270 dated<br>1981-08-19 | 1980-11-30 |     |
| 203. CM/C-0738962<br>1978-12-04 | New Ambadi Estates Pvt. Ltd., Kanyakumari Distt. (T.N.)                | IS : 5430-1969           | -do-                          | 1980-12-15 |     |
| 204. CM/L-0762252<br>1979-03-21 | India United Mills No. 2 & 3, (Healds & Reeds Factory), Bombay-4 00033 | IS : 1739-1968           | S.O. 2585 dated<br>1981-10-03 | 1980-03-31 |     |
| 205. CM/L-0779774<br>1979-06-12 | Avon Services (P & A) Pvt. Ltd., Bombay-400015.                        | IS : 933-1976            | —                             | 1980-06-15 |     |
| 206. CM/L-0779875<br>1979-06-12 | -do-   | IS : 934-1976            | —                             | -do-       |     |
| 207. CM/L-0781458<br>1979-06-20 | Barat Steel Metal Industries Ltd., Calcutta-700003 (W.B.)              | IS : 2552-1970           | —                             | 1980-06-30 |     |
| 208. CM/L-0787874<br>1979-07-23 | Jameco Agencies Pvt. Ltd. Bilgram, Nagda (M.P.)                        | IS : 1314-1967           | S.O. 3443 dated<br>1981-12-26 | 1980-07-31 |     |
| 209. CM/L-0788068<br>1979-07-23 | Hind Pulverisers Co., Rajkot-360002 (Gujarat)                          | IS : 564-1975            | S.O. 3443 dated<br>1981-12-26 | 1980-07-31 |     |
| 210. CM/L-0788371<br>1979-07-25 | Agro Chemicals of India, Nasik-422007 (Maharashtra).                   | IS : 565-1975            | -do-                          | 1980-07-31 |     |
| 211. CM/L-0789070<br>1979-07-31 | Shree Ram Steel Rolling Mills Thana.                                   | IS : 1786-1979           | -do-                          | 1980-08-15 |     |
| 212. CM/L-0792362<br>1979-08-10 | Dey Enterprises, Howrah-711101 (W.B.).                                 | IS : 780-1969            | S.O. 3446 dated<br>1981-12-26 | 1980-08-15 |     |
| 213. CM/L-0794568<br>1979-08-22 | Kohinoor Paints Pvt. Ltd. Chheharta-143 105 (Amritsar)                 | IS : 525-1968            | -do                           | 1980-08-31 |     |
| 214. CM/L-0799073<br>1979-09-11 | Hind Pulverisers Co. Rajkot-360 002.                                   | IS : 565-1975            | S.O. 1772 dated<br>1982-05-15 | 1980-09-15 |     |
| 215. CM/L-0799174<br>1979-09-11 | Kaveri Chemicals, Tiruvella-689101 (Kerala)                            | IS : 299-1975            | -do-                          | -do        |     |
| 216. CM/L-0800234<br>1979-09-17 | Uma Shankar Somani Industrial Textile, Indore.                         | IS : 1178-1973           | -do-                          | 1980-09-30 |     |
| 217. CM/L-0800739<br>1979-09-19 | Roxy Enterprises (Pvt) Ltd., Delhi-110035.                             | IS : 1554 (Pt I)-1976    | -do-                          | -do-       |     |
| 218. CM/L-0801135<br>1979-09-21 | Hind Pulverisers Co., Rajkot-360002 (Gujarat)                          | IS : 7122-1973           | -do-                          | -do-       |     |
| 219. CM/L-0801337<br>1979-09-21 | -do-   | IS : 4323-1967           | -do-                          | -do-       |     |
| 220. CM/L-0801741<br>1979-09-24 | Hind Pulverisers Co., Rajkot-360002 (Gujarat).                         | IS : 2567-1978           | S.O. 1772 dated<br>1982-05-15 | 1980-07-30 |     |
| 221. CM/L-0802238<br>1979-09-24 | -do-   | IS : 562-1978            | -do-                          | -do-       |     |
| 222. CM/L-0802339<br>1979-09-24 | -do-   | IS : 7121-1973           | -do-                          | -do-       |     |

| (1)                             | (2)  | (3)                                | (4)                           | (5)        | (6) |
|---------------------------------|--|------------------------------------|-------------------------------|------------|-----|
| 223. CM/L-0802440<br>1979-09-25 | Hind Pulverizers Co.<br>Rajkot-360002 (Gujarat)                            | IS : 561-1978                      | S.O. 1772 dated<br>1982-05-15 | 1980-09-30 |     |
| 224. CM/L-0803240<br>1979-09-28 | Kirloskar Brothers Ltd.,<br>Dewas-455001 (M.P.)                            | IS : 6575-1972 &<br>IS : 7538-1975 | -do-                          | 1980-10-15 |     |
| 225. CM/L-0803745<br>1979-09-28 | Hind Pulverizers Co.<br>Rajkot-360 002 (Gujarat).                          | IS : 633-1975                      | -do-                          | -do-       |     |
| 226. CM/L-0804141<br>1979-09-28 | Mulakh Raj & Co., Ramesh<br>Nagar, New Delhi-110015                        | IS : 1223 (Pt II)-<br>1972         | -do-                          | -do-       |     |
| 227. CM/L-0804646<br>1979-10-09 | Scapels India,<br>Faridabad (Haryana).                                     | IS : 3319-1973                     | S.O. 1771 dated<br>1982-05-15 | -do-       |     |
| 228. CM/L-0806246<br>1979-10-16 | Coats of India Ltd,<br>Calcutta-700027                                     | IS : 5046-1975                     | -do-                          | 1980-10-31 |     |
| 229. CM/L-0807551<br>1979-10-17 | Electro Therm Industries,<br>Madras-600058                                 | IS : 368-1977                      | -do-                          | -do-       |     |
| 230. CM/L-0809252<br>1979-10-29 | Visuance Industries,<br>Cannanore-670007 (Kerala).                         | IS : 10 (Pt IV)-1976               | -do-                          | 1980-11-15 |     |
| 231. CM/L-0810439<br>1979-10-29 | Laboratory & Industrial<br>Chemicals, Madras-600029                        | IS : 695-1975                      | -do-                          | -do-       |     |
| 232. CM/L-0811340<br>1979-10-30 | Bhagathram Latex Inds.,<br>Trivandrum (Kerala).                            | IS : 4148-1967                     | -do-                          | -do-       |     |
| 233. CM/L-0811845<br>1979-10-30 | Seven Hills Agro Chemicals,<br>Narasaraopet-522601 Dist.<br>Guntur (A.P.). | IS : 565-1975                      | -do-                          | 1980-11-15 |     |
| 234. CM/L-0814649<br>1979-11-14 | Adhia Liners (Pvt) Ltd.<br>Madras-600 058 (TN).                            | IS : 6750-1972                     | S.O. 1832 dated<br>1982-05-22 | -do-       |     |
| 235. CM/L-0815045<br>1977-11-15 | Stereo Chems. Madras-<br>600023  | IS : 8401-1977                     | -do-                          | 1980-11-30 |     |
| 236. CM/L-0816047<br>1979-11-13 | Indian Petrolin, Delhi-110052  | IS : 4654-1974                     | -do-                          | -do-       |     |
| 237. CM/L-0821141<br>1979-12-13 | Aruna Steel Rolling Mills,<br>Uthangudi P.O. 625107<br>Madurai Distt.      | IS : 1786-1979                     | S.O. 2320 dated<br>1982-07-03 | 1980-12-15 |     |
| 238. CM/L-0822042<br>1979-12-15 | J. V. Steel Rolling Mills (P)<br>Ltd., Karaikudi-623 005                   | IS : 226-1975                      | -do-                          | -do-       |     |

का.मा. 1150—भारतीय मानक संस्था एतद् द्वारा अधिसूचित करती है कि नीचे अनुसूची के कालम 2 और 3 में दिए गए विभिन्न उत्पादों सम्बन्धी मुहरांकन फीस अनुसूची के कालम 4, 5 और 6 के अनुसार संशोधित कर दी गई है। यह संशोधित मुहरांकन फीस उनके सामने दी गई तिथियों से लागू होंगी।

## अनुसूची

| क्रम संख्या | उत्पाद                              | IS : संख्या   | इकाई       | मुहरांकन फीस की दर    |                              | भारत सरकार के राजपत्र अधिसूचना, भाग 2, खंड 3 के उपखंड (ii) का संदर्भ |                                    |                      | प्रभावी तिथि |
|-------------|-------------------------------------|---------------|------------|-----------------------|------------------------------|--|------------------------------------|----------------------|--------------|
|             |                                     |               |            | प्रति इकाई<br>रु. पै. | इकाइयों के लिए               | अधिकतम<br>एस ओ संख्या  | प्रसारित<br>संशोधित<br>एस ओ संख्या | जारी करने की<br>तिथि |              |
| 1           | 2                                   | 3             | 4          | 5                     | 6                            | 7  | 8                                  | 9                    | 10           |
| 1.          | फ्लैश लाइट के लिए<br>शुष्क बैटरियाँ | IS : 203—1973 | 1000<br>मद | 0.30<br>0.20          | पहली 2000<br>शेष             | 1146<br>1977-03-31   | —                                  | 1977-04-16           | 1982-09-01   |
| 2.          | प्रसोह धातु के<br>टक्कर कण्डे       | IS : 205—1978 | एक<br>मद   | 0.03<br>0.02<br>0.01  | पहली 3000<br>बाद 2000<br>शेष | 4055<br>1972-11-21   | —                                  | 1972-12-09           | 1981-10-01   |
| 3.          | टी तथा स्ट्रॉप कण्डे                | IS : 206—1975 | एक<br>मद   | 0.03<br>0.02<br>0.01  | पहली 2000<br>बाद 200<br>शेष  | 4055<br>1972-11-21   | —                                  | 1972-12-09           | 1981-10-01   |

| 1   | 2  | 3                      | 4                    | 5                    | 6                               | 7                  | 8                  | 9          | 10         |
|-----|--|------------------------|----------------------|----------------------|---------------------------------|--------------------|--------------------|------------|------------|
| 4.  | माधारण तथा निम्न उष्मा पीटलैंड सीमेंट          | IS : 269—1976          | एक टन                | 0.20                 | सभी                             | —                  | 2108<br>1983-05-14 | 1983-05-15 | 1983-07-01 |
| 5.  | बाइ लगाने के लिए अस्तीकृत बस्यात के कटिदार तार | IS : 278—1978          | "                    | 4.00                 | सभी                             | —                  | —                  | —          | 1982-07-01 |
| 6.  | पाविया मेंट कच्चे                              | IS : 362—1968          | एक मव                | 0.03<br>0.02<br>0.01 | पहली 30000<br>बाव 20000<br>शेष  | 4055<br>1972-11-21 | —                  | 1972-12-09 | 1981-10-01 |
| 7.  | हास्य तथा स्टीपल                               | IS : 363—1978          | एक मव                | "                    | "                               | "                  | —                  | "          | "          |
| 8.  | हाइड्रोक्लोन, फोटीग्राफी ग्रेड                 | IS : 388—1972          | एक कि.ग्रा.          | 0.30<br>0.15         | पहली 10000<br>शेष               | 2108<br>1983-04-14 | —                  | 1983-05-14 | 1983-01-01 |
| 9.  | बबल एक्शन स्प्रिंग फरजी                        | IS : 453—1973          | एक मव                | 0.20<br>0.10<br>0.05 | पहली 30000<br>बाव 20000<br>शेष  | 4055<br>1972-11-21 | —                  | 1972-12-09 | 1981-10-01 |
| 10. | यांत्रिक तेल (भाग 1)—1981                      | IS : 493               | एक कि.ग्रा.          | 15.00                | सभी                             | —                  | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-06-01 |
| 11. | तकुभा तेल (भाग 2)—1981                         | IS : 493               | "                    | "                    | "                               | "                  | "                  | "          | "          |
| 12. | स्वचल प्रीस                                    | IS : 506—1973          | एक कि.ग्रा.          | 0.04                 | सभी                             | "                  | "                  | "          | 1983-07-01 |
| 13. | पेच कस (भाग 1 से 3)—1979                       | IS : 844               | 1000 मव              | 2.00<br>1.00         | पहली 1500<br>शेष                | —                  | —                  | —          | 1983-11-01 |
| 14. | हालकरबा की सूची पट्टी का कपड़ा                 | IS : 863—1969          | 100 मी. <sup>2</sup> | 3.00<br>2.00         | पहली 1000<br>शेष                | —                  | 1553<br>1972-04-21 | 1972-06-24 | 1982-01-16 |
| 15. | कल्लेन तेल, विषेय                              | IS : 1115—1973         | एक कि.ग्रा.          | 15.00                | सभी                             | —                  | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-06-01 |
| 16. | फैलियम बनीराइड                                 | IS : 1314—1984         | एक टन                | 3.00<br>1.50         | पहली 1500<br>शेष                | —                  | "                  | "          | 1985-04-01 |
| 17. | स्टील टपकर कच्चे                               | IS : 1341—1976         | एक मव                | 0.03<br>0.02<br>0.01 | पहली 30000<br>बाव 20 000<br>शेष | 4055<br>1972-11-21 | —                  | 1972-12-09 | 1981-10-01 |
| 18. | चर्वण सतह रख संचारण बेल्डिंग                   | IS : 1370—1976         | एक वर्ग मीटर         | 0.08                 | सभी                             | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |
| 19. | सूती डक, पूरे रंग के                           | IS : 1422—1977         | एक वर्ग मीटर         | 0.03                 | पहली                            | —                  | 2405<br>1984-06-29 | 1984-07-28 | 1985-01-01 |
| 20. | पोर्टलैंड पोथोलाना सीमेंट                      | IS : 1489—1976         | एक टन                | 0.30                 | सभी                             | —                  | 2108<br>1983-04-14 | 1983-05-14 | 1983-07-01 |
| 21. | स्टीचरी अम्ल, तकसीधी                           | IS : 1675—1971         | एक टन                | 16.00                | पहली 500<br>बाव 500<br>शेष      | —                  | 220<br>1983-12-27  | 1984-01-21 | 1984-04-01 |
| 22. | लेखन तथा मुद्रण कागज                           | IS : 1848—1981         | "                    | 2.75                 | सभी                             | —                  | 2108<br>1983-04-14 | 1983-05-14 | 1981-12-01 |
| 23. | रबड़ संयोजक और उत्पादक बेल्डिंग, सामान्य उपयोग | IS : 1891 (भाग 1)—1978 | एक वर्ग मीटर         | 0.15                 | सभी                             | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |
| 24. | रबड़ वाहू तथा उत्पादक बेल्डिंग उष्मा प्रतिरोधक | IS : 1891 (भाग 2)—1923 | "                    | "                    | —                               | —                  | —                  | —          | "          |

| 1   | 2   | 3                         | 4              | 5            | 6                 | 7                  | 8                  | 9          | 10         |
|-----|---|---------------------------|----------------|--------------|-------------------|--------------------|--------------------|------------|------------|
| 25. | रबर वाहक उत्पादक<br>बेटिंग, तेल प्रति-<br>रोधी                              | IS : 1891<br>(भाग 3)—1978 | "              | "            |                   | —                  | —                  | —          | "          |
| 26. | रबर वाहक और<br>उत्पादक बेल्टिंग,<br>स्वास्थिकीय                             | IS : 1891<br>(भाग 4)—1978 | "              | "            | —                 | —                  | —                  | —          | "          |
| 27. | सामान्य जट्टियों के<br>लिए कोलक   | IS : 1929-1961            | एक टन          | 8.00         | सभी               | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 28. | ए-ट्वील पटसन के<br>थैले   | IS : 1943-1964            | एक टन          | 2.50         | सभी               | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 29. | जस्तीकृत स्टे लड़   | IS : 2141-1979            | "              | 3.00         | "                 | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 30. | सामान्य इंजीनियरी<br>कार्यालय के लिए<br>इस्पात तार के रस्से                 | IS : 2266-1977            | "              | 4.00         | "                 |                    |                    |            |            |
| 31. | ड्राफ्टिंग मशीन में<br>प्रयुक्त स्टेड                                       | IS : 2287-1970            | एक<br>स्टेड    | 1.50         | "                 | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |
| 32. | लिफ्टों, उत्पादकों<br>और उद्वाहकों के<br>लिए इस्पात तार के<br>निर्माण रस्से | IS : 2365-1977            | एक टन          | 4.00         | "                 | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 33. | सूक्ष्म धटकोपी बोल्ट<br>पेच, नट और लक-<br>नट                                | IS : 2389-1968            | "              | 1.50         | "                 | —                  | —                  | —          | "          |
| 34. | बी-ट्वील पटसन के<br>थैले  | IS : 2566-1965            | "              | 5.00         | "                 | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1984-08-01 |
| 35. | ट्रांजिस्टर रेडियो<br>रिसिवरों के लिए<br>शुष्क बैटरियां                     | IS : 2576-1975            | 1000<br>मव     | 0.30<br>0.20 | पहली 20000<br>शेष | 1146<br>1977-03-31 | —                  | 1977-04-16 | 1982-09-01 |
| 36. | अहजगनी के लिए<br>गोख लड़वार जस्ती<br>कृत इस्पात तार के<br>रस्से             | IS : 2581-1977            | एक टन          | 4.00         | सभी               | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 37. | हैक्सा पतियां   | IS : 2594-1977            | 1000<br>मद     | 1.50         | सभी               | —                  | —                  | —          | 1982-07-01 |
| 38. | भारी सी पटसन<br>के थैले   | IS : 2874-1964            | एक टन          | 2.50         | सभी               | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 39. | पटसन के अनाज<br>भराई बोरे   | IS : 2875-1964            | "              | "            | "                 | "                  | —                  | "          | "          |
| 40. | कॉर्न तेल, साफ  | IS : 3065-1970            | एक<br>कि.ग्रा. | 15.00        | सभी               | "                  | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-06-01 |
| 41. | गैस सिनिडर बाल्व<br>(एलपीजी मिलिडर<br>बाल्वों को छोड़कर)                    | IS : 3224-1979            | एक<br>बाल्व    | 0.15<br>0.10 | पहली 30000<br>शेष | —                  | —                  | —          | 1982-12-01 |
| 42. | बी-ट्वील कपड़ा  | IS : 3667-1966            | एक टन          | 2.50         | सभी               | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 43. | लीबर पुल ट्वील<br>कपड़ा   | IS : 3668-1966            | "              | "            | "                 | "                  | —                  | "          | "          |
| 44. | अनाज भराई के<br>लिए पटसन के<br>बोरे का कपड़ा                                | IS : 3750-1966            | "              | "            | "                 | "                  | "                  | "          | "          |
| 45. | भारी सी कपड़ा   | IS : 3751-1966            | "              | "            | "                 | "                  | —                  | "          | "          |

| 1   | 2   | 3              | 4                       | 5                    | 6                              | 7                 | 8                  | 9          | 10         |
|-----|---|----------------|-------------------------|----------------------|--------------------------------|-------------------|--------------------|------------|------------|
| 46. | साइव  |                | प्र                     | 1.50                 | सभी                            | 650               | —                  | 1973-03-03 | 1982-12-01 |
|     |   |                |                         |                      |                                | 1973-02-19        |                    |            |            |
| 47. | सीवर<br>बैले  |                | प्र                     | 2.50                 | सभी                            | 1383              | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
|     |   |                |                         |                      |                                | 1977-04-20        |                    |            |            |
| 48. | सतम (पियामों)<br>कठो  | IS : 3818-1971 | 100                     | 2.00                 | पहली 2000..<br>शेष             | 4055              | —                  | 1972-12-09 | 1982-12-10 |
|     |   |                |                         | 1.00                 |                                | 1972-11-21        |                    |            |            |
| 49. | हस्तात के बैक<br>फ्लैप कठो  | IS : 3843-1966 | एक मर                   | 0.03<br>0.02<br>0.01 | पहली 30000<br>बाद 20000<br>शेष | "                 | —                  |            | 1981-10-01 |
| 50. | फ्लो कप   | IS : 3944-1966 | एक मर                   | 2.00                 | सभी                            | —                 | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 51. | एक नेत्रीय<br>विस्टेदम धूम्रदर्शी   | IS : 4328-1967 | एक<br>सूक्ष्म-<br>दर्शी | एक<br>5.00<br>3.00   | पहली 200<br>बाद 200<br>शेष     | 487<br>1977-01-19 | —                  | 1977-02-12 | 1983-02-01 |
| 52. | अरंजित ग्लास ब्लेक  | IS : 4382-1967 | 1000<br>ब्लेक           | 5.00                 | सभी                            | —                 | —                  | —          | —          |
| 53. | पैराफीन<br>मीम  | IS : 4654-1974 | एक टन                   | 6.00<br>1.00<br>0.50 | पहली 500<br>बाद 10000<br>शेष   | —                 | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-05-16 |
| 54. | बर्षामापी, गैर<br>टिकाविय   | IS : 5225-1969 | एक मर                   | 4.50                 | सभी                            | —                 | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 55. | गैस की लाइनों तथा<br>मल पाइपों के लिए<br>रक्षक के<br>सीलिंग रिग             | IS : 5382-1969 | "                       | 0.10<br>0.05<br>1.50 | पहली 5000<br>बाद 5000<br>शेष   | —                 | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-06-01 |
| 56. | मेन होलों के लिए<br>सी.आई. स्टेप  | IS : 5455-1969 | एक टन                   | 1.50                 | सभी                            | 651               | —                  | 1973-03-03 | 1983-01-01 |
|     |   |                |                         |                      |                                | 1973-02-19        |                    |            |            |
| 57. | कृषि, कार्यों के लिए<br>साफ, मोतल और<br>ताजा पानी के<br>टैजि प्रपेक्चरी पंप | IS : 6595-1981 | एक पंप                  | 1.50<br>1.00<br>0.50 | पहली 2000<br>बाद 4000<br>शेष   | 489<br>1977-01-19 | —                  | 1977-02-12 | 1982-07-01 |
| 58. | प्रपमार्जक से बना<br>संश्लिष्ट शैम्पू                                       | IS : 7884-1978 | एक लिटर                 | 0.08                 | सभी                            | —                 | 3282<br>1983-08-26 | 1982-09-18 | 1985-07-01 |
| 59. | बायलर जल उपचार<br>भौतिक   | IS : 7932-1982 | "                       | 0.02                 | सभी                            | —                 | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-11-01 |

[सं० सीएसडी 13:10]

S.O. 1150.—The Indian Standards Institution, hereby, notifies that the marking fees pertaining to various products referred to in Cols. 2 and 3 of the following Schedule have been revised as mentioned in Cols. 4, 5 and 6 thereof. The revised rate of marking fees shall come into force with effect from the dates shown against each :

## SCHEDULE

| Sl. No. | Products                      | IS : No.      | Unit       | Marking Fee Rate |             | Reference to Govt. of India Gazette Notification, Part II, Section-3, sub-section (ii) |                             | Date of Effect |
|---------|-------------------------------|---------------|------------|------------------|-------------|--|-----------------------------|----------------|
|         |                               |               |            | Per Unit         | For Unit    | Superseded S. O. No.   | Partially Modified S.O. No. |                |
|         |                               |               |            | Rs. P.           |             |  | Date of Issue               |                |
| (1)     | (2)                           | (3)           | (4)        | (5)              | (6)         | (7)  | (8)                         | (9)            |
| 1.      | Dry batteries for flashlight  | IS : 203-1973 | 1000 Piece | 0.30             | First 20000 | 1146   | —                           | 1977-04-16     |
|         |                               |               |            | 0.20             | Remaining   | 1977-03-31   |                             | 1982-09-01     |
| 2.      | Non-ferrous metal butt hinges | IS : 205-1978 | One Piece  | 0.03             | First 30000 | 4055   | —                           | 1972-12-09     |
|         |                               |               |            | 0.02             | Next 20000  | 1972-11-21   |                             | 1981-10-01     |
|         |                               |               |            | 0.01             | Remaining   |  |                             |                |

| (1)  | (2)                         | (3)           | (4)                   | (5)                                      | (6)                | (7)                | (8)        | (9)        | (10) |
|--|-----------------------------|---------------|-----------------------|--|--------------------|--------------------|------------|------------|------|
| 3. Tee and Strap hinges                                  | IS : 206-1973               | -do-          | -do-                  | -do-                                     | -do-               | -do-               | -do-       | -do-       | -do- |
| 4. Ordinary and low heat portland cement.                | IS : 269-1976               | One Tonne     | 0.20                  | All                                      | —                  | 2108<br>1983-05-14 | 1983-05-15 | 1983-07-01 |      |
| 5. Galvanised steel barbed wire for fencing.             | IS : 278-1978               | -do-          | 4.00                  | All                                      | —                  | —                  | —          | 1982-07-01 |      |
| 6. Parliament Hinges                                     | IS : 362-1968               | One Piece     | 0.03<br>0.02<br>0.01  | First 30000<br>Next 20000<br>Remaining   | 4055<br>1972-11-21 | ..                 | 1972-12-09 | 1981-10-10 |      |
| 7. Hasps and staples                                     | IS : 363—1976               | -do-          | -do-                  | -do-                                     | -do-               | ..                 | -do-       | -do-       |      |
| 8. Hydroquinone, photographic grade                      | IS : 388—1972               | One Kg        | 0.30<br>0.15          | First 10000<br>Remaining                 | 2108<br>1983-04-14 | ..                 | 1983-05-14 | 1983-01-01 |      |
| 9. Double-acting spring hinges                           | IS : 453—1973               | One Piece     | 0.20<br>0.10<br>0.05  | First 30000<br>Next 20000<br>Remaining   | 4055<br>1972-11-21 | ..                 | 1972-12-09 | 1981-10-01 |      |
| 10. Machinery oils                                       | IS : 493 (Part 1) 1981      | One Kl.       | 15.00                 | All                                      | ..                 | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-06-01 |      |
| 11. Spindle oils   | IS : 493 (Part 2) 1981      | -do-          | -do-                  | -do-                                     | ..                 | -do-               | -do-       | -do-       |      |
| 12. Automotive grease                                    | IS : 506—1973               | One Kg.       | 0.04                  | All                                      | ..                 | -do-               | -do-       | 1985-07-01 |      |
| 13. Screw drivers  | IS : 844 (Part 1 to 3)—1979 | 1000 Pieces   | 2.00<br>1.00          | First 1500<br>Remaining                  | ..                 | ..                 | ..         | 1983-11-01 |      |
| 14. Handloom cotton bandage cloth                        | IS : 863—1969*              | 100m          | 3.00<br>2.00          | First 1000<br>Remaining                  | ..                 | 1533<br>1972-04-21 | 1972-06-24 | 1982-07-16 |      |
| 15. Cutting oil, soluble                                 | IS : 1115—1973              | One Kl        | 15.00                 | All                                      | ..                 | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-06-01 |      |
| 16. Calcium chloride                                     | IS : 1314—1984              | One Tonne     | 3.00<br>1.50          | First 1500<br>Remaining                  | ..                 | -do-               | -do-       | 1985-04-01 |      |
| 17. Steel butt hinges                                    | IS : 1341—1976              | One Piece     | 0.03<br>0.02<br>0.01  | First 30000<br>Next 20000<br>Remaining   | 4055<br>1972-11-21 | ..                 | 1972-12-09 | 1981-10-01 |      |
| 18. Friction surface rubber transmission belting         | IS : 1370—1976              | One Sq. meter | 0.08                  | All                                      | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |      |
| 19. Cotton duck, grey                                    | IS : 1422—1977              | One Sq. meter | 0.03<br>0.02<br>0.01  | First 200000<br>Next 200000<br>Remaining | —                  | 2405<br>1984-06-29 | 1984-07-29 | 1985-01-01 |      |
| 20. Portland Pozzolana cement                            | IS : 1489—1976              | One Tonne     | 0.20                  | All                                      | —                  | 2108<br>1983-04-14 | 1983-05-14 | 1983-07-01 |      |
| 21. Stearic acid, technical                              | IS : 1675—1971              | -do-          | 16.00<br>8.00<br>4.00 | First 500<br>Next 500<br>Remaining       | —                  | 220<br>1983-12-27  | 1984-01-1  | 1985-04-01 |      |
| 22. Writing and printing paper                           | IS : 1848—1981              | -do-          | 2.75                  | All                                      | —                  | 2108<br>1983-04-14 | 1983-05-14 | 1981-12-01 |      |
| 23. Rubber conveyor and elevator belting general purpose | IS : 1891 (Part 1)—1978     | One Sq metre  | 0.15                  | All                                      | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |      |
| 24. Rubber conveyor and elevator belting Heat resistant  | IS : 1891 (Part 2)—1978     | -do-          | 0.15                  |  | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |      |
| 25. Rubber conveyor and elevator belting Oil resistant.  | IS : 1891 (Part 3)—1978     | -do-          | 0.15                  |  | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |      |
| 26. Rubber conveyor and elevator belting Hygienic.       | IS : 1891 (Part 4)—1978     | -do-          | 0.15                  |  | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |      |

| 1   | 2   | 3              | 4              | 5                    | 6                                      | 7                  | 8                  | 9          | 10         |
|-----|---|----------------|----------------|----------------------|--|--------------------|--------------------|------------|------------|
| 27. | Rivets for general purposes                                     | IS : 1929—1961 | One Tonne      | 8.00                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 28. | A twill jute bags   | IS : 1943—1964 | -do-           | 2.50                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 29. | Galvanized stay strand  | IS : 2141—1979 | One Tonne      | 3.00                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1982-07-01 |
| 30. | Steel wire ropes for general engineering purposes               | IS : 2266—1977 | -do-           | 4.00                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 31. | Stand for use with drafting machine.                            | IS : 2287—1970 | One stand      | 1.50                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |
| 32. | Steel wire suspension ropes for lifts, elevators, and hoists.   | IS : 2365—1977 | One Tonne      | 4.00                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 33. | Precision hexagon bolts, screws, nuts and lock nuts.            | IS : 2389—1968 | One Tonne      | 1.50                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |
| 34. | B-twill jute bags.  | IS : 2566—1965 | -do-           | 5.00                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1984-08-01 |
| 35. | Dry batteries for transistor radio receivers.                   | IS : 2576—1975 | 1000 Pieces    | 0.30<br>0.20         | First 20000<br>Remaining               | 1146<br>1977-03-31 | —                  | 1977-04-16 | 1982-09-01 |
| 36. | Round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes. | IS : 2581—1977 | One Tonne      | 4.00                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 37. | Hacksaw blades  | IS : 2594—1977 | 1000 Pieces    | 1.50                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1982-07-01 |
| 38. | Heavy cee jute bags   | IS : 2874—1964 | One Tonne      | 2.50                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 39. | Jute corn sacks   | IS : 2875—1964 | -do-           | 2.50                 | All                                    | -do-               | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 40. | Cutting oil, neat   | IS : 3065—1970 | One kl         | 15.00                | All                                    | —                  | 4199<br>1983-10-26 | 1983-11-19 | 1983-06-01 |
| 41. | Gas Cylinder Valves (excluding LPG cylinder valves)             | IS : 3224—1979 | One Valve      | 0.15<br>0.10         | First 30000<br>Remaining               | —                  | —                  | —          | 1982-12-01 |
| 42. | B—Twill cloth   | IS : 3667—1966 | One Tonne      | 2.50                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 43. | Liverpool twill cloth   | IS : 3668—1966 | -do-           | 2.50                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 44. | Jute corn sack cloth  | IS : 3750—1966 | -do-           | 2.50                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 45. | Heavy cee cloth   | IS : 3751—1966 | -do-           | 2.50                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 46. | Live centres  | IS : 3793—1966 | One Piece      | 1.50                 | All                                    | 650<br>1973-02-19  | —                  | 1973-03-03 | 1982-12-01 |
| 47. | Liverpool twill bags  | IS : 3794—1966 | One Tonne      | 2.50                 | All                                    | 1383<br>1977-04-20 | —                  | 1977-05-14 | 1982-06-01 |
| 48. | Continuous (Plano) hinges                                       | IS : 3818—1971 | 100 Pieces     | 2.00<br>1.00         | First 2000<br>Remaining                | 4055<br>1972-11-21 | —                  | 1972-12-09 | 1982-12-16 |
| 49. | Steel back flap hinges  | IS : 3843—1966 | One Piece      | 0.03<br>0.02<br>0.01 | First 30000<br>Next 20000<br>Remaining | 4055<br>1972-11-21 | —                  | 1972-12-09 | 1981-10-01 |
| 50. | Flow cups   | IS : 3944—1966 | One Piece      | 2.00                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-01-01 |
| 51. | Monocular dissecting microscope                                 | IS : 4328—1967 | One Microscope | 7.00<br>5.00<br>3.00 | First 200<br>Next 200<br>Remaining     | 487<br>1977-01-19  | —                  | 1977-02-12 | 1983-02-01 |
| 52. | Non-tinted ophthalmic glass blanks                              | IS : 4382—1967 | 1000 Banks     | 5.00                 | All                                    | —                  | —                  | —          | 1983-02-01 |



| (1)   | (2)            | (3)       | (4)  | (5)        | 6          | 7          | 8          | 9          | 10 |
|---|----------------|-----------|------|------------|------------|------------|------------|------------|----|
| 53. Paraffin wax  | IS : 4654—1974 | One Tonne | 6.00 | First 500  | —          | 4199       | 1983-11-19 | 1983-05-16 |    |
|   |                |           | 1.00 | Next 10000 |            | 1983-10-26 |            |            |    |
|   |                |           | 0.50 | Remaining  |            |            |            |            |    |
| 54. Rain gauge, non-recording   | IS : 5225—1969 | One Piece | 4.50 | All        | —          | —          | —          | 1983-01-01 |    |
| 55. Rubber sealing rings for gas mains and sewers                                       | IS : 5382—1969 | -do-      | 0.10 | First 5000 | —          | 4199       | 1983-11-19 | 1983-06-01 |    |
|   |                |           | 0.05 | Next 5000  |            | 1983-10-26 |            |            |    |
|   |                |           | 1.50 | Remaining  |            |            |            |            |    |
| 56. C.I. Steps for manholes   | IS : 5455—1969 | One Tonne | 1.50 | All        | 651        | —          | 1973-03-03 | 1983-01-01 |    |
|   |                |           |      |            | 1973-02-19 |            |            |            |    |
| 57. Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water for agricultural purposes | IS : 6595—1980 | One pump  | 1.50 | First 2000 | 489        | —          | 1977-02-12 | 1982-07-01 |    |
|   |                |           | 1.00 | Next 4000  | 1977-01-19 |            |            |            |    |
|   |                |           | 0.50 | Remaining  |            |            |            |            |    |
| 58. Shampoo, synthetic detergent based  | IS : 7884—1978 | One Litre | 0.08 | All        | —          | 3282       | 1982-09-18 | 1985-07-01 |    |
|   |                |           |      |            |            | 1982-08-26 |            |            |    |
| 59. Boiler water treatment compounds  | IS : 7932—1982 | -do-      | 0.02 | All        | —          | 4199       | 1983-11-19 | 1983-11-01 |    |
|   |                |           |      |            |            | 1983-10-26 |            |            |    |

[No. CMD/13 : 10]

का. प्र. 1151—समय समय पर संगोष्ठित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विज्ञान) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 486 सामग्रियों के व्योरे भीष्म अनुसूची में दिए गए हैं, उनका जून 1985 में नवीकरण किया गया है।

अनुसूची

| क्रम संख्या | सं. एम/एल संख्या | वैध : तक   |
|-------------|------------------|------------|
| (1)         | (2)              | (3)        |
| 1.          | 0002711          | 1986-05-31 |
| 2.          | 0030009          | 1986-05-15 |
| 3.          | 0037023          | 1986-06-15 |
| 4.          | 0061121          | 1986-06-30 |
| 5.          | 0083737          | 1966-05-15 |
| 6.          | 0085842          | 1986-05-31 |
| 7.          | 0085943          | 1986-05-31 |
| 8.          | 0099954          | 1986-06-30 |
| 9.          | 0101309          | 1986-06-15 |
| 10.         | 0104517          | 1986-05-15 |
| 11.         | 0105721          | 1986-05-15 |
| 12.         | 0406622          | 1986-02-15 |
| 13.         | 0111413          | 1986-05-15 |
| 14.         | 0126931          | 1986-02-28 |
| 15.         | 0429230          | 1986-05-15 |
| 16.         | 0133524          | 1986-05-31 |
| 17.         | 0136934          | 1986-06-15 |
| 18.         | 0137835          | 1966-06-15 |
| 19.         | 0143830          | 1986-05-15 |
| 20.         | 0143931          | 1986-05-15 |
| 21.         | 0145157          | 1986-06-15 |
| 22.         | 0145228          | 1986-06-15 |
| 23.         | 0148133          | 1986-04-30 |
| 24.         | 0155231          | 1986-04-30 |
| 25.         | 0160426          | 1986-06-15 |
| 26.         | 0165840          | 1986-06-15 |
| 27.         | 0169343          | 1986-06-30 |
| 28.         | 0171532          | 1985-12-15 |
| 29.         | 0171633          | 1985-12-15 |
| 30.         | 0176744          | 1986-10-31 |
| 31.         | 0184844          | 1986-05-31 |
| 32.         | 0186242          | 1986-05-31 |
| 33.         | 0198653          | 1986-06-15 |
| 34.         | 0217126          | 1986-06-15 |

| (1) | (2)     | (3)        |
|-----|---------|------------|
| 35. | 0239944 | 1986-05-31 |
| 36. | 0241022 | 1986-05-31 |
| 37. | 0257239 | 1986-05-15 |
| 38. | 0263842 | 1986-03-31 |
| 39. | 0264943 | 1986-03-31 |
| 40. | 0265036 | 1986-03-31 |
| 41. | 0267141 | 1986-03-31 |
| 42. | 0269953 | 1986-06-15 |
| 43. | 0274138 | 1986-02-28 |
| 44. | 0302319 | 1986-03-31 |
| 45. | 9826338 | 1986-06-15 |
| 46. | 0328438 | 1986-06-15 |
| 47. | 0328539 | 1986-06-15 |
| 48. | 0328640 | 1986-06-16 |
| 49. | 0334332 | 1986-04-30 |
| 50. | 0339847 | 1986-05-15 |
| 51. | 0339948 | 1896-05-15 |
| 52. | 0341733 | 1986-05-31 |
| 53. | 0352233 | 1986-05-31 |
| 54. | 0352537 | 1986-05-31 |
| 55. | 0359752 | 1986-06-15 |
| 56. | 0380131 | 1986-06-15 |
| 57. | 0362438 | 1986-06-30 |
| 58. | 0369856 | 1986-06-30 |
| 59. | 0372744 | 1986-05-31 |
| 60. | 0375447 | 1986-05-31 |
| 61. | 0375548 | 1986-05-31 |
| 62. | 0375649 | 1986-05-31 |
| 63. | 0375750 | 1986-05-31 |
| 64. | 0375851 | 1986-05-31 |
| 65. | 0375952 | 1986-05-31 |
| 66. | 0376045 | 1986-05-31 |
| 67. | 0376146 | 1986-05-31 |
| 68. | 0387050 | 1986-06-30 |
| 69. | 0398661 | 1986-06-15 |
| 70. | 0401422 | 1986-05-15 |
| 71. | 0404852 | 1986-05-15 |
| 72. | 0409438 | 1986-06-30 |
| 73. | 0425133 | 1986-06-15 |
| 74. | 0431532 | 1986-10-15 |
| 75. | 0432938 | 1986-04-30 |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 76.  | 0435540 | 1986-04-30 | 143. | 0691558 | 1986-03-31 |
| 77.  | 0436946 | 1986-06-30 | 144. | 0691760 | 1986-03-31 |
| 78.  | 0439245 | 1986-05-31 | 145. | 0695263 | 1986-04-15 |
| 79.  | 0442335 | 1986-06-15 | 146. | 0696072 | 1986-06-30 |
| 80.  | 0442941 | 1986-06-15 | 147. | 0698875 | 1986-05-15 |
| 81.  | 0443135 | 1986-06-15 | 148. | 0699069 | 1986-05-15 |
| 82.  | 0443238 | 1986-06-15 | 149. | 0699271 | 1986-05-15 |
| 83.  | 0448246 | 1986-06-30 | 150. | 0700331 | 1986-05-15 |
| 84.  | 0472647 | 1986-06-15 | 151. | 0700432 | 1986-05-15 |
| 85.  | 0474752 | 1985-10-31 | 152. | 0700937 | 1986-05-31 |
| 86.  | 0508945 | 1986-04-15 | 153. | 0701232 | 1986-05-31 |
| 87.  | 0509341 | 1986-06-15 | 154. | 0701737 | 1986-05-31 |
| 88.  | 0510326 | 1986-04-30 | 155. | 0702138 | 1986-05-31 |
| 89.  | 0512431 | 1986-04-15 | 156. | 0702436 | 1986-05-31 |
| 90.  | 0512532 | 1986-04-15 | 157. | 0702840 | 1986-06-15 |
| 91.  | 0514940 | 1986-06-30 | 158. | 0704440 | 1986-06-15 |
| 92.  | 0515336 | 1986-06-30 | 159. | 0714746 | 1986-05-31 |
| 93.  | 0516339 | 1986-05-15 | 160. | 0714948 | 1986-05-31 |
| 94.  | 0516641 | 1986-05-15 | 161. | 0738457 | 1986-04-30 |
| 95.  | 0517239 | 1986-05-15 | 162. | 0742650 | 1986-04-30 |
| 96.  | 0522939 | 1986-05-31 | 163. | 0745454 | 1986-04-30 |
| 97.  | 0523032 | 1986-05-31 | 164. | 0754554 | 1986-04-30 |
| 98.  | 0523537 | 1986-05-31 | 165. | 0759485 | 1986-03-15 |
| 99.  | 0524135 | 1986-05-31 | 166. | 0762050 | 1986-03-31 |
| 100. | 0524236 | 1986-05-31 | 167. | 0768870 | 1986-04-15 |
| 101. | 0524438 | 1986-05-31 | 168. | 0769569 | 1986-04-15 |
| 102. | 0525238 | 1986-05-31 | 169. | 0770756 | 1986-04-15 |
| 103. | 0526038 | 1986-05-31 | 170. | 0775766 | 1986-05-31 |
| 104. | 0526442 | 1986-05-31 | 171. | 0776162 | 1986-05-31 |
| 105. | 0526644 | 1986-05-31 | 172. | 0777063 | 1986-05-31 |
| 106. | 0527141 | 1985-06-15 | 173. | 0778368 | 1986-05-31 |
| 107. | 0527343 | 1986-05-31 | 174. | 0778469 | 1986-05-31 |
| 108. | 0527747 | 1986-06-15 | 175. | 0778570 | 1986-05-31 |
| 109. | 0528749 | 1986-06-15 | 176. | 0778873 | 1986-06-15 |
| 110. | 0528951 | 1986-06-15 | 177. | 0778974 | 1986-06-15 |
| 111. | 0531940 | 1986-03-31 | 178. | 0780560 | 1986-06-30 |
| 112. | 0550843 | 1986-04-30 | 179. | 0781761 | 1986-06-30 |
| 113. | 0551239 | 1986-05-31 | 180. | 0782581 | 1986-06-30 |
| 114. | 0557655 | 1986-05-15 | 181. | 0812342 | 1985-11-15 |
| 115. | 0560038 | 1986-05-15 | 182. | 0819962 | 1985-12-15 |
| 116. | 0568660 | 1986-05-15 | 183. | 0841955 | 1986-04-15 |
| 117. | 0590754 | 1986-06-15 | 184. | 0843656 | 1986-03-15 |
| 118. | 0592554 | 1986-08-15 | 185. | 0848666 | 1986-03-31 |
| 119. | 0593558 | 1986-02-28 | 186. | 0848969 | 1986-03-31 |
| 120. | 0600832 | 1986-03-31 | 187. | 0850635 | 1986-03-31 |
| 121. | 0604133 | 1988-04-15 | 188. | 0856887 | 1986-04-15 |
| 122. | 0604739 | 1986-05-31 | 189. | 0858869 | 1986-04-15 |
| 123. | 0606945 | 1986-04-30 | 190. | 0863763 | 1986-04-15 |
| 124. | 0608141 | 1986-05-15 | 191. | 0865767 | 1986-04-30 |
| 125. | 060842  | 1986-05-15 | 192. | 0865868 | 1986-04-30 |
| 126. | 0608646 | 1986-05-15 | 193. | 0867670 | 1986-05-31 |
| 127. | 0610635 | 1986-05-15 | 194. | 0868874 | 1987-05-31 |
| 128. | 0611635 | 1986-05-15 | 195. | 0869068 | 1986-05-31 |
| 129. | 0612334 | 1986-05-31 | 196. | 0869775 | 1986-05-31 |
| 130. | 0614237 | 1986-05-31 | 197. | 0869876 | 1986-05-31 |
| 131. | 0614641 | 1986-06-15 | 198. | 0870760 | 1986-06-15 |
| 132. | 0615542 | 1986-06-15 | 199. | 0871055 | 1986-06-15 |
| 133. | 0616645 | 1986-05-31 | 200. | 0871560 | 1986-06-15 |
| 134. | 0617041 | 1986-05-31 | 201. | 0871661 | 1986-06-15 |
| 135. | 0619550 | 1986-06-30 | 202. | 0872158 | 1986-06-15 |
| 136. | 0619651 | 1986-05-30 | 203. | 0872461 | 1986-06-15 |
| 137. | 0644143 | 1986-06-15 | 204. | 0872562 | 1986-06-15 |
| 138. | 0654451 | 1986-05-31 | 205. | 0873059 | 1986-06-15 |
| 139. | 0670752 | 1986-01-31 | 206. | 0873362 | 1986-06-15 |
| 140. | 0675156 | 1986-05-31 | 207. | 0873564 | 1986-06-15 |
| 141. | 0681151 | 1986-06-15 | 208. | 0873665 | 1986-06-15 |
| 142. | 0686060 | 1986-03-31 |      |         |            |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 209. | 0873968 | 1986-06-15 | 275. | 1065740 | 1986-04-15 |
| 210. | 0874768 | 1986-06-15 | 276. | 1065841 | 1986-04-15 |
| 211. | 0876469 | 1986-06-30 | 277. | 1066641 | 1986-04-15 |
| 212. | 0876974 | 1986-05-31 | 278. | 1066742 | 1986-04-15 |
| 213. | 0887373 | 1986-03-31 | 279. | 1066843 | 1986-04-15 |
| 214. | 0894067 | 1986-06-15 | 280. | 1067643 | 1986-04-15 |
| 215. | 0922955 | 1986-12-15 | 281. | 1067845 | 1985-04-15 |
| 216. | 0926861 | 1986-06-15 | 282. | 1068746 | 1986-04-15 |
| 217. | 0930348 | 1986-01-15 | 283. | 1068847 | 1986-04-15 |
| 218. | 0932049 | 1986-01-31 | 284. | 1069243 | 1986-04-15 |
| 219. | 0949773 | 1986-03-15 | 285. | 1069344 | 1986-04-15 |
| 220. | 0950859 | 1986-06-15 | 286. | 1069445 | 1986-04-15 |
| 221. | 0954059 | 1986-03-31 | 287. | 1069647 | 1986-04-15 |
| 222. | 0954281 | 1986-03-31 | 288. | 1069748 | 1986-04-15 |
| 223. | 0955566 | 1986-06-30 | 289. | 1069950 | 1986-04-15 |
| 224. | 0956063 | 1986-04-15 | 290. | 1070026 | 1986-04-15 |
| 225. | 0958370 | 1986-03-31 | 291. | 1070127 | 1986-04-15 |
| 226. | 0960862 | 1986-04-15 | 292. | 1070430 | 1986-06-15 |
| 227. | 0963363 | 1986-04-30 | 293. | 1071129 | 1986-04-15 |
| 228. | 0964668 | 1986-04-30 | 294. | 1072131 | 1986-04-30 |
| 229. | 0965266 | 1986-04-30 | 295. | 1073739 | 1986-05-15 |
| 230. | 0966470 | 1986-04-30 | 296. | 1073840 | 1986-05-15 |
| 231. | 0966672 | 1986-05-15 | 297. | 1075541 | 1986-05-31 |
| 232. | 0969274 | 1986-05-31 | 298. | 1076038 | 1986-04-30 |
| 233. | 0969880 | 1986-05-31 | 299. | 1078139 | 1986-04-30 |
| 234. | 0969981 | 1986-05-31 | 300. | 1076240 | 1986-04-30 |
| 235. | 0970461 | 1986-05-31 | 301. | 1078341 | 1986-04-30 |
| 236. | 0970966 | 1986-05-31 | 302. | 1076644 | 1986-05-15 |
| 237. | 0971059 | 1986-05-31 | 303. | 1077040 | 1986-05-15 |
| 238. | 0971261 | 1986-05-31 | 304. | 1077242 | 1986-05-15 |
| 239. | 0971867 | 1986-05-31 | 305. | 1077747 | 1986-05-31 |
| 240. | 0973063 | 1986-05-31 | 306. | 1077848 | 1986-05-15 |
| 241. | 0973164 | 1986-06-15 | 307. | 1078547 | 1986-05-31 |
| 242. | 0973467 | 1986-06-15 | 308. | 1078749 | 1986-05-31 |
| 243. | 0973770 | 1986-06-15 | 309. | 1078850 | 1986-05-31 |
| 244. | 0973972 | 1986-06-15 | 310. | 1079246 | 1986-05-31 |
| 245. | 0974166 | 1986-06-15 | 311. | 1079448 | 1986-05-31 |
| 246. | 0974267 | 1986-06-15 | 312. | 1079751 | 1986-05-31 |
| 247. | 0974469 | 1986-06-15 | 313. | 1079852 | 1986-05-31 |
| 248. | 0974570 | 1986-06-15 | 314. | 1079953 | 1986-05-31 |
| 249. | 0975572 | 1986-06-15 | 315. | 1080130 | 1986-05-31 |
| 250. | 0975875 | 1986-06-15 | 316. | 1081334 | 1986-05-31 |
| 251. | 0975976 | 1986-06-30 | 317. | 1081435 | 1986-05-31 |
| 252. | 0976675 | 1986-06-30 | 318. | 1081637 | 1986-05-31 |
| 253. | 0978073 | 1986-06-30 | 319. | 1082639 | 1986-05-31 |
| 254. | 0990871 | 1986-05-15 | 320. | 1083237 | 1986-05-31 |
| 255. | 1012214 | 1985-12-15 | 321. | 1083338 | 1986-04-30 |
| 256. | 1027429 | 1986-01-15 | 322. | 1083944 | 1986-06-15 |
| 257. | 1029231 | 1986-02-15 | 323. | 1084037 | 1986-06-15 |
| 258. | 1029938 | 1986-02-15 | 324. | 1084239 | 1986-05-31 |
| 259. | 1043023 | 1986-05-31 | 325. | 1084340 | 1986-04-30 |
| 260. | 1043124 | 1986-05-31 | 326. | 1084542 | 1986-05-31 |
| 261. | 1043730 | 1986-06-15 | 327. | 1084744 | 1986-05-31 |
| 262. | 1046029 | 1986-03-15 | 328. | 1084845 | 1986-05-31 |
| 263. | 1048639 | 1986-06-15 | 329. | 1085847 | 1986-05-31 |
| 264. | 1049338 | 1986-06-30 | 330. | 1085948 | 1986-05-31 |
| 265. | 1049944 | 1986-06-30 | 331. | 1086344 | 1986-06-15 |
| 266. | 1050222 | 1986-05-31 | 332. | 1086445 | 1986-06-15 |
| 267. | 1053632 | 1986-05-31 | 333. | 1086950 | 1986-06-15 |
| 268. | 1054331 | 1986-03-31 | 334. | 1087548 | 1986-06-15 |
| 269. | 1055434 | 1986-03-31 | 335. | 1088146 | 1986-06-15 |
| 270. | 1055838 | 1986-03-31 | 336. | 1088651 | 1986-06-15 |
| 271. | 1055939 | 1986-03-31 | 337. | 1089148 | 1986-06-15 |
| 272. | 1056638 | 1986-03-31 | 338. | 1089056 | 1986-06-15 |
| 273. | 1056739 | 1986-03-31 | 339. | 1091135 | 1986-06-15 |
| 274. | 1062128 | 1986-03-31 | 340. | 1091842 | 1986-08-31 |
|      |         |            | 341. | 1093341 | 1986-08-31 |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 342. | 1099858 | 1986-06-15 | 409. | 1201722 | 1986-06-30 |
| 343. | 1100110 | 1986-05-31 | 410. | 1203322 | 1986-06-30 |
| 344. | 1109633 | 1986-06-15 | 411. | 1203423 | 1986-06-30 |
| 345. | 1118230 | 1986-09-30 | 412. | 1203625 | 1996-06-30 |
| 346. | 1128132 | 1986-11-15 | 413. | 1203827 | 1986-06-30 |
| 347. | 1133034 | 1985-11-30 | 414. | 1203928 | 1986-06-30 |
| 348. | 1156743 | 1986-02-15 | 415. | 1204021 | 1986-06-30 |
| 349. | 1166140 | 1986-02-28 | 416. | 1215026 | 1986-06-30 |
| 350. | 1170050 | 1986-05-31 | 417. | 1215127 | 1986-06-30 |
| 351. | 1171032 | 1986-03-15 | 418. | 1215228 | 1986-06-30 |
| 352. | 1171840 | 1986-03-31 | 419. | 1216331 | 1986-06-30 |
| 353. | 1173137 | 1986-03-31 | 420. | 1216432 | 1986-06-30 |
| 354. | 1173844 | 1986-03-31 | 421. | 1216533 | 1986-06-30 |
| 355. | 1174543 | 1986-03-31 | 422. | 1216735 | 1986-06-30 |
| 356. | 1177549 | 1986-04-15 | 423. | 1216836 | 1986-06-30 |
| 357. | 1178248 | 1986-04-15 | 424. | 1217131 | 1986-06-30 |
| 358. | 1178450 | 1986-04-15 | 425. | 1217232 | 1985-06-30 |
| 359. | 1178854 | 1986-04-15 | 426. | 1217838 | 1986-06-30 |
| 360. | 1179250 | 1986-04-15 | 427. | 1233432 | 1985-09-15 |
| 361. | 1180538 | 1986-04-30 | 428. | 1234232 | 1985-09-15 |
| 362. | 1180942 | 1986-04-30 | 429. | 1265239 | 1986-01-15 |
| 363. | 1182643 | 1986-04-30 | 430. | 1270036 | 1986-01-31 |
| 364. | 1183342 | 1986-05-15 | 431. | 1273646 | 1986-02-15 |
| 365. | 1183948 | 1986-05-15 | 432. | 1284752 | 1986-03-15 |
| 366. | 1184445 | 1986-05-15 | 433. | 1285047 | 1986-03-15 |
| 367. | 1184748 | 1986-05-15 | 434. | 1286049 | 1986-03-31 |
| 368. | 1185851 | 1986-05-15 | 435. | 1286251 | 1986-03-15 |
| 369. | 1185952 | 1986-05-15 | 436. | 1294452 | 1986-03-31 |
| 370. | 1186449 | 1986-05-15 | 437. | 1296254 | 1986-03-31 |
| 371. | 1187047 | 1986-05-15 | 438. | 1299462 | 1986-03-31 |
| 372. | 1187754 | 1986-05-31 | 439. | 1300522 | 1986-03-31 |
| 373. | 1187855 | 1985-05-15 | 440. | 1301726 | 1986-04-15 |
| 374. | 1188150 | 1986-05-31 | 441. | 1303124 | 1986-03-31 |
| 375. | 1188655 | 1986-05-31 | 442. | 1303932 | 1986-04-15 |
| 376. | 1188958 | 1986-05-31 | 443. | 1305532 | 1986-04-30 |
| 377. | 1189051 | 1986-05-31 | 444. | 1305734 | 1986-04-30 |
| 378. | 1189152 | 1986-05-31 | 445. | 1306534 | 1986-04-30 |
| 379. | 1189354 | 1986-05-31 | 446. | 1307839 | 1986-05-15 |
| 380. | 1190137 | 1986-05-31 | 447. | 1308639 | 1986-05-15 |
| 381. | 1190238 | 1986-05-31 | 448. | 1308740 | 1986-05-15 |
| 382. | 1190339 | 1986-06-15 | 449. | 1309136 | 1986-05-15 |
| 383. | 1190440 | 1986-06-15 | 450. | 1309237 | 1986-05-15 |
| 384. | 1190541 | 1986-06-15 | 451. | 1309338 | 1985-05-15 |
| 385. | 1190642 | 1986-06-15 | 452. | 1309439 | 1988-05-15 |
| 386. | 1190844 | 1986-05-31 | 453. | 1309641 | 1986-05-15 |
| 387. | 1191038 | 1986-05-31 | 454. | 1309944 | 1986-05-15 |
| 388. | 1192747 | 1986-06-15 | 455. | 1310121 | 1986-05-15 |
| 389. | 1193143 | 1986-11-15 | 456. | 1310424 | 1986-05-15 |
| 390. | 1194044 | 1985-06-15 | 457. | 1310727 | 1986-05-15 |
| 391. | 1194448 | 1986-06-15 | 458. | 1311527 | 1986-05-15 |
| 392. | 1194852 | 1986-06-15 | 459. | 1311830 | 1986-05-31 |
| 393. | 1194953 | 1986-06-15 | 460. | 1311931 | 1986-05-31 |
| 394. | 1195349 | 1986-06-15 | 461. | 1312630 | 1986-05-31 |
| 395. | 1195753 | 1986-06-15 | 462. | 1312731 | 1986-05-31 |
| 396. | 1195854 | 1986-06-15 | 463. | 1313076 | 1986-05-31 |
| 397. | 1196351 | 1986-07-31 | 464. | 1313228 | 1986-05-31 |
| 398. | 1196654 | 1986-06-15 | 465. | 1313329 | 1986-05-31 |
| 399. | 1196755 | 1986-06-15 | 466. | 1313430 | 1986-05-31 |
| 400. | 1197555 | 1986-06-15 | 467. | 1313531 | 1986-05-31 |
| 401. | 1197656 | 1986-06-15 | 468. | 1313732 | 1986-05-31 |
| 402. | 1198355 | 1986-06-15 | 469. | 1313834 | 1986-05-31 |
| 403. | 1198860 | 1986-05-31 | 470. | 1314078 | 1986-05-31 |
| 404. | 1199054 | 1986-05-31 | 471. | 1314129 | 1986-06-15 |
| 405. | 1199155 | 1986-06-15 | 472. | 1314331 | 1986-06-15 |
| 406. | 1199862 | 1786-06-30 | 473. | 1314432 | 1986-06-15 |
| 407. | 1200114 | 1986-06-30 | 474. | 1314735 | 1986-06-15 |
| 408. | 1201621 | 1986-06-30 | 475. | 1314937 | 1986-06-15 |

| (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|
| 476. | 1315030 | 1986-09-30 |
| 477. | 1315838 | 1986-06-15 |
| 478. | 1316032 | 1986-05-31 |
| 479. | 1316537 | 1986-06-15 |
| 480. | 1316739 | 1986-06-15 |
| 481. | 1316840 | 1986-06-15 |
| 482. | 1318137 | 1986-06-30 |
| 483. | 1318743 | 1986-06-30 |
| 484. | 1319644 | 1986-06-30 |
| 485. | 1321338 | 1986-06-30 |
| 486. | 1322431 | 1986-06-30 |

[सं. सी एम डी 13 : 12]

S.O.1151.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 486 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of June 1985.

## THE SCHEDULE

| Sl. No. | CM/L No. | Valid upto |
|---------|----------|------------|
| (1)     | (2)      | (3)        |
| 1.      | 0002711  | 1986-05-31 |
| 2.      | 0030009  | 1986-05-15 |
| 3.      | 0037023  | 1986-06-15 |
| 4.      | 0061121  | 1986-06-30 |
| 5.      | 0083737  | 1986-05-15 |
| 6.      | 0085842  | 1986-05-31 |
| 7.      | 0085943  | 1986-05-31 |
| 8.      | 0099954  | 1986-06-30 |
| 9.      | 0101309  | 1986-06-15 |
| 10.     | 0104517  | 1986-05-15 |
| 11.     | 0105721  | 1986-05-15 |
| 12.     | 0106622  | 1986-02-28 |
| 13.     | 0111413  | 1986-05-15 |
| 14.     | 0126931  | 1986-05-31 |
| 15.     | 0129230  | 1986-06-15 |
| 16.     | 0133524  | 1986-05-31 |
| 17.     | 0136934  | 1986-06-15 |
| 18.     | 0137835  | 1986-06-15 |
| 19.     | 0143830  | 1986-05-15 |
| 20.     | 0143931  | 1986-05-15 |
| 21.     | 0145127  | 1986-06-15 |
| 22.     | 0145228  | 1986-06-15 |
| 23.     | 0148133  | 1986-04-03 |
| 24.     | 0155231  | 1986-04-30 |
| 25.     | 0160426  | 1986-06-15 |
| 26.     | 0165840  | 1986-06-15 |
| 27.     | 0169343  | 1986-06-30 |
| 28.     | 0171532  | 1985-12-15 |
| 29.     | 0171633  | 1985-12-15 |
| 30.     | 0176744  | 1985-10-31 |
| 31.     | 0184844  | 1986-05-31 |
| 32.     | 0186242  | 1986-05-31 |
| 33.     | 0198653  | 1986-06-15 |
| 34.     | 0217126  | 1986-06-15 |
| 35.     | 0239944  | 1986-05-31 |
| 36.     | 0241022  | 1986-05-31 |
| 37.     | 0257239  | 1986-05-15 |
| 38.     | 0264842  | 1986-03-31 |

| (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|
| 39.  | 0264943 | 1986-03-31 |
| 40.  | 0265036 | 1986-03-31 |
| 41.  | 0267141 | 1986-03-31 |
| 42.  | 0269953 | 1986-06-15 |
| 43.  | 0274138 | 1986-02-28 |
| 44.  | 0302319 | 1986-03-31 |
| 45.  | 0326333 | 1986-06-15 |
| 46.  | 0328438 | 1986-06-15 |
| 47.  | 0328539 | 1986-06-15 |
| 48.  | 0328640 | 1986-06-15 |
| 49.  | 0334332 | 1986-04-30 |
| 50.  | 0339847 | 1986-05-15 |
| 51.  | 0339948 | 1986-05-15 |
| 52.  | 0341733 | 1986-05-31 |
| 53.  | 0352233 | 1986-05-31 |
| 54.  | 0352637 | 1986-05-31 |
| 55.  | 0359752 | 1986-06-15 |
| 56.  | 0360131 | 1986-06-15 |
| 57.  | 0362438 | 1986-06-30 |
| 58.  | 0369856 | 1986-06-30 |
| 59.  | 0372744 | 1986-05-31 |
| 60.  | 0375447 | 1986-05-31 |
| 61.  | 0375548 | 1986-05-31 |
| 62.  | 0375649 | 1986-05-31 |
| 63.  | 0375750 | 1986-05-31 |
| 64.  | 0375851 | 1986-05-31 |
| 65.  | 0375952 | 1986-05-31 |
| 66.  | 0376045 | 1986-05-31 |
| 67.  | 0376146 | 1986-05-31 |
| 68.  | 0387050 | 1986-06-30 |
| 69.  | 0398661 | 1986-06-15 |
| 70.  | 0401422 | 1986-05-15 |
| 71.  | 0404832 | 1986-05-15 |
| 72.  | 0409438 | 1986-06-30 |
| 73.  | 0425133 | 1986-06-15 |
| 74.  | 0431532 | 1986-10-15 |
| 75.  | 0432938 | 1986-04-30 |
| 76.  | 0435540 | 1986-04-30 |
| 77.  | 0436946 | 1986-06-30 |
| 78.  | 0439245 | 1986-05-31 |
| 79.  | 0442335 | 1986-06-15 |
| 80.  | 0442941 | 1986-06-15 |
| 81.  | 0443135 | 1986-06-15 |
| 82.  | 0443236 | 1986-06-15 |
| 83.  | 0448246 | 1986-06-30 |
| 84.  | 0472647 | 1986-06-15 |
| 85.  | 0474752 | 1985-10-31 |
| 86.  | 0508945 | 1986-04-15 |
| 87.  | 0509341 | 1986-06-15 |
| 88.  | 0510326 | 1986-04-30 |
| 89.  | 0512431 | 1986-04-15 |
| 90.  | 0512532 | 1986-04-15 |
| 91.  | 0514940 | 1986-06-30 |
| 92.  | 0515336 | 1986-06-30 |
| 93.  | 0516439 | 1986-05-15 |
| 94.  | 0516641 | 1986-05-15 |
| 95.  | 0517239 | 1986-05-15 |
| 96.  | 0522939 | 1986-05-31 |
| 97.  | 0523032 | 1986-05-31 |
| 98.  | 0523537 | 1986-05-31 |
| 99.  | 0524135 | 1986-05-31 |
| 100. | 0524236 | 1986-05-31 |
| 101. | 0524438 | 1986-05-31 |
| 102. | 0525238 | 1986-05-31 |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 103. | 0526038 | 1986-05-31 | 169. | 0770756 | 1986-04-15 |
| 104. | 0526442 | 1986-05-31 | 170. | 0775766 | 1986-05-31 |
| 105. | 0526644 | 1986-05-31 | 171. | 0776162 | 1986-05-31 |
| 106. | 0527141 | 1985-06-15 | 172. | 0777063 | 1986-05-31 |
| 107. | 0527343 | 1986-05-31 | 173. | 0778368 | 1986-05-31 |
| 108. | 0527747 | 1986-06-15 | 174. | 0778469 | 1986-05-31 |
| 109. | 0528749 | 1986-06-15 | 175. | 0778570 | 1986-05-31 |
| 110. | 0528951 | 1986-06-15 | 176. | 0778873 | 1986-06-15 |
| 111. | 0531940 | 1987-03-31 | 177. | 0778974 | 1986-06-15 |
| 112. | 0550843 | 1986-04-30 | 178. | 0780860 | 1986-06-30 |
| 113. | 0551239 | 1986-05-31 | 179. | 0781761 | 1986-06-30 |
| 114. | 0557655 | 1986-06-15 | 180. | 0782561 | 1986-06-30 |
| 115. | 0560038 | 1986-05-15 | 181. | 0812342 | 1985-11-15 |
| 116. | 0568660 | 1986-05-15 | 182. | 0819962 | 1985-12-15 |
| 117. | 0590754 | 1986-06-15 | 183. | 0841955 | 1986-04-15 |
| 118. | 0592354 | 1986-08-15 | 184. | 0843656 | 1986-03-15 |
| 119. | 0593558 | 1986-02-28 | 185. | 0848666 | 1986-03-31 |
| 120. | 0600832 | 1986-03-31 | 186. | 0848969 | 1986-03-31 |
| 121. | 0604133 | 1986-04-15 | 187. | 0850635 | 1986-05-31 |
| 122. | 0604739 | 1986-05-31 | 188. | 0856867 | 1986-04-15 |
| 123. | 0605945 | 1986-04-30 | 189. | 0858669 | 1966-04-15 |
| 124. | 0608141 | 1986-05-15 | 190. | 0863763 | 1986-04-15 |
| 125. | 0608242 | 1986-05-15 | 191. | 0865767 | 1986-04-30 |
| 126. | 0608646 | 1986-05-15 | 192. | 0865868 | 1986-04-30 |
| 127. | 0610633 | 1986-05-15 | 193. | 0867670 | 1986-05-31 |
| 128. | 0611635 | 1986-05-15 | 194. | 0868874 | 1987-05-31 |
| 129. | 0612334 | 1986-05-31 | 195. | 0869068 | 1986-05-31 |
| 130. | 0614237 | 1986-05-31 | 196. | 0869775 | 1986-05-31 |
| 131. | 0614641 | 1986-06-15 | 197. | 0869876 | 1986-05-31 |
| 132. | 0615542 | 1986-06-15 | 198. | 0870760 | 1986-06-15 |
| 133. | 0616645 | 1986-05-31 | 199. | 0871055 | 1986-06-15 |
| 134. | 0617041 | 1986-05-31 | 200. | 0871560 | 1986-06-15 |
| 135. | 0619550 | 1986-06-30 | 201. | 0871661 | 1986-06-15 |
| 136. | 0619651 | 1986-05-30 | 202. | 0872158 | 1986-06-15 |
| 137. | 0643143 | 1986-06-15 | 203. | 0872461 | 1986-06-15 |
| 138. | 0654451 | 1986-05-31 | 204. | 0872562 | 1986-06-15 |
| 139. | 0670752 | 1986-01-31 | 205. | 0873059 | 1986-06-15 |
| 140. | 0675156 | 1986-05-31 | 206. | 0873362 | 1986-06-15 |
| 141. | 0681151 | 1986-06-15 | 207. | 0873564 | 1986-06-15 |
| 142. | 0686060 | 1986-03-31 | 208. | 0873665 | 1986-06-15 |
| 143. | 0691558 | 1986-03-31 | 209. | 0873968 | 1986-06-15 |
| 144. | 0691760 | 1986-03-31 | 210. | 0874768 | 1986-06-15 |
| 145. | 0695263 | 1986-04-15 | 211. | 0876469 | 1986-06-30 |
| 146. | 0696972 | 1986-06-30 | 212. | 0875974 | 1986-05-31 |
| 147. | 0698875 | 1986-05-15 | 213. | 0887373 | 1986-03-31 |
| 148. | 0699069 | 1986-05-15 | 214. | 0894067 | 1986-06-15 |
| 149. | 0699271 | 1986-05-15 | 215. | 0922955 | 1985-12-15 |
| 150. | 0700331 | 1986-05-15 | 216. | 0926862 | 1986-06-15 |
| 151. | 0700432 | 1986-05-15 | 217. | 0930348 | 1986-01-15 |
| 152. | 0700937 | 1986-05-31 | 218. | 0932049 | 1986-01-31 |
| 153. | 0701232 | 1986-05-31 | 219. | 0949773 | 1986-03-15 |
| 154. | 0701737 | 1986-05-31 | 220. | 0950859 | 1986-06-15 |
| 155. | 0702133 | 1986-05-31 | 221. | 0954059 | 1986-03-31 |
| 156. | 0702436 | 1986-05-31 | 222. | 0954261 | 1986-03-31 |
| 157. | 0702840 | 1986-06-15 | 223. | 0755566 | 1986-06-30 |
| 158. | 0704440 | 1986-06-15 | 224. | 0956063 | 1986-04-15 |
| 159. | 0714746 | 1986-05-31 | 225. | 0958370 | 1986-03-31 |
| 160. | 0714948 | 1986-05-31 | 226. | 0960862 | 1986-04-15 |
| 161. | 0738457 | 1986-04-30 | 227. | 0763363 | 1986-04-30 |
| 162. | 0742650 | 1986-04-30 | 228. | 0964668 | 1986-04-30 |
| 163. | 0745454 | 1986-04-30 | 229. | 0965266 | 1986-04-30 |
| 164. | 0754354 | 1986-04-30 | 230. | 0966470 | 1986-04-30 |
| 165. | 0759465 | 1986-03-15 | 231. | 0966672 | 1986-05-15 |
| 166. | 0762050 | 1986-03-31 | 232. | 0969274 | 1986-05-31 |
| 167. | 0768870 | 1986-04-15 | 233. | 0969880 | 1986-05-31 |
| 168. | 0769569 | 1986-04-15 |      |         |            |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 234. | 0969981 | 1986-05-31 | 300. | 1076240 | 1986-04-30 |
| 235. | 0970461 | 1986-05-31 | 301. | 1076341 | 1986-04-30 |
| 236. | 0970966 | 1986-05-31 | 302. | 1076644 | 1986-05-15 |
| 237. | 0971059 | 1986-05-31 | 303. | 1077040 | 1986-05-15 |
| 238. | 0971261 | 1986-05-31 | 304. | 1077242 | 1986-05-15 |
| 239. | 0971867 | 1986-05-31 | 305. | 1077747 | 1986-05-31 |
| 240. | 0973063 | 1986-05-31 | 306. | 1077848 | 1986-05-15 |
| 241. | 0973164 | 1986-06-15 | 307. | 1078547 | 1986-05-31 |
| 242. | 0973467 | 1986-06-15 | 308. | 1078749 | 1986-05-31 |
| 243. | 0973770 | 1986-06-15 | 309. | 1078850 | 1986-05-31 |
| 244. | 0973972 | 1986-06-15 | 310. | 1079246 | 1986-05-31 |
| 245. | 0974166 | 1986-06-15 | 311. | 1079448 | 1986-05-31 |
| 246. | 0974267 | 1986-06-15 | 312. | 1079751 | 1986-05-31 |
| 247. | 0974469 | 1986-06-15 | 313. | 1079852 | 1986-05-31 |
| 248. | 0974570 | 1986-06-15 | 314. | 1079953 | 1986-05-31 |
| 249. | 0975572 | 1986-06-15 | 315. | 1080130 | 1986-05-31 |
| 250. | 0975875 | 1986-06-15 | 316. | 1081334 | 1986-05-31 |
| 251. | 0975976 | 1986-06-30 | 317. | 1081435 | 1986-05-31 |
| 252. | 0976675 | 1986-06-30 | 318. | 1081637 | 1986-05-31 |
| 253. | 0978073 | 1986-06-30 | 319. | 1082639 | 1986-05-31 |
| 254. | 0990871 | 1986-05-15 | 320. | 1083237 | 1986-05-31 |
| 255. | 1012214 | 1985-12-15 | 321. | 1083338 | 1986-04-30 |
| 256. | 1027429 | 1986-01-15 | 322. | 1083944 | 1986-06-15 |
| 257. | 1029231 | 1986-02-15 | 323. | 1084037 | 1986-06-15 |
| 258. | 1029938 | 1986-02-15 | 324. | 1084239 | 1986-05-31 |
| 259. | 1043023 | 1986-05-31 | 325. | 1084340 | 1986-04-30 |
| 260. | 1043124 | 1986-05-31 | 326. | 1084542 | 1986-05-31 |
| 261. | 1043730 | 1986-06-15 | 327. | 1084744 | 1986-05-31 |
| 262. | 1046029 | 1986-03-15 | 328. | 1084845 | 1986-05-31 |
| 263. | 1048639 | 1986-06-15 | 329. | 1085847 | 1986-05-31 |
| 264. | 1049338 | 1986-06-30 | 330. | 1085948 | 1986-05-31 |
| 265. | 1049944 | 1986-06-30 | 331. | 1086344 | 1986-06-15 |
| 266. | 1050222 | 1986-05-31 | 332. | 1086445 | 1986-06-15 |
| 267. | 1053632 | 1986-05-31 | 333. | 1086950 | 1986-06-15 |
| 268. | 1054331 | 1986-03-31 | 334. | 1087548 | 1986-06-15 |
| 269. | 1055434 | 1986-03-31 | 335. | 1088146 | 1986-06-15 |
| 270. | 1055838 | 1986-03-31 | 336. | 1088651 | 1986-06-15 |
| 271. | 1055939 | 1986-05-31 | 337. | 1089148 | 1986-06-15 |
| 272. | 1056638 | 1986-03-31 | 338. | 1089956 | 1986-06-15 |
| 273. | 1056739 | 1986-03-31 | 339. | 1091135 | 1986-06-15 |
| 274. | 1062128 | 1986-03-31 | 340. | 1091842 | 1986-08-31 |
| 275. | 1065740 | 1986-04-15 | 341. | 1093341 | 1986-05-31 |
| 276. | 1065841 | 1986-04-15 | 342. | 1099858 | 1986-06-15 |
| 277. | 1066641 | 1986-04-15 | 343. | 1100110 | 1986-05-31 |
| 278. | 1066742 | 1986-04-15 | 344. | 1109633 | 1986-06-15 |
| 279. | 1066843 | 1986-04-15 | 345. | 1118230 | 1985-09-30 |
| 280. | 1067643 | 1986-04-15 | 346. | 1128132 | 1985-11-15 |
| 281. | 1067845 | 1986-04-15 | 347. | 1133024 | 1985-11-30 |
| 282. | 1068746 | 1986-04-15 | 348. | 1156743 | 1986-02-15 |
| 283. | 1068847 | 1986-04-15 | 349. | 1166140 | 1986-02-28 |
| 284. | 1069243 | 1986-04-15 | 350. | 1170939 | 1986-05-31 |
| 285. | 1069344 | 1986-04-15 | 351. | 1171032 | 1986-03-15 |
| 286. | 1069445 | 1986-04-15 | 352. | 1171840 | 1986-03-31 |
| 287. | 1069647 | 1986-04-15 | 353. | 1173137 | 1986-03-31 |
| 288. | 1069748 | 1986-04-15 | 354. | 1173844 | 1986-03-31 |
| 289. | 1069950 | 1986-04-15 | 355. | 1174543 | 1986-03-31 |
| 290. | 1070026 | 1986-04-15 | 356. | 1177549 | 1986-04-15 |
| 291. | 1070127 | 1986-04-15 | 357. | 1178248 | 1986-04-15 |
| 292. | 1070430 | 1986-06-15 | 358. | 1178450 | 1986-04-15 |
| 293. | 1071129 | 1986-04-15 | 359. | 1178854 | 1986-04-15 |
| 294. | 1072131 | 1986-04-30 | 360. | 1179250 | 1986-04-15 |
| 295. | 1073739 | 1986-05-15 | 361. | 1180538 | 1986-04-30 |
| 296. | 1073840 | 1986-05-15 | 362. | 1180947 | 1986-04-30 |
| 297. | 1075541 | 1986-05-31 | 363. | 1182643 | 1986-04-30 |
| 298. | 1076038 | 1986-04-30 | 364. | 1183342 | 1986-05-15 |
| 299. | 1076139 | 1986-04-30 |      |         |            |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 365. | 1183948 | 1986-05-15 | 431. | 1273646 | 1986-07-15 |
| 366. | 1184445 | 1986-05-15 | 432. | 1284752 | 1986-03-15 |
| 367. | 1184748 | 1986-05-15 | 433. | 1285047 | 1986-03-15 |
| 368. | 1185851 | 1986-05-15 | 434. | 1286049 | 1986-03-31 |
| 369. | 1185952 | 1986-05-15 | 435. | 1286251 | 1986-03-15 |
| 370. | 1186449 | 1986-05-15 | 436. | 1294452 | 1986-03-31 |
| 371. | 1187047 | 1986-05-15 | 437. | 1296254 | 1986-03-31 |
| 372. | 1187754 | 1986-05-31 | 438. | 1299462 | 1986-03-31 |
| 373. | 1187855 | 1986-05-15 | 439. | 1300522 | 1986-03-31 |
| 374. | 1188150 | 1986-05-31 | 440. | 1301726 | 1986-04-15 |
| 375. | 1188655 | 1986-05-31 | 441. | 1303124 | 1986-03-31 |
| 376. | 1188958 | 1986-05-31 | 442. | 1303932 | 1986-04-15 |
| 377. | 1189051 | 1986-05-31 | 443. | 1305532 | 1986-04-30 |
| 378. | 1189152 | 1986-05-31 | 444. | 1305734 | 1986-04-30 |
| 379. | 1189354 | 1986-05-31 | 445. | 1306534 | 1986-04-30 |
| 380. | 1190137 | 1986-05-31 | 446. | 1307839 | 1986-05-15 |
| 381. | 1190238 | 1986-05-31 | 447. | 1308639 | 1986-05-15 |
| 382. | 1190339 | 1986-06-15 | 448. | 1308740 | 1986-05-15 |
| 383. | 1190440 | 1986-06-15 | 449. | 1309136 | 1986-05-15 |
| 384. | 1190541 | 1986-06-15 | 450. | 1309237 | 1986-05-15 |
| 385. | 1190642 | 1986-06-15 | 451. | 1309338 | 1986-05-15 |
| 386. | 1190844 | 1986-06-31 | 452. | 1309439 | 1986-05-15 |
| 387. | 1191038 | 1986-06-31 | 453. | 1309641 | 1986-05-15 |
| 388. | 1191747 | 1986-06-15 | 454. | 1309944 | 1986-05-15 |
| 389. | 1193143 | 1986-11-15 | 455. | 1310121 | 1986-05-15 |
| 390. | 1194044 | 1986-06-15 | 456. | 1310424 | 1986-05-15 |
| 391. | 1194448 | 1986- 6-15 | 457. | 1310727 | 1986-05-15 |
| 392. | 1194852 | 1986-06-15 | 458. | 1311527 | 1986-05-15 |
| 393. | 1194953 | 1986-06-15 | 459. | 1311830 | 1986-05-31 |
| 394. | 1195349 | 1986-06-15 | 460. | 1311931 | 1986-05-31 |
| 395. | 1195753 | 1986-06-15 | 461. | 1312630 | 1986-05-31 |
| 396. | 1195854 | 1986-06-15 | 462. | 1312731 | 1986-05-31 |
| 397. | 1196351 | 1986-07-31 | 463. | 1313026 | 1986-05-31 |
| 398. | 1196654 | 1986-06-15 | 464. | 1313228 | 1986-05-31 |
| 399. | 1196755 | 1986-06-15 | 465. | 1313329 | 1986-05-31 |
| 400. | 1197555 | 1986-06-15 | 466. | 1313430 | 1986-05-31 |
| 401. | 1197656 | 1986-06-15 | 467. | 1313531 | 1986-05-31 |
| 402. | 1198355 | 1986-06-15 | 468. | 1313733 | 1986-05-31 |
| 403. | 1198860 | 1986-05-31 | 469. | 1313834 | 1986-05-31 |
| 404. | 1199054 | 1986-05-31 | 470. | 1314028 | 1986-05-31 |
| 405. | 1199155 | 1986-06-15 | 471. | 1314129 | 1986-06-15 |
| 406. | 1199862 | 1986-06-30 | 472. | 1314331 | 1986-06-15 |
| 407. | 1200114 | 1986-06-30 | 473. | 1314432 | 1986-06-15 |
| 408. | 1201611 | 1986-06-30 | 474. | 1314735 | 1986-06-15 |
| 409. | 1201712 | 1986-05-30 | 475. | 1314937 | 1986-06-15 |
| 410. | 1203312 | 1986-06-30 | 476. | 1315030 | 1986-09-30 |
| 411. | 1203423 | 1986-06-30 | 477. | 1315838 | 1986-06-15 |
| 412. | 1203615 | 1986-06-30 | 478. | 1316032 | 1986-05-31 |
| 413. | 1203827 | 1986-06-30 | 479. | 1316537 | 1986-06-15 |
| 414. | 1203918 | 1986-06-30 | 480. | 1316739 | 1986-06-15 |
| 415. | 1204021 | 1986-06-30 | 481. | 1316840 | 1986-06-15 |
| 416. | 1215026 | 1986-06-30 | 482. | 1318137 | 1986-06-30 |
| 417. | 1215127 | 1986-06-30 | 483. | 1318743 | 1986-06-30 |
| 418. | 1215228 | 1986-06-30 | 484. | 1319644 | 1986-06-30 |
| 419. | 1216331 | 1986-06-30 | 485. | 1321318 | 1986-06-30 |
| 420. | 1216432 | 1986-06-30 | 486. | 1322431 | 1986-06-30 |
| 421. | 1216533 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 422. | 1216735 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 423. | 1216836 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 424. | 1217131 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 425. | 1217132 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 426. | 1217838 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 427. | 1233437 | 1985-09-15 |      |         |            |
| 428. | 1234237 | 1985-09-15 |      |         |            |
| 429. | 1263239 | 1986-01-15 |      |         |            |
| 430. | 1270036 | 1986-01-31 |      |         |            |

[No. CMD/13 : 12]

मई दिल्ली, 26 फरवरी, 1986

का.भा. 1152.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा



अधिसूचित किया जाता है कि जिन 350 लाखसैनों के व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, उनका जुलाई 1985 में नवीकरण किया गया है।

## अनुसूची

| क्रम संख्या | सी एम/एल संख्या | वैध : तक   |
|-------------|-----------------|------------|
| (1)         | (2)             | (3)        |
| 1.          | 0017822         | 1986-08-30 |
| 2.          | 0017823         | 1986-06-30 |
| 3.          | 0085227         | 1986-07-31 |
| 4.          | 0061121         | 1986-08-30 |
| 5.          | 0060945         | 1986-07-15 |
| 6.          | 0113770         | 1986-06-30 |
| 7.          | 0128127         | 1986-06-15 |
| 8.          | 0138231         | 1986-06-30 |
| 9.          | 0138133         | 1986-04-30 |
| 10.         | 0145835         | 1986-06-30 |
| 11.         | 0147151         | 1986-06-30 |
| 12.         | 0159138         | 1986-03-31 |
| 13.         | 0160022         | 1986-06-30 |
| 14.         | 0171830         | 1986-06-30 |
| 15.         | 0187545         | 1980-06-30 |
| 16.         | 0199756         | 1986-06-30 |
| 17.         | 0210011         | 1986-04-30 |
| 18.         | 0222826         | 1986-06-30 |
| 19.         | 0248642         | 1986-06-30 |
| 20.         | 0263840         | 1986-06-30 |
| 21.         | 0268951         | 1986-06-15 |
| 22.         | 0270837         | 1986-06-30 |
| 23.         | 0220641         | 1986-06-30 |
| 24.         | 0296754         | 1986-06-15 |
| 25.         | 0296855         | 1986-06-15 |
| 26.         | 0303422         | 1986-06-15 |
| 27.         | 0311219         | 1986-06-30 |
| 28.         | 0343535         | 1986-06-15 |
| 29.         | 0344840         | 1986-06-30 |
| 30.         | 0344941         | 1986-06-30 |
| 31.         | 0345337         | 1986-06-30 |
| 32.         | 0346339         | 1986-06-30 |
| 33.         | 0349547         | 1986-07-31 |
| 34.         | 0353134         | 1986-06-30 |
| 35.         | 0363743         | 1986-06-30 |
| 36.         | 0363844         | 1986-06-30 |
| 37.         | 0383850         | 1986-06-30 |
| 38.         | 0386553         | 1986-06-30 |
| 39.         | 0386654         | 1986-06-30 |
| 40.         | 0387757         | 1986-06-30 |
| 41.         | 0389054         | 1986-07-31 |
| 42.         | 0389660         | 1986-07-31 |
| 43.         | 0396657         | 1986-06-30 |
| 44.         | 0396960         | 1986-06-30 |
| 45.         | 0397053         | 1986-06-30 |
| 46.         | 0397356         | 1986-06-30 |
| 47.         | 0397457         | 1986-06-30 |
| 48.         | 0397558         | 1986-06-30 |
| 49.         | 0397760         | 1986-06-30 |
| 50.         | 0397861         | 1986-06-30 |
| 51.         | 0397962         | 1986-06-30 |
| 52.         | 0398055         | 1986-06-30 |
| 53.         | 0398156         | 1986-06-30 |
| 54.         | 0402222         | 1986-06-30 |
| 55.         | 0405733         | 1986-09-30 |

| (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|
| 56.  | 0428543 | 1986-06-30 |
| 57.  | 0442234 | 1986-07-15 |
| 58.  | 0444541 | 1986-07-31 |
| 59.  | 0444642 | 1986-06-30 |
| 60.  | 0444743 | 1986-06-30 |
| 61.  | 0449854 | 1986-07-31 |
| 62.  | 0458245 | 1986-06-30 |
| 63.  | 0459949 | 1985-08-31 |
| 64.  | 0485454 | 1986-06-30 |
| 65.  | 0511631 | 1986-06-30 |
| 66.  | 0513029 | 1986-06-30 |
| 67.  | 0513130 | 1986-06-30 |
| 68.  | 0519243 | 1986-05-15 |
| 69.  | 0520632 | 1986-05-15 |
| 70.  | 0529549 | 1986-05-31 |
| 71.  | 0529852 | 1986-06-15 |
| 72.  | 0530938 | 1986-06-30 |
| 73.  | 0531031 | 1986-06-30 |
| 74.  | 0534441 | 1986-07-15 |
| 75.  | 0535948 | 1986-07-15 |
| 76.  | 0538449 | 1985-09-30 |
| 77.  | 0539451 | 1986-07-31 |
| 78.  | 0545345 | 1986-06-30 |
| 79.  | 0547450 | 1986-08-15 |
| 80.  | 0549353 | 1986-07-31 |
| 81.  | 0552918 | 1986-06-30 |
| 82.  | 0564652 | 1986-06-30 |
| 83.  | 0576053 | 1986-06-30 |
| 84.  | 0576154 | 1986-06-30 |
| 85.  | 0585761 | 1996-05-31 |
| 86.  | 0587967 | 1986-04-30 |
| 87.  | 0606036 | 1986-07-15 |
| 88.  | 0613137 | 1986-05-31 |
| 89.  | 0614843 | 1986-06-15 |
| 90.  | 0618548 | 1986-06-30 |
| 91.  | 0621638 | 1986-06-30 |
| 92.  | 0622640 | 1986-06-30 |
| 93.  | 0641139 | 1986-06-30 |
| 94.  | 0643446 | 1986-06-30 |
| 95.  | 0645147 | 1986-07-15 |
| 96.  | 0655756 | 1986-07-15 |
| 97.  | 0687971 | 1986-06-30 |
| 98.  | 0689167 | 1986-06-30 |
| 99.  | 0690253 | 1986-06-30 |
| 100. | 0693966 | 1986-06-30 |
| 101. | 0697267 | 1986-07-15 |
| 102. | 0699170 | 1986-07-30 |
| 103. | 0699372 | 1986-06-30 |
| 104. | 0700230 | 1986-05-15 |
| 105. | 0701939 | 1986-05-31 |
| 106. | 0703741 | 1986-06-15 |
| 107. | 0704642 | 1986-06-30 |
| 108. | 0706040 | 1986-06-30 |
| 109. | 0707244 | 1986-06-30 |
| 110. | 0707345 | 1986-06-30 |
| 111. | 0708448 | 1986-06-30 |
| 112. | 0708549 | 1986-06-30 |
| 113. | 0708650 | 1986-06-30 |
| 114. | 0709450 | 1986-06-30 |
| 115. | 0710132 | 1986-07-15 |
| 116. | 0710940 | 1986-07-15 |
| 117. | 0711942 | 1986-06-30 |
| 118. | 0724143 | 1985-09-30 |
| 119. | 0726248 | 1986-06-30 |
| 120. | 0734651 | 1986-05-31 |
| 121. | 0736655 | 1986-06-30 |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 122. | 0738255 | 1986-06-30 | 185. | 0978376 | 1986-06-30 |
| 123. | 0739156 | 1985-12-15 | 186. | 0978477 | 1986-06-30 |
| 124. | 0739358 | 1986-06-30 | 187. | 0979378 | 1986-07-15 |
| 125. | 0741951 | 1986-06-30 | 188. | 0979883 | 1986-07-15 |
| 126. | 0745050 | 1986-06-30 | 189. | 0981971 | 1986-07-31 |
| 127. | 0745151 | 1986-06-30 | 190. | 0997885 | 1986-06-30 |
| 128. | 0746052 | 1986-06-30 | 191. | 1011515 | 1986-06-30 |
| 129. | 0748258 | 1986-06-15 | 192. | 1030216 | 1986-06-30 |
| 130. | 0748460 | 1986-07-15 | 193. | 1041322 | 1986-06-30 |
| 131. | 0757259 | 1986-06-30 | 194. | 1041423 | 1986-06-30 |
| 132. | 0759970 | 1986-03-15 | 195. | 1042728 | 1986-03-15 |
| 133. | 0775584 | 1986-05-31 | 196. | 1045230 | 1986-07-15 |
| 134. | 0776384 | 1986-06-30 | 197. | 1076341 | 1986-04-30 |
| 135. | 0778065 | 1986-06-15 | 198. | 1077342 | 1986-06-15 |
| 136. | 0778671 | 1986-09-30 | 199. | 1082538 | 1986-05-31 |
| 137. | 0779471 | 1986-06-30 | 200. | 1083035 | 1986-05-31 |
| 138. | 0779572 | 1986-06-30 | 201. | 1083439 | 1986-05-31 |
| 139. | 0780254 | 1986-06-30 | 202. | 1083540 | 1986-05-31 |
| 140. | 0781660 | 1986-06-30 | 203. | 1085241 | 1986-05-31 |
| 141. | 0783058 | 1986-07-15 | 204. | 1085443 | 1986-05-31 |
| 142. | 0783159 | 1986-07-15 | 205. | 1089047 | 1986-06-15 |
| 143. | 0783462 | 1986-07-15 | 206. | 1089249 | 1986-06-15 |
| 144. | 0785163 | 1986-06-15 | 207. | 1089451 | 1986-06-15 |
| 145. | 0786165 | 1986-07-31 | 208. | 1091236 | 1986-06-30 |
| 146. | 0787470 | 1986-07-31 | 209. | 1091337 | 1986-06-30 |
| 147. | 0823751 | 1986-06-15 | 210. | 1091640 | 1986-06-30 |
| 148. | 0833146 | 1986-04-15 | 211. | 1091741 | 1986-06-30 |
| 149. | 0840044 | 1986-06-30 | 212. | 1092238 | 1986-06-30 |
| 150. | 0848161 | 1986-03-31 | 213. | 1092339 | 1986-06-30 |
| 151. | 0852960 | 1986-06-30 | 214. | 1092440 | 1986-06-30 |
| 152. | 0855562 | 1986-04-15 | 215. | 1092541 | 1986-06-30 |
| 153. | 0856463 | 1986-04-15 | 216. | 1093038 | 1986-06-30 |
| 154. | 0860959 | 1986-06-30 | 217. | 1093846 | 1986-01-31 |
| 155. | 0868672 | 1986-05-31 | 218. | 1093147 | 1986-07-15 |
| 156. | 0871863 | 1986-06-15 | 219. | 1094545 | 1986-06-30 |
| 157. | 0874061 | 1986-06-30 | 220. | 1094646 | 1986-07-15 |
| 158. | 0874667 | 1986-06-15 | 221. | 1096751 | 1986-07-15 |
| 159. | 0875366 | 1986-06-30 | 222. | 1096852 | 1986-07-15 |
| 160. | 0875467 | 1986-06-15 | 223. | 1099555 | 1986-06-30 |
| 161. | 0875669 | 1986-06-15 | 224. | 1099656 | 1986-04-15 |
| 162. | 0876166 | 1986-06-30 | 225. | 1099757 | 1986-06-15 |
| 163. | 0876570 | 1986-06-30 | 226. | 1127332 | 1986-10-31 |
| 164. | 0877168 | 1986-07-15 | 227. | 1140930 | 1986-12-15 |
| 165. | 0877269 | 1986-07-15 | 228. | 1150125 | 1986-10-31 |
| 166. | 0878372 | 1986-07-15 | 229. | 1152836 | 1986-05-31 |
| 167. | 0878473 | 1986-07-15 | 230. | 1155135 | 1986-06-15 |
| 168. | 0878675 | 1986-08-31 | 231. | 1177145 | 1986-04-15 |
| 169. | 0879980 | 1986-07-31 | 232. | 1177347 | 1986-04-15 |
| 170. | 0881361 | 1986-07-31 | 233. | 1184243 | 1986-05-15 |
| 171. | 0908254 | 1985-10-31 | 234. | 1186853 | 1986-05-15 |
| 172. | 0917457 | 1986-06-30 | 235. | 1187350 | 1986-05-15 |
| 173. | 0917558 | 1986-06-30 | 236. | 1189556 | 1986-05-31 |
| 174. | 0939467 | 1986-07-15 | 237. | 1191159 | 1986-06-15 |
| 175. | 0941555 | 1986-06-30 | 238. | 1192141 | 1986-06-15 |
| 176. | 0946262 | 1986-06-30 | 239. | 1193446 | 1986-06-15 |
| 177. | 0958572 | 1986-03-31 | 240. | 1194145 | 1986-06-15 |
| 178. | 0969072 | 1986-05-31 | 241. | 1195551 | 1986-06-15 |
| 179. | 0970865 | 1986-06-30 | 242. | 1196555 | 1986-06-15 |
| 180. | 0972364 | 1986-06-15 | 243. | 1197454 | 1986-06-15 |
| 181. | 0973265 | 1986-06-15 | 244. | 1197757 | 1986-06-15 |
| 182. | 0975471 | 1986-06-15 | 245. | 1198557 | 1986-06-15 |
| 183. | 0976170 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 184. | 0976776 | 1986-06-30 |      |         |            |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 246. | 1199357 | 1986-06-30 | 311. | 1308538 | 1986-05-15 |
| 247. | 1199559 | 1986-06-30 | 312. | 1308841 | 1986-04-30 |
| 248. | 1199761 | 1986-06-30 | 313. | 1308942 | 1986-05-15 |
| 249. | 1201318 | 1986-06-30 | 314. | 1309540 | 1986-06-30 |
| 250. | 1201520 | 1986-06-30 | 315. | 1311022 | 1986-05-15 |
| 251. | 1202320 | 1986-06-15 | 316. | 1311325 | 1986-05-15 |
| 252. | 1202522 | 1986-07-15 | 317. | 1311224 | 1986-05-15 |
| 253. | 1202926 | 1986-06-30 | 318. | 1311325 | 1986-05-15 |
| 254. | 1203019 | 1986-06-30 | 319. | 1312125 | 1986-05-31 |
| 255. | 1203120 | 1986-06-30 | 320. | 1313127 | 1986-05-31 |
| 256. | 1203221 | 1986-06-30 | 321. | 1315232 | 1986-06-15 |
| 257. | 1203524 | 1986-06-30 | 322. | 1315737 | 1986-06-15 |
| 258. | 1203726 | 1986-06-30 | 323. | 1316335 | 1986-06-15 |
| 259. | 1204324 | 1986-06-30 | 324. | 1316436 | 1986-06-15 |
| 260. | 1205326 | 1986-06-30 | 325. | 1317135 | 1986-06-15 |
| 261. | 1205427 | 1986-06-30 | 326. | 1317337 | 1986-06-15 |
| 262. | 1208332 | 1986-06-30 | 327. | 1317741 | 1986-06-15 |
| 263. | 1208534 | 1986-07-15 | 328. | 1318036 | 1986-06-30 |
| 264. | 1208635 | 1986-06-30 | 329. | 1318339 | 1986-06-30 |
| 265. | 1208736 | 1986-06-30 | 330. | 1318440 | 1986-06-30 |
| 266. | 1208837 | 1986-06-30 | 331. | 1318541 | 1986-06-30 |
| 267. | 1208938 | 1986-06-30 | 332. | 1318642 | 1986-06-30 |
| 268. | 1209031 | 1986-06-30 | 333. | 1319038 | 1986-06-30 |
| 269. | 1209132 | 1986-06-30 | 334. | 1319139 | 1986-06-30 |
| 270. | 1209233 | 1986-06-30 | 335. | 1320023 | 1986-06-30 |
| 271. | 1209334 | 1986-06-30 | 336. | 1320528 | 1986-06-30 |
| 272. | 1209435 | 1986-06-30 | 337. | 1320629 | 1986-06-30 |
| 273. | 1209536 | 1986-06-30 | 338. | 1320831 | 1986-06-30 |
| 274. | 1209637 | 1986-06-30 | 339. | 1321126 | 1986-06-30 |
| 275. | 1209738 | 1986-06-30 | 340. | 1322027 | 1986-06-30 |
| 276. | 1212424 | 1986-07-31 | 341. | 1322532 | 1986-09-15 |
| 277. | 1213931 | 1986-06-30 | 342. | 1322936 | 1986-07-15 |
| 278. | 1214024 | 1986-06-30 | 343. | 1324637 | 1986-07-15 |
| 279. | 1214125 | 1986-06-30 | 344. | 1324738 | 1986-06-30 |
| 280. | 1214226 | 1986-06-30 | 345. | 1324839 | 1986-06-30 |
| 281. | 1214327 | 1986-06-30 | 346. | 1325235 | 1986-07-15 |
| 282. | 1214428 | 1986-06-30 | 347. | 1325538 | 1986-07-31 |
| 283. | 1214529 | 1986-06-30 | 348. | 1325942 | 1986-10-15 |
| 284. | 1214630 | 1986-06-30 | 349. | 1327946 | 1986-09-30 |
| 285. | 1214731 | 1986-06-30 | 350. | 1336341 | 1986-08-31 |
| 286. | 1214832 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 287. | 1214933 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 288. | 1215329 | 1986-07-31 |      |         |            |
| 289. | 1215531 | 1986-07-31 |      |         |            |
| 290. | 1216028 | 1986-07-31 |      |         |            |
| 291. | 1216634 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 292. | 1216937 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 293. | 1217030 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 294. | 1217333 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 295. | 1217434 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 296. | 1219640 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 297. | 1221021 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 298. | 1241633 | 1985-10-15 |      |         |            |
| 299. | 1249043 | 1985-11-30 |      |         |            |
| 300. | 1254945 | 1985-12-15 |      |         |            |
| 301. | 1255038 | 1985-12-15 |      |         |            |
| 302. | 1256646 | 1985-12-15 |      |         |            |
| 303. | 1273949 | 1986-02-15 |      |         |            |
| 304. | 1285148 | 1986-03-15 |      |         |            |
| 305. | 1285350 | 1986-03-15 |      |         |            |
| 306. | 1286857 | 1986-03-15 |      |         |            |
| 307. | 1292852 | 1986-03-15 |      |         |            |
| 308. | 1293551 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 309. | 1297054 | 1986-06-30 |      |         |            |
| 310. | 1298056 | 1986-03-31 |      |         |            |

[सं. सी० एम० सी० 23/12]

New Delhi, the 26th February, 1986

S.O.1152.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that 350 licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed during the month of July 1985.

## SCHEDULE

| Sl. No. | CM/L No. | Valid upto |
|---------|----------|------------|
| (1)     | (2)      | (3)        |
| 1.      | 0017522  | 1986-06-30 |
| 2.      | 0017623  | 1986-06-30 |
| 3.      | 0038227  | 1986-07-31 |
| 4.      | 0061121  | 1986-06-30 |
| 5.      | 0069945  | 1986-07-15 |

| (1) | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|-----|---------|------------|------|---------|------------|
| 6.  | 0113720 | 1986-06-30 | 72.  | 0530938 | 1986-06-30 |
| 7.  | 0128127 | 1986-06-15 | 73.  | 0531031 | 1986-06-30 |
| 8.  | 0138231 | 1986-06-30 | 74.  | 0534441 | 1986-07-15 |
| 9.  | 0138433 | 1986-04-30 | 75.  | 0535948 | 1986-07-15 |
| 10. | 0145935 | 1986-06-30 | 76.  | 0538449 | 1985-09-30 |
| 11. | 0147131 | 1986-06-30 | 77.  | 0439451 | 1986-07-31 |
| 12. | 0159138 | 1086-03-31 | 78.  | 0545345 | 1986-06-30 |
| 13. | 0160022 | 1986-06-03 | 79.  | 0547450 | 1986-08-15 |
| 14. | 0171330 | 1986-06-30 | 80.  | 0549353 | 1986-07-31 |
| 15. | 0187345 | 1986-06-30 | 81.  | 0552948 | 1986-06-30 |
| 16. | 0199756 | 1986-06-30 | 82.  | 0564652 | 1986-06-30 |
| 17. | 0210011 | 1986-04-30 | 83.  | 0576053 | 1986-06-30 |
| 18. | 0222826 | 1986-06-30 | 84.  | 0576154 | 1986-06-30 |
| 19. | 0248642 | 1986-06-30 | 85.  | 0585761 | 1986-05-31 |
| 20. | 0263840 | 1986-06-30 | 86.  | 0587967 | 1986-04-30 |
| 21. | 0268951 | 1986-06-15 | 87.  | 0606036 | 1986-07-15 |
| 22. | 0270837 | 1986-06-30 | 88.  | 0613437 | 1986-05-31 |
| 23. | 0290641 | 1986-06-30 | 89.  | 0614843 | 1986-06-15 |
| 24. | 0296754 | 1986-06-15 | 90.  | 0618548 | 1986-06-30 |
| 25. | 0296855 | 1986-06-15 | 91.  | 0621638 | 1986-06-30 |
| 26. | 0303422 | 1986-06-15 | 92.  | 0622640 | 1986-06-30 |
| 27. | 0311219 | 1986-06-30 | 93.  | 0641139 | 1986-06-30 |
| 28. | 0343535 | 1986-06-15 | 94.  | 0643446 | 1986-06-30 |
| 29. | 0344840 | 1986-06-30 | 95.  | 0645147 | 1986-07-15 |
| 30. | 0344941 | 1986-06-30 | 96.  | 0655756 | 1986-07-15 |
| 31. | 0345337 | 1986-06-30 | 97.  | 0687971 | 1986-06-30 |
| 32. | 0346339 | 1986-06-30 | 98.  | 0689167 | 1986-06-30 |
| 33. | 9349547 | 1986-07-31 | 99.  | 0690253 | 1986-06-30 |
| 34. | 0353134 | 1986-06-30 | 100. | 0693966 | 1986-06-30 |
| 35. | 0363743 | 1986-06-30 | 101. | 0697267 | 1986-07-15 |
| 36. | 0363844 | 1986-06-30 | 102. | 0699170 | 1986-06-30 |
| 37. | 0383850 | 1986-06-30 | 103. | 0699372 | 1986-06-30 |
| 38. | 0386553 | 1986-06-30 | 104. | 0700230 | 1986-05-15 |
| 39. | 0386654 | 1986-06-30 | 105. | 0701939 | 1986-05-31 |
| 40. | 0387757 | 1986-06-30 | 106. | 0703741 | 1986-06-15 |
| 41. | 0389054 | 1986-07-31 | 107. | 0704642 | 1986-06-30 |
| 42. | 0389660 | 1986-07-31 | 108. | 0706040 | 1986-06-30 |
| 43. | 0396657 | 1986-06-30 | 109. | 0707244 | 1986-06-30 |
| 44. | 0396960 | 1986-06-30 | 110. | 0707345 | 1986-06-30 |
| 45. | 0397053 | 1986-06-30 | 111. | 0708448 | 1986-06-30 |
| 46. | 0397356 | 1986-06-30 | 112. | 0708549 | 1986-06-30 |
| 47. | 0397457 | 1986-06-30 | 113. | 0708650 | 1986-06-30 |
| 48. | 0397558 | 1986-06-30 | 114. | 0709450 | 1986-06-30 |
| 49. | 0397760 | 1986-06-30 | 115. | 0710132 | 1986-07-15 |
| 50. | 0397861 | 1986-06-30 | 116. | 0710940 | 1986-07-15 |
| 51. | 0397962 | 1986-06-30 | 117. | 0711942 | 1986-06-30 |
| 52. | 0398055 | 1986-06-30 | 118. | 0724143 | 1985-09-30 |
| 53. | 0398156 | 1986-06-30 | 119. | 0726248 | 1986-06-30 |
| 54. | 0402222 | 1986-06-30 | 120. | 0734651 | 1986-05-31 |
| 55. | 0405733 | 1985-09-30 | 121. | 0736655 | 1986-06-30 |
| 56. | 0428543 | 1986-06-30 | 122. | 0738255 | 1986-06-30 |
| 57. | 0442234 | 1986-07-15 | 123. | 0739156 | 1985-12-15 |
| 58. | 0444541 | 1986-07-31 | 124. | 0739358 | 1986-06-30 |
| 59. | 0444642 | 1986-06-30 | 125. | 0741951 | 1986-06-30 |
| 60. | 0444743 | 1986-06-30 | 126. | 0745050 | 1986-06-30 |
| 61. | 0449854 | 1986-07-31 | 127. | 0745151 | 1986-06-30 |
| 62. | 0456245 | 1986-06-30 | 128. | 0746052 | 1986-06-30 |
| 63. | 0459049 | 1985-08-31 | 129. | 0748258 | 1986-06-15 |
| 64. | 0485454 | 1986-06-30 | 130. | 0748460 | 1986-07-15 |
| 65. | 0511631 | 1986-06-30 | 131. | 0757259 | 1986-06-30 |
| 66. | 0513029 | 1986-06-30 | 132. | 0759970 | 1986-03-15 |
| 67. | 0513130 | 1986-06-30 | 133. | 0775564 | 1986-05-31 |
| 68. | 0519243 | 1986-05-15 | 134. | 0776364 | 1986-06-30 |
| 69. | 0520632 | 1986-05-15 | 135. | 0778065 | 1986-06-15 |
| 70. | 0529549 | 1986-05-31 | 136. | 0778671 | 1986-09-30 |
| 71. | 0529852 | 1986-06-15 | 137. | 0779471 | 1986-06-30 |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 138. | 0779572 | 1986-06-30 | 204. | 1085443 | 1986-05-31 |
| 139. | 0780274 | 1986-06-30 | 205. | 1089047 | 1986-06-15 |
| 140. | 0781660 | 1986-06-30 | 206. | 1089249 | 1986-06-15 |
| 141. | 0783058 | 1986-07-15 | 207. | 1089451 | 1986-06-15 |
| 142. | 0783159 | 1986-07-15 | 208. | 1091236 | 1986-06-30 |
| 143. | 0783462 | 1986-07-15 | 209. | 1091337 | 1986-06-30 |
| 144. | 0785163 | 1986-06-15 | 210. | 1091640 | 1986-06-30 |
| 145. | 0786165 | 1986-07-31 | 211. | 1091741 | 1986-06-30 |
| 146. | 0787470 | 1986-07-31 | 212. | 1092238 | 1986-06-30 |
| 147. | 0823751 | 1986-06-15 | 213. | 1092339 | 1986-06-30 |
| 148. | 0833148 | 1986-04-15 | 214. | 1092440 | 1986-06-30 |
| 149. | 0840044 | 1986-06-30 | 215. | 1092541 | 1986-06-30 |
| 150. | 0848161 | 1986-03-31 | 216. | 1093038 | 1986-06-30 |
| 151. | 0852960 | 1986-06-30 | 217. | 1093846 | 1986-01-31 |
| 152. | 0855562 | 1986-04-15 | 218. | 1093947 | 1986-07-15 |
| 153. | 0856463 | 1986-04-15 | 219. | 1094545 | 1986-06-30 |
| 154. | 0860959 | 1986-06-30 | 220. | 1094646 | 1986-07-15 |
| 155. | 0868672 | 1986-05-31 | 221. | 1096751 | 1986-07-15 |
| 156. | 0871863 | 1986-06-15 | 222. | 1096852 | 1986-07-15 |
| 157. | 0874061 | 1986-06-30 | 223. | 1099555 | 1986-06-30 |
| 158. | 0874667 | 1986-06-15 | 224. | 1099656 | 1986-04-15 |
| 159. | 0875366 | 1986-06-30 | 225. | 1099757 | 1986-06-15 |
| 160. | 0875467 | 1986-06-15 | 226. | 1127332 | 1985-10-31 |
| 161. | 0875669 | 1986-06-15 | 227. | 1140930 | 1985-12-15 |
| 162. | 0876166 | 1986-06-30 | 228. | 1150125 | 1985-10-31 |
| 163. | 0876570 | 1986-06-30 | 229. | 1157836 | 1986-05-31 |
| 164. | 0877168 | 1986-07-15 | 230. | 1155135 | 1986-06-15 |
| 165. | 0877269 | 1986-07-15 | 231. | 1177145 | 1986-04-15 |
| 166. | 0878372 | 1986-07-15 | 232. | 1177347 | 1986-04-15 |
| 167. | 0878473 | 1986-07-15 | 233. | 1184243 | 1986-05-15 |
| 168. | 0878675 | 1986-08-31 | 234. | 1186853 | 1986-05-15 |
| 169. | 0879980 | 1986-07-31 | 235. | 1187350 | 1986-05-15 |
| 170. | 0881361 | 1986-07-31 | 236. | 1189556 | 1986-05-31 |
| 171. | 0908254 | 1985-10-31 | 237. | 1191139 | 1986-06-15 |
| 172. | 0917457 | 1986-06-30 | 238. | 1192141 | 1986-06-15 |
| 173. | 0917558 | 1986-06-30 | 239. | 1194446 | 1986-06-15 |
| 174. | 0939467 | 1986-07-15 | 240. | 1194145 | 1986-06-15 |
| 175. | 0941555 | 1986-06-30 | 241. | 1195551 | 1986-06-15 |
| 176. | 0946262 | 1986-06-30 | 242. | 1196553 | 1986-05-15 |
| 177. | 0958572 | 1986-03-31 | 243. | 1197454 | 1986-06-15 |
| 178. | 0969072 | 1986-05-31 | 244. | 1197757 | 1986-06-15 |
| 179. | 0970865 | 1986-06-30 | 245. | 1198557 | 1986-06-15 |
| 180. | 0972364 | 1986-06-15 | 246. | 1199357 | 1986-06-30 |
| 181. | 0973265 | 1986-06-15 | 247. | 1199559 | 1986-06-30 |
| 182. | 0975471 | 1986-06-15 | 248. | 1199761 | 1986-06-30 |
| 183. | 0976170 | 1986-06-30 | 249. | 1201318 | 1986-06-30 |
| 184. | 0976776 | 1986-06-30 | 250. | 1201570 | 1986-06-30 |
| 185. | 0978376 | 1986-06-30 | 251. | 1202320 | 1986-06-15 |
| 186. | 0978477 | 1986-06-30 | 252. | 1202522 | 1986-07-15 |
| 187. | 0979378 | 1986-07-15 | 253. | 1202926 | 1986-06-30 |
| 188. | 0979883 | 1986-07-15 | 254. | 1203019 | 1986-06-30 |
| 189. | 0981971 | 1986-07-31 | 255. | 1203120 | 1986-06-30 |
| 190. | 0997885 | 1986-06-30 | 256. | 1203221 | 1986-06-30 |
| 191. | 1011515 | 1986-06-30 | 257. | 1203524 | 1986-06-30 |
| 192. | 1030216 | 1986-06-30 | 258. | 1203726 | 1986-06-30 |
| 193. | 1041322 | 1986-06-30 | 259. | 1204324 | 1986-06-30 |
| 194. | 1041423 | 1986-06-30 | 260. | 1205326 | 1986-06-30 |
| 195. | 1042728 | 1986-03-15 | 261. | 1205427 | 1986-06-30 |
| 196. | 1045330 | 1986-07-15 | 262. | 1208332 | 1986-06-30 |
| 197. | 1076341 | 1986-04-30 | 263. | 1208534 | 1986-07-15 |
| 198. | 1077343 | 1986-06-15 | 264. | 1208635 | 1986-06-30 |
| 199. | 1082538 | 1986-05-31 | 265. | 1208736 | 1986-06-30 |
| 200. | 1083035 | 1986-05-31 | 266. | 1208837 | 1986-06-30 |
| 201. | 1083439 | 1986-05-31 | 267. | 1208938 | 1986-06-30 |
| 202. | 1083540 | 1986-05-31 | 268. | 1209031 | 1986-06-30 |
| 203. | 1085241 | 1986-05-31 |      |         |            |

| (1)  | (2)     | (3)        | (1)  | (2)     | (3)        |
|------|---------|------------|------|---------|------------|
| 269. | 1209132 | 1986-06-30 | 310. | 1298056 | 1986-03-31 |
| 270. | 1209233 | 1986-06-30 | 311. | 1308538 | 1986-05-15 |
| 271. | 1209334 | 1986-06-30 | 312. | 1308841 | 1986-04-30 |
| 272. | 1209435 | 1986-06-30 | 313. | 1308942 | 1986-05-15 |
| 273. | 1209536 | 1986-06-30 | 314. | 1309540 | 1986-06-30 |
| 274. | 1209637 | 1986-06-30 | 315. | 1311022 | 1986-05-15 |
| 275. | 1209738 | 1986-06-30 | 316. | 1311123 | 1986-05-15 |
| 276. | 1212524 | 1986-07-30 | 317. | 1311224 | 1986-05-15 |
| 277. | 1213931 | 1986-06-30 | 318. | 1311325 | 1986-05-15 |
| 278. | 1214024 | 1986-06-30 | 319. | 1312125 | 1986-05-31 |
| 279. | 1214125 | 1986-06-30 | 320. | 1313127 | 1986-05-31 |
| 280. | 1214226 | 1986-06-30 | 321. | 1315232 | 1986-06-15 |
| 281. | 1214327 | 1986-06-30 | 322. | 1315737 | 1986-06-15 |
| 282. | 1214428 | 1986-06-30 | 323. | 1316335 | 1986-06-15 |
| 283. | 1214529 | 1986-06-30 | 324. | 1316436 | 1986-06-15 |
| 284. | 1214630 | 1986-06-30 | 325. | 1317135 | 1986-06-15 |
| 285. | 1214731 | 1986-06-30 | 326. | 1317337 | 1986-06-15 |
| 286. | 1214832 | 1986-06-30 | 327. | 1317741 | 1986-06-15 |
| 287. | 1214933 | 1986-06-30 | 328. | 1318036 | 1986-06-30 |
| 288. | 1215329 | 1986-07-31 | 329. | 1318339 | 1986-06-30 |
| 289. | 1215531 | 1986-07-31 | 330. | 1318440 | 1986-06-30 |
| 290. | 1216028 | 1986-07-31 | 331. | 1318541 | 1986-06-30 |
| 291. | 1216634 | 1986-06-30 | 332. | 1318642 | 1986-06-30 |
| 292. | 1216937 | 1986-06-30 | 333. | 1319038 | 1986-06-30 |
| 293. | 1217030 | 1986-06-30 | 334. | 1319139 | 1986-06-30 |
| 294. | 1217333 | 1986-06-30 | 335. | 1320023 | 1986-06-30 |
| 295. | 1217434 | 1986-06-30 | 336. | 1320528 | 1986-06-30 |
| 296. | 1219640 | 1986-06-30 | 337. | 1320629 | 1986-06-30 |
| 297. | 1221021 | 1986-06-30 | 338. | 1320831 | 1986-06-30 |
| 298. | 1241633 | 1985-10-15 | 339. | 1321126 | 1986-06-30 |
| 299. | 1249043 | 1985-11-30 | 340. | 1322027 | 1986-06-30 |
| 300. | 1254945 | 1985-12-15 | 341. | 1322532 | 1986-09-15 |
| 301. | 1255038 | 1985-12-15 | 342. | 1322936 | 1986-07-15 |
| 302. | 1256646 | 1985-12-15 | 343. | 1324637 | 1986-07-15 |
| 303. | 1273949 | 1986-02-15 | 344. | 1324738 | 1986-06-30 |
| 304. | 1285148 | 1986-03-15 | 345. | 1324839 | 1986-06-30 |
| 305. | 1285350 | 1986-03-15 | 346. | 1325235 | 1986-07-15 |
| 306. | 1286857 | 1986-03-15 | 347. | 1325538 | 1986-07-31 |
| 307. | 1292852 | 1986-03-31 | 348. | 1325942 | 1986-10-15 |
| 308. | 1293551 | 1986-06-30 | 349. | 1327946 | 1986-09-30 |
| 309. | 1297054 | 1986-06-30 | 350. | 1336341 | 1986-08-31 |

[No. CMD/13/12]

का० आ० 1153:- भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिन्दु) नियम एवं विनियम 1955 के नियम 14, अधिनियम 1 के अंतर्गत अधिसूचित किया जाता है कि समय-समय पर संगोष्ठित की अनुसूची में जो लाइसेंसधारी हैं उनके लाइसेंस रद्द हो गये हैं अथवा कायम 6 के अनुसार उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है।

| अनुसूची  |                               |  |                                     |   |   |
|----------|-------------------------------|--|-------------------------------------|---|---|
| क्रम सं. | लाइसेंस संख्या                | लाइसेंसधारी का नाम और पता  | आई एम संख्या                        | एम ओ सं. व राजपत्र जिस में अनुवाद की सूचना छपी है | विवरण   |
| (1)      | (2)                           | (3)  | (4)                                 | (5)   | (6)   |
| 1.       | सीएम/एल-0022414<br>1960-09-16 | स्वर्णज प्लाईवूड वर्कर्स,<br>कांस्टाबल-686001 (केरल)                 | IS : 10 (भाग 2)-1976                | एम ओ 2495 दिनांक.<br>1960-10-15                   | 1981-02-28 के बाद गतावधि।   |
| 2.       | सीएम/एल-0061323<br>1963-12-31 | द नेशनल रॉलिंग एण्ड स्टील<br>रोल्स लि. 24-परगना<br>(पश्चिमी बंगाल)   | IS : 1855-1977 और<br>IS : 1856-1977 | एम ओ 241 दिनांक.<br>1964-01-18                    | नवीकरण 1979-09-30 के बाद<br>अस्तित्व में गया और इसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है। |
| 3.       | सीएम/एल-0074736<br>1964-07-28 | रेडियो एण्ड इलेक्ट्रिकल मैनु.<br>कं. लि., बंगलूर-560026<br>(कर्नाटक) | IS : 1596-1977                      | एम ओ 2403 दिनांक.<br>1965-07-31                   | 1980-12-31 के बाद गतावधि।   |

| (1)                                 | (2)   | (3)   | (4)                            | (5)   | (6) |
|-------------------------------------|---|---|--------------------------------|---|-----|
| 4. सी.एस./एल-0110007<br>1965-06-16  | द इंडियन केबल कम्पनी लि.<br>जमशेदपुर-3  | IS : 1596-1977  | एस ओ 2403 दिनांक<br>1965-07-31 | 1980-12-31 के बाद गतावधि।   |     |
| 5. सी.एस./एल-0128430<br>1966-06-27  | नेशनल रोनिंग एण्ड स्टील रोपिंग<br>लि., 34-परगना (ब बंगाल)   | IS : 2266-1977  | एस ओ 2248 दिनांक<br>1966-07-30 | नवीकरण 1979-09-30 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।            |     |
| 6. सी.एस./एल-0157538<br>1967-11-27  | जे.एल.बनर्जी एण्ड संस. कलकत्ता-<br>700005   | IS : 10 (भाग 4)-1976  | एस ओ 4568<br>1967-12-23        | नवीकरण 1979-12-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि माना<br>जाएगा। |     |
| 7. सी.एस./एल-0168846<br>1978-04-30  | टी. आर. इंडस्ट्री. कोयम्बटूर-<br>641008 (त. ना. )   | IS : 325-1978   | एस ओ 2147 दिनांक<br>1968-09-06 | नवीकरण 1976-11-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।            |     |
| 8. सी.एस./एल-0202214<br>1969-07-23  | गुप्ता इंजीनियरिंग वर्क्स कपुर-<br>थला (पंजाब)  | IS : 2347-1974  | एस ओ 3585 दिनांक<br>1969-09-06 | नवीकरण 1978-01-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।            |     |
| 9. सी.एस./एल-0204117<br>1969-07-31  | स्टोनियर पाइप फिटिंग्स लिमिटेड<br>नाडु सिरीमिक की एक<br>इकाई लि. विद्याल्लम-<br>606001 माडुराई आर्कट<br>जिला (त. ना.) | IS : 561-1971   | " "                            | नवीकरण 1979-08-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।            |     |
| 10. सी.एस./एल-0204622<br>1969-08-28 | होलकोट कोआपरेटिव केटरिंग<br>फीड प्रोसेसिंग सोसायटी लि.<br>होलकोट तालुका. गंडम<br>जिला धारवाड (कर्नाटक)                | IS : 2052-1974  | एस ओ 3930 दिनांक<br>1969-09-27 | नवीकरण 1978-02-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।            |     |
| 11. सी.एस./एल-0210920<br>1969-10-15 | खानदेश पेस्टिफाइड्स प्रा. लि.<br>धारनगांव जिला अलगांव<br>( प. रेनवे )   | IS : 561-1978   | एस ओ 4849 दिनांक<br>1969-12-06 | 1981-01-15 के बाद गतावधि।   |     |
| 12. सी.एस./एल-0221622<br>1973-01-22 | गुरुदेव इंडस्ट्रीज प्रा. लि.<br>कलकत्ता-700001  | IS : 10 (भाग 4)-76  | एस ओ 771 दिनांक<br>1970-02-28  | 1980-01-31 के बाद गतावधि।   |     |
| 13. सी.एस./एल-0243935<br>1970-10-30 | खानदेश पेस्टिफाइड्स प्रा. लि.<br>धारनगांव, जिला अलगांव<br>(प. रेनवे)  | IS : 564-1975   | एस ओ 561 दिनांक<br>1971-01-30  | 1981-01-15 के बाद गतावधि।   |     |
| 14. सी.एस./एल-0244129<br>1970-10-30 | " "   | IS : 633-1975   | " "                            | " "   |     |
| 15. सी.एस./एल-0248440<br>1970-12-23 | " "   | IS : 2567-1978  | एस ओ 2014 दिनांक<br>1971-05-22 | " "   |     |
| 16. सी.एस./एल-0249816<br>1971-01-04 | आदित्य मिनरल्स ट्रेडर्स कोडागुरम<br>522803 रेनवे स्टेशन<br>कुडलगा   | IS : 561-1978   | एस ओ 5028<br>1971-11-06        | " "   |     |
| 17. सी.एस./एल-0261028<br>1971-03-29 | एलुमिनियम एण्ड एलाय इंडस्ट्रीज<br>कलकत्ता-700055 (ब ब.)   | IS : 1660 (भाग 1)-1967<br>IS : 1660 (भाग 2<br>और 3)-1972<br>IS : 1660 (भाग 4)<br>1977 | एस ओ 2405 दिनांक<br>1971-09-17 | नवीकरण 1980-03-31 के बाद<br>स्थगित होने और उसी तिथि<br>से लाइसेंस गतावधि भी हो<br>गया।    |     |
| 18. सी.एस./एल-0272033<br>1971-07-28 | उदयपुर स्टिल्स कं. प्रा. लि.<br>उदयपुर-313001 (राजस्थान)  | IS : 3811-1976  | एस ओ 3780 दिनांक<br>1971-10-16 | 1981-01-15 के बाद गतावधि।   |     |
| 19. सी.एस./एल-0276516<br>1971-09-13 | केमिकल्स एण्ड प्लास्टिक इंडिया<br>लि. मैट्टर डाम-3, सेलम<br>जिला (तमिलनाडु)   | IS : 2509-1973  | एस ओ 2403 दिनांक<br>1972-09-02 | नवीकरण 1980-09-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और लाइसेंस<br>उसी तिथि से गतावधि है।            |     |
| 20. सी.एस./एल-0277851<br>1971-10-06 | प्रकाश शा. मिश्र, इंग्लिश-<br>कुडुडा-680683, जिला<br>त्रिपुर ( केरल )   | IS : 10 (भाग 3)-1974  | एस ओ 1625 दिनांक<br>1972-07-08 | नवीकरण 1980-03-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।            |     |

| (1)                               | (2)   | (3)            | (4)                            | (5)   | (6) |
|-----------------------------------|---|----------------|--------------------------------|---|-----|
| 21. सीएम/एल-0282642<br>1971-12-03 | गोआ पेस्टिसाइड्स प्रा. लि.<br>फतोरडा, मरगांव, गोआ।                                  | IS : 2567-1978 | एस ओ 2769 दिनांक<br>1972-10-07 | नवीकरण 1980-07-31 के बाद<br>स्थगित हो गया था और उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है। |     |
| 22. सीएम/एल-0282844<br>1971-12-03 | कॉलि एण्ड कम्पनी, बंगलोर-<br>560002   | IS : 264-1976  | एस ओ 2769 दिनांक<br>1972-10-07 | 1980-12-15 के बाद गतावधि।   |     |
| 23. सीएम/एल-0282945<br>1971-12-03 | " "   | IS : 265-1976  | एस ओ 2769 दिनांक<br>1972-10-07 | " "   |     |
| 24. सीएम/एल-0283038<br>1971-12-03 | " "   | IS : 266-1976  | एस ओ 2679 दिनांक<br>1972-10-07 | 1980-12-15 के बाद गतावधि।   |     |
| 25. सीएम/एल-0305931<br>1972-05-09 | गोआ पेस्टिसाइड्स प्रा. लि.<br>गोआ-403008  | IS : 582-1978  | एस ओ 3308 दिनांक<br>1972-10-21 | नवीकरण 1978-07-31 के बाद<br>स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस<br>गतावधि है।           |     |
| 26. सीएम/एल-0329036<br>1973-05-08 | राष्ट्रीय इंजीं वक्स (रजिं ),<br>बटाला (पंजाब)                                      | IS : 1230-1968 | एस ओ 1798 दिनांक<br>1974-07-20 | नवीकरण 1978-01-15 के बाद<br>स्थगित उसी तिथि से लाइसेंस<br>गतावधि है।              |     |
| 27. सीएम/एल 0331831<br>1973-01-31 | हिन्दू ट्रेडिंग एंड मैनु फैक्ट्री<br>दिल्ली-110020                                  | IS : 781-1977  | " "                            | नवीकरण 1980-05-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और लाइसेंस<br>उसी तिथि से गतावधि है।    |     |
| 28. सीएम/एल-0376651<br>1974-03-29 | रैनेस इंडिया लि. (उर्वरक और<br>कोटेशनक विभाग),<br>बम्बई-400080                      | IS : 564-1975  | एस ओ 2554 दिनांक<br>1975-08-09 | 1981-03-31 के बाद गतावधि।   |     |
| 29. सीएम/एल-0376853<br>1974-03-29 | " "   | IS : 632-1978  | " "                            | " "   |     |
| 30. सीएम/एल-0392849<br>1974-08-19 | फैस इंटरनेशनल, नई<br>दिल्ली-110014  | IS : 4151-1976 | एस ओ 686 दिनांक<br>1976-02-14  | 1977-08-15 नवीकरण के बाद<br>स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी<br>तिथि से गतावधि है।    |     |
| 31. सीएम/एल-0412427<br>1975-01-08 | देवीदयाल (सेल्स) प्रा. लि.,<br>बम्बई-400010   | IS : 4322-1967 | एस ओ 2465 दिनांक<br>1976-07-10 | 1980-06-15 के बाद गतावधि।   |     |
| 32. सीएम/एल-0412730<br>1975-01-10 | " "   | IS : 1227-1973 | " "                            | " "   |     |
| 33. सीएम/एल-0415938<br>1975-01-22 | वर्ल्ड पेस्टिसाइड्स मैनु फैक्ट्री,<br>बल्लभ विद्यासागर, आनंद, जिला<br>केरा (गुजरात) | IS : 7122-1973 | " "                            | 1980-10-31 के बाद गतावधि।   |     |
| 34. सीएम/एल-0439144<br>1975-05-23 | खानवेश पेस्टिसाइड्स प्रा. लि.,<br>धारनगांव, जिला जलगांव                             | IS : 565-1975  | एस ओ 3623 दिनांक<br>1976-10-18 | 1981-01-15 के बाद गतावधि।   |     |
| 35. सीएम/एल-0443842<br>1975-06-16 | यूनाइटेड प्लेयरस लि.,<br>आगरा-282007 (उ.प्र.)                                       | IS : 632-1978  | एस ओ 3073 दिनांक<br>1975-09-13 | 1980-12-31 के बाद गतावधि।   |     |
| 36. सीएम/एल-0446242<br>1975-06-30 | पंजाब जनरल मैनु फैक्ट्री,<br>मथुरा (उ.प्र.)   | IS : 1703-1977 | एस ओ 3073 दिनांक<br>1975-09-13 | 1980-12-31 के बाद गतावधि।   |     |
| 37. सीएम/एल-0446343<br>1975-06-30 | " "   | IS : 1981-1977 | " "                            | नवीकरण 1980-10-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।    |     |
| 38. सीएम/एल-0451841<br>1975-07-28 | कृषिकेमिकल्स पटना (बिहार)   | IS : 2570-1978 | एस ओ 3914 दिनांक<br>1976-10-30 | 1980-09-30  |     |
| 39. सीएम/एल-0451841<br>1975-06-30 | खानवेश पेस्टिसाइड्स प्रा. लि.,<br>धारनगांव, जिला जलगांव<br>(गुजरात)                 | IS : 1307-1973 | एस ओ 428<br>1977-02-05         | 1981-01-15 के बाद गतावधि है।  |     |
| 40. सीएम/एल-0460135<br>1975-08-20 | चंपनेमी जूट फैक्ट्री लि.,<br>कलकत्ता-700001   | IS : 3984-1967 | " "                            | 1980-06-31 के बाद गतावधि है।  |     |



| (1)                                 | (2)   | (3)                    | (5)                             | (6)   |
|-------------------------------------|---|------------------------|---------------------------------|---|
| 41. सी.एम./एल-0491238<br>1975-09-12 | देवीदयाल (मैल्स) प्रां.लि०<br>बम्बई-400010 (महाराष्ट्र)   | IS : 2865--1978        | एस.ओ. 832 दिनांक<br>1977-03-19  | 1980-06-15 के बाद गतावधि है।  |
| 42. सी.एम./एल-0467249<br>1975-09-29 | द इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स<br>लि० नागापाट्टीनम-611011  | IS : 398--(भाग-2) 1976 | " "                             | नवीकरण 1980-09-30 के बाद<br>स्थगित और अब उर्मा तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।        |
| 43. सी.एम./एल-0471948<br>1975-10-15 | स्टार स्टील प्रां.लि० पो०आ०<br>भानुजा, बडोदा  | IS : 8057--1976        | एस.ओ. 1148 दिनांक<br>1977-04-16 | नवीकरण 1979-11-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और उर्मा तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।    |
| 44. सी.एम./एल-0472041<br>1975-10-15 | " "   | IS : 8054--1976        | " "                             | " "   |
| 45. सी.एम./एल-0472142<br>1975-10-15 | " "   | IS : 8053--1976        | " "                             | " "   |
| 46. सी.एम./एल-0478255<br>1975-10-31 | फार्म स्पेसिमाइड्स भारगुर्वा<br>(आर.एस.), प्रदातुर-516360<br>जिला कुन्न्या (आं.प्र०)                                      | IS : 561--1978         | एस.ओ. 1148 दिनांक<br>1977-04-16 | नवीकरण 1980-10-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और उर्मा तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।    |
| 47. सी.एम./एल-0484351<br>1975-11-26 | मिह. एलायण्ड स्टील लि०,<br>कलकत्ता-700054   | IS : 6915--1978        | एस.ओ. 1147 दिनांक<br>1977-04-16 | 1981-01-15 के बाद गतावधि है।  |
| 48. सी.एम./एल-0486961<br>1975-12-04 | भारत लेमिनेटिंग कार्पो०,<br>कलकत्ता-700001  | IS : 7406--1974        | एस.ओ. 3083 दिनांक<br>1977-10-08 | नवीकरण 1980-10-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और अब उर्मा तिथि<br>से लाइसेंस गतावधि है। |
| 49. सी.एम./एल-0487357<br>1975-12-04 | भारत लेमिनेटिंग एंड एजेंसीज,<br>हावड़ा  | IS : 7406--1974        | " "                             | नवीकरण 1979-11-30 के बाद<br>स्थगित हो गया और अब उर्मा<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है। |
| 50. सी.एम./एल-0491045<br>1975-12-19 | विजय पल्बराइजर्स पेडाकाकार्ने,<br>गुदुर जिला (आं.प्र०)  | IS : 7121--1973        | " "                             | 1980-12-31 के बाद गतावधि है।  |
| 51. सी.एम./एल-0497663<br>1976-01-28 | दि इंडिया नूट्रि० लि०, सेरमपेय,<br>जिला हुगली (प०.ब०)   | IS : 7407--1974        | एस.ओ. 1312 दिनांक<br>1977-05-07 | नवीकरण 1980-07-31 के बाद<br>स्थगित है और उर्मा तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।        |
| 52. सी.एम./एल-0507438<br>1976-03-11 | भारतीय उर्वरक निगम लि०,<br>मुरागढ़ (राजस्थान)   | IS : 6046--1971        | एस.ओ. 1312 दिनांक<br>1979-01-06 | नवीकरण 1977-03-15 के बाद<br>स्थगित अब लाइसेंस की उर्मा तिथि<br>से गतावधि माना जाये। |
| 53. सी.एम./एल-0507741<br>1976-03-18 | देवीदयाल (मैल्स) प्रां.लि०,<br>बम्बई-400010   | IS : 528--1969         | " "                             | 1980-06-15 के बाद गतावधि है।  |
| 54. सी.एम./एल-0508541<br>1976-03-18 | " "   | IS : 1307--1973        | " "                             | " "   |
| 55. सी.एम./एल-0514738<br>1976-04-26 | फार्म स्पेसिमाइड्स एसोसियेटेड प्रा<br>इंडस्ट्रियल एस्टेट, यारगुटला<br>(आर.एस.) प्रोदातुर-516360<br>कुन्न्या जिला (आ.प्र.) | IS : 562--1978         | एस.ओ. 311<br>दिनांक 1979-01-27  | नवीकरण 1978-04-30 के बाद<br>स्थगित लाइसेंस की उर्मा तिथि<br>से गतावधि है।           |
| 56. सी.एम./एल-0518140<br>1976-05-07 | बडाला मोटर स्टोर्स, बडाला-<br>113505 (पंजाब)  | IS : 774--1971         | एस.ओ. 954<br>दिनांक 1979-03-17  | 1980-10-15 के बाद गतावधि है।  |
| 57. सी.एम./एल-0518746<br>1976-05-07 | भारतीय उर्वरक निगम लि.,<br>मल्लापुर जिला श्रीगंगानगर<br>टाकवर राजनगर (राजस्थान)   | IS : 6046-1971         | " "                             | नवीकरण 1977-05-15 के बाद<br>स्थगित लाइसेंस की उर्मा तिथि<br>से गतावधि है।           |
| 58. सी.एम./एल-0518847<br>1976-05-07 | भारतीय उर्वरक निगम लि.,<br>" "  | IS : 6046-1971         | " "                             | नवीकरण 1977-05-15 के बाद<br>स्थगित अब लाइसेंस की उर्मा<br>तिथि से गतावधि माना जाए।  |
| 59. सी.एम./एल-0519647<br>1976-05-10 | लक्ष्मण शास्त्री एंडर्सन्स लि.,<br>पटना-800011  | IS : 260-1973          | " "                             | " "   |
| 60. सी.एम./एल-0521129<br>1976-05-14 | कृषि कैमिको पटना-800008   | IS : 561-1978          | " "                             | नवीकरण 1980-09-30 के बाद<br>स्थगित हो गया और अब इसी<br>तिथि से गतावधि है।           |

| (1) | (2)                             | (3)  | (4)                  | (5)                             | (6)   |
|-----|---------------------------------|--|----------------------|---------------------------------|---|
| 61  | सी.एम./एल-0521634<br>1976-05-14 | एण्डियन कलर कं. अहमदाबाद-<br>380001  | IS : 5346-1975       | एस.ओ. 0954<br>दिनांक 1979-03-17 | नवीकरण 1980-05-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और अब उर्मा<br>निधि से गन्तावधि है।               |
| 62  | सी.एम./एल-0525036<br>1976-05-28 | भारतीय उर्वरक निगम लि.,<br>हनुमानगढ़ जंक्शन जिया<br>श्रीगंगानगर (राजस्थान) | IS : 6046-1971       | .                               | नवीकरण 1977-05-31 के बाद<br>स्थगित हो गया है और अब<br>उर्मा निधि से लाइसेंस गन्तावधि<br>है। |
| 63  | सी.एम./एल-0525339<br>1976-05-28 | इंडोस्टिक एंलायसेज कार्मियर<br>474002 (म.प्र.)                             | IS : 2347-1974       | .                               | नवीकरण 1980-12-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और अब उर्मा<br>निधि से लाइसेंस गन्तावधि है।       |
| 64  | सी.एम./एल-0530231<br>1976-06-05 | स्टार स्टील प्रा. लि. भालेजा<br>पो. आ. बडोदा जिला                          | IS : 1875-1978       | एस.ओ. 1274<br>दिनांक 1979-04-12 | नवीकरण 1979-11-15 के बाद<br>स्थगित हो गया है और अब<br>उर्मा निधि से लाइसेंस गन्तावधि<br>है। |
| 65  | सी.एम./एल-0531536<br>1976-06-28 | हनुमान बैग्स एंड कंटेनर्स लि.<br>कलकत्ता                                   | IS : 7406-1974       | .                               | 1980-12-31 के बाद गन्तावधि  |
| 66  | सी.एम./एल-0531738<br>1976-06-28 | लक्ष्मण बायर इंडस्ट्रीज लि.,<br>पटना-80001 (बिहार)                         | IS : 2141-1968       | एस.ओ. 1271<br>दिनांक 1979-04-12 | नवीकरण 1977-06-30 के बाद<br>स्थगित अब उर्मा निधि से लाइसेंस<br>गन्तावधि है।                 |
| 67  | सी.एम./एल-0539956<br>1976-08-02 | "  | IS : 273-1978        | एस.ओ. 3548<br>दिनांक 1979-10-20 | नवीकरण 1977-07-31 के बाद<br>स्थगित अब उर्मा निधि से<br>लाइसेंस गन्तावधि है।                 |
| 68  | सी.एम./एल-0540436<br>1976-08-02 | न्यू इंडस्ट्रियल केमिकल्स प्रा. लि.<br>कलकत्ता-700061                      | IS : 1488-1969       | "                               | .   |
| 69  | सी.एम./एल-0544242<br>1976-08-20 | महावीर जूट मिल्स लि. (लिमि-<br>टेड प्लांट) शाहीजानवा,<br>गोरखपुर           | IS : 7406-1971       | "                               | नवीकरण 1980-08-31 के बाद<br>स्थगित अब लाइसेंस उर्मा निधि<br>से गन्तावधि है।                 |
| 70  | सी.एम./एल-0544444<br>1976-08-20 | बनवीर इंडस्ट्रीज, कलकत्ता  | IS : 10 (भाग 4)-1976 | "                               | नवीकरण 1979-08-31 के बाद<br>स्थगित और अब उर्मा निधि से<br>गन्तावधि है।                      |
| 71  | सी.एम./एल-0555045<br>1976-10-04 | फार्मर्स पस्टीसाइज्ड प्रोडक्ट्स<br>(पोस्ट) 516360 (अ.प्र.)                 | IS : 564-1975        | एस.ओ. 3550<br>दिनांक 1979-10-20 | नवीकरण 1978-09-30 के बाद<br>स्थगित उर्मा निधि से लाइसेंस<br>गन्तावधि है।                    |
| 72  | सी.एम./एल-0555247<br>1976-10-04 | बी.एल. इंडस्ट्रीज अयपुर-302013   | IS : 561-1978        | एस. ओ. ,                        | 1981-03-15 को गन्तावधि है।  |
| 73  | सी.एम./एल-0558859<br>1976-10-25 | मेकनोटैकना (मेल्स) प्रा. लि.<br>कलकत्ता-700024                             | IS : 280-1978        | .                               | नवीकरण 1979-10-31 के बाद<br>लाइसेंस उर्मा निधि से गन्तावधि<br>है।                           |
| 74  | सी.एम./एल-0561147<br>1976-11-17 | नेशनल क. लि. राजगंज पो. आ.<br>सांफरेल हाथडा                                | IS : 7407-1974       | एस.ओ. 3761<br>दिनांक 1979-11-17 | 1980-11-30 के बाद गन्तावधि है।  |
| 75  | सी.एम./एल-0565654<br>1976-11-18 | गैलज इंडिया लि. हाथडा-<br>711106 (पं. बंगाल)                               | IS : 1506-1977       | "                               | "   |
| 76  | सी.एम./एल-0567961<br>1976-12-03 | श्री उमा स्टील क. कलकत्ता-6  | IS : 10 (भाग 4)-1976 | एस.ओ. 3762<br>दिनांक 1979-11-17 | नवीकरण 1979-11-30 के बाद<br>लाइसेंस उर्मा निधि से गन्तावधि है।                              |
| 77  | सी.एम./एल-0580650<br>1977-01-12 | अमर्ति पेंक एंटरप्राइजेज प्राणे-<br>480601 (महाराष्ट्र)                    | IS : 1507-1977       | एस.ओ. 420<br>दिनांक 1980-02-23  | 1981-01-15 के बाद गन्तावधि है।  |
| 78  | सी.एम./एल-0586460<br>1977-02-03 | श्री अरविन्द स्टील प्रा. लि.<br>दिल्ली रायवली-620015                       | IS : 6914-1978       | एस.ओ. 731<br>दिनांक 1980-03-23  | "   |
| 79  | सी.एम./एल-0588464<br>1977-02-08 | गर्डी एंलायज एंड स्टील लि.<br>राजियाबाद                                    | IS : 1977-1975       |                                 | 1981-04-15 के बाद गन्तावधि  |

| 1  | 2                             | 3  | 4                              | 5                              | 6  |
|----|-------------------------------|--|--------------------------------|--------------------------------|--|
| 80 | सीएम/एल-0589971<br>1977-02-28 | वज्रसंघर्ष आयरन एंड स्टील के<br>प्ल. मद्रास                                  | IS : 226-1975                  | एम.ओ. 731<br>दिनांक 1980-3-22  | 1981-01-15 के बाद गतावधि है  |
| 81 | सीएम/एल-0592657<br>1977-02-28 | कार्बो गैस एलायमेंस प्रा लि<br>लखनऊ-226001 (उ.प्र.)                          | IS : 4216-1978                 | "                              | 1981-01-31 के बाद गतावधि है  |
| 82 | सीएम/एल-0594863<br>1977-03-21 | रॉड केब एंड एलायड प्रोडक्ट्स<br>(प्रा.) लि. कलकत्ता-56                       | IS : 1938-1974                 | एम.ओ. 787<br>दिनांक 1980-03-29 | नवीकरण 1980-03-15 के बाद<br>स्थगित अब उम्मी. निधि से लाइसेंस<br>गतावधि है।         |
| 83 | सीएम/एल-0595461<br>1977-03-21 | भारत पब्लिशिंग मिल्स (प्रा.)<br>लि. मद्रास-600019                            | IS : 7946-1976                 | " "                            | 1981-02-28 के बाद गतावधि है।   |
| 84 | सीएम/एल-0595865<br>1977-03-21 | प्रज्जा स्टील प्रा. लि., हावड़ा-<br>711108 (प. बं.)                          | IS : 1341-1976                 | " "                            | 1981-03-15 के बाद गतावधि है।   |
| 85 | सीएम/एल-0609648<br>1977-05-13 | फार्मस पेंस्टोमाइट्स प्रोड्यूसर<br>प्रोड्यूसर-516360                         | IS : 565-1975                  | एम.ओ. 283 दिनांक<br>1981-01-24 | नवीकरण 1979-05-15 के बाद<br>स्थगित हो गया था अब उसी<br>निधि से लाइसेंस गतावधि है।  |
| 86 | सीएम/एल-0610936<br>1977-05-23 | स्टीयरिंग मिल्स इन्डुस्त्रियल<br>प्रा. लि., कलकत्ता-700027<br>(प. बं.)       | IS : 7270-1974                 | " "                            | नवीकरण 1980-05-15 के बाद<br>स्थगित हो गया था अब उसी<br>निधि से लाइसेंस गतावधि है।  |
| 87 | सीएम/एल-0611029<br>1977-05-23 | " "  | IS : 7271-1974                 | " "                            | " "  |
| 88 | सीएम/एल-0611231<br>1977-05-23 | पामा फुटकेयर इंडस्ट्रीज, कोलपुर-<br>208001 (उ.प्र.)                          | IS : 1989 (भाग 1 और<br>2)-1978 | " "                            | 1980-12-31 के बाद गतावधि है।   |
| 89 | सीएम/एल-0613134<br>1977-05-27 | कम्पा गाहू क. लि. बम्बई-<br>400060   | IS : 3976-1975                 | एम.ओ. 283 दिनांक<br>1981-01-21 | नवीकरण 1978-05-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>निधि से लाइसेंस गतावधि है।     |
| 90 | सीएम/एल-0618245<br>1977-06-17 | प्रताप स्टील रोलिंग मिल्स प्रा.<br>लि. पाटनबज्र भंडूक जिला<br>(प्रा.प्र.)    | IS : 1875-1978                 | एम.ओ. 284 दिनांक<br>1981-01-21 | नवीकरण 1980-05-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और उसी<br>निधि से लाइसेंस गतावधि है।     |
| 91 | सीएम/एल-0624846<br>1977-07-13 | जेमिनी इस्टीलरोज प्रा. लि.<br>दारहापल्ली-562139 ब्रह्मगिरि<br>जिला (कर्नाटक) | IS : 3811-1976                 | एम.ओ. 754 दिनांक<br>1981-03-07 | नवीकरण 1980-06-30 के बाद<br>स्थगित और उसी निधि से<br>लाइसेंस गतावधि है।            |
| 92 | सीएम/एल-0627418<br>1977-07-25 | श्रीमंत पैक इंटरप्राइजेज थाणे  | IS : 8028-1976                 | " "                            | 1981-01-15 के बाद गतावधि है।   |
| 93 | सीएम/एल-0628652<br>1977-07-26 | ब्रिवांटी फुटबियर जमशेदपुर-<br>831001  | IS : 1989 (भाग 1 और<br>2)-1978 | " "                            | नवीकरण 1980-07-31 के बाद<br>स्थगित हो गया था अब उसी<br>निधि से लाइसेंस गतावधि है।  |
| 94 | सीएम/एल-0629553<br>1977-07-28 | साठनक्रिय एंड क. कलकत्ता-<br>700015 (प. बं.)                                 | IS : 976-1975                  | " "                            | " "  |
| 95 | सीएम/एल-0637552<br>1977-08-26 | कृष्णा फाउंड्री, मदुरै-625011  | IS : 210-1978                  | एम.ओ. 755 दिनांक<br>1981-03-07 | नवीकरण 1980-08-31 के बाद<br>स्थगित अब उसी निधि से लाइसेंस<br>गतावधि है।            |
| 96 | सीएम/एल-0637751<br>1977-08-29 | आर. डी. वर्मा एंड कं. (प्रा.)<br>लि. गाजियाबाद, (उ.प्र.)                     | IS : 780-1969                  | " "                            | नवीकरण 1979-08-31 के बाद<br>स्थगित अब उसी निधि से लाइसेंस<br>गतावधि है।            |
| 97 | सीएम/एल-0639351<br>1977-09-07 | उत्कल पेंस्ट. राइड्स केमि-<br>कल्स, जगन्नाथ, जिला गजम<br>(उड़ीसा)            | IS : 564-1975                  | एम.ओ. 920<br>1981-03-21        | नवीकरण 1978-09-15 के बाद<br>लाइसेंस स्थगित अब उम्मी. निधि<br>से लाइसेंस गतावधि है। |
| 98 | सीएम/एल-0641644<br>1977-09-21 | बंगाल मेटल इंडस्ट्रीज, हावड़ा-<br>711101 (प. बं.)                            | IS : 1786-1979                 | " "                            | नवीकरण 1980-09-30 के बाद<br>स्थगित हो गया था अब उसी<br>निधि से लाइसेंस गतावधि है।  |
| 99 | सीएम/एल-0646119<br>1977-10-19 | कामंत (इंडिया) इंडस्ट्रीज थंबई   | IS : 5316-1975                 | एम.ओ. 921 दिनांक<br>1981-03-21 | नवीकरण 1978-10-31 के बाद<br>स्थगित हो गया है अब उसी<br>निधि से लाइसेंस गतावधि है।  |

| 1    | 2                             | 3  | 4                          | 5                                 | 6   |
|------|-------------------------------|--|----------------------------|-----------------------------------|---|
| 100. | सीएम/एल-0655153<br>1977-10-26 | युक्ता वा. ब. एड. अनन्ता इंटरस्टीज<br>गार्डियन-300000 (गुणवत्ता)         | IS : 810-1974              | एस ओ 921 दिनांक<br>1981-03-21     | 1980-10-31 के बाद गतावधि है।  |
| 101. | सीएम/एल-0656241<br>1977-10-31 | रेल्वे ग्रुप ऑफ इन्फ्रस्ट्रक्चर लि.<br>मो. रेल. विभा. गवर्नर             | IS : 7407-1974             | " "                               | 1980-10-31 के बाद गतावधि गतावधि है।   |
| 102. | सीएम/एल-0651819<br>1977-11-02 | सुखना री-रोलिंग एंड फाउंड्री<br>मिल्स, सतना                              | IS : 774-1974              | एस ओ 1223 दिनांक<br>1981-04-18    | 1980-12-31 के बाद गतावधि है।  |
| 103. | सीएम/एल-0657356<br>1977-12-09 | नवीन ट्रेडिंग कार्पो. कलकत्ता-7  | IS : 10 (भाग 1) 1976       | एस ओ 1222 दिनांक<br>1981-04-18    | नवीकरण 1979-12-15 के बाद<br>स्थगित हो गया और अब उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।       |
| 104. | सीएम/एल-0650560<br>1977-13-20 | भारंग प्राइवेट लि. मुंबई फार्मग-<br>251001                               | IS : 2994-1965             | " "                               | नवीकरण 1980-12-31 के बाद<br>स्थगित हो गया था अब उसी<br>तिथि से लाइसेंस गतावधि है।       |
| 105. | सीएम/एल-0659966<br>1977-12-20 | बंगाल मेटल इंडस्ट्रीज लिमिटेड,<br>हाथड़ा                                 | IS : 226-1975              | " "                               | 1980-12-31 के बाद गतावधि है।  |
| 106. | सीएम/एल-0661448<br>1977-12-22 | एंकर इंडस्ट्रीज, बम्बई   | IS : 1293-1967             | " "                               | नवीकरण 1980-12-31 के बाद<br>स्थगित अब उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।                 |
| 107. | सीएम/एल-0665153<br>1978-01-10 | रैलीज इंडिया लि., फर्नीचर<br>एंड पेस्ट्रीमाइजिंग डिजीज,<br>मद्रास-600058 | IS : 1506-1977             | एस ओ 1615 दिनांक<br>1981-05-30    | 1981-01-15 के बाद गतावधि है।  |
| 108. | सीएम/एल-0670651<br>1978-01-27 | फैसको निट्रिवियस लिमिटेड-<br>638604                                      | IS : 4964 (भाग 2)-<br>1975 | " "                               | 1981-01-31 के बाद गतावधि है।  |
| 109. | सीएम/एल-0673465<br>1978-01-31 | भारत इंडस्ट्रियल कार्पो. गोहाटी<br>781014 (असम)                          | IS : 4654-1974             | " "                               | नवीकरण 1980-01-31 के बाद<br>स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस<br>गतावधि है।                 |
| 110. | सीएम/एल-0674154<br>1978-02-07 | न.ग.पाल इलेक्ट्रिक एंड रेडियो<br>के नई दिल्ली                            | IS : 2994--1965            | एस ओ 1661<br>दिनांक<br>1981-06-06 | नवीकरण 1980-02-15 के बाद<br>स्थगित अब उसी तिथि से लाइ-<br>सेंस गतावधि है।               |
| 111. | सीएम/एल-0677160<br>1978-02-17 | जय केमिकल्स फरीदाबाद<br>(हरियाणा)  | IS : 2568--1978            | "                                 | नवीकरण 1980-02-29 के बाद<br>स्थगित अब उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।                 |
| 112. | सीएम/एल-0685462<br>1978-03-15 | शुभबेल एंड कंपनी<br>कलकत्ता-700025<br>(प. प्र.)                          | IS : 384--1971             | एस ओ 1664<br>दिनांक<br>1981-06-06 | नवीकरण 1979-03-15 के बाद<br>स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस<br>गतावधि है।                 |
| 113. | सीएम/एल-0688771<br>1978-03-27 | आर.प्र. प्रदेश स्टील्स लि.<br>पलौवा-507115<br>(आ. प्र.)                  | IS : 1875--1978            | एस ओ 1664<br>दिनांक<br>1981-06-06 | नवीकरण 1980-03-31 के बाद<br>स्थगित अब उसी तिथि से लाइसेंस<br>गतावधि है।                 |
| 114. | सीएम/एल-0690354<br>1978-03-29 | मुजफ्फरनगर स्टील लि.<br>मुजफ्फरनगर                                       | IS : 6914--1978            | "                                 | 1981-03-31 के बाद गतावधि है।  |
| 115. | सीएम/एल-0690455<br>1978-03-29 | "  | IS : 6915--1978            | "                                 | नवीकरण 1980-03-31 के बाद<br>स्थगित हो गया और और अब<br>उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि<br>है। |
| 116. | सीएम/एल-0692055<br>1978-03-20 | मह. लक्ष्मी स्टील एंड वायर्स,<br>पानीपत                                  | IS : 280--1978             | "                                 | "   |
| 117. | सीएम/एल-0692055<br>1978-04-26 | अग्रवाल स्टील कामप्लेक्स लि.<br>मेरामपुर, जिला हुगली                     | IS : 6914--1978            | एस ओ 1725 दिनांक<br>1981-06-13    | नवीकरण 1980-04-15 के बाद<br>स्थगित और अब इसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।              |
| 118. | सीएम/एल-0698471<br>1978-04-26 | "  | IS : 6915--1978            | "                                 | "   |

| 1    | 2                             | 3  | 4                   | 5                                 | 6   |
|------|-------------------------------|--|---------------------|-----------------------------------|---|
| 119. | सीएम/एल-0704036<br>1978-06-19 | नेशनल कार्बन कम्पनी<br>इंडिया यूनिटन कार्बोइड लि.<br>का विभाग, मद्रास-600019 | IS : 2576---1975    | एस प्रो 2002 दिनांक<br>1981-07-25 | नवीकरण 1980-06-15 के बाद<br>स्थिति और अब उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।          |
| 120. | सीएम/एल-0708852<br>1978-06-30 | नेशनल कम्पनी लि.<br>राजगुंज, पो. प्रो. साकरेल<br>जिला हावड़ा                 | IS : 2580-1965      | "                                 | नवीकरण 1980-06-30 के बाद<br>स्थिति और अब उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।          |
| 121. | सीएम/एल-0711033<br>1978-07-14 | हिन्दी ट्रेडिंग एण्ड मैनु. कं.<br>नई दिल्ली-110020                           | IS : 2692---1978    | एस प्रो 2176 दिनांक<br>1981-08-15 | नवीकरण 1979-07-15 के बाद<br>स्थिति और उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।             |
| 122. | सीएम/एल-0720337<br>1978-07-11 | जेम पेंटस भूमृतसर<br>(पंजाब)   | IS : 416---1967     | एस प्रो 2215 दिनांक<br>1981-08-22 | 1980-09-15 के बाद गतावधि।   |
| 123. | सीएम/एल-0725448<br>1978-10-03 | नेशनल इंडी. कं. लि<br>मद्रास   | IS : 226---1975     | एस प्रो 2218 दिनांक<br>1981-08-22 | नवीकरण 1980-09-30 के बाद<br>स्थिति और अब उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।          |
| 124. | सीएम/एल-0740848<br>1978-12-13 | हिन्दी ट्रेडिंग एण्ड मैनुफै. कं.<br>नई दिल्ली-110020                         | IS : 1795---1974    | एस प्रो 2276 दिनांक<br>1981-08-29 | 1980-12-15 को गतावधि  |
| 125. | सीएम/एल-0749056<br>1979-01-17 | मोरी पेंटस एंड वार्निश वर्क्स<br>जिला गाजियाबाद (उ.प्र.)                     | IS : 427---1965     | एस प्रो 2277 दिनांक<br>1981-08-29 | 1981-01-31 के बाद गतावधि।   |
| 126. | सीएम/एल-0749462<br>1979-01-23 | बी एल इंडस्ट्रीज<br>जयपुर-302013   | IS : 562---1978     | "                                 | "   |
| 127. | सीएम/एल-0755457<br>1979-02-24 | पालसन इंडस्ट्रीज<br>नई दिल्ली-110020   | IS : 4174---1977    | एस प्रो 2310 दिनांक<br>1981-09-05 | 1981-02-28 को गतावधि  |
| 128. | सीएम/एल-0770352<br>1979-04-16 | इंस्टैंट केमिकल्स इंडिया<br>पो. प्रो. मध्यमाम<br>जिला 24 परनमा               | IS : 4323---1967    | एस प्रो 2974 दिनांक<br>1981-10-31 | नवीकरण 1980-04-30 के बाद<br>लाइसेंस स्थिति और अब उसी तिथि<br>से गतावधि है।          |
| 129. | सीएम/एल-0773055<br>1979-04-27 | जी एल इंडस्ट्रीज<br>बिसपुर, गोहाटी   | IS : 1488---1969    | "                                 | नवीकरण 1980-03-15 के बाद<br>लाइसेंस स्थिति और अब उसी<br>तिथि से गतावधि है।          |
| 130. | सीएम/एल-0773560<br>1979-04-30 | "  | IS : 1827---1961    | "                                 | "   |
| 131. | सीएम/एल-0776061<br>1979-05-21 | एलाइड इंडिया इंटरप्राइजेज<br>कलकत्ता-700014                                  | IS : 10(भाग 4) 1976 | एस प्रो 3147 दिनांक<br>1981-11-21 | नवीकरण 1980-05-31 के बाद<br>स्थिति और उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।             |
| 132. | सीएम/एल-0781458<br>1979-06-20 | भारत स्टील सेंट्रल इंड. लि.<br>कलकत्ता-700003<br>(प.ब.)                      | IS : 2552---1970    | एस प्रो 3148 दिनांक<br>1981-11-21 | नवीकरण 1980-05-33 के बाद<br>स्थिति और उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।             |
| 133. | सीएम/एल-0786569<br>1979-07-20 | फैंकनी इंडिया<br>कलकत्ता-700007  | IS : 2641---1964    | एस प्रो 3443 दिनांक<br>1981-12-26 | नवीकरण 1980-07-31 के बाद<br>स्थिति और उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।             |
| 134. | सीएम/एल-0788573<br>1979-07-25 | कांतिनेस्टल स्टील स्टण्ड<br>कलकत्ता-700007                                   | IS : 1977---1975    | "                                 | "   |
| 135. | सीएम/एल-0788674<br>1979-07-25 | "  | IS : 226---1975     | "                                 | "   |
| 136. | सीएम/एल-0790863<br>1979-08-03 | बंगाल सेंट्रल इंडस्ट्रीज<br>मिलोहा, हावड़ा                                   | IS : 1977---1975    | एस प्रो 3446<br>1981-12-26        | नवीकरण 1980-08-15 के बाद<br>स्थिति और अब उसी तिथि से<br>लाइसेंस गतावधि है।          |
| 137. | सीएम/एल-0798879<br>1979-09-11 | इयां स्टील इंडस्ट्रीज<br>हावड़ा-711107                                       | IS : 226---1975     | एस प्रो 1772 दिनांक<br>1982-05-15 | 1980-09-15 के बाद गतावधि है।  |
| 138. | सीएम/एल-0799174<br>1979-09-11 | काबेरी केमिकल्स<br>मिसेबेला 689101<br>जिला छत्तीसगढ़ (केरल)                  | IS : 299-1976       | "                                 | नवीकरण 1980-09-15 के बाद<br>स्थिति और उसी तिथि से<br>लाइसेंस को गतावधि माना<br>जाए। |

| 1              | 2                                | 3  | 4                                   | 5                               | 6   |
|----------------|----------------------------------|--|-------------------------------------|---------------------------------|---|
| 139            | सी.एम./एल.-0800234<br>1979-09-11 | ऊमार्णकर सोमनाथ इंडस्ट्रीयल<br>ऐमड इन्फ. इंडोर् (म.प्र.)                               | IS: 1178--1973                      | एम.ओ. 1772 दिनांक<br>1982-05-15 | नवीकरण 1980-09-31 के बाद<br>लाइसेंस स्थगित हो गया और<br>यह उसी विधि में गतावधि है।    |
| 140            | सी.एम./एल.-0801539<br>1979-09-21 | नागालैंड सोपू केमिकल<br>फैक्टरी डाकवर<br>सीमापुर जिला कोहिमा<br>(नागालैंड)             | IS: 4834--1974                      | "                               | 1980-09-30 के बाद गतावधि है।  |
| 141            | सी.एम./एल.-0810843<br>1979-10-29 | रीवरसाइड इमेजिटस इन्डस<br>गुंड फटिलाइजरर्स<br>अंबरनाथ 421501<br>जिला ठाणे (महाराष्ट्र) | IS: 2567--1978                      | एम.ओ. 1771 दिनांक<br>1982-05-15 | नवीकरण 1980-11-15 के बाद<br>स्थगित हो गया था और यह<br>उसी विधि में लाइसेंस गतावधि है। |
| 142            | सी.एम./एल.-0810944<br>1979-10-29 | "  | IS: 633--1975                       | "                               | "   |
| 143            | सी.एम./एल.-0812140<br>1979-11-05 | मेन्स्युरीट्यूम्स लि.<br>मिर्जाना (हरयाणा)   | IS: 7138--1973                      | एम.ओ. 1832 दिनांक<br>1982-05-22 | 1980-11-15 को गतावधि है।  |
| 144            | सी.एम./एल.-0819960<br>1979-11-30 | कोमंडल एग्रो प्राइवेट्स गुंड<br>आयल्स लि. जिम्हापेटा<br>बिरावा-523155 (आ.प्र.)         | IS: 2052--1979                      | "                               | 1980-12-15 के बाद गतावधि है।  |
| 145            | सी.एम./एल.-0825856<br>1979-11-24 | रंगसं निस्पूर-638602<br>(तमिलनाडु)   | IS: 4964 (भाग 2) -<br>1975          | एम.ओ. 2320 दिनांक<br>1982-07-03 | 1980-12-31 के बाद गतावधि है।  |
| 146            | सी.एम./एल.-0829965<br>1980-01-01 | गोखर कं. लि. गारिका<br>713166 जिला 24 परगना<br>(प. ब.)                                 | IS: 3751-1966                       | एम.ओ. 3104 दिनांक<br>1982-09-04 | 1980-11-30 के बाद गतावधि है।  |
| 147            | सी.एम./एल.-0830041<br>1980-01-01 | "  | IS: 3750-1966                       | एम.ओ. 3104 दिनांक<br>1982-09-04 | 1981-11-30 के बाद गतावधि है।  |
| 148            | सी.एम./एल.-0830950<br>1980-01-15 | गानविन लैबोरेटरीज कामोटे<br>गानवेल-410206<br>जिला कोल्हाबा (महाराष्ट्र)                | IS: 3903 - 1975                     | "                               | नवीकरण 1981-01-15 के बाद<br>स्थगित अब उसी विधि में लाइसेंस<br>गतावधि है।              |
| 149            | सी.एम./एल.-0831350<br>1980-01-23 | इंडिया जुट कं. लि.<br>डाकवर सीरामपुर-712201<br>जिला हुगली (प. ब.)                      | IS: 3751-1966 और<br>IS: 3871-1964   | "                               | 1980-11-30 के बाद गतावधि है।  |
| 150            | सी.एम./एल.-0831451<br>1980-01-23 | "  | IS: 2875 - 1964 और<br>IS: 2750-1966 | "                               | 1980-11-30 के बाद गतावधि है।  |
| 151            | सी.एम./एल.-0835859<br>1980-01-14 | अमरावती निर्दिश मिल्स,<br>निस्पूर 638604 (म.प्र.)                                      | IS: 4964 (भाग 2)-<br>1975           | "                               | 1981-02-15 के बाद गतावधि है।  |
| 152            | सी.एम./एल.-0841046<br>1980-02-27 | एग्रो इन्सुलस प्रा. लि.,<br>कुमारगट्टन पोस्ट-581123                                    | IS: 8028-1976                       | एम.ओ. 3445 दिनांक<br>1982-10-01 | 1981-03-15 के बाद गतावधि है।  |
| 153            | सी.एम./एल.-0841147<br>1980-02-27 | "  | IS: 7125-1973                       | "                               | "   |
| 154            | सी.एम./एल.-0844658<br>1980-02-29 | बी. एम. इंडस्ट्रीज जयपुर-<br>301013 (राजस्थान)   | IS: 7121-1973                       | "                               | "   |
| 155            | सी.एम./एल.-0861456<br>1980-03-01 | "  | IS: 5281-1969                       | एम.ओ. 4451 दिनांक<br>1982-12-10 | 1981-04-15 को गतावधि है।  |
| 156            | सी.एम./एल.-0862559<br>1980-03-31 | मेन्स्युरीट्यूम्स प्रोडक्ट्स प्रा. लि.<br>कलकत्ता-700048                               | IS: 10 (भाग 2)-1976                 | "                               | "   |
| स्थगित लाइसेंस |                                  |  |                                     |                                 |   |
| 157            | सी.एम./एल.-0065919<br>1958-01-10 | असम संग्राल वॉल्वर इंडस्ट्रीज<br>प्रा. लि., कलकत्ता-700001                             | IS: 10 (भाग 2)-1976                 | एम.ओ. 13 दिनांक<br>1958-07-15   | 1981-01-31  |
| 158            | सी.एम./एल.-0007022<br>1958-04-24 | कासले गुंड टायर्स लि. असम  | IS: "                               | एम.ओ. 758 दिनांक<br>1958-05-10  | "   |

| (1)                                  | (2)  | (3)  | (4)                            | (5)        | (6) |
|--------------------------------------|--|--|--------------------------------|------------|-----|
| 159. सी.एम./एल-0008016<br>1958-04-24 | बाम एंड कंपनी, कलकत्ता-<br>700001  | IS : 10 (भाग 2)-<br>1976                     | एम ओ 758 दिनांक<br>1958-05-10  | 1981-02-26 |     |
| 160. सी.एम./एल-0010003<br>1958-04-18 | द सेंट्रल ट्रेडिंग कं. प्रा. लि.,<br>कलकत्ता-700024                                | "  | एम ओ 1065 दिनांक<br>1958-10-04 | 1980-12-31 |     |
| 161. सी.एम./एल-0010598<br>1958-10-31 | मिथलान प्लाईवुड लिमि.,<br>जिंवा त्रिपुर  | "  | —                              | 1981-02-15 |     |
| 162. सी.एम./एल-0011207<br>1958-12-26 | दि केमर ग्रुप वर्क्स लि.,<br>बम्बई-400030  | IS : 383-1973                                | एम ओ 69 दिनांक<br>1959-01-10   | 1980-12-31 |     |
| 163. सी.एम./एल-0011611<br>1959-02-03 | मिनर्वा प्लाईवुड इंड.,<br>बेलियागछा, कलकत्ता-700010                                | IS : 10 (भाग 2) - 1976<br>1976               | एम ओ 411 दिनांक<br>1959-02-21  |            |     |
| 164. सी.एम./एल-0011813<br>1959-02-19 | बंगाल प्लाईवुड मैनु फै.,<br>(प्रो. इंडिया इक्विपमेंट प्रा. लि.,<br>हावड़ा (प. ब.)) | IS : (भाग 2) - 1976                          | एम ओ 618 दिनांक<br>1959-05-21  | 1980-12-31 |     |
| 165. सी.एम./एल-0013511<br>1959-07-15 | शारदा प्लाईवुड इंडस्ट्रिज<br>प्रा. लि., कलकत्ता-700001                             | "  | एम ओ 1694 दिनांक<br>1959-08-01 | 1981-01-31 |     |
| 166. सी.एम./एल-0014920<br>1959-09-25 | इको प्लाईवुड एंड सा मिल्स इंडस-<br>ट्रिज, मिलिगुड्डा जिला हाजिबिग<br>(प. ब.)       | "  | एम ओ 2202 दिनांक<br>1959-10-10 | 1980-12-31 |     |
| 167. सी.एम./एल-0037629<br>1963-01-16 | सुरमा वेलो सा मिल्स प्रा. लि.,<br>पो आ भांग बाजार, असम                             | "  | एम ओ 1062 दिनांक<br>1962-04-07 | 1981-01-15 |     |
| 168. सी.एम./एल-0049939<br>1963-01-11 | बोले ब्रिस्कट कं. प्रा. लि.,<br>कलकत्ता-700010 (प. ब.)                             | IS : 1011-1968                               | एम ओ 484 दिनांक<br>1963-02-16  | 1981-02-01 |     |
| 169. सी.एम./एल-0065432<br>1964-04-28 | श्री. वेकटेश्वर मिटरम प्रा. लि.,<br>मद्रास - 600021                                | IS : 561-1978                                | एम ओ 1676 दिनांक<br>1964-05-16 | 1981-12-28 |     |
| 170. सी.एम./एल-0085436<br>1981-11-28 | इंटा जूट एंड इंडस्ट्रिज लि.,<br>कलकत्ता - 700071                                   | IS : 2818 (भाग 2)-<br>1971<br>IS : 3700-1971 | एम ओ 79 दिनांक<br>1965-01-03   | 1980-11-30 |     |
| 171. सी.एम./एल-0099354<br>1965-01-29 | राजस्थान ओरिएण्टल एंड वेस्टर्न,<br>निगम, जयपुर परिवस राजस्थान                      | IS : 773-1968                                | एम ओ 667 दिनांक<br>1965-02-27  | 1981-01-01 |     |
| 172. सी.एम./एल-0100509<br>1965-02-08 | मिग इंजं. वर्क्स प्रा. लि.,<br>रानपुर  | IS : 786-1975                                | एम ओ 987 दिनांक<br>1965-03-27  | 1981-02-16 |     |
| 173. सी.एम./एल-0101309<br>1965-02-22 | अरेल साउथ फरदाबाद-<br>121002 (हरियाणा)   | IS : 774-1971                                | "                              | 1981-02-28 |     |
| 174. सी.एम./एल-0122307<br>1966-03-23 | प्रकाश एल्युमिनियम लिमि.,<br>अलवर-300101 (राजस्थान)                                | IS : 1308-1974                               | एम ओ 1263 दिनांक<br>1966-04-23 | 1981-02-15 |     |
| 175. सी.एम./एल-0137229<br>1966-12-26 | इर्विंग रिप्ले स्टोरी एंड एजर्म्स कं.,<br>कलकत्ता-700006                           | IS : 10 (भाग 4)-1976                         | एम ओ 211 दिनांक<br>1967-01-21  | 1980-12-31 |     |
| 176. सी.एम./एल-0144024<br>1967-05-15 | मिगल पोस्टोसाइडिंग, आगरा<br>(उ. प्र.)  | IS : 296-1973                                | एम ओ 2010 दिनांक<br>1967-06-24 | 1981-01-13 |     |
| 177. सी.एम./एल-0162733<br>1968-01-24 | प्रीमियर टिबर एंड प्लाईवुड प्राइ-<br>वेट्स, कलकत्ता-1                              | IS : 10 (भाग 2)-1976                         | एम ओ 684 दिनांक<br>1968-02-24  | 1981-01-31 |     |
| 178. सी.एम./एल-0171531<br>1968-06-12 | अजयगवली इंजं. निगम कं. प्रा. लि.<br>हावड़ा   | IS : 236-1973                                | एम ओ 2577 दिनांक<br>1968-07-20 | 1980-12-15 |     |
| 179. सी.एम./एल-0171633<br>1968-06-12 | "  | IS : 1977-1978                               | "                              | "          |     |
| 180. सी.एम./एल-0173124<br>1968-07-08 | गन इंडस्ट्रिज, बिदानी,<br>कलकत्ता-51   | IS : 10 (भाग 2)-1976                         | एम ओ 3150 दिनांक<br>1968-09-14 | 1981-01-15 |     |
| 181. सी.एम./एल-0188953<br>1969-01-09 | द्विप्ल प्लाईवुड इंडस्ट्रिज प्रा. लि.<br>कलकत्ता-700067                            | IS : 10 (भाग 2)-1976                         | एम ओ 720 दिनांक<br>1969-02-22  |            |     |
| 182. सी.एम./एल-019364<br>1969-09-12  | एड्वंस्ड प्लाईवुड इंडस्ट्रिज प्रा. लि.,<br>कोचीन 687021                            | IS : 10 (भाग 2)-1976                         | एम ओ 1639 दिनांक<br>1969-05-03 | 1980-12-31 |     |

| (1)                                  | (2)  | (3)                           | (4)                              | (5)        | (6) |
|--------------------------------------|--|-------------------------------|----------------------------------|------------|-----|
| 183. सी.एम./एल-0195950<br>1969-04-30 | आनाम टिब्रू टूडिंग बक्से, असम  | IS: 10 (भाग 2)-1978           | एन ओ 2218 दिनांक<br>1969-06-07   | 1991-01-31 |     |
| 184. सी.एम./एल-0200311<br>1969-06-30 | श्री विष्णुरोनिंग मिल्स प्रा. लि.,<br>कलकत्ता-700007                             | IS: 1029-1970                 | एन ओ 3013 दिनांक<br>1969-07-26   | "          |     |
| 185. सी.एम./एल-0202416<br>1969-07-23 | भारतम अल्कलॉ और रसायन लि.<br>निगम कलकत्ता-700016                                 | IS: 4793-1963                 | एन ओ 3535 दिनांक                 | 1990-10-31 |     |
| 186. सी.एम./एल-0203517<br>1969-07-23 | "  | IS: 4786-1969                 | "                                | "          |     |
| 187. सी.एम./एल-0203014<br>1969-07-25 | क्वालिटी आर्टिस्क्रिम कं.<br>नई दिल्ली-110002                                    | IS: 2802-1964                 | "                                | 1991-01-31 |     |
| 188. सी.एम./एल-0207224<br>1969-09-10 | सरबमंगला मैम्पू कं.,<br>कलकत्ता-700002   | IS: 1626-1960                 | एन ओ 4310 दिनांक<br>1969-19-25   | 1981-03-29 |     |
| 189. सी.एम./एल-0208024<br>1969-09-30 | इंडस्ट्रियल मिनरल्स एंड केमिकल्स<br>कं. (प्रा.) लि. बम्बई-400058                 | IS: 562-1978                  | एन ओ 4510 दिनांक<br>1969-10-25   | 1980-10-31 |     |
| 190. सी.एम./एल-0211821<br>1969-10-17 | अल्कलॉ एंड केमिकल कार्पो. आफ<br>इंडिया लि. कलकत्ता-711101                        | IS: 3900-1975                 | एन ओ 4849 दिनांक<br>1969-12-06   | "          |     |
| 191. सी.एम./एल-0218229<br>1969-12-24 | बंगाल इलेक्ट्रिक कं. लॉन्ग,<br>हावड़ा-711101                                     | IS: 3564-1975                 | एन ओ 437 दिनांक<br>1970-01-07    | 1981-03-31 |     |
| 192. सी.एम./एल-0225428<br>1970-02-16 | श्री इंडस्ट्रियल, कानपुर (उ.प्र.),<br>कानपुर-208001                              | IS: 1949 (भाग 1 और 2)<br>1978 | एन ओ 771 दिनांक<br>1970-02-28    | 1980-10-31 |     |
| 193. सी.एम./एल-0243834<br>1970-10-30 | अल्कलॉ एंड केमिकल कार्पो. आफ<br>इंडिया, कलकत्ता-700001                           | IS: 4320-1967                 | एन ओ 581 दिनांक<br>1971-01-30    | "          |     |
| 194. सी.एम./एल-0244230<br>1970-10-30 | बनसन एंडो केमिकल्स एंड एनालिटिकल<br>इंडिया प्रा. लि., कोयम्बटूर<br>(त.प्र.)      | IS: 561-1978                  | "                                | 1941-01-15 |     |
| 195. सी.एम./एल-0273843<br>1971-08-16 | स्काईटोन इलेक्ट्रिकल्स<br>(इंडिया)<br>दिल्ली                                     | IS: 1554 (भाग 1)-1978         | एन. ओ. 503 दिनांक<br>1971-11-06  | 1980-11-30 |     |
| 196. सी.एम./एल-0274239<br>1971-08-18 | भारतीय इस्पात प्राधिकरण<br>लि. कानपुर  | IS: 1786--1979                | एन ओ 5031 दिनांक<br>1971-11-06   | 1980-08-15 |     |
| 197. सी.एम./एल-0277144<br>1971-09-16 | इंडस्ट्रियल मिनरल्स एंड केमि-<br>कल्स कं. प्रा. लि.<br>बम्बई-400058 (महाराष्ट्र) | IS: 3905--1066                | एन ओ 2403 दिनांक<br>1972-09-02   | 1980-10-31 |     |
| 198. सी.एम./एल-0287349<br>1972-01-14 | इंडस्ट्रियल मिनरल्स एंड<br>केमिकल्स कं. प्रा. लि.<br>अंधेरी, बम्बई-400058        | IS: 2864--1973                | एन. ओ. 2777 दिनांक<br>1972-10-97 | "          |     |
| 199. सी.एम./एल-0291239<br>1972-02-16 | चावल इलेक्ट्रिकल्स इंडस्ट्रीज<br>दिल्ली  | IS: 366--1976                 | एन. ओ. 2801 दिनांक<br>1972-10-14 | 1981-01-15 |     |
| 200. सी.एम./एल-0295146<br>1972-09-28 | रेनबो सजिकल ड्रेसिंग मैम्पू. कं.<br>अहमदाबाद-380001                              | IS: 863-1969                  | "                                | "          |     |
| 201. सी.एम./एल-0317231<br>1971-09-28 | धमर डाई लि.<br>कल्याण महाराष्ट्र   | IS: 4334-1967                 | एन ओ. 511 दिनांक<br>1974-02-23   | 1981-01-15 |     |
| 202. सी.एम./एल-0324733<br>1972-12-28 | बुकबोर्ड इंडिया लि.<br>कलकत्ता--700016   | IS: 2791-1972                 | एन ओ 1797 दिनांक<br>1974-07-20   | 1980-12-15 |     |
| 203. सी.एम./एल-0329440<br>1973-01-09 | यूनिवर्सल कंवलस लि.<br>सतना (उ.प्र.)   | IS: 4288-1967                 | एन. ओ. 1798 दिनांक<br>1974-07-20 | 1980-11-30 |     |
| 204. सी.एम./एल-340630<br>1973-05-03  | बोर्डे इंडस्ट्रीज प्रा. लि.<br>बंगलौर  | IS: 1551-1976                 | एन ओ 954 दिनांक<br>1975-03-29    | 1981-02-28 |     |



| 1    | 2                              | 3   | 4                               | 5                                | 6          |
|------|--------------------------------|---|---------------------------------|----------------------------------|------------|
| 205. | सीएम/एल-0347745<br>1973-07-10  | भारत ग्राफ तालमिक ग्लास लि. दुर्गापुर - 713210 (प.ब.)   | IS:4382--1967                   | एम ओ 1233 दिनांक<br>1975-04-19   | 1980-12-31 |
| 206. | सीएम/एल-0354641<br>1973-09-19  | रेनबो मजिकल ट्रेसिंग मैन्स.क. अहमदाबाद                  | IS:758--1975                    | एम. ओ. 1389 दिनांक<br>1975-05-03 | 1981-01-15 |
| 207. | सीएम/एल-0373039<br>1974-02-28  | मदर्स केवल्स एंड इंजीनियरी वर्क्स प्रोप्रीएटिज. (केरल)  | IS:398(भाग 1 और 2)<br>1976      | एम.ओ. 2082 दिनांक<br>1975-07-05  | 1981-02-28 |
| 208. | सीएम/ए-0385652<br>1974-06-21   | ब्रिटिश इलेक्ट्रिक एंड पम्प प्रा. लि. कलकत्ता           | IS:6595-1972                    | एम ओ 4703 दिनांक<br>1975-11-01   | 1980-12-31 |
| 209. | सीएम/एल-0411122<br>1974-12-30  | बुड काफ्ट प्राइवेट लि. जिवा डिब्रूगढ़ (आसाम)            | IS: 1180-1964                   |                                  | 1980-12-15 |
| 210. | सीएम/एल-0416738<br>1975-01-22  | असम टिबर प्राइवेट ममाई साईरिंग, दुम दुमा जिला डिब्रूगढ़ | IS:10(भाग 2) 1976               | एम ओ 2465 दिनांक<br>1976-07-10   | 1981-01-31 |
| 211. | सी एम/एल-0421830<br>1975-02-12 | मेघालय प्लाईवुड लि. खेमी हिल्स (मेघालय)                 | IS:10(भाग 2) 1976               | एम ओ 2473<br>1976-07-10          | 1981-02-15 |
| 212. | सीएम/एल-0421125<br>1975-02-12  | कलकत्ता प्लाईवुड मनु.फै.क. कलकत्ता-700067               | IS:10(भाग 2) -1976              | "                                | "          |
| 213. | सीएम/एल-0425638<br>1975-03-07  | प्लावा केमिकल्स मद्रास 600029(त.ना.)                    | IS:633-1975                     |                                  | 1981-03-15 |
| 214. | सीएम/एल-0475350<br>1975-10-27  | पेस्टिसाईड एंड ब्रैक्स लि. बाणो-400607(महाराष्ट्र)      | IS:633-1975                     | एम ओ 1148 दिनांक<br>1977-04-16   | 1981-02-15 |
| 215. | सीएम/एल-0485757<br>1975-11-28  | लिडर इंजीनियरी वर्क्स. वर्क्स आलंघर - 144004            | IS:778-1971                     | एम ओ 1148 दिनांक<br>1977-04-16   | 1980-12-15 |
| 216. | सीएम/एल-0486860<br>1975-12-04  | मुकेला लेमिनेट्स, कलकत्ता 700002                        | IS:7406-1974                    | एम ओ. 3083 दिनांक<br>1977-10-08  | 1980-11-30 |
| 217. | सीएम/एल-0487051<br>1975-12-04  | टिन्दुस्तान लेमिनेट्स कलकत्ता-700007                    | IS:7406-1974                    | "                                | "          |
| 218. | सीएम/एल-0488258<br>1975-12-12  | महाजन भायरन फाउंड्री आगरा 282002                        | IS:2326--1970 और<br>IS:774-1971 |                                  |            |
| 219. | सीएम/एल-0489462<br>1975-12-12  | उडीसा इंजीनियर्स एंड इंजिनियर्स भुवनेश्वर-6             | IS:1180-1964                    | एम ओ. 1148 दिनांक<br>1977-10-08  | 1980-12-15 |
| 220. | सीएम/एल-0490144<br>1975-12-17  | यूनाइटेड फर्टिलाइजर्स इंडस्ट्रीज, आना (महाराष्ट्र)      | IS:562-1978                     | "                                | 1980-10-31 |
| 221. | सीएम/एल-0490750<br>1975-12-17  | शिवालिक एग्री केमिकल्स जिला रोपड़ (पंजाब)               | IS:5281-1969                    | "                                | 1980-12-15 |
| 222. | सीएम/एल-0493655<br>1976-01-01  | सोनावाला इंडस्ट्रीज लि. बम्बई-400002                    | IS:266-1977                     | एम ओ 1312 दिनांक<br>1977-05-07   | 1980-12-31 |
| 223. | सीएम/एल-0494152<br>1976-01-06  | इस्टर्न वुड प्राइवेट प्रा.लि. जिला लखिमपुर (आसाम)       | IS:10(भाग 2) 1976               | "                                | 1981-01-15 |
| 224. | सीएम/एल-0496358<br>1976-01-15  | सेना इंडस्ट्रियल कार्पोरेट वाडा जयपुर 302012            | IS:2326-1970 और<br>IS:774-1971  | "                                | 1981-01-31 |
| 225. | सीएम/एल-0500727<br>1976-02-19  | मदर्स इंसिस्टेड्स एंड फर्टिलाइजर्स. अंधापुर, मद्रास     | IS 564--1975                    | एम ओ 3441 दिनांक<br>1978-12-02   | 1981-02-15 |
| 226. | सीएम/एल-0504129<br>1976-02-26  | जीवन कृष्ण दे हावडा-711101(प.ब.)                        | IS:780-1969                     | "                                | 1981-02-28 |
| 227. | सीएम/एल-0511025<br>1976-03-31  | रेवीज इंडिया लि. पालघाट - 678001(केरल)                  | IS:561-1978                     | एम. ओ. 12 दिनांक<br>1978-01-06   | 1981-03-15 |

| 1    | 2                             | 3  | 4  | 5                               | 6          |
|------|-------------------------------|--|--|---------------------------------|------------|
| 228. | सीएम/एल-0529317<br>1976-06-14 | उम्मेद ट्रेडर्स, नई दिल्ली-<br>110028                    | IS:417(भाग 1और 2)--<br>1974  | एम ओ 1274दिनांक<br>1979-04-20   | 1980-11-30 |
| 229. | सीएम/एल-0553145<br>1976-09-24 | श्रीराम शूट मिल्स(प्रा.) लि.<br>कलकत्ता 700044           | IS:7406-1974   | एम ओ 3549 दिनांक<br>1979-10-20  | 1981-02-15 |
| 230. | सीएम/एल-0559457<br>1976-10-25 | वैष्णवी केमिकल्स धर्म<br>सज्जकपुरनगर-842001<br>(बिहार)   | IS:4654--1974  | एम ओ 3550दिनांक<br>1979-10-20   | 1981-01-15 |
| 231. | सीएम/एल-0567153<br>1976-11-20 | एम एम सी प्रा लि.<br>बम्बई-4000060                       | IS:7122-1974   | एम ओ 3761--दिनांक<br>1979-11-17 | 1980-12-15 |
| 232. | सीएम/एल-0570950<br>1976-12-10 | मोती इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज<br>प्रा. लि. नई दिल्ली 110015 | IS:398(भाग 1और 2)  | एम ओ 3762 दिनांक<br>1979-11-17  | "          |
| 233. | सीएम/एल-0577257<br>1977-01-07 | हिंदू रबड़ वर्क्स,<br>कलकत्ता 700015                     | IS:2415--1969  | एम ओ 420 दिनांक<br>1980-02-23   | 1981-01-16 |
| 234. | सीएम/एल-0578764<br>1977-01-11 | मानवी सा एंड प्लाईवुड<br>जिला मिर्जापुर(असम)             | IS:10(भाग 2) 1976  | "                               | 1981-01-15 |
| 235. | सीएम/एल-0585761<br>1977-02-03 | अलका इंडस्ट्रीज (पेटम(प्रा. लि.<br>लखनऊ (उ.प्र.)         | IS:427-1965  | एम ओ 731 दिनांक<br>1980-03-22   | 1981-01-31 |
| 236. | सीएम/एल-0586258<br>1977-02-03 | देवीदयाल (सेल्म) प्रा. लि.<br>कलोन-380330                | IS:562-1978  | एमओ 731 दिनांक<br>1980-03-22    | 1981-02-15 |
| 237. | सीएम/एल-0586258<br>1977-02-03 | श्री गणेश स्टील रोलिंग मिल्स<br>भद्रास -600019           | IS:226-1975  | "                               | 1981-01-15 |
| 238. | सीएम/एल-0586864<br>1977-02-03 | सन स्टील इंडस्ट्रीज<br>हावड़ा -711105                    | IS:1977-1975   | "                               | 1981-02-15 |
| 239. | सीएम/एल-0590350<br>1977-02-28 | ए ज्यड इलेक्ट्रिकल कार्पो<br>नई दिल्ली-110020            | IS:4151--1976  | "                               | "          |
| 240. | सीएम/एल-0590855<br>1977-02-28 | क्वार्टर (इंडिया) फुलन अर्ला,<br>आसम                     | IS:10(भाग 1)-1976  | एम ओ 731 दिनांक<br>1980-03-22   | 1981-02-15 |
| 241. | सीएम/एल-0591655<br>1977-02-28 | स्टील आफ्टन<br>पानीपत (हरियाणा)                          | IS:1653-1972   | "                               | 1981-02-28 |
| 242. | सीएम/एल-0592960<br>1977-02-28 | एम एम सी प्राइवेट लिमिटेड,<br>बम्बई-400060               | IS:1307-1973   | "                               | 1980-12-15 |
| 243. | सीएम/एल-0606036<br>1977-04-25 | बी के पेस्टीसाईड्स प्रा लि<br>बम्बई (महाराष्ट्र)         | IS:633-1975  | एम ओ 786 दिनांक<br>1980-03-29   | 1980-11-30 |
| 244. | सीएम/एल-0606743<br>1977-04-29 | अमेरिकन स्प्रिंग एंड प्रेसिंग<br>असम, लि. बम्बई-400064   | IS:2298-1977   | "                               | 1980-12-31 |
| 245. | सीएम/एल-0615643<br>1977-06-10 | देहली प्राय एंड सेंट्रल वर्क्स<br>करोलबाग, देहली-110005  | IS:1660(भाग 1)-1967<br>IS:1660(भाग 1 और 2)-<br>1972<br>IS:1660(भाग 1) 1977 | एम ओ 284 दिनांक<br>1981-01-24   | 1980-12-31 |
| 246. | सीएम/एल-0646351<br>1977-10-10 | फासिका प्रा. लि. गुजरात                                  | IS:4323-1967   | एम ओ 921 दिनांक<br>1981-03-21   | 1980-10-31 |
| 247. | सीएम/एल-0646957<br>1977-10-19 | प्यास टिम्बर प्राइवेट<br>असम                             | IS:10(भाग 2)-1976  | एम ओ 821<br>दिनांक 1981-03-21   | 1981-01-31 |
| 248. | सीएम/एल-0647757<br>1977-10-24 | गोयल स्टील इंडस्ट्रीज<br>जिजुवा हावड़ा                   | IS:1977-1975   | "                               | 1981-02-15 |
| 249. | सीएम/एल-0651748<br>1977-11-02 | ट्रैको इंटरनेशनल<br>आगरा-282006 (उ.प्र.)                 | IS:6750-1977   | एम ओ 1243<br>दिनांक 1981-04-18  | 1980-10-31 |
| 250. | सीएम/एल-0656859<br>1977-12-05 | प्लाईवुड फैब्रिकेट्स<br>असम                              | IS:7406-1974   | एम ओ 1222<br>दिनांक 1981-04-18  | 1980-11-30 |
| 251. | सीएम/एल-0663147<br>1977-12-30 | एशियन इंडस्ट्रियल कार्पो.,<br>कलकत्ता-700001             | IS:507-1970  | "                               | 1980-12-31 |

| 1                                    | 2   | 3                     | 4                               | 5          | 6 |
|--------------------------------------|---|-----------------------|---------------------------------|------------|---|
| 252. सी.एम./एल-0663452<br>1978-01-05 | एशियन इंडस्ट्रियल कार्पो.<br>कलकत्ता-700001   | IS : 1115-1973        | एम.ओ. 1615<br>दिनांक 1981-05-30 | 1981-01-16 |   |
| 253. सी.एम./एल-0664454<br>1978-01-06 | विजय एनरी रिग ट्रेडिंग<br>मैन्युफैक्च. कं. प्रा. लि.<br>कुरिचि,<br>कोयम्बटूर-641021       | IS : 3533-1971        |                                 | 1981-01-15 |   |
| 254. सी.एम./एल-0667258<br>1978-01-16 | एम.बी. सुबर्बा एंड कं.<br>बंगलूर-560044<br>(कर्नाटक)                                      | IS : 6248-1971        | एम.ओ. 1615<br>दिनांक 1981-05-30 |            |   |
| 255. सी.एम./एल-0668866<br>1978-01-24 | मिलुआ स्टील एंड वायर<br>कं. लि. मिलुआ हावड़ा  | IS : 7452-1974        |                                 | 1981-01-31 |   |
| 256. सी.एम./एल-0671852<br>1978-01-27 | एम.एम.पी. प्राइवेट लि.<br>बम्बई-400060  | IS : 632-1978         |                                 | 1980-12-15 |   |
| 257. सी.एम./एल-0673152<br>1978-01-31 | इंटरनेशनल एजेंसी (इंडिया)<br>कलकत्ता-700061   | IS : 4323-1967        |                                 | 1981-02-15 |   |
| 258. सी.एम./एल-0673354<br>1978-01-31 | गोयल स्टील इंडस्ट्रीज<br>मिलुआ हावड़ा   | IS : 220-75           |                                 |            |   |
| 259. सी.एम./एल-0674356<br>1978-02-07 | मोदी स्टील (प्रोप. मोदी<br>मोदी इंडस्ट्रीज लि.)<br>मोदीनगर (उ.प्र.)                       | IS : 1786-1979        | एम.ओ. 1661<br>दिनांक 1981-06-06 |            |   |
| 260. सी.एम./एल-0676158<br>1978-02-14 | वेकाफील्ड इंजीनियरी<br>कम्पनी, कोयम्बटूर-641001   | IS : 203-1972         |                                 |            |   |
| 261. सी.एम./एल-0676380<br>1978-02-14 | कनाटिक स्टेट कोओपरेटिव<br>मार्केटिंग फेडरेशन लि.<br>बंगलूर-560022 (कर्नाटक)               | IS : 2567-1974        |                                 |            |   |
| 262. सी.एम./एल-0683660<br>1978-03-10 | इंड्र. इंटरप्राइजेज,<br>जिला जमपाइगुर्डा,<br>(पं. बंगाल)                                  | IS : 10 (भाग 3)-1971  | एम.ओ. 1664<br>दिनांक 1981-06-06 | 1981-03-15 |   |
| 263. सी.एम./एल-0685058<br>1978-03-14 | टेकनिको इंडिया<br>कलकत्ता-700002  | IS : 2171-1976        |                                 |            |   |
| 264. सी.एम./एल-0697166<br>1978-04-07 | बी.आर. उमन एवं मोहंता<br>प्रा. लि. बम्बई-400001   | IS : 1786-1979        | एम.ओ. 1725<br>दिनांक 1981-06-13 | 1980-09-15 |   |
| 265. सी.एम./एल-0722745<br>1978-09-18 | मरकेन्टैट केमिकल्स<br>बम्बई तार. रस्से का विभाग<br>थाणे-400601 (महाराष्ट्र)               | IS : 4956-1977        | एम.ओ. 2215<br>दिनांक 1981-08-22 | 1980-09-30 |   |
| 266. सी.एम./एल-0724850<br>1978-10-03 | प्लास्टिकपील केमिकल्स<br>एंड प्लास्टिक प्रा. लि.<br>थाणे-400604                           | IS : 958-1975         | एम.ओ. 2218<br>दिनांक 1981-08-22 |            |   |
| 267. सी.एम./एल-0724951<br>1978-10-03 |   | IS : 1674-1980        |                                 |            |   |
| 268. सी.एम./एल-0726854<br>1978-10-05 | केन्द्रीय कीटनापक एवं उर्वरक<br>(प्रोप. केन्द्रियपेंट लि.,<br>अहमदाबाद (गुजरात))          | IS : 1308-1971        |                                 | 1980-10-15 |   |
| 269. सी.एम./एल-0727755<br>1978-10-18 | अमृत स्पॉर्ट्स इंडस्ट्रीज<br>जलंधर-14402 (पंजाब)  | IS : 829-1978         |                                 | 1980-10-31 |   |
| 270. सी.एम./एल-0733851<br>1978-11-13 | क्रिसेंट आयरन एंड स्टील<br>कार्पोरेशन लि. बोरगांव<br>(पूर्व) बम्बई-400063<br>(महाराष्ट्र) | IS : 325-1978         | एम.ओ. 2270<br>दिनांक 1981-08-29 | 1980-11-15 |   |
| 271. सी.एम./एल-0736049<br>1978-11-23 | विहार कंस्ट्रक्शंस,<br>पटना-600013  | IS : 398 (भाग 2)-1976 |                                 | 1980-11-30 |   |

| 1    | 2                              | 3  | 4                          | 5                              | 6          |
|------|--------------------------------|--|----------------------------|--------------------------------|------------|
| 272. | सी एम/एल-0738154<br>1978-11-30 | एन किशोर एसिड एंड<br>केमिकल इंड अमुसमर<br>(पंजाब)                      | IS : 8249-1976             | एस ओ 2270<br>दिनांक 1981-08-29 | 1980-12-15 |
| 273. | सी एम/एल-0738356<br>1978-12-04 | बारकासो प्रा. लि.<br>बम्बई-400063                                      | IS : 2848-1967             | —, —                           | 1980-11-30 |
| 274. | सी एम/एल-0738457<br>1978-12-04 | मुम्बई नैस हबिपमेंटम,<br>बम्बई-400083                                  | IS : 933-1976              | —, —                           | —, —       |
| 275. | सी एम/एल-0741618<br>1978-12-15 | बी एल इंडस्ट्रीज,<br>जयपुर 13 (राजस्थान)                               | IS : 3903-1975             | एस ओ 2276<br>दिनांक 1981-08-29 | 1981-01-01 |
| 276. | सी एम/एल-0742347<br>1978-12-20 | —, —   | IS : 4323-1967             | —, —                           | —, —       |
| 277. | सी एम/एल-0744854<br>1979-01-01 | डायमंड इंजीनियरिंग<br>कार्पोरेशन इंडिया-249667<br>(उ.प्र.)             | IS : 2287-1970             | एस ओ 2277<br>दिनांक 1981-08-29 | 1981-01-15 |
| 278. | सी एम/एल-0744957<br>1979-01-02 | अमबेय लेबोरेटरीज,<br>नई दिल्ली-110041                                  | IS : 1061-1975             | —, —                           | —, —       |
| 279. | सी एम/एल-0745252<br>1979-01-03 | रश्मी ब्रम्हापुरम<br>अंबाभेट्ट-88230 केरल                              | IS : 4654-1974             | एस ओ 2277<br>दिनांक 1981-08-29 | 1981-01-15 |
| 280. | सी एम/एल-074555<br>1979-01-04  | हसहमेटिक इंडस्ट्रीज,<br>दिल्ली 110052                                  | IS : 3906 (भाग 1)-<br>1974 | —, —                           | —, —       |
| 281. | सी एम/एल-0745757<br>1979-01-04 | कृष्णचन्द एंड सन्स,<br>दिल्ली 110061                                   | IS : 863-1969              | —, —                           | —, —       |
| 282. | सी एम/एल-0749664<br>1979-01-23 | बी.रेन सैम्युएलचरिंग कं.<br>(केजलस) प्रा. लि.,<br>दिल्ली-110032        | IS : 694; 1977             | —, —                           | —, —       |
| 283. | सी एम/एल-0750245<br>1979-01-25 | हाइवे सी सी कं.,<br>कोठी (हि.प्र.)                                     | IS : 458-1971              | —, —                           | —, —       |
| 284. | सी एम/एल-0750246<br>1979-01-25 | भिलाई बायर्स लि.,<br>भिलाई 490001<br>(म.प्र.)                          | IS : 3975-1979             | —, —                           | 1981-01-31 |
| 285. | सी एम/एल-0750952<br>1979-02-02 | वेवीदयाल (सेल) प्रा. लि.<br>जिला पंचमहल (गुजरात)                       | IS : 2568-1978             | एस ओ 2310<br>दिनांक 1981-09-05 | 1981-02-15 |
| 286. | सी एम/एल-0751146<br>1979-02-02 | मेनोटेकम त्रिपुरा-638602   | IS : 4965 (भाग 2)-<br>1975 | एस ओ 2310<br>दिनांक 1981-09-05 | —, —       |
| 287. | सी एम/एल-0751247<br>1978-02-02 | किशन इंसेक्टोसाइडस कं.,<br>विजयवाड़ा-520007<br>(आ.प्र.)                | IS : 633-1975              | —, —                           | —, —       |
| 288. | सी एम/एल-0751247<br>1979-02-05 | राठी स्पेट लि.,<br>गजियानाब (उ.प्र.)                                   | IS : 6915-1978             | —, —                           | —, —       |
| 289. | सी एम/एल-0752451<br>1979-02-06 | राणा रबड़ इंडस्ट्रीज<br>महाराष्ट्र-247001<br>(उ.प्र.)                  | IS : 1891 (भाग 1)-1968     | —, —                           | —, —       |
| 290. | सी एम/एल-0752552<br>1979-02-07 | रेडियो इलेक्ट्रिकल्स,<br>दिल्ली 110006                                 | IS : 4230-1967             | —, —                           | —, —       |
| 291. | सी एम/एल-0752754<br>1978-02-07 | मल्टिप्लेक्स एंड<br>इंडस्ट्री प्रा. लि.<br>अहमदाबाद-382330<br>(गुजरात) | IS : 7122-1973             | —, —                           | —, —       |
| 292. | सी एम/एल-0753352<br>1979-02-09 | सा उवन इंसेक्टोसाइडस एंड<br>फर्टिलाइजर्स<br>मद्रास-600098              | IS : 565-1975              | —, —                           | —, —       |

| 1                                    | 2  | 3                          | 4                              | 5          | 6 |
|--------------------------------------|--|----------------------------|--------------------------------|------------|---|
| 293. सी.एम./एन-0754960<br>1979-02-21 | ईस्ट प्रॉडक्ट्स, न्यू बम्बई<br>(महाराष्ट्र)                          | IS : 1212-1973             | एस ओ 2310<br>दिनांक 1981-09-05 | 1981-01-15 |   |
| 294. सी.एम./एन-0757259<br>1979-02-23 | मिनरी इंडस्ट्रीज<br>आगरा-282004<br>(उ.प्र.)                          | IS : 1601-1960             | —, —                           | 1981-02-28 |   |
| 295. सी.एम./एन-0760349<br>1979-03-09 | प्रॉडक्ट्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि. मद्रास-600057                        | IS : 6914-1978             | एस ओ 2585<br>दिनांक 1981-10-03 | 1981-03-15 |   |
| 296. सी.एम./एन-0806145<br>1979-10-16 | भारत सोलर लि.<br>कनका-700027   | IS : 2105-1975             | एस ओ 1771<br>दिनांक 1982-05-15 | 1981-11-01 |   |
| 297. सी.एम./एन-0815651<br>1979-11-21 | गिर्वीन विथीटक फाइनेर्स<br>पुंड लिमिटेड लि.<br>बम्बई-400025          | IS : 1891 (भाग 1)—<br>1068 | एस ओ 1832<br>दिनांक 1982-05-12 | 1980-11-30 |   |
| 298. सी.एम./एन-0816451<br>1979-11-26 | गुड गुड मेकन वर्क्स<br>एन.एल. डाय कोटिंग्स-1                         | IS : 10 (भाग 3)—1974       | —, —<br>एस ओ 2320              | —, —       |   |
| 299. सी.एम./एन-0819760<br>1979-12-10 | बिहार स्टेट डेयरी कर्पो.<br>लि. बरोनी बिना जेएनआई                    | IS : 1165-1975             | दिनांक 1982-07-03              | 1980-12-15 |   |
| 300. सी.एम./एन-0820543<br>1979-12-11 | स्टारटेकस्टाइल प्रो. नि. लि.<br>बम्बई-400001                         | IS : 2510-1976             | —, —                           | —, —       |   |
| 301. सी.एम./एन-0821545<br>1979-12-15 | द गार्डन जनरल मैन्फैक्चरिंग<br>वर्क्स,<br>मथुरा 281001 (उ.प्र.)      | IS : 1975—1974             | एस ओ 2320 दिनांक<br>1982-07-03 | 1980-12-15 |   |
| 302. सी.एम./एन-0823347<br>1979-12-20 | पार्लोयर टिम्बर डिपार्टमेंट प्रा.<br>लि. डिब्रुगढ़ (असम)             | IS : 19 (भाग 2)—1976       | —, —                           | 1980-12-31 |   |
| 303. सी.एम./एन-0823650<br>1979-12-20 | बम्बई पेंट्स एंड एलायड प्रो-<br>डक्ट्स लि. बम्बई-400074              | IS : 524—1966              | —, —                           | —, —       |   |
| 304. सी.एम./एन-0823751<br>1979-12-20 | —, —   | IS : 2932—1974             | एस ओ 2320                      | —, —       |   |
| 305. सी.एम./एन-0824753<br>1979-12-24 | श्री जेएमसी निटिंग वर्क्स,<br>नालुक-534211                           | IS : 4964 (भाग 2)-1975     | —, —                           | —, —       |   |
| 306. सी.एम./एन-826252<br>1979-12-27  | कासा इंडस्ट्रीज,<br>गुडियाल-141003 (पंजाब)                           | IS : 5487—1969             | —, —                           | —, —       |   |
| 307. सी.एम./एन-0826454<br>1979-12-27 | हवाईट टूटर्स,<br>मथुरा-625001 (गमिलगढ़)                              | IS : 4956—1977             | —, —                           | —, —       |   |
| 308. सी.एम./एन-0830445<br>1980-01-11 | सेबोका एल्यूमिनियम इंडस्ट्रीज प्रा. लि.<br>जिना जयपुर इण्डो, (पं.ब.) | IS : 10 (भाग 2)—1976       | एस ओ 3104<br>1982-09-04        | 1981-01-15 |   |
| 309. सी.एम./एन-080647<br>1980-01-11  | प्लॉड फर्निशिंग कं.,<br>कैरल-688001                                  | IS : 10 (भाग 3)—1974       | —, —                           | —, —       |   |
| 310. सी.एम./एन-0831144<br>1980-01-15 | पेंड एंड कं. (रजि.) प्रा. लि.<br>कनका-700025                         | IS : 2148—1968             | —, —                           | —, —       |   |
| 311. सी.एम./एन-0832449<br>1980-01-16 | गदरमन मोएडा कम्प्लेक्स जिना<br>राजिवाबाद                             | IS : 1554 (भाग 1)-1976     | —, —                           | 1981-01-31 |   |
| 312. सी.एम./एन-0832550<br>1980-01-18 | —, —   | IS : 694—1977              | —, —                           | —, —       |   |
| 313. सी.एम./एन-0834049<br>1980-01-25 | नेवाजी इंडस्ट्रियल वर्क्स,<br>जिना बांक्रुग प. ब.                    | IS : 226—1975              | —, —                           | 1981-02-15 |   |
| 314. सी.एम./एन-0834251<br>1980-01-25 | पंजाब आइरन एंड स्टील कं.<br>(प्रा) लि. जलंधर कोट-144024              | IS : 6914—1978             | —, —                           | 1981-01-31 |   |

| (1)  | (2)                            | (3)   | (4)             | (5)                            | (6)        |
|------|--------------------------------|---|-----------------|--------------------------------|------------|
| 315. | सी एम/एल-0836255<br>1980-01-31 | ईस्टर्न इंडिया कमर्शियल कं.<br>प्रा. लि. एमूह, गोंदवरी जिला<br>(प्रा. प्र.) | IS : 2566--1965 | एस ओ 3104 दिनांक<br>1982-09-04 | 1981-02-15 |
| 316. | सी एम/एल-0838259<br>1980-02-20 | टेक्निकल के कलकत्ता-700002  | IS : 940--1976  | एस ओ 3445 दिनांक<br>1982-10-02 | 1981-02-28 |
| 317. | सी एम/एल-0839766<br>1980-02-21 | दक्षिण भारतीय इस्पात एवं<br>स्टील उद्योग सेवम-636002                        | IS : 1977--1975 | —, —                           | 1981-02-28 |
| 318. | सी एम/एल-0842957<br>1980-02-29 | सेबुरी एलुमिनियम मेन्य केबल-<br>रिम कं. (प्रा) लि. जिला<br>24 पारगना        | IS : 617--1975  | —, —                           | 1981-03-15 |
| 319. | सी एम/एल-0844860<br>1980-02-29 | बी एल इंडस्ट्रीज,<br>जयपुर-302013 (राजस्थान)                                | IS : 1307--1973 | —, —                           | —, —       |
| 320. | सी एम/एल-0852354<br>1980-03-27 | डालटा जूट एंड इंडस्ट्रीज लि.,<br>कलकत्ता-700071                             | IS : 1943--1964 | एस ओ 4452 दिनांक<br>1983-12-10 | 1980-11-30 |

[सं सी एम ओ /13:14]

बी. एन. मिह, अपर महाविदेशक

S. O. 1153.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in Column 6 :

## SCHEDULE

| Sl. No. | Licence No. (CM/L—)        | Licensee  | IS : No.                           | S.O. No. & Date of the Gazette Notifying Grant of Licence | Remarks  |
|---------|----------------------------|---|------------------------------------|---|--|
| (1)     | (2)                        | (3)   | (4)                                | (5)   | (6)  |
| 1.      | CM/L—0022414<br>1960-09-16 | The Swaraj Plywood Works,<br>Kottayam-686001 (Kerala)   | IS : 10(Pt-II)—1976                | S. O. 2495 dated<br>1960-10-15                            | Lapsed after 1981-02-28  |
| 2.      | CM/L—0061323<br>1963-12-31 | The National Rolling & Steel<br>Ropes Ltd., 24 Parganas<br>(West Bengal)  | IS : 1856—1977 &<br>IS : 1856—1977 | S.O. 214 dated<br>1964-01-18                              | Renewal was deferred after<br>1979-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 3.      | CM/L—0074736<br>1964-07-28 | Radio & Electrical Mfg Co.<br>Ltd, Bangalore-560026<br>(Karnataka).   | IS : 779—1968                      | S.O. 3487 dated<br>1964-01-03                             | Lapsed after 1981-02-15  |
| 4.      | CM/L-0110007<br>1965-06-16 | The Indian Cable Company<br>Ltd., Jamshedpur-3.   | IS : 1596—1977                     | S.O. 2403 dated<br>1965-07-31                             | Lapsed after 1980-12-31  |
| 5.      | CM/L-0128430<br>1966-06-27 | National Rolling & Steel<br>Ropes Ltd, 24 Parganas<br>(W. Bengal)   | IS : 2266—1977                     | S.O. 2248 dated<br>1966-07-30                             | Renewal was deferred after<br>1979-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 6.      | CM/L-0157538<br>1967-11-27 | J. L. Banerjee & Sons,<br>Calcutta-700005   | IS : 10(Pt IV)—1976                | S.O. 4568 dated<br>1967-12-23                             | Renewal was deferred after<br>1979-12-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 7.      | CM/L-0168846<br>1968-04-30 | T.R. Industries,<br>Coimbatore-641008(T.N.)   | IS : 325—1978                      | S.O. 2127 dated<br>1968-06-15                             | Renewal was deferred after<br>1976-11-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 8.      | CM/L-0202214<br>1969-07-23 | Gupta Engineering Works,<br>Kapurthala (Punjab)   | IS : 2347—1974                     | S.O. 3585 dated<br>1969-09-06                             | Renewal was deferred after<br>1978-01-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 9.      | CM/L-0204117<br>1969-07-31 | Stoneware Pipe Factory (A<br>Unit Tamil Nadu Ceramics<br>Ltd) Vriddhachalam-606001,<br>South Arcot Distt (Tamil Nadu) | IS : 651—1971                      | -do-  | Renewal was deferred after<br>1979-08-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |

| (1)                            | (2)  | (3)  | (4)                           | (5)  | (6) |
|--------------------------------|--|--|-------------------------------|--|-----|
| 10. CM/L-0204622<br>1969-03-28 | Hulkoti Cooperative Cattle<br>Feed Processing Society Ltd.,<br>Hulkoti Taluka Gandang,<br>District Dharwar (Karnataka) | IS : 2052—1979   | S.O. 3930 dated<br>1969-09-27 | Renewal was deferred after<br>1979-02-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 11. CM/L-0210920<br>1969-10-15 | Khandesh Pesticides Pvt Ltd.,<br>Dharangaon, Distt. Jalgaon<br>(W. Rly)  | IS : 561—1978  | S.O. 4849 dated<br>1969-12-06 | Lapsed after 1981-01-15  |     |
| 12. CM/L-0221622<br>1970-01-22 | Gurudev Industries Pvt Ltd.,<br>Calcutta-700001  | IS : 10(Pt-IV)—1976  | S.O. 771 dated<br>1970-02-28  | Lapsed after 1980-01-31  |     |
| 13. CM/L-0243935<br>1970-10-30 | Khandish Pesticides Pvt Ltd,<br>Dharangaon, Distt. Jalgaon<br>(W. Rly)   | IS : 564—1975  | S.O. 561 dated<br>1971-01-30  | Lapsed after 1981-01-15  |     |
| 14. CM/L-0244129<br>1970-10-30 | -do-   | IS : 633—1975  | -do-                          | -do-   |     |
| 15. CM/L-0248440<br>1970-12-23 | -do-   | IS : 2567—1978   | S.O. 2014 dated<br>1971-05-22 | -do-   |     |
| 16. CM/L-0249846<br>1971-01-04 | Audithiya Mineral Traders,<br>Condapuram-522803, R.S.<br>Cuddapah  | IS : 561—1978  | S.O. 5023 dated<br>1971-11-06 | -do-   |     |
| 17. CM/L-0261028<br>1971-03-29 | Aluminium & Alloys<br>Industries, Calcutta-700055<br>(W.B.)  | IS : 1660(Pt-I)—1967; S.O. 2405 dated<br>IS : 1660 (Pts. II &<br>III)—1972;<br>IS : 1660 (Pt IV)—<br>—1977 | 1971-06-17                    | Renewal was deferred after<br>1980-03-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 18. CM/L-0272033<br>1971-07-28 | Udaipur Distillery Co Pvt.Ltd.,<br>Udaipur-313001 (Rajasthan)  | IS : 3811—1976   | S.O. 3780 dated<br>1971-10-16 | Lapsed after 1981-01-15  |     |
| 19. CM/L-0276546<br>1971-09-13 | Chemicals & Plastics India<br>Ltd., Mettur Dam-3,<br>Salem Distt. (Tamil Nadu)   | IS : 2509—1973   | S.O. 2403 dated<br>1972-09-02 | Renewal was deferred after<br>1980-09-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 20. CM/L-0277851<br>1971-10-06 | Prakash Saw Mills,<br>Irinjalakuda-680683,<br>Distt. Trichur (Kerala)  | IS : 10 (Pt III)—1974  | S.O. 1625 dated<br>1972-07-08 | Renewal was deferred after<br>1980-03-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 21. CM/L-0282642<br>1971-12-03 | Goa Pesticides Pvt Ltd.,<br>Fatorda, Nargao, Goa   | IS : 2567—1978   | S.O. 2769 dated<br>1972-01-07 | Renewal was deferred after<br>1980-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 22. CM/L-0282844<br>1971-12-03 | Keerthi & Company,<br>Bangalore-560002   | IS : 264—1976  | -do-                          | Lapsed after 1980-12-15  |     |
| 23. CM/L-0282945<br>1971-12-03 | -do-   | IS : 265—1976  | -do-                          | Lapsed after 1980-12-15  |     |
| 24. CM/L-0283038<br>1971-12-03 | -do-   | IS : 266—1977  | -do-                          | -do-   |     |
| 25. CM/L-0305931<br>1972-05-09 | Goa Pesticides Pvt Ltd.,<br>Goa-403008   | IS : 562—1978  | S.O. 3308 dated<br>1972-10-21 | Renewal was deferred after<br>1978-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 26. CM/L-0329036<br>1973-01-08 | Rashtriya Engg. Works<br>(Regd.), Batala (Punjab)  | IS : 1230—1968   | S.O. 1798 dated<br>1974-07-20 | Renewal was deferred after<br>1978-01-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 27. CM/L-0331831<br>1973-01-31 | Hindi Trading & Mfg Co.,<br>New Delhi-110020   | IS : 781—1977  | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 28. CM/L-0376651<br>1974-03-29 | Rallis India Ltd., (Fertiliser<br>& Pesticides Division),<br>Bombay-400080   | IS : 564—1975  | S.O. 2554 dated<br>1975-08-09 | Lapsed after 1981-03-31  |     |
| 29. CM/L-0376853<br>1974-03-29 | -do-   | IS : 632—1978  | -do-                          | -do-   |     |
| 30. CM/L-0392649<br>1974-08-19 | Kraps International,<br>New Delhi-110014   | IS : 4151—1976   | S.O. 686 dated<br>1976-02-14  | Renewal was deferred after<br>1977-08-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |

| (1) | (2)                         | (3)  | (4)                       | (5)                           | (6)  |
|-----|-----------------------------|--|---------------------------|-------------------------------|--|
| 31. | CM/L-0412427<br>1975-01-08  | Devidayal 'Sales' Pvt Ltd.,<br>Bombay-400010   | IS : 4322—1967            | S.O. 2465 dated<br>1976-07-10 | Lapsed after 1980-06-15  |
| 32. | CM/L-0412730<br>1975-01-10  | -do-   | IS : 7122—1973            | -do-                          | -do-   |
| 33. | CM/L-0415938<br>1975-01-22  | Vallabh Pesticides Mfg Co.,<br>Vallabh Vidyanagar,<br>Anand, Distt. Kaira (Gujarat)      | IS : 7122—1973            | -do-                          | Lapsed after 1980-10-31  |
| 34. | CM/L-0439144<br>1975-05-23  | Khandesh Pesticides Pvt Ltd,<br>Dharangaon, Distt Jalgaon                                | IS : 565—1975             | S.O. 3623 dated<br>1976-10-16 | Lapsed after 1981-01-15  |
| 35. | CM/L-0443842<br>1975-01-16  | United Pulverisers,<br>Agra-282007 (U.P.)  | IS : 632—1978             | S.O. 3073 dated<br>1975-09-13 | Lapsed after 1980-12-31  |
| 36. | CM/L-0446242<br>1975-06-30  | Punjab General Manufactu-<br>ring Works, Mathura (U.P.)                                  | IS : 1703—1977            | -do-                          | -do-   |
| 37. | CM/L-0446343<br>1975-06-30  | The Punjab General Manu-<br>facturing Works, Mathura<br>(U.P.)                           | IS : 781—1977             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-10-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 38. | CM/L-0451841<br>1975-07-28  | Krishi Chemico, Patna<br>(Bihar)   | IS : 2567—1978            | S.O. 3914 dated<br>1976-10-30 | Renewal was deferred after<br>1980-09-30; the licence now<br>lapsed after that date        |
| 39. | CM/L-0455849<br>1975-08-11  | Khandesh Pesticides Pvt Ltd.,<br>Dharangaon, Distt Jalgaon<br>(Maharashtra)              | IS : 1307—1973            | S.O. 428 dated<br>1977-02-05  | Lapsed after 1981-01-15  |
| 40. | CM/L-0460135<br>1975-08-29  | Champdany Jute Co Ltd.,<br>Calcutta-700001   | IS : 3984—1967            | -do-                          | Lapsed after 1980-08-31  |
| 41. | CM/L-0461238<br>1975-09-12  | Devidayal (Sales) Pvt Ltd.,<br>Bombay-400010<br>(Maharashtra)                            | IS : 2865—1978            | S.O. 832 dated<br>1977-03-19  | Lapsed after 1980-06-15  |
| 42. | CM/L-0467149<br>1975-09-29  | The Indian Steel Rolling<br>Mills Ltd., Nagapattinam-<br>611011                          | IS : 398 (Pt-II)—<br>1976 | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 43. | CM/L-0471948<br>1975-10-15  | Star Steel Pvt Ltd, P.O.<br>Maneja-391710, Baroda Distt.                                 | IS : 8057—1976            | S.O. 1148 dated<br>1977-04-16 | Renewal was deferred after<br>1979-11-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 44. | CM/L-0472041<br>1975-10-15  | -do-   | IS : 8054—1976            | -do-                          | -do-   |
| 45. | CM/L-0472142<br>1975-10-15  | -do-   | IS : 8053—1976            | -do-                          | -do-   |
| 46. | CM/L-0478255<br>1975-10-31  | Farmers Pesticides,<br>Yarraguntla (R.S.)<br>Praddatur-516360,<br>Distt. Cuddapah (A.P.) | IS : 561—1978             | S.O. 1148 dated<br>1977-04-16 | Renewal was deferred after<br>1980-10-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 47. | CM/L-0484351<br>1975-11-26  | Singh Alloys & Steel Ltd.,<br>Calcutta-700054  | SIS : 6915—1978           | S.O. 1147 dated<br>1977-04-16 | Lapsed after 1981-01-15  |
| 48. | CM/L-0486961<br>1975-12-04  | Bharat Laminating Corpn.,<br>Calcutta-700001   | IS : 7406—1974            | S.O. 3083 dated<br>1977-10-08 | Renewal was deferred after<br>1980-01-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 49. | CM/L-0487357<br>2-1975-1204 | Kant Lamination &<br>Agencies, Howrah  | IS : 7406—1974            | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1979-11-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 50. | CM/L-0491045<br>1975-12-19  | Vijaya Pulverisera,<br>Pedakakani, Guntur Distt.<br>(A.P.)                               | IS : 7121—1973            | -do-                          | Lapsed after 1980-12-31  |
| 51. | CM/L-0497663<br>1976-01-28  | The India Jute Co Ltd.,<br>Serampore, Distt. Hooghly<br>(W.B.)                           | IS : 7407—1974            | S.O. 1312 dated<br>1977-05-07 | Renewal was deferred after<br>1980-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 52. | CM/L-0507438<br>1976-03-11  | The Fertilizer Corpn. of<br>India Ltd., Suratgarh<br>(Rajasthan)                         | IS : 6046—1971            | S.O. 12 dated<br>1979-01-06   | Renewal was deferred after<br>1977-03-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 53. | CM/L-0507741<br>1976-03-18  | Devidayal (Sales) Pvt Ltd.,<br>Bombay-400010   | IS : 5281—1969            | -do-                          | Lapsed after 1980-06-15  |
| 54. | CM/L-0508541<br>1976-03-18  | -do-   | IS : 1307—1973            | -do-                          | -do-   |



| (1) | (2)                        | (3)  | (4)                        | (5)                           | (6)  |
|-----|----------------------------|--|----------------------------|-------------------------------|--|
| 55. | CM/L-0514738<br>1976-04-26 | Farmers Pesticides, Assisted<br>Pvt Industrial Estate,<br>Yarraguntla (RS) Proddatur-<br>516360, Cuddapah Distt (A.P.) | IS : 562—1978              | S.O. 314 dated<br>1979-01-27  | Renewal was deferred after<br>1978-04-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 56. | CM/L-0518140<br>1976-05-07 | Batala Motor Stores,<br>Batala-143505 (Punjab)   | IS : 774—1971              | S.O. 954 dated<br>1979-03-17  | Lapsed after 1980-10-15  |
| 57. | CM/L-0518746<br>1976-05-07 | The Fertilizer Corporation<br>of India Ltd.,<br>Malkapur,<br>Distt Sriganga Nagar,<br>P.O. Rawatsar (Rajasthan)        | IS : 6046—1971             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1977-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 58. | CM/L-0518847<br>1976-05-07 | The Fertilizer Corporation of<br>India Ltd.,<br>Hanumangarh<br>Distt Sriganga Nagar,<br>(Rajasthan)                    | IS : 6046—1971             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1977-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 59. | CM/L-0519647<br>1976-05-10 | Lachman Wire Industries Ltd.,<br>Patna-800011  | IS : 280—1978              | -do-                          | -do-   |
| 60. | CM/L-052129<br>1976-05-14  | Krishi Chemico,<br>Patna-800008  | IS : 561—1978              | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 61. | CM/L-0521634<br>1976-05-14 | Asian Colour Co,<br>Ahmedabad-380001   | IS : 5346—1975             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 62. | CM/L-0525036<br>1976-05-28 | The Fertilizer Corporation<br>of India Ltd.,<br>Hanumangarh Junction,<br>Distt. Sriganga Nagar,<br>(Rajasthan)         | IS : 6046—1971             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1977-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 63. | CM/L-0525339<br>1976-05-28 | Domestic Appliances,<br>Gwalior-474002 (H.P.)  | IS : 2347—1974             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-12-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 64. | CM/L-0530231<br>1976-06-05 | Star Steel Pvt. Ltd.<br>Maneja P.O. Baroda Distt.  | IS : 1875—1978             | S.O. 1274 dated<br>1979-04-12 | Renewal was deferred after<br>1979-11-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 65. | CM/L-0531536<br>1976-06-28 | Hanuman Bags & Containers<br>Ltd., Calcutta  | IS : 7406—1974             | -do-                          | Lapsed after 1980-12-31  |
| 66. | CM/L-0531738<br>1976-06-28 | Lachman Wire Industries Ltd,<br>Patna-800001 (Bihar)   | IS : 2141—1968             | S.O. 1274 dated<br>1979-04-12 | Renewal was deferred after<br>1977-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 67. | CM/L-0539956<br>1976-08-02 | -do-   | IS : 278—1978              | S.O. 3548 dated<br>1979-10-20 | Renewal was deferred after<br>1977-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 68. | CM/L-0540436<br>1976-08-02 | New Industrial Chemicals<br>Pvt. Ltd., Calcutta-700061   | IS : 1488—1969             | -do-                          | -do-   |
| 69. | CM/L-0544242<br>1976-08-20 | Mahabir Jute Mills Ltd.,<br>(Laminated Plant),<br>Sahjanwa, Gorakhpur  | IS : 7406—1974             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-08-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 70. | CM/L-0544444<br>1976-08-20 | Banerjee Industries,<br>Calcutta-700040  | IS : 10 / Pt (IV)—<br>1976 | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1979-08-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 71. | CM/L-0555045<br>1976-01-04 | Farmers Pesticides,<br>Proddatur (Post)-516360(AP)   | IS : 564—1975              | S.O. 3550 dated<br>1979-10-20 | Renewal was deferred after<br>1978-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 72. | CM/L-0555247<br>1976-10-04 | B.L. Industries,<br>Jaipur-302013  | IS : 561—1978              | -do-                          | Lapsed after 1981-03-15  |
| 73. | CM/L-0558859<br>1976-10-25 | Mechmo Techno (Sales)<br>Pvt. Ltd. Calcutta-700024   | IS : 280—1978              | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1979-10-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 74. | CM/L-0564147<br>1976-11-17 | National Co. Ltd.,<br>Rajgunge P.O., Sankrail,<br>Howrah   | IS : 7407—1974             | S.O. 3761 dated<br>1979-11-17 | Lapsed after 1980-11-30  |

| (1)                              | (2)  | (3)                           | (4)                           | (5)  | (6) |
|----------------------------------|--|-------------------------------|-------------------------------|--|-----|
| 75. CM/L-0565654<br>1976-11-18   | Rallis India Ltd.,<br>Howrah-711106 (West Bengal)                                    | IS : 1506-1977                | S.O. 3761 dated<br>1979-11-17 | Lapsed after 1980-11-30  |     |
| 76. CM/L-0567961<br>1976-12-03   | Shri Uma Steel Co.,<br>Calcutta-6  | IS : 10(Pt IV)-1976           | S.O. 3762 dated<br>1979-11-17 | Renewal was deferred after<br>1979-11-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 77. CM/L-0580650<br>1977-01-12   | Amet Pack Enterprises,<br>Thane-400601 (Maharashtra)                                 | IS : 1507-1977                | S.O. 420 dated<br>1980-02-22  | Lapsed after 1981-01-15  |     |
| 78. CM/L-0586460<br>1977-02-03   | Sree Aravindh Steel Pvt. Ltd.,<br>Tiruchirapalli-6200015                             | IS : 6914-1978                | S.O. 731 dated<br>1980-03-22  | -do-   |     |
| 79. CM/L-0588464<br>1977-02-08   | Rathi Alloys & Steel Ltd.,<br>Ghaziabad.   | IS : 1977-1975                | -do-                          | Lapsed after 1981-04-15  |     |
| 80. CM/L-0589971<br>1977-02-28   | Bajrangbali Iron & Steel<br>Co. Ltd., Madras-600019                                  | IS : 226-1975                 | -do-                          | Lapsed after 1981-01-15  |     |
| 81. CM/L-0592657<br>1977-02-28   | Kalsi Gas Appliances Co.,<br>Pvt. Ltd., Lucknow-226001<br>(Uttar Pradesh))           | IS : 4246-1978                | -do-                          | Lapsed after 1981-01-31  |     |
| 82. CM/L-0594863<br>1977-03-21   | Reed Camb & Allied Products<br>(P) Ltd., Calcutta-700056                             | IS : 1938-1974                | S.O. 787 dated<br>1980-03-29  | Renewal was deferred after<br>1980-03-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 83. CM/L-0595461<br>1977-03-21   | Bharat Pulverising Mills<br>Pvt. Ltd.,<br>Madras-600019                              | IS : 7946-1976                | -do-                          | Lapsed after 1981-02-28  |     |
| 84. CM/L-0595865<br>1977-03-21   | Ajanata Steel Pvt. Ltd.,<br>Howrah-711108 (W. Bengal)                                | IS : 1341-1976                | -do-                          | Lapsed after after 1981-03-15  |     |
| 85. CM/L-0609648<br>1977-05-13   | Farmers Pesticides,<br>Proddatur-516360  | IS : 565-1975                 | S.O. 283 dated<br>1981-06-24  | Renewal was deferred after<br>1979-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 86. CM/L-0610936<br>1977-05-23   | Steelrolling Mills of<br>Hindustan Pvt. Ltd.,<br>Calcutta-700027 (W.B.)              | IS : 7270-1974                | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 87. CM/L-0611029<br>1977-05-23   | -do-   | IS : 7271-1974                | -do-                          | -do-   |     |
| 88. CM/L-0611231<br>1977-05-23   | Pama Footcare Industries,<br>Kanpur-208001 (U.P.)                                    | IS : 1989 (Pt I&II)-<br>1978  | -do-                          | Lapsed after 1980-12-31  |     |
| 89. CM/L-0613134<br>1977-05-27   | Carona Sahu Company Ltd.,<br>Bombay-400060   | IS : 3976-1975                | S.O. 283 dated<br>1981-01-24  | Renewal was deferred after<br>1978-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 90. CML-0618245<br>1977-06-17    | Partap Steel Rolling Mills<br>Pvt. Ltd., Patancheru,<br>Medak Distt (A.P.)           | IS : 1875-1978                | S.O. 284 dated<br>1981-01-24  | Renewal was deferred after<br>1980-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 91. CM/L-0624846<br>1977-07-13   | Gemini Distilleries Pvt. Ltd.,<br>Dasarhalli-562139, Bangalore<br>Distt. (Karnataka) | IS : 3811-1976                | S.O. 754 dated<br>1981-03-07  | Renewal was deferred after<br>1980-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 92. CM/L-0627448 )<br>1977-07-25 | Amet Pack Enterprises,<br>Thane  | IS : 8028-1976                | -do-                          | Lapsed after 1981-01-15  |     |
| 93. CM/L-0628652<br>1977-07-26   | Kwality Footwear,<br>Jamshedpur-831001   | IS : 1989 (Pt I & II)<br>1978 | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 94. CM/L-0629553<br>1977-07-28   | Minequip & Company,<br>Calcutta-700015 (W.B.)  | IS : 3976-1975                | -do-                          | -do-   |     |
| 95. CM/L-0637552<br>1977-08-26   | Krishna Foundry,<br>Madurai-625011   | IS : 210-1978                 | S.O. 755 dated<br>1981-03-07  | Renewal was deferred after<br>1980-08-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 96. CM/L-0637754<br>1977-08-29   | R.D. Verma & Co. Pvt. Ltd.,<br>Ghaziabad (U.P.)                                      | IS : 780-1969                 | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1979-08-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 97. CM/L-0639354<br>1977-09-07   | Utkal Pesticides & Chemicals<br>Jagannath,<br>Distt Ganjam (Orissa)                  | IS : 564-1975                 | S.O. 920 dated<br>1981-03-21  | Renewal was deferred after<br>1978-09-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 98. CM/L-0641644<br>1977-09-21   | Bengal Metal Industries,<br>Howrah-711101 (W.B.)                                     | IS : 1786-1979                | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |

| 1    | 2                          | 3   | 4                          | 5                             | 6  |
|------|----------------------------|---|----------------------------|-------------------------------|--|
| 99.  | CM/L-0646149<br>1977-01-19 | Marson (India) Industries,<br>Bombay  | IS : 5346-1975             | S.O. 921 dated<br>1981-03-21  | Renewal was deferred after<br>1978-10-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 100. | CM/L-0648153<br>1977-01-26 | Vikram Valves & General<br>Industries,<br>Raikot-360003 (Gujarat)                     | IS : 810-1974              | -do-                          | Lapsed after 1980-10-31  |
| 101. | CM/L-0650241<br>1977-10-31 | Delta Jute & Industries Ltd.,<br>Sankrail (Distt. Howrah)                             | IS : 7407-1974             | S.O. 921 dated<br>1981-03-21  | Lapsed after 1980-10-31  |
| 102. | CM/L-0651849<br>1977-11-02 | Satna Re-rolling & Foundry<br>Mills, Satna  | IS : 774-1971              | S.O. 1223 dated<br>1981-04-18 | Lapsed after 1980-10-31  |
| 103. | CM/L-0657356<br>1977-12-09 | Nawari Trading Corpn.,<br>Calcutta-7  | IS : 10 (Pt-IV)-<br>1976   | S.O. 1222 dated<br>1981-04-18 | Renewal was deferred after<br>1979-12-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 104. | CM/L-0658560<br>1977-12-20 | Sarang Products,<br>Muzaffarnagar-251001  | IS : 2994-1965             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-12-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 105. | CM/L-0659966<br>1977-12-20 | Bengal Metal Industries,<br>Lilluah, Howrah   | IS : 226-1975              | -do-                          | Lapsed after 1980-12-31  |
| 106. | CM/L-0661448<br>1977-12-22 | Anchor Industries,<br>Bombay  | IS : 1293-1967             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-12-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 107. | CM/L-066513<br>1978-01-10  | Rallis India Ltd.,<br>Fertilizer & Pesticides Division,<br>Madras-600058              | IS : 1506-1977             | S.O. 1615 dated<br>1981-05-30 | Lapsed after 1981-01-15  |
| 108. | CM/L-670651<br>1978-01-27  | Fresco Knitwears,<br>Tirupur-638604   | IS : 4964 (Pt-II)-<br>1975 | -do-                          | Lapsed after 1981-01-31  |
| 109. | CM/L-0673155<br>1978-01-31 | Bharat Industrial Corpn.,<br>Guwahati-781014 (Assam)                                  | IS : 4654-1974             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-01-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 110. | CM/L-0674154<br>1978-02-07 | Nagpal Electric & Radio Co.,<br>New Delhi   | IS : 2994-1965             | S.O. 1661 dated<br>1981-06-06 | Renewal was deferred after<br>1980-02-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 111. | CM/L-0677160<br>1978-02-17 | Jai Chemicals,<br>Faridabad (Haryana)   | IS : 2568-1978             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-02-29; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 112. | CM/L-0685462<br>1978-03-15 | Brushwell & Company,<br>Calcutta-700025 (W.B.)  | IS : 384-1971              | S.O. 1664 dated<br>1981-06-06 | Renewal was deferred after<br>1979-03-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 113. | CM/L-0688771<br>1978-03-27 | Andhra Pradesh Steels Ltd.,<br>Palonechra-507115 (A.P.)                               | IS : 1875-1978             | S.O. 1664 dated<br>1981-06-06 | Renewal was deferred after<br>1980-03-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 114. | CM/L-0690354<br>1978-03-29 | Muzaffarnagar Steels Ltd.,<br>Muzaffarnagar   | IS : 6914-1978             | -do-                          | Lapsed after 1981-03-31  |
| 115. | CM/L-0690455<br>1978-03-29 | -do-  | IS : 6915-1978             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-03-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 116. | CM/L-0690555<br>1978-03-30 | Nahalaxmi Steels & Wires,<br>Panipat  | IS : 280-1978              | -do-                          | -do-   |
| 117. | CM/L-0698370<br>1978-04-26 | Agarwal Steel Complex Ltd.,<br>Srinapore, Distt. Hooghly                              | IS : 6914-1978             | S.O. 1725 dated<br>1981-06-13 | Renewal was deferred after<br>1980-04-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 118. | CM/L-0698471<br>1978-04-26 | -do-  | IS : 6915-1978             | -do-                          | -do-   |
| 119. | CM/L-0704036<br>1978-06-19 | National Carbon Company,<br>Division of Union Carbide<br>India Ltd.,<br>Madras-600019 | IS : 2576-1975             | S.O. 2002 dated<br>1981-07-25 | Renewal was deferred after<br>1980-06-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |
| 120. | CM/L-0708852<br>1978-06-30 | National Company Ltd.,<br>Raiganga,<br>P.O. Sankral,<br>Distt. Howrah                 | IS : 2580-1965             | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |

| 1                               | 2   | 3                        | 4                             | 5  | 6 |
|---------------------------------|---|--------------------------|-------------------------------|--|---|
| 121. CM/L-0711033<br>1978-07-14 | Hind Trading & Mfg. Co.,<br>New Delhi-110020  | IS : 2692-1978           | S.O. 2176 dated<br>1981-08-15 | Renewal was deferred after<br>1979-07-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 122. CM/L-0710337<br>1978-09-11 | Gem Paints, Amritsar<br>(Punjab)  | IS : 416-1967            | S.O. 2215 dated<br>1981-08-22 | Lapsed after 1980-09-15  |   |
| 123. CM/L-0725448<br>1978-10-03 | National Engg. Co. Ltd.,<br>Madras  | IS : 226-1975            | S.O. 2218 dated<br>1981-08-22 | Renewal was deferred after<br>1980-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 124. CM/L-0740848<br>1978-12-13 | Hind Trading & Mfg. Co.,<br>New Delhi-110020  | IS : 1795-1974           | S.O. 2276 dated<br>1981-08-29 | Lapsed after 1980-12-15  |   |
| 125. CM/L-0748056<br>1979-01-17 | Modi Paint & Varnish Works,<br>Distt. Ghaziabad (U.P.)                                      | IS : 427-1965            | S.O. 2277 dated<br>1981-08-29 | Lapsed after 1981-01-31  |   |
| 126. CM/L-0749462<br>1979-01-23 | B.L. Industries,<br>Jaipur-302013   | IS : 562-1978            | -do-                          | -do-   |   |
| 127. CM/L-0755457<br>1979-02-24 | Balson Industries,<br>New Delhi-110020  | IS : 4174-1977           | S.O. 2310 dated<br>1980-09-25 | Lapsed after 1981-02-28  |   |
| 128. CM/L-0770352<br>1979-04-16 | Eastern Chemicals Inds.,<br>P.O. Madhyamgram,<br>Distt. 24-Barganas                         | IS : 4373-1967           | S.O. 2974 dated<br>1981-01-31 | Renewal was deferred after<br>1980-04-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 129. CM/L-0773055<br>1979-04-27 | G.L. Industries,<br>Dibrpur, Gauhati  | IS : 1488-1969           | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-05-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 130. CM/L-0773560<br>1979-04-30 | -do-  | IS : 1827-1961           | -do-                          | -do-   |   |
| 131. CM/L-0776061<br>1979-05-01 | Allied India Enterprises,<br>Calcutta-700014  | IS : 10 (Pt IV)-<br>1976 | S.O. 3147 dated<br>1981-11-21 | Renewal was deferred after<br>1980-05-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 132. CM/L-0781458<br>1979-06-20 | Bharat Sheet Metal Inds. Ltd.,<br>Calcutta-700003 (W.B.)                                    | IS : 2552-1970           | S.O. 3148 dated<br>1981-11-21 | Renewal was deferred after<br>1980-06-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 133. CM/L-0786569<br>1979-07-19 | Frankly India.,<br>Calcutta-700007  | IS : 2641-1964           | S.O. 3443 dated<br>1981-12-26 | Renewal was deferred after<br>1980-07-31; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 134. CM/L-0788573<br>1979-07-25 | Continental Steel Stan.,<br>Calcutta-700007   | IS : 1977-1975           | -do-                          | -do-   |   |
| 135. CM/L-0788674<br>1979-07-25 | -do-  | IS : 226-1975            | -do-                          | -do-   |   |
| 136. CM/L-0790863<br>1979-08-03 | Bengal Metal Inds.,<br>Lilloh, Howrah   | IS : 1977-1975           | S.O. 3446 dated<br>1981-12-26 | Renewal was deferred after<br>1980-08-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 137. CM/L-0798879<br>1979-09-11 | Shyam Steel Industries,<br>Howrah-711107  | IS : 226-1975            | S.O. 1772 dated<br>1982-05-15 | Lapsed after 1980-09-15  |   |
| 138. CM/L-0799174<br>1979-09-11 | Kaveri Chemicals,<br>Tiruvella-689101, Distt.<br>Alleppey (Kerala)                          | IS : 299-1975            | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-09-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 139. CM/L-080023<br>1979-09-17  | Uma Shankar Somani Indus-<br>trial Textiles, Indore (M.P.)                                  | IS : 1178-1973           | -do-                          | Renewal was deferred after<br>1980-09-30; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 140. CM/L-0801539<br>1979-09-21 | Nagaland Soap Chemical,<br>Factory, P. O. Dimapur,<br>Distt. Kohima (Nagaland)              | IS : 4654-1974           | -do-                          | Lapsed after 1980-09-30  |   |
| 141. CM/L-0810843<br>1979-10-29 | Riverside Insecticides &<br>Fertilizers,<br>Ambernath-421501,<br>Distt. Thane (Maharashtra) | IS : 2567-1978           | S.O. 1771 dated<br>1982-05-15 | Renewal was deferred after<br>1980-11-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |   |
| 142. CM/L-081944<br>1979-10-29  | -do-  | IS : 633-1975            | -do-                          | -do-   |   |

| (1)                             | (2)   | (3)                                | (4)                            | (5)  | (6) |
|---------------------------------|---|------------------------------------|--------------------------------|--|-----|
| 143. CM/L-0812140<br>1979-11-05 | Century Tubes Ltd.,<br>Bhiwani (Haryana)  | IS : 7138-1973                     | S.O. 1832 dated<br>1982-05-22  | Lapsed after 1980-11-15  |     |
| 144. CM/L-0818960<br>1979-11-30 | Coromandel Agro Products &<br>Oils Ltd., Jendrapeta,<br>Chirala-53155 (A.P.)          | IS : 1052-1979                     | -do-                           | Lapsed after 1980-12-15  |     |
| 145. CM/L-0825856<br>1979-12-24 | Rangsons, Tirupur-638602<br>(Tamil Nadu)  | IS : 4964 (Pt II)-<br>1975         | S.O. 2320 dated<br>1982-07-03  | Lapsed after 1980-12-31  |     |
| 146. CM/L-0829965<br>1980-01-01 | Gourepore Co. Ltd.,<br>Garifa-743166 Distt.<br>24-Parganas (W.B.)                     | IS : 3751-1966                     | S.O. 3104 dated<br>1982-09-04  | Lapsed after 1980-11-30  |     |
| 147. CM/L-0830041<br>1980-01-01 | Gourepore Co. Ltd., Garifa-<br>743166 24-Parganas (W.B.).                             | IS : 3750-1966                     | S.O. 3104 dated<br>1982-09-04  | Lapsed after 1980-11-30.   |     |
| 148. CM/L-0830950<br>1980-01-15 | Sanvin Laboratories, Kamo-<br>thi, Panvel-410206 Distt.<br>Kolba (Maharashtra).       | IS : 3903-1975                     | -do-                           | Renewal was deferred after<br>1981-01-15; the licence now<br>stands lapsed after that date |     |
| 149. CM/L-0833350<br>1980-01-23 | India Jute Co. Ltd., P.O.<br>Serampore-712201 Distt.<br>Hooghly (W.B.)                | IS : 3751-1966 &<br>IS : 2874-1964 | -do-<br>-do-                   | Lapsed after 1980-11-30  |     |
| 150. CM/L-0833451<br>1980-01-23 | -do-  | IS : 2875-1964 &<br>IS : 3750-1966 | -do-                           | -do-   |     |
| 151. CM/L-0835859<br>1980-10-31 | Amaravathi Knitting Mills,<br>Tirupur-638604 (Tamil Nadu)                             | IS : 4964 (Pt II)-<br>1975.        | -do-                           | Lapsed after 1981-02-15  |     |
| 152. CM/L-0841046<br>1980-02-27 | Agro Inputs Pvt. Ltd., Kum-<br>arapattanam Post-581123.                               | IS : 8028-1976                     | S.O. 3445 dated<br>1982-10-02  | Lapsed after 1981-03-15  |     |
| 153. CM/L-0841147<br>1980-02-27 | -do-  | IS : 7122-1973                     | -do-                           | -do-   |     |
| 154. CM/L-0844658<br>1980-02-29 | B.L. Industries, Jaipur-302013<br>(Rajasthan).  | IS : 7121-1973                     | -do-                           | -do-   |     |
| 155. CM/L-0861456<br>1980-03-31 | -do-  | IS : 5281-1969                     | S.O. 4452 dated<br>1983-12-10- | Lapsed after 1981-04-15  |     |
| 156. CM/L-0862559<br>1980-03-31 | Manufacturing Products Pvt.<br>Ltd., Calcutta-700048.                                 | IS : 10(Pt II)-1976                | -do-                           | -do-   |     |
| LICENCES DEFERRED               |   |                                    |                                |  |     |
| 157. CM/L-0005919<br>1958-01-20 | Assam Bengal Veneer Indus-<br>tries (P) Ltd., Calcutta-<br>700001.                    | -do-                               | S.O. 13 dated<br>1958-02-15    | DEFERRED AFTER<br>1981-01-31   |     |
| 158. CM/L-0007822<br>1958-04-24 | Crossley & Towers Pvt. Ltd.,<br>Assam.  | -do-                               | S.O. 758 dated<br>1958-05-10   | -do-   |     |
| 159. CM/L-0008016<br>1958-04-24 | Das & Company, Calcutta-<br>700010.   | IS : 10(Pt II)-1976                | S.O. 758 dated<br>1958-05-10   | 1981-02-28   |     |
| 160. CM/L-0010003<br>1958-09-18 | The Central Trading C. Pvt.<br>Ltd., Calcutta-700028.                                 | IS : 10(Pt II)-1976                | S.O. 2005 dated<br>1958-01-04  | 1980-12-31   |     |
| 161. CM/L-0010508<br>1958-10-31 | Sylvan Plywoods Mills, Distt.<br>Trichur.   | -do-                               | -                              | 1981-20-15   |     |
| 162. CM/L-0011207<br>1958-12-26 | The Kesar Sugar Works Ltd.,<br>Bombay-400020.   | IS : 388-1972                      | S.O. 69 dated<br>1959-01-10.   | 1980-12-31   |     |
| 163. CM/L-0011611<br>1959-02-03 | Minerva Plywood Inds., Belia-<br>ghata, Calcutta-700010.                              | IS : 10(Pt II)-1976                | S.O. 411 dated<br>1959-02-21.  | -do-   |     |
| 164. CM/L-0011813<br>1959-02-19 | Bengal Plywood Mfg., Co.,<br>(Prop. India Investors Pvt.<br>Ltd.,) Howrah (W. Bengal) | -do-                               | S.O. 618 dated<br>1959-05-21   | -do-   |     |
| 165. CM/L-0013514<br>1959-07-15 | Sarda Plywood Industries Pvt.<br>Ltd., Calcutta-700010.                               | -do-                               | S.O. 1674 dated<br>1959-08-01  | 1981-01-31   |     |
| 166. CM/L-0014920<br>1959-09-25 | Enco Plywood & Saw Mill<br>Industries, Siliguri, Distt.<br>Darjeeling (W.B.).         | -do-                               | S.O. 2202 dated<br>1959-10-10  | 1980-12-31   |     |
| 167. CM/L 0037629<br>1962-01-16 | Surma Valley Saw Mills Pvt.<br>Ltd., P.O. Bhanga Bazar,<br>Assam.                     | -do-                               | S.O. 1062 dated<br>1962-04-07- | 1981-01-15   |     |

| (1)                              | (2)   | (3)  | (4)                            | (5)        | (6) |
|----------------------------------|---|--|--------------------------------|------------|-----|
| 168. CM/L-0049939<br>1963-01-11  | Kolay Biscuit Co. Pvt. Ltd.,<br>Calcutta-700010 (W.B.).                   | IS : 1011—1968                                 | S.O. 484 dated<br>1963-02-16   | 1981-02-01 |     |
| 169. CM/L-0065432<br>1964-04-28  | Sree Venkateswara Minerals<br>Pvt. Ltd., Madras-600021.                   | IS : 561—1978                                  | S.O. 1676 dated<br>1964-05-16  | 1981-02-28 |     |
| 170. CM/L-0085438<br>1964-11-28  | Delta Jute & Industries, Ltd.,<br>Calcutta-700071.                        | IS : 2818/(Pt II)—<br>1971 &<br>IS : 3790—1971 | S.O. 79 dated<br>1965-01-02    | 1980-11-30 |     |
| 171. CM/L-0099954<br>1965-01-29  | Rajasthan Industrial & Scien-<br>tific Corpn., Jaipur West,<br>Rajasthan. | IS : 779—1968                                  | S.O. 667 dated<br>1965-02-27   | 1981-01-01 |     |
| 172. CM/L-0100509<br>1965-02-08  | Singh Engg. Works Pvt. Ltd.,<br>Kanpur                                    | IS : 226—1975                                  | S.O. 1987 dated<br>1965-03-27  | 1981-02-16 |     |
| 173. CM/L-0101309<br>1965-02-22  | Arail Brothers, Faridabad-<br>121002(Haryana).                            | IS : 774—1971                                  | -do-                           | 1981-02-28 |     |
| 174. CM/L-0122822<br>1966-03-23  | Prakash Pulverising Mills,<br>Alwar-300101(Rajasthan.).                   | IS : 1308—1974                                 | S.O. 1263 dated<br>1966-04-24  | 1981-02-15 |     |
| 175. CM/L-0137229<br>1966-12-26  | Imperial Stores & Agency<br>Co., Calcutta-700006.                         | IS : 10(Pt IV)—1976                            | S.O. 243 dated<br>1967-01-21   | 1980-12-31 |     |
| 176. CM/L-0144024<br>1967-05-15  | Singhal Pesticides, Agra (UP)   | IS : 2864—1973                                 | S.O. 2080 dated<br>1967-06-24  | 1981-01-15 |     |
| 177. CM/L-0162733<br>1968-01-24  | Premier Timber & Plywood<br>Products, Calcutta-1.                         | IS : 10(Pt II)—1976                            | S.O. 684 dated<br>1968-02-24.  | 1981-01-31 |     |
| 178. CM/L-0171532<br>1968-06-12  | Bijrangbali Engineering Co.<br>Pvt. Ltd., Howrah.                         | IS : 2226—1975                                 | S.O. 2577 dated<br>1968-07-20- | 1980-12-15 |     |
| 179. CM/L-0171633<br>1968-06-12  | -do-  | IS : 1977—1975                                 | -do-                           | -do-       |     |
| 180. CM/L-0173334<br>1968-07-08  | Sun Industriex, Birati,<br>Calcutta-100051.                               | IS : 10 (Pt II)—1976                           | S.O. 3150 dated<br>1968-09-14  | 1981-01-15 |     |
| 181. CM/L-01888953<br>1969-01-09 | Hind Plywood Industries, Pvt.<br>Ltd., Calcutta-700067.                   | IS : 10(Pt II)—1976                            | S.O. 720 dated<br>1967-02-22   | -do-       |     |
| 182. CM/L-0173643<br>1969-03-17  | Adrian Plywood Industries<br>Pvt. Ltd., Cochin-682024.                    | IS : 10(Pt II)—1976                            | S.O. 1639 dated<br>1969-05-03  | 1980-12-31 |     |
| 183. CM/L-0195950<br>1969-04-30  | Assam Timber Treating Works<br>Assam.                                     | IS : 10(Pt II)—1976                            | S.O. 2238 dated<br>1969-06-97  | 1981-01-31 |     |
| 184. CM/L-0200311<br>1969-06-30  | Shri Vishnu Rolling Mills<br>Pvt. Ltd. Calcutta-700007.                   | IS : 1029—1970                                 | S.O. 3018 dated<br>1969-07-26  | -do-       |     |
| 185. CM/L-0202416<br>1969-07-23  | Alkali & Chemical Corpn. of<br>India Ltd, Calcutta-700016.                | IS : 4783—1968                                 | S.O. 3585 dated<br>1969-09-06  | 1980-10-31 |     |
| 186. CM/L0202517<br>1969-07-23   | -do-  | IS : 4766—1968                                 | -do-                           | -do-       |     |
| 187. CM/L-0203014<br>1969-07-25  | Kwality Ice Cream Co.<br>New Delhi-110002.                                | IS : 2802 —1964                                | -do-                           | 1981-01-31 |     |
| 188. CM/L-0207224<br>1969-09-10  | Sarbanmangala Mfg. Co., Cal-<br>cutta-700002.                             | IS : 1626—1960                                 | S.O. 4310 dated<br>1969-10-25  | 1981-02-28 |     |
| 189. CM/L-0208024<br>1969-09-30  | Industrial Minerals & Chemi-<br>cal Co. (P) Ltd.,<br>Bombay-400058.       | IS : 562—1978                                  | -do-                           | 1980-10-31 |     |
| 190. CM/L-0211821<br>1969-10-17  | Alkali & Chemical Corpn. of<br>India Ltd., Calcutta-700016.               | IS : 3900—1975                                 | S.O. 4849 dated<br>1969-12-06  | -do-       |     |
| 191. CM/L-0218229<br>1969-12-24  | Bengal Electric Concern.,<br>Howrah-711101.                               | IS : 3564—1975                                 | S.O. 437 dated<br>1970-02-07   | 1981-03-31 |     |
| 192. CM/L-0225428<br>1970-02-16  | Ruby Industries, Kanpur<br>(U.P.).  | IS : 1989(Pts I & II)<br>1978                  | S.O. 771 dated<br>1970-02-28   | 1980-01-31 |     |
| 193. CM/L-0243834<br>1970-10-30  | The Alkali & Chemical Corpn<br>of India Ltd. Calcutta-70001               | IS : 4320—1967                                 | S.O. 561 dated<br>1971-01-30   | -do-       |     |
| 194. CM/L-0244230<br>1970-10-30  | Vensons Agro Chemicals &<br>Allied Inds. P. Ltd., Coim-<br>batore (T.N.). | IS : 561—1978                                  | -do-                           | 1981-01-15 |     |

| (1)                             | (2)  | (3)                               | (4)                            | (5)        | (6) |
|---------------------------------|--|-----------------------------------|--------------------------------|------------|-----|
| 195. CM/L-0273843<br>1971-08-16 | Skytone Electricals (India),<br>Delhi.   | IS : 1554 (Pt I)—<br>1976         | S.O. 5031 dated<br>1971-11-06  | 1980-11-30 |     |
| 196. CM/L-0274739<br>1971-08-18 | Steel Authority of India Ltd.,<br>Kanpur.  | IS : 1786—1979                    | S.O. 5031 dated<br>1971-11-06  | 1980-08-15 |     |
| 197. CM/L-0277144<br>1971-09-16 | Industrial Minerals & Chemi-<br>cal Co. Pvt. Ltd., Bom-<br>bay-400058 (Maharashtra). | IS : 3905—1966                    | S.O. 2403 dated<br>1972-09-02  | 1980-10-31 |     |
| 198. CM/L-0287349<br>1972-01-14 | Industrial Minerals & Chemi-<br>cal Co. Pvt. Ltd. Andheri,<br>Bombay-400058.         | IS : 2864—1973                    | S.O. 2777 dated<br>1972-10-07  | -do-       |     |
| 199. CM/L-0291239<br>1972-02-16 | Chawla Electrical Industries,<br>Delhi.  | IS : 366—1976                     | S.O. 2801 dated<br>1972-10-14  | 1981-01-15 |     |
| 220. CM/L-0295146<br>1972-02-28 | Rainbow Surgical Dressing<br>Mfg. Co., Ahmadabad-380001.                             | IS : 863—1969                     | -do-                           | -do-       |     |
| 201. CM/L-0317231<br>1972-09-28 | Amar Dye Chem. Ltd., Kal-<br>yan Maharashtra.  | IS : 4334—1967                    | S.O. 511 dated<br>1974-02-23.  | -do-       |     |
| 202. CM/L-0324733<br>1972-12-28 | Brooke Bond India Ltd., Cal-<br>cutta-700016.  | IS : 2791—1972                    | S.O. 1797 dated<br>1974-07-20  | 1980-12-15 |     |
| 203. CM/L-0329440<br>1973-01-09 | Universal Cables Ltd., Satna<br>(M.P.).  | IS : 4288—1967                    | S.O. 1798 dated<br>1974-07-20  | 1980-11-30 |     |
| 204. CM/L-0340630<br>1973-05-03 | Khoday Industries Pvt. Ltd.,<br>Bangalore.   | IS : 1551—1976                    | S.O. 954 dated<br>1975-03-29   | 1981-02-28 |     |
| 205. CM/L-0347745<br>1973-07-10 | Bharat Ophthalmic Glass Ltd.,<br>Durgapur-713210 (W.B.).                             | IS : 4382—1967                    | S.O. 1233 dated<br>1975-04-19  | 1980-12-31 |     |
| 206. CM/L-0354641<br>1973-09-19 | Rainbow Surgical Dressing<br>Mfg. Co. Ahm.dabad.                                     | IS : 758—1975                     | S.O. 1389 dated<br>1975-05-03  | 1981-01-15 |     |
| 207. CM/L-0373039<br>1974-02-28 | Southern Cables & Engineer-<br>ing Works, All ppy Distt.<br>(Kerala)                 | IS : 398(Pt I &II)—<br>1976       | S.O. 2087 dated<br>1975-07-05  | 1981-02-28 |     |
| 208. CM/L-0385652<br>1974-06-21 | British El.ctrical & Pumps<br>Pvt. Ltd., Calcutta-700052.                            | IS : 6595—1972                    | S.O. 4703 dated<br>1975-11-01  | 1980-12-31 |     |
| 209. CM/L-0411122<br>1974 12-30 | Wood Craft Products Ltd.,<br>Distt. Dibrugarh (Assam).                               | IS : 303—1975                     | S.O. 2286 dated<br>1976-07-03  | 1980-12-31 |     |
| 210. CM/L-0416738<br>1975-01-22 | Assam Timber Products, Rupai<br>Siding, Doom Dooma,<br>Distt. Dibrugarh.             | IS : 10(Pt II)—1976               | S.O. 2465 dated<br>1976-07-10  | 1981-01-31 |     |
| 211. CM/L-0420830<br>1975-02-12 | Meghalaya Plywood Ltd.,<br>Khasi Hills (Meghalaya).                                  | IS : 10(Pt II)—1976               | S.O. 2473 dated<br>1976-07-10  | 1981-02-15 |     |
| 212. CM/L-0421125<br>1975-02-12 | Calcutta Plywood Mfg. Co.,<br>Calcutta-700067  | IS : 10 (Pt II)—1976              | -do-                           | -do-       |     |
| 213. CM/L-0425638<br>1975-03-07 | Plava Chemicals, Madras-29<br>(Tamil Nadu).  | IS : 633—1975                     | —                              | 1981-03-15 |     |
| 214. CM/L-0475350<br>1975-10-27 | Pesticides & Brewers Ltd.,<br>Thana-400607 (Maharashtra)                             | IS : 633—1975                     | S.O. 1148 Ddated<br>1977-04-16 | 1981-02-15 |     |
| 215. CM/L-0485757<br>1975-11-28 | Leader Engineering Works,<br>Jullundur-144004.                                       | IS : 778—1971                     | S.O. 1147 dated<br>1977 04-16  | 1980-12-15 |     |
| 216. CM/L-0486860<br>1975-12-04 | Suphala Laminators, Cal-<br>cutta-700007.  | IS : 7406—1974                    | S.O. 3083 dated<br>1977-10-08  | 1980-11-30 |     |
| 217. CM/L-0487954<br>1975-12-04 | Hindustan Liminators, Cal-<br>cutta-700006.  | IS : 7406—1974                    | -do-                           | -do-       |     |
| 218. CM/L-0488258<br>1975-12-12 | Mahajan Iron Foundry Agra-<br>282002.  | IS : 2326—1970 &<br>IS : 774—1971 | -do-                           | -do-       |     |
| 219. CM/L-0489462<br>1975-12-12 | Orissa Engineers & Erectors,<br>Bhubneshwar-6.                                       | IS : 1180—1964                    | -do-                           | 1980-12-15 |     |
| 220. CM/L-0490144<br>1975-12-17 | Unit.d Fertilizers Industries,<br>Thana (MS).  | IS : 562—1978                     | -do-                           | 1980-10-31 |     |
| 221. CM/L-0490750<br>1975-12-17 | Shivalik Agro Chemicals,<br>Distt. Ropar (Punjab).                                   | IS : 5281—1969                    | -do-                           | 1980-12-15 |     |

| (1)  | (2)                        | (3)   | (4)   | (5)                           | (6)        |
|------|----------------------------|---|---|-------------------------------|------------|
| 222. | CM/L-093655<br>1976-01-01  | Sonawala Industries Ltd.,<br>Bombay-400002                        | IS : 266—1977   | S.O. 1312 dated<br>1977-05-07 | 1980-12-31 |
| 223. | CM/L-0494152<br>1976-01-06 | Eastern Wood Products (Pvt)<br>Ltd. Lakhimpur<br>(Assam)          | IS : 10(Pt II)—1976   | -do-                          | 1981-01-15 |
| 224. | CM/L-0496358<br>1976-01-15 | Saini Industrial Corpn.,<br>Jhotwara, Jaipur-302012               | IS : 2326—1970 &<br>IS : 774—1971   | -do-                          | 1981-01-31 |
| 225. | CM/L-0500727<br>1976-02-20 | Southern Insecticides &<br>Fertilizers, Ambattur<br>Madras-600098 | IS : 564—1975   | S.O. 3441 dated<br>1978-12-02 | 1981-02-15 |
| 226. | CM/L-0504129<br>1976-02-26 | Jibon Krishna Dey,<br>Howrah-711101 (W.B.)                        | IS : 780—1969   | -do-                          | 1981-02-28 |
| 227. | CM/L-0511025<br>1976-03-31 | Rallis India Ltd,<br>Palghat-678001 (Kerala)                      | IS : 561—1978   | S.O. 12 dated<br>1978-01-06   | 1981-03-15 |
| 228. | CM/L-0529347<br>1976-06-14 | Eastern Traders,<br>New Delhi-110028                              | IS : 417 (Pt I & II)<br>1974  | S.O. 1274 dated<br>1979-04-21 | 1980-11-30 |
| 229. | CM/L-0553445<br>1976-09-24 | Sri Ram Jute Mills (P) Ltd,<br>Calcutta-700044                    | IS : 7406—1974  | S.O. 3549 dated<br>1979-10-20 | 1981-02-15 |
| 230. | CM/L-0559457<br>1976-10-25 | Vaishali Chemical Works,<br>Muzaffarpur-842001 (Bihar)            | IS : 4654—1974  | S.O. 3550 dated<br>1979-10-20 | 1981-01-15 |
| 231. | CM/L-0567153<br>1976-11-30 | SMP Pvt Ltd, Bombay-400060  | IS : 7122—1973  | S.O. 3761 dated<br>1979-11-17 | 1980-12-15 |
| 232. | CM/L-0570950<br>1976-12-10 | Moti Electric Industries Pvt.<br>Ltd, New Delhi-110015            | IS : 398 (P. I & II)<br>1976  | S.O. 3762 dated<br>1979-11-17 | -do-       |
| 233. | CM/H-0577257<br>1977-01-07 | Hind Rubber Works,<br>Calcutta-700015                             | IS : 2415—1969  | S.O. 420 dated<br>1980-02-23  | 1981-01-16 |
| 234. | CM/L-0578764<br>1977-01-11 | Sonaria Saw & Plywood,<br>Distt, Sibsagar (Assam)                 | IS : 10 (Pt II)—1976  | -do-                          | 1981-01-15 |
| 235. | CM/L-0585761<br>1977-02-03 | Alka Industries (Paints) Pvt.<br>Ltd' Lucknow (U.P.)              | IS 9:427—1965   | S.O. 731 dated<br>1980-03-22  | 1981-01-31 |
| 236. | CM/L-0586056<br>1977-02-03 | Devidayal (Sales) Pvt. Ltd.<br>Kalol-38933                        | IS : 562—1978   | S.O. 31 dated<br>1980-03-22   | 1981-02-15 |
| 237. | CM/L-0586258<br>1977-02-03 | Shree Ganesh Steel Rolling<br>Mills, Madras-600019                | IS : 226—1975   | -do-                          | 1981-01-15 |
| 238. | CM/L-0586864<br>1977-02-03 | Sun Steel Industries,<br>Howrah,711105                            | IS : 1977—1975  | -do-                          | 1981-01-15 |
| 239. | CM/L-0590350<br>1977-02-28 | A.Z. Electrical Corpn, New<br>Delhi-110020                        | IS : 4151—1976  | -do-                          | -do-       |
| 240. | CM/L-0590855<br>1977-02-28 | Victor (India), Fhukan Ali,<br>Assam                              | IS : 10 (Pt IV)—1976  | -do-                          | -do-       |
| 241. | CM/L-0591655<br>1977-02-28 | Steel Carfts, Panipat<br>(Haryana)                                | IS : 1653—1972  | -do-                          | 1981-02-28 |
| 242. | CM/L-0592960<br>1977-02-28 | MP Private Limited,<br>Bombay-400060                              | IS : 1307—1973  | -do-                          | 1980-12-15 |
| 243. | CM/L-0606036<br>1977-04-25 | Beekay Pesticides Pvt. Ltd.<br>Bombay (Maharashtra)               | IS : 633—1975   | S.O. 786 dated<br>1980-03-29  | 1980-11-30 |
| 244. | CM/L-0606743<br>1977-04-29 | American Spring & pressing<br>Works Ltd, Bombay-400064            | IS : 2298—1977  | -do-                          | 1980-12-31 |
| 245. | CM/L-0615643<br>1977-06-10 | Delhi Brass & Metal Works<br>Karol Bagh, Delhi-110005             | IS : 1660 (Pt I)—<br>1967<br>IS : 1660 (Pts I &<br>II)—1972<br>IS : 1660 (Pt IV)—<br>1977 | S.O. 284 dated<br>1981-01-24  | 1980-12-31 |
| 246. | CM/L-0646351<br>1977-10-19 | Farmico Pvt Ltd, Gujarat  | IS : 4323—1967  | S.O. 921 dated<br>1981-03-21  | 1980-10-31 |
| 247. | CM/L-0646957<br>1977-10-19 | Shyam Timber Products,<br>Assam                                   | IS : 10(Pt II)—1976   | -do-                          | 1981-01-31 |
| 248. | CM/L-0647757<br>1977-10-24 | Goel Steel Industries,<br>Lilluah, Howrah                         | IS : 1977—1975  | -do-                          | 1981-02-15 |



| (1)                             | (2)  | (1)                   | (2)                           | (3)        | (4) | (5) |
|---------------------------------|--|-----------------------|-------------------------------|------------|-----|-----|
| 249. CM/L-0651748<br>1977-11-02 | Tracko International,<br>Agra-282006 (UP)  | IS : 6750—1972        | S.O. 1223 dated<br>1981-04-18 | 1980-10-31 |     |     |
| 250. CM/L-0656359<br>1977-12-05 | Poly Jute Fabricators, Assam   | IS : 7406—1974        | S.O. 1222 dated<br>1981-04-18 | 1980-11-30 |     |     |
| 251. CM/L-0662147<br>1977-12-30 | Asian Industrial Corp.,<br>Calcutta-700001   | IS : 507—1970         | -do-                          | 1980-12-31 |     |     |
| 252. CM/L-0663452<br>1978-01-05 | -do-   | IS : 1115—1973        | S.O. 1615 dated<br>1981-05-30 | 1981-01-16 |     |     |
| 253. CM/L-0654454<br>1978-01-05 | Vijayswar Ring Travellers<br>Mfg Co Pvt Ltd, K. Irichi,<br>Coimbatore-641021                     | IS : 3523-1974        | -do-                          | 1981-01-15 |     |     |
| 254. CM/L-0667258<br>1978-01-16 | S.B. Suvarna & Co,<br>Bangalore-560044<br>(Karnataka)  | IS : 6248—1971        | -do-                          | -do-       |     |     |
| 255. CM/L-0668366<br>1978-01-24 | Lilloah Steel & Wire Co.<br>Ltd, Lilluah, Howrah   | IS : 7452—1974        | -do-                          | 1981-01-31 |     |     |
| 256. CM/L-0671552<br>1978-01-27 | SMP Private Ltd,<br>Bombay-400060  | IS : 632—1978         | -do-                          | 1980-12-15 |     |     |
| 257. CM/L-0673152<br>1978-01-31 | International Agency (India),<br>Calcutta-700061   | IS : 4323—1967        | S.O. 1615 dated<br>1981-05-30 | 1981-02-15 |     |     |
| 258. CM/L-0673354<br>1978-01-31 | Goel Steel Industries,<br>Lilluah, Howrah  | IS : 226—1975         | -do-                          | -do-       |     |     |
| 259. CM/L-0674356<br>1978-02-07 | Modi Steel (Prop : Modi<br>Industries Ltd),<br>Modinagar (U.P.)                                  | IS : 1786—1979        | S.O. 1661 dated<br>1981-06-06 | 1981-02-15 |     |     |
| 260. CM/L-0676158<br>1978-02-14 | Wakefield Engineering<br>Company, Coimbatore-641004  | IS : 203—1972         | -do-                          | -do-       |     |     |
| 261. CM/L-0676360<br>1978-02-14 | Karnataka State Co-operative<br>Marketing Federation Ltd.<br>Bangalore-560022<br>(Karnataka)     | IS : 2567—1978        | -do-                          | -do-       |     |     |
| 262. CM/L-0683660<br>1978-03-10 | Chhundu Enterprises,<br>Distt. Jalpaiguri (W.B.)   | IS : 10 (Pt III)—1974 | S.O. 1664 dated<br>1981-06-06 | 1981-03-15 |     |     |
| 263. CM/L-0685058<br>1978-03-14 | Technico India,<br>Calcutta-700002   | IS : 2171—1976        | -do-                          | -do-       |     |     |
| 264. CM/L-0697166<br>1978-04-07 | B.R. Herman & Mohatta (I)<br>Pvt. Ltd., Bombay-400001  | IS : 1786—1979        | S.O. 1725 dated<br>1981-06-13 | 1980-09-15 |     |     |
| 265. CM/L-0722745<br>1978-09-18 | Surfactant Chemicals,<br>(A division of Bombay<br>Wire Ropes Ltd),<br>Thane-400601 (Maharashtra) | IS : 4956—1977        | S.O. 2215 dated<br>1981-08-22 | 1980-09-30 |     |     |
| 266. CM/L-0724850<br>1978-10-03 | Plastipol Chemicals &<br>Plastics Pvt. Ltd,<br>Thane-400604 (Maharashtra)                        | IS : 958—1975         | S.O. 2218 dated<br>1981-08-22 | -do-       |     |     |
| 267. CM/L-0724951<br>1978-10-03 | -do-   | IS : 1674—1960        | -do-                          | -do-       |     |     |
| 268. CM/L-0726854<br>1978-10-05 | Central Insecticides &<br>Fertilizers, (Prop :<br>Central Paints Ltd)<br>Ahmedabad (Gujarat)     | IS : 1308—1974        | S.O. 2218 dated<br>1981-08-22 | 1980-10-15 |     |     |
| 269. CM/L-0727755<br>1978-10-18 | Amrit Sports Industries<br>Jullundur-144002 (punjab)   | IS : 829—1978         | -do-                          | 1980-10-31 |     |     |
| 270. CM/L-0733851<br>1978-11-13 | Crescent Iron & Steel Corp.,<br>Ltd. Goregaon (East)<br>Bombay-400063 (Maharashtra)              | IS : 325—1978         | S.O. 2270 dated<br>1981-08-29 | 1980-11-15 |     |     |
| 271. CM/L-0736049<br>1978-11-23 | Bihar Conductors ,<br>Patna-800013   | IS : 398 (Pt II)—1976 | -do-                          | 1980-11-30 |     |     |
| 272. CM/L-0738154<br>1978-11-30 | N. Kishore Acid &<br>Chemicals Inds,<br>Amritsar (Punjab)  | IS : 8249—1976        | -do-                          | 1980-12-15 |     |     |
| 273. CM/L-0738356<br>1978-12-04 | Barakaso Pvt. Ltd,<br>Bombay-400063  | IS : 2548—1967        | -do-                          | 1980-11-30 |     |     |

| (1)                             | (2)   | (3)                        | (4)                           | (5)        | (6) |
|---------------------------------|---|----------------------------|-------------------------------|------------|-----|
| 274. CM/L-0738457<br>1978-12-04 | Supramex Equipments,<br>Bombay-400086                                 | IS : 933—1976              | S.O. 2270<br>Dated 1981-08-29 | 1980-11-30 |     |
| 275. CM/L-0741648<br>1978-12-15 | B.L. Industries<br>Jaipur -13 (Rajasthan)                             | IS : 3903—1975             | S.O. 2276 dated<br>1981-08-29 | 1981-01-01 |     |
| 276. CM/L-0742347<br>1978-12-20 | -do-  | IS : 4323—1967             | -do-                          | -do-       |     |
| 277. CM/L-0744856<br>1979-01-01 | Diamond Engineering Corpn,<br>Roorkee-247667 (UP)                     | IS : 2287—1970             | S.O. 2277 dated<br>1981-08-29 | 1981-01-15 |     |
| 278. CM/L-0744957<br>1979-01-02 | Ambey Laboratories,<br>New Delhi-110041                               | IS : 1061—1975             | -do-                          | -do-       |     |
| 279. CM/L-0745252<br>1979-01-03 | Rashmy's Brahmapuram,<br>Ambalamedu-682303, Kerala                    | IS : 4654—1974             | S.O. 2277 dated<br>1981-08-29 | 1981-01-15 |     |
| 270. CM/L-0745555<br>1979-01-04 | Hymatic Industries,<br>Delhi-110052                                   | IS : 3906 (Pt I)—1974      | -do-                          | -do-       |     |
| 281. CM/L-0745757<br>1979-01-04 | Krishan Chand & Sons,<br>Delhi-110061                                 | IS : 863—1969              | -do-                          | -do-       |     |
| 282. CM/L-0749664<br>1979-01-23 | Biran Manufacturing Co.<br>(Cables) Pvt. Ltd.,<br>Delhi-110032        | IS : 694—1977              | -do-                          | 1981-01-31 |     |
| 283. CM/L-0750245<br>1979-01-25 | Highway Cec Cec Co,   | IS : 458—1971              | -do-                          | 1981-02-01 |     |
| 284. CM/L-0750346<br>1979-01-23 | Bhilai Wires Ltd.,<br>Bhilai 490011 (M.P.)                            | IS : 3975—1979             | -do-                          | 1981-01-31 |     |
| 285. CM/L-0750952<br>1979-02-02 | Devidayal (Sales) Pvt. Ltd.,<br>Dist. Panchmahal (Gujarat)            | IS : 2568—1978             | S.O.-2310 dated<br>1981-09-05 | 1981-02-15 |     |
| 286. CM/L-0751146<br>1979-02-02 | Mano Tex, Tirupur—638602  | IS : 4096 (Pt II)—<br>1975 | -do-                          | 1981-02-15 |     |
| 287. CM/L-0751247<br>1979-02-02 | Kisan Insecticides Co.,<br>Vijayawada-520007 (AP)                     | IS : 633—1975              | -do-                          | -do-       |     |
| 288. CM/L-0751752<br>1979-02-05 | Rathi Ispat Ltd,<br>Ghaziabad (UP)                                    | IS : 6915—1978             | -do-                          | -do-       |     |
| 289. CM/L-0751451<br>1979-02-06 | Rana Rubber Industries,<br>Saharanpur-247001 (UP)                     | IS : 1891 (Pt I)—<br>1968  | -do-                          | -do-       |     |
| 290. CM/L-0752552<br>1979-02-07 | Rodihot Electricals,<br>Delhi-110006                                  | IS : 4250—1967             | -do-                          | -do-       |     |
| 291. CM/L-0752754<br>1979-02-07 | Multiplex Agro Industries<br>Pvt. Ltd, Ahmedabad-<br>382330 (Gujarat) | IS : 7122-1973             | S.O. 2310 dated<br>1981-09-05 | 1981-02-15 |     |
| 292. CM/L-0753352<br>1977-02-09 | Southern Insecticides & Ferti-<br>lizers, Madras-600098               | IS : 565—1975              | -do-                          | -do-       |     |
| 293. CM/L-0754960<br>1979-02-21 | Handy Products, New<br>Bombay (Maharashtra)                           | IS : 1222—1973             | -do-                          | -do-       |     |
| 294. CM/L-0757259<br>1979-02-28 | Minerva Industries,<br>Agra-282004 (UP)                               | IS : 1601—1960             | -do-                          | 1981-02-28 |     |
| 295. CM/L-0760349<br>1979-03-09 | Ennore Steel Enterprises Pvt<br>Ltd., Madras-600057                   | IS : 6914—1978             | S.O. 2585 dated<br>1981-10-03 | 1981-03-15 |     |
| 296. CM/L-0806145<br>1979-10-16 | Coates of India Ltd.,<br>Calcutta-700027                              | IS : 2105—1975             | S.O. 1771 dated<br>1982-05-15 | 1981-11-01 |     |
| 297. CM/L-0815651<br>1979-11-21 | Nirlon Synthetic Fibrics &<br>Chemical Ltd, Bombay-<br>400025         | IS : 1891 (Pt-I)-1968      | S.O. 1832 dated<br>1982-05-22 | 1980-11-30 |     |
| 298. CM/L-0816451<br>1979-11-26 | Wood & Metal Works,<br>Erayilkadavu, Kottayam-1                       | IS : 10 (Pt III)—1974      | -do-                          | -do-       |     |
| 299. CM/L-0819760<br>1979-12-10 | Bihar State Dairy Corpora-<br>tion Ltd, Barauni,<br>Distt Begusarai   | IS : 1165—1975             | S.O. 2320 dated<br>1982-07-03 | 1980-12-15 |     |
| 300. CM/L-0820543<br>1979-12-11 | Star Textiles Engineering<br>Works Ltd, Bombay-400001                 | IS : 2510—1976             | -do-                          | -do-       |     |

| (1)  | (2)                        | (3)  | (4)                    | (5)                           | (6)        |
|------|----------------------------|--|------------------------|-------------------------------|------------|
| 301. | CM/L-0821545<br>1979-12-15 | The Punjab General Manufac-<br>turing Works, Mathura-<br>281004 (UP)               | IS : 1795-1774         | S.O. 2320 dated<br>1982-07-03 | 1980-12-15 |
| 302. | CM/L-0823347<br>1979-12-20 | Pioneer Timber Seasoners<br>Pvt. Ltd., Dibrugarh<br>(Assam)                        | IS : 10 (Pt II)-1976   | -do-                          | 1980-12-31 |
| 303. | CM/L-0823650<br>1979-12-20 | Bombay Paints & Allied<br>Products Ltd, Bcmby-<br>400074                           | IS : 524-1968          | -do-                          | -do-       |
| 304. | CM/L-0823751<br>1979-12-20 | Bombay Paints & Allied<br>Products Ltd., Bombay-400074                             | IS : 2932-1974         | -do-                          | -do-       |
| 305. | CM/L-0824753<br>1979-12-24 | Sree Gmini Knitting Works,<br>Tanuku-534211  | IS : 4964 (Pt II)-1975 | -do-                          | -do-       |
| 306. | CM/L-0826252<br>1979-12-27 | Kabro Industries,<br>Ludhiana-141003 (Punjab)                                      | IS : 5487-1969         | -do-                          | -do-       |
| 307. | CM/L-0826454<br>1979-12-27 | Hawarden Traders,<br>Madurai-625001 (Tamil Nadu)                                   | IS : 4956-1977         | -do-                          | -do-       |
| 308. | CM/L-0830445<br>1980-01-11 | Savoke Plywood Industries,<br>Pvt Ltd., Dist Jalpaiguri<br>(W.B.)                  | IS : 10 (Pt II)-1976   | S.O. 3104 dated<br>1982-09-04 | 1981-01-15 |
| 309. | CM/L-0830647<br>1980-01-11 | Palai Furnishing Co.,<br>Kerala-688001   | IS : 10(Pt III)-1974   | -do-                          | -do-       |
| 310. | CM/L-0831144<br>1980-01-15 | Chanda & Co. (Engg) Pvt. Ltd.,<br>Calcutta-700025                                  | IS : 2148-1968         | -do-                          | -do-       |
| 311. | CM/L-0832449<br>1980-01-16 | Motherson, NOIDA Complex,<br>Distt. Ghabziabad                                     | IS : 1554(Pt I)-1976   | -do-                          | 1981-01-31 |
| 312. | CM/L-0832550<br>1980-01-18 | -do-   | IS : 694-1977          | -do-                          | -do-       |
| 313. | CM/L-0834049<br>1980-01-25 | Netaji Industrial Works,<br>Dist. Bankura, West Bengal                             | IS : 226-1975          | -do-                          | 1981-02-15 |
| 314. | CM/L-0834251<br>1980-01-25 | Punjab Iron & Steel Co. (P)<br>Ltd., Jullundur Cantt-144024                        | IS : 6914-1978         | -do-                          | 1981-01-31 |
| 315. | CM/L-0836255<br>1980-01-31 | East India Commercial Co.<br>Pvt. Ltd. Eluru-534002, West<br>Godavari Distt (A.P.) | IS : 2566-1965         | -do-                          | 1981-02-35 |
| 316. | CM/L-0838259<br>1980-02-20 | Technico,<br>Calcutta-700002   | IS : 940-1976          | S.O. 3445 dated<br>1982-10-02 | 1981-02-28 |
| 317. | CM/L-0839766<br>1980-02-21 | The South India Steel &<br>Starch Industries,<br>Salem-636002                      | IS : 1977-1975         | -do-                          | -do-       |
| 318. | CM/L-0849257<br>1980-02-29 | Century Aluminium Mfg Co.<br>(P) Ltd, Distt 24 Parganes                            | IS : 617-1975          | -do-                          | 1981-03-15 |
| 319. | CM/L-0844860<br>1980-02-29 | B.L. Industries,<br>Jaipur-302013 (Rajasthan)                                      | IS : 1307-1973         | -do-                          | -do-       |
| 320. | CM/L-0852354<br>1980-03-27 | Dalata Jute & Industries Ltd,<br>Calcutta-700071                                   | IS : 1943-1964         | S.O. 4452 dated<br>1981-12-10 | 1980-11-30 |

[No. CMD/ 13 : 4]

नई दिल्ली, 1986-02-26

क्र० अ० 1154 :- समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिहूत) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 119 लाइसेंसों के विवरण नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, वे लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए, दिसम्बर 1982 में स्वीकृत किए गए हैं :-

## अनुसूची

| क्रम सं. लाइसेंस संख्या<br>(सी एम/एल- ) | वैधता की अवधि<br>से तक | लाइसेंसधारी का नाम और पता   | लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और सम्बद्ध पदनाम  |
|---|------------------------|---|---|
| (1)                                     | (2)                    | (3) (4)   | (5) (6)   |
| 1. सी एम/एल-11369 39<br>1982-12-01      | 81-12-01 83-11-30      | कोल्हपुरी इलेक्ट्रोनिक्स प्रा. लि.,<br>74 प्रादेशी नगर,<br>हैदराबाद-500483 (आ. प्र.)  | 701/ एच की श्रेणी वाले प्रत्येक गैस के<br>3 वर्नरों सहित द्रव्य पेट्रोलियम गैसों के<br>जलने वाले घरेलू गैस चूल्हे :<br>IS : 4246—1978 |
| 2. सी एम/एल-11370 32<br>1982-12-02      | 82-11-16 83-11-15      | जयपाल उद्योग, 33-35,<br>सरल इंड. एरिया, लोनी,<br>जिला गोकियाबाद (उ. प्र.),<br>(कार्यालय : 302 अकाशवीप<br>बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली-110001)   | गामा—बी एच सी (लिडम) ई सी—<br>IS : 632—1978   |
| 3. सी एम/एल-11371 33<br>1982-12-02      | 82-12-16 83-12-15      | जैकटो पाइपस, गांधी झुगीया,<br>झाकबर दयालपुर, तह. राजपुरा,<br>(जिला पटियाणा)   | कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित और प्रबलन<br>रहित) श्रेणी एन पी 2, साइज 150,<br>225 और 300 मिमी.—<br>IS : 458—1971                          |
| 4. सी एम/एल-11372 34<br>1982-12-04      | 82-12-16 83-12-15      | न.होहाटी जूट मिल्स कं. लि.,<br>झाकबर ज़मीनगौड,<br>जिला 24 परगना (प.बं.),<br>(कार्यालय : 7 हरे स्ट्रीट,<br>कलकत्ता-700001 (प.बं.))   | बी—डिबल जूट के बोरे—<br>IS : 2566—1965  |
| 5. सी एम/एल-11373 35<br>1982-12-04      | 82-12-16 83-12-15      | काली पेस्ट इंडस्ट्रीज,<br>प्लॉट नं. 28, रोड नं. 3,<br>कट्टेडान इंड. इस्टेट,<br>हैदराबाद-500252 (आ. प्र.)  | सामान्य कार्यों के लिए एलुमिनियम रोगन,<br>बोहरे पत्र में—<br>IS : 2339—1963   |
| 6. सी एम/एल-11374 36<br>1982-12-06      | 82-12-16 83-12-15      | पलानी शंखावर काटन रोड,<br>सिल्वेस्टिक मिनर्स लि.,<br>236/1 धाली रोड,<br>उमलपेट-642126 (त. ना.)  | होजरी के लिए 34 एम और 40 एम,<br>काउंट के धुवर सूती धागे, कधीकृत—<br>IS : 834—1975   |
| 7. सी एम/एल-11375 37<br>1982-12-02      | 82-12-16 83-12-15      | पोली पैक इंडस्ट्रीज,<br>194, इंड.हैडा इंड. कम्प्लेक्स,<br>गुडगांव (हरियाणा)   | पेय जल पूर्ति के लिए पी बी सी के अनम्य<br>पाइप श्रेणी 2, साइज 110 मिमी, तक—<br>IS : 4985—1981   |
| 8. सी एम/एल-11376 38<br>1982-12-06      | 82-12-16 82-13-15      | हिन्दुस्तान केमिकल कार्पो.,<br>24/2 न.कैलंडंगा मेन रोड,<br>कलकत्ता-700054 (प. बं.)<br>(कार्यालय : 12—बी बिपिन मिश्र रोड,<br>कलकत्ता-700004)   | धुलाई का साबुन, टाइप II,<br>(निमित्त साबुन)—<br>IS : 285—1974   |
| 9. सी एम/एल-11377 39<br>1982-12-06      | 92-12-16 83-12-15      | ए. बी. एम. कैटल एंड पॉल्ट्री फीड्स मैन्फ.<br>इंडस्ट्रीज, 275, शांति नगर,<br>साईबबा, कालोनी, के. के. पुडूर पोस्ट,<br>कोयम्बटूर-641038<br>(कार्यालय : 25/689 रंगी काउडर स्ट्रीट,<br>कोयम्बटूर-641001) | केबल कुनकुट चार—<br>IS : 1374—1979  |
| 10. सी एम/एल-11378 40<br>1982-12-07     | 82-12-01 83-11-30      | एस्को इंडस्ट्रियल कार्पो.,<br>7-ए, इंडस्ट्रियल इस्टेट,<br>मोनापम (हरियाणा)  | कवोर्गस मिलिटर कवच 88 मिटर पानी<br>की क्षमता वाले—<br>IS : 7681—1975  |
| 11. सी एम/एल-11379 41<br>1982-12-02     | 82-12-16 83-12-15      | एनिसर्स केबल्स लि.,<br>झाकबर बिरला विकास,<br>मनता (म. प्र.)—485001  | एलुमिनियम चापक वाले बी आई और<br>विद्युत रोध, टी और एच, एक क्रोड की<br>वेल्डन तारें—<br>IS : 344(भाग II)—1964                          |
| 12. सी एम/एल-11380 34<br>1982-12-07     | 82-12-16 83-12-15      | लिबर्टी अयल मिल्स,<br>83, जेल रोड, (साउथ)<br>बम्बई-400059   | 18 मिटर वाले वर्गाकार टीन—<br>IS : 916—1975   |

| (1)                                 | (2)      | (3)      | (4)  | (5)   | (6) |
|-------------------------------------|----------|----------|--|---|-----|
| 13. सी एम/एल-11381 35<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | बामोदर अ.वरन वर्म,<br>पोस्ट बक्स नं. 107, पूता,<br>बंगलोर रोड, बेलगांम-590016  | बोहरे मोरदारबेड, साइज: 450 मिमी.<br>तक—<br>IS : 1538 (भाग 18)—1976  |     |
| 14. सी एम/एल-11382 36<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | कास, सभी साइज, साइज 450 मिमी. तक—<br>IS : 1538 (भाग 13)—1976  |     |
| 15. सी एम/एल-11382 37<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | कोरदार बांध के दोहरे साइकेटदार टी,<br>साइज 450 मि.मी. तक—<br>IS : 1538 (भाग 12)—1976  |     |
| 16. सी एम/एल-11384 38<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | बामोदर अ.वरन वर्म,<br>पोस्ट बक्स नं. 107, पूता,<br>बंगलोर रोड, बेलगांम-590016  | बोहरे साइकेट वाले ब्रीड साइज-450 मिमी. तक—<br>IS : 1538 (भाग 10)—1976   |     |
| 17. सी एम/एल-11385 39<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | सभी कोरदार टी साइज : 450 मिमी, तक—<br>IS : 1538 (भाग 19)—1976   |     |
| 18. सी एम/एल-11386 40<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | सभी प्रकार के बेलमाउथ के भाग साइज :<br>450 मिमी. तक—<br>IS : 1538 (भाग 17)—1976   |     |
| 19. सी एम/एल-11387 41<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | टी, सभी प्रकार के साइकेट साइज : 450 मिमी.,<br>तक—<br>IS : 1538 (भाग 2)—1976   |     |
| 20. सी एम/एल-11388 42<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | कोरदार साइज. 450 मिमी., तक—<br>IS : 1538 (भाग 9)—1976   |     |
| 21. सी एम/एल-11389 43<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | कोरदार साइकेट, साइज 150 मिमी. तक—<br>IS : 1538 (भाग 7)—1976   |     |
| 22. सी एम/एल-11390 36<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | —वही—  | कोरदार स्विगाट साइज : 450 मिमी., तक—<br>IS : 1538 (भाग 8)—1976  |     |
| 23. सी एम/एल-11391 37<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | गोविन्दा प्लास्टिक्स प्रोडक्ट्स,<br>3/3 ए, गुरुदास बत्त गार्डन लेन,<br>कलकत्ता-700067  | प्लाईवुड चाय पेटी के पैकल—<br>IS : 10 (भाग 2)—1976  |     |
| 24. सी एम/एल-11392 38<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | रेणुमा केबल इंस्ट्रूमेंट्स,<br>11-6-870, लफड़ी का पुल,<br>द्वैदराबाद-500004  | कम तापमान वाली और बाह्य उपयोग वाली<br>तारों को छोड़कर 1100 बोल्ट तक की<br>कार्यकारी बोल्टता वाली एलुमिनियम<br>चासकों वाले पीवीसी रोहित खोलरहित<br>तार—<br>IS : 394—1977   |     |
| 25. सी एम/एल-11393 39<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | बन्तु प्लास्टिक्स वर्क्स,<br>8, गुरुदास बत्त गार्डन लेन,<br>कलकत्ता-700067   | प्लग वरधाजे—<br>IS : 2202 (भाग 1)—1973  |     |
| 26. सी एम/एल-11394 40<br>1982-12-13 | 82-12-16 | 83-12-15 | शरद एंटरप्राइजेज प्रा. लि.,<br>सी-160, ओखला इंड, एरिया,<br>फेस-1, नई दिल्ली-110020   | पेव जल पूर्ति के लिए अत्यंत पीवीसी पाइप<br>श्रेणी 2, साइज : 63-110 मिमी,<br>IS : 4985—1981  |     |
| 27. सी एम/एल-11395 41<br>1982-12-13 | 83-01-01 | 83-12-31 | मेटल प्रोसेसिंग इंस्ट्रूमेंट्स, प्रा. लि.,<br>8/6 इंड, इस्टेट अम्बापुर,<br>मद्रास-600058 (कार्यालय : 218, लिथी<br>बेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-600001) | मस्जिद हस्पताल (मानक किस्म)—<br>IS : 226—1975   |     |
| 28. सी एम/एल-11396 42<br>1982-12-13 | 83-01-01 | 83-12-31 | अडवानी आर्टिफिकल लि.,<br>प्लाट नं. बी-5 एमआईडीसी<br>एरिया, अहमदनगर, नागपुर गांव<br>(महाराष्ट्र)  | संरचना हस्पताल की धातु आर्क वेल्डिंग के<br>लिए आवृत्त इलेक्ट्रोड<br>ग्रांड कोड<br>i. ओवरकोर्ड ई-307412 और 317412<br>ii. ओवरकोर्ड एम ई-307412 और 317412<br>iii. ओवरकोर्ड एस ई-307412 और 317412<br>IS : 814 (भाग 1 और 2)—1974 |     |

| (1)                                | (2)        | (3)      | (4)  | (5)   | (6) |
|------------------------------------|------------|----------|--|---|-----|
| 29. सीएम/एल-11397 43<br>1982-12-13 | 83-01-01   | 83-12-31 | न्यू वे केमिकल्स एंड पोलिसिज,<br>प्रा. लि., 85 आर्कोट रोड,<br>बडापलानी, मद्रास-600026<br>(कार्यालय : 6 कैथेड्रल रोड,<br>मद्रास-600006) | जूता पालिस, पोस्ट, रंग, काला, गहूरा कलर ई<br>और प्राकृतिक—<br>IS : 1746—1970                                |     |
| 30. सीएम/एल-11398 44<br>1982-12-13 | 83-01-01   | 83-12-31 | धनराज नंतरा एंड संस,<br>मोहम्मद बाला, वेहराइन-248002   | प्लाईवुड बाय पेट्री के बत्ते—<br>IS : 10(भाग 3)—1974  |     |
| 31. सीएम/एल-11399 45<br>1982-12-13 | 83-01-01   | 83-12-31 | डायमंड रबड़ एंड प्लास्टिक<br>मैक्युकिक्करर्स, 20 ए राधानाथ<br>चौधरी रोड,<br>कलकत्ता-700015(प. बं.)                                     | खनिकों के लिए रबड़ कैनवस के सुरक्षा बूट<br>किस्म 2—<br>IS : 3976—1975                                       |     |
| 32. सीएम/एल-11400 21<br>1982-12-13 | 83-01-01   | 83-12-31 | सेफटी प्रॉडक्स एंड सर्विसिज,<br>सेलबागान, बागजतला, दम दम,<br>कलकत्ता-700074 (पं. बं.)  | भारी धातु उद्योगों के लिए चमड़े के सुरक्षा<br>बूट और जूते—<br>IS : 1989 (भाग 2)—1978                        |     |
| 33. सीएम/एल-11401 22<br>1982-12-15 | 83-01-01   | 83-12-31 | अमम इंड. कार्पोरेशन,<br>इंडस्ट्रीयल इस्टेट,<br>बामुनी मैदान, गोहाटी-21   | शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम के<br>लड़ावर चालक—<br>IS : 398(भाग 1)—1976                          |     |
| 34. सीएम/एल-11402 23<br>1982-12-14 | 83-01-01   | 83-12-31 | राजेश ट्रेडर्स, 33 सी लाइट<br>इंड. एरिया, भिलाई (म. प्र.)  | क्रीडा प्रबलन के लिए शीत कृत हस्तात के<br>उच्च शक्ति के विकृत सरिया—<br>IS : 1786—1979                      |     |
| 35. सीएम/एल-11403 24<br>1982-12-14 | 83-01-01   | 83-12-31 | भरेना री-रोलिंग एंड इंड,<br>डबलपैमेंट कार्पो., प्रा. लि.,<br>इंडस्ट्रियल एरिया, मुरैना (म. प्र.)                                       | संरचना हस्तात (मानक किस्म)—<br>IS : 226—1975  |     |
| 36. सीएम/एल-11404 25<br>1982-12-14 | 83-01-01   | 83-12-31 | स्टेपार्ट केबल्स लि.,<br>किरोल, बिधा बिहार (उत्तर)<br>घाटकोपर, बम्बई-400086  | कोबला खानों के उपयोग के लिए रबड़<br>रोधित लचीले ट्रेलिंग केबल किस्म एकटी<br>और एकटीही—<br>IS : 691—1966     |     |
| 37. सीएम/एल-11405 26<br>1982-12-14 | 83-01-01   | 83-12-31 | प्रीमियर इंडस्ट्रीज, सी-10,<br>इंडस्ट, इस्टेट, संतनगर,<br>हैवराबाद-500018  | शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम के<br>लड़ावर चालक—<br>IS : 398 (भाग 1)—1976                         |     |
| 38. सीएम/एल-11406 27<br>1982-12-14 | 83-01-01   | 83-12-31 | भार. एस. एंटरप्राइजेज,<br>ई-19, इंड, एरिया,<br>श्री माधपुर-332715<br>(कार्यालय : 20 कान्ती नगर,<br>जयपुर-302006)                       | पेय जल पूति के लिए अनम्य पीपीसी पाइप<br>श्रेणी 3 साइज 110 मिमी. तक—<br>IS : 4985—1981                       |     |
| 39. सीएम/एल-11307 28<br>1982-12-15 | 83-01-01   | 83-12-31 | ए. के. सी. इंडस्ट्रीज,<br>158-ए, पिकनिक गार्डन रोड,<br>कलकत्ता-700039<br>निर्गम —<br>—गति—   | निम्नलिखित रेटिंग के जल शीतित जल एक<br>सिलिंडर तथा चार स्ट्रोक वाले ऊर्ध्व<br>शीजल इंजन—<br>नियंत्रण एसएफपी |     |
|                                    |            |          | 3.67 किवा 1500<br>(5बीएस.पी.) च. प्र. मि.<br>IS : 1601—1960  | श्रेणी "बी" 255 ग्रा/किवा/घंटा  |     |
| 40. सीएम/एल-1140 29<br>1982-12-14  | 83-01-01   | 82-12-31 | एस. भार. इंजिनियरिंग वर्क्स,<br>जी. टी रोड, बाइपास,<br>जसन्धर शहर  | 1. साइज डेजिगनेशनल 2-तक 1. एलबी,<br>2. टी. और 3. सांकेट—<br>IS : 1879 (भाग 1 से 10 तक)—1975                 |     |
| 41. सीएम/एल-11409 30<br>1982-12-15 | 1982-12-16 | 83-12-15 | यूनिसिस्टम प्रा. लि.,<br>15/1, मधुरा रोड,<br>फरीदाबाद-121003   | रेशा गत्ता के नालीदार बनने, (एक, दो<br>और तीन परत वाले)—<br>IS : 2771(भाग 1)—1977                           |     |
| 42. सीएम/एल-11420 23<br>1982-12-14 | 83-01-01   | 83-12-31 | नर्मदा इंडस्ट्रीज, 6/1, इंडस्ट्री, इस्टेट,<br>गोविन्दपुरा, भोपाल   | शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए जस्तीकृत हस्तात<br>प्रबलित एलुमिनियम चालक—<br>IS : 398 (भाग 2)—1976           |     |

| (1)                                | (2)      | (3)      | (4)   | (5)  | (6) |
|------------------------------------|----------|----------|---|--|-----|
| 43. सीएम/एल-11411 23<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | मार्शन री रोडर्स, प्लाट नं. 780,<br>ओलूगर्द रोड, ओलूगर्द,<br>पांडित्य-605010<br>(कार्यालय: 70, पहली मंजिल,<br>सेमुब्रुवो स्ट्रीट, मद्रास-600001)                        | संरचना हस्तात (मानक किस्म)---<br>IS: 226—1975  |     |
| 44. सीएम/एल-11412 25<br>1982-12-16 | 82-01-01 | 83-12-31 | कमणी स्टील इंडस्ट्रीज प्रा. लि.,<br>डाकघर केडुगुडी, प्लाट फोल्ड<br>रेलवे स्टेशन, बंगलौर-560067<br>(कार्यालय: नं. 29/2 के. एच. रोड,<br>शांति नगर, बंगलौर)                | संरचना हस्तात (सामान्य किस्म)---<br>IS: 1977—1975  |     |
| 45. सीएम/एल-11413 26<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | खेतान टीबरेवाला इलेक्ट्रीकल्स<br>प्रा. लि., एं 13, कोम्पा. इंड.<br>इस्टेट, हैदराबाद-500037<br>(कार्यालय: 14 बिक्रमपुरी,<br>सिकन्दराबाद-500003)                          | सीलिंग टाइप के बिजली के पंखे व रेगुलेटर,<br>साइज: 900 मिमी, 150 मिमी. 1200<br>मिमी. व 400 मिमी. ---<br>IS 374—1979 |     |
| 46. सीएम/एल-11414 27<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | भारत धायरन वर्क्स, पूना बंगलौर<br>रोड बेलगाम-590002   | दोहरे कोरदार बंड साइज: 300 मिमी. तक<br>IS: 1538 (भाग 18)—1976  |     |
| 47. सीएम/एल-11415 28<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | वही   | टी. सभी साकेट, साइज: 300 मिमी. तक---<br>IS: 1538 (भाग 11)—1976   |     |
| 48. सीएम/एल-11416 28<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | वही   | कोरदार स्पिंगट, साइज: मिमी. तक---<br>IS: 1538 (भाग 8)—1976   |     |
| 49. सीएम/एल-11417 30<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | वही   | दोहरे साकेट बंड, साइज 300 मिमी. तक---<br>IS: 1538 (भाग 10)—1976  |     |
| 50. सीएम/एल-11418 31<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | वही   | सभी कोरदार टी, साइज-300 मिमी, तक---<br>IS: 1538 (भाग 19)—1976  |     |
| 51. सीएम/एल-11419 32<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | वही   | कालर, साइज: 300 मिमी, तक---<br>IS: 1538 (भाग 9)—1976   |     |
| 52. सीएम/एल-11420 25<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | भारत धायरन वर्क्स, पूना बंगलौर रोड,<br>बेलगाम-590002  | कोरदार साकेट, साइज: 300 मिमी तक---<br>IS: 1538 (भाग 7)—1976  |     |
| 53. सीएम/एल-11421 26<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | कृषि रसायन (बिहार), मार्ज इंड, इस्टेट, मार.<br>के. माधम, मुजफ्फरपुर-843110 (बिहार)  | गामा बी.एच. सी (सिलिन्डर) ई.सी. 20 %<br>IS: 632—1970   |     |
| 54. सीएम/एल-11422 27<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | जे.जी. ग्लास इंड, लि.,<br>पिम्परी, पुणे-411018 (महाराष्ट्र)   | केवल 500 मि. लि. क्षमता की कांच की<br>दुग्ध बोतलें---<br>IS: 1392—1972   |     |
| 55. सीएम/एल-11423 28<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | श्री वेंकटेश्वर मिनलर्स प्रा. लि.,<br>इलैया मुडली स्ट्रीट,<br>कोडीमेट, मद्रास-81 (कार्यालय: 156 दूध चेटी<br>स्ट्रीट मद्रास-600001)                                      | डी डी. टी ईसी---<br>IS: 633—1975   |     |
| 56. सीएम/एल-11424 29<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | वेंकटरमन कलरमैच वर्क्स, 2/57ए,<br>सिधुराजपुरम गांव एंड डाकघर शिवकाशी<br>626123 रामनद जिला (त. मा.)  | डिब्बी बन्द निरापद दियासलाहया लकड़ी की<br>सीलिया---<br>IS: 2653-1980   |     |
| 57. सीएम/एल-11425 30<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | चैतलम मैच इंडस्ट्रीज, बोदुरेडीयपट्टी,<br>विलपट्टी पोस्ट (बाया शिवकाशी) त. मा.<br>(कार्यालय: 81 मुम्बगा माउर स्ट्रीट,<br>शिवकाशी-626123)                                 | डिब्बी बन्द निरापद दियासलाहया लकड़ी<br>की सीलिया---<br>IS: 2653-1980   |     |
| 58. सीएम/एल-1146 31<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | करणगंगा मैच इंडस्ट्रीज, 5/32 जी,<br>कामराजपुरम कालोनी, शिवकाशी -626123<br>(त. मा.)  | वही  |     |
| 59. सीएम/एल-11427 32<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | सरस्वती मैच वर्क्स,<br>180/5 एंड 180/6 सिलार्मलाई पट्टी रोड,<br>पेरियूर बिलेज, तिरुमंगलम तालुक जिला<br>मुकुंद (त. मा.), (कार्यालय: 72, जवलि-<br>काबाई स्ट्रीट, शिवकाशी) | वही  |     |

| (1)                                 | (2)      | (3)      | (4)   | (5)*   | (6) |
|-------------------------------------|----------|----------|---|--|-----|
| 60. सी एम/एल-11428 33<br>1982-12-15 | 83-01-01 | 83-12-31 | असम हंड, कार्पोरेशन, इंडस्ट्रियल इस्टेट, बामुनी<br>मैदान, गंगाटो-781021   | शिरोपरि प्रेषण कार्यों के अस्तीकृत इस्पात<br>प्रचलित लुमिनियम—<br>IS : 398 (भाग 2)—1976<br>प्लाईवुड की बाय की पेट के बटने—<br>IS : 10 (भाग 3)—1974 |     |
| 61. सी एम/एल-11429 34<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | टी चैस्ट मैनु. एंड सेलस कार्पोरेशन,<br>6/16, नारख हाउस, दूती बस्ती,<br>कार्यालय : डाकघर जयगांव,<br>जिला जलपाईगुड़ी (प. बं.)                                   | नहीं   |     |
| 62. सी एम/एल-1143027<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | टी चैस्ट बेटनस मैनु. एंड सेलस कार्पोरेशन,<br>2/16, नारख हाउस, दूती बस्ती<br>कार्यालय : डाकघर जयगांव, जिला<br>जलपाईगुड़ी, (प. बं.)                             | नहीं   |     |
| 63. सी एम/एल-1143128<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | टी चैस्ट बेटनस मैनु. एंड सेलस कार्पोरेशन,<br>4/16, नारख हाउस, दूती बस्ती<br>(कार्यालय : डाकघर जयगांव जिला<br>जलपाईगुड़ी, प. बं.)                              | नहीं   |     |
| 64. सी एम/एल-1143228<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | टी चैस्ट बेटनस मैनु. एंड सेलस कार्पोरेशन,<br>5/16, नारख हाउस, दूती बस्ती<br>(कार्यालय : डाकघर जयगांव,<br>जिला जलपाईगुड़ी प. बं.)                              | नहीं   |     |
| 65. सी एम/एल-1143330<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | एम. पी. बायर्स एंड कंस्ट्रक्शंस प्रा. लि.,<br>31 बंड, इस्टेट, खालियर-474002<br>(म. प्र.)  | शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम के<br>लड़दार चालक—<br>IS : 398 (भाग 1)- 1976   |     |
| 66. सी एम/एल-1143431<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | वैकटसा मैच इंडस्ट्रीज, परेपट्टी, (बाया)<br>शिवकाशी (त. ना.)<br><br>(कार्यालय : 153, मुंडगा नाउर स्ट्रीट,<br>शिवकाशी-626123 (त. ना.)                           | दिल्ली बन्द निरापद बियासलाइयां, लकड़ी की<br>तिजिया<br>IS : 2653-1980   |     |
| 67. सी एम/एल-1143532<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | व. वेबी मैच इंडस्ट्रीज, 2212-7,<br>श्रीमन्तनचैपुखम रोड, शिवकाशी (त. ना.)<br>कार्यालय : 301-बी, नरगिरी रोड,<br>शिवकाशी-626123 (त. ना.)                         | नहीं   |     |
| 68. सी एम/एल-1143633<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | पानामा मैच इंडस्ट्रीज, 865, सेनमधला<br>नखियरपुखम गांव, शिवकाशी (त. ना.)<br>कार्यालय : 1-ए, के. एम. पामानाउर स्ट्रीट,<br>शिवकाशी-626123 (त. ना.)               | नहीं   |     |
| 69. सी एम/एल-1143734<br>1982-12-17  | 82-11-01 | 83-10-31 | कीन पेस्टोसाइडस (प्रा.) लि.,<br>साउथ बसाकुलम डाकघर, बाया एलिवे,<br>जिला एनाकुलम (केरल)<br>(कार्यालय : टावर हाउस, एम. जी. रोड,<br>एनाकुलम, कोचीन-682011, केरल) | मालाधियान ईसो—<br>IS : 2667-1978   |     |
| 70. सी एम/एल-1143835<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | कैमोकल्स (इंडिया) ए/5 से 18<br>आरुड एमभाईडीलो एरिया, सेयानी,<br>मकोला-444104 (महाराष्ट्र)   | क्विनलपोज ईसो—<br>IS : 8028-1976   |     |
| 71. सी एम/एल-1143936<br>1982-12-17  | 83-01-01 | 83-12-31 | गुजरात एप्रो इंडस्ट्रीज कार्पो. लि.,<br>करंज बाग, जोयर चैस्ट डिजिज, हस्पताल,<br>सरदार नगर, डाकघर महमदाबाद (गुजरात)  | मियाहल पैराथियान डीपी—<br>IS : 8960-1978   |     |
| 72. सी एम/एल-1144029<br>1982-12-20  | 83-01-01 | 83-12-31 | फरीदाबाद गैस गजेटस (प्रा.) लि.,<br>प्लाट नं. 369, सेक्टर 24,<br>फरीदाबाद-121005 (हरियाणा)<br>(कार्यालय : ए-96, गेट नं. 1,<br>नई दिल्ली-110048)                | द्रवित पेट्रोलियम गैसों के जलन वाली बरेल<br>कुकिंग रेंज, गिलरों सहित—<br>IS : 2653-1980  |     |
| 73. सी एम/एल-1144130<br>1982-12-14  | 83-01-01 | 83-12-31 | काली बांड स्टेनलेस स्टील फैक्टरी, 42/6 बी,<br>मन्नास रोड, मेलाकावेरी, कुंभकोण -612001<br>(त. ना.)   | द्रवित तली वाले इस्पात के खाना पकाने के<br>बर्तन, तापी विद्युत केपित—<br>IS : 4536 (भाग 1)- 1968   |     |



| (1)                                | (2)      | (3)      | (4)  | (5)   | (6) |
|------------------------------------|----------|----------|--|---|-----|
| 74. सी एम/एल-1144231<br>1982-12-20 | 83-01-01 | 83-12-31 | डामोदर भ्रायन वर्क्स, पोस्ट बाक्स नं. 107,<br>पूना बंगलोर रोड, बेलगांव-590016  | घोहरे साकेट टेपर, साइज 450 मिमी. तक-<br>IS: 1538(भाग 14)-1978   |     |
| 75. सी एम/एल-1144332<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | सावनमय शिवूमल स्टील, री-रोलिंग मिल्स,<br>जी. टी. रोड, मंडी गोविन्दगढ़ (पंजाब)  | संरचना इस्पात (मानक किस्म)-<br>IS: 228-1975   |     |
| 76. सी एम/एल-1144433<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | एशियन इंडस्ट्रोज, 2 मलीपषजारा स्ट्रीट,<br>लिल्लन<br>(कार्यालय: 9 अमरचिंतपुर रोड,<br>कलकत्ता-700007)  | कंक्रीट प्रबलन के लिए शीतकृत इस्पात के<br>उच्च शक्ति के विकृत सरिये-<br>IS: 1786-1979   |     |
| 77. सी एम/एल-1144534<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | अमर इंडस्ट्रोज, 8/1/1, गुवदास बत्त गार्डन<br>लेन, कलकत्ता-700067   | प्लार्डबुड की बाय की पेटी के पैनल<br>IS: 10 (भाग 2)-1976  |     |
| 78. सी एम/एल-1144635<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | द फोर्ट विलियम कं. लि., (स्टील, वायर<br>एंड रोप डिब्बोजन) 6ए, जी.टी. रोड, कान्नागर<br>दुगली, (कार्यालय: 14 नेताजी सुभाष रोड,<br>कलकत्ता-700001)                  | छानों में धुलाई के लिए इस्पात के तार<br>रस्ते-<br>IS: 1856-1977   |     |
| 79. सी एम/एल-1144736<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | मेघालय प्लार्डबुड कं. लि., जी. एस. रोड,<br>बिनीहाट-793101<br>(कार्यालय: बड़ा बाजार रोड,<br>शिलांग-793002)  | प्लार्डबुड बाय की पेटी के बस्ते-<br>IS: 10 (भाग 3)-1974   |     |
| 80. सी एम/एल-1144837<br>1982-12-20 | 82-09-01 | 83-08-31 | द फोर्ट विलियम कं. लि., (स्टील, वायर<br>एंड रोप डिब्बोजन), 6-ए, जी.टी. रोड,<br>कोन्नागर, दुगली,<br>(कार्यालय: 14 नेताजी सुभाष रोड,<br>कलकत्ता-700001)            | अष्टाक्षरानी गोल लड़वार जस्तीकृत इस्पात के<br>तार रस्ते-<br>IS: 2581-1977   |     |
| 81. सी एम/एल-1144938<br>1982-12-20 | 83-01-01 | 83-12-31 | डामोदर भ्रायन वर्क्स, पोस्ट बाक्स नं. 107,<br>पूना बंगलोर रोड, बेलगांव-590016  | सभी कोरदार कास, साइज 450 मिमी.<br>तक-<br>IS: 1538 (भाग 20)-1978   |     |
| 82. सी एम/एल-1145031<br>1982-12-23 | 82-12-16 | 83-12-16 | अजय इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, 20/11,<br>साइट नं. 4, साहिबाबाद इंडस्ट्रियल एरिया,<br>साहिबाबाद (उ. प्र.)<br>(कार्यालय: 4561, इन्डिगॉज, सदर बाजार,<br>दिल्ली-110006) | गहरे फुएं के लिए हाथ के बरमें-<br>IS: 9301-1979   |     |
| 83. सी एम/एल-1145132<br>1982-12-22 | 83-01-01 | 83-12-31 | भूषण इंड. कार्पोरेशन, 71, इंड. एरिया,<br>चंडीगढ़-160002  | संरचना इस्पात (मानक किस्म)-<br>IS: 228-1975   |     |
| 84. सी एम/एल-1145233<br>1982-12-22 | 83-01-01 | 83-12-31 | एस. जे. इंजीनियरिंग वर्क्स,<br>प्लॉट नं. 36, चांदी वाली फर्म,<br>सकी विहार, बिलेज रोड, चांदी वाली,<br>बम्बई-400072   | कंक्रीट प्रबलन के लिए शीतकृत इस्पात के<br>उच्च शक्ति के विकृत सरिये-<br>IS: 1786-1979   |     |
| 85. सी एम/एल-1145334<br>1982-12-22 | 83-01-01 | 83-12-31 | मेसर्स एनोडाइजिंग इंडस्ट्रोज लि.,<br>इंजीनियरिंग कालेज रोड, अनन्तपुर-515002  | अलौह धातु के टक्करदार कज्जे (बहिर्विहित<br>एलुमिनियम मिश्र धातु)-<br>IS: 205-1978   |     |
| 86. सी एम/एल-1145435<br>1982-12-24 | 83-01-01 | 83-12-31 | अग्रवाल इलेक्ट्रिकल्स, डी-49,<br>एम घाट डी सी, जलगांव-425003   | 1100 वोल्ट तक की कार्यकारी वोल्टता के<br>लिए पीबीसी रोहित (सारी कार्य) एलु-<br>मिनियम बालकों वाले बिजली के कवचित<br>और अकवचित केबल, निम्न ताप अवस्-<br>थाओं में प्रयुक्त केबलों को छोड़कर-<br>IS: 1554 (भाग 1)-1976 |     |
| 87. सी एम/एल-1145536<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | जलवाहिनी पाइपस एंड केमिकल्स प्रा. (लि.)<br>जलवाहिनी इंड. कम्प्लेक्स,<br>श्रीरामपुरा बिलेज एच. डी. कोटे रोड,<br>मैसूर-570008                                      | पेय जल की सप्लाई के लिए अनम्य पीबीसी<br>पाइप शेजो 3, साइज 110 मिमी. तक-<br>IS: 4985-1981  |     |

| (1)                                  | (2)      | (3)      | (4)  | (5)  | (6) |
|--------------------------------------|----------|----------|--|--|-----|
| 88. सी.एम./एल-1145637<br>1982-12-23  | 83-01-01 | 83-12-31 | इलैक्ट्रो लिंक इंडस्ट्रीज, एयरस्ट्रिप के मामले,<br>चौरहटा (म. प्र.) रावा   | शिरोपरि प्रेषण कार्यों के लिए एलुमिनियम<br>के लड़दार चालक—<br>IS: 398 (भाग 1) -1976  |     |
| 89. सी.एम./एल-1145738<br>1982-12-23  | 83-01-01 | 83-12-31 | भार. भार. डी. मशीन टूल प्रॉडक्ट्स,<br>बी-36/3, जी. टी. कर्नाल रोड,<br>इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110033   | क्षत (पियानो) कब्जे—<br>IS: 3818-1971  |     |
| 90. सी.एम./एल-1145839<br>1982-12-23  | 83-01-01 | 83-12-31 | येसस एनोडॉजिंग इंडस्ट्रीज,<br>इंजीनियरिंग कालेज रोड, अनन्तपुर-515002   | दरवाजे के हैंडल टाइप 4,—<br>IS: 208-1979   |     |
| 91. सी.एम./एल-1145940<br>1982-12-23  | 83-01-01 | 83-12-31 | सावन मल शिबुमल स्टील, री-रोलिंग मिल्स,<br>जी. टी. रोड, मंडी गोबिन्दगढ़ (पंजाब)   | संरचना हस्तात (सामान्य किस्म)—<br>IS: 1977-1975  |     |
| 92. सी.एम./एल-1146033<br>1982-12-21  | 83-01-01 | 83-12-31 | दामोदर आयरन वर्क्स, पोस्ट बाक्स नं. 107,<br>पूना बंगलोर रोड, बेलगाम-590016   | नौक कोर, माइज : 450 मिमी. तक—<br>IS: 1538 (भाग 23)-1976  |     |
| 93. सी.एम./एल-1146134<br>1982-12-20  | 83-01-16 | 84-01-15 | मशगोब कंटेनर्स एंड फैब्रिकेटर्स,<br>मैगजीन स्ट्रीट रोया रोड, बम्बई-400010<br>(कार्यालय : 125, नगीनवास मास्टर रोड,<br>फोर्ट, बम्बई-400023)                | स्विच किनारों वाले बड़े ड्रम, श्रेणी बी—<br>IS: 1783-1974  |     |
| 94. सी.एम./एल-1146235<br>1982-12-23  | 83-01-16 | 84-01-15 | बैकटेक्स्टर एग्री केमिकल्स एंड मिनेरल्स (प्रा.)<br>लि., प्लाट नं. 3-बी, (एन.पी.) इंड.<br>एरिया, अम्बाला, मद्रास-600098                                   | मिमाहल पैराथियान, 50% ईसी—<br>IS: 2865-1978  |     |
| 95. सी.एम./एल-1146336<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | साउथ ईंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज, 343,<br>भयनाथी रोड, कोयाम्बतूर-641037<br>(कार्यालय : लक्ष्मी बिल्डिंग, 442,<br>पलियाकुलम् रोड, कोयाम्बतूर-641037)           | कृषि कार्यों के लिए अपकेन्द्री पंज हेतु 3 फेजी<br>स्कवीरल केज प्रेरण मोटरें, 3.7 किवा.<br>तक, श्रेणी ए रोघन—<br>IS: 7538-1975  |     |
| 96. सी.एम./एल-1146437<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | महावीर इंडस्ट्रीज, बरोना इंड. एरिया,<br>झाकधर सिलख, जिला बेगुसराय  | शिरोपरि प्रेषण के लिए एलुमिनियम के<br>लड़दार चालक—<br>IS: 398 (भाग 1)-1976   |     |
| 97. सी.एम./एल-1146538<br>1982-12-25  | 83-01-36 | 84-01-15 | ए इंडियन केबल कं. लि., गोलमुरी,<br>जमशेदपुर-831003 बाया एस. ई. रेलवे<br>बिहार।   | 1100 बोल्ड तक की कार्यकारी बोल्डता के<br>लिए एलुमिनियम चालकों सहित फास<br>लिंक वाली पालिएथाइलीन पीवीसी रोघित<br>के खोलदार केबल—<br>IS: 7098 (भाग 1)-1977                                       |     |
| 98. सी.एम./एल-1146639<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | मेटल प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज प्रा. लि., बी/6,<br>इंड. इस्टेट, अम्बाला, मद्रास-600058<br>(कार्यालय : 218, लिबी स्ट्रीट, मद्रास-<br>600001)                  | कंकीट प्रबलन के लिए शीतकृत हस्तात के<br>उच्च शक्ति के विद्युत सार्वे—<br>IS: 1786-1979   |     |
| 99. सी.एम./एल-1146740<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | इंडियन केबल्स कं. लि., गोलमुरी,<br>जमशेदपुर (बिहार), 831003<br>(कार्यालय : 9 हरे स्ट्रीट, कलकत्ता-700001)  | एलुमिनियम चालक वाले सभी प्रकार के<br>रबड़ रोघित केबल व होरिया—<br>IS: 434 (भाग 2)-1964   |     |
| 100. सी.एम./एल-1146841<br>1982-12-30 | 83-01-01 | 83-12-31 | प्रकाश इंडस्ट्रीज, निशातपुर, नजदीक भान-<br>पुर रेलवे गेट, भोपाल-462001<br>(कार्यालय : बस स्टैंड, छोला रोड, भोपाल-<br>462001)                             | वतिदार मिलिडर टाइप के बकी नाल द्वारा<br>भरण प्रणाली वाले पावर श्रेणियों की<br>सामान्य एवं सुरक्षा अपेक्षाएं, रेटिंग<br>3.67 किवा से 14.98 किवा.<br>(5 हा.पा. से 20 हा.पा.) तक<br>IS: 9020-1979 |     |
| 101. सी.एम./एल-1146942<br>1982-12-30 | 83-01-01 | 83-12-31 | अशोक इंजीनियरिंग वर्क्स, 311-ए फटोम-<br>राइज मार्केट, न्यू कबाड़ खाना, भोपाल-<br>462001 (म.प्र.)<br>(कार्यालय : रचना मेहन, छोला रोड, भोपाल<br>(म.प्र.)   | -बही-  |     |
| 102. सी.एम./एल-1147035<br>1982-12-30 | 83-01-16 | 84-01-15 | कोहिनूर पेंट्स प्रा. लि., नजदीक रेलवे स्टेशन,<br>छेहरा-143105, जिला अमृतसर (पंजाब)<br>(कार्यालय : 13 आर बी रतन चन्द रोड की माल,<br>अमृतसर-143001 (पंजाब) | सामान्य कार्यों के लिए सीसा रहित ग्रन्थ<br>और क्षार प्रतिरोधी बुश से करने का<br>तैयार मिश्रित रंग—<br>IS: 157-1950   |     |

| 1                                   | 2        | 3        | 4  | 5  | 8 |
|-------------------------------------|----------|----------|--|--|---|
| 103. सीएम/एल-11471 38<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | देवीदास स्टेटेस स्टील इंडस्ट्रीज प्रा. लि.,<br>बाखाना, रैम रोड, बम्बई (महाराष्ट्र)   | दोहरे बर्तनों वाले द्रवित पेट्रोलियम गैसों से<br>जलने वाले घरेलू गैस बूल्हे—<br>IS: 4246-1978  |   |
| 104. सीएम/एल-11472 37<br>1982-12-30 | 83-01-16 | 84-01-15 | इंडियन केविल कं. लि., गोलमुडी, जमशेद-<br>पुर बायाएम. ई. रेलवे, बिहार,<br>(कार्यालय : 9 हरे स्ट्रीट, कलकत्ता-700001)                          | 3.3 किवा. से 11 किवा. तक की कार्य-<br>कारी बोल्टना के लिए पीवीसी रोहित<br>(भारी कार्य) एम्बुमिनियम चालकों वाले<br>विजली के कवचित और अकवचित<br>केबल—<br>IS: 1554 (भाग 2)-1970   |   |
| 105. सीएम/एल-11473 38<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | मॉडर्न प्लास्टिक कार्पो., प्लाट नं. 11,<br>इंड. डेवलपमेंट एरिया, चेन्नोपल्ली, हैदरा-<br>बाद-500051   | विद्युत संस्थापन के लिए अथातु की कठोर<br>तलियाएँ—<br>IS: 2509-1973   |   |
| 106. सीएम/एल-11474 39<br>1982-12-30 | 83-01-16 | 84-01-15 | वत्सरा आधारन एंड स्टील वर्क्स (प्रा. लि.,<br>जी.बी. रोड, कुमहरी-490024 जिला<br>दुर्ग, (म.प्र.)   | कंक्रीट प्रबलन के लिए शीतकृत इस्पात के<br>उच्च शक्ति के विकृत सरिये—<br>IS: 1786-1979  |   |
| 107. सीएम/एल-11475 40<br>1982-12-30 | 83-01-16 | 84-01-15 | नेपथ्थुन इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज, 31 अध्यातु<br>इंड. इस्टेट मन मिल, कम्पाउंडसेनापति<br>बपल मार्ग, लोथर पेरल, बंबई-400013                      | परिशिष्ट 1 के अनुसार विद्युत उपकरणों के<br>लिए ज्वालासह संवेष्टन—<br>IS: 2148-1978   |   |
| 108. सीएम/एल-11476 41<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | रविशन्त केवल्स प्रा. लि., बी-1 और बी-2,<br>इंड. इस्टेट, संतनगर, हैदराबाद-590018  | पीवीसी रोहित दो क्रोड वाले (समानान्तर<br>दो) सिगन/मलनीसोट के फायरिंग केबल—<br>IS: 5950-1971  |   |
| 109. सीएम/एल-11477 42<br>1982-12-30 | 83-01-01 | 83-12-31 | फरगु केवल्स प्रा. लि., 195/4, 196/1,<br>नांगनी सफरती, नजफगढ़ रोड, नई<br>दिल्ली<br>(कार्यालय : ए-79, नारायणा इंड. एरिया,<br>फेज-1, नई दिल्ली) | 1100 बोर्ड तक की कार्यकारी बोल्टना के<br>लिए पीवीसी रोहित (भारी कार्य) एम्बु-<br>मिनियम और तांबे के चालकों वाले<br>विजली के कवचित और अकवचित<br>केबल, निम्न ताप अवस्थाओं में प्रयुक्त<br>केबलों को छोड़कर—<br>IS: 1554 (भाग 1)-1976 |   |
| 110. सीएम/एल-11478 43<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | कलसी मेटल वर्क्स, कपुरथना रोड, बस्ती<br>बाबा खेल, जालन्धर सिटी,<br>(कार्यालय : जी.टी. रोड, अड्डा बस्तिमान,<br>जालन्धर सिटी)                  | तीन फेरी प्रेरणा मोटरें, 5.5 किवा. तक<br>श्रेणी "ई" रोघन—<br>IS: 125-1978  |   |
| 111. सीएम/एल-11479 44<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | कंक्रीट फेरीकेटर्स प्रा. लि., 19.8 कि.मी<br>लखनऊ कानपुर रोड, गांव बंडारा, डाकघर<br>बंडारा, लखनऊ<br>(कार्यालय : बी-125/1 मुभाप मार्ग, लखनऊ)   | कंक्रीट पाइप, 800 मिमी. तक सभी साइज<br>एमपी 2, एमपी 3 और एमपी 4—<br>IS: 458-1971   |   |
| 112. सीएम/एल-11480 37<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | गर्ग प्लास्टिक, 14-गी पंकी इंडस्ट्रियल<br>एरिया, साइट नं. 2, कानपुर<br>(कार्यालय : 69 इंडस्ट्रियल एरिया, कलबी रोड,<br>कानपुर)                | पेय जल पूर्ति के लिए अनुम्य पीवीसी पाइप<br>श्रेणी 2.3 और 4 साइज : 110<br>मिमी. तक—<br>IS: 4985-1981  |   |
| 113. सीएम/एल-11481 30<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | अशरफ एक्सपोर्ट्स (प्रा) लि., 1-ए भाजाब<br>नगर, कल्याणपुर, कानपुर<br>(कार्यालय : 88/22, नाला रोड, तिसमाड,<br>कानपुर)                          | खनिकों के लिए सुरक्षित खड्ड कैनवस बूट<br>श्रेणी-2—<br>IS: 3976-1975  |   |
| 114. सीएम/एल-11482 39<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | हिन्दुस्तान सेपटी ग्लास वर्क्स, लि., जी.<br>टी. रोड, बामझोली, इलाहाबाद (उ.प्र.)  | सेपटी ग्लास, परतवार—<br>IS: 2553-1971  |   |
| 115. सीएम/एल-11483 40<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | एलपीजी एप्लाईविज, ए-19, बीनाज्जा इंडस्ट्री<br>इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती मार्ग, कंडीवती (ई)<br>बम्बई-400067 (महाराष्ट्र)                         | द्रवित पेट्रोलियम गैसों से जलने वाले दोहरे<br>बर्तनों वाले घरेलू चूल्हे, रेटिंग 601/एच<br>और 701/एच—<br>IS: 4246-1978  |   |

| 1                                   | 2        | 3        | 4  | 5   | 6 |
|-------------------------------------|----------|----------|--|---|---|
| 116. सीएम/एल-11484 41<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | एचवीएम कोट्टेज इंडस्ट्रीज, गांव थ डाकघर,<br>मुस्सेवल, राजपुरा, सहमील नालागढ़,<br>जिला सोलन (हि प्र ) | वाणिज्य निरीक्षक टाक्ष के हकी नाम द्वारा<br>भरण प्रणाली वाले पावर खोशनों की<br>सामान्य एवं सुरक्षा प्रवेशाएं रेटिंग 3.07<br>किवा. से 18.5 किवा. (5 हापा से<br>25 हापा तक) —<br>IS : 9020-1979 |   |
| 117. सीएम/एल-11485 42<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | विनायक भारत एथो इंडस्ट्रीज, मैजैस्टिक रोड,<br>मोसा-142001 (पंजाब)                                    | वाणिज्य निरीक्षक टाक्ष के हकी नाम द्वारा<br>भरण प्रणाली वाले पावर खोशनों की<br>सामान्य एवं सुरक्षा प्रवेशाएं रेटिंग 3.7<br>किवा. से 18.5 किवा. (5 हापा से<br>25 हापा तक) —<br>IS : 9020-1979  |   |
| 118. सीएम/एल-11486 43<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | ईस्ट कोस्ट पेस्ट्रीमाल्स, फोरेस्ट एरिया,<br>गंजम-761025 (उड़ीसा)                                     | मासाप्रियांत ईसी 50%<br>IS : 2507-1978  |   |
| 119. सीएम/एल-11487 44<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | जे. बी.पी. फैक्टरी, 25, मुंडी स्ट्रीट, गनी-<br>पेट-632401 (तमिलनाडु)                                 | बी.पियां —<br>IS : 1925-1974  |   |

[सं. सी एम बी/13 : 11]

बी.एन. सिंह, अपर महानिदेशक

New Delhi, 1986-02-26

S. O. 1154.—In pursuance of sub-regulation (i) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulation, 1955, as amended from time to time the Indian Standards, Institution hereby notifies that one hundred and nineteen licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of December, 1982 authorizing the licensees to use the Standard Marks.

## SCHEDULE

| Sl. No. | Licence No. (CM/L- )         | Period of Validity |          | Name and Address of the Licensee  | Article/Process covered by the Licences and the relevant IS : Designation  |
|---------|------------------------------|--------------------|----------|---|--|
|         |                              | From               | To       |   |  |
| 1       | 2                            | 3                  | 4        | 5   | 6  |
| 1.      | CM/L-11369 39<br>1982-12-01  | 82-12-01           | 83-11-30 | Kolluri Electronics Pvt. Ltd,<br>74 Adarsh Nagar,<br>Hyderabad-500483 (AP)  | Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases with three burners of each gas rating 70 l/h—<br>IS : 4246—1978 |
| 2.      | CM/L-11370 32<br>1982-12-02  | 82-11-16           | 83-11-15 | Jaipal Udyog, 33-35, Rural Indl Area, Loni, Distt Ghaziabad (U.P.)<br>(Office : 302, Akash Deep, Barakhamba Road, New Delhi-110001) | Gamma-BHC (Lindane) EC—<br>IS : 632—1978   |
| 3.      | CM/L-11371 33<br>1982-12-02  | 82-12-16           | 83-12-15 | Precto Pipes, Village Jhungian, P.O. Dayalpura, Teh Rajpura, (Distt. Patiala)   | Concrete pipes (with and without reinforcement) Class NP2, Sizes 150, 225 and 300 mm—<br>IS : 458—1971                     |
| 4.      | CM/L-11372 34<br>1982-12-04  | 82-12-16           | 83-12-15 | Nahihati Jute Mills Co. Ltd., P.O. Hazingagore, Distt 24 Parganas (WB)<br>(Office : 7, Hare Street, Calcutta-700001 (WB)            | B-twill jute bags—<br>IS : 2566—1965   |
| 5.      | CM/L-11373 35<br>1982-12-04  | 82-12-16           | 83-12-15 | Karly Paint Industries, Plot No. 28, Road No. 3, Kattedan Indl Estate, Hyderabad-500252 (A.P.)                                      | Aluminium paint for general purposes, dual container—<br>IS : 2339—1963  |
| 6.      | CM/L-11374 36<br>1982-012-04 | 82-12-16           | 83-12-15 | Palani Andavar Cotton & Synthetic Spinners Ltd, 236/1 Dhally Road, Udumalpet-642126 (T.N.)  | Cotton yarn grey for hosiery for 34s 40s counts combed—<br>IS : 834—1975   |

| (1)                             | (2)      | (3)      | (4)   | (5)  | (6) |
|---------------------------------|----------|----------|---|--|-----|
| 7. CM/L-11375 37<br>1982-12-02  | 82-12-16 | 83-12-15 | Polypack Industries, 194,<br>Dundahera Indl Complex,<br>Gurgaon (Haryana)   | Unplasticized PVC pipes for potable water<br>supplies Class 2, Sizes upto 110 mm—<br>IS : 4985—1981  |     |
| 8. CM/L-11376 38<br>1982-12-06  | 82-12-16 | 83-12-15 | Hindustan Chemical Corpn.,<br>24/2, Narkeldanga Main Road,<br>Calcutta-700054 (WB)<br>(Office : 12-B, Bipin Mitra<br>Road, Calcutta-700004)   | Laundry soap, type 11, (Bullt Soap)—<br>IS : 285—1974  |     |
| 9. CM/L-11377 39<br>1982-12-06  | 82-12-16 | 83-12-15 | A.V.M. Cattle & Poultry Feeds<br>Mfg. Industries, 275,<br>Santhi Nagar, Saibaba Colony,<br>K.K. Pudar Post,<br>Colmbatore-641038 (Office,<br>25/689, Rangi Cowder Street,<br>Colmbatore-641001) | Chicken feed only—<br>IS : 1374—1979   |     |
| 10. CM/L-11378 40<br>1982-12-07 | 82-12-01 | 83-11-30 | ASCO Industrial Corpn., 7-A,<br>Industrial Estate,<br>Sonapat (Haryana)   | Chlorine cylinders 88 litres water capacity<br>only—<br>IS : 7681—1975   |     |
| 11. CM/L-11379 41<br>1982-12-02 | 82-12-16 | 83-12-15 | Universal Cables Ltd.,<br>P.O. Birla Vikas, Satna (M.P.)<br>485001  | VIR insulated, TRS, Single core, welding<br>cables with aluminium conductors—<br>IS : 434 (Pt II)—1964   |     |
| 12. CM/L-11380 34<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | Liberty Oil Mills, 83, Jail Road,<br>(South) Bombay-400009  | 18-Litre square tins—<br>IS : 916—1975   |     |
| 13. CM/L-11381 35<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | Damodar Iron Works, P.B.<br>No. 107, Poona-Bangalore Road,<br>Belgaum-590016  | Double flanged bends Size : Upto and<br>including 350 mm—<br>IS : 1538 (Pt XVIII)—1976   |     |
| 14. CM/L-11382 36<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | Crosses, all sockets, Size : Upto and<br>including 450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XIII)—1976   |     |
| 15. CM/L-11383 37<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | Double socketed tee with flanged branch<br>Size : Upto and including 450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XII)—1976  |     |
| 16. CM/L-11384 38<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | Double socket bends Size : Upto and including<br>450 mm—<br>IS : 1538 (Pt X)—1976  |     |
| 17. CM/L-11385 39<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | All flanged tee Size : Upto and including<br>450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XIX)—1976  |     |
| 18. CM/L-11386 40<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | All bell mouth pieces Size : Upto and<br>including 450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XVII)—1976   |     |
| 19. CM/L-11387 41<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | Tees, all sockets Size : Upto and<br>including 450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XI)—1976   |     |
| 20. CM/L-11388 42<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | Collars, Size : Upto and including 450 mm—<br>IS : 1538 (Pt IX)—1976   |     |
| 21. CM/L-11389 43<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | Damodar Iron Works,<br>P.B. No. 107,<br>Poona-Bangalore Road,<br>Belgaum-590016.  | Flanged sockets, Size : Upto and including<br>450 mm.<br>IS : 1538(Pt VII)—1976  |     |
| 22. CM/L-11390 36<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | -do-  | Flanged spigots, Size : Upto and including<br>450mm—<br>IS : 1538(Pt VIII)—1976  |     |
| 23. CM/L-11391 37<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | Cobinda Plywood Products,<br>3/3A, Gurudas Dutta Garden Lane,<br>Calcutta-700067.   | Plywood tea-chest panels—<br>IS : 10(Pt II)—1976.  |     |
| 24. CM/L-11392 38<br>1982-12-07 | 82-12-16 | 83-12-15 | Reshma Cable Industries,<br>11-6-870, Lakdikapul,<br>Hyderabad-500004.  | PVC insulated unsheathed cables with aluminium<br>conductors for working voltages upto<br>and including 1100 volts excluding cables<br>for outdoor use and low temperature<br>application—<br>IS : 694—1977. |     |

| (1)                             | (2)                  | (3)      | (4)   | (5)  | (6)   |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
|---------------------------------|----------------------|----------|---|--|-------|------|--------------|----------------------|-----------------|----------------------|-------------------|----------------------|
| 25. CM/L-11393 39<br>1982-12-07 | 82-12-16             | 83-12-15 | Bando Plywood Works,<br>8, Gurudas Dutta Garden Lane,<br>Calcutta-700067.   | Flush doors—<br>IS : 2202(Pt I)—1973.  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 26. CM/L-11394 40<br>1982-12-13 | 82-12-16             | 83-12-15 | Sharad Enterprises Pvt. Ltd.,<br>C-160 Okhla Indl. Area,<br>Phase-I,<br>New Delhi-110020.   | Unplasticized PVC pipes for potable water<br>supplies, Class 2, Size : 63—110 mm.—<br>IS : 4985—1981   |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 27. CM/L-11395 41<br>1982-12-13 | 83-01-01             | 83-12-31 | Metal Processing Industries Pvt<br>Ltd., 8/6, Indl. Estate,<br>Ambattur,<br>Madras-600058<br>(Office : 218 Linghi Chetty Street,<br>Madras-600001). | Structural steel (standard quality)—<br>IS : 226—1975  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 28. CM/L-11396 42<br>1982-12-13 | 83-01-01             | 83-12-31 | Advani Oerlikan Ltd.,<br>Plot No. B-5, MIDC Area,<br>Ahmed Nagar,<br>Nagpur Village (Maharashtra).  | Covered electrodes for metal arc welding of<br>structural steel :<br><table><tr><th>Brand</th><th>Code</th></tr><tr><td>(i) Overcord</td><td>E—307412 &amp;<br/>317412</td></tr><tr><td>(ii) Overcord S</td><td>E—307412 &amp;<br/>317412</td></tr><tr><td>(iii) Overcord SS</td><td>E—307412 &amp;<br/>317412</td></tr></table><br>IS : 814(Pt I & II)—1974 | Brand | Code | (i) Overcord | E—307412 &<br>317412 | (ii) Overcord S | E—307412 &<br>317412 | (iii) Overcord SS | E—307412 &<br>317412 |
| Brand                           | Code                 |          |   |  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| (i) Overcord                    | E—307412 &<br>317412 |          |   |  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| (ii) Overcord S                 | E—307412 &<br>317412 |          |   |  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| (iii) Overcord SS               | E—307412 &<br>317412 |          |   |  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 29. CM/L-11397 43<br>1982-12-13 | 83-01-01             | 83-12-31 | New Way Chemicals & Polishes<br>Pvt. Ltd.,<br>85 Arcot Road,<br>Vadapalani,<br>Madras-600026.<br>(Office : 6 Cathedral Road,<br>Madras-600006).     | Shoe polish, paste, Shades : black, dark tan,<br>light tan and natural—<br>IS : 1746—1970.   |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 30. CM/L-11398 44<br>1982-12-13 | 83-01-01             | 83-12-31 | Dhan Raj Batra & Sons,<br>Mohabbey Wala,<br>Dehradun-248002.  | Plywood tea-chest battens—<br>IS : 10(Pt III)—1974.  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 31. CM/L-11399 45<br>1982-12-13 | 83-01-01             | 83-12-31 | Diamond Rubber & Plastic<br>Manufacturers, 20-A,<br>Radhanath Chowdhary Road,<br>Calcutta-700015 (W.B.).  | Safety rubber-canvas boots for miners, type 2—<br>IS : 3976—1975.  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 32. CM/L-11400 21<br>1982-12-13 | 83-01-01             | 83-12-31 | Safety Products & Services,<br>Melabagan, Bagjalla,<br>Dum Dum,<br>Calcutta-700074(W.B.).   | Leather safety boots & shoes for heavy metal<br>industries—<br>IS : 1989(Pt II)—1978.  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 33. CM/L-11401 22<br>1982-12-15 | 83-01-01             | 83-12-31 | Assam Indl. Corporation,<br>Industrial Estate,<br>Bamuni Maidan,<br>Gauhati-21.   | Aluminium stranded conductors for over-<br>head transmission purposes—<br>IS : 398 (Pt I)—1976   |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 34. CM/L-11402 23<br>1982-12-14 | 83-01-01             | 83-12-31 | Rajesh Traders,<br>33-C, Light Indl. Area,<br>Bhilai (MP).  | Cold worked steel high strength reformed<br>bars for concrete reinforcement—<br>IS : 1786—1979.  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 35. CM/L-11403 24<br>1982-12-14 | 83-01-01             | 83-12-31 | Morena Re-rolling & Indl. Deve-<br>lopment Co. Pvt. Ltd.,<br>Industrial Area,<br>Morena (M.P.).   | Structural steel (standard quality)—<br>IS : 226—1975  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 36. CM/L-11404 25<br>1982-12-14 | 83-01-01             | 83-12-31 | Sterlite Cables Ltd.,<br>7, Kirol, Vidyavihar (W),<br>Ghatkopar,<br>Bombay-400086   | Rubber insulated flexible trailing cable for<br>use in coal mines.<br>Types : FT and FTD—<br>IS : 691—1966   |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |
| 37. CM/L-11405 26<br>1982-12-14 | 83-01-01             | 83-12-31 | Premier Industries,<br>C-10, Indl. Estate,<br>Sanat Nagar,<br>Hyderabad-500018.   | Aluminium stranded conductors for over<br>head transmission purposes—<br>IS : 398(Pt I)—1976.  |       |      |              |                      |                 |                      |                   |                      |

| (1) | (2)                         | (3)      | (4)      | (5)  | (6)   |
|-----|-----------------------------|----------|----------|--|---|
| 38. | CM/L-11406 27<br>1982-12-14 | 83-01-01 | 83-12-31 | R.S. Enterprises,<br>E-19, Indl. Area,<br>Sri Madhopur-332715<br>(Office : 20 Kanti Nagar,<br>Jaipur-302006).  | Unplasticized PVC pipes for potable water<br>supplies, Class 3, Size : upto and includ-<br>ing 110mm—<br>IS : 4985—1981.  |
| 39. | CM/L-11407 28<br>1982-12-15 | 83-01-01 | 83-12-31 | A.K.C. Industries,<br>158-A, Picnic Garden Road,<br>Calcutta-700039  | Vertical single cylinder, water cooled, four<br>stroke diesel engines of the following<br>rating :<br>Output                      Speed                      Governing<br>3.67 kw                      1500 RPM                      Class 'B'<br>(5 bhp)<br>SFC<br>255 g/kw/h<br>IS : 1601—1960. |
| 40. | CM/L-11408 29<br>1982-12-14 | 83-01-01 | 83-12-31 | S.R. Engineering Works,<br>G.T. Road, Bye Pass,<br>Jullundur City.   | (i) Elbows,<br>(ii) Tees &<br>(iii) Sockets upto and including size designa-<br>tion 2—<br>IS : 1879(Pt I to X)—1975  |
| 41. | CM/L-11409 30<br>1982-12-15 | 82-12-16 | 83-12-15 | Unisystem Pvt. Ltd.,<br>15/1, Mathura Road,<br>Faridabad-121003.   | Corrugated fibreboard boxes (single wall<br>double wall, tripple wall)—<br>IS : 2771(Pt I)—1977.  |
| 42. | CM/L-11410 23<br>1982-12-14 | 83-01-01 | 83-12-31 | Narmada Industries,<br>6/1, Indl. Estate,<br>Govindpura,<br>Bhopal.  | Aluminium conductors, galvanized steelre-<br>inforced for overhead transmission purposes<br>—IS : 398(Pt II)—1976.  |
| 43. | CM/L-11411 24<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | Modern Re-rollers,<br>Plot No. 780,<br>Olugarai Road,<br>Olugarai,<br>Pondicherry-605010<br>(Office : 70, 1st Floor, Semubudoss,<br>Street, Madras-600001).          | Structural steel (standard quality)—<br>IS : 226—1975   |
| 44. | CM/L-11412 25<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | Rukmani Steel Industries (P) Ltd.,<br>P.O. Kedugodi,<br>White Field Rly.<br>Station, Bangalore-560067.<br>(Office : No. 29/2, K.H. Road,<br>Shantinagar, Bangalore). | Structural steel (ordinary quality)—<br>IS : 1977—1975  |
| 45. | CM/L-11413 26<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | Khaitan Tibrowala Electricals Pvt.<br>Ltd.,<br>A-13, Co-op Indl. Estate,<br>Hyderabad-500037<br>(Office : 14 Vikrampur, Secundra-<br>bad-500003).                    | Electric ceiling type fans and regulators Sizes :<br>900mm, 1050 mm, 1200 mm and 1400 mm—<br>IS : 374—1979  |
| 46. | CM/L-11414 27<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | Bharat Iron Works,<br>Poona-Bangalore Road,<br>Belgaum-590002.   | Double flanged bends Size : Upto and including<br>300 mm—<br>IS : 1538(Pt XVIII)—1976.  |
| 47. | CM/L-11415 28<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | -do-   | Tees, all sockets, Sizes : Upto and includ-<br>ing 300 mm.<br>IS : 1538(Pt XI)—1976.  |
| 48. | CM/L-11416 29<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | -do-   | Flanged spigots Size : Upto and including<br>300 mm—<br>IS : 1538(Pt VIII)—1976   |
| 49. | CM/L-11417 30<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | -do-   | Double socket bends Size : Upto and includ-<br>ing 300 mm—<br>IS : 1538(Pt X)—1976  |
| 50. | CM/L-11418 31<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | -do-   | All flanged tees, Size : Upto and including<br>300 mm—<br>IS : 1538(Pt XIX)—1976  |

| (1)                             | (2)      | (3)      | (4)   | (5)  | (6) |
|---------------------------------|----------|----------|---|--|-----|
| 51. CM/L-11419 32<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | Bharat Iron Works, Poona-<br>Bangalore Road, Belgaum-590002   | Collars, Size : Upto and including<br>300mm—<br>IS : 1538(Pt IX)—1976.   |     |
| 52. CM/L-11420 25<br>1982-12-16 | 83-01-01 | 83-12-31 | -do-  | Flanged sockets, Size : Upto and including<br>300 mm—<br>IS : 1538(Pt VII)—1976.                                       |     |
| 53. CM/L-11421 26<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Krishi Rasayan (Bihar)<br>Large Indl. Estate,<br>R.K. Ashram,<br>Muzaffarpur-843116 (Bihar).  | Gamma-BHC (Lindane) EC 20%—<br>IS : 632—1970.  |     |
| 54. CM/L-11422 27<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | J.C. Glass Indl. Ltd.,<br>Pimpri,<br>Pune-411018 (Maharashtra).   | Glass milk bottles—500 ml. capacity only—<br>IS : 1392—1972.   |     |
| 55. CM/L-11423 28<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Sree Venkateswara Minerals Pvt.<br>Ltd.,<br>3, Elaiya Mudali Street,<br>Tondiarpet, Madras-81.<br>(Office : 156, Thambu Chetty<br>Street, Madras-600001).   | DDT EC—<br>IS : 633—1975.  |     |
| 56. CM/L-11424 29<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Venkataraman Colour Match<br>Works,<br>2/57 A, Sithurajapuram,<br>Village & P.O.<br>Sivakasi-626123<br>Ramnad Distt. (T.N.).  | Safety matches in boxes, wooden sticks—<br>IS : 2653—1980.   |     |
| 57. CM/L-11425 30<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Chellam Match Industries,<br>Bodureddiapatti,<br>Villampatti Post,<br>Via Sivakasi (T.N.).<br>(Office : 81, Mundaga Nadar Street,<br>Sivakasi-626123).  | -do-   |     |
| 58. CM/L-11426 31<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Karunganaga Match Industry,<br>5/32-G, Kamarajapuram Colony,<br>Sivakasi-626123 (T.N.).   | -do  |     |
| 59. CM/L-11427 32<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Saraswathi Match Works,<br>180/5 & 180/6,<br>Silaimalai Patti Road,<br>Peraiyur village,<br>Thirumangalam Taluq,<br>Madurai Distt. (T.N.).<br>[Office : 72, Javulikadai Street,<br>Sivakasi-626123 (T.N.).] | -do-   |     |
| 60. CM/L-11428 33<br>1982-12-15 | 83-01-01 | 83-12-31 | Assam Indl. Corporation,<br>Industrial Estate,<br>Bamini Maldan,<br>Gauhati-781021.   | Aluminium conductors, galvanized steel<br>reinforced for overhead transmission pur-<br>poses—<br>IS : 398(Pt II)—1976. |     |
| 61. CM/L-11429 34<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Tea-chest Battens Mfg. & Sales<br>Corporation,<br>6/16, Norbu House,<br>Duti Basti.<br>(Office : P.O. Jaigaon, Distt.<br>Jalpaiguri, W.B.).   | Plywood teachest battens—<br>IS : 10(Pt III)—1974.   |     |
| 62. CM/L-11430 27<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Tea-Chest Battens Mfg. & Sales<br>Corp., 2/16,<br>Norbu House,<br>Duti Basti.<br>(Office : P.O. Jaigaon, Distt.,<br>Jalpaiguri, W.B.).  | -do-   |     |



| (1)                             | (2)      | (3)      | (4)   | (5)   | (6) |
|---------------------------------|----------|----------|---|---|-----|
| 63. CM/L-11431 28<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Tea-Chest Battens Mfg. & Sales<br>Corpn., 4/16, Norbu House, Duti Basti.<br>(Office : P.O. Jaigaon, Distt.<br>Jalpaiguri, W.B.).  | Plywood teachest ballens—<br>IS : 10(Pt III)—1974   |     |
| 64. CM/L-11432 29<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Tea-Chest Battens Mfg. & Sales<br>Corpn., 5/16,<br>Norbu House,<br>Duti Basti.<br>(Office : P.O. Jaigaon, Distt.<br>Jalpaiguri, W.B.).                                      | -do-  |     |
| 65. CM/L-11433 30<br>1982-12-17 | 82-11-01 | 83-10-31 | M.P. Wires & Conductors Pvt. Ltd,<br>31, Indl. Estate,<br>Gwalior-474002, (M.P.).   | Aluminium stranded conductors for overhead<br>transmission purposes—<br>IS : 398(Pt I)—1976.            |     |
| 66. CM/L-11434 31<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Venkatesa Match Industries,<br>Paraipatty, (Via)<br>Sivakasi (T.N.).<br>[Office : 153, Mundaga Nadar<br>Street, Sivakasi-626123 (T.N.)]                                     | Safety matches in boxes wooden sticks—<br>IS : 2653—1980.   |     |
| 67. CM/L-11435 32<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | The Baby Match Industries,<br>2-12-7, Shongamalanachiarpuram<br>Road, Sivakasi (T.N.)<br>[Office : 301-B, Gnagarigiri Road,<br>Sivakasi-626123 (T.N.)]                      | Safety matches in boxes, wooden sticks—<br>IS : 2653-1980   |     |
| 68. CM/L-11436 33<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Panama Match Industries,<br>865, Sengamala Nachiyarpuram<br>Village, Sivakasi (T.N.)<br>[Office : 1-A, K.M. Ramu Nadar<br>Street, Sivakasi-626123 (T.N.)]                   | -do-  |     |
| 69. CM/L-11437 34<br>1982-12-17 | 82-11-01 | 83-10-31 | Keen Pesticides (P) Ltd.,<br>South Vazhakulam P.O., Via<br>Aliwaye, Dist. Ernakulam (Kerala)<br>[Office : Tower House, M.G. Road,<br>Ernakulam, Cochin-682011,<br>(Kerala). | Malathon EC—<br>IS : 2567—1978  |     |
| 70. CM/L-11438 35<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Chemicals (India) A-15 to 18<br>Old MIDC Area, Seoni, Akola-<br>444104 (Maharashtra).   | Quinalphos EC—<br>IS : 8028—1976  |     |
| 71. CM/L-11439 36<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Gujarat Agro Industries Corpn.<br>Ltd, Karanj Bagh, Near Chest<br>Disease Hospital, Sardar Nagar<br>P.O. Ahmedabad (Gujarat).   | Methyl Parathion DP—<br>IS : 8960—1978  |     |
| 72. CM/L-11440 29<br>1982-12-17 | 83-01-01 | 83-12-31 | Faridabad Gas Coddgets (P) Ltd.<br>Flat No. 369, Sector 24,<br>Faridabad-121005 (Haryana)<br>[Office : N-96, Greater Kailash-1<br>New Delhi-110048].                        | Domestic cooking ranges, including grills for<br>use with liquefied petroleum gases—<br>IS : 4760—1979  |     |
| 73. CM/L-11441 30<br>1982-12-14 | 83-01-01 | 83-12-31 | Kali Brand Stainless Steel Factory,<br>42/6-B, Madras Road, Melakaveri<br>Kumbakonam-612001 (TN)  | Composite bottom stainless steel cooking<br>utensils, copper electrodeposited—<br>IS : 4536 (Pt-I)—1968 |     |
| 74. CM/L-11442 31<br>1982-12-20 | 83-01-01 | 83-12-31 | Damodar Iron Works,<br>P.B. No. 107, Poona-<br>Bangalore Road, Belgaum-590016   | Double socket tapers Size : Up to and includ-<br>ing 450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XIV)—1976                 |     |
| 75. CM/L-11443 32<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | Sawan Mal Shibu Mal Steel Re-<br>rolling Mills, G.T. Road,<br>Mandi Gobindgarh (Pb).  | Structural steel (standard quality)—<br>IS : 226-1975   |     |
| 76. CM/L-11444 33<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | Asian Industries, 2,<br>Malipanohgara Street,<br>Lilloh (Office : 9, Upper<br>Chitpur Road, Calcutta-700007).   | Cold waked steel high strength deformed<br>bars for concrete reinforcement—<br>IS : 1786—1979           |     |

| (1)                             | (2)      | (3)      | (4)  | (5)  | (6) |
|---------------------------------|----------|----------|--|--|-----|
| 77. CM/L-11445 34<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | Amar Industries, 8/1/1,<br>Gurudas Dutta Garden Lane,<br>Calcutta-700067   | Plywood tea-chest panels—<br>IS : 10 (Pt-II)—1976.   |     |
| 78. CM/L-11446 35<br>1982-12-21 | 82-01-01 | 83-08-31 | The Fort William Co. Ltd.,<br>(Steels, Wire & Rope Division),<br>6A, G.T. Road, Konnagar<br>Hooghly (Office : 14, Netaji<br>Subhash Road, Calcutta-700001).          | Steel wire ropes for haulage purpose in mines—<br>IS : 1856—1977   |     |
| 79. CM/L-11447 36<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | Mughalaya Plywoods Ltd.,<br>G.S. Road, Byrnihat-793101<br>(Office : Bara Bazar Road,<br>Shillong-793002).  | Plywood tea-chest battens—<br>IS : 10 (Pt III)—1974  |     |
| 80. CM/L-11448 37<br>1982-12-20 | 82-09-01 | 83-8-31  | Fort William Co. Ltd.,<br>(Steel, Wire & Rope Division),<br>6-A, G.T. Road, Konnagar,<br>Hooghly (Office : 14, Netaji<br>Subhash Road, Calcutta-700001)              | Round strand galvanized steel wire ropes for<br>shipping purposes—<br>IS : 2581—1977   |     |
| 81. CM/L-11449 38<br>1982-12-20 | 83-01-01 | 83-12-31 | Damodar Iron Works, P.B. No.<br>107, Poona-Bangalore Road,<br>Belgaum-590016   | All flanged crosses, Size : Upto and including<br>450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XX)—1976  |     |
| 82. CM/L-11450 31<br>1982-12-23 | 82-12-16 | 83-12-15 | Alay Industrial Corporation,<br>20/11, Size No. 4,<br>Sahibabad Industrial Area,<br>Sahibabad (U.P.).<br>(Office : 4561, Deputy Ganj,<br>Sadar Bazar, Delhi-110006). | Deep well hand pump—<br>IS : 9301—1979   |     |
| 83. CM/L-11451 32<br>1982-12-22 | 83-01-01 | 83-12-31 | Bhushan Indl. Corporation, 71<br>Indl. Area, Chandigarh-160002   | Structural steel (Standard quality)—<br>IS : 226—1975  |     |
| 84. CM/L-11452 33<br>1982-12-22 | 83-01-01 | 83-12-31 | S. J. Engineering Works,<br>Plot No. 36, Chandivali Farm,<br>Saki Vihar, Village Road,<br>Chandivali Bombay-400072.  | Cold worked steel high strength deformed bars<br>for concrete reinforcement—<br>IS : 1786—1979   |     |
| 85. CM/L-11453 34<br>1982-12-22 | 83-01-01 | 83-12-31 | Yesses Anodizing Industries Ltd,<br>Engineering College Road,<br>Anantpur-515002.  | Non-ferrous metal butt hinges (Extruded<br>aluminum alloy)—<br>IS : 205—1978   |     |
| 86. CM/L-11454 35<br>1982-12-24 | 83-01-01 | 83-12-31 | Agarwal Electricals, D-46,<br>M.I.D.C., Jalgaon-425003.  | PVC insulated (heavy duty) electric cables<br>armoured and unarmoured with aluminium<br>conductors for working voltages upto<br>and including 1100 volts excluding cables<br>for use under low temperature conditions—<br>IS : 1554 (Pt I)—1976. |     |
| 87. CM/L-11455 36<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | Jalavahini Pipes & Chemicals<br>(P) Ltd. Jalavahini Ind. complex,<br>Srirampura Village, H. D. Kote<br>Road, Mysore-570008.  | Unplasticized PVC pipes for potable water<br>supplies, Class 3, Size : upto and including<br>110 mm—<br>IS : 4985—1981   |     |
| 88. CM/L-11456 37<br>1982-12-23 | 83-01-01 | 83-12-31 | Electro Link Industries,<br>Opposite Air Strip,<br>Chorhatta (M.P.) Rewa.  | Aluminium stranded conductors for overhead<br>transmission purposes—<br>IS : 398 (Pt I)—1976   |     |
| 89. CM/L-11457 38<br>1982-12-23 | 83-01-01 | 83-12-31 | R. R. D. Machine Tool Products,<br>B-36/3, G.T. Karnal Road,<br>Industrial Area, Delhi-110033  | Continuous (piano) hinges—<br>IS : 3818—1971.  |     |
| 90. CM/L-11458 39<br>1982-12-23 | 83-01-01 | 83-12-31 | Yesses Anodizing Industries,<br>Engineering College Road,<br>Anantpur-515002.  | Door handles, type 4—<br>IS : 208—1979   |     |
| 91. CM/L-11459 40<br>1982-12-23 | 83-01-01 | 83-12-31 | Sawan Mal Shihy Mal Steel Re-<br>rolling Mills, G.T. Road,<br>Mandi Gobindgarh (Pb).   | Structural steel (ordinary quality)—<br>IS : 1977—1975.  |     |
| 92. CM/L-11460 33<br>1982-12-21 | 83-01-01 | 83-12-31 | Damodar Iron Works, P.B. No. 107,<br>Poona-Bangalore Road,<br>Belgaum-590016.  | Blank flanges, Size Upto and including 450 mm—<br>IS : 1538 (Pt XXIII)—1976  |     |

| (1)                              | (2)      | (3)      | (4)   | (5)  | (6) |
|----------------------------------|----------|----------|---|--|-----|
| 93. CM/L-11461 34<br>1982-12-20  | 83-01-16 | 84-01-15 | Maa/gaon Containers & Fabricators, Magazine Street, Reay Road, Bombay-400010<br>(Office : 125, Nagindas Master Road, Fort, Bombay-400023).                    | Drums, large, fixed ends. Grade : B--<br>IS : 1783—1974  |     |
| 94. CM/L-11462 35<br>1982-12-23  | 83-01-16 | 84-01-15 | Vankateswara Agro Chemicals & Minerals (P) Ltd, Plot No. 3-B, (N.P.) Indl. Estate, Ambattur, Madras-600098  | Methyl Parathion 50% EC--<br>IS : 2865—1978.   |     |
| 95. CM/L-11463 36<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | Southern Engineering Industries, 343, Avanashi Road, Coimbatore-641037.<br>(Office : Lakshmi Bldg, 442, Pollakulam Road, Coimbatore-641037).                  | Three phase squirrel cage induction Motors for Centrifugal pumps for agricultural applications, upto and including 3.7 kw. Class 'A' insulation--<br>IS : 7538--1975                 |     |
| 96. CM/L-11464 37<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | Mahabir Industries, 1, Barauni Indl. Area, P.O. Tilrath, Dist. Begusarai.   | Aluminium stranded conductors for overhead transmission purposes--<br>IS : 398 (Pt I)—1976.  |     |
| 97. CM/L-11465 38<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | The Indian Cable Co. Ltd, Golmuri, Jamshedpur-831003<br>Via S.F. Rly. Bihar   | Cross. linked polyethylene insulated PVC sheathed cables with aluminium conductors for working voltages upto and including 1100 volts--<br>IS : 7098 (Pt I)—1977.                    |     |
| 98. CM/L-11466 39<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | Metal Processing Industries Pvt. Ltd, B/6, Indl. Estate, Ambattur, Madras-600058<br>(Office : 218, Linghi Chetty Street, Madras-600001)                       | Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement Grade Fe 415--<br>IS : 786—1979   |     |
| 99. CM/L-11467 40<br>1982-12-25  | 83-01-16 | 84-01-15 | The Indian Cable Co. Ltd., Golmuri, Jamshedpur (Bihar)—831003<br>(Office : 9 Hare Street, Calcutta-700001).   | All types and sizes for rubber insulated cables and cords with aluminium conductors--<br>IS : 434 (Pt II)—1964.  |     |
| 100. CM/L-11468 41<br>1982-12-30 | 83-01-01 | 83-12-31 | Prakash Industries, Nishatpura, Near Bhanpur Railway Gate, Bhopal-462001<br>(Off : Bus Stand, Chhola Road, Bhopal-462001).                                    | General and safety requirements for power thresher, spike tooth cylinder type with feeding system covered chute rating 3.67 kw to 14.98 kw (5 hp to 20 hp)--<br>IS : 9020—1979.      |     |
| 101. CM/L-11469 42<br>1982-12-30 | 83-01-01 | 83-12-31 | Ashok Engineering Works, 311-A, Catgarised Market, New Kabarkhana, Bhopal-462001 (M.P.)<br>[Office : Rachna Mansion, Chhola Road, Bhopal, (M.P.)]             | do--   |     |
| 102. CM/L-11470 35<br>1982-12-30 | 83-01-16 | 84-01-15 | Kohinoor Paints Pvt. Ltd. Near Rly. Station, Chhoharta-143105, Distt. Amritsar (Pb).<br>[Office : 13 R.B. Rattan Chand Road, The Mall, Amritsar-143001 (Pb)]. | Ready mixed paint brushing, acid and alkali resisting lead free, for general purposes--<br>IS : 157-1950.  |     |
| 103. CM/L-11471 36<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Devidayal Stainless Steel Industries Pvt. Ltd., Darukhana, Reay Road, Bombay-400010.<br>(Maharashtra).  | Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases with double burners--<br>IS : 4246—1978   |     |
| 104. CM/L-11472 37<br>1982-12-30 | 83-01-16 | 84-01-15 | Indian Cable Co. Ltd, Golmuri, Jamshedpur Via S.E. Rly, Bihar<br>(Office : 9 Hare Street, Calcutta-700001).   | PVC insulated (heavy duty) electric cables armoured and unarmoured with aluminium conductors for working voltages from 3.3 kw, upto and including 11 kv--<br>IS : 1554 (Pt II)—1970. |     |
| 105. CM/L-11473 38<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Modern Plastic Corpn, Plot No. 11, Indl. Development Area, Cherla pally, Hyderabad-500051   | Rigid non-metallic conduits for electrical installation, 25 mm size--<br>IS : 2509—1973.   |     |

| (1)                              | (2)      | (3)      | (4)  | (5)  | (6) |
|----------------------------------|----------|----------|--|--|-----|
| 105. CM/L-11474 39<br>1982-12-30 | 83-01-16 | 84-01-15 | Batra Iron and Steel Works (P) Ltd. G.B. Road, Kumahari—490042 Distt Durg (M.P.)   | Cold worked steel high strength deformed bars for concrete reinforcement—<br>IS : 1786—1979.   |     |
| 107. CM/L-11475 4<br>1982-12-30  | 83-01-16 | 84-01-15 | Neptune Electrical Industries, 31 Adhyatma Indl. Estate, Sun Mill Compound Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Bombay-400013.                    | Flamaproof enclosures for electrical apparatus as per Annexure I—<br>IS : 2148—1968  |     |
| 108. CM/L-11476 41<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Radiant Cables Pvt. Ltd., B-1 & B-2, Indl. Estate, Sarat Nagar, Hyderabad-500018.  | PVC insulated two core (parallel twin) single/multishot firing cables—<br>Cable IS : 5950—1971.  |     |
| 109. CM/L-11477 42<br>1982-12-30 | 83-01-01 | 83-12-31 | Prew Cables Pvt. Ltd, 195/4, 196/1 Nangli Sakrawati, Najafgarh Road, New Delhi<br>Office : A-79, Naraina Indl. Area, Phase-I, New Delhi).      | PVC insulated (heavy duty) electric cables armoured & unarmoured with aluminium and copper conductors for working voltages upto and including 1100 volts excluding cables for use under low temperature conditions—<br>I : 1554 (Pt I)—1976. |     |
| 110. CM/L-11478 43<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Kalsi Metal Works, Kapurthala Road, Basti Bawa Khel, Jullundur City.<br>(Office : G.T. Road, Adda Bastian, Jullundur City).                    | Three phase induction motors, Class 'E' insulation upto and including 5.5 kw—<br>IS : 325—1978.  |     |
| 111. CM/L-11479 44<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Concrete Fabricators Pvt. Ltd. 19.8 KM Lucknow-Kanpur Road, Village Bantkara, P.O. Bantkara, Lucknow<br>(Off : 215/31 Subhahsh Marg, Lucknow). | Concrete Pipes NP2 and NP3 all sizes, NP4, Upto and including 800 mm—<br>IS : 458—1971.  |     |
| 112. CM/L-11480 37<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Garg Plastics, 14-C, Panki Industrial Area, Site No. II, Kanpur.<br>(Office : 69 Industrial Area, Kalpi Road, Kanpur).                         | Unplasticized PVC pipes for potable water supplies, Class 2, 3 and 4. Sizes : Upto and including 110 mm—<br>IS : 4985—1981   |     |
| 113. CM/L-11481 30<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Ashraf Exports (Pvt) Ltd, 1-A, Aazad Nagar, Kalyanpur, Kanpur.<br>(Office : 88/22, Nala Road, Sisamau, Kanpur).                                | Safety rubber-canvas boots for miners, type 2—<br>IS : 3976—1975.  |     |
| 114. CM/L-11482 39<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Hindustan Safety Glass Works Ltd, G.T. Road, Ramrauli, Allahabad (UP).   | Safety glass, laminated—<br>IS : 2553—1971.  |     |
| 115. CM/L-11483 40<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | LPG Appliances, A-19, Bonanza Indl. Estate, Ashok Chakravarti Marg, Kandivli (E), Bombay-400067 (Maharashtra).                                 | Domestic gas stoves for use with liquefied petroleum, gases with double burners, rating 601/h & 801/h—<br>IS : 4246—1978.  |     |
| 116. CM/L-11484 41<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | SVM Cottage Industries, Village & P.O. Mussewal, Rajpura, Tehsil Nalagarh Distt. Solan (H.P.).   | General and safety requirements for power thresher, spike tooth cylinder type with feeding system covered chute rating 2.2 kw to 18.5 kw (3 hp to 25 hp)—<br>IS : 9020—1979.   |     |
| 117. CM/L-11485 42<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | Vishal Bharat Agro Industries, Majestic Road, Moga-142001 (Punjab).  | General and safety requirements for power thresher spike tooth cylinder type with feeding system covered chute rating 3.7 kw to 18.5 kw (5 hp to 25 hp)—<br>IS : 9020—1979.  |     |
| 118. CM/L-11486 43<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | East Coast Pesticides, Forest Area, Ganjam-761025 (Orissa).  | Malathion EC 50%—<br>IS : 2567—1978.   |     |
| 119. CM/L-11487 44<br>1982-12-31 | 83-01-16 | 84-01-15 | J. Beedi Factory, 25 Mundy Street, Ranipet-632401 (Tamil Nadu).  | Bidis—<br>IS : 1925—1974.  |     |

[No. CMD/13 : 11]

B. N. SINGH, Addl. Director General/

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1986

का.भा. 1155.—भारतीय नर्स परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का. 48) की धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अनुमरण में लोक सभा ने अपने सदस्यों में से श्रीमती चन्द्रभानु देवी और प्राफेसर सैफुद्दीन सोज़ को श्री हरिश कुमार गंगवार और श्रीमती ऊषा वर्मा के स्थान पर 22 मार्च, 1985 को भारतीय नर्स परिषद् का सचिव निर्वाचित किया है;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (1) के उपबन्धों के अनुमरण में भारत सरकार के पूर्ववर्ती स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक एफ 27-57/57-एम-II(बी)तारीख 1 दिसम्बर, 1958 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में "धारा 3 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन निर्वाचित" शब्द के अन्तर्गत मद संख्या 1 और 2 उनसे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मूवें और प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात्—

1. श्रीमती चन्द्रभानु देवी, संसद सदस्य
2. प्रो. सैफुद्दीन सोज़, संसद सदस्य

[सं. बी. 14013/1/85-पी.एम.एस.]

ए. एस. बिस्वास, अवर सचिव

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE**

New Delhi, the 5th March, 1986

S.O. 1155.—Whereas in pursuance of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), the House of the people (Lok Sabha) has elected from among its Members Shrimati Chandra Bhanu Devi and Prof. Saif-Ud-Din Soz on the 22nd March 1985 to be the Members of the Indian Nursing Council in place of Shri Harish Kumar Gangwar and Shrimati Usha Varma;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the Notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Health No. G.S.R. F. 27-57/57-MII (B) dated the 1st December, 1958, published in the Gazette of India, Part I, Section 3(1), dated the 6th December, 1958, at page 131, namely:—

In the said notification under the heading "Elected under clause (O) of sub-section (1) of section 3", for Serial Nos. and 2 and the entries relating thereto the following Serial Nos. and entries shall be substituted namely:—

- (1) Shrimati Chandra Bhanu Devi, Member of Parliament.
- (2) Prof. Saif-Ud-Din Soz, Member of Parliament.

[No. V-14013/1/85-PMS]

A. S. BISWAS, Under Secy.

**कृषि मंत्रालय**

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1986

का.भा. 1156.—केन्द्रीय सरकार, पशुधन आयात अधिनियम 1898 (1898 का 9) के खण्ड 3 के खण्ड 2 और उप-खण्ड (1) की धारा (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए एतद्वारा अधिसूचित करती है कि "पशुधन शब्द में सूअर, सूअर का मांस, हेम और सूअर के मांस से 1658 GI 85—15"

निमित्त ऐसे अन्य उत्पाद भी शामिल हैं, और इसके द्वारा इस अधिसूचना के जारी होने की तारीख से 6 माह की अवधि के लिए स्पेन, पुर्तगाल और बेल्जियम से सूअर, सूअर का मांस, हेम और सूअर के मांस से निमित्त ऐसे अन्य उत्पादों का भारत में आयात निषेध करती है। ऐसा इन देशों में अफ्रीकी सूअर के बुखार की घटना को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

[सं. 50-43/85-एच.डी.टी. (ए.क्यू.)]

एस.पी. वर्मा, अवर सचिव

**MINISTRY OF AGRICULTURE**

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 6th March, 1986

S.O. 1156.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of Section 2 and sub-section (1) of Section 3 of the Livestock Importation Act, 1898 (9 of 1898), the Central Government hereby notifies that the word "Livestock" shall cover swine, pork, ham and such other porcine products also and it hereby prohibits the import into India of Swine, pork, ham and such other porcine products from Spain, Portugal and Belgium for a period of six months from the date of issue of this notification, in view of the incidence of African Swine Fever in these countries.

[No. 50-43/85-LDT(AQ)]

S. P. VERMA, Under Secy.

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय**

(महिला कल्याण विभाग)

नई दिल्ली, 13 फरवरी, 1986

समार्थ दान अधिनियम 1890 (1890 का 6) के सम्बंध में

और

राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के सम्बंध में

का.भा. 1157.—समार्थ दान अधिनियम, 1890 (1890 की 6) के खण्ड 4 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय बाल कोष के प्रबंध बोर्ड के निवेदन पर तथा उसकी सहमति से एतद् द्वारा आदेश जारी करती है कि पांच वर्षीय मासिक जमा लेखा में निवेश की गई रु. 48,00,000/- (केवल अठ्ठातीस लाख रुपये) की धनराशि भारत सरकार के तत्कालीन समाज कल्याण विभाग की दिनांक 2 मार्च, 1979 की समय समय पर संशोधित अधिसूचना संख्या एस. ओ. -120(ई) के साथ प्रकाशित राष्ट्रीय बाल कोष, नई दिल्ली के प्रशासन के लिए योजना के अनुसार वित्तियोग किए जाने के लिए भारतीय समार्थ निधि के कोषव्यय के अधीन रहेगी।

[फा. सं.-2-3/85-प्रशिक्षण]

श्रीमती मीनाक्षी सेठ, अवर सचिव

**MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT**

(Department of Women's Welfare)

New Delhi, the 13th February, 1986

In the matter of the Charitable Endowments

Act 1890 (6 of 1890)

AND

In the matter of the National Children's Fund, New Delhi

S.O. 1157.—On the application made by, and with the concurrence of the Board of Management of the National Children's Fund, New Delhi, as in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government both hereby order that the sum of Rs. 48,00,000.00 (Rupees forty eight

Lakhs only) invested in 5 years Post Office Time Deposit Account shall vest in the Treasurer of Charitable Endowments of India to be held by him for being applied in accordance with the Scheme for the administration of the National Children's Fund, New Delhi, published with the notification of the Government of India in the then Department of Social Welfare No. S.O. 120 (E), dated the 2nd March, 1979, as amended from time to time.

[File No. 2-3/85-TR]

SMT. MEENAKSHI SETH, Under Secy.

### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1986

का.प्र. 1/58—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम, (4) के अनुसरण में, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के निम्नलिखित कार्यालयों को, जिनके कर्मचारीकुल ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिभूचित करती है :—

1. आकाशवाणी, मैसूर।
2. आकाशवाणी, पणजी।
3. आकाशवाणी, त्रिचूर।
4. आकाशवाणी, हैदराबाद।
5. हाई पावर ट्रांसमिटर, आकाशवाणी, राजकोट।
6. उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद।
7. दूरदर्शन केन्द्र, त्रिवेन्द्रम।
8. विक्रय भंडार, प्रकाशन विभाग, लखनऊ।
9. विक्रय भंडार, प्रकाशन विभाग, पटना।
10. सम्भरण भंडार, प्रकाशन विभाग, फरीदाबाद।
11. योजना मराठी, प्रकाशन विभाग, बम्बई।
12. योजना गुजराती, प्रकाशन विभाग, अहमदाबाद।
13. विक्रय भंडार, प्रकाशन विभाग, त्रिवेन्द्रम।
14. क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, त्रिवेन्द्रम।
15. क्षेत्रीय कार्यालय, राष्ट्रीय फिल्म संग्रहालय, कलकत्ता।
16. क्षेत्रीय प्रचार यूनिट, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, गंगतोक।
17. क्षेत्रीय प्रचार यूनिट, क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय, कोल्हापुर।
18. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (सामान्य), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, अहमदाबाद।
19. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (बाह्य), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, अहमदाबाद।
20. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (परिवार कल्याण), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, अहमदाबाद।
21. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (सामान्य), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, त्रिवेन्द्रम।
22. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (सामान्य), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, लखनऊ।
23. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (परिवार कल्याण), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, लखनऊ।
24. क्षेत्रीय किट निर्माण केन्द्र, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, लखनऊ।
25. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (परिवार कल्याण), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, भोपाल।
26. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (सामान्य), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय जयपुर।

27. क्षेत्रीय प्रदर्शनी एकक (बाह्य), विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय, जयपुर।

28. क्षेत्रीय कार्यालय, कीटो प्रभाव, बम्बई।

[संख्या ई. 11011/36/85-हिन्दी]

मुनि लाल, उप निदेशक (राजभाषा)

### MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 28th February, 1986

S.O. 1158.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purpose of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Information and Broadcasting, the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi :—

1. All India Radio, Mysore.
2. All India Radio, Panaji.
3. All India Radio, Trichur.
4. All India Radio, Hyderabad.
5. High Power Transmitter, A.I.R., Rajkot.
6. Upgraha Doordarshan Kendra, Hyderabad.
7. Doordarshan Kendra, Trivendrum.
8. Sales Emporium, Publications Division, Lucknow.
9. Sales Emporium, Publications Division, Patna.
10. Feeder Store, Publications Division, Faridabad.
11. Yojana Marathi, Publications Division, Bombay.
12. Yojana Gujarati Publications Division, Ahmedabad.
13. Sales Emporium, Publications Division, Trivendrum.
14. Regional Office, National Film Archives of India, Trivendrum.
15. Regional Office, National Film Archives of India, Calcutta.
16. Field Publicity Unit, Directorate of Field Publicity, Gangtok.
17. Field Publicity Unit, Directorate of Field Publicity, Kolhapur.
18. Field Exhibition Unit (General), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Ahmedabad.
19. Field Exhibition Unit (Vehicle), Directorate of Advertising and Visual Publicity Ahmedabad.
20. Field Exhibition Unit (Family Welfare), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Ahmedabad.
21. Field Exhibition Unit (General), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Trivendrum.
22. Field Exhibition Unit (General), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Lucknow.
23. Field Exhibition Unit (Family Welfare), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Lucknow.
24. Regional Kit Production Centre, Directorate of Advertising and Visual Publicity, Lucknow.
25. Field Exhibition Unit (Family Welfare), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Bhopal.
26. Field Exhibition Unit (General), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Jaipur.
27. Field Exhibition Unit (Vehicle), Directorate of Advertising and Visual Publicity, Jaipur.
28. Regional Office, Photo Division, Bombay.

[File No. E-11011/36/85-Hindi]

MUNI LAL, Dy. Director(OL)

## संचार मंत्रालय

## (दूरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1986

का. प्रा. 1159.—स्वा. आदेश संख्या 627 दिनांक 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने बावेल टेलीफोन केन्द्र गूजरात में दिनांक 29-3-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-21/86-पी.एच.बी.]

## MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Telecommunication)

New Delhi, the 4th March, 1986

S.O. 1159.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunication, hereby specifies 29-3-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bodeli Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-21/86-PHB]

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1986

का. प्रा. 1160.—स्वा. आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने बागासरा टेलीफोन केन्द्र, गुजरात, में दिनांक 29-3-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-21/86-पी.एच.बी.]

New Delhi, the 12th March, 1986

S.O. 1160.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 29th March, 1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Bagasara Telephone Exchange, Gujarat Circle.

[No. 5-21/86-PHB]

का. प्रा. 1161.—स्वा. आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने बल्लयूर इस्वाडी, पनागुडी, राधापुरम, समुगारेणपुरम तथा वडाकंकुलम टेलीफोन केन्द्रों, तमिलनाडू, में दिनांक 29-3-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-25/86-पी.एच.बी.]

बी. श्रीनिवासन, सहायक महानिदेशक (पी.एच.बी.)

S.O. 1161.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 29th March, 1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Valliyoor, Eruwadi, Panagudi, Radhapuram, Samugarengapuram & Vadakkankulam Telephone Exchanges, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-25/86-PHB]

V. SRINIVASAN, Asstt. Director General (PHB)

नई दिल्ली, 11 मार्च, 1986

का. प्रा. 1162.—स्वा. आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने कम्बई तथा पुदुकोट्टई टेलीफोन केन्द्रों, तमिलनाडू, में दिनांक 22-3-86 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-25/86-पी.एच.बी.]

New Delhi, the 11th March, 1986

S.O. 1162.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March 1960 the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 22-3-1986 as the date on which the Measured Rate system will be introduced in Kombai and Pudukkottai Telephone Exchanges, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-25/86-PHB]

नई दिल्ली, 12 मार्च, 1986

का. प्रा. 1163.—स्वा. आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने गुल्लडगुड टेलीफोन केन्द्र, कर्नाटक, में दिनांक 22-3-86 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-22/86-पी.एच.बी.]

New Delhi, the 12th March, 1986

S.O. 1163.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 22nd March, 1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Gulledgud Telephone Exchange, Karnataka Circle.

[No. 5-22/86-PHB]

का. प्रा. 1164.—स्वा. आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार महानिदेशक, दूरसंचार विभाग ने कासीपालायम, के. परमाथी, वंगल, सोमुर कोयमपल्ली, वंगल, अरसुर, कल्लिपट्टी तथा अम्मुन्डी टेलीफोन केन्द्रों, तमिलनाडू में दिनांक 22-3-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-26/86 पी.एच.बी.]

के. पी. शर्मा, सहायक महानिदेशक (पी.एच.बी.)

S.O. 1164.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 22nd March, 1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kasipalayam, K. Paramathy, Noyyal, Somur Koyampalli, Vangal, Arasur, Kallipatti and Ammundi Telephone Exchanges, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-26/86-PHB]

K. P. SHARMA, Assistant Director General (PHB)

## अन्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1986

का. प्रा. 1165.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुवर्ण में, केन्द्रिय सरकार द्वारा कलियूर ज. कम्पन लिमिटेड, बैल्लामपल्ली, जिना अखिलाबाद (अन्ध प्रदेश) के प्रबंधक से सम्बन्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुवर्ण में निश्चित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकृति करता है, जो केन्द्रिय सरकार को 25 फरवरी, 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 28th February, 1986

S.O. 1165.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Ltd., Bellampalli, Adilabad Distt. (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th February, 1986.

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)  
AT HYDERABAD**

Industrial Dispute No. 17 of 1983

**BETWEEN**

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited,  
Bellampalli, Adilabad District.

**AND**

The Management of Singareni Collieries Company Limited,  
Bellampalli, Adilabad District, A.P.

**APPEARANCES :**

Sarvasri V. Jagannadha Rao, V. Venkata Ramana and  
Y. Ramalinga Reddy, Advocates for the Workmen.

Sri K. Srinivasa Murthy and Miss G. Sudha, Advocates  
for the Management.

**AWARD**

The Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation by its Order No. 1-22011/63082-D.III(B) dated Nil August, 1983 the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli and their Workmen to this Tribunal, for adjudication :

“Whether the management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli (A.P.) is justified in refusing to refer Shri T. David, Senior Clerk, Somagudem No. 1 Incline Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, to age Determination Committee/Medical Board for assessing his age ? If not, to what relief Shri David is entitled?”

The reference was registered as Industrial Dispute No. 17 of 1983 and notices were issued to the parties.

2. In the claims statement it is mentioned that the Petitioner Sri T. David (Schedule Tribe) has been appointed in Singareni Collieries Company Limited in January 1949; that in those days there was scarcity of educated persons, the Company appointed the clerks who could write the names in English and put the numbers; that in those days there was no Service record or age assessment record register; that the age retirement rules came into existence in the year 1960. Afterwards the Management prepared their own so-called records and if the worker attained the age of 60 years they were terminated. Hence the Union raised this dispute. It is also mentioned that the agreement was executed on 26-2-1965 (copy is enclosed in the claims statement). It is further mentioned that if any worker as per the records of the Company attained 60 years of age before retirement, he should be sent to the Medical Board/Medical Officer for his age assessment. The agreement was in force until the decision of the Coal Wage Board but Coal Wage Board did not proclaim any decision in 1967. Therefore on 17-9-69 another agreement was executed vide item No. 18 (copy enclosed) The Management agreed to send such kind of workers to the Medical Board for age assessment. As per the above two agreements he was sent to the Medical Board for his age assessment before he is retired. The said two agreements prove that the age records in the Company was not correct. But the management contravened the said two agreements in the case of Sri T. David without sending him to the Medical Board for his age assessment, his services were terminated which is unjust.

(a) It is further mentioned that if any worker attained 60 years of age as per the version of the Management and if the worker produces school leaving certificate he should be sent to the Medical Board for his age assessment as per the school leaving certificate, but the Management contravened this procedure in the case of Sri T. David as a result he was forcibly terminated. It is also mentioned that one Sri Rama Rao, Moulder Workshop, Bellampalli produced his school leaving certificate after his termination. He was sent to the Medical Board and the Medical Board agreed the age in the school leaving certificate for his age assessment and he was taken on duty. The same procedure was not implemented in case of T. David hence discrimination.

(b) It is further mentioned that the concerned workman submitted an application stating that he is not 60 years but 55 years and for this the management replied that the workman to produce the school leaving certificate vide Company's letter No. SMG/WO/SB/80/2410 dated 6-12-1982. The workman has submitted his school leaving certificate on 1-2-1981 but the Management refused to send him to the Medical Board, the Manager said “You have retired yesterday and today you are bringing School Leaving Certificate which cannot be examined”, thus refused to take his school leaving certificate. It is mentioned further that one Sri Rama Rao, Moulder, Workshop, Bellampalli submitted his School leaving certificate after few months of his retirement. His school leaving certificate was accepted but refused to consider the school leaving certificate of T. David though he brought the said certificate one day late. Hence T. David is harassed.

(c) In Item No. IV of Age Retirement rules is that in case of employee already in service on the date of issue of this circular, the age should be determined in accordance with the provisions of the rules. The work should be completed within a period of 12 months from the date of issue of this circular. In Item No. VI in case literate employee the date of birth shall be entered in the record of service in the employees own hand writing. Sri David did not record his age in his own hand writing in the service book. The management did not take such writing in the service book. The Management contravened the above two rules.

(d) Lastly it is mentioned that T. David was victim of the irregular activities of the management and lost his job from 1-2-1981 for nearly 3-1/2 years he was unemployed. Therefore it is prayed that T. David be taken on duty immediately and pay the wages from 1-1-1981.

3. In the counter filed by the Management it is stated that all the allegations alleged in the claims statement are denied. It is admitted that in respect of employees of the Company, Service Book is a basic document containing the date of appointment, age, identification marks etc, the entries in which are relied on for reckoning the service and age of the employee; that in the case of literates, the date of birth of the employee is recorded in the service book, as per the declaration made by the employee with the necessary documentary proof of School Leaving Certificates at the time of appointment whereas in the case of those who could not produce any documentary proof of age or illiterates, the age as assessed by the Medical Officer is recorded in the service book at the time of entry into service. It is not true to say that the service book or age assessment were not in existence prior to 1960. It is stated that T. David joined services of the Company as Clerk from 22-1-1949. He had not produced any documentary proof of his date of birth at the time of entry into service or thereafter while he was in service. Therefore his age was assessed by the Medical Officer in accordance with the procedure then in vogue, and T. David agreed the age assessed by Medical Officer and was recorded in his service book. Thus his age was 28 years as on 22-1-1949 as entered in the service book. The age and other particulars were disclosed to him and entries were attested by him. Even at this stage T. David has not disclosed about the alleged Baptism Certificate. The admission of the workman as to his age at the time of entry into service when there was no controversy has to be accepted as correct. The date of retirement of T. David was determined on the basis of the age recorded in his service book, he attained the age of superannuation i.e. 60 years as on 22-1-1981 and he retired from the last day of the month i.e. 31-1-1981.



(a) It is further stated that the entry regarding the age of the concerned workman remained in the service book for the last 32 years. When 1. David was on the verge of retirement he submitted an application dated 14-11-1960 to the Management contending that his date of birth was 15-2-1935 as per the certificate of baptism enclosed therewith and requested for correction of his age recorded in the service book. The Management duly considered his application and advised him to produce his School Certificate or Certificate of Birth but he did not produce any such documentary evidence or any other authenticated legal document before his retirement for taking appropriate steps by the Management. The particular date of birth given for service record becomes terms and conditions of the employment and the employee is bound by the same at the time of contract. As such a worker cannot ask the Management to alter the terms and conditions of employment.

(b) It is further stated that subsequent to David's retirement on 31-1-1981 he raised a dispute contending inter alia that his date of birth was 21-5-1928 as per the school leaving certificate, are all inconsistencies and at variance. The age assessment of the employee was concerned, the Settlement dated 25-2-1965 was in force until the Central Wage Board for Coal Mining Industry made its recommendation in August 1965. Therefore, under Item 18 of the settlement dated 17-9-1969 wherever the age or date of birth entered in the service records was contested by the employees who were in service before 1960, they were sent for medical examination for confirmation of age. Admittedly Sri T. David was in service prior to 1960 and the rules applicable at that time were applied for determining his age but he did not contest the age until 14-11-80 i.e. 2 months prior to his retirement. When David contested his age, the document submitted was only a Baptism Certificate which was not a satisfactory evidence under the Age Retirement Rules or under Law. It is further mentioned that when the age retirement rules came into force with effect from 3-8-1959 the age of individual employees already in service was determined in accordance with the Rule 3(iv) but David did not produce any documentary proof of his date of birth, his age as declared at the time of appointment and attested by him was accepted as correct hence he is estopped to take a different stand. An entry to the effect that he did not produce any proof of age was also made in the service book as far back as 31-12-1959.

(c) It is lastly mentioned that the Joint Bipartite Committee for Coal Industry was constituted by the Central Government to go into certain matters including determination of age of the existing employees, wherever variance occurred or the employee raised dispute stating that the declaration made is not correct. This procedure came into vogue from 6-7-1981. By that time the workman was retired. Hence the question of invoking the procedure subsequent to retirement does not arise. Therefore the claim of the concerned workman be set aside being illegal, in valid and unjustified. The point is whether the management is justified in refusing him to refer to age determination committee or Medical Board for assessing his age?

(5) The Workmen examined two witnesses as W.W.1 and W.W.2 and marked Exs. W1 to W10. On the other hand the Management examined one witness as M.W.1 and marked Exs. M1 to M13.

(6) W.W.1 Sri S. Nagalah Reddy is the President of Tandur Coal Mines Labour Union. According to him Sri T. David who joined duty in 1948 was retired in the month of January 1981 stating that he attained the age of superannuation is 60 years. According to him there was no rules framed at the time of recruitment for filing the date of birth certificate. In 1960 the age of retirement rules have come into force and the same is marked as Ex. W1. Before commencement of Ex. W1 rules there was no procedure of retirement and no retirement was thought of. Even after commencement of Ex. W1 no action was taken by the said rules for retiring for those who have completed 60 years. That same people who have retired they raised a dispute stating that date of birth mentioned in the Register are not correct and they entered into a settlement Ex. W-2 dated 26-2-1965. According to him the same is still in force. According to him the Medical opinion should be obtained by

the Medical Officer to be retired persons before completing 60 years. He also filed Ex. W-3 true copy of another settlement dated 17-9-1969 arrived at by the workmen of the union with the Management and Ex. W4 is the copy of the Circular dated 26-10-1983 issued by the Chief Personnel Officer of the Company stating that one should be sent to Medical Board before he retires.

(a) According to him, Sri T. David applied to the Management stating that his age is 55 years and not reaching 60 years and the Management wanted him to produce certificate for the same. Ex. W5 is the true copy of the letter dated 6-12-1980 addressed by the Management directing Sri David to produce documentary evidence regarding his date of birth. He submitted the Transfer Certificate showing the date of birth as 21-5-1928 and certificate was submitted by him on 1-2-1981 marked as Ex. W7 but he was retired on 31-1-1981. In the cross examination he mentioned that since 1965 the Management was sending employees to the Medical examination at the time of recruitment and that he did not know what was the procedure adopted by the Management when T. David was recruited. Even W.W.1 had no educational qualification except to read and write Telugu. According to him he did not know that he studied upto IVth form as suggested in the Management. W.W.1 stated that he cannot identify David's handwriting of his signature. He denied that T. David was examined by the Medical Officer before he was taken into service and that his age also was fixed and that David gave his age and also signed the declaration when he was taken into service. He conceded as per Ex. M1 that he was 28 years when he joined service and that added that all these entries are made by the Management only. But he could not say why David had written the service record in his own handwriting of those particulars. According to him in Ex. W2 he was a party and he could not say whether David gave any particulars of the date of birth before 26-2-1965 when he entered into a Settlement stating that it is correct date of birth. He denied the suggestion that the settlement do not apply to him as there was no objection raised with reference to David's date of birth and when Exs. W2 and W3 settlements were entered. He denied the suggestion that Exs. W1 to W4 would apply to those employees who raised the age dispute and not to others.

6. W.W.2 is Sri T. David himself. According to him his date of birth as noted 28 years as on 22-1-1949 under Ex. W6 Identity Card. He admitted that he retired on 31-1-1981 on the attainment of 60 years and he also was given notice of retirement earlier but he stated that he did not attain the age of 60 years and produced Baptism Certificate to show the correct date of birth. According to the Management wanted him to produce School Leaving Certificate and the same was Ex. W5. Finally he produced the School Bonafide Certificate and Transfer Certificate under Exs. W7 and W8 is the copy of Transfer Certificate issued by the same School that he asserted that the date of birth is noted as 21-5-1928 from Exs. W7 and W8. According to him it is a fact that whenever there is age dispute, the matter is referred to the Medical Doctor and there were instances like that when people were referred as per Exs. V9 and W-10. He accepted in his Provident Form and Gratuity declaration that he was 28 years old as on 22-1-1949 and that he gave the same date in the State Employees Insurance Act Form also. It is also his case that he is Unionist and he is participating in the Union elections from time to time after joining the service and that there is a Settlement as per Ex. W2. He tried to explain that he did not file Baptism Certificate date of birth. He accepted that he obtained Ex. W-8 in 1981. He denied the suggestion that Exs. W-7 and W-8 are manipulated documents. He conceded that after his retirement and Exs. W-1 to W-3 are concerns which are issued during his service. Ex. W4 is the Circular issued after his retirement. He also conceded that he did not apply for correcting his date of birth either to the Union or to the Management through Union in the light of Exs. W1 to W3 circulars. He accepted that Ex. W7 is dated 29-1-1981 and Ex. W8 was also issued on 29-1-1981. He also conceded that six years before his retirement the Management got photos of every person for identification purposes and he signed on the Identity Card under Ex. W6 and in Ex. W6 it is mentioned therein his date of birth as 22-1-1949 and he did not deny the same till the date of his retirement.

7. M.W1 on the other hand mentioned that as Manager of the Collieries, he knew Sri T. David who is a clerk and he is performing the clerical duties and T. David is a retired person. According to him in the case of illiterate persons when the workers failed to give date of birth they were referring to the Medical Board and Age Determination Committee. In case of literate persons also if there is no date of birth they used to refer to the Medical Board or Age Determination Committee. He filed Ex. M4 as the Retirement Rules 1959 and the agreement entered into by the Management and the workers in the year 1965. Under Ex. M-5 it is also his case that one more agreement reached in 1969 between the workmen and management with regard to age determination as per Ex. M6 and that David did not raise any objection regarding the age and the Union also did not object. According to him after the issue of notice of superannuation Ex. M7 in October 1980 he objected one month thereafter and he submitted a written representation as per Ex. M8. It is their case that he enclosed a original copy of Baptism Certificate. But he took it back and he merely mentioned in his representation that his date of birth is 15-2-1935 as per Baptism Certificate. Then the Management wanted him to submit School Leaving Certificate from the Government Births and Deaths Department as a valid document in proof of his representation for which he failed to submit any further representation till he retired. He marked the latter as Ex. M8. According to him in the School Leaving Certificate at the time of Conciliation proceedings he gave his date of birth as 21-5-1928 as per Ex. M10 and it was Ex. M10 showed as if it was issued on 14-10-1948 by which date the said David was asked to produce the Certificate and he did not produce them. Thus there is variation between the date of birth given in the Baptism Certificate and School Leaving Certificate, and the same were discussed in Ex. M1 before the Assistant Commissioner of Labour, Mancheri. According to him the Wage Board gave pattern or procedure before adopting in such case on 5th February 1981 superseding all the previous agreements in this aspect under Ex. M12 and the same is not retrospective but prospective only, and the procedure mentioned in Ex. M12 cannot be applied to the workmen since the workmen already retired before commencement of Ex. M12 Further it is mentioned that whenever the workman have a dispute about their age they were approaching the Clerical Staff including David for filing written representations to the higher Management authorities for redressal. If there is any dispute with regard to the age, it was not correct that he should have waited till the last date of his service. He denied the suggestion that Ex. M12 had retrospective operation from 1-1-1979 and he mentioned as per Ex. M13 dated 6-6-1981 under Clause 6 Part B that it is only prospective. He mentioned that the conciliation took place on 22-1-1982 by which time David retired. Hence there was nothing to be produced as it was not found necessary to refer him to Medical Board the same was not referred to Medical Board at any time in case of David.

8. Now the admitted facts are that David was working as Clerk in Somagundam I Incline of the Singareni Collieries Company Limited having joined the service on 22-1-1949. The date of retirement there were no rules or procedure for retirement existing at that time when he joined service. But the rules of retirement were formulated as per Ex. W1 in 1960 and admittedly Sri T. David is not an illiterate person or marksmen. The Central Office of the Management is maintaining the service book of David. In the case of workers who fail to give the date of birth if they were illiterate person it is conceded by the Management that they were referring such persons to the Medical Board or Age Determination Committee for determining the date of birth or age. In case the literate person also the management was referring the persons to the Medical Board or Age Determination Committee if there were no date of birth given by them. Exs. M4 to M6 would show the same. Evidently the age of retirement rules of 1959 are marked as Ex. M4 and after agreement between the workers and management in 1965 there were settlement as per Ex. M5 and again they entered into another Settlement as per Ex. M6 regarding the determination of age. Ex. M-7 is the notice given by the Management to him stating that his age age of superannuation after completing 60 years will be on 22-1-1981 and as per the rules he would be retired from 31-1-1981 as per Clauses 4 and 13 of the Standing Order and he was asked to take necessary steps for delivering vacant possession of

possession and also for receiving gratuity and other benefits etc. Then it is surprising that David gave a letter on 14-11-80 received in office on 24-11-1980 stating that his date of birth is 15-2-1935 as per the certificate or Baptism and he mentioned that he enclosed the Baptism Certificate. To that effect he endorsed on the same under Ex. M8 that he received back the original baptism certificate which were filed by him. So the original Baptism Certificate is not there in the records. Further as per the Management under Ex. W5 the Management said that the Baptism Certificate produced by him in support of age did not hold good as per the age retirement rules of the Company and he was asked to produce documentary evidence such as School Leaving Certificate or any Government Certificate regarding his date of birth at the earliest to take necessary action. Exs. W-5 and M-9 are one and the same. Then he produced Exs. W7 and W8. Ex. M10 is equal to Ex. W8. It must be borne in mind that Ex. W8 said to be issued on 14-10-1948 by the Principal and it is true copy signed on 29-1-1981. If such a Transfer Certificate was issued on 14-10-1948 nothing prevented him from using the date of birth showed therein as his correct date of birth at any time till he was give notice under Ex. M7. It must be borne in mind that David is not an ordinary clerk but he is a Clerk Grade I and he was assisting the Manager as his clerk by giving him the clerical duties. David did not dispute Ex. M1 which is maintained and which is also written in his own handwriting. It is shown that his date of appointment in 22-1-1949 and he was aged 28 years and that he did not give any proof of age and that stated that his age is 28 years and it was entered in the record Identity Service Card that he was 28 years as on 22-1-1949 and therefore the age of superannuation comes into effect as 60 years on 22-1-1981 as per Ex. M-7. Sri T. David relied upon Exs. W7 and W8. First of all Ex. W8 is dated 14-10-1949 and nothing prevented him from producing it earlier. Further when he produced Baptism Certificate after receiving notices instead of Exs. W7 and W8 and withdrew the Baptism Certificate it makes the matter still worse. It is regarding to his own age he should have been aware which is correct i.e. whether date of birth in Baptism Certificate is correct or the age mentioned under Exs. W7 and W8 is correct? According to Baptism Certificate the date of birth was 15-2-1935. According to his School Leaving Certificate age which he tried to produce, later after retirement in the conciliation proceedings in 1982 showed that his date of birth was 21-5-1928. This shows that there is something strange that this person who is dealing with the correction of dates of birth of others and also who is said to be writing representations of other illiterate workers regarding their correction of dates of birth for proper corrections and for proper entries by virtue of the Settlement under Exs. M4 to M6, is not able to do it for himself. So he is not an innocent person or illiterate person or ignorant person. M.W1 stated that he was in the habit of writing representations of other workmen regarding their age. He did not deny the said suggestion. Further when he is literate person he cannot say that he should have been referred to the Medical Board or Age Determination Committee. It would arise only if the said literate person had not given any date of birth. The agreement are very clear on this aspect as could be seen under Exs. M4 to M6. The arguments of the workmen is that by virtue of Ex. M12 that the procedure for determination/verification of age of employee was finalised on 16-1-81 and that it should be implemented from 1-1-1979 retrospectively and that Ex. M13 would also show that the age of employee should be finalised as mentioned by the Joint Bipartite Committee for Coal Industry appended therein is not correct. It is not doubt that under Ex. M13 it is said that the above procedure will come into force with immediate effect and it would supersede any procedure or orders in the subject. So when it is dated 6-6-1981 by which time he was already retired and by which time he gave conflicting date of birth after receiving notice of superannuation under Ex. M7 having been a literate person who was in service for more than 32 years. It is strange that he is not aware to correct his date of birth in the appropriate manner and that he should be given a benefit that is given to a normal marksmen in the given circumstances. Therefore having conceded all aspects I am of the opinion that the Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli is justified in refusing to refer Sri T. David, Senior Clerk to Age Determination Committee/Medical Board for assessing his age and that he is not entitled for any relief in the given circumstances.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and seal of this Tribunal, this the 29th day of January, 1986.

### INDUSTRIAL TRIBUNAL

#### Appendix of Evidence

#### Witnesses Examined

for the Workmen :

W.W.1 S. Nagaiah Reddy

W.W.2 T. David

#### Witnesses Examined

for the Management

MW1 S. Madhav Reddy

#### Documents marked for the Workmen :

Ex. W-1 True Copy of the age retirement rules of S.C. Co. Ltd.

Ex. W2 True copy of the memorandum of Settlement arrived at during conciliation proceedings held by the Regional Labour Commissioner(C), Hyderabad under Section 12 of the I.D. Act 1947, on 26-2-1965 in the dispute between the workers of Singareni Collieries Co. Ltd., Bellampalli represented by the Tandur Coal Mines Labour Union and the Management of Singareni Collieries Company Limited.

Ex. W3 True copy of the Memorandum of Settlement arrived at in the course of conciliation proceedings held by the Chief Labour Commissioner(C), New Delhi under Section 12(3) of the I.D. Act, 1947 in the dispute between the Management of S.C. Co. Ltd., and their workmen represented by the S.C. Workers Union, Kothagudem and the Tandur Coal Mines Labour Union Bellampalli on 17-9-69.

Ex. W4 True Copy of the letter dt. 26-10-83 of the Management with regard to age disputes.

Ex. W5 True Copy of the letter dt. 6-12-80 addressed by Colliery Manager SMG No. I Incline to T. David with regard to production of date of birth certificate.

Ex. W6 Identity Card of T. David.

Ex. W7 Bonafide Certificate No. 506 dt. 29-1-81 issued by Principal & Correspondent, Wesley Co-Educational High School, Medak, Andhra Pradesh to T. David.

Ex. W8 True Copy of the Transfer Certificate dt. 14-10-48 issued to T. David the Principal Wesley Co-educational High School, Medak, (A.P.).

Ex. W9 Letter of the Supdt. A.H.B dt. 27-10-84 with regard to age assessment of Jogula Butchiah and Jogula Chinna Komaraiah.

Ex. W10 Memorandum of Settlement arrived at under Rules 58(4) of the I.D. Act 1947 on 15-11-81, at Bellampalli, between the Management of S.C. Company Ltd., and their workman represented by the Tandur Coal Mines Labour Union, Bellampalli regarding alleged wrongful retirement of B. Durgaiah. General Mazdoor O.S.P. Shantikhanl.

#### Documents marked for the Management :

Ex. M1 Identity and Service Card of T. David.

Ex. M2 True Copy of the Representation dt. 9-3-81 made by T. David to the Asst. Labour Commissioner (C) Hyderabad.

Ex. M3 True copy of the Procedure for determination/verification of age of the employees.

Ex. M4 Photostat copy of the Age retirement rules.

Ex. M5 Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at during conciliation proceedings held by the Regional Labour Commissioner (C) Hyderabad under Section 12 of the I. D. Act, 1947 on 26-2-65 in the dispute between the workers of S.C. Co. Ltd. Bellampalli represented by the Tandur Coal Mines Labour Union and the Management of S.C. Co. Ltd.

Ex. M6 Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at in the course of conciliation proceedings held by the Chief Labour Commissioner(C), New

Delhi under Section 12(3) of the I.D. Act, 1947 in the Dispute between the Management of S.C. Co. Ltd., and their workmen represented by the Singareni Collieries Workers Union, Kothagudem and the Tandur Coal Mines Labour Union, Bellampalli.

Ex. M7 Photostat copy of the letter dt. 14-10-1980 addressed by Colliery Manager, Somagudem No. I Incline to T. David with regard to payment of gratuity and refund of C.M. P.F. accumulations.

Ex. M8 Photostat copy of the representation dt. 14-11-80 made by T. David to the Divisional Superintendent, Bellampalli Division-II.

Ex. M9 Photostat copy of the letter dt. 6-12-80 addressed by Colliery Manager, SMG No. I Incline to T. David with regard to production of documentary evidence such as School Certificate or any Government Certificate with regard to date of birth.

Ex. M10 Photostat copy of the Transfer Certificate dt. 29-1-81 issued by Wesley Co-Educational High School Medak (AP) to T. David.

Ex. M11 Photostat copy of conciliation proceedings held on 22-8-82 between the Management of S.C. Co. Ltd., Bellampalli Division-II and the Tandur Mine Labour Union (INTUC) before the Assistant Labour Commissioner (C), Mancherial, regarding, alleged illegal and forceable age retirement of T. David Clerk, Somagundam-I Incline.

Ex. M12 Photostat copy of the letter No. JBCCI/IR/94/IMP/173, dt. 5-2-81 with regard to procedure for determination/Verification of the age of Employees.

Ex. M13 True copy of the Circular No. P. 49/3533/1981, dt. 6-7-81 with regard to procedure for determination/Verification of the age of the Employees.

Dated : 6-2-1986. J. VENUGOPALA RAO, Presiding Officer  
(No. L-22011/63/82-D.III(B))

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1986

का. जा. 1166.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार विराने कोल्लिरीज कामपनी लिमिटेड, कोठागुडम, के प्रबंधन में सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अवसंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करने हेतु, जो केन्द्रीय सरकार को 25-2-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 3rd March, 1986

S.O. 1166.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem, and their workmen which was received by the Central Government on the 25th February, 1986.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)

AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 45 of 1984

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem, Khammam District A.P.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem, Khammam District A.P.

APPEARANCES :

Sarvasri V. Jagannadha Rao, V. Venkata Ramana and V. Srinivasa and Y. Ramalinga Reddy, Advocates for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Miss G. Sudha, Advocates for the Management.

## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation by its Order No. L-22012/24/84-D.III (D) dated 16th July, 1984 referred the following dispute under Section 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Kothagudam and their workmen to this Tribunal for adjudication :-

"Whether the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Venkateshkhan, P.O. are justified in dismissing from service with effect from 29-10-83 Sri K. Appala Raju, Coal Filler, No. 5B Incline ? If not, to what relief is the workmen concerned entitled ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 45 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. The workman Sri K. Appala Raju mention in the claims statement that he joined the Respondent Company in the month of June 1981 as a Badli Filler and he had been working as Coal Filler since 2-3-1982 to the entire satisfaction of his superiors. While so it is his case that a charge-sheet was issued on 26-8-1983 in the first shift stating that on 26-8-1983 first shift he instigated the workers of 5B Incline to go on illegal strike and again in the second shift also he instigated the coal fillers to go on strike and it is mentioned that severe disciplinary action would be imposed but for the explanation to be submitted by the workman. So it is contended that the charge sheet itself indicated the mind of the Respondent and the enquiry was not done and charge sheet was not given in the open mind. According to him he denied the charges and given explanation. After examining five witness in the enquiry the Management examined workmen. It is his case that the principles of natural justice were not followed and the enquiry was more false and vitiated. So it is contended that the order of dismissal is invalid and requires to be set aside, as mentioned in the grounds.

3. In the counter it is submitted that Sri K. Appala Rao joined the company on 7th June, 1981 as Badli Filler at V. K. No. 7 Incline and subsequently transferred to 5B Incline where he was working as Coal Filler on the date of dismissal. According to the Management they issued a charge sheet on 26-8-1983 for instigating and inciting the coal fillers of Gang Nos. 2, 3, 4 and 5 to go on illegal strike and preventing the loyal workers from resuming duty on 26-8-1983 in 1st shift, though he did not belong to that shift he was also present during the second shift hours and instigating the 2nd shift workers to go on illegal strike on 26-8-1983. He denied that the principles of natural justice was not followed when the domestic enquiry was held. It is incorrect that the Management prejudged the issue without conducting the domestic enquiry and dismissed him. Infact the workman himself defended his case without seeking for the assistance of a worker to defend him. The workmen himself cross-examined all the witness as could be seen from the records and after the domestic enquiry held properly on the available material he was dismissed. The Coal Industry is a Public Utility service and illegal strikes are prohibited. It is also incorrect to say that the punishment is shockingly disproportionate there is no discrimination shown against this workman in any aspect. Therefore the Petitioner's claim may be dismissed.

4. No evidence was let in by the workmen as well as the Management. No documents were marked by the workmen but the Management filed documents Ex. M-1 i.e. the domestic enquiry file by consent.

5. Admittedly K. Appalaraju was working as Coal Filler in the Singareni Collieries Company Limited before his services were terminated on the ground of charges alleged against him were proved resulting in his dismissal. The workers Counsel endorsed that the domestic enquiry conducted was proper and the same was done in accordance with the principles of natural justice. Now Sri Venkataramana Counsel for the Workers contended that the charge sheet was not clear that he instigated the employees to go on strike and therefore there is no offence made out against him and he should not have been dismissed. A careful perusal of the charge sheet would show that K. Appalaraju though he was not belonging to the first shift on 26-8-1983 he was present at the Mine premises on 26-8-1983 and instigated and incited

the workmen of the Incline of Gang 2, 3, 4 and 5 to go on illegal strike and prevented the Union workers to resume duty. So the averment of Sri Venkataramana that there is no charge is not correct. Further he was charge sheeted under Clauses 16(1), 16(9) and 16(19) of the Standing Orders clearly mentioned the charge of wilful instigation of obstructing or carry out the lawful orders or obstructing the work in progress or to property of the Company. Therefore it is not correct to say that the enquiry do not fall under any of the Sections as contended by the Workers Counsel.

6. Sri Venkataramana on the other hand contended that all others who were responsible for such instigation as alleged by the Management were let off and that he alone was discriminated and contended that the punishment is also disproportionate to the misconduct alleged. For this the Counsel for the Management contended that the worker should have filed cases of incidence of discrimination shown so that it can be substantiated and mere raising an argument that there was discrimination while others were kept in service were all arguments without any basis and no records were filed to that effect.

7. Now the question is on facts whether there is any basis for the ground held to be proved or not. There is no dispute that there was strike of Gang Nos. 2, 3, 4 and 5B Incline on 26-8-1983 of the first shift and no employee went to duty. Appalaraju belonged to that Gang No. 4 of the said Incline and thus when there were no workers on duty the production was brought to a halt and it is admitted fact that Singareni Collieries Company Limited is declared as Public Utility Service under Section 22(1) of the I. D. Act. The section clearly mentions that no employee employed in public utility service shall go on strike in breach of contract prescribed thereunder and if anybody go on strike it will be illegal. In the instant case no notice is issued about the so-called strike and there was strike and the Management was prevented from getting the work done and maintained the production of coal. It is also found from the enquiry report at page 6 all the workers excepting Gang 4 went away for going underground and only Gang 4 Coal Fillers expressed their inability to attend to the allotted work place and infact it was also noticed as per Y. Venkatratnam who was examined as MW-3 that he saw Appalaraju instigating coal fillers not to go underground. When previous people and subsequent people work in their shifts it is found that Appalaraju did not work in the shift in which he was to work and further Appalaraju was found even in the first shift wherein he was expected to be present. He is not supposed to be on duty at the time of second shift on 26-8-1983. But he was found there as per the evidence given by MWs-1, 2, 3 and 4 on 27-8-1983 the Coal fillers refused to go on strike at the advice of Appalaraju. The Head Overman who was present at the spot reported the matter to the Manager but Appalaraju simply said that he was not coming. Even the defence witness Mula Sahib at page 28 of the enquiry report question No. 4 and 5 that Appalaraju was there present and he was seen by him approaching the Colliery Manager. So the present of Appalaraju is even accepted by the defence witness Mula Sahib even on page 29 of the enquiry report. Question No. 10 Mula Sahib said that he agreed that Appalaraju stopping the work and instigated the working persons on 26-8-1983 in the first shift as well as shift of Appalaraju. Thus from defence witnesses conceded the act of Appalaraju as contrary to the Standing Orders in a public utility concern. Coming to the Managements witnesses at page 23 and page 25 of the enquiry report when V. Chander was cross examined for question No. 6 he mentioned that he had seen Appalaraju on 26-8-1983 during the first shift at 8.45 A.M. near the office and for question Nos. 19 and 20 he also mentioned that K. Appalaraju was noticed on 26-8-1983 in the first shift and though the Colliery Manager instructed them to go underground on 26-8-1983 in the first shift. Appalaraju was instigating them not to go underground. It is further clear from the questions and answers given at page 25 of the Enquiry report that Appalaraju did not allow others to go underground. So it is not correct to say that the Management wrongly charge sheeted him for no fault of his. The enquiry proceedings admitted to be properly done observing the principles of natural justice. At page 20 of the enquiry report for Question Nos. 6, 7 and 8 Y. Venkatratnam in cross examination V. S. Rao answered that Appalaraju came when he was approaching others muckaddam for solving their grievances and talked to him and he was aware

that the strike due to presence and instigation of Appalaraju and the work stoppage occurred. Similarly at page 19 the same witness admitted that he noticed Appalaraju on 26-8-1983 during the first shift at pit mouth and similarly at pages 16, 17 and 18 it is made out from the evidence of Y. Venkatratnam who was cross examined by Appalaraju himself that he was very much in the Union activities and that he sponsored and instigated the workers to go on illegal strike in a public utility concern without reasonable grievance whatsoever.

8. Now Sri Venkatratnam relied upon the decision reported in *Rasiklal Vaghajibhat Patel v. Ahmedabad Municipal Corporation and others* [1985 (1) LLJ page 527] contended that non-enumerated of certain conduct or misconduct is certified Standing Order no disciplinary action could be taken and punishment should be imposed. It was a case where the right of employer to take disciplinary action and impose punishment in respect of conduct which has not been enumerated in the Standing Orders and Service Regulations has been considered and it is pointed out in that case that unless an act or omission non-enumerated as misconduct either in the Standing Orders or in the Service Regulations it is not open to the employer to fish out some conduct as misconduct and punish the workman. In the instant case the charge sheet would show that he is charged under Clauses 16(1), 16(9) and 16(19) of the said Standing Orders namely that wilful insubordination or disobedience whether along or in combination with another or others, of any lawful or reasonable order of a superior. In the instant case Appalaraju wilfully made other workers of the other shift for which he was not concerned by instigating them not to go underground when the head Foreman asked them and instructed them the nature of work to be done and was issuing orders. So it cannot be said that it is not enumerated or the same is not a misconduct under certified Standing Orders. So the said citation had no relevance. The counsel for the Workman Sri Venkatratnam relied upon the decision reported in *Glaxo Laboratories v. Labour Court, Meerut* (1984 (1) LLJ, page 16). In that case the question was whether the various acts of misconduct specified in Clause 10 would constitute misconduct punishable under Clause 23 of the Standing Orders if committed within the premises of the establishment or in the vicinity thereof or irrespective of the time and place content, they are per se, such acts of misconduct that they should be punishable notwithstanding where and when they are committed. In that case it was held that if committed within the premises of the establishment or in the vicinity thereof they were held to amount as misconduct and what constitute establishment or its vicinity would depend upon the facts and circumstances of each case. But in the instant case the evidence of three witnesses examined for the Management would show that Appalaraju was at the pit mouth and instigated Gang 4 on his own gang and also he was present at 8.45 a.m. when he was not concerned with the workmen and instigated them not to go underground for work as entrusted by the Head Overmen. So it is an act of misconduct done within the premises and also contrary to the Standing Orders which amounted to stoppage of work of public utility service and that the same was also in breach of the rules and by laws as framed under the Indian Mines Act resulting in loss of work and also wilful insubordination or lawful and reasonable orders of the superiors. It cannot be said that instigation as framed under the charge is not a ground mentioned in the Standing Orders and therefore no charge was framed as enumerated under the Standing Orders. On the other hand in the decision reported in *India General Navigation and Railway Company Limited and another v. Their Workmen* (1960(1) LLJ, page 13) when workmen employed in public utility service found guilty of participation in an illegal strike, it was held that those who merely participated peacefully in an illegal strike can be distinguished by not dismissing them while awarding punishment. In this case it is not the case of anybody that Appalaraju participated in the illegal strike peacefully as anybody else. He is the person who instigated the illegal strike and was responsible for illegal strike. So it cannot be said that the dismissal of punishment is disproportionate. In *T. M. H. Press Delhi v. Additional Industrial Tribunal, Delhi* 1961 (1) LLJ page 490 direct case where in similar facts were considered would show where there is charge on a concerned workman were guilty of fomenting the strike and inducing the other workmen to take part in the strike by threats was not proved the concerned workman could not be dismissed from service for having been found to have participated in an illegal strike

1668GI/85—16

in the absence of any such provision in the standing orders. The person can be dismissed and it was proved on facts in the instant case that there was a charge, clearly proved that Appalaraju instigated and induced other workmen for not attending to the work and he was caused for fomenting the strike. Therefore he cannot be awarded a lesser punishment as the strike which is illegal. Therefore he cannot be awarded lesser punishment since he is not one who merely participated in the strike peacefully to be considered for separate or lesser punishment. Thus looked from any angle I held that the Management is justified in dismissing K. Appalaraju, Coal Filler No. 5B Incline, from service with effect from 29-10-1983 and that he is not entitled for any relief in the given circumstances.

Award is passed accordingly.

Dated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of the Tribunal this the 30th day of January, 1986.

Sd/- Industrial Tribunal

#### APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses Examined  
for the Management :

NIL

Witnesses Examined  
for the Workmen :

NIL

Documents marked for the Management

Ex. M-1—By Consent—Domestic Enquiry file pertaining to K. Appalaraju.

Documents marked for the Workmen

NIL

Dated : 11-2-1986.

J. VENUGOPALA RAO, Presiding Officer  
[No. L-22012(24)/84-D.III (B)]

का. आ. 1167.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार स्टोन क्वाररी वार्डा तालुका मन्गरोल, जिला सुरत, के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कामगारों के बीच उद्बोध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण (सेन्ट्रल), 8 हम्दाबाद के पश्चात को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रिय सरकार को 25 फरवरी, 1986 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1167.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal (Central) Ahmedabad-I, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Stone Quarry, Wadi Taluka Mangrol, Distt. Surat, and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th February, 1986.

BEFORE SHRI G. S. BAROT, PRESIDING OFFICER,  
INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD  
Reference (ITC) No. 18 of 1984

Adjudication

BETWEEN

Shri Raiesh Kumar, Stone Quarry, at Wadi Taluka Mangrol, Distt. Surat.

AND

Their workmen.

In the matter of special allowance, bonus, permanency, etc. etc.

APPEARANCES :

None—for the employer.

None—for the workmen

## AWARD

This industrial dispute between Shri Rajesh Kumar, Stone Quarry, at Wadi, Taluka Mangrol, Distt. Surat, and their workmen, has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947, vide order No. 1-29011/66/83-D.III (B) dated 25-2-84 of the Ministry of Labour and Rehabilitation, New Delhi. The dispute relates to matters like special allowance in the form of dearness allowance, bonus, permanency, retaining allowance, etc. etc.

2. It is seen from the record that although notices have been issued to the parties several times, nobody has remained present for either of the parties to the dispute. The record shows even Registered A.D. notices duly served to both the parties. Even then, neither of the parties has cared to appear before the tribunal or even send any communication explaining their absence, though the matter has been adjourned from time to time for 1 1/2 years in order to give enough opportunities to the parties. It is surprising that even the sponsoring union has not cared to remain present and substantiate the demands which are the subject matter of the present reference. Under these circumstances, I see no point in keeping this reference pending any further. The reference thus stands disposed of. No order as to costs.

Sd/-

Secretary.

Ahmedabad,

Dated : 31-12-1985.

G. S. BAROT, Presiding Officer

[No. L-29011/66/83-D.III (B)]

SHASHI BHUSHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च- 1986

का.आ. 1168:—केन्द्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खंड (ग) के अनुसरण में डा. डी.बी. विष्ट के स्थान पर डा. ए.ए.एन. मुखर्जी, महाविदेशक, स्वास्थ्य सेवा, भारत सरकार को कर्मचारी राज्य बीमा निधि के सदस्य के रूप में नाम-निर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम मंत्रालय को अधिसूचना संख्या का.आ. 545 (अ), दिनांक 25 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “(केन्द्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खंड (ग) के अधीन नामनिर्दिष्ट” 5 शर्षक के नीचे मद के नामों की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“डा. ए.ए.एन. मुखर्जी,  
महाविदेशक, स्वास्थ्य सेवा,  
भारत सरकार,  
नई दिल्ली,”

[संख्या यू-16012/2/86-एस.एस.-1]

New Delhi, the 3rd March, 1986

S.O. 1168—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (c) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Dr. S. N. Mukherjee Director General of Health Services, as a member of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Dr. D. B. Bist ;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 545(E), dated the 25th July, 1985, namely :—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the Central Government under clause (c) of section 4)”, for the entry against Serial Number 5 the following entry shall be substituted, namely :—

“Dr. S. N. Mukherjee,  
Director General of Health Services,  
Government of India,  
New Delhi.”

[No. U-16012/2/86-SS-II]

का.आ. 1169:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड 1556, सेक्टर 18-डी, चण्डीगढ़ और इसके अंदाजा और डिमादहारा जिला गुरुगांव हरियाणा स्थित शाखाएं नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा-(4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस.-35019(144)/86-एस.एस.-2]

S.O. 1169.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Haryana State Electronics Dev. Corpn. Ltd. 1556, Sector-18-D, Chandigarh including its Branches at Ambala and Dimadahera in Gurgaon District, have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(44)/86-SS-II]

का. आ. 1170:—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नार्थ इस्टर्न इन्स्टिट्यूट आफ बैंक मैनेजमेंट, बामनीमेदान, एम डी रोड गोहाटी—781021 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[संख्या एस.-35019 (145)/86-एस. एस.-2]

S.O. 1170.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. North Eastern Institute of Bank Management, Bamunimaidan, M.D. Road, Gauhati-781021, have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(145)/86-SS-II]

का. प्रा. 1171 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टी. आक्शन कमेटी, उल्लुबारी, गौहाटी-781007 (जिनका स्थापन गेम्बुद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्यता इन बात पर सहमत हो रही है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रवर्तन अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-1 का उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करते हैं।

[खंडा एस.-35019 (146)/86-एस. एस.-2]

S.O. 1171.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as M/s. Tea Auction Committee Ulubari Gauhati-781007 have agreed that the Provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (4) of Section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the Provisions of the said Act to the said establishment;

[No. S-35019(146)/86-SS-II]

का. आ. 1172 :—मैसर्स इन्डियन एक्सप्रेस (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड, एक्सप्रेस एस्टेट्स माऊट रोड मद्रास टी. एन./565 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रवर्तन अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2ख) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रोविडेंट फंड का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम का सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे के इसमें इस पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारियों को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आगुक्त तमिलनाडु को ऐसे टिप्पणियां भेजेगा और ऐसे लेख, रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर, विनिर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारण या प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिनों के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (ग) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों या प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रोविडेंट फंड संदाय, लेखाओं या अंतरण निरीक्षण प्रसारणों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की प्रतीति, अर्थात् प्रतीति में उनमें संशोधन किया जाए, तब उक्त संशोधन का प्रति तथा कर्मचारियों का बहुसंख्यता की भाषा में उसका मर्यादित अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि या या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रोविडेंट फंड भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिभर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।



8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडू के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर इसका हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राकम का संदाय तत्पश्चात् से और श्रव्य दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एच 35014(68) 86-एस एस-2]

S.O. 1172.—Whereas Messrs Indian Express (Madurai) Private Limited, Express Estates, Mount Road, Madras (TN/565) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2B) of section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the regular employees of the establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2B) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Schemes as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all

[S-35014(68)/86-SS-II]

का.आ. 1173.—मैसर्स दि इन्डियन एक्सप्रेस एण्ड स्ट्रीट कम्पनी लिमिटेड, इसको हाउस 50 चौगुनी रोड कलकत्ता-700071 (डक्यू.बी./6028) और इसको शाखाएं जो कि उसी कोड नं. के अन्तर्गत आती हैं।

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त



अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2ख) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन दिया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सद्बद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारियों को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूचा

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कलकत्ता की ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से

वृद्धि को जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कलकत्ता के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों का अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगुस्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, याथा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कादार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(81)/86-एस.एस.-2]

S.O. 1173.—Whereas Messrs. The Indian Iron and Steel Company Limited, HSCO House-50 Chowringhee Road, Calcutta-700071 (WB/6028) and its branches which are reporting compliance under same EPF Code number (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2B) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the regular employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2B) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Calcutta maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may, direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner Calcutta and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the Premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(81)/86-SS-II]

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1986

का. आ 1174.—मैसर्स आनंद क्रोमेट्स (प्रा.) लि. मानापकम, पोल्सर-602104 मद्रास (टी. एन./6698) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रामियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मद्रास को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा -17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रामियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी जाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समूचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मद्रास के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपने दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत ही जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकबार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों की बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(47)/86-एस.एस-2]

New Delhi, the 4th March, 1986

S.O. 1174.—Whereas Messrs. Anand Chromates (Pvt.) Ltd. Manapakkam Porur-602104-Madras (TN/6698) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madras maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission to returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madras and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(47)/86-SS-II]

का. आ. 1175—मैगर्स पंजाब खांड उद्योग लिमिटेड जिरा, जिला फिरोजपुर पंजाब (पी. एन./6406) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की

अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, चण्डीगढ़ को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का अत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों, संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती है जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त चण्डीगढ़ के पूर्ण अनुमोदन के बिना ही किया जाएगा और जहां किसी संशोधन

से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरादायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीपर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(27)/86-एस.एस-2]

S.O. 1175.—Whereas Messrs. Punjab Khand Udyog Limited Zira Distt. Ferozpur (Punjab) (PN/6406) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under 1668 GI/85-17

clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(27)/86-SS-III]

का. आ. 1176 :—मैसर्स औंकार स्टीन रोलिंग मिल्स, मण्डी गोविन्दगढ़-147301 पंजाब (पी. एन./3090), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन

फायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त पंजाब के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां कि संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(45)/86-एस. एस-2]

S.O. 1176.—Whereas Onkar Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh-147301 (Punjab) (PN/3090) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked

Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Punjab maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Punjab and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(45)/86-SS-11]

का. आ. 1177.—मैसर्स गुजरात वाटर एण्ड एयर पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड पुरानी एसेम्बलि बिल्डिंग, दूसरी मजिल सैक्टर 17, गांधीनगर गुजरात (जी जे/1345), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त गुजरात के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके

हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस—35014(7)/86—एस. एस-2]

S.O. 1177.—Whereas Messrs. Gujarat Water and Air Pollution Control Board, Old Assembly Building, 2nd Floor, Sector No. 17, Gandhi Nagar, Gujarat (GJ/1345) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the 'Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, along with a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of



the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(7)/86-SS-II]

का.आ. 1178.—मैसर्स श्री रामनारायण मिल्स, लिमिटेड 2/1 बालासुन्दरम चैट्टियार रोड, कोयम्बटूर-641018 (टी.एन./1113) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अभिधाय या प्रिमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3864 तारीख 23-9-1982 के अनुसरण में और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 20-11-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 19-11-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु को ऐसे विवरणियां भेजेगा और

ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसे सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रिमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का सन्दाय आदि शामिल हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और अब कब उनमें संशोधन किया जाए, जब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किम्वं स्थापन का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसका बाबत आवश्यक प्रिमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि का जाने का व्यवस्था करेगा जिसे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किम्वं कर्मचारी का मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस, दशा में सन्दाय होने जहाँ यह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सांभूतिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है के अधीन रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी गति में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असमर्थ रहता है, और पालिसी को व्यय-गुप्त हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम को दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती। तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नाम निर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे को प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(35)/82-एस एस-4]

S.O. 1178.—Whereas Messrs Sri Ramnarayan Mills Limited 2/1, Balasundaram Chettiar Road, Coimbatore-641018 (TN/1113) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3864 dated the 23-9-82 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 20-11-85 upto and inclusive of the 19-11-1988.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme; shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/35/82-PF.II(SS.II)]

का.आ 1179.—मैसर्स सुरेश माल्यानी एण्ड कंपनी संगम मोटल कोम्पलैक्स कुमारपाटनम-581123 (नीयर हरिहर) जिला धारवाड़ (के एन/3967) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे हममें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना हैं, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम के सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निशेष सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 322 तारीख 6-12-1982 के अनुसरण में और इससे उपावद्ध अनुमूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को, 8-1-1986 से तीन वर्षों के अवधि के लिए जिसमें 7-1-1979 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम का समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षक प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहूत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या इस भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम

के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि को जाने को व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां कि संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशनियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नाम निर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण धावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(382)/82-एसएस-2]

S.O. 1179.—Whereas Messrs Suresh Malpani and Company Sangam Hotel Complex K. Marapatnam-581123 (Near Harihar) Dharwar Distt. (KN/3967) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 322 dated the 6-12-82 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 8-1-1986 upto and inclusive of the 7-1-1989.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and maintain such accounts and Provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/382/82-PF. II(SS. II)]

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1986

का. आ. 1180.—मैसर्स स्वदेशी काटन एवं प्लॉर मिलज, 7 जलनाथ केम्प, इन्दौर-452003 (एम.पी./6), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकरण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है :

और केन्द्रिय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारियों, किन्हीं पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारियों निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रिय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावद्ध अनुसूचों में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

#### अनुसूचों:

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश को ऐसे विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐम सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रिय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रमारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रिय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रमारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी ध्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

1. नियोजक, केन्द्र व सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति और जब कम से कम संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन का प्रति तथा कर्मचारियों का बहुसंख्या का भाग में उसका मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारियों भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधिन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का पट्टे है, उसमें है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नूतन दर्ज करेगा और उसका जीवन अवधिगत प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधिन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधिन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि क जाने का व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधिन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुत्पन्न हों जो उक्त स्कीम के अधिन अनुत्पन्न हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर उस स्कीम के अधिन संदाय रकम उस स्कीम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदाय होता जब वह उक्त स्कीम के अधिन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किस संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का सम्भावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधिन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधिन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रक्ति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियम वारिस के अंतर्गत, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियमों के, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिश को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम संदाय में किए गए किसी व्यक्तिकर का दशा में, उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को भी यदि यह छूट न दवाई जाये तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदे के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

1668 G of II/85—18

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधिन जाने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के अंतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(87)/86-एस.एस-2]

New Delhi, the 5th March, 1986

S.O. 1180.—Whereas Messrs Swadeshi Cotton & Flour Mills, 7 Shilanath Camp, Indore-452003. (MP/6) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of Insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Where an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain, their point of view.

9. Where, for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(87)/86-SS-11]

का.आ. 1181:— मैसर्स वि आन्ध्र प्रदेश डेरी डेवलपमेंट को.ओ. फ़ैब्रेशन लिमिटेड लालापट्ट हैदराबाद (ए.पी./2862) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारों, किसी पृथक् अभिधाय या प्रमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारों निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त आन्ध्र प्रदेश को ऐसा विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निराक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निराक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15-दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय

सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निराक्षण प्रभाव संदाय आदि भा है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों के एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसके मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को उस की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशित को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त आन्ध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी राशि से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत सारंख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम

नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को व्यंगत हो जाने दिया जाता है तो, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत कर्म दशा में यह उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियां या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई हो तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बसा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अंतर्गत होने वाले किसी सदस्य के मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों का बसाकृत रकम का संदाय तत्पश्चात् से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बसाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014 (88)/86-एस.एस.-2]

S.O. 1181.—Where Messrs. The Andhra Pradesh Dairy Development Co-operative Federation Limited, Lalapet, Hyderabad (AP/2862) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance of returns, including maintenance of accounts Submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay neces-

sary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner Andhra Pradesh and where any amendments likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the Premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(88)/86-SS-II]

का.आ. 1182:—मैसर्स दि साउथ इंडिया को.ओ. स्पॉनिंग मिल्स लिमिटेड ए. और बी. मिल्स पोस्ट बॉक्स नं.-1 आई सी, पटार्ई निरुनेलवली (टीएन/2133 एण्ड टी.एन./5612)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकरण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मद्रास को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मद्रास के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चूषा है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा

[सं० एस—35014(89)/86—एस. एस-2]

S.O. 1182.—Whereas Messrs. The South India Co-operative Spinning Mills Limited, "A-Mill" ("B-Mill", Post Box No. I.C. Pettai, Trivelpur-627010. (Tamil Nadu) (IN/2133) & (TN/5612) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.



## SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Madras maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heirs/nominees of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madras and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(89)/86-SS-III]

का. आ. 1183:—मैसर्स बिकानेर डेरी प्लांट, बिकानेर (एयूनिट आफ राजस्थान को. ओ. डेरीफेडरेशन लि.) नजदीक गांधीनगर रेलवे स्टेशन, जयपुर (भार.)

जे./2592) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

## अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जय कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्स करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, यह इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(90)/86 एस. एस-2]

S.O. 1183.—Whereas Messrs Bikaner Dairy Plant Bikaner (A Unit of Rajasthan Co-operative Dairy Federation Ltd.) near Gandhi Nagar Railway Station, Jaipur, (RJ/2592) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied

for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(90)/86-SS-II]

का. आ. 1184:—मैसर्स राजस्थान वरस्टीड स्पनिंग मिल्स, लडानू, जिला नागौर (ए यूनिट आफ दी राजस्थान समाज इन्डस्ट्रीज कार्पोरेशन लिमिटेड "सी" स्कीम पो. को., 180, जयपुर (आर. जे / 1230) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी, भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुश्रेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि, आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा - 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना,

बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले बीमा व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्र या सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन का प्रति तथा कर्मचारियों का बहुसंख्या की भाषा में उक्त मुख्य बातों का अनवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त बीमा स्थापन को भविष्य निधि का पहने हुए सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उक्त वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि को जान को व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी का मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और यहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहने अपना चुका है अन्तर्गत रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी राशि से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उक्त नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में अफ़ल रहता है, और पालिसी को अग्रगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किन्हीं व्ययक्रम को दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक कार्रवाइयों की जो यदि वह छूट न दो गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होती, बामा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अंतर्गत अति वात किता सदस्य का मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक कार्रवाइयों का बामा त रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बामा निगम। बामा त रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[संख्या एन-35014(91)/86-एन.एस-2]

S.O. 1184.—Whereas Messrs. Rajasthan Worsted Spinning Mill, Ladanu, Distt. Nagapur (A Unit of the Rajasthan Cmaill Industries Corpn. Ltd., "C" Scheme, P.B. No. 180, Jaipur (Rajasthan) (RG/1230) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme

appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees of explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014 91/86-SS-II]

का. आ. 1185—मैसर्स हिन्दुस्तान साइड्स लि. बाल निवाग, 21 रामगिह रोड, पोस्ट नं. 146, जयपुर (आर. जे./1087), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किन्हीं पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे ह और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहवद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए

उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसार, संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मकारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहला ही सदस्य है, उसकी स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाधित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी

संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों की अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन से संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(92)/86-एस.एस.-2]

S.O. 1185.—Whereas Messrs. Hindustan Salts Limited, Lal Niwas, 21, Ram Singh Road, P.B. No. 146, Jaipur (RJ)1087) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under

clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(92)/86-SS III]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

का. शा. 1186 :—मैसर्स राम टैक्सटाइल्स 11/6-बी, पापमण्टी रोड, कन्सपलायम. पोस्ट आफिस, कोयम्बतूर 641405 (टै. एन०/17394) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे

इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सह-मद बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभोग हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची के विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रह हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तर्ण निरीक्षण प्रभारों सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के

अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं त; नियो-  
जक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध  
फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा  
जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन  
फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के  
अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए  
भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन  
सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा  
में सन्देश्य होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो,  
नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती की  
प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम  
का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी  
संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्व  
अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी  
संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने  
की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त  
अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण  
स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय  
जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे  
स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस  
स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी  
रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन  
बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का  
सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यवगत  
हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए  
किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-  
निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न  
दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों  
के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को  
मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि  
के हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस राशि का  
सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण  
बाधे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/108/86-एम.एस-II]

New Delhi, the 7th March, 1986

S.O. 1186.—Whereas Messrs Rams Textiles 11/6-B Pappam-  
patty Road, Kannampalayam P.O. Coimbatore-641405 (IN/  
17394) (hereinafter referred to as the said establishment) have  
applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17  
of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provi-  
sions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as  
the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the  
employees of the said establishment are, without making any  
separate contribution on payment of premium, in enjoyment  
of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life  
Insurance Corporation of India in the nature of Life Insur-  
ance which are more favourable to such employees than the  
benefits admissible under the Employees' Deposit Linked  
Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said  
Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by  
sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject  
to the conditions specified in the Schedule annexed hereto,  
the Central Government hereby exempts the said establish-  
ment from the operation of all the provisions of the said  
Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall  
submit such returns to the Regional Provident Fund Com-  
missioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide  
such facilities for inspection, as the Central Government  
may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the  
Central Government may, from time to time, direct under  
clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act,  
within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the  
Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts,  
submission of returns, payment of insurance premia, transfer  
of accounts, payment of inspection charges etc. shall be  
borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the  
establishment, a copy of the rules of the Group Insurance  
Scheme as approved by the Central Government and as and  
when amended, alongwith a translation of the salient features  
thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the  
Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an  
establishment exempted under the said Act, is employed in  
his establishment, the employer shall immediately enrol him  
as a member of the Group Insurance Scheme and pay neces-  
sary premium in respect of him to the Life Insurance Cor-  
poration of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits  
available to the employees under the Group Insurance Scheme  
appropriately, if the benefits available to the employees under  
the said Scheme are enhanced, so that the benefits available  
under the Group Insurance Scheme are more favourable to  
the employees than the benefits admissible under the said  
Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insur-  
ance Scheme, if on the death of an employee the amount  
payable under this Scheme be less than the amount that  
would be payable had employee been covered under the said  
Scheme, the employer shall pay the difference to the legal  
heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insur-  
ance Scheme, shall be made without the prior approval of  
the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu  
and where any amendment is likely to affect adversely the  
interest of the employees, the Regional Provident Fund Com-  
missioner shall before giving his approval, give a reasonable  
opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said estab-  
lishment do not remain covered under the Group Insurance  
Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already  
adopted by the said establishment, or the benefits to the  
employees under this Scheme are reduced in any manner,  
the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the  
premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insur-  
ance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse,  
the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in  
payment of premium the responsibility for payment of assur-

ance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/108/86-SS-II]

का.आ. 1187.—मैसर्स नव महाराष्ट्र चाकन आयल मिल्स, 42-43, शंकर सेठ रोड, पूना-37 (एम.एच./6072) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निधेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पूना को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचनापट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधि वारिस/नामनिर्देशिती की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, पूना के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस



राशि का संदाय सत्प्रता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/110/86-एम.एस.-II]

S.O. 1187.—Whereas Messrs Nav Maharashtra Chakan Oil Mills 42-43, Shankar Sheth Road, Pune-37 (MH) 0072) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Pune, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including, maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the

Regional Provident Fund Commissioner, Pune and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/110/86-SS-II]

का.आ. 1188.—मैसर्स मैसूर सीमेंट लिमिटेड, भावित्य, पटना डाकघर अमासान्दरा-572211, जिला तुमकूर (कर्नाटक) (के.एन./2668) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभोग्य हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रचारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय

सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजकों द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का सन्दाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो उस छूट रद्द की सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या : एस-35014/111/86-एस.एस-II]

S.O. 1188.—Whereas Messrs Mysore Cement Limited Aditya Patna P.O. Ammasandra-572211, Tumkur District (Karnataka) (KN/2668) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952 (hereinafter referred to as the said Act));

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol

him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(111)/86-PS-III]

का. आ. 1189.—मैमर्स दि राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, पो. बाक्स नं. 168, ओ.आई. ए. अस्पताल मार्ग, "मी" स्कीम, जयपुर (आर. जे./1698) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पथक अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशामन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, तथा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम नूतन दर्ज करेगा और उसकी दायन आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उन दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी को विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर को बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशो-

घन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/112/86-एस.एस-2]

S.O. 1189.—Whereas Messrs The Rajasthan State Industrial Co-operative Bank Limited, P.B. No. 168, O.I.A. Hospital Marg, "C" Scheme, Jaipur (RJ/1608) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving is approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Union the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(112)/86-SS-II]

का. प्रा. 1190.—मैसर्स एफ. जी. फाइज लिमिटेड, रजि. कार्यालय, पिपालिया कलान-306307 (राजस्थान) इंडिया (प्रार. जे./3830) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिये आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निधेय सहबद्ध बीमा स्कीम, 1986 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपलब्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन का तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुभूत हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होती तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन के कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना आनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय, जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों, को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्व दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एम- 35014/105/86- एम. एस-2]

S.O. 1190.—Whereas Messrs P. G. Fols Limited, Regd. Office, Pipalia Kalan-306307 (Rajasthan) India (RJ/3830) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto,

the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving its approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any

case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(105)/86-SS-III]

का. आ. 1191.—मैसर्स रायपुर दुग्ध मंथन सहकारी मर्यादित, रायपुर (मध्य प्रदेश) एम. पी./3747) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस में उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें, ।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रश्नों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तर्गण, निरीक्षण प्रश्नों सन्दाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी

स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दात करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दाय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्दाय होनी, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में अक्षम रहता है, पाश्चिमी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दशा में, उन गत सदस्यों के नाम-निर्देशनियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संशय नत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर मुनिश्चित करेगा।

[सं. एम- 35014 (107)/86 एम. एम-2]

S.O. 1191.—Whereas Messrs Raipur Dugdha Sangh Sahakari Maryadit, Raipur (Madhya Pradesh) (MP/3747) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh, and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving its approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(107)/86-SS-II]

का.आ. 1192.—मैसर्स राजस्थान वसटिड स्पनिंग मिल्स, चुर (राजस्थान) (ए यूनिट आफ राजस्थान स्माल इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन), जयपुर (आर जे/1229) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हे अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान, को ऐसा विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसा सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भाग है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या का भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उस के स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्वस्त करेगा।

यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि को जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान, के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न



दाई होतो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होत. बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अर्थात् अने वाले किसे सदस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, व मृत्यु राशि के हकदार नाम निर्देशित/विविध बारिशों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे का प्राप्ति के एक मास के अन्तर मुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/(106)/86-एस एस-2]

S.O. 1192.—Whereas Messrs Rajasthan Worsted Spinning Mill, Churu (Rajasthan) (A Unit of Rajasthan Small Industries Corporation), Jaipur (RJ/1229) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the

amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan, and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(106)/86-SS-II]

का.आ. 1193.—मैसर्स उदयपुर डेरी प्लांट, उदयपुर (राजस्थान कॉम्पारेटिव डेरी फेडरेशन लिमिटेड, गांधीनगर रेलवे स्टेशन, जयपुर के पास) (आर.जे./3458/302017)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान, को ऐसी विवरणियां भेजेगा

और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संचाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संचाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संचाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के मूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्धेय रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संचाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान, के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, जिसे भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले

फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संचाय करने में असफल रहता है, पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संचाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जा यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संचाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संचाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/(109)/86—एस. एस.-2]

S.O. 1193.—Whereas Messrs. Udaipur Dairy Plant, Udaipur (A Unit of Rajasthan Co-operative Dairy Federation Limited) Near Gandhi Nagar Railway Station, Jaipur-302017 (RJ/3458) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an

establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(109)/86-SS-II]

का. आ. 1194 :—सैमर्स आटोलाइट ( इंडिया ) लिमिटेड डी-469, रोड नं. 9-ए, विश्वक्रमा इण्डस्ट्रियल एरिया—जयपुर—13 ( आर. जे./2115 ) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है ) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 ( 1952 का 19 ) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है ) की धारा 17 की उपधारा ( 2क ) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निश्चेष मङ्ग-

लुब्ध बीमा स्कीम, 1976 ( जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है ) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है.

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा ( 2क ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा ( 3क ) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणालन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिस/नामानिर्देशित को

प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का सुनिश्चित अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिरिक्त की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशनियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर निश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/115/86-एस. एस.-2]

S.O. 1194.—Whereas Messrs Autolite (India) Limited D-469, Road No. 9A, Vishwakarma Industrial Area, Jaipur-13 (RJ/2115) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and

provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(115)/86-SS-II]

का. आ. 1195 :—मैसर्स रमेश इन्टरप्राइजेज, 18-बी, क्रास रोड, लक्ष्मीपुरम उत्तरपुर, बंगलूर-8 ( के. एन./9780 ) ( जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया

है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 वा 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निश्चय सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त बंगलूर को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी वांछित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्थापन के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से 1668/G1 85—21

वृद्धि की जागी को ध्याया करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिकवारिम/नामनिर्देशिनी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त बंगलूर के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत-सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[पंख्या एम.-35014/104/86-एम. एम.-2]

S.O. 1195.—Whereas Messrs Ramesh Enterprises, 18-B, Cross Road, Lakshimpuram Ulsoor, Bangalore-8 (KN/9780) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life

Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Bangalore maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Bangalore and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the

said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(104)/86-SS-II]

का. आ. 1196.—मैसर्स अयोकारपो ट्रान्सपोर्ट लिमिटेड, ईस्ट कोस्ट सेक्टर, 553, अन्ना स्नार्ड, सद्दास-600018 (टं. एन./9564) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारि भविष्य निधि और प्रकरण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) के धारा 17 के उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारि, किस पृथक अभिधाय या प्रमियम का संदाय किए बिना ह, भारत व जीवन बीमा निगम के सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारि निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के धारा 17 के उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूच में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष के अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देते हैं।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु को ऐसे विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षण के लिए ऐसे सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरक्षण प्रभारों, का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के धारा 17 के उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षण प्रभारों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन

किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन के भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रिमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारख के भीतर प्रिमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पॉलिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रिमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत-सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिवक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/114/86-एस.एस.-2]

S.O. 1196.—Whereas Messrs Agrocargo Transport Limited, East Cost Centre, 553, Anna Salai, Madras-600018 (TN/9564) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc, shall be borne by

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund of the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(114)/86-SS-II]

का.आ. 1197.—मैसर्स राजस्थान टूरिज्म डिवेलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, ऊपा निवास कल्याण पथ, पुलिस मिमोरियल, जयपुर-302004 (आर. जे./2625) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारि भविष्य निधि और प्रकरण उपबन्ध अधिनियम, 1452 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 का उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारि, किसे पृथक अभिदाय या प्रेमियम का संदाय किए बिना हों, भारतीय जीवन बीमा निगम का सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए उठा रहे फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल है, जो कर्मचारि निक्षेप सहयुक्त बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपावृद्ध अनुसूचों में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुसूचः

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसे विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरक्षण के लिए ऐसे सुविधि।

प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निरिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास क. स्थापन के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निरिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रेमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरक्षण प्रमाणी संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों का बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रेमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती है, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशित की प्रतिकर के रूप में दोनों रकम के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।



9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अधीन चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत-सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों का जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तर दायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य का मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिक वारिस को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014/113/86-एस. एस.-2]

S.O. 1197.—Whereas Messrs Rajasthan Tourism Development Corporation Limited, Usha Niwas, Kalyan Path Police Memorial, Jaipur-302004 (RJ/2625) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer

of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(113)/86-SS-II]

का. आ. 1198.—अजमेर डेरी प्लांट, अजमेर (ए यूनिट आफ राजस्थान को-ऑपरेटिव डेरी फेडरेशन लिमिटेड), शांघीनगर रेलवे स्टेशन, जयपुर के पास (आर. जे. / 2897) (जिसे इसमें हमके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जहां कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उतार रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मृत-सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस.-35014/117/86-एस. एस.-2]

S.O. 1198.—Whereas Messrs. Ajmer Dairy Plant, Ajmer (A unit of Rajasthan Co-operative Dairy Federation Limited), Near Gandhi Nagar Railway Station, Jaipur (RJ/2897) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(117)/86-SS-II]

क्रमांक 1199 —मैसर्स फ़ोर्जन मिर्मेन बास्ती, जयपुर (ए यूनिट आफ़ राजस्थान को-ऑपरेटिव डेरी फ़ेडरेशन लिमिटेड) गांधीनगर रेलवे स्टेशन; जयपुर के पास (आर. जे/2408) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपनग्न अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इनमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ,

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त — के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन ने कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम का उक्त सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पानिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत-सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नाम-निर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का

संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की पानिसी के एक नाम के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[चंदा एम-35014/118/86- एस.एम-2]

S.O. 1199.—Whereas Messrs. Frozen Semen Bank Bassi, Jaipur (A Unit of Rajasthan Co-operative Dairy Federation Limited) Near Gandhi Nagar Railway Station, Jaipur (RJ/2408) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of the section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and

where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. 35014(118)]86-SS-II]

का.आ. 1200:—मैसर्स बरहानपुर ताप्ती मिल्स, लाल बाग, बरहानपुर (मध्य प्रदेश) (एम.पी./77) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर विनिर्दिष्ट करें।

1668 GI/85—22

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उनके बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और अहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले

फायदे किया जाति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी का व्ययगत हो जाने दिया जाना है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्ययक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशनियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नाम निर्देशनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दाव की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/84/86-एस.एस.-4]

S.O. 1200.—Whereas Messrs Burhampur Tapti Mills, Lal Bag, Burhampur (Madhya Pradesh) (MP/77) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in employment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased members entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

[No. S-35014(84)/86-SS III]

का.आ. 1201:—मैसर्स एक्सोटिक न्यूक्लेयस फार्म बासी, जयपुर (ए-यूनिट आफ राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड) गांधी नगर रेलवे स्टेशन, जयपुर के पास (राज/2407) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 12 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा

निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1975 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भातों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाना है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वाढत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिति को प्रतिकार के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए किसी व्यक्तिगत की दशा में, उन मृत-सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नाम निर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता में और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एम-35014/116/86-एस-एम-2]

S.O. 1201.—Whereas Messrs. Exotic Nucleus Farm Basal, Jaipur (A Unit of Rajasthan Co-operative Dairy Federation Limited), Near Gandhi Nagar Railway Station, Jaipur (RJ/2407) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than

the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A), of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment or inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(116)/86-SS II]

का.आ. 1202 :—मैसर्स वेल्कम ग्रुप अवायार पार्क, 132 टी.टी.के. रोड, मद्रास- 600018 (टी.एन./ 17182), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सह-बद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आपुक्त, मद्रास को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरोक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरोक्षण प्रभावों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभावों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।



4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या को भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बावत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मद्रास के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में अक्षम रहता है, तो पालिसी को व्यपन्न हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत-सदस्यों के नाम-

निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशितों/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/82/86-एस.एस-2]

S.O. 1202.-Whereas Messrs. Welcomgroup Adayar Park, 132, T.T.K. Road, Madras-600018 (TN/17182) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premiums, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madras maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madras and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme or the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(82)/86-SS II]

का.आ. 1203. — मेसर्स न्यू भोपाल टेक्सटाईल मिल्स, चान्दमाड़, भोपाल-162010 (एम.पी./81), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहवृद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुजय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आवृत्त मध्य प्रदेश का ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रसारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रसारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को भेजने करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाए जाते हैं, तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुजय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवत वारिस/नामानर्देशनी की प्रति-कार के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धा में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आवृत्त मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिभूत प्रभाव पड़े

की संभरना हो। यदि कर्मचारी भविष्य निधि आयुक्त, अपना आमीदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का यत्नपूर्वक अवसर देगा।

4. यदि किसी भारणवश, स्थापना के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी शीत में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी भारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असमर्थ रहता है, तो पॉलिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्ययक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिवत कार्रमों को जो यदि, यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशित/विधिवत कार्रमों को उस राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चन करेगा।

[खंडा एस-35014/85/86-एस.एस-2]

S.O. 1203.—Whereas Messrs. New Bhopal Textile Mills, Chandbarh, Bhopal 462010 (MP 81) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(85)/86-SS II]

कांभ्रा० 1204 :—मैसर्स दि अकोला जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड अकोला पोस्ट बाक्स नं० 8, सिविल लाईन अकोला (एम०एच०/6934) और इसकी शाखाएं (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त

अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिये जाने के लिये आवेदन किया है :

और केन्द्रीय सरकार का समर्थन आ गया है कि उक्त स्थापन के उपचारों, निजी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किये बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हैं, जो कर्मचारी निक्षेप सहस्रक बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है ।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्दाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारों सन्दाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के

लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हैं, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश्य होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक, कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिनी की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त महाराष्ट्र के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, तो पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम-निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिनी/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/65/86-एस०एस०-2]

S.O. 1204.—Whereas Messrs. The Akola District Central Cooperative Bank Limited Akola, P.B. No 8, Civil Lines, Akola-444001 (MH/6934) and its branches (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment

of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner Maharashtra maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Maharashtra and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

1668GI/85—73

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance opportunity to the employees explain their point of view. Insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/65/86-SS-II]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का.अ. 1205:—मैसर्स टॉयक इक्विपमेंट, एफ-6, इन्डस्ट्रियल एस्टेट एम्पादूर, मद्रास (टी.एन./6243) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 17 का उपधारा (2क) के अधीन छूट दिय जाने के लिये आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिये ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसी उपबन्ध अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन की तीन वर्ष की अवधि के लिये उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मद्रास को ऐसा विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिये ऐसी सुविधायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या का भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उनका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत अधिव्ययक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप में वृद्धि को जाने को व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिये सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है तो जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता था, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नामनिर्देशित को प्रतिभर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मद्रास के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी की व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम

निर्देशितियों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिवक वारिसों को बीमा त रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमा त रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एमएच35 014/86/86-एम०एम०-2]

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1205.—Whereas Messrs. Tovac Equipments F-6, Industrial Estate Ambattur Madras (TN/6243) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premiums, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme):

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madras maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits

available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madras and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/86/86-SS-II]

का. आ. 1206:—मैसर्स हार्ड इन्जर्जी बैट्रीज (इण्डिया) लिमिटेड, पेकुडी रोड, माथूर इन्डस्ट्रियल एस्टेट, पो. ओ. माथूर-622515 पुडूकोटाई जिला (टी. एन./16284) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों में अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और हमने उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन

रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक माम की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा 3(क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी हैं, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रति-कर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, तमिलनाडु के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी

संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारोख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों का जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्दार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संवाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/103/86-एस. एस.-II]

S.O. 1206.—Whereas Messrs High Energy Batteries (India) Limited Pakkudi Road, Mathur Industrial Estate P.O. Mathur-622515, Pudukkottai, Distt. (Tamil Nadu) (TN/16284) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such, employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Tamil Nadu and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/103/86-SS-II]

का. आ. 1207:—मैसर्स (1) इन्डियन एक्सप्रेस (मदुराई) प्राइवेट लिमिटेड, लोवर टैंक बन्द रोड, दोमानगुवा, हैबराबाद (ए. पी./5456) (2) इन्डियन एक्सप्रेस (मदुराई) प्राइवेट लिमिटेड इन्डस्ट्रियल एस्टेट वी. टी. आगरा राम विजय-नगरम (ए. पी./5456-ए) (जिसे इसमें इसके पश्चात



उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारी, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारियों को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निदिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निदिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वृत्तसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बात आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां कि संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत्यु सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिवक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

S.O. 1207.—Whereas Messrs (1) Indian Express (Madurai) Private Limited, Lower Tank Bund Road, Boma genda, Hyderabad (AP/5456), (2) M/s. Indian Express (Madurai) Private Limited, Industrial Estate, V.T. Agra Raman, Vizianagaram (AP/5456-A) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2B) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the regular employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh, maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payments of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(102)/86-SS-II]

का०अ० 1208.—मैसर्स इन्दौर दुग्ध संघ सरकारी मर्यादित, इंदौर चन्द्रा नलावली (मंगलिया) इंदौर मध्य प्रदेश (एम.पी./3291), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) के धारा 17 के उपधारा (2ख) के अधिनियम छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारियों, किसी पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधिनियम जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध (बीमा स्कीम 1976) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में निर्दिष्ट शर्तों के अधिनियम रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मध्य प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसे सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधिनियम समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निर्रक्षण प्रभावी संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है, तो नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर, इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी की उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के अभाव रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, यहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति में कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पॉलिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संवत्स में नियोजक, उस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को वंशानुगत, रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में वंशानुगत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर निश्चिन करेगा।

[संख्या एस-35014(101)/86-एस. एस-2]

S.O. 1208.—Whereas Messrs Indore Dugdh Sangh Sahakar Maryadit, Indore, Chanda-Talawal (Mangliya), Indore (MP) (MP/3291) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) ;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(101)/86-SS-II]

का.आ. 1209 :—मैसर्स डिजाइन एण्ड प्रोटोटाइप एल-24, डा. विक्रम साराभाई इन्स्ट्रुमेण्ट्स एस्टेट, थीरुवेनमोयूर मद्रास (टी.एन./16023), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किमं पृथक् अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप

सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 का उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को सौन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के समान शर्तों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मद्रास को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारों, संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उनकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक, बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो,

नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, मद्रास के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को खपगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन, मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(100)/86-एस.एस-2]

S.O. 1209.—Whereas Messrs Designe and Prototypes, L-24, Dr. Vikram Sarabhai Electronics Estate, Thiruvananthapuram, Madras-600041 (TN/16023) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto,

the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madras maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madras and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(100)/86-SS-II]

का.आ. 1210:—मैसर्स मैट्रो टायर (प्राइवेट लिमिटेड बी.-27, फोकल प्वाइन्ट धनडारी कलान, लुधियाना (पी. एन./3052-ए), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सह-बद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त चण्डेगढ़ को ऐसे विवरणियां भजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसे सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करेगी।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों के एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या के भाषा में उसके मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज

करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त चण्डेगढ़ के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असमर्थ रहता है, और पालिसी का व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

S.O. 1210.—Whereas Messrs Metro Types (P) Ltd., B-27, Focol Point, Dhawdari Kalam, Ludhiana-141010 (PN/3052-A) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act) ;

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Chandigarh and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(99)/86-SS-II]

का. आ. 1211:— मैसर्स सिधा साईन्टोक्स लिमिटेड 122, अम्बामाना स्कीम, उदयपुर-313001 (आर. जे./3701) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थपन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थपन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामुहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फयदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फयदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थपन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन में छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थपन के संबंध में नियोजक प्रदेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभावी संदाय आदि भा है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसका मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि का जाने का व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम के किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टि कोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है प्रधान नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे,

प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी का व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यापक का दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को, जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य को मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014 (97)/86 एस. एस.-2]

S.O. 1211.—Whereas Messrs Siddha Syntex Limited, 122, Ambamata Scheme, Udaipur-313001, (RJ/3701) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay neces-



sary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(97)/86-SS-II]

का. आ. 1212.—मैसर्स भीलवाड़ा टेक्सटाईल प्राइवेट लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 57, भीलवाड़ा (राजस्थान) (आर. जे./3538) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है), ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है ;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिवाय या प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम को सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहस्रक बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावृद्ध अनुज्ञा में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षों की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट देता है।

अनुज्ञा

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रदेशिक भविष्य निधि अनुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जा केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके आंगत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरा, निरीक्षण प्रभागों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों का एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या को भेष में उसी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसी कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन दूट प्राप्त किसी स्थापन में भविष्य निधि का पहले हो सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक, सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वास्तव आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदाय करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों, को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि का जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशिनी को प्रतिभर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वही प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दण्ड में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियां या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दण्ड में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एस-35014 (98)/86-एस. एस.-2]

S.O. 1212.—Whereas Messrs Bhilwara Textiles Pvt. Ltd., Post Box No 57, Bhilwara-311001 (Rajasthan) (Raj/3538) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

का.आ. 1213.—मैसूर लिमिटेड, रजिस्टर्ड कार्पा-  
रेशन, इंडस्ट्री हाऊस, 45 रॉय कोर्ट रोड, बंगलूर (के एन/  
5006) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा  
गया है) ने कर्मचारों भविष्य निधि और प्रकरण उपबंध अधि-  
नियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा  
(2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त  
स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अभिदाय या प्रमियम का  
संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की  
सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में  
फायदा उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन  
फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निधेप सहवृद्ध बीमा  
स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा  
गया है) के अधीन उन्हें अनुभोग है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17  
की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते  
हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन  
रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए  
उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य  
निधि आयुक्त कर्नाटक को ऐसी विवरणियां भेजेगा और  
ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान  
करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की  
समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय  
सरकार, उक्त अधिनियम की धारा-17 की उपधारा (3क)  
के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रणालन में, निम्नलिखित उद्देश्यों  
लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना,  
बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण  
प्रभारों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन  
नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक  
बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब वर्ष  
उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा  
कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों  
का अनुवाद, स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या  
उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन का भविष्य निधि का  
पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजन  
सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा  
और उसकी बाकत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को  
सम्पत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध  
फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्म-  
चारियों को उपलब्ध फायदों में सम्मिलित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था  
करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन  
उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के  
अधीन अनुभोग हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी  
यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन  
संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस  
दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता  
तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों  
को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर  
रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशो-  
धन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त कर्नाटक के पूर्व अनुमोदन  
के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से  
कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना  
हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन  
देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने  
का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय  
जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के,  
जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते  
हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले  
फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द  
की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख  
के भीतर, जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे,  
प्रीमियम का संदाय करने में अग्रफल रहता है, और पालिसी  
को व्यवगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा  
सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए  
किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्दे-  
शितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी  
गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों  
के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम  
के प्रभार होने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके  
हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमा त रकम  
का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन  
बीमा निगम से बीमा त रकम प्राप्त होने के एक मास के  
भीतर सुनिश्चित करेगा।

S.O. 1213.—Whereas Messrs Mysore Cements Limited, Regd. Office 'Industry House', 45, Race Course Road, Bangalore-560001, (KN/5065) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference of the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Karnataka and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(95)/86-SS-II]

का.आ. 1214:—मैसर्स अनूप सिन्हा इन्डस्ट्रिज सामोरा हाऊस, गंगापौर, जदपुर (आर.जे./2905) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2 के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है,

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक् अधिभार या प्रभार का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी बीमा निगम बीमा स्कीम 1976) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुभूत हैं ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के प्रवर्तन से छूट देती है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजना और ऐसे लेखा रखना तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, रसम-रक्षक विधि करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2) के खंड (क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रमिसियम का संदाय, लेखकों का अंतरण, निरक्षण प्रभावों संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की एक प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्य की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रमिसियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबलित करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समूचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुश्रेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारियों के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहाँ प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारत में जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक इस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रमिसियम का

संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को बरकरार हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियातक द्वारा प्रमिसियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के निदेशित-शितियों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियातक द्वारा स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बरमावृत्त रकम का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम में बरमावृत्त रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[खंडा एन-35014(94)/86-एन.एन-2]

S.O. 1214.—Whereas Messrs. Anup Singh Industries Samod House, Ganjapole, Jaipur (RJ/2905) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

#### SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference of the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No S-35014(94)/86-SS-III]

का. आ. 1215 :—मैसर्स जी. टी. सेम्पस प्रा. लिमिटेड डी-469, रोड नं. 9-ग विश्वप्रभा इण्डस्ट्रियल एरिया जयपुर-302013 (आर. जे./3541) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पथक अभिदाय या प्रीमियम का संवाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में फायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, प्रस्तुत अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रयुक्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन को तीन वर्षों की अवधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन के से छूट देता है।

#### अनुसूची

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रश्नों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खंड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संवाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रश्नों संवाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वांछित आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि को जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी को मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होता जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संवाय करेगा।

## SCHEDULE

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त राजस्थान के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन सामूहिक बीमा स्कीम, के जिसे स्थापन पहले अपना षष्ठा है अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा फायदों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजक, इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितियों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय सत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014(93)/86-एस.एस-2]

ए.के. भट्टराई, अवर सचिव

S.O. 1215.—Whereas Messrs G.T. Lamps Private Limited, D-469 Vishwakarama Industrial Area, Jaipur-302013 (RJ/3541) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced; so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference of the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Rajasthan and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employee, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment or the benefits of the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee/legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014(93)/86-SS-III]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 3 मार्च, 1986

का. आ. 1216.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार व कुस्तोर कोलियरी मींसस भारत कोकिंग कोल लि. के प्रबंधन से संबंध नियोजको और उनके कर्मकारों के बीच अन्वय में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 25-2-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 3rd March, 1986.

S.O. 1216.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employer in relation to the management of Kustore Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th February, 1986.

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 99 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947.

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Kustore Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the employer :—Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen :—Shri S.P. Singh, General Secretary, Khan Mazdoor Congress.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 18th February, 1986

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012/57/83-DIVB-Vol. II dated the 18th June, 1985.

#### SCHEDULE

“Whether the action of the management of Kustore Colliery of M/s. BCCL, P.O. Kustore (Dhanbad) in denying regularisation as Fan Operators in Cat. IV to S/Shri Kanhai Singh and Bhujawan Harijan is justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?”

The case of the workmen is that one of the concerned workmen Shri Kanhai Singh was originally working as Tyndal in Cat. IV and on requirement the management transferred him from the job of tyndal to the job of Fan Operator. The other concerned workman Shri Bhujawan Harijan was originally working as Prop Mistry in Cat. IV. He met with an accident in the mine while on duty and on recommendation of the Medical Board he was provided with a light job of Fan Operator. After sometime the management reduced the wages of the concerned workman from Cat. IV to Cat. II. Being aggrieved with the illegal reduction of wages both the concerned workmen made an application under Section 33C(2) of the I.D. Act, before the Central Govt. Labour Court No. 3 and the Hon'ble Labour Court in LC. 54/79 held the reduction of wages illegal and computed the claim of the concerned workmen in their favour. On the basis of the said order of the Labour Court the management paid the computed amount but refused to restore the

concerned workman to Cat. IV wages permanently. Again the concerned workman filed an application under Section 33C(2) of the I.D. Act for the subsequent period and it was numbered as LC. 12 of 1983 before the Labour Court and again the claim of the workmen was computed in their favour. The management paid the computed amount to the concerned workmen as ordered by the Labour Court but refused to further give Cat. IV wages. Thereafter the union of the concerned workman raised an industrial dispute before the ALC (C) Dhanbad in which the management participated but ultimately the conciliation ended in failure and thereafter the present reference was made. In Kustore Colliery, where the concerned workmen are working, all the other fan operators are in Cat. IV and the case of the concerned workmen have been discriminated by the management and there is no justification for not giving them Cat. IV. It is prayed that the concerned workmen be allowed Cat. IV wages with retrospective effect.

The case of the management is that the concerned workmen were previously working as Tyndal and Pump Mistry and were placed in Cat. IV on account of health reasons they were incapable of performing their jobs and as such they prayed for light jobs. The management considered their case sympathetically and provided them the light job of Fan Khalasi on the surface. The Fan Khalasies are placed in Cat. II and they were given the wages of Cat. II after regularisation. The concerned workmen were paid the wages of Cat. IV for some period even after their placement as Fan Khalasi considering their new engagement as temporary. The concerned workmen wanted regularisation as Fan Khalasi on permanent basis and the management regularised them as Fan Khalasi and placed them in Cat. II. The demand of the union to regularise the concerned workmen as Fan Operators had been conceded but its demand for their placement in Cat. IV is not acceptable to the management. The concerned workmen should be prepared to work on their original job as Tyndal and prop Mistry and then the management will have no objection to place them in their original Cat. IV. A Fan Operator is paid Cat. II wages under the Wage Board recommendation and as such the concerned workmen cannot demand for the job of Fan Operator in Cat. IV. The Hon'ble Labour Court had held that the reduction of wages was contrary to the payment of wages Act and as such the claim for difference of wages was accepted. It has been held by the Supreme Court that reduction of wages can be permissible under certain circumstances. The Labour Court did not decide the question of demotion from higher post and higher Category to the lower post and lower category, as it was outside the jurisdiction of the Labour Court. The judgements of the Labour Court have no bearing to the present issue. On the above facts it is submitted on behalf of the management that the concerned workmen are not entitled to be regularised as Fan Operator in Cat. IV.

The only question to be decided in this case is whether the two concerned workmen are entitled to be regularised as Fan Operator in Cat. IV.

The workmen have examined one witness and the management have examined two witnesses in support of their respective cases. The workmen have produced documents which are marked Ext. W-1 to W-4. The management did not produce any document in support of their case.

Admittedly the two concerned workmen are working as Fan Operators. It is also admitted that they are placed in Cat. II and are getting the wages of Cat. II. It is also admitted by the management that the concerned workman Kanhai Singh was originally working as Tyndal in Cat. IV and that the other concerned workmen Bhujawan Harijan was formerly working as Prop Mistry in Cat. IV and that they were transferred from their original job to the job of Fan Operator. It is also admitted by WW-1 that Bhujawan Harijan met with an accident and thereafter on the medical recommendation he was given the light duty of Fan Operator in 1977 and that prior to that he was in Cat. IV as Prop Mistry. The workmen have denied that two concerned workmen had applied to the management for giving them light job and that the management had



transferred them to the job of Fan Operator on their request. The management, on the other hand, asserts that it was on the request of the concerned workmen that they were given light job of Fan Operators. MW-2 who is working as Manager Operation in Kustore Colliery has stated that in the attendance register the attendance of the Fan Khalasi are mentioned indicating whether they are working on the surface or underground and that the said attendance register will show that Bhujawan Harijan is working as Pump Operator. He has further stated that there were papers to show that both the concerned workmen had applied for giving the light work. But the said papers have not been filed. He has stated that the concerned workman had applied for light job prior to his joining in Kustore Colliery and as such it appears that he had no personal knowledge whether the concerned workman had applied for light job. He has not stated that he had seen the papers by which the concerned workmen had applied for giving them light job. He has stated that the concerned workmen might have received wages of Cat. IV even after they were placed as Fan Operators. He had not seen any paper to show that the concerned workmen were regularised in Cat. II or that the concerned workmen had applied for their regularisation in Cat. II. It will thus appear that there is no paper to show that the concerned workmen had themselves applied for giving them light job. WW-1 has stated that he was given light duty of a Fan Operator on the Medical recommendation. There is no evidence to show that Kanhai Singh had ever applied for giving light job. Had the concerned workmen applied for giving them light job, the management must have produced those papers. Again it will appear that the concerned workmen had not applied for their regularisation in Cat. II otherwise the management would have produced their petition and the order of the management passed on their petitions. Accordingly I hold that the concerned workmen had not applied for giving them light job and that the management had itself transferred them from their original job in Cat. IV to the post of Fan Operators and had placed them in Cat. II.

The management has led evidence to show that the concerned workmen operate Fan of 40 H.P. and as such they have been placed in Cat. II. MW-1 has stated that the two concerned workmen operate Fan of 40 H.P. MW-2 has stated that both the concerned workmen are working as Fan Operators and operate Fans of less than 75 H.P. and that in case of sickness or leave they sometimes operate fans of 150 H.P. In the W.S. the management had not specifically stated that the concerned workmen were operating Fan of less than 75 H.P. and this fact has been introduced for the first time in the evidence of the two management's witness. WW-1 has stated in his cross-examination that he was operating the big fan underground which is used to ventilate the underground mines but he did not know the H.P. of the said Fan. He has stated that Kanhai Singh was also operating same fan. The Wage Board Recommendation has placed Fan Khalasi operating Fan below 75 H.P. in Cat. II and Fan Khalasi operating Fan of 75 H.P. and above in Cat. III. As the concerned workmen had not applied for giving them light job, it is clear that they had been transferred as Fan Operator by the management according to their own requirement and as such the management was not justified in reducing their category and paying them wages of Cat. II. The concerned workmen were admittedly in Cat. IV before they were transferred to the post of Fan Operator and as such their category and wages could not be reduced by the management without giving them notice and giving them full opportunity to explain. It will appear from the evidence of MW-1 and MW-2 that there are Fan Operators working in Cat. IV in the colliery. Considering all the materials on the record it appears that the management is not justified in denying regularisation of the concerned workmen in Cat. IV as Fan Operators.

In the result, I hold that the action of the management of Kustore Colliery of M/s. BCCL in denying regularisation as Fan Operator in Cat. IV to Shri Kanhai Singh and Bhujawan Harijan is not justified and the management is directed to regularise them as Fan Operators in Cat. IV. The management is further directed to pay them the difference of wages of Cat. II and Cat. IV for the period for which they have not been paid the said difference and

from now onwards the concerned workmen should be paid the wages of Cat. IV.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer

[No. L-24012(57)|83-D.IV(B)]

Dated : 18-2-86.

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का. आ. 1217 — औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार व केडला भूमगत परियोजना समिति सी. सी. एल. जि. हजारीबाग के प्रबंधन से सम्बंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नं. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-3-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1217.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government Industrial Tribunal, No. 2, Dhanbad, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kedla Underground Project of Central Coalfields Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd March, 1986.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 57 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kedla Underground Project of CCL and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen.—Shri J. P. Singh, Advocate.

On behalf of the employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 24th February, 1986

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-24012(93)|84-D.IV(B) dated the 20th May, 1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kedla Underground Project of CCL, P.O. Kedla District : Hazaribagh in denying Cat. VI to Shri Dhaneshwar Ram who is working as Welder since 1981 is legal and justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

The case of the workmen is that the concerned workman Dhaneshwar Ram is working as Welder in Kedla Underground Project of M/s. C.C.L. He is a qualified Welder and has gained experience as Welder since the year 1976. Since 1981 the management have continuously employed him as Welder in No. 2 Colliery of Kedla Underground Project. He was getting wages of Cat. II prior to 1981 and presently he is getting the difference of wages of Cat. II and Cat. IV since 1981. The concerned workman demanded wages of Cat. VI from the date he was working as Welder. But the management went on solving the matter. When the concerned workman did not get the wages of Cat. VI his union took up the matter and raised an industrial dispute before the ALC(C) Hazaribagh. The conciliation failed and thereafter the present reference was made for adjudication. The demand of the workman is based on the circular of M/s. CCL No. IR/2-131/82 dt. 12-11-84 by which the employees who continuously act in the higher post for a period of one year is to be considered for regularisation and that the area management have to take advance step for getting the post created in case of regular project. The management did not follow the instructions as contained in the circular in case of the concerned workman. The concerned workman is an active member of Coalfield Labour Union and as such the management is harassing him. The demand of the concerned workman is for regularisation which is quite distinct from the demand of promotion. The workmen have therefore prayed for regularisation of the concerned workman in Cat. VI with effect from 1981 and for arrears of wages and the annual increments since then.

The case of the management is that the concerned workman was previously a Cat. II helper attached to Fitter. He had no experience or training as a Welder. He was given an opportunity to learn this welding work and when the management found that he had picked up the work of welding he was paid the difference of wages between Cat. II and Cat. V with effect from 1-6-1984. The concerned workman is doing only gas welding and there is no equipment nor arrangement for electrical welding in No. 2 colliery of Kedla Underground Project. The concerned workman has not acquired skill for performing different types of jobs referred to in the job description of Cat. V welders. He has been doing the minor jobs of welding. There are other experience and skilled welders in the colliery. The management is watching the work, experience and skill of the concerned workman and when the management finds that the workman has acquired the requisite skill and is capable of doing all the jobs of Cat. V welder he will be placed on a regular basis in Cat. V. When the dispute was raised by the sponsoring union by his letter dated 17-7-1984 it had stated that the workman concerned was working as Welder and it was nowhere stated that he was working as a Welder Cat. VI and no demand was made at any stage for Cat. VI. The union also had not at any time demanded Cat. VI for the concerned workman from 1981 or from any other date. The concerned workman is not entitled to be placed automatically in the post of Welder Cat. VI or Cat. V. The channel of promotion of Welder is from Cat. V to Cat. VI and is made through an interview and trade test and on selection for promotion

welders are given Cat. VI subject to vacancies. As regard the circular dated 12-11-1984 issued by the management, the same is self explanatory and regularisation of the workmen is to be done subject to the workmen being found fit in all respects for the posts in question and also the availability of the post on regular basis. It has been submitted on behalf of the management that the action of the management in denying the placement of the concerned workman in the post of Cat. VI welder is justified and that the concerned workman is entitled to no relief.

The question to be determined in this reference is whether the concerned workman is entitled to the post of Cat. VI welder since 1981.

The management has examined one witness and the workmen have examined two witnesses in support of their respective cases. The management have produced documents which are marked Ext. M-1 to M-4 and the documents produced on behalf of the workmen have been marked Ext. W-1 to W-12.

The workmen have based the case of the concerned workman on the basis of the circular dated 12-11-1984 and the same has been marked as Ext. W-5 in this case. It is a circular issued by CCL under the signature of Chief Personnel Manager dated 12-11-1984 in respect of cases of regularisation of employees working in different categories/designation. The representative of the union had raised that there were a number of cases where workers are working in higher category/designation but were not regularised in the higher post and as such the management decided in continuation of their office letter dated 19-4-1982 that employees will be considered for regularisation if they continuously act in the higher post for a period of one year and that they will be granted increments after one year of regularisation and that whenever situation of acting in higher grade is resorted to step will have to be taken to get the post created and the Area management will take advance step as far as possible for getting the post created in cases of regular projects. It will thus appear that it was the policy of the management that employees will be considered for regularisation if they continuously act in the higher post for a period of one year. Admittedly the concerned workman did not act in the higher post of Cat. VI welder for a period of one year or for any period. Thus according to this circular the concerned workman cannot be regularised in Cat. VI as Cat. VI welder.

MW-1 is working as under Manager at Kedla Underground project since September, 1980. He has stated that the concerned workman was piece rated worker and subsequently he was placed in Cat. II. He has further stated that since June, 1984 the concerned workman is working as Welder, and that he is getting the difference of wages between Cat. II and V. He has stated that they have written to the Head office to create post of Welder Cat. V to accommodate the concerned workman but the sanction has not yet been made by the Headquarter. He has stated that promotional channel of Welder is from Cat. II to Cat. V and then to Cat. VI and that no Welder helper is promoted directly to Cat. VI. He has also denied that the concerned workman was working as

Welder since 1976. In his cross-examination he has stated that prior to June, 1984 the concerned workman was working as Welder Helper and that the concerned workman is working as Welder since June, 1984. He has also accepted that the concerned workman is working regularly as a Welder since June, 1984. WW-1 is the concerned workman Shri Dhaneswar Ram himself. He has stated that he was appointed as piece rated loader in Kedla colliery in 1973 and since 1975 he was working as Welder helper and since 1981 he was working as a Welder. He has stated that Kedla Under Ground Project consists of two collieries which is popularly known as No. 1 and No. 2. The concerned workman is working as Welder in Colliery No. 2 and he is getting the difference of wages of Cat. II and Cat. V. In his cross-examination he has stated that in August, 1976 he was given Cat. I as General Mazdoor and that in February, 1978 he got Cat. II as Fitter Helper. It is clear therefore that he was not working as Welder Helper since 1975. He has stated that he has paper to show that he was working as Welder Helper since 1975 but he has not filed any paper to that effect. In his further cross-examination he has stated that in 1978 he had taken the training of Welder in Kedla Colliery and had not taken any training previously. He has stated that he has paper with him to show that he is working as Welder since 1981. He has stated that mining operation in Kedla Under Ground mining No. 2 was started in 1984 and that other preliminaries were being done since two years before. It will therefore be clear from his evidence itself that he could not have been appointed as Welder in 1981 when the mining operation in Kedla Underground mining No. 2 where he was working as Welder started in 1984. In his further cross-examination he has stated that a Welder helper is promoted as Welder in Cat. V and thereafter he cannot be promoted to Welder in Cat. VI. Admittedly he is not regularised in Cat. V and is only getting the difference of wages of Cat. II and Cat. V. he has not yet been regularised in Cat. V and as such there is no question of his being given Cat. VI as Welder.

Ext. M-1 is the photo copy of the petition dated 17-7-1984 by which the Joint General Secretary of Coalfield Labour Union raised an industrial dispute before the ALC(C), Hazaribagh, in respect of the concerned workman. In para 2 it is stated that Shri Dhaneswar Ram was regularly working as Welder since 1981 and is still being paid Cat. II wages and that he has not yet been regularised as Welder. It is further stated in para 4 that it is unfortunate that the management have not yet responded to their request for regularising Shri Dhaneswar Ram. It will thus appear that the union had raised an industrial dispute for the regularisation of the concerned workman as Welder and no demand had been made for giving Cat. VI to the concerned workman. It has been admitted by the concerned workman himself that the channel of promotion of Welder is from Cat. II to Cat. V and then to Cat. VI. Ext. M-1 shows that the concerned workman was previously in Cat. II and that he is working as a Welder since 1981 but had not been regularised and was getting the difference of wages of Cat. II and V. Thus it is clear that no demand had ever been raised for giving Cat. VI to the concerned workman and that at best the demand

for his regularisation in Cat. V as he was doing the job of Welder Cat. V. The workmen have produced authorisation Ext. W-9 dated 1-3-1981 to show that the concerned workman Shri Dhaneswar Ram was authorised to work as Welder but it is suspicious paper. It has been filed to show that the concerned workman was working as Welder since March, 1981. WW-2 Chandreswar Singh who is working as an Attendance Clerk in Kedla Underground Project Mine No. 2 has stated that in 1981 the concerned workman was given authorisation by the Mines Manager to work as Welder. He has stated that the concerned workman is the only welder in Mine No. 2 and that the concerned workman is working regularly in Mine No. 2. But as I have discussed earlier it will appear that the Mining operation in Kedla Underground Mine No. 2 was started in 1984, the concerned workman could not be a regular welder prior to that and as such it appears that the management's contention that the concerned workman was working as Welder since June, 1984 appears to be correct.

WW-1 the concerned workman has, stated that Ramdas working as Welder in No. 1 colliery is getting wages of Cat. VI and that Somar Rabidas who is working as welder helper is getting wages of Cat. IV. Ext. M-4 is the service sheet of Ramdas Rajak and Ext. M-3 is the service sheet of Somar Rabidas. The service record Ext. M-4 shows that Ramdas Rajak was categorised and designated as Welder Cat. V on 18/19-4-1978 and it does not appear that he has been promoted to Cat. VI. Ext. M-3 shows that Somar Rabidas has been placed in Cat. IV as Welder on 24-7-1979 and in Cat. V as Welder on 21-6-1985. Thus the contention of the workmen that Ramdas is getting Cat. VI as Welder in Colliery No. 1 of Kedla Underground Project does not appear to be correct.

From the discussions made above it is apparent that the concerned workman was not working as Welder in Cat. VI and as such there is no question of allowing him Cat. VI since 1981. It further appears that the concerned workman was working as Welder and was getting the difference of wages of Cat. II and Cat. V since June, 1984 and as he is regularly working as a Welder in Cat. V for more than one year since then he is entitled to be regularised in Welder Cat. V vide the circular Ext. W-5 and the management is directed to regularise him as a Welder in Cat. V since June, 1985 and should be paid accordingly.

In the result I hold that the action of the management of Kedla Under Ground Project of M/s. CCL in denying Cat. VI to the concerned workman Shri Dhaneswar Ram is quite legal and justified but in view of the findings made above I hold that the concerned workman should be regularised as Welder in Cat. V since June, 1985 and the management should take necessary step by creating such post if necessary without any further delay.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-24012/93/84-D.IV(B)]

का. घा. 1218.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार व खास कजोरा कोलियरी मैसर्स ई. सी. लिमि. के प्रबंधन से संबन्धित निवेदन और उनके कर्मचारियों के बीच प्रमुख में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1218.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Khas Kajora Colliery of M/s. Eastern Coalfields Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th February, 1986.

# CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 10 of 1984

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Khas Kajora Colliery of Messrs Eastern Coalfields Limited.

AND

Their Workmen.

## PRESENT :

Shri Justice N. G. Chowdhury—Presiding Officer.

## APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Md. Maniruzzaman, Advocate.

On behalf of Workmen.—Shri S. Sengupta, Advocate.

STATE : West Bengal INDUSTRY : Coal.

## AWARD

By Order No. L-19012(45)/83-DJV(B) dated 22nd March, 1984, the Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour) referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the management of Khas Kajora Colliery of Eastern Coalfields Limited, P.O. Kajoragram, District Burdwan (WB) in dismissing Shri Balam Akuria w.e.f. 6-10-78 was justified? If not, to what relief he is entitled?”.

2. The dispute under consideration arose in the facts and circumstances stated below. There is no dispute that Shri Balam Akuria, the workman concerned was serving the colliery concerned as underground Trammer from 1971 and fell ill in September, 1977. The workman alleged that on or about 12-9-1977 he was compelled to absent himself from duty for undergoing treatment and remained absent till 20-3-1978. In para 3 of the written statement cum rejoinder of the management it is admitted that the records of the colliery hospital reveals Shri Balam Akuria reported for his treatment on 10-9-1977 and thereafter he remained untraceable and neither reported for duty and nor to the said hospital. However, the workman alleged that with a medical certificate annexed to an application for leave on medical ground submitted to the colliery authorities he wanted to resume his duty after recovering from his illness. But the authorities neither allowed him to resume his duty nor granted him leave. On the contrary on 31-3-1978 they started a disciplinary case against him under para 17(i)(n) of the Model Standing Orders. This is also admitted by the management in para 4 of their written statement namely that the absence of the workman concerned for a long period came to the notice of the management in March, 1978 and this having amounted to misconduct, charge sheet was drawn up against him and departmental proceedings started. With regard to the departmental proceedings the workman makes a grievance that he was given no opportunity to be represented by a co-workman or to examine any witness or to cross-examine

witness examined by the management in course of the departmental proceedings. According to the workman the proceedings were absolutely unfair, illegal and mala fide. The workman further makes a grievance that by Order dated 6-10-1978 his services were terminated in consequence of the findings arrived at in the departmental proceedings. The workman accordingly contends that the said Order should be set aside. The management however, contends that the order was correctly passed, the proceedings were held in the proper fashion and the workman submitted to the proceedings and accepted the order, but, after lapse of a considerable time, in 1983 he raised the issue of illegal termination of his service with the mala fide intention of harassing the management, knowing fully well that the papers relating to the proceedings could not be traced or that they were not preserved.

3. There are two aspects of the case. The first aspect is the illness of the workman concerned and his continued absence from work from early part of September, 1977 to third week of March, 1978 on the ground of illness. The witness No. 1 examined on behalf of the management virtually admitted the illness of the workman and this fact is also admitted in the Written Statement filed by the management. The Second Aspect requiring close consideration is if the departmental proceedings were rightly started against the workman in respect of his illness and if the departmental proceedings were correctly conducted giving the workman adequate facilities to represent his case. With regard to this part of the case the management takes its stand on Model Standing Orders for industrial establishment in coal mines given in Schedule 1A to the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946. The learned advocate representing workmen contends that the management has not produced standing orders prepared on the basis of the model standing orders referred to above operating in the colliery. He further points out that there is no evidence that the Standing Orders allegedly brought into operation in the colliery was submitted, certified, maintained in the proper register and pasted in the fashion laid down in sections 3 to 9 of the Act aforesaid. In short his argument is that there is no evidence that norms prescribed by the Act aforesaid for preparing and enforcing the Standing Orders was strictly followed and there is no evidence as to provisions of the Standing Orders enforced in the colliery concerned. The learned advocate accordingly contends that reading the evidence noted above no case as pleaded by the management appears to have been made out.

4. His next branch of arguments is that even if for the sake of argument it is assumed that Standing Orders brought into operation in the colliery concerned resembled the Model Standing Orders as given in Schedule—1A to the Act, there is no evidence that departmental proceedings were as a matter of fact started against the workman concerned and that the departmental proceedings were conducted in the fashion indicated in paragraph 17(ii) of the Model Standing Orders. Drawing my attention to clause (n) of Paragraph 17(i) and clause (c) of paragraph 10 of Model Standing Orders, the learned advocate points out that ordinarily a workman in colliery cannot absent himself from work without permission and without satisfactory cause for more than 10 days; if he goes on leave granted or subsequently extended he is to return within 10 days of expiry of his leave and to explain to the satisfaction of the manager his inability to return on the expiry of the date. He points out that attendance of workman in the colliery is noted in the attendance register daily and their absence from duty can easily be checked and known. Many of the workmen are paid weekly wages and from wages register even it may be asserted whether a workman is on leave or not. Arguing as above he contends that there is no dispute that from the early part of September, 1977 the workman concerned absented himself from work on the ground of illness and he did not make any attempt to resume his duty till the third week of March, 1978. The learned advocate comments that it is surprising that the management of the colliery did not notice his absence for this long time and assuming for argument sake that standing orders earlier referred to were in operation, no departmental proceedings were started against the workman concerned for his alleged misconduct. The workman concerned in course of his evidence has deposed that there was no

one to look after him or nursing him during his illness while he was in the colliery so he left the colliery and went to his native village and received treatment from a private medical practitioner. The so called leave register marked Ext. M-4 shows that during the year 1977 the workman concerned absented himself without leave for 88 days still no departmental proceeding was started or no enquiry was made as to the reason why he was absenting himself from duty. This reveals a sad state of affairs. However, according to the workman he wanted to resume his duty in March 1978 and submitted an application with a medical certificate attached therewith. The authorities then woke up from their slumber and started departmental proceeding against him as alleged.

5. Para 17(ii) of the Model Standing Orders is quoted below :

“(ii) No order of punishment under Standing Order No. 17 (i) shall be made unless the workman concerned is informed in writing of the alleged misconduct and is given an opportunity to explain the allegations made against him. A departmental enquiry shall be instituted before dealing with the charges. During the period of enquiry, the workman concerned may be suspended. The workman may take the assistance of a co-worker to help him in the enquiry, if he so desires. The records of the departmental enquiry shall be kept in writing. The approval of the owner, agent or the chief mining engineer of the employer or a person holding similar position shall be obtained before imposing the punishment of dismissal. A copy of the enquiry proceedings shall be given to the workman concerned on the conclusion of the enquiry, on request by the workman.”

From a perusal of the paragraph of the Standing Orders above, it appears that during the period of enquiry the workman concerned may be suspended. There is no evidence here as to whether the workman concerned was kept under suspension or he received his remuneration as usual. Further the workman is entitled to assistance of a co-worker into the enquiry proceeding if he desires and the approval of the owner, agent or the chief mining engineer of the colliery is required to be obtained before imposing the punishment of dismissal. In this case there is no evidence that the workman concerned was given opportunity to take assistance of co-worker or that prior to imposing on him the dire punishment of dismissal approval of the persons concerned as noted earlier was taken. The workman in course of his evidence has deposed that on three occasions he was summoned in course of the enquiry proceeding but the enquiry officer did not permit him to plead his case and repeatedly send him off, simply after ascertaining his name. He contends that he could not examine any witness on his behalf nor could he take the help of any co-worker or of any union representative to help him. There is no denial on the part of the management on this point. I have already noted that the papers connected with the departmental proceedings have not been filed. I have indicated that a copy of the order passed by the authorities imposing punishment is required to be supplied to the workman concerned. Here there is no evidence adduced by the management that this was done. Still I do not make much of this because from the written statement of the workman concerned it appears that he came to know of the order of dismissal against him. Now regarding the second aspect of the case considered in details as above the conclusion becomes inescapable that there is no evidence that the Standing Orders on the line of Model Standing Orders were brought into operation in the colliery concerned in the fashion legally prescribed or that the departmental proceedings were conducted in the fashion prescribed. The facts as discussed indicate that the management did not either notice the continued absence of the workman concerned upto March, 1978 or knew that he was absenting himself on account of his illness.

6. The third aspect of the case as pleaded by the management is that having submitted to the order of dismissal the workman concerned agitated his case at a late date in 1983 so his case should not be taken into consideration

This plea has no merit. No law could be cited which enjoins that on account of delay a workman will forfeit his right to agitate the case of wrongful dismissal before an Industrial Tribunal. The third plea of the management has therefore no leg to stand of.

7. Considering all the aspects of the case the conclusion is reached that Shri Balaram Akuria's dismissal with effect from 6-10-1978 by the management of Khas Kajora Colliery of Eastern Coalfields Limited was absolutely unjustified. In the circumstances aforesaid he is entitled to be reinstated to his post of Underground Trammer with effect from his date of dismissal.

An Award in favour of the workman concerned and against the management of the aforesaid colliery be accordingly made and published.

Calcutta, the 14th February, 1986.

N. G. CHOWDHURY, Presiding Officer  
[No. L-19012/45/83-D. IV(B)]

का. प्र. 1219.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुकरण में, केन्द्रीय सरकार व मनोरा कोलियरी मैजनेट्स इस्टर्न कोलफील्ड लि. के प्रबंधन से संबंध नियोक्तों और उनके कार्यदारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिनियम, कलकत्ता के पंचाट का प्रकाशन करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 27-2-86 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 1219.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bhanora Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th February, 1986

## CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 70 of 1982

### PARTIES :

Employers in relation to the management of Bhanora Colliery, M/s. Eastern Coalfields Limited, P.O. Charanpur (Burdwan).

### AND

Their Workmen.

### PRESENT :

Shri Justice N. G. Chowdhury, Presiding Officer.

### APPEARANCES :

On behalf of Employers.—Shri B. N. Lala, Advocate.

On behalf of Workmen.—Shri A. K. Lal Gupta, Advocate.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Coal

### AWARD

By Order No. L-19012(109)/82-D.IV(B) dated 23rd November, 1982, the Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation (Department of Labour), referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

“Whether the action of the Agent, Bhanora Colliery, M/s. Eastern Coalfields Limited, Post Office Charanpur, District Burdwan in converting Shri Hari Ahir, an underground Loader to Security Guard from 1974 without pay protection is justified? If not, to what relief the workman is entitled?”

2. From a reading of the Schedule quoted above it appears to be admitted that Shri Hari Ahir was an underground loader in Bhanora Colliery and in the year 1974 there was a change in the nature of his service and the Agent of the colliery made him a Security Guard, without protecting his pay; in short the post of underground loader held by Shri Hari Ahir was changed to that of Security Guard. On the points aforesaid there is no dispute. There is also no dispute that the conversion aforesaid was made without protection of Shri Ahir's pay implying thereby that the pay of Underground Loader was higher than that of Security Guard and for converting the post of Underground Loader to that of Security Guard Shri Hari Ahir's higher pay in the post of Underground Loader should have been protected. The management having omitted to do the above its action is challenged as without any justification. From the written statements filed by the parties and documentary evidence marked Ext. M-1 it transpires that Shri Hari Ahir worked as Underground Loader upto 23-9-1974 and from 24-9-1974 he began to work as Security Guard. On behalf of the management it is alleged that because of ill health Shri Hari Ahir prayed for light duty on compassionate ground. The further case of the management is that in consequence to Sub Area Manager's letter dated 10-11-1978, Shri Hari Ahir, Loader began to be designated as Security Guard with starting basic salary of Rs. 285 per month as disclosed by Ext. M-4. I have already highlighted the admitted facts and I will only reiterate that conversion of the post of Shri Hari Ahir from that of Underground Loader to that of Security Guard with effect from 1974 is undisputed. In that context Ext. M-4 has no relevance. Mr. A. K. Talgunda, learned advocate representing the union contends that from documents marked Ext. W-1 to W-4 and from the Wage Board report it is abundantly clear that pay of Underground Loader was always higher than that of the Security Guard. He contends that in the above circumstance to justify the conversion of Shri Hari Ahir's original post carrying a higher pay to the other post with lower pay the management should have given ample justification if they failed to protect the higher pay. In the present case the management pleaded that Shri Hari Ahir was given the post of Security Guard on compassionate ground, but apart from the oral evidence given by MW-1 and MW-2 there is no documentary evidence on the point. In this connection the management relies heavily on Ext. M-3 purporting to bear the LTI of Shri Hari Ahir and to show that he agreed to accept down grading his post carrying a lower pay. This document appears to be suspicious. From Ext. M-2 a letter dated 7-1-1978 it transpires that the Chief Personnel Officer realised the necessity of down grading the post of Shri Hari Ahir and 34 others and issued necessary instruction to the Sub Area

Manager. Subsequent to issue of this document dated 7-1-1978 the document marked Ext. M-3 purporting to bear the LTI was brought into being. There is no evidence to convince that the letter was prepared under instructions of Shri Hari Ahir or that the person obtaining the LTI of Shri Ahir on the letter explained to him the contents of the letter. We cannot forget Shri Hari Ahir is illiterate. There is again no reason why after so many years Shri Hari Ahir would address to the Manager of Bhanora Colliery this letter on 17-11-1978. He has been holding the post of Security Guard without dispute from 1974. In the letter there is no indication that Shri Ahir was informed of the contents of the Ext. M-2 and against the back ground of that letter he was sending Ext. M-3. Ext. M-3 does not again disclose that Shri Hari Ahir was suffering from ill health and for that reason being unable to discharge the onerous duties of Underground Loader, prayed for the light duties of Security Guard on compassionate ground. It is again noted that a Register of letters received is maintained in the colliery and a rubber stamp is impressed on letters every day as disclosed by Ext. M-2 but on Ext. M-3 there is no rubber stamp mark showing the date of receipt and no Register of letters received has been proved to show that the letter was actually received a few days after 17-11-1978. For all these reasons the letter Ext. M-3 appears to be suspicious and unreliable.

3. In the aforesaid circumstance I cannot avoid the conclusion that Shri Hari Ahir's original post of Underground Loader was down graded to that of Security Guard without protection of pay and without any justification whatsoever. The issue under reference is therefore answered against the management and in favour of Shri Hari Ahir. It is held that the action of the management of Bhanora Colliery, M/s. Eastern Coalfields Ltd. in converting Shri Hari Ahir, an Underground Loader to Security Guard from 1974 without protection of his pay is unjustified. Shri Hari Ahir is accordingly entitled to be reinstated to the post of Underground Loader and till such reinstatement he is entitled to the difference in wages from the date of his working as a Security Guard till the date of his re-instatement as ordered. The actual financial benefits to which he is entitled or the liability which the management will suffer will be calculated on reasons the letter Ext. M-3 appears to be suspicious with the help of a commissioner, if necessary.

For the present an Award be made, submitted and published to the effect as noted above.

Dated, Calcutta,

The 18th February, 1986.

N. G. CHOUDHURY, Presiding Officer

[No. L-19012(109)182-D.IV(B)]

R. K. GUPTA, Desk Officer.

नई दिल्ली, 4 मार्च, 1986

का. आ. 1220.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, सर्वोच्च मादिया एजेंसी, बंबई के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कामकाजों के बीच, कलकत्ता में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण में, 2, बंबई के पंचात को प्रकाशित करने है, जो केन्द्रीय सरकार को 24 फरवरी, 86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 4th March, 1986

S.O. 1220.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the industrial disputes between the employers in relation to the management of M/s. Bhatia Agencies, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, BOMBAY

Reference No. CGIT-2/57 of 1985

PARTIES :

Employers in relation to the Management of M/s. Bhatia Agencies, Bombay,

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri Shamrao Shantaram, Advocate.

For the Workmen—No appearance.

INDUSTRY : Ports and Docks STATE : Maharashtra  
Bombay, the 17th February, 1986

AWARD

(Dictated in the open Court)

By their Order No. L-31012/3/84-D.IV (A) dated 29-8-1985 the following dispute has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

"Whether the demand of Shri Vasant Chhotulal Deolekar, Dock Clerk, for reinstatement in service by M/s. Bhatia Agencies, Bombay with effect from 4-10-1983 with full back wages and continuity in service is justified? If so, to what relief the concerned workman is entitled?"

2. The termination of the workman's service with effect from 4-10-1983 has given rise to the present dispute. The case of the workman is that the management manoeuvred to win over the representative of the workman and coerced him to tender resignation letter and since then he is out of service. It is therefore his contention that the termination on the basis of his resignation letter is unjustified and hence he be ordered to be reinstated.

3. The contention of the workman that the resignation letter was obtained by coercion that too winning over the Union representative has been refuted by the management by their written statement who plead that the workman who is educated had written the resignation letter in his own handwriting and affixed his signature and there upon he obtained the legal dues and service certificate and accordingly the enquiry proceedings bearing the signature of the workman and the Union representative, whereby the proceeding came to an end. In this manner the case of the management is that the workman himself tendered the resignation which was accepted by the management and the same being voluntary, no relief can be claimed.

4. On the strength of the above pleadings the following issues arise for determination and my findings thereon are :—

ISSUES

FINDINGS

- Whether the workman proves that the letter of resignation was forcibly obtained from him as stated in the statement of claim? No
- Whether the said resignation was not voluntary? was voluntary
- If not, whether the workman is entitled to any relief as prayed for? Nil
- What award? As per award.

## REASONS

5. The main question in this case naturally would be whether the letter of resignation which is on record at S. No. 16 in the documents filed by the management was obtained by coercion as tried to be alleged by the workman. In this regard although the burden of proof was on the workman he has failed to adduce any evidence. He is not even present when the case was called out again at 1.00 P.M. nor his Advocate is present. Then there are certain circumstances which must be considered while scrutinising the relevant letter and the facts attendant thereto. The fact that the letter is in the handwriting of the workman and it also bears his signature is not disputed. Then the Union representative who was representing the workman during the enquiry of which Union the workman claimed to be an active member was fully cognisant of the resignation and the consequences arising therefrom. To obviate the difficulty of the presence of the Union representative an allegation is made in the statement of claim that he was won over by the management which allegation seems to be baseless and without substance. Not only that, the workman accepted the legal dues, which is endorsed by the Union representative though the workman has denied the same yet in view of the signature of the Union representative who had no reason to witness the signature of the workman on the voucher acknowledging the payment, I cannot accept the contention of non-payment. I am convinced that the workman by his own volition decided to resign from the service, tendered the resignation, accepted the dues but subsequently for the reasons best known to him has now changed his mind and trying to dispute the resignation itself and in that process not only he is making allegation against the management but also maligning the Assistant Secretary of the Union who was all along representing him during the enquiry. I am therefore convinced that the resignation was voluntary whereby severance of relationship of employer-employee was brought about and therefore the workman cannot ask for any relief.

Award accordingly.

M. A. DESHPANDE, Presiding Officer

[No. L-31012/3/84-D.IV (A)]

नई दिल्ली, 5 मार्च, 1986

क्र. आ. 1221.—औद्योगिक विवाद विचारण, 1947 (1947 का 14) क. धरा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार, तमिलनाडु मर्कन्टाइल बैंक लि., के प्रबंध तंत्र से उत्पन्न विवादों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट शर्तों के तहत में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाद को प्रकाशित करते हैं, जो कर्मचारियों को 17 फरवरी, 1986 को प्राप्त हुआ था :

New Delhi, the 5th March, 1986

S.O. 1221.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Tamilnadu Mercantile Bank Ltd., and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th February, 1986.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)  
AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 16 of 1985

BETWEEN

The Workmen of Tamilnadu Mercantile Bank Limited,  
Siddiamber Bazar, Hyderabad.

AND

The Management of Tamilnadu Mercantile Bank Limited,  
Siddiamber Bazar, Hyderabad.

APPEARANCES :

Sarvasri Y. Jagan Mohan and Y. Hariharan, Advocate—  
for the Workmen.

Sri L. K. Srinivasa Rao, Advocate—for the Management.



## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-12012(25)/84-D-1V (A) dated 19th March, 1983 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employees in relation to the management of Tamil Nadu Mercantile Bank Limited and their Workmen to this Tribunal for adjudication :—

"Whether the action of the Management of Tamilnadu Mercantile Bank Limited, in dismissing from service Shri N. Anjaneyulu, Head Cashier, Siddiamber Bazar Branch, Hyderabad with effect from 20th July, 1982 is justified? If not to what relief the workman concerned entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 16 of 1983 and notices were issued to the parties.

2. In the claims statement it is mentioned by ill-luck of the workman while working as cashier on 19-7-1982 it is found that there is short of cash of Rs. 1,20,000.00 on physical verification, and the same could not be traced even after best efforts. The workman informed the Management of the shortage and the Accountant and other members of the Branch also helped him ascertaining the shortage. The Bank also lodged a complaint in respect of the shortage. However even after the Police came and enquired the mystery remained unresolved. The Deputy General Manager of the Bank came from Tuncorin on 20-7-1982 and conducted the enquiry. The petitioner was taken into custody by the Police for investigation and registered a case in Crime No. 299/82 and referred to the Fourth Metropolitan Magistrate, Hyderabad. While the case was thus pending, without regard to the elementary principles of natural justice, the Management instituted a domestic enquiry against him and though the Petitioner pleaded innocence in unequivocal terms and gave an explanation, the Bank thought fit to institute a domestic enquiry. The enquiry was conducted by a legal practitioner from Madurai and the enquiry was conducted in a more unjust manner contrary to the principles of natural justice. The enquiry officer held him guilty. Thereafterwards the petitioner was given show cause notice proposing punishment of dismissal for which the petitioner replied also reiterating his innocence. In spite of that the Management premeditated plan and dismissed the workman from service in order dated 11-6-83. Hence the same is questioned. It is absurd to say that the petitioner misappropriated Rs. 1,20,000.00. The loss incurred if any, is due to Bank's own negligence and ill planning. The petitioner is punished for no fault of his. Therefore he should be reinstated setting aside the order of dismissal dated 16-11-1983.

3. On the other hand the Bank filed a counter stating that the Respondent conducted the domestic enquiry into the charges levelled against the Petitioner and the Bank gave full opportunity to defend the delinquent officer as the amount of misappropriation is to the tune of Rs. 1,20,000.00 and other connected charges also were serious and grave in nature. After being not satisfied with the explanation given by the Petitioner and the same is misleading. Having been satisfied that the outcome of Police investigation is not material for taking necessary disciplinary action against the petitioner after due process to dismiss him from service after giving fair and reasonable opportunity and prayed that the same should be confirmed.

4. The Workman examined himself as WW-1 and did not mark any documents for himself. Whereas the Management examined MW-1 and marked Exs. M-1 to M-11.

5. On behalf of the Workman, the Workman himself is examinee as WW-1. According to him on 19-7-1982 it is noticed that there is a shortfall of Rs. 1,20,000.00 in cash and that he was cashier in Tamil Nadu Mercantile Bank, Siddiamber Bazar, Hyderabad during that period. According to him, the Manager was not there as he had gone out for lunch and they issued him show cause notice and conducted an enquiry in January 1983 and even after request to defer the enquiry they refused him to give time and mentioned that he was not permitted to give a letter to that effect and thus he was forced to participate in the enquiry without any assistance from any outsiders to defend himself. It is his case that he did not have any assistance to defend himself before the Enquiry Officer and therefore he was not given fair and reasonable opportunity. He conceded that he did not file any letter to show that he wanted time be given by

the Enquiry Officer for postponing the enquiry. He also conceded that the Management did not receive any communication from him requesting postponement regarding the enquiry and he also conceded that he did not mention anywhere in the correspondence to the Bank that they did not allow him to take outside assistance in the enquiry. He conceded that he did not protest or give in writing that he should be given outside assistance. He mentioned that no advocate appeared in the enquiry on behalf of the Management. He also conceded that the evidence is recorded in the enquiry in his presence to his knowledge and he cross examined them to the best of his knowledge. He also conceded that the enquiry officer did not object any of his questions being put to the witness of the Management. He also conceded that he did not ask any other enquiry officer to be appointed. He also mentioned that the cash which was lost is lost in his custody in the Bank. But the said money was not recovered till now.

6. MW-1 is one Sri S. Srinivasagam who is the Enquiry Officer in this case. He is practising advocate at Madurai. According to him he was appointed as Enquiry Officer and he conducted the enquiry and filed the domestic enquiry report as Ex. M11. (Exs. M-1 to M10 are marked by consent). He mentioned that the enquiry was started on 10-1-1983 and concluded on 11-1-1983. There was no occasion when the Petitioner requested for postponement of the enquiry on the ground that he requires assistance by somebody. He mentioned that the Petitioner had got one Sri Ramayya to be an observer on his side during the enquiry proceedings and he was present throughout the enquiry proceedings and he was taking his signatures on the proceedings along with the signatures of the workman Anjaneyulu. He asserted that he gave full and fair opportunity to the workman to put questions to the witness examined by the Management and also clarified that he is not Legal Adviser of the Management Bank and that he did not take any credit from the said Bank and as a practising advocate he was appointed as Enquiry Officer. Of course he mentioned that he did not put it on record and to explain to Anjaneyulu that he could have his own Advocate to represent on his behalf. He explained why Ramayya was kept as an Observer on behalf of the Workman. He denied the suggestion that he did not give fair and reasonable opportunity in the enquiry.

7. Now on the available facts, it is admitted that the workman worked as Cashier of Tamil Nadu Mercantile Bank and there was shortage of cash of Rs. 1,20,000.00 on a physical verification in the evening of 19-7-1982. In the domestic enquiry it was held by this Tribunal's Order dated 14-11-1985 that the same is done in accordance with the principles of natural justice and the same was proper and correct.

8. Now the question is whether the action of the Management in dismissing him from service with effect from 28th July, 1982 is justified. According to Sri Hariharan for the workmen, the workman who worked as Cashier himself informed about the shortage and he gave a complaint also after the matter was informed to the higher authorities duly. According to him even the Police who arrived at the scene could not detect incriminating circumstances against him and Bank officials who came on the next day and contended that the enquiry officer wanted the Petitioner to be in custody and conducted an investigation and thus a Crime No. 299/82 was registered. Ex. W-4 would show that the Court of IV Metropolitan Magistrate report was filed by the Inspector of Police, C.C.S., Hyderabad stating that the Head Cashier N. Anjaneyulu may be released under Section 169 Cr. P.C. as he was not responsible for the offence of misappropriation and as it is an offence under Section 380 I.P.C. committed by professional criminals of Ranjoonagar of Tiruchirapalli District of Tamil Nadu State. According to the Inspector of Police who investigated held that the Cashier did not misappropriate the shortage of amount of Rs. 1,20,000.00 but it was stolen from the cash cabin while he was busy in transaction and this offence was committed by professional criminals from Ranjoonagar by diverting the attention of the employee of Tamil Nadu Mercantile Bank, Siddiamber Bazar, Hyderabad. Even according to him the Crime No. 299/82 it was registered against Anjaneyulu under Section 408 IPC of Police Station, Afzal Guni and also transferred it to Team III C.C.S., Hyderabad for investigation and the same was altered from Section 408 to 380 I.P.C. as there was some recovery of cash with reference to Crime No. 242/82 under Section 380 I.P.C. of chil-



Chikalguda Police Station against one Venkatesham alias Thawan alias Tulsidas resident of Kamjonnagar, Tiruchinapalli District for committing theft or cash from the cash counter of the Central Bank of India, Sitaphalmandi Branch and during the course of interrogation the said accused Venkatesham, alias Thawan alias Tulsidas disclosed that this offence was committed by him along with associate eleven in number and therefore he was of opinion that N. Anjaneyulu, Head Cashier should be released under Section 169 Cr. P.C. Sri Hari Haran for the Workers contended that on the basis of Ex. W-4 and also on the basis of Ex. W-3 that the accused was discharged in Crime No. 299/82 as the charge sheet is not filed and he should appear as and when he is summoned from the Court and thus there was no case made out against him and naturally there is a strong case for giving benefit of doubt to him as in similar Bank theft cases. Venkatesham alias Thawan Alias Tulsidas was supposed to be involved in Bank robbery cases and therefore the Team III, C.C.S. tried those cases with the present loss occurred in Tamilnadu Meenatile Bank, Siddiamber Bazar, Hyderabad.

9. Therefore it is his case irrespective of it that they made a departmental enquiry and therefore he was charged for negligence and he was stating that he misappropriated Rs. 1,20,000.00 and it also under mined the prestige of the Bank due to his negligence, they should not have done the said domestic enquiry at all Under Section 169 Cr. P.C. if upon an investigation it appears that Officer Incharge of Police Station that there is not sufficient evidence or reasonable grounds of suspicion to justify forwarding of the accused to the Magistrate. Such officers shall show if person is in custody released him on executing a bond with conditions to appear as and when required before the Magistrate to take cognisance of offence. Therefore Section 169 Cr. P.C. did not for that matter give a clean chit that this Anjaneyulu, Cashier of this Bank is not responsible for the loss of money. He was involved in Crime No. 299/82 and while investigating Crime No. 179/82 under Section 380 of Chikalguda Police Station and Crime No. 242/82 of Chikalguda Police Station they tried to get one Venkatesham alias Thawan alias Tulsidas along with some 11 others to have done some Bank robbery cases and this might be one by him while the Cashier was busy in the transaction. This is first of all an opinion and that opinion is not based upon the correct investigation in Crime No. 299/82 of P.S. Afzalgunj and it is not an investigation based upon examining any witnesses of the Bank and also it had no relevance. It merely shows that they wanted to close Crime No. 299/82 of P.S. Afzalgunj in summary manner without any connection whatsoever with other Crime for which the Police supposed to have investigated. Moreover a discharge Under Section 169 Cr. P.C. asking him to appear as and when required did not amount to a clean chit to Head Cashier Anjaneyulu. Further it is no where laid down that it is a bar for the Departmental enquiry to be conducted; this point was already answered while holding that the domestic enquiry was proper and correct.

10. The next point argued by Sri Hari Haran for the Worker is that atleast the benefit of doubt can be enlarged by giving some relief under Section 11-A of the I. D. Act where the Tribunal is empowered if it is satisfied that the order of dismissal was not justified by giving such other relief to the workman including the award of lesser punishment. Now he relied upon Exs. W-5 and W-6 show that there was no proper security arrangement made for the Cashier and that there is possibility of burglary and subsequently the Management tried to tighten up the Security arrangement forfeiting his contention that at the relevant time of incident when the Cashier went inside for nature call for five minutes even though he locked cash box and all that some customers might have committed such removal of cash without his knowledge and therefore there should be a lesser punishment. First of all this is imaginative argument. A careful perusal of Exs. W-5 and W-6 would show that the customer can only enter the customer lobby which is having a different access and the customers had no access to go inside the Cashier counter so as to meddle with cash box which were locked up. As a Head Cashier he has got a duty to safeguard the money and moreover in Binny Limited v. Their Workmen (AIR 1972 S.C. page 1975) It is clearly laid down that reinstatement of workman should not be awarded where the Management justifiably alleges that they have ceased to have confidence in the dismissed employee. It is mentioned that mere lapse of time is not sufficient for refusing reinstatement and the

Management must show that reinstatement would cause dislocation of work. Sri Hari Haran relied upon the decision reported in Jaswant Singh v. Pepsu Roadways Transport Corporation and Another (1984 (1) LLJ, page 32) and contended that the dismissal of a Driver from service after enquiry for consuming liquor while on duty when it is not enumerated as misconduct under Standing Orders was directed to be reinstated. It was a case where the original Labour Court found that the punishment of dismissal from service is rather on the heavier side and whereas the High Court held that the punishment of dismissal is proper. In that contest the Supreme Court allowing the appeals observed that the Labour Court was right in directing the reinstatement of Driver in service without back wages. There they said that the Driver should not be given three increments in the time scale in which he would be reinstated for the next three years. So from this it is argued that when the Driver of a Transport consumed liquor while on duty and the Supreme Court took a lenient view and allowed him to be reinstated under Section 11-A of the I. D. Act, the same benefit should be extended herein the instant case. The Banks transaction's rest upon confidence and it is a case of loss of Rs. 1,20,000.00 without any satisfactory explanation whatsoever from the Cashier. Therefore the question of applying that principle will not arise. Sri Hari Haran relied upon the decision reported in Rajinder Kumar v. Delhi Administration (AIR 1984 S.C. page 1805) It was a case where accusation was the appellant employee kept his cheque book in such a manner as to be accessible to any one and that some one unscrupulously removed the forms of cheques from the cheque book of the appellant and used them to withdraw money not from the appellant's account but from the employer's account. In that context when there is no evidence that he participated in the conspiracy in any way for facilitating withdrawal of amount, it was held that it cannot be attributed to any misconduct for getting his cheque book unattended or not in safe custody. So in that case the appellant employee also was not guilty of misconduct. It is not so in the instant case. The domestic enquiry clearly found him to be a person of misconduct for the loss of carelessness as well as negligence involved in the loss of Rs. 1,20,000.00 as Cashier of the Bank. It is not a case of some body making use of it or somebody taking the amount and he was found fault. So it had no application in the present case. In Jugal Kishore Prasad Verma v. Superintendent of Collieries, Giridih (1956 (1) LLJ, page 301) It was held when a workman who is found guilty of carelessness in not making a particular entry in a register but against whom there was no evidence to form fraudulent intention on his part, could not be given the punishment of dismissal especially when his immediate superior recommended to the higher authority punishment by way of stoppage of increment for two years. Mere suspicion could not be held sufficient to support an order of dismissal, and in those circumstances it was directed that it should be compensated with back wages and also directed to withhold increments of salary for 10 years. But it is argued for such gross negligence the dismissal awarded is shocking to the consciences and out of proportion to the offence charge and proved. In the instant case first of all the enquiry showed that it is clear case of dereliction of duties apart from negligence and carelessness and it is a question of loss of confidence in the individual as mentioned by the Management Counsel as relied upon by him in 1972 S.C. page 1975 and that the Management ceased to have confidence in the dismissed employee. Therefore I do not find any justification for reinstatement or to give lesser punishment under Section 11-A of the Industrial Disputes Act, 1947. In the instant case the domestic enquiry would show that the

Management had taken carefully circumstances of the case to come to a findings justice and fair case of Police enquiry resulting in discharge has no relevance and the argument is not tenable, as the loss of confidence is established and therefore no lesser punishment can be given. I hold that the Management of Tamilnadu Mercantile Bank Limited, in dismissing from service Shri N. Anjaneyulu, Head Cashier, Siddiamber Bazar, Hyderabad with effect from 28th July 1982 is justified and no relief the workman is entitled.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 31st January, 1986.

Sd/- Presiding Officer.

#### Appendix of Evidence

##### Witnesses Examined

##### for the Workmen :

W-1 N. Anjaneyulu

##### Witnesses Examined

##### for the Management :

MW-1 Seenivasagam.

Documents marked for the Management.

Ex. M-1-By consent—True copy of the Show cause notice dated 28-7-82 issued by the Management to N. Anjaneyulu.

Ex. M-2-By consent—True copy of the explanation dated Nil given by N. Anjaneyulu to the Deputy General Manager, Tamilnadu Mercantile Bank Limited, Siddiamber Bazar, Kishan Gunj, Hyderabad in view of the show cause notice dated 28-7-82.

Ex. M-3-By consent—True copy of the letter dated 26-11-82 addressed by Deputy General Manager Region 'A' to N. Anjaneyulu with regard to disciplinary action and issuing of charge memo and calling for explanation.

Ex. M-4-By consent—True copy of the letter dated 4-12-82 addressed by N. Anjaneyulu to the Deputy General Manager, Tamilnadu Mercantile Bank Limited 56 Beach Road, Tuticorin-628001, with regard to disciplinary action issuing of charge memo and calling for explanation.

Ex. M-5-By consent—Photostat copy of the domestic enquiry proceedings pertaining to N. Anjaneyulu.

Ex. M-6-By consent—Sketch plan of Bank cash counter.

Ex. M-7-By consent—True copy of the letter dated 21-4-83 addressed by the Deputy General Manager to N. Anjaneyulu, with regard to disciplinary action, proposed punishment and issuing of show cause notice.

Ex. M-8-By consent—Letter dated 13-5-83 addressed by Deputy General Manager, Region-A to N. Anjaneyulu with regard to disciplinary action, proposed punishment and issuing of show cause notice.

Ex. M-9-By consent—True copy of the explanation dated 20-5-83 submitted by N. Anjaneyulu to the Deputy General Manager, Tamilnadu Mercantile Bank Limited Tuticorin, Tamilnadu State with regard to disciplinary action proposed punishment and findings of the enquiry officer.

Ex. M-10-By consent—Dismissal Order dated 11-6-83 issued by the Deputy General Manager to N. Anjaneyulu.

Ex. M-11—Findings of the Enquiry Officer.

Documents marked for the Workmen by consent :

Ex. W-1—True copy of the explanation dated Nil given by N. Anjaneyulu to the Deputy General Manager, Tamilnadu Mercantile Bank Limited, Siddiamber Bazar Kishan Ganj Hyderabad in view of the Show cause notice dated 28-7-82.

Ex. W-2—True copy of the letter dated 24-8-1983 addressed by N. Anjaneyulu to the Deputy General Manager, Region-A, Tamilnadu Mercantile Bank Limited Tuticorin with regard to take him back in to service and drop the charges against him.

Ex. W-3—True copy of order in Cr. No. 299/82 dated 15-4-1983 on the file the IV Metropolitan Magistrate Hyderabad.

Ex. W-4—Certified copy of report of Inspector of Police, Team III to IV Metropolitan Magistrate.

Ex. W-5—Sketch plan of Bank as on 19-7-82.

Ex. W-6—Sketch plan of Bank after 19-7-82 incident.

Ex. W-7—Dismissal order dated 11-6-83 issued by Deputy General Manager, Tamilnadu Mercantile Bank Limited to Mr. Anjaneyulu.

Dated : 12-2-1986.

J. VENUGOPALA RAO, Presiding Officer.

[No. L-12012/25/84-D.IV (A)]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का. आ. 1232.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्र सरकार, पंजाब नेशनल बैंक, कानपुर के प्रबंधक से सम्बद्ध विवादों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्र सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंजाब को प्रभावित करता है, जो केन्द्र सरकार को 4 मार्च, 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1222.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur, as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Punjab National Bank, Kanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

REFERENCE NO. L-12012/254/81-D-II(A) dt. 19-3-1982

Industrial Dispute Number, 91 of 1983

In the matter of dispute

BETWEEN

Shri Sant Ram, Village & Post Office Kalwari Distt. Basti (U.P.).

AND

The Regional Manager, Punjab National Bank, The Mall Kanpur, Uttar Pradesh.

APPEARANCE :

Shri V. N. Sekhari for the workman.

Miss Anjali Saxena for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/254/81-D. II(A) dt. 19th March, 1982 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of Punjab National Bank in relation to their Zonal Training Centre, Nandu Nagar, Kanpur in terminating the services of Shri Sant Ram w.e.f. 29-4-82 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?

2. It is common ground that the workman Shri Sant Ram appointed as sub staff on 8-11-80, at Zonal Training Centre Kanpur on probation of six months. At the time of repor-

ting for duty he submitted educational certificate issued by Junior High School Oniom District Basti in support of his having passed class 8th wherein his date of birth was recorded as 1-10-1950. A complaint dated 9-3-1981, addressed to the Secretary Ministry of Finance, Department of Banking Government of India, New Delhi by one Shri Sahai village and post of Gaighat of District Basti was received alleging that the workman had not middle pass and that he had submitted false/bogus certificate to the bank in respect of his educational qualification.

3. The management after unilateral enquiry finding that the complainant was not substantiated asked the workman to submit his educational qualification in original on which the workman submitted a certificate issued by Kishan Siksha Sudan Jr. High School Kashi Audhavari District Basti dt. 13-8-79. In this certificate his date of birth was entered as 1-10-50 and the date of joining the school was written as 8-7-66 and that of leaving the school as 30-7-67 after passing class eighth. The last school attended by the workman was given as Jhinkoo Lal Inter College Kalwari Basti. On enquiry the head master of the said Kishan Siksha Sadan Junior High School stated that he was not in possession of certificate and as such is not in position to certify the genuineness of the certificate as the record of the school had been stolen away in the year 1979. Again on unilateral enquiry from the institution last attended by the workman he head master gave a certificate that no student in the name of Shri Sant Ram son of Shri Muneshwar had studied in his school from the year 1952 to 68. The same head master issued another letter on 15-4-81 to the effect that one Shri Sant Ram son of Muneshwar was admitted in the school in class 6th on 23-7-57 and left the school on 14-9-60 when he was studying in class 8th. The fact that studying in class 6th in July, 57, the age of workman given to be 7 years which creates suspicion.

4 The workman gave another certificate of Primary Pathshala Kalwari in which his date of birth was recorded as 1-7-44 wherein he entered in July, 52 and left the same in June 57 after passing class 5th.

5. The management after all these unilateral enquiries terminated the services of workman within probation period on 29/4/81 giving him one months wages in lieu of notice. According to the management this was done in view of terms of class 2 of the appointment letter wherein it was clearly stipulated that the services of an employee be terminated at any time without giving any reason after one month's notice or on payment of one months pay and allowances in lieu thereof.

6. It is argued on behalf of the workman that the termination was not simplicitor and for want of satisfaction of the work but by inflicting a motive that the workman had given false certificate which could not have been done without proving that the certificate was deliberately given wrong with intent to cheat the department and proving the same. If it was for loss of confidence it should have been shown as to what was the confidence reposed in the workman which he could not be satisfied. Unless these are shown or proved, the termination is not bonafide and simplicitor but with a stigma attached and should have enquired into.

7. In support of his contention he has drawn my attention to the ruling Central Bank of India Versus State of Jammu & Kashmir 1968, II IJ page 646 wherein it was;

**Held**

It is true that in several cases contracts of employment or provisions of standing orders authorised an industrial employer to terminate the services of his employee after giving notice for one month or paying salary for one month in lieu of notice and normally an employer in a proper case is entitled to exercise this power.

But where an order of discharge passed by an employer in such cases gives rise to an industrial dispute, the form of the order by which the employee's services are terminated would not be decisive. Industrial adjudication would be entitled to examine the substance of the matter and decide

whether the termination is in fact discharge simplicitor or it amounts to dismissal which has put on the clock of a discharge simplicitor. If the industrial court is satisfied that the order is punitive, that it is malafide or it amounts to victimization or unfair labour practice, it is competent to set aside the order and direct reinstatement.

8. Even where the contract of service proved termination of services after a month's notice it would be open to the industrial court when that termination is challenged to go into the question of benefits.

9. In the instant case the management should have given the workman a charge of cheating the department by submitting false certificate and obtained service and after a bonafide enquiry should have terminated the services of the workman. Merely subjective satisfaction of the management it was not enough and the principle of natural justice required that the workman should not have been condemned without being heard.

10. On the point of loss of confidence I may refer the ruling Chandu Lal Versus Management Pan American Air Ways 1985 Lab IC page 1225 SC wherein it was....

**Held**

Want of confidence in an employee does not point out an adverse facet in his character as the true meaning of the allegation is that the employee has failed to behave upto to the expected standard of conduct which has given rise to a situation involving loss of confidence.

It was further observed thus :

if the termination in the instant case is held to be grounded upon the conduct attaching stigma to the appellant, disciplinary proceedings were necessary as a condition precedent to infliction of termination as a measure of punishment.

11. Admittedly, in the instant case, this has not been done, therefore, the order of termination is vitiated in law and can not be sustained.

12. In the circumstances and in view of the law discussed above I hold that the action of the management of Punjab National Bank in relation to their Zonal Training Centre Pandu Nagar, Kanpur, in terminating the services of Shri Sant Ram Peon w.e.f. 29-4-82 is not justified. The result is that the workman be reinstated in services with full back wages.

13. It therefore, give my award accordingly.

14. Let six copies of this award be sent to the government for publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

Dt. 21-2-1986.

[No. L-12012/254/81-D. II(A)/D.IV(A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, २ मार्च, 1986

का. अ. 1223--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के धारा 17 के अन्वये, केन्द्र सरकार, इन्डियन सेक्टर चारमय खस निगम, बालजपुर के प्रबंधन से सम्बन्धित विवादों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में विवाद औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के पंचाद को प्रकाशित करता है, जो केन्द्र सरकार को 25-2-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 5th March, 1986

S.O. 1223.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, High Court Building, Madras-600104, as shown in the Annexure,

in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Distt. Manager, Food Corporation of India, Thanjavur and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th February, 1986.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, BSc., B.L.  
PRESIDING OFFICER,

INDUSTRIAL TRIBUNAL, TAMILNADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

Tuesday, the 11th day of February, 1986

Industrial Dispute No. 32 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the workman and the Management of Food Corporation of India, Thanjavur.)

BETWEEN

Thiru G. Palanivel, Koovilam, Poondy P. O., Chindambaram Taluk, Pin : 608002.

AND

The District Manager, Food Corporation of India, Thanjavur.

REFERENCE :

Order No. L-42012(33)/84-D.V, Ministry of Labour, dated 13-5-1985, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiru N. V. Balasubramanian, Advocate for the Management. Upon perusing the reference and other connected papers and the workman being absent, this Tribunal passed the following.

AWARD

This dispute arising out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. L-42012(33)/84-D.V dated 13-5-1985 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :

"Whether the action of the Management of Distt. Manager, Food Corporation of India, Thanjavur in terminating the service of Shri G. Palanivel, Workman with effect from 10-7-1975 is justified? If not, to what relief the workman is entitled to?"

(2) Parties were served with summons for the hearing on 1-8-1985.

(3) On 1-8-1985, the Management was represented by counsel and the workman was present.

(4) Today, when the dispute was called, the workman was absent and no representation was made on his behalf. No claim statement was received or filed.

(5) Hence the claim of the workman is dismissed for default.

Dated, this 11th day of February, 1986.

THIRU FYZEE MAHMOOD, Presiding Officer

[No. L-42012(33)/84-D.II(B)]

का. आ. 1224.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में केन्द्र सरकार, अधिशासक अधिकारी, मण्डल तथा परिचालन बोर्ड (पावर विंग) व्यापक कंप्यूटर बोर्ड मण्डल शास्त्रांग के प्रबंधन से सम्बन्धितियों और उनके अधिकारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्र सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करने हेतु, जो केन्द्र सरकार को 24-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1224.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of XEN, DPH Division, BCR (PW) Slopner (H.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CHANDIGARH

Case No. I. D. 75 of 1985.

PARTIES

Employers in relation to the Management of Beas Construction Board, Nangal Township.

AND

Their Workman : Kashmir Singh.

APPEARANCES.

For the Employers : Sh. Bala Gopal

For the Workman : Sh. R. K. Singh

INDUSTRY : Beas Construction Board. STATE : Punjab

AWARD

Dated the 18th of February, 1986.

1. The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947, as per their Order No. L-42012(33)/84-D.II(B) dated 21 May, 1985 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of the erstwhile employer the Executive Engineer, Stores and Transport Division (Power Wing) Beas Construction Board, Nangal Township now XEN, DPH, Division BCB(PW) Slopner-HP in terminating the services of Shri Kashmir Singh S/o. Shri Sunder Dass T[Mate] Chowkidar, then working in Stores and Transport Division (Power Wing) Nangal Township with effect from 28-9-84 (Stetc-83?) is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled to and from what date?"

2. Brief facts of the case, according to the petitioner, are that he joined service under the Respd. as a Skilled Mazdoor on daily wages w.e.f. 1-6-1981 and continuously worked as such till 30-12-1982; that w.e.f. 1-1-1983 he was appointed as a Work-Charge T. Mate Chowkidar and allowed to work as such till 27-9-1983. The petitioner complained that there after his services were abruptly terminated without any notice or payment of terminal benefits as envisaged under the Industrial law; even though some of his juniors were still retained in service. He, therefore, demanded his reinstatement with back wages and since the Management was found unresponsive despite the intervention of the A.T.C. (C) at the Conciliation stage hence the Reference.

3. Resisting the proceedings, the management submitted that the petitioner had worked for them as a T Mate on Workcharge contract basis from 1-1-1983 to 27-9-1983 and there after he abstained from duty without any intimation or approval of the competent authority. The allegation of his retrenchment, termination or disengagement was specifically denied and his entitlement to terminal benefits was questioned both on account of his conduct in voluntarily abandoning job and also due to the terms and conditions of his employment. All the same they conceded having hired him as a daily-wager for the period from 1-6-1981 to 31-12-1982 but the charge of any discrimination against him was stated to be absolutely irrelevant in so far as the retention of his juniors was concerned.

4. In support of his case the petitioner examined himself and filed a number of documents whose authenticity was not disputed from the other side. Similarly the management also produced their XEN D.P.H. Shri Bala-mondal and filed a photostat copy of their attendance register for the month of September, 1983.

\* On behalf of the Management reliance was placed on Article 17 of the Standing Orders framed under Section 7 of the Industrial Employment Act 1946 for the proposition that in view of the petitioner's voluntary withdrawal and absenteeism from duty without prior intimation to his Officer incharge he was rightly deemed to have abandoned the job.

It was further argued that because the petitioner's tenure of employment was for a limited purpose and period, therefore, there was nothing wrong in dispensing with his services after he stopped attending duty.

6. I am not impressed with the logic of the submissions advanced by the Management because they appear to have assumed that there was a time bound tenure of the petitioner's post or engagement and that he was guilty of abrupt desertion. On the other hand the petitioner's version finds a direct reflection of credibility in the Certificate Ex. W9 issued by the Officer Incharge i.e. S.D.O. Store Sub Div. on 10-10-1983 that he had put in more than 240 days continuous service for them during the preceding 12 Calendar months and that he was an efficient and conscientious Worker. This document further proves that he was a Work charge T. Mate, though engaged on contract basis. But significantly enough there is nothing in evidence to show whether any contract was actually entered into between the parties and if so what were its terms and conditions. On the contrary from paras No. 2, 3, 4, 6 and of their Written Statement it appears that even the Management was not happy on his alleged unilateral withdrawal from the job and that was how that they wanted him to deposit one months salary in lieu of notice.

7. In my considered opinion this itself exposes the hollowness of their plea that the petitioner's tenure had come to an end by afflux of time. And it goes without saying that no effort was made by the Management to call for his explanation as to why he had stopped coming to duty after 27-9-1983; whereas his allegation stands un rebutted that even though he had been going to attend duty yet his seniors would not let him work.

8. In so far as the deeming clause No. 17 of the Standing Orders is concerned it does not help the Management in any meaningful manner because it also obliged them to wait at least for 10 days from the point of petitioner's absenteeism from duty and then intimate him by registered post as to what action was being contemplated against him. But for the reasons better known to them no such cause was adopted.

9. I, therefore, sustain the petitioner's case and on declaring his disengagement w.e.f. 28-9-83 as illegal, since it was violative of the mandatory provisions of sections 25F & 25G direct them to treat him in service with all the attendant benefits; however, the liability would be limited only for the period upto 30-4-84, i.e. when the all the workers placed like the petitioner were discharged on completion of the Project.

10. Award returned Accordingly.

Chandigarh,

Dated : 18-2-1986.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer

[No. L-42012/33/84-D.II(B)]

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1986

सं. अ. 1225—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केन्द्रीय सरकार गोबर्नमेंट ओपियम एवम अल्कलॉइड वर्क्स, गाज़ीपुर (यू. पी.) के प्रबंध तंत्र में सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मकों के बीच अनुसूचन में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, नई दिल्ली, के पंचाट को प्रकाशित करने हैं। जो केन्द्रीय सरकार को 4-2-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th March, 1986

S.O. 1225.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure, in the Industrial dispute between the employers in relation to the management of Government Opium and Alkaloid Works, Ghazipur (U.P.) and their workman, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

1668 GI/85-27

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT KANPUR

Reference No. L-42012/35/79-D.II (B) 30-4-84

Industrial Dispute No. 40/1984

In the matter of Dispute between :

Shri Kamalakant Singh Kushwaha, C/o the President, Government Opium Factory Labour Union, Ghazipur.

AND

The Manager, Government I Opium Factory and Alkaloid Works Ghazipur (Uttar Pradesh)

APPEARANCES :

Shri Narendra Chaudhary representative—for the Management.

Shri R. N. Arya representative—for the workmen.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-42012/35/79-D.II (B) dated 30th April, 1984 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management Government Opium and Alkaloid Works, Ghazipur in terminating the services of Shri Kamla Kant Singh Kushwaha Engine Driver with effect from 1-1-77 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled.

2. It is common ground that the workman was appointed on 1-1-76 as Engine Driver in the scale of pay Rs. 260—350. According to the workman he was appointed on the permanent post after passing the trade test whereas according to the management, he was appointed before passing the trade test required for the said post. According to the workman he had passed Industrial Training Institute in the Fitter Trade and his name was duly forwarded through the Local Employment Exchange. It is admitted case of the parties that the appointment of the workman was on probation of one year, the services of the workman were suddenly terminated on 31-12-76 without paying him wages in lieu of notice as required under section 25-H of the Act and that he was not given any opportunity to show cause against termination of his services by the management without any enquiry, that the termination to the services were illegal, unjust and wrongful and in violation of the principle of natural justice. It is contended that the termination is also invalid as he was not paid retrenchment compensation.

3. The management has contested the application of the workman on the ground that the workman did not pass the trade test while joining the services of the management and that in the trade test held for the said appointment on 17th August, 76 he could not pass the said trade test and he was not considered fit to be retained in service and that the contention of the workman that he had passed the trade test is wrong as he has not given the date of passing of the trade test. It is further contended that the question of given notice or memo to the workman was not called for because he was simply on probation for one year and his services could be dispensed with without affording any particular opportunity of being heard. That there was no question of paying him notice pay or other dues under section 25-A of the act as he was simply a probationer and governed by FR and FRS and GSR and CS temporary rules. Further it is averred that no notice or retrenchment compensation has to be paid on to the persons discharged from service falling under establishment staff governed by central government rules. It is further averred that the petitioner's case is not one relating to the retrenchment from service but of being not found fit to be retained in service after his failure in the trade test. The management has also raised the pleas that this court has no jurisdiction to try the case.

4. The management has filed the memorandum of appointment Ext. M-1 which show that on sponsoring the name of the workman from the employment exchange the workman

Shri K. K. Kushwaha be informed that he has been selected for employment until further orders in the vacancy of engine driver on Rs. 260 per month in scale 260—350 plus such allowances as may be sanctioned by the Government of India from time to time and it was required from the workman if he accepts the offer he should report for duties to the factory engineer within fifteen days on the following terms and condition of service :

#### Condition of Service

1. The post is permanent and he will be on probation for a period of one year. The period of probation may be extended or curtailed at the discretion of the appointing authority.
2. The appointment is subject to the production of medical certificate of fitness from Civil Surgeon Ghazipur district in which he is posted.
3. He must produce certificate of good character in enclosed form from two Gazetted officers not related to him. His retention in service is further subject to his being found and suitable for government service in all respects.
4. He must produce original certificates in proof of academic qualifications and age.
5. He may produce original certificates in proof of academic qualifications and age.
5. He should state whether he is :—
  - (a) a citizen of India, or
  - (b) a subject of Sikkim, or
  - (c) a subject of Nepal or of Pakistan or former french possession in India or
  - (d) a person of Indian Origin who has migrated from Pakistan with the intention of permanently settling in India.

Provided that if he belongs to category (c) or (d) he must be a person in whose favour a certificate of eligibility has been given by government of India.

Provided further that if he belongs to category (d) the certificate of eligibility will be valid only for a period of one year from the date of his appointment beyond which he can be retained in service only if he has become a citizen of India.

6. He may give a statement in writing giving full information of his previous employment if any, within last three years under the G/I of any State Government.
7. If he claims to be a member of scheduled castes or scheduled tribes, he should state specifically to which of the caste or tribes mentioned in the constitution (Scheduled Castes) order 1950 or under Constitution (Scheduled Tribes) 1950 he belongs.
8. He is warned that the furnishing of incorrect information on any point will render him liable to disciplinary action.
9. He should also note that he has to conform to the rules disciplinary and conduct prevailing in this department and those imposed by the government on all their employees.
10. The head of department has full discretion to forward or withhold any of his application for appointment in other government officers or elsewhere.
11. The appointment is further subject to :—

The furnishing a declaration the form enclosed and in the event of the candidate having more than one wife living or being married to a person having more than one wife living, the appointment will be subject to his being exempted from the enforcement of the requirement in his behalf his taking of on oath of allegiance/faithfulness to

the constitution of India or making a solemn affirmation to that effect in the prescribed form.

Sd/- A. K. GHOSHAL,  
Dy. Narcotics Commissioner

5. The workman on the other hand has filed the termination order Ext. W-1 dated 28-12-76 which reads as follows :

#### ORDER

Since Shri Kamla Kant Singh Kushwaha who was appointed as engine driver in the Government Opium and Alk. works undertaking Ghazipur and assumed charge on 1-1-76 has failed to do the job required for this post during the period of probation, his services are hereby terminated w.e.f. the forenoon of 1-1-77.

Sd/- S. K. GHOSHAL,  
Dy. Narcotics Commissioner

6. In the rejoinder the workman has averred that the employment exchange sponsored 13 names on 9-8-75 to the factory and they all appeared for test in August 75 and they were all along with certain inside employees of the factor appeared in a test and thus out of 25 persons only two persons were selected for appointment and that the appointment letter clearly stated that the workman was appointed in the vacancy of engine driver and did not mention any condition that he was required to pass trade test after his appointment and even in the dismissal letter did not mentioned any word test or failure of workman in such test. It was further contended that if a trade test had actually taken place on 17th August, 76 and the workman had failed in it there was no question for his retention in service for about 5 more months. It is further averred that the workman never told that he had failed to start some engine or generator set and the charge that he failed to start the engine is a fabrication and after thought and not born out from the records of the company. It is further admitted that standing orders of the company over ride the appointment order which does not include any class as probationer it is denied that the workman was governed by FR, SR, CSR or CS temporary rules but was governed by the I.D. Act and Industrial employment because standing orders framed therein. It is further averred that the allegation that he failed to do his job and failed to pass the trade test are stigma and he should have been given an opportunity to show cause against that particular allegations.

7. In support of its contention the management has filed affidavit evidence of the Manager Government Opium Factory, Ghazipur and the witness has averred that the workman was appointed before passing the trade test required for the post and during the probation period his work was liable to be tested and that he did not pass his trade test while joining the services in the trade test held for the said appointment on 17th August, 1976, he could not pass the test and was not considered fit to be retained in service and the retention in service was subject to being found fit and his failure in the trade test amply showed that he was not qualified for the post and that in the instant case industrial disputes act's provisions are not attracted. In cross examination he has stated that the establishment borne staff who are governed by CCA and CSS rules are appointed by general manager. Previously they use to be a Deputy Narcotics Commissioner who was the head of the factory as well as field but from 78 the Dy. Narcotics commissioner is incharge of field only and for the management of the factor one General Manager post was created. He subsequently corrected himself and said that the general manager's post was already there but it was looked after by Deputy Narcotics Commissioner. He admits that Ext. M-1 is appointment of the workman and Ext. W-1 is his termination order and that Shri Ghoshal then Dy. Narcotics Commissioner passed the orders considering all the facts which were before him. He further states that no enquiry was held as the workman was on probation. He has admitted that he is not concerned with the engineering section and was concerned only with the general section. He admits that about 18 or 19 candidates came from the employment exchange along with the workman for selective and only workman was appointed and given the probatio

of one year and that no test was taken only interview was taken. He proves the requisition letter sent to the employment exchange which is marked Ext. M-2. He has further proved the trade test report which is Ext. M-3 admittedly signed by the factory Engineer N. D. Tewari. In cross examination he has stated that trade test was taken as desired by Dy. Narcotics Commissioner because it was statutory. In the original of Ext. M-3 the witness admitted the name written in the line No. 2 is Ramakant which in the copy proved as Ext. M-3, it has been corrected as Kamlakant. It was on this account that the original was ordered to be filed and is on record. It is true that in the second line of this report it is clearly written Ramakant Kushwaha and that the other man in the third line is Shri Mishri Ram but in the next paragraph it is clearly written in the test Shri Kamlakant Kushwaha could not start engine which makes it clear that the name of Ramakant in the second line of the report was written inadvertently. The third para relates to another man Mishri Ram. Just to clarify this position further that there was no other Ramakant Kushwaha except Kamlakant Kushwaha workman in question, the management later filed four pages of office file alongwith affidavit to show that the report related to Sri Kamlakant Kushwaha and not to Ramakant. The matter is set rest by perusing the original Ext. M-3 in which in the second line it is clearly writing Kamlakant Kushwaha and not Ramakant Kushwaha.

8. On the other hand the workman has filed his affidavit alongwith a certificate of ITI in the trade of fitter. In the affidavit he has averred that at the time of interview his test was taken and that out of 13 candidates sent from the employment exchange and 12 departmental candidates total 25 persons, only workman was selected for being given appointment and that at the time of giving appointment the management has not laid any condition that the workman will have to give trade test again. He has also averred that in the standing orders of the factory there is no clause of probationer and in permanent vacancy only permanent appointment is made. On this he requested the engineer incharge to make him permanent on which he was told that he should look to his job and not come under the effect of union else he will have to loose his service. He has made certain other allegations against the management authorities for which there is no averments in the claim statement and the Tribunal is not bound to go in details of alleged intention of the officers of the management. He has however, averred that on the alleged date of test he was never called in the office for test nor any test was taken and after completion of probation period his services were terminated.

9. In cross examination also the workman stated emphatically that alongwith others his interview was also taken and at that time factory engineer Shri N. D. Tewari, nor junior officer Shri S. N. Tewari and the labour officer were present. He has denied that his trade test was taken in which he failed and that his trade test was taken only once. He however, admits that he got intimation that his trade test will be taken for the second time 8 months after his joining to which he objected. He states that he had given in writing that under rules he should be confirmed. He has not filed the copy of the order.

10. In the absence of any document that the trade test was taken before his appointment or that the management got annoyed and as he moved an application during the probation period for his permanent appointment it is difficult to believe the workman on this count. On the other hand in view of the proved documents Ext. M-3 it appears that a trade test was taken as desired on 17-8-76 and the workman could not start the engine and that about the theoretical knowledge of engine too he could not satisfy.

11. It is argued on behalf of the workman that even if it be so that a trade test was necessary why was it not mentioned in the appointment letter that the question of being given permanent appointment will be done only after trade test. It is argued that the very fact that the appointment order is silent on the point and a clear appointment letter on permanent vacancy for a probation of one year was given which show that the management had satisfied itself and out of the candidates sponsored from the employment exchange finding the workman as suitable person issued him appointment letter with condition of probation for one year. Further there is nothing on record that the workman was called for any trade test on 17-8-76 or that any intimation was given to him for such a test. On that point there

is only bald statement of factory manager even it is conceded for the sake of argument that a test did took place in which the workman failed there does not appear to be any reason why a test of the workman was desired by the management after his 8 months service as admittedly the workman joined on 1-1-76, again it is so genuine document and if he had really failed and if the management did not want to keep him in service his services could have been terminated then and there and he should have not been allowed to continue till 31-12-76. During the probation period it was not necessary for the management to have given any reason why his services were terminated. Terminating his services on the ground that he failed to do the job required for the post during probation period attaches a stigma to his termination and in that case the management should have served him with a memo that he was failed to do the job for which he was engaged on probation in that case, the question would be why was the job for which he was required for the post and how he failed therein. He was given the job of engine driver the question is if he failed to do job required for the post from 1-1-76 to 31-12-76 why the management had retained him on the post and why his services were not terminated at the earliest opportunity. The very fact that the management allowed the workman to continue in the job show that he must have performed some job during the period of probation as engine driver. Had a charge sheet been given that he was not able to perform the job for which he was posted or that he failed to do the job and the same was proved against him during the enquiry his termination would have been just and proper. Terminating the services of a workman long after noticing his dissatisfaction about the work i.e. after failure in trade test on 17-8-76 and retaining him till December 76 shows that there could have been other reasons as suggested by the workman. In every eventuality as the dissatisfaction has been noted in the termination order which carries stigma, there should have been a proper enquiry after giving him a charge sheet and only then his services could have terminated.

12. In Central Bank of India, Versus State Of J & K 1968 11 LLJ page 646 it was held thus :

Where an order of discharge passed by an employer in such cases gives rise to an industrial dispute the form of the order by which the employees services are terminated could not be decisive, the industrial adjudication would be entitled to examine the substance of the matter and decide whether the termination is in effective, discharge simplicitor or it amounts to dismissal which has put on clocks of a discharge simplicitor.

13. In the instant case the management has apparently terminated the services of the workman within the probation period of one year which as a matter of fact is not termination within the probation period but the termination with stigma attached that he failed to do job required for the post, and on this count the termination order is illegal.

14. There is yet another circumstances of the case as admittedly the workman was appointed on 1-1-76, and probation of one year, his one year would complete of the mid-night on 31-12-76 till then the management did not exercise their right to terminate the services of the workman rather the termination Ext. W-4 shows that services of the workman are terminated w.e.f. 1-1-77 meaning thereby that after completion of probation of work of one year which could have not been done without valid enquiry or terminating his services as required under law for termination of a workman of permanent workman.

15. I, therefore, hold that the action of the management Government Opium Factory and Alkaloid Works Ghazipur in terminating the services of Shri Kamlakant Singh Kushwaha Engine Driver w.e.f. 1-7-77 is not justified. The result is that the workman is entitled to be reinstated in service with continuity of services alongwith full back wages and other benefits.

16. I, therefore, give my award accordingly.

17. Let six copies of the award be sent to the Government for publication.

17-2-86.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-42012/33/79-D.II (B)]



का. आ. 1226.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1226.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Regional Office, Punjab and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CHANDGARH

Case No. I. D. 62 of 1985

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Food Corporation of India, Chandigarh.

#### AND

Their Workman—Avinash Chand.

#### APPEARANCES :

For the Employers—Shri R. Bhaskaran.

For the Workman—Shri P. K. Singla.

INDUSTRY : Food Corporation of India STATE : Punjab

#### AWARD

Dated the 19th of February, 1986

1. The Central Government Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947, as per their Order No. L-42012(38)/83-D.II (B)/D.IV (B)/D.V. dated the 15th February, 1985 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Food Corporation of India, Regional Office Punjab in refusing to promote Shri Avinash Chand, Dusting Operator as a Picker in Dist. Ferozpur and giving chance to his juniors like Shri Shyam Lal is justified? If not, to what relief the workman is entitled and from what date?"

2. The petitioner workman joined service as a Watchman under the Respd. Corp. on 28-11-68 and was, in due course, promoted as Dusting Operator w.e.f. 10-8-1971. His grouse was that he was senior to some of his colleagues like Sham Lal and Jugul Kishore who were promoted to the next higher rank of Picker by the management in 1978 on overlooking his seniority. He, therefore, raised a demand for the appropriate relief but the management was found unresponsive despite the intervention of the A.L.C. (C) at the Conciliation stage; and hence the reference.

3. Resisting the proceedings the management contended that since both Sham Lal and Jugul Kishore were senior to the petitioner, therefore, they were given precedence in the matter of promotion and that it was wrong to assume petitioner's seniority over either of them. It thus projected justification to its action within the frame work of Regulation 16-(1) of the Food Corporation of India Staff Regulation 1971.

4. In support of his version the petitioner examined his authorised representative Shri P. K. Singla whereas the management produced its Deputy Manager (IR) Shri R. Bhaskaran.

5. On a careful consideration of the entire available data and hearing the parties I am inclined to sustain the petitioner's cause. At the risk of repetition it may be pointed out that the burden of management's plea was that both Jugul Kishore

and Sham Lal were senior to him; support was sought to be drawn from the extracts of the relevant seniority list. But significantly enough no such extracts were filed, with the written statement or at any subsequent stage of the proceedings despite repeated instruction of the Tribunal; a number of opportunities were given to it for this purpose; so much so that at one stage even costs were imposed on Management's failure to produce the list but for the reasons better known to it the management did not like to produce the seniority list. Against such a back drop one can not possibly resist the inference that if produced the seniority list would have blasted off its defence.

6. And the Crowning glory is that during the course of final hearing of arguments the management tried to file a revised written statement; albeit without seeking permission to amend its pleadings; to show its fairness in having reverted the aforesaid Jugul Kishore to his previous post of a Dusting Operator w.e.f. 13-2-1986 because on scrutiny of the seniority list it was found that he was actually junior to the petitioner. May be in its anxiety to avoid any further complications or project open heartedness; it also filed an attested copy of the relevant order No. A/17(6)/86 promotion Dated 13-2-1986.

7. Be that as it may, on its own showing the management has conceded that atleast one of the two colleagues of the petitioner was junior to him and still promoted to the higher rank of a Picker. It is also apparent that if the petitioner had not raised all the hue and cry Jugul Kishore would have continued enjoying fruits of an ill-gotten promotion as he was already doing it for the last about 7 years. To be precise the petitioner was deprived of his due promotion for no fault of his own. It is besides the point that his sworn statement stands un rebutted on the point of his seniority even over his other colleague Sham Lal.

8. For the reasons recorded above I, therefore, set aside the impugned action of the management and return my Award in favour of the petitioner with a direction to the former to treat him as promoted to the post of a Picker from the particular date when his Junior Jugul Kishore was promoted; as a necessary consequence he would also be entitled for all the attendant benefits.

Chandigarh,

Dated : 19-2-1986.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer  
[No. L-42012/38/83-D.II (B)]

का. आ. 1227.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम, हैदराबाद के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1227.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad, as shown in Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, Hyderabad and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th February, 1986.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)  
AT HYDERABAD

Industrial Dispute No. 46 of 1985

#### BETWEEN

The workmen of Food Corporation of India, Hyderabad, A.P.,

#### AND

The Management of Food Corporation of India, Hyderabad, A.P.

#### APPEARANCES :

Sarvasi G. Bikshapathi, G. Vidya Sagar and G. Venkataswamy, Advocates—for the Workmen.

Sri M. V. Bharathi, Advocate for the Management.



## AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-42012(34)/84-D.V. dated 2nd July, 1985 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the Management of Food Corporation of India, Hyderabad and their workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the Management of Food Corporation of India, Hyderabad is justified in not regularising S/Shri (1) M. A. Nayeem, (2) K. Ravinder Reddy, (3) D. Vijayapal Reddy, (4) Iqbal Mahboob Ali Khan, (5) Ashok Kumar and (6) Md. Jalaluddin, Assistant Grade-III(Depot) from the date of their initial appointment in the year 1976 as Assistant Grade-III(Technical) for which post they were originally appointed? If not, to what relief the workmen are entitled?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 46 of 1985 and notices were issued to the parties.

2. It is mentioned in the claims statement of the workmen that the Petitioners Union is a trade union registered under the provisions of the Trade Union Act and the workmen concerned in this dispute are the members of their Union whose cause was espoused by them. According to the Union these workmen along with other employees were appointed in the Food Corporation of India during the year 1975-76 having been sponsored by the Employment Exchange and they are selected after necessary interview and test in view of the requisite qualifications for holding Assistant Grade III(Technical). As per the Regulations A.G. III(Technical) is required B.Sc. (B.Z.C.) and it is mentioned that the workmen concerned in the dispute are all Science Graduates in B.Z.C.

(a) It is mentioned that they were appointed initially on daily rated basis and they continued to work without any break. While so when the District Managers, Food Corporation of India, Nalgonda, Guntur, Nellore, Tedepalligudem, Warangal started terminating the workmen from February, 1977 to June, 1977 without any reason or necessity. While the Zonal Office was issuing various circulars for absorbing daily rated employees in the regular cadre of posts.

(b) These employees who are in dispute were continuously in service from the date of their appointment upto 27-6-1977 and their services were abruptly terminated without any reason in violation of Section 25F of the Industrial Disputes Act. They were questioning the right of dismissal by approaching the High Court. The Food Corporation of India issued circulars for appointment of daily rated employees in the time scale posts and regularisation of their services. The District Managers without following Circular dated 27-1-1977 and 28-12-1977 terminated their services. However the Food Corporation of India authorities having realised their mistake in order to cover up their lapses started negotiating with the terminated employees and they insisted that on an undertaking from the employers to the effect that they shall not claim back wages and seniority if they are appointed afresh. The employees having undergone serious financial difficulties were put to pressure. They were made to yield to such requests. Thus all the terminated employees are again appointed in May, 1978 in regular basis during the pendency of the Writ Petition. When the Writ Petition came for final hearing in the High Court, the Management stated that these employees were again appointed on regular basis and there is no necessity for a finding in the Writ Petition. In view of the said statement, the High Court did not go into the validity of the termination order and directed the Management to implement the Circular dated 27-1-1977. The petitioner stated that during the period of termination the services of the employees, number of other persons were also appointed at various dates to various posts. So the Management having appointed the employees including the workmen concerned herein afresh in May 1978 after causing loss of dislocation in their service. Thus the workmen were made juniors to those who were appointed subsequent to them and the Management having illegally terminated their services cannot deprive of their original seniority in their respective cadres. Thus the union

made are presentation to the Management to accord due seniority right from the date of their original appointment in their respective cadres. The Management while reinstating these workmen concerned issued orders of appointment of A. G. III(D) when in fact they were appointed as Assistant Grade III (Technical).

(c) When this fact was represented to the Management it is stated by the Management that at the relevant time that the post of Assistant Grade III (Technical) were not available and their seniority and promotional benefits would be counted in the cadre of Assistant Grade III Technical. However their seniority and promotional benefits would be counted in the cadre of Assistant Grade III Technical and since this assurance is not fulfilled, the Union made a representation on 25-5-1983 about the cases of regularisation of all persons both Assistant Grade III Depot and Assistant Grade III Technical from the date of their initial engagement on daily rate basis. As there were no negotiations and no proper orders were passed, conciliation proceedings took place. In the conciliation meeting held on 27-8-1983 a Settlement was entered under Section 12(3) of the I.D. Act between the Management and the Petitioner-Union stating that the Food Corporation of India agreed to regularise the services of S/Shri K. L. Lachariah and all others as shown in the annexure by the Union letter dated 10-8-1983 with effect from their initial appointment on daily rate wages in terms of the Zonal Office Circular dated 27-1-1977 as directed by the High Court and that the regularisation will be completed on or before 31-10-1983 and that both parties agreed to file implementation report before the Assistant Commissioner of Labour (Central) by 10th November 1983 failing which it is understood that the Settlement shall be treated said to have been implemented. Thus as per that Settlement these workmen who were original appointed in the Assistant Grade III (Technical) when they were reinstated in May 1978 as Assistant Grade III Depot they should be regularised in Assistant Grade III Technical. In this regard all the persons whose services were terminated in June 1977 and who were subsequently reinstated in May 1978 were given the benefit of regularisation of their services from the date of their original appointment and the difference of wages from the date of engagement till the date of regularisation were paid. However the period between the date of termination and date of reinstatement was treated as extra ordinary leave but the said period were taken for the purpose of increments and other benefits. In other words the period from the date of initial appointment till the date of reinstatement was counted as active service for all the other purposes. With regard to Assistant Grade III (Technical) whose services were terminated in June 1977 and who were reinstated in the month of May 1978, their services were not regularised so far in the cadre of Assistant Grade III Technical during the conciliation discussions. The Management expressed their difficulty to fix the seniority of the workers concerned in the Assistant Grade III Technical on the ground that they were reinstated in the cadre of Assistant Grade III Depot. Thus the Commissioner of Labour sent a failure report which culminated in the present reference.

(d) Assistant Grade III Depot, Ministerial and Technical carry the same scale of pay but the service conditions and channel of promotions of each category are different and the qualifications for the these posts are also different. The workmen concerned in the dispute are specially selected for the post of Assistant Grade III Technical being Science Graduates in B.Z.C. Therefore, it is their case that they are entitled for seniority and other benefits in the cadre of Assistant Grade III. Technical only and not as Assistant Grade III Depot. It is mentioned that about 100 Assistant Managers, (Depot) and Assistant Grade I (Depot), Assistant Grade II (Depot) Assistant Grade III (Depot) who have been absorbed in the accounts cadre have been repatriated to the Depot cadres after putting up more than five years service in accounts cadre assigning their original seniority in the depot cadre vide Zonal Office, Madras Office Order Nos. 138, 139, 140 and 143/84 dated 16-6-1984. The persons who were appointed subsequent to the appointment of Petitioners on daily rated basis have already been promoted to the post of Assistant Grade III Technical and they are

likely to be promoted further to the post of Assistant Grade I Technical. Whereas the Petitioners are denied all these benefits account to arbitrary and illegal action of the Management, the Zonal Office direction to regularise the services of the employees were not properly implemented. When the termination is held to be illegal, the employees when they are sought to be reinstated claimed that they are entitled to reinstatement in the very same post in which they were terminated and it is not open for the Management to give reinstatement in other posts. The workmen concerned were also not paid the difference of wages as they were paid to other persons and when they represented, it was informed that their absorption in the Technical cadre is pending before the Zonal Office and therefore the amounts are not finalised. Thus the action of the Management in not giving benefit of seniority to the Assistant Grade III Technical is not justified.

3. In the counter, it is mentioned that the petitioners were daily rated services as Assistant Grade III Technical in the year 1976 and when the names of the petitioners were sponsored through the Employment Exchange they were called for interview and they are posted to Assistant Grade III Technical on daily rated basis. The management made recruitment for the post of Assistant Grade III Depot in the year 1978 and the petitioners were called for interview again for the post of Assistant Grade III Depot along with the other terminated/failed candidates and the petitioners were selected in the interview and appointed as Assistant Grade III Depot in 1978. There is a special understanding that they would not claim for the daily rate service period because there was a gap of several months. The two types of Assistant Grade III Technical and Assistant Grade III Depot absolutely are different categories and are not interchangeable due to the nature of duties attached to the posts. The Circular dated 27-1-1977 cannot give benefit to the Petitioners with regard to regularisation from the date of their recruitment on daily rated basis as Technical cadre. The relief claimed by the petitioners will affect the seniority of several other employees and unless they are made parties to the dispute the same cannot be fully and finally be adjudicated upon. The relief claimed by the petitioners is stale and the same referred to the Tribunal after period of seven years. Thus it is not correct to say that this was not on account of any arbitrary or illegal action of the Management. The workmen were made to suffer. Their prompt service on daily rated service have no relevance and therefore they are not entitled for any back wages or reinstatement to the same post.

4. For the workmen one Witness was examined as W.W1 and Exs. W1 to W24 were marked. On behalf of the Management one witness was examined as M.W1 and Exs. M1 to M5 were marked.

5. W.W1 deposed that he is the Union Secretary. Food Corporation of India Executive Employees Union and the dispute in this Industrial Dispute as well as Industrial Dispute No. 45 of 1985 have been espoused by their Union, and he is also the first petitioners in Industrial Dispute No. 46 of 1985. According to him there are three types of posts as Assistant Grade III they are Assistant Grade III Depot, Assistant Grade III Technical and Assistant Grade III Ministerial and the dispute in this reference as well as in the other reference are with reference to Assistant Grade III Technical. It is his case that the educational qualification required for Assistant Grade III Technical are Science Graduate with R.Z.C. as optional. According to him in 1976 the petitioners including himself were sponsored by the Employment Exchange for selection in post of Assistant Grade III Technical, which is also known as Assistant Grade III technical on daily rated basis. He marked Exs. W1 and W2 regarding the interview and selections. While so, it is his case that the petitioners were terminated in June 1977 as per Exs. W3 and W4. It is his case that no retrenchment compensation was also paid. He filed photostat copies of service particulars of the workers involving the dispute as Exs. W5, W6 and W7. According to him Zonal Office was appointing employee on adhoc basis instead of daily rated basis as per Exs. W8 to W10, and they also regularised the appointees who were appointed

on adhoc basis. Ex. W11 is the regularisation order and some of their petitioners as shown in Exs. W12 and W13 filed writ petition in High Court challenging the termination. When the writ petition is pending the Management called the retrenched workmen including the writ petitioners that they were being appointed again. Thus those persons who were in Assistant Grade III Technical who were retrenched were again appointed as Assistant Grade III Depot only but in the case of Assistant Grade III Technical when they were reappointed they were appointed as Assistant Grade III Depot instead of Technical for which they protested. The High Court was pleased to observe that their services should have been regularised as per Ex. W9.

6. According to him the Management took undertaking forcibly that they should not ask for back wages and that they should not ask for payment as Assistant Grade III Technical and they should agree Assistant Grade III Depot unconditionally and they protested individually and on that the Management promised to consider their case. Ex. W15 is the representation made by their union with regard to the fixation of seniority in Assistant Grade III Technical Depot as there is no relief given by the Management. The matter was brought before the Regional Commissioner of Labour as per Ex. W16. There is a Settlement between the Management and the Union on 27-1-1977 under Section 12(3) of the I.D. Act which is marked as Ex. W17. According to him Ex. W17 Settlement of the daily rated services of Assistant Grade III Depot who were retrenched and reappointed in 1978 it is agreed that their services should be regularised with effect from the date of their original engagement on daily rated basis in 1976. Incremental arrears were also paid to those employees. When the matter decided with reference to Assistant Grade III Technical, the Management stated before the Conciliation Officer that they have referred to the Zonal Office and regularisation will be undertaken after getting suitable instructions as mentioned under Ex. W17. Ex. W18 is the order of regularisation and reinduction of Assistant Grade III Depot with retrospective effect. As Assistant Grade III Technical were not regularised with retrospective effect. The matter was raised before the Conciliation Officer under Ex. W19. Even before him the Management stated that they were awaiting the instructions from the Zonal Office. Ex. W20 is the telex copy given by the Zonal Office. Madras to identify the nature of post in Zonal Office Circular dated 27-1-1977 i.e. Ex. W9. Even for it there was no response. Then the union made representation as per Ex. W21 and W22 to consider their demands. Thereafter the failure report was sent to the Government under Ex. W23 and that the matter came up before the Tribunal. The employees who were working in Assistant Grade III Depot in 1976 and whose services were regularised in accordance with the settlement under Ex. W17 are having the benefit of seniority and pay fixation etc. right from the date of initial appointment on daily rated basis. But in respect of petitioners their seniority have not been fixed and their services were not regularised and thus they are being discriminated. According to him the promotional channel on the technical side is different than that of the promotional channel on the depot side. Incidentally he mentioned that the persons who were working as Technical Assistant Grade III in 1976 are now working in Grade I Technical and Grade II Technical and it is pointed out that had their services been regularised in the Technical Grade III they would have got higher promotion by now. He also mentioned that the matter with reference to I.D. No. 45 of 1985 stand on the same footing except variation of appointment and dates of termination. In the cross examination he mentioned that all these employees who are working in A. G. III(A), (D) & Ministerial are working in the entire State of Andhra Pradesh in the same scale having different nature of work and that they were appointed on purely temporary basis. According to him the Petitioners are Science graduates and they were recruited through the Employment Exchange as Assistant Grade III (Technical) and the Food Corporation of India opened more Depots in 1976 for purchase of stock of paddy as there was bumper yield of paddy and in 1977 June on varying dates almost all employees were terminated and in the Writ Petition filed by them the High Court

orders were implemented after the conciliation proceedings. He denied the suggestion that the Union agreed for what ever the decision of the Zonal Office would take with reference to Assistant Grade III Technical Staff that they would abide by the same, though salaries of Assistant General III (Depot), Assistant Grade III Ministerial and Assistant Grade III Technical are same, the duties are different and promotional chances are also different. He denied the suggestion that there was no contravention of Regulation 16 of the Food Corporation of India Staff Regulations and he filed the photostat copy of interview card issued to one of their Petitioners in I.D. No. 45 of 1985 Sattar Jaffer Hussain which is marked as Ex. W24 therein. He denied that there were no posts of Grade III Technical unfilled and they were inducted as Assistant Grade III(D) clerks afresh.

7. On the other hand, for the Management M.W.1 the Assistant Manager, Food Corporation of India, Personnel Department, Hyderabad is examined. He mentioned that between June and July 1976 these six petitioners in this dispute are all recruited as Assistant Grade III Technical and they were working at various Centres for procuring food grains. Ex. M1 detail showing the period of work turned out by them both in I.D. No. 45 of 1985 and in this I.D. No. 46 of 1985. He conceded that these six petitioners in this dispute worked for four to five months and again they were again interviewed in 1978 along with others who were called for interview through Employment Exchange. According to him the six people were called directly as a special case. He also mentioned that the petitioners in I.D. 45 of 1985 numbering about 17 were also called for interview at the same time. According to him the workmen gave an undertaking dated 10-5-1978 and it is a model undertaking given and similar undertakings were given by all of them in I.D. No. 45/85. He filed a copy of the D.O. Letter from the Deputy Zonal Manager, F.C.I. addressed to the Senior Regional Manager, F.C.I. dated 15-3-1978 stating that they should take an undertaking in writing that they agreed to accept the appointment from the date of joining the post and that they would have no claims arising out of their earlier appointments on daily wages. The same is marked as Ex. M3. According to him the workers made a representation to the then Prime Minister of India seeking redressal of their problems, as per Ex. M4 and similar representation was received by them through the Chairman under Ex. M5. He marked the model call letter given by them as per Ex. W32 in I.D. No. 35/85, by the workmen. When they were appointed after selection the clause was also incorporated in para 7 of their appointment order to all of them. It is his case that they are continuing now as Grade III Assistant in the Depot as well as in the Administration and they are not entitled for any relief as Grade III(T) from the original entry as daily rated employees in Technical cadre. In the course of cross-examination he conceded that the petitioners under I.D. Nos. 45/85 and 46/85 are having requisite qualifications and technical degree being Science Graduates and Ex. M1 showed their names and that they were appointed as Grade III(T) on daily rate basis. According to him some others were appointed as Grade III(D) and Administrative staff in 1976 in all about 290 people and they were terminated after four or five months. According to him Ex. W31 (marked in I.D. 45/85) Circular was issued after the termination of the workers in I.D. Nos. 45 and 46 of 1985 and they issued call letters similar to Ex. W32 (marked in I.D. 45/85) to all Grade III(T) and (D) Assistants who were terminated earlier calling for interview. He conceded after seeing Ex. W17 about the Settlement arrived at under Section 12(3) of the I.D. Act for regularisation. As per it he conceded all other Grade III Assistants except Technical Grade III were regularised from the date of their daily rated service, and regarding others the Union agreed to wait the outcome of instructions of the Zonal Office in the matter of A. G. III (Technical). He also conceded that all others A. G. III(D) and Administrative Assistants were received incrementary arrears from the date of their daily rated engagement including the period between the termination and appointment. He conceded that some decisions is still pending with regard to Assistant Grade III(T) after Ex. W20 a telex message received to identify the nature

of posts absorbed in Zonal Office Circular dated 21-7-1977 and they were directed to give necessary orders with reference to the validity of the posts sanctioned. According to him it is the outcome of discussion between the Union and the Management.

8. The evidence of W.W1 and M.W1 would show that in 1976 all the petitioners including the petitioners W.W.1 were sponsored by the Employment Exchange for selection being Science graduates and they were selected as Assistant Grade III Technical. Exs. W1 and W2 are the respective appointment orders and they were terminated in June 1977 as per Exs. W3, W4 and Ex. W5, W6 and W7 are the photostat copy of the service particulars of some of the workers of course Exs. W8, W9 and W10 are the copies showing that they have been appointed on adhoc basis instead of daily rated basis and ultimately they were regularised with reference to Assistant Grade III (Depot). Some of the petitioners filed Writ Petitions as shown under Exs. W12 and W13 challenging these terminations. It is admitted by both W.W1 and M.W1 that the persons who are in Assistant Grade III(D) who were retrenched and again reappointed as Grade III(D) only but in the case of Assistant Grade III (Technical) who were retrenched they were appointed as Grade III(Depot) instead of Technical. It is also found that the Management took undertakings from those people that they should not ask for back wages and also should not ask for Assistant Grade III (Technical) and agreed for Assistant Grade III (Depot) unconditionally and W.W1 stated that they protested for the same and on their representation the Management gave a reply stating that they sent the matter as per Ex. W14 and the Union represented again as per Ex. W15 with reference to the fixation of their seniority in Assistant Grade III (Technical) and their representation to the Regional Commissioner of Labour (Central) under Ex. W16. A settlement arrived at between the Union and the Management on 27-8-1983 is marked as Ex. W17 as per which all the daily rated Assistant (Grade III(D)) who were retrenched and reappointed in 1978 it is agreed that their services should be regularised with effect from the date of their original engagement on daily rated basis in 1976 with incrementary arrears and back wages. But with regard to the regularisation of services of Assistant Grade III Technical even the Management stated before the Conciliation Officer that the matter is pending with the Zonal Office for regularisation. Ex. W18 is the order of regularisation and reinduction given with reference to Assistant Grade III Depot with retrospective effect. Ex. W19 is the request of the Assistants Grade III Technical seeking that they should be regularised from the original dates of appointment and it should be taken up by the union. Ex. W20 is the copy of the telex message given by the Zonal Office, Madras to identify the nature of posts as observed in the Zonal Office circular dated 27-1-1977 (Ex. W9) for which there was no response and the Union again made representation on 13-2-1984 and 27-7-1984 as per Exs. W21 and W22 to consider their demands and failure report is sent Ex. W23. It is also agreed that the claims of the petitioners in I.D. No. 45 of 1985 and I.D. 46 of 1985 are both identical and similar and the documents marked are similar with reference to the same problem.

9. In this industrial dispute the admitted facts are that all these people who are under reference are Science Graduates and they were recruited by the Food Corporation of India through Employment Exchange after proper interviews and selections as Assistant Grade III Technical on daily rated wages. The Food Corporation of India is having Assistant Grade III Ministerial, Assistant Grade III Depot and Assistant Grade III Technical as the three types of clerks having same scale of pay but with different nature of work for each cadre with different channels of promotion. It is admitted that while others namely for Assistant Grade III Depot and Ministerial Graduates are eligible, for Assistant Grade III Technical only Science Graduates with BZC subjects as Optional are required. In fact in 1975-76 all these petitioners were selected after proper interview being Science Graduates on various dates as are given in their selection report which are filed in this Tribunal. Appointment orders are also filed with reference to the same. These facts are not in dispute.

10. While these people have put in more than 240 days for reasons best known to the Management of Food Corporation of India, some of the persons who were working as Assistant Grade III Depot, Ministerial and Technical were retrenched even without observing Section 25F of the I.D. Act. Then some of them filed applications before the Andhra Pradesh Government under Shops & Establishments Act and some others filed Writ Petition in the High Court. The appeal applications before the A.P. Shops and Establishments Act were allowed and the second appeal preferred against that by the Management to the Labour Court was also dismissed. The termination orders were thus nullified. While so the Government of Andhra Pradesh exempted the Food Corporation of India and its Depots from the provisions of the A.P. Shops and Establishments Act thereby the right of the employees to approach the authority constituted under the Shops and Establishments Act was denied and thus some of them filed Writ Petition in the High Court.

11. When the matters were pending thus the Food Corporation of India issued Circulars for appointment of daily rated employees in the time scale posts and for regularisation of their services and they gave instructions in their Circulars dated 27-1-1977 and 28-12-1977. So in order to cover up the mistake or lapse involving the termination of these employees, the Management authorities of the District level insisted that the workers who were being reinducted should give undertaking to the effect that they shall not claim back wages and seniority if they are appointed afresh. Of course the evidence of W.W.I and representatives marked by him through their union would show that they did not agree for the same to give such undertakings. But in some cases undertakings were also given as could be seen. But the point is that all these people were interviewed by way of formal interview afresh in the month of March 1978 and all the retrenched persons were only interviewed and selected. Though some others were also called, they were not selected. This fact is not denied. Now when they reinducted the retrenched persons specially from the Assistant Grade III (Technical) were reinducted only as Assistant Grade III (Depot). Now it is not in dispute that those Assistant Grade III (Depot) who were retrenched in 1976 when they were reappointed in March 1978 as Assistant Grade III (Depot) were all given back wages and their period from the date of termination till the reappointment they were paid back wages and also attendant benefit and they were treated to be in continuous service also for the purpose of seniority. There was also settlement dated 27-8-1983 under Section 12(3) of the I.D. Act between the two parties. The Management agreed to regularise the services of retrenched employees from their daily rated employment dates and to treat this period of retrenchment as duty period without wages but countable for increment of arrears. The Management conceded that they agreed this kind of Settlement with reference to Assistant Grade III (Depot) having consented for such a Settlement under Section 12(3) with reference to Assistant Grade III (Depot) but the Management refused on the pretext that this matter with a reference to the Assistant Grade III (Technical) is pending with the Zonal Office for a decision. Thus even after repeated requests and representations and conciliation proceedings as could be seen from the evidence as there was no response from the Management stating that they were recruited as fresh as Assistant Grade III (Depot) as there was no sign of relief given to them, the matter is referred to this Tribunal. A telex message dated 24-10-1983 was issued by the Management stating that the period between the date of termination and reappointment may be treated as extraordinary leave. In fact in the High Court the Writ Petition was dismissed with a direction to regularise the services from 27-1-1977 with reference to all the petitioners and the same was not implemented in its spirit as could be seen from the facts called out. Even from the Staff Regulation 28(2)(a) an employee on extraordinary leave shall not be eligible to draw leave salary, dearness allowance or conveyance allowance. He shall, however, be eligible to draw House Rent and Compensatory Allowances for a period not exceeding 120 days, at the same rate at which he was drawing these allowances, before he proceeded on leave. First of all the petitioners pointed out that sub-

sequent to these retrenchments of Assistant Grade III Technical some more Assistant Grade III Technical were recruited in 1978 and 1979 and now these people who are reinducted in service as Assistant Grade III (Depot) are virtually made juniors to Assistant Grade III (Technical) as well as (Depot) in all respects and they will not have any benefit of seniority if they are kept in Assistant Grade III (Depot) as the original Assistant Grade III (Depot) people were already there and those who are retrenched and reinducted were given all the seniority benefits and when accrued to them from the date of their original appointment by giving all the service seniority. So the Assistant Grade III (Depot) were not at all affected as there was a settlement in which their seniority was protected. But with reference to Assistant Grade III (Technical), the Management says that they were recruited afresh though it is an admitted fact that nobody else were recruited when they were reinducted in March, 1978 having come to know that they committed blunder by retrenching them in violation of principles laid down both under the I.D. Act and Shops and Establishments Act. Therefore the question to be seen is whether they should be given regularisation from the date of their original appointment when they were taken as daily rated employees in Assistant Grade III Technical or not. Having conceded that they are entitled for all the things now the Management is reluctant to grant the appointment from their initial dates of appointments though they agreed to be regularised. It is conceded that the promotion chances and the nature of work are quite different though the salaries are the same for Assistant Grade III Technical, Assistant Grade III Depot and it is also pointed out that without being contradicted that some of the Assistant Grade III Technical who were recruited in 1976 at daily rated service as Grade III Technical are now working as Assistant Grade I and II Technical and these people who are kept without being channelised in Grade III Technical will be in a disadvantage by losing their seniority in their channel of promotions as Assistant Grade III Technical and thus the granting of this relief is going to be to their disadvantage. So the Management failed either to implement the directions given by the High Court that their services should be regularised from 27-1-1977 in their respective grades and also they have not identified the nature of posts as observed in the Zonal Office Circular dated 27-1-1977. So the so-called delay which is much focused by the Management is an illusory one and evasive. Every time when the workers represented individually or through the representatives of the Union, the management were telling that the matter is pending consideration at the Zonal Office level and ultimately they say that there was a gap of seven years and now those Assistant Grade III Technical who were recruited in 1979 will be put to inconvenience in seniority if these people who were reinducted as per procedure from the date of original appointment are given seniority. After all once the principle is accepted that last come first go is criteria and moreover that these petitioners were illegally retrenched in 1977 in violation of principles laid down in Section 25F and 25F of the I.D. Act and that they are entitled for reinstatement and having reinstated as Assistant Grade III Depot and also giving them all benefits of seniority and back wages for the period of termination till the date of reinduction to say that because Assistant Grade III Technical who were recruited in 1979 and that there are no posts for these people who were recruited earlier in 1976 as per the date of appointment and that those people who were appointed subsequently will be affected if these people are given the seniority which they are entitled as was given in the case of Assistant Grade III Depot seems to be unnatural and the same will not stand to reason and the same is opposed to all canon of justice and equity. The management cannot take shelter saying that these people who were appointed later will be aggrieved and they were not made parties to this. If the Management is really so cautious about the problem they should not have recruited in 1979 then as Assistant Grade III Technical without considering the rights of the petitioners who were virtually seniors to them in their own channel of promotion as Assistant Grade III Technical. Therefore I find from the perusal of the documents as well as evidence placed before me that the Management of Food Corporation of India is not justified in not

regularising the services of the petitioners of Assistant Grade III Technical from the date of their initial appointment in the year 1976 and I direct they should be appointed as Assistant Grade III Technical with all attendant benefits and back wages and seniority over the Assistant Grade III persons who ever it is, that were appointed later to them and the mere undertakings given by these petitioners in the dispute which are forcibly taken cannot be made use of when they had certain rights accrued to them under the I.D. Act and the Management failed to follow the principles laid down under the I.D. Act while terminating them. The very purpose of recruiting them by a process of formal interview and selection without excluding even a single person who was terminated and without selecting any other new person other than these people at the so-called interview would show that they wanted to rectify their own mistake of illegal termination for which the petitioners were not at fault and also not responsible. Therefore the Management again taking sides to protect the so-called seniority of Grade III Technical who were subsequently recruited is untenable. It cannot be a cause for not giving these people their due share of seniority and attendant benefits, having given in similar circumstances such benefits to Assistant Grade III (Depot) who were retrenched and reinducted with seniority as well as back wages and attendant benefits. Therefore I hold that the Management is not justified in regularising the services of these petitioners as Assistant Grade III Technical from the date of their original appointment as are available on record, and these petitioners are entitled for all the benefits.

Award passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 15th day of January, 1986.

(Sd/- Illegible)  
Industrial Tribunal

#### Appendix of Evidence

|                                     |  |
|-------------------------------------|--|
| Witness Examined<br>for the Workmen | Witnesses Examined<br>for the Management : |
| W.W1 M. A. Nayeem                   | M.W1 P. Rama Murthy                        |

#### Documents marked for the Workmen :

- Ex. W1 Photostat copy of the appointment orders dt. 17-5-76 issued to P. Narayana Reddy and 6 others by the District Manager, Food Corporation of India.
- Ex. W2 Photostat copy of the appointment order dt. 29/30-9-1976 issued G. Ram Reddy and 14 others by the District Manager, Food Corporation of India, District Office, Nalgonda.
- Ex. W3 Photostat copy of the termination orders dt. 25-6-77 issued to M. A. Nayeem and 9 others by the District Manager Food Corporation of India, District Office, Nalgonda.
- Ex. W4 Photostat copy of the termination orders dt. 27-6-77 issued to M. A. Nayeem and 2 others by the Assistant Manager, FCI, M.R.M. Miryulguda.
- Ex. W5 Photostat copy of the Service Certificate dt. 29-6-77 issued to M. Ravinder Reddy by the District Manager, Food Corporation of India, Nalgonda.
- Ex. W6 Photostat copy of the Service Certificate dt. 30-6-77 issued to M. A. Nayeem by the District Manager, Food Corporation of India, Nalgonda.
- Ex. W7 Photostat copy of the Service Certificate dt. 18-10-76 issued to Mohd. Abdul Nayeem by the District Manager, Food Corporation of India Nalgonda.
- Ex. W8 Photostat copy of the Circular No. 1/2/76-Est. I, dt. 10-2-76, issued by Food Corporation of 1668 GI/85-28.

India Zonal Office, Madras with regard to relaxation of ban on filling up of vacant posts.

- Ex. W9 Photostat copy of the Circular No. 1/2/76-E.I. dt. 27-1-77 issued by the Food Corporation of India, Zonal Office, Madras with regard to regularisation of services of daily rated employees
- Ex. W10 Photostat copy of the Circular dt. 20-12-77 sent by the Food Corporation of India, Zonal Office, Madras with regard to appointments on daily rated and time rated scales of pay regularisation of appointments.
- Ex. W11 Photostat copy of the appointment orders dt. 22-2-78 issued to U. V. V. Satyanarayana and 25 others by the Regional Manager, Food Corporation of India, Hyderabad
- Ex. W12 True Copy of the High Court Orders dt. 11-12-81 in W.P. Nos. 3801/77, 33936/77, 4148/77, 216/78, 7293/81, 7428/81, 8104/81, 8158/81 and 380/77.
- Ex. W13 Photostat copy of the High Court Order dt. 8-3-82 in W.P. No. 216/1978.
- Ex. W14 Photostat copy of the memo dt. 15-12-83 issued by the District Manager, Nalgonda with regard to regularisation of services of AG. III(D) with retrospective effect.
- Ex. W15 Photostat copy of the letter dt. 25-5-83 written by Regional Secretary, Food Corporation of India Executive Employees Union to the Sr. Regional Manager, Food Corporation of India, Hyderabad with regard to fixation of seniority of A.G. III (Tech./Depot).
- Ex. W16 Photostat copy of the representation dt. 10-8-83 made on behalf of the workmen to the Regional Commissioner of Labour, Central, Hyderabad with regard to fixation of seniority of Asstt. Grade III (Technical/Depot).
- Ex. W17 Photostat copy of the Memorandum of Settlement arrived at under Section 12(3) of the I.D. Act, 1947 during the conciliation proceedings held on 27-8-83 in the Office of the Regional Labour Commissioner (C), Hyderabad in the Industrial Dispute between the Management of Sr. Regional Manager, F.C.I. Hyderabad and their workmen represented by F.C.I. Executive Employees Union regarding fixation of seniority of Asstt. Grade III Tech./Depot).
- Ex. W18 Photostat copy of the Office Order No. 1/6/83, dt. 7-11-83 issued by the Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad with regard to regularisation of A.G. III (Depot) Officials with retrospective effect.
- Ex. W19 True Copy of the Minutes of discussions held on 3-12-83 in the Office of the Regional Labour Commissioner (C), Hyderabad regarding alleged non-implementation of memorandum of settlement, dt. 27-8-83 arrived at between the management of Food Corporation of India and FCI Executive Employees' Union.
- Ex. W20 Copy of the Telex Message No. 4186 from Zonal Office, Madras with regard to fixation of seniority of A.G. III position clarified.
- Ex. W21 Photostat copy of the Representation dt. 13-2-84 made by Regional Secretary, Food Corporation of India, Executive Employees Union of the Regional Labour Commissioner (C), Government of India, Hyderabad with regard to fixation of seniority of Assistant Grade III (Technical) Employees.
- Ex. W22 Photostat copy of the Representation dt. 27-7-84 made by General Secretary, Food Corporation of India Executive Employees Union to the

Regional Commissioner of Labour (C) Hyderabad with regard to regularisation of services of A.G. III Employees.

Ex. W23 Photostat copy of the Failure of conciliation report dt. 27-7-84 between the Management of Food Corporation of India and their workmen.

Ex. W24 Photostat copy of the interview call dt. 30-3-78 given to Attar Jaffar Hussain by the Food Corporation of India, Regional Office, Hyderabad.

Documents marked for the Management:

Ex. M1 Details showing period of the workmen worked in I.D. No. 46/85.

Ex. M2 Photostat copy of the undertaking dt. 10-5-78 given by R. P. Saibaba.

Ex. M3 Photostat copy of the D.O. Letter No. 25/54/77-Estt. dt. 15-3-78 from Deputy Zonal Manager, F.C.I., Madras to Senior Regional Manager, F.C.I., Hyderabad

Ex. M4 Photostat copy of the Representation made by retrenched employees to the Prime Minister of India.

Ex. M5 Photostat copy of the Representation dt. 25-7-77 made by all terminated employees to the Chairman, Food Corporation of India, New Delhi.

J. VENUGOPALA RAO, Presiding Officer

[No. L-42012/34/84-D.V]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

का. भा. 1128.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मुख्य प्रभियन्ता, व्यास डैम प्रोजेक्ट, तलवाड़ा टाऊनशिप हंशिगारपुर (पंजाब) के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, चंडीगढ़ के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-2-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 7th March, 1986

S.O. 1228.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Chandigarh, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chief Engineer, Beas Dam and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE SHRI I. P. VASISHTH, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
CHANDIGARH.

Case No. I.D. 33 of 1984

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Beas Dam Project.

AD

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employers : Sh. B. S. Puri.

For the Workmen : Sh. R. K. Singh

INDUSTRY : Beas Dam Project STATE : Punjab

AWARD

Dated the 18th February, 1986

1. The Central Government, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1) (d) of the Industrial Disputes Act 1947, as per their Order

No. L-42011(4)/83-D.II(B) dated 5-9-1984 referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication.

"Whether the action of management of Beas Dam Project (Ministry of Energy, Government of India) in refusing payment of wages to their Railway Gangmen, Trollymen, Keymen, Gangmates and Pointsmen in the same scale with effect from 1-2-1968 and 1-1-1978 as are prevalent for the same categories of workmen employed by the Bhakra Beas Management Board is justified? If not, to what relief are these workmen entitled and from which date?"

2. Brief facts of the case, according to the petitioners, are that the construction of the Bhakra Dam and Beas Project was still going on under the direct control of the then Punjab Govt. when the state of Punjab was re-organised w.e.f. 1-11-1966 and in view of the Punjab-Re-organisation Act 1966 control of both the projects was taken over by the Central Govt. who appointed a common person as their General Manager. It was averred that even though the works at the Beas Project have since been completed yet there was no disruption in its common identity with the Bhakra Dam and that right from the stage of their inception there were frequent transfers of the workmen and other officials from one project to the other. So much so that the petitioners themselves had started their service at Bhakra Dam and after working on the Beas Project for some time were re-transferred to Bhakra on completion of the works at the Beas Project. The petitioners complained that in the context of pay-scales they were being discriminated against their counterparts working at the Bhakra Dam. They, therefore, raised a dispute which could not be amicably settled despite the intervention of the Conciliation officer and hence the reference.

3. It may also be worthwhile to mention that after taking over of the Bhakra Dam by the Central Govt, its management was handed over to Bhakra Management Board which later on came to be constituted as Bhakra Beas Management Board, hereinafter referred to as the BBMB, whereas the Beas Project was looked after by the Beas Construction Board popularly known as BCB.

4. Resisting the proceedings the management questioned the jurisdiction of the Tribunal on the plea that since it was not an "Industry", therefore its actions could not be looked into by the Tribunal; that the petitioners' cause was not properly espoused and that other-wise also they had no legitimate grouse because BCB and BBMB were two separate and distinct Organisations controlled by different employers. Elaborating its case, the management contended that the petitioners were recruited afresh after their disengagement from Bhakra though in view of the time schedule of its own Project and their previous experience at Bhakra they were allowed to protect their salary and inter-se seniority; all the same there was no uniformity in the pay scales, and even the petitioners had willingly accepted the diversion. Similarly, on completion of the project-works they were provided with fresh employment at the BBMB.

5. In support of their case, the petitioners examined One Kishan Lal, whereas the Management produced its SDO Inderjit Sharma; of course both the parties filed a number of documents also which I have carefully pursued and heard them.

5. In so far as the technical objections to the validity of the reference proceedings are concerned I find no force in the management's view point. Its main contention was that being a limb of the Central Govt. it did not fall within the purview of an "Industry" as defined section 2(j) of the I.D. Act and, as such, the Tribunal had no jurisdiction to hear the dispute in view of the Punjab & Haryana High Court observations in the matter of Om Parkash Vs. Executive Engineer S.Y.L. 1984 Labour and Industrial Cases 1165.

7. I am not impressed with the submission because from the ratio of Jaswant Singh Vs. Union of India AIR 1980 S.C. 115 there remains no manner of doubt that the Respd. Project was an "Industry" and the work force employed by it "industrial employees", and, perhaps, it was in recognition of this proposition that even in the instant dispute the respondents joined Conciliation proceedings before the

A.L.C. (C) in a bid to find out some solution within the scheme of the Industrial Disputes Act 1947.

8. It was then argued that the petitioners' cause was not sponsored by a duly recognised Union. In my considered opinion the objection deserves summary rejection because the Industrial Disputes Act was primarily enacted to ensure a fair deal to the working class and, therefore they would also be entitled to all its interpretative benefits. Ofcourse the Petitioners' Union was neither a registered nor recognised one but all the same they were the effected workers whose locus standi to raise the issue was not contested even by the management in the Conciliation proceedings before the A. L. C. (C).

9. Thus on repelling both the preliminary objections raised by the Management I proceed to deal with the case on its merits.

10. As would be evident from the demand notice, and the terms of reference as well as the Claim statement the foundation of the petitioners' grouse was that they were being deprived of the particular pay scales granted to their counterparts in the BBMB, which was more or less, a sister concern of the BCB; that there was no difference in their working conditions and since they were serving under a common employer, therefore, there was not justification for relegating them to lower pay scales. Support for the principle of equal pay for equal work was sought from the dictum of *Randhir Singh Vs. Union of India* AIR 1982 S.C. 879.

11. Despite seeming attraction the submission failed to carry conviction with me. In so far as the philosophy of *Randhir Singh* is concerned even though there does not appear to be any serious dispute with it yet in view of the observations in the matter of *C. Girijambal Vs. Govt. of India* AIR 1981 S. C. 1537—(1981) 1 S.L.R. 364 one can not possibly accept it as an abstract proposition to cover up all the situations; particularly when the very thought that the BCB and BBMB are sister concerns managed by a common employer is quite misconceived. As a matter of fact they are two distinct and different Organisations managed by different employers, though ultimately controlled by One common ministry of Energy under the Central Government. For my views I draw support from the scheme of Sections 78, 79 and 80 of the Punjab Re-Organisation Act as interpreted by the apex Court in the earlier quoted case of *Jaswant Singh Vs. Union of India* AIR 1980 S.C. 115 (Paras No. 31, 32, 36 and 39).

12. Similarly to say that after having joined service at Bhakra the petitioners accepted assignment at the Beas Project and again reverted to the Bhakra Dam on a sort of departmental transfer would be a grave travesty. In his cross-examination the petitioners' representative witness *Krishan Lal WWJ* conceded the correctness of the appointment order Ex. M1 whose bare perusal would leave no manner of doubt that it was a case of fresh appointment from the very initial stage; and that benefit of pay protection or seniority etc. as accorded to the workers was simply in the nature of a Managerial grace; moreover there was no assurance of their being fixed up in any higher grade and, obviously, in the absence of any such undertaking by the new Employer; the latter could not possibly be obliged to concede to their claim. For the legal proposition I draw support from the case of *Workers of PSEB Vs. HSEB* Chandigarh 1981 Labour and Industrial Cases 1586 wherein reliance was also placed on the Supreme Court observations in the matter of *Anakapalle Co-operative Agricultural and Industrial Society* AIR 1963 S.C. 1439 (at page No. 1496).

13. There is yet another ambiguity in the petitioners' claim in the sense that from the documents Ex. M11 and M14 it is apparent that in some other dispute between the employees of Irrigation Wing (Unit No. 2) and the Respdlt. Project certain benefits were granted to the employees in the light of Tribunal's Award in reference No. 2-C of 1971, the petitioners also availed of those benefits; and it hardly requires any emphasis that such type of benefits were not granted to their counterparts working in the BBMB. It thus

clearly shows that by their own act and conduct the petitioners themselves admitted the justification for disparity in the pay scales between the employees of the BCB and the BBMB.

14. I, therefore, find no impropriety or illegality in the action of the management in their refusal of equate the petitioners with their counterparts employed by the BBMB and, as such, return my Award accordingly.

Chandigarh,  
Dated : 18-2-1986.

I. P. VASISHTH, Presiding Officer  
[No. L-42011/4/83-D.II(B)]

का. घा. 1129.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमरण में, केन्द्रीय सरकार डिब्रीजन रेलवे मैनेजर, वेस्टर्न रेलवे, कोठी कम्पाउंड, राजकोट के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1229.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Divisional Railway Manager, Western Railway, Kothi Compound, Rajkot and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th February, 1986.

BEFORE SHRI A. N. RAM, INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 15 of 1985

ADJUDICATION  
BETWEEN

The Divisional Railway Manager, Western Railway,  
Rajkot.

AND

The Workmen employed under him.

In the matter of the workmen's demand for relief to the Khalasis at Ahmedabad who are engaged as Bariwalas —

APPEARANCES :

Shri B. L. Kapadia, Asstt. Mechanical Engineer, for the Railway Administration.

Shri S. B. Nigam and Shri B. K. Sharma of the Paschim Railway Karmachari Parishad, Kalol. for the Workmen.

AWARD

This industrial dispute between the Divisional Railway Manager, Western Railway, Rajkot, and the Workmen employed under it, has been referred for adjudication under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947, by the Govt. of India, by their Ministry of Labour Order No. L-41011(22)/84-D.II.B, dated 14th February, 1985. The dispute relate to the demand which is mentioned in the schedule to the said order, and is as follows :—

"Whether the action of the Divisional Railway Manager, W Rly. Rajkot through its officers at C & W department at Ahmedabad (MG) in engaging the Khalasis, who are in the unskilled grade of Rs. 196-210, as Bariwalas carrying a higher and semi-skilled grade of Rs. 210-270, without giving them the benefits of higher pay are justified, proper and legal? If not, to what relief the Khalasis who are engaged as Bariwalas are entitled?"

2. The statement of claim filed by the Paschim Railway Karmachari Parishad, the sponsoring union, is at Ex. 2. It has been stated that the Bariwalas are semi-skilled work-



men who carry with them an iron rod weighing 15/20 kgs. for tightening and aligning the hooks and coupling of the coaches and engine; that at Ahmedabad (M.G.), the work of Bariwala is being done by the staff of carriage department whereas at other stations it is with the traffic department that at every station where train examination is undertaken, Bariwalas of the traffic department do the job of aligning and tightening the hooks etc., that at Ahmedabad and Asara where the work is done by the carriage department, work is taken from the Khalasis. It has been urged that Khalasis should be given the higher wage of Bariwala with retrospective effect from 1-1-1973.

3. The first party has given a reply and it is at Ex. 4. It is admitted that work of bariwala at Ahmedabad (M.G.) is being done by khalasis but it has been stated that work of bariwala is not of semi-skilled nature. The parties have not led any oral evidence. However, a couple of documents have been brought on record, Exs. 9 and Ex. 12. Ex. 9 is produced by the union and is a certificate of Station Superintendent, Kalol. Ex. 12 is duty list of Train Examiner, fitters, wheel tappers and khalasis. I have heard the parties fully, I have gone through the documents brought on record.

4. It is an admitted position that at Ahmedabad (M.G.) the work of Bariwalas is being taken from khalasis; the Reference itself suggests that work of Bariwalas is being taken from khalasis. It was tried to urge on behalf of the Railways that the work of Bariwala is not of semi-skilled nature, but it is only of unskilled type. However, Bariwalas are given a grade higher than that of khalasis. This is clear from the terms of reference itself and this position is not challenged by the Railways. It was then tried to be argued on behalf of the Railways that there is not post of Bariwala in the department and that the khalasis are doing the work since a long time; that could hardly be an excuse for not paying the proper scale to the concerned khalasis. If other stations in the Railways have Bariwalas for coupling of coaches and engines, there is no reason why Ahmedabad (M.G.) should not have posts of Bariwalas for doing that work. It is not the case of the Railways that there is no full time work of Bariwala at Ahmedabad. It must be presumed that khalasis who are engaged as Bariwalas have full day's duty. The list of the khalasi furnished by the first party at Ex. 12 does not include the specific duty of coupling of coaches and engine. Considering all these circumstances, the first party is not justified in taking work of Bariwalas from khalasis without giving the benefits of that scale. It is also not proper since in the same administration at other places persons working as Bariwalas are given grade fixed for Bariwala (Rs. 210-270) while only at Ahmedabad the same work is taken from khalasis which carry a lower grade (Rs. 196-210). It is clearly a discrimination and violates the principle of equal pay for equal work. The reference is made on 14-2-1985. I, therefore, direct that the khalasis at Ahmedabad (M.G.) who are doing work of Bariwalas should be given grade of Bariwala with effect from 1-3-1985. The arrears payable as a result of these directions shall be paid to them within 3 months of the coming into operation of this award.

A. N. RAM, Presiding Officer.  
[No. L-41011/22/84-D.II(B)]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का. धा. 1230—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य नियम, नई दिल्ली-1 के प्रवर्धन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में राष्ट्रीय औद्योगिक अधीकरण, बम्बई-1 के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 28-2-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1230.—In pursuance of section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the National Industrial Tribunal, Bombay-1, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Food Corporation of India, New Delhi-1 and

their workmen, which was received on the 28th February, 1986.

## BEFORE THE NATIONAL INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

Reference No. NTB-2 of 1985

### PARTIES :

Employers in relation to M/s. Food Corporation of India

AND

Their Workmen.

### APPEARANCES :

For the Employer : Mr. Ramaswamy, Advocate.

For the Workmen : Mr. Udaysing, Advocate.

INDUSTRY : Food Corporation STATE : Union territory  
of New Delhi.

Bombay, dated the 24th day of December, 1985.

### AWARD

This reference to the National Tribunal relates to the labour employed at 14 depots or godowns of the Food Corporation of India situated in the states of Orissa, West Bengal, U.P. and the Union Territory of Delhi. The reference calls for adjudication on the action of the management of Food Corporation of India, hereinafter referred to as the Corporation "in not treating the labour mate system employees" at the named concerned depots "as their employees and depriving them from the payment of ex-gratia in lieu of bonus for the accounting year, 1982, 1983 and 1983-1984" and whether its such action is fair, just and legal. If not, to what relief are the workmen concerned entitled ?"

2. Statement of claim and written statement were filed by both the Corporation and the Food Corporation of India Employees Union, hereinafter referred to as the FCI Union, which has espoused the cause of the concerned workmen working under what is called the "Labour mate System" at these 14 godowns. It may be stated that both the Statement of claim as well as the written statement of the Corporation are confusing, not clear in their stand and contentions which they have taken, and are not happily related to the reference order or terms of reference. Considerable irrelevant and inapplicable material has found its place in the two pleadings.

3. The FCI Workers Union has referred to the systems which were prevailing in the godowns of the FCI and what was prevailing sometimes prior to 1973 in 41 depots which were later, as a result of an agitation and disputes brought under, what is known as a direct payment system. I fail to see how this is relevant and can hardly have any connection with the dispute at hand. The only thing which may be noticed as a consequence of that agitation was that the contract system was abolished in its 41 depots and the contractors were removed. Payment was made to the workmen directly by the FCI and their work was supervised and controlled by the Corporation. So far as the Labour Mate system is concerned, the union's contention seems to be that the labour mate can not be considered as a contractor. He does not fulfil any of the requirements of the Contract Labour (Regulation & Abolition) Act. Since the provisions of that Act are not followed, there is no employer-employee relationship between the labour mate and his co-workers. It pointed out that the Corporation accepted that the Labour Mates were their agents. The FCI Union then referred to various judgements in its statement of claim and seems to contended basically that there is discrimination in treating the "labour mate system" employees at the 14 depots differently than at place where similar circumstances and situation exists, and that there is no reason for denying to the workmen at these depots the payment of bonus.

4. The Corporation's written statement is actually confusing may be on account of a rumbling and incoherent statement of claim. It also has not delivered a crystalised defence. What can however be pulled out from its statement is that with regard to 41 depots, a system was forced upon



it and the Corporation was not a willing party to what has emerged. In the concerned 14 depots, the Corporation had been forced to abandon the contract labour system. The payment of bonus Act does not apply to these workmen as they are not employees of the Corporation. The demand is for ex-gratia amount of bonus which is not an industrial dispute. No ex-gratia claim can be made against the Corporation. What was done by the Corporation with regard to the 41 depots by paying them ex-gratia was merely a gesture of good-will and on account of mutual understanding. The Corporation set out what is a direct payment system by saying that the senior-most employee with the contractor is chosen as a labour mate or leader, who takes the responsibility of getting the work done and also receiving payment according to the quantum of work done and the payment received is distributed by him to the individual workmen. They are paid on the basis of the actual output.

5. It also says that the work at these godowns or depots is not of a continuous nature and is intermittent depending upon the arrival of food-grains and the necessity of their movement. The permanent employment of staff therefore, is not advisable. It was stated that in these 14 depots, the arrangement was a mere intermediary arrangement and forced upon the Corporation. There also, method of payment is by a measure of the output of work done and paid on a contract basis. The workmen can not take advantage of the failure on their part to comply with the provisions of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act. As to what the labour mate system is, it reproduced the contents of a letter and says that it is not the equivalent of the direct payment system. "There is no direct control, supervision or management in the handling of foodgrains. The workmen are supervised and controlled by one amongst themselves who is chosen as leader or mate" in the labour mate system.

6. As both the statement of claim and the written statement of claim were not lucid and did not clearly bring out what was the contentions nor did it appear that the respective of the terms of reference had been clearly visualised and contentions set out with reference to them an order was passed on the 18th October, 1985 directing the parties to state what according to them is meant or known by the "labour mate" and in what ways such employees in these depots "differ from the regular employees of the Food Corporation" and how and why they are, of they can not be, treated as employees of the Food Corporation of India to be entitled to payment of bonus." The parties were also directed to "file their statements of claim and written statement with a proper perspective of the reference in question and in the light of what is said ....."

7. A reference may once again be made to the terms of the reference the important portion whereof, I have set out above, which calls for adjudication of the action of the Corporation firstly "in not treating the Labour mate system employees....as their employees". The second part of the reference requires adjudication on the claim for ex-gratia payment in lieu of bonus for the year 1982-83 and 1983-84. It will be seen that the terms of reference related to two aspects of the matter with regard to the employees working under the labour mate system in these 14 depots. One is with regard to their not being treated as employees of the Food Corporation, and second with regard to denial to them of the ex-gratia payment in lieu of bonus for the years 1982-83 and 1983-84.

8. In spite of the directions, however, no clarification or any statement excepting with regard to what is understood by labour mate system in a different way has been produced. Both the union and the Corporation satisfied themselves by concentrating upon the question of payment of ex-gratia in lieu of bonus for the accounting years 1982-83 and 1983-84. It seems to me therefore, that the parties have understood this reference as merely a reference with regard to the payment of bonus for the accounting years 1982-83 and 1983-84 and the treating of the labour mate system employees as its own employees by the Corporation for giving them a right to this ex-gratia payment in lieu of bonus and to no other rights. In other words, neither the Corporation, nor the union seems to have thought it fit to

consider the reference as one with regard to the determination of the status of these employees with reference to the Corporation, except indirectly in connection with their claim for ex-gratia in lieu of bonus for the two accounting years. The arguments which were advanced also during the hearing of the reference basically sought to establish for the union as to how the direct payment system employees and the labour mate system employees did not differ materially in any aspects of the matter, so that it would be discrimination and unjust and arbitrary treatment of these employees at the 14 depots differently. No attempt was made to establish for these employees the status of regular employees of the Corporation. In view of this position and in view of both the sides seemingly understanding and treating the reference as one for payment of ex-gratia in lieu of bonus to these 14 depot employees working under the Labour mate System being entitled to it, as if its own employees, for no other purposes excepting for purposes of ex-gratia in lieu of bonus. As regular employees, they would have been entitled to many other rights and privileges and service conditions, but in view of what I have set out and stated above, the adjudication is confined to the claim of ex-gratia in lieu of bonus for the two years 1982-83 and 1983-84 to these labour mate system employees on the ground which is made out, namely absence of any real difference between these employees and the employees working at other 41 depots, under the Direct Payment System. Whatever consequence which may flow from this adjudication with regard to other aspects of the matter will however flow and can not be stopped. In this context, I may refer to what is filed by the Corporation on the 15th November, 1985 as clarification to the Tribunal's queries. It is wholly incorrect and except for the meaning of the expression "labour mate system" no other queries were raised as the order dated 18th October, 1985 will clearly go to show. It may be during the discussion some of the aspects of the matter which are referred to in that statement might have cropped up. But that is neither here nor there.

9. The union's contention, briefly stated, is that the labour mate system which is in vogue in these 14 depots is an arrangement arrived at between the union and the management of the Corporation and is on lines similar to that which was prevailing in the godowns under the nomenclature Direct Payment System. It, therefore, contended that the same incidents, the same criteria, the same principles, the same relief and benefits, and the same adjudication and decision which has governed the Direct Payment System employees should and ought to govern these Labour Mate System employees also. In the circumstances, it naturally heavily relied upon the judgement of the Supreme Court delivered in the matter of the employees brought under Direct Payment System, particularly at the Silliguri Depot. It also relied upon some other judgements of the High Courts and Supreme Court for purposes of contending that the employees under the Labour Mate System are also employees of Corporation.

10. Both sides did not want to lead any oral evidence and relied upon documents produced by both of them in support of their contentions. Some of the documents produced naturally in the circumstances are but duplicates.

11. It would be convenient and appropriate in the first instance to set out what is understood by the labour mate system and what is in operation in these 14 depots with regard to the workmen engaged in handling food-grains, as also the Direct Payment System. It would then be possible to understand and follow the contention and attempt at distinction and difference made by the Corporation to show that the two are different and the "labour mate system" is nothing but a contract labour arrangement for handling foodgrains.

12. It is common ground that the Corporation has its own staff for administrative purposes and for the management of storing, distribution, purchase and sale of foodgrains for which the Corporation is brought into existence. The main features of the labour mate system can be set out as follows. The workmen usually and formerly being engaged at these depots for the work of handling food-grains, such as loading and unloading either from trucks or from wagons to godowns, stacking and shifting in the godowns or transfer of food-grain bags from godowns to trucks/wagons or vice versa, were formerly and admittedly employed by a contractor to whom

the work was given. The workmen were dissatisfied with this method and the union agitated for the abolition of the system of contract. An arrangement was therefore devised which is known as labour mate system, in operation in these 14 depots by which the workmen work under the auspices of their union nominee. The union nominates one amongst the workmen and he is termed as Sardar or Headman or Mondal. He was to occupy the same place as if he was a contractor but was not really a contractor. He was like the other workmen and himself engaged in doing the same kind of work as others. The union was responsible for the overall performance of the work. The workmen were to be paid according to the quantum of work turned out by them at the rates specified and fixed or agreed upon between the union and the Corporation. The work turned out was to be evaluated and payment for the work done was to be handed over to the Sardar/headman or Mondal, who was to distribute it amongst his colleague-workmen. According to the actual work done by each one of them. The receipts were to be obtained and acquittance roll maintained. In the present case, the union produced a set of acquittance rolls of some of the depots and what can be said to be a bill or specimen bill for the work done in the name of such person. No muster rolls or any other documents such as stamped receipts or acquittance rolls as such have been produced, though what is produced by the workmen is a carbon copy of the document and does appear to have signatures or thumb impressions of various persons concerned.

13. In this connection, I may refer to an order dated 15th November 1985 passed by me wherein certain statements made on behalf of the parties were placed on record and certain directions given. It was then stated, which is recorded, that there are three systems followed by the Corporation. It was stated that in some other units it has contract labour. In some units the Corporation has regular employees on its pay rolls and at some other units, it has contract labour system where work is given out on contract. In the third system, one of the workmen is designated as Labour Headman. He is paid for all workmen to do the work and the workmen themselves distribute the amount amongst themselves. Payment is made on the basis of actual work done at the rate agreed for the actual number of days worked. Corporation has record of work however, done by such employees. Then there was a direction that all such record maintained by the Corporation such as "muster roll, pay receipts may be produced on the next occasion." A further statement specifically made was also noted and recorded that the workmen are not "in receipt of any benefits which are paid to the regular employees". It is in this situation that the parties stated that they did not want to lead any evidence, though it would appear from the above that the Corporation did maintain some record with regard to the payment to these employees including muster rolls, pay receipts. This position was retracted and it was stated that the statement was made inadvertently and incorrectly and that the Corporation does not maintain any muster rolls or any record in the nature of acquittance roll, showing payment to the various employees for the work done. I am unable to think from the nature of the record, from the kind of work done and the way in which printed forms or bills and details of work done and bills showing amount earned or due on the basis of the work done, could have been prepared by a workman himself doing the work of handling and lifting foodgrain wages having only rudimentary knowledge and not assisted with any office or anything which a contractor or other person would have satisfactory compliance with the requirements maintenance of record and making of bills would perforce necessitate an organisation which a handling coolie is not capable of casing setting up. I also do not think in view of the provisions of the Contract Labour Act that the Corporation would have acquiesced in a situation of this kind and would have allowed it to exist when as a principal employer, it was liable to make payments to the workmen who worked for it at the various depots. Besides, it is in evidence that the Corporation used to make deductions on account of income tax also from the earnings of the employees. Though the number of employees in this system at each of the depots has not been stated or brought on record, the fortnightly statements, copies of which are brought on record will go to show that the number of employees ranged from 25 to 40 per day. I do not think that it was possible for a workman of the kind of Wali Mohammad who was nominated and described as labour-mate to maintain such a

record and prepare one. It is also not suggested or said that the union had prepared any such record.

14. In view of what I have stated, it seems to me more likely and it would certainly be in the interests of the Corporation, as I shall presently point out, to prepare a record of such nature for itself and may be pass on a copy to the labour mate named at a particular depot. That explains the production of the carbon copy of the acquittance sheets for Shambhoo depot. As I have stated earlier, the union placed considerable reliance on the judgement of the Supreme Court in Civil Appeal No. 1055 of 1981 between the workmen of the Food Corporation of India and the Food Corporation reported in 1985 11-LLJ (page 4).

15. That was an appeal which had come to the Supreme Court from the decision of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, which had turned down the demand of the workmen declaring termination of the services of 464 employees who were its employees and transferring them to a contractor as bad in law. There also, as in this case, at the Siliguri Depot, the concerned 464 employees were engaged in the handling work under a contractor. By a Settlement of the 18th January, 1973 between the union which had been agitating for abolition of that system and the management it was agreed that pending departmentalisation of the handling workers by the Corporation, direct payment system should be introduced. One of the terms of the settlement was that "The payment to the workers will be made at the rates at which the contractor are being paid now." The method adopted was that bills for the piece rate payable to the handling mazdoors depending upon the work done was to be prepared by the depot staff and the Sardar/Mondal or headman would accept the payment and sign the bills. The amount was then to be distributed by the headman amongst the handling labour. In the instant case also Wali Mohammed has signed on the sample bills produced; while it is not in own who has prepared the acquittance rolls, sample of which are also produced in the documents. The parties have not led any oral evidence and hence this aspect of the matter remained in a shroud. The union appears was playing a monitoring role and bills had to be prepared according to the per head out-turn and in the case of each of the workman for the work done by him.

16. This continued till the year 1975. Then, there was a strike and in March, 1975, the Corporation introduced the contract system. Those very 464 workmen who were working under the direct payment system were given over to the contractor and were treated as the workmen employed by the contractor and there was a reversion to the former state of affairs. The union then raised a dispute that this was illegal and unless the services of 464 workmen were terminated and without following the provisions of S.9A, the Corporation could not hand them over to a contractor.

17. Before the Supreme Court also, it was contended, like it is contended here, that the Sardars/Headmen merely replaced the contractor, but the system remained the same. It was also pointed out that the workers were paid like the contractor and there was no direct relationship of employer and employee between the workmen and the Corporation. On the other hand, it was contended before the Supreme Court by the union that the workmen became the directly employed workmen of the Corporation on the contractor's removal and on the introduction of the Direct Payment System. This contention of the workmen was negatived by the Tribunal and therefore, the matter had come up in appeal to the Supreme Court. Though the bills were to be prepared by the FCI depot staff, the headman or Sardar were to accept payment and sign bills on behalf of the labour, who were to authorise him to do so and also give acquittance. On giving the acquittance, Sardar receives the payment and the bills and the acquittance in the original were to remain with the FCI. In the present case or "labour mate system," we do not have evidence as to who prepared the bills and as to with whom the original bills as well as the acquittance roles were to remain. The other two features however, are common.

18. The Supreme Court held and observed after examining the direct payment system that the Sardars or Headmen "were merely the agents of the Corporation for distributing the salary/wages earned by each workman as set out in

the register to be maintained in respect of each workman by his name and the ages earned by him at the piece rate." It is true that the Supreme Court notice that in that case it was not suggested that the Sardars or Mondals were contractors. In the present case, the learned counsel for the Corporation contended that for all purposes, the nominated headman was a contractor. As to whether it makes any difference or no, I shall deal with at a later stage. For the present moment, it is sufficient to note what was differently said in this case. Incidentally, it may be stated that this decision of the Supreme Court was delivered in February, 1985, while the present reference came to be made in August, 1985. The Food Corporation therefore, was fully aware of the reasoning and conclusions of the Supreme Court, which laid down the law applicable to a relationship which was established in that case.

19. The Supreme Court then held that with the disappearance of the contractor and the appearance of the workmen, through their nominee for the handling work, "a basic qualitative change in the relationship between the corporation and the workmen came into existence." The intervening agency disappeared. Consequently, it said "the workmen became the workmen of the Corporation and a direct master-servant relationship came into existence." It will thus be seen that the Supreme Court held that in a situation of the kind which was prevailing in that depot at Siliguri the four prominent features of which system were set out by it a direct relationship of master and servant came into existence and that though there was an intermediary position of a headman/sardar or mondal, that made no difference and the employees under the direct payment system had become the direct employees of the Corporation, whose status could not be changed by the Corporation by transferring them to a contractor at a later stage. The question, now before us, therefore, is whether the so called difference, if there is any difference between the prominent features of that system set out above, and the features of this system which are disclosed, make any difference particularly with regard to the payment of bonus for the years 1982-83, and 1983-84.

20. We may now examine the features of the system, namely the labour mate system, which are disclosed in the present case. These are disclosed from the various documents and correspondence which has been placed on record. The system was introduced at the Shaktinagar and Shahdara depots from 28-5-1982 as per a letter dated 26-5-1982 of the Vice President of FCI Workers Union, New Delhi addressed to the Regional Manager FCI. It appears that with the Regional Manager or zonal manager an agreement was reached to which a reference is made saying that in place of the contract arrangement for departmentalisation of handling work a substitute arrangement proposed by the union was either to extend the contract period for a period of six months pending decision on the question of "departmentalise labour in these depots." The contractor was to be informed that the contract was liable to be terminated by one month's notice. The second alternative was "to entrust the handling work to one of the mates... to be nominated by us (the union) on behalf of labour working" in these depots. This nominee was to sign "for all intents and purposes", the contract agreement. He was to receive the same rate as was being paid viz., at the rate of 215% ASOR terms and conditions. The nominee was to claim payment in the same manner as the contractor and the payment was also liable to income tax deductions. This of course, was an ad-hoc arrangement liable to termination by a month's notice pending decision on the question of departmentalising the workmen. The union agreed to make good any losses. The Regional Manager on the same day informed the union president that it was prepared to accept the second alternative and called upon the union to nominate the nominee. By letter dated 27th May 1982 the union nominated one Wali Mohammed as a nominee. Wali Mohammed in his turn wrote to the Regional Manager that he accepts handling work at the depots for a period of six months with effect from 28-5-1982 at 215% above ASOR rates. Blank tender forms are produced by the Corporation, but it is common ground that no tender was filled in nor any contract signed. The union Secretary also informed that Wali Mohammed has been authorised to receive payment from the Corporation and on behalf of the handling workmen.

21. Similar correspondence emanating from the Food Corporation has also been placed on record together with specimen bills and income tax deduction certificates and vouchers showing payment to Wali Mohammed of the amounts due under the bills. Work slips showing dates on which work is done, the rate and the payment are also produced, which are the basis for preparation of the bills and quantifying the amount. It may be mentioned that the work slips are made the next day for the previous day's work. They are also made out in English and bear the signature of Wali Mohammed as Contractor.

22. As pointed out, the arrangement was good for six months and came up for reconsideration/revision in November. On the 9th November, 1982, Deputy Manager of the FCI wrote to the union General Secretary asking for extension of the ad-hoc arrangements. The letter says "You are, therefore, requested to send your acceptance for extension upto 31-12-1982 at the same rate, terms and condition and advise your nominee Shri Wali Mohammed to Sign Agreement document accordingly, with an intimation to this office." On the 24th November, 1982 the union Vice President informed that the union had no objection to continue the existing arrangement upto 31st December, 1982. Fresh agreement was however not agreed to be entered into and the union sought that the Corporation should satisfy itself by what is contained in the letter. It also further said that the arrangement of deduction of income tax was not acceptable to them and that no deduction should be made on that account. This was however replied to saying that the arrangement was made in accordance with the statutory requirements and that can not be dispensed with.

23. In this connection a reference may be made to the letter dated 9th August, 1982 from the union saying that in accordance with the discussion which the management had with the union, the union "nominated Shri Wali Mohammed for arranging labour and carrying out Operations in the Depots at FSA, Shaktinagar and Shahdara....." It was pointed out that payments were made in cash, but the Corporation now expressed some difficulties with regard to making payment in cash, presumably, the Corporation wanted to make payment by cheque, when it was pointed out by the union that "Shri Wali Mohammed, is only a labour mate and does not maintain any Bank Account. Whatever payment he gets from the FCI, the same is disbursed to the labourers in accordance with the work done by them." It therefore, expressed its inability and requested that cash payments should be continued to be made. Whatever income tax deductions were made, it is also admitted were not refunded from the income tax department with the assistance of the Corporation which in its turn were disbursed to the handling workmen.

24. This is all the evidence which has been produced in this case. This discloses that there was no formal contract between the parties, but an arrangement was initially arrived at between the FCI workers, Union and the management of the FCI by which in place of the contractor who was doing the handling work for the FCI, it was agreed that the work should be got done through the same labourers who would nominate one of them as a labour mate or headman authorised to receive payment for work done, sign receipts and bills, work slips. He was also authorised by the union whose nominee he was, to sign contracts. However, no contract was actually signed. The rate agreed for payment was on the basis of the work done. In other words, it was a piece rate system of payment by results. The individual workmen who do the work are paid through this nominee. It is, however, not clear as to how and who computed the separate earnings of each of the workmen, whether it was done by the union or it was done by the FCI. Neither party either elaborated or elucidated on this point. Apparently, the work is of such a nature that involves a special kind of clerical and accounting work. The clerical and accounting work is also considerable. That work, I am unable to think that either the union was equipped or had the necessary manpower to do and secondly to prepare or check and examine either the payments to be made to the individual workmen or calculate the individual earnings. I am inclined to think that it is more likely, in the circumstances that it was the FCI which was doing this work. In this context, I may refer to the order passed by me and the observations made on the 15th of November, 1985 reproduced earlier.

25. In other words therefore, out of the four salient features noticed by the Supreme Court in the case of workmen of the Food Corporation and the Food Corporation of India (Supra), as I have already pointed out, two are directly established while the other two, namely 1 and 4, I am of the view are indirectly established as existing in the present case. In other words, therefore, I do not see any difference or distinction between the factual situation obtained in the Siliguri depot which dispute went to the Supreme Court and the position in these 14 depots. It must however, be noted that there was one difference between the two situation. And that is that in the case of Siliguri depot, the Food Corporation treated these workmen as its own employees and had started paying to them directly itself. That is why that system came to be known as direct payment system. That is why the nature of the dispute raised in that case was different while the nature of the dispute raised in the present case is different.

26. The question however is, does it make any essential difference in the two systems or whether in other words, as is contended by the Corporation, the existing system of a contractor continued in another form or the appointment of a labour mate was merely substitution for the contractor and the arrangement was a mere adjustment, but was essentially a contract agreement.

27. I am unable to think on the basis of the evidence which is adduced that introduction of a labour mate was a mere facade, and labour mate was a substitute for the contractor. I am unable to accept and hold that for all purposes, the contract system prevailed and the Food Corporation had nothing to do with the workmen, so that they can be treated differently and not on par with the workmen working elsewhere under the Direct Payment System.

28. The question whether therefore, these workmen become the direct employees of the Corporation in that form and specifically is not before me. I have already pointed out the wording of the reference and what has been understood by the parties. Consistent therewith, I am inclined to limit the scope of this reference and the limit my adjudication also to the question of justification for treating these labour mate system employees differently than the direct payment system employees for purposes of payment of ex-gratia in lieu of bonus.

29. It is common ground that the Corporation has made payments of ex-gratia in lieu of bonus to these direct payment system workmen engaged at other depots. The telex message issued by the Food Corporation of India to its zonal managers, sub-regional managers, regional managers and others on 29th July 1985 is on record. It communicates Corporation's decision to pay "2.33% of salary/wage may be paid for accounting year 1984-85" to "regular worker, casual worker direct payment system worker...", subject of other proviso. Similar such messages for the year 1979-80 and for the year 1983-84 are to be found at annexures K&L produced by the union. This will go to show that the Corporation has paid ex-gratia in lieu of bonus at 8.33% to its direct payment system workers as also to casual labourers all along. But for some mysterious reason, the corporation has refused paying it to these labour mate system workmen on the pretext or spacious ground that these are not direct payment system employees/workmen. They go by a different nomenclature, though virtually there is no difference between the two systems of work and payment.

30. If there is no difference between the two systems of work and payment except the circumstance that in one case namely that of "labour mate", the person is nominee of the union and is authorised to sign on behalf of the workmen or the union on bills, work slips and also to receive cash or payment on behalf of the workmen, in the other he is elected or chosen by the workmen themselves. I have already pointed out that the other record and preparation of the documents such as bills, accountancy rolls the work slips and calculation of the amounts due for the work done in the case of labour mate system, is in all probability done by the FCI. In the direct payment system, it is undertaken by the FCI. Thus, virtually there is no difference between the two systems of payment or work for all practical purposes, except that in the labour mate system, there is a stipulation that the contract would be signed by the nominee of the union. In reality, however, nothing as such is done.

31. On behalf of the union reliance was placed upon a judgement of the Madras High Court reported in 1985 1 LLJ (p. 492) where it was held that "if the workmen are not hired through a contractor holding a valid licence under the Act, he would be a workmen employed by the management itself". If the management was aware that contractor had no valid licence, the workmen would not be contract Labour within the meaning of S.2(2)b of the Act and if the management engaged the services of workmen and paid their wages through the contractor, the contractor will have no existence in the eye of law. It would thus lead to the position that there is but a direct relationship between the management and the workmen engaged through contractor. There is an implied contract of service between the workmen and the management.

32. In the present case also, as stated and as understood there is no written contract, nor is there a licence taken out by Wali Mohammed under the Contract Labour Act. The Corporation is fully aware of this. If, therefore, it was urged, knowing fully well that Wali Mohd. was not a licensee under the Contract Labour Act, the Corporation accepted him as a nominee of the union and person receiving payment on behalf of the workmen, who actually did work which work was calculated in terms of money in accordance with the rates fixed previously. The workmen become really workmen of the Corporation and none else.

33. For the Corporation, it was strenuously urged that the Corporation was in no way responsible either for obtaining results or the fulfilment of the contract or supervision from time to time and reviewing progress of the work of the workers. There is no evidence also, on the contrary that the workmen's work was supervised by Wali Mohd. He was himself one of the workmen and received the payment like others and was not a labour farming contractor. He did not undertake either by direct supervision or even by implication, and even as per the arrangement entered into by the Corporation and the union to get the work done from the workmen, which work was required by the Corporation. To my mind, it is difficult to call what was being done as a contract and prevailing even in the absence of a formal contract as such. It was nothing else, but an arrangement by the handling workmen carrying out the work assigned to them daily by the Corporation's officers at the depots and they were all paid at a particular rate for the actual work turned out by them. Individual record of earning of each of the workmen who was engaged on a particular type of work was to be maintained and his earnings quantified and commuted. He was to be paid and the Corporation even otherwise as a principal employer was responsible for seeing that such a person was paid his dues. If it was found that he was not so paid, then under the Contract Labour Act, as a principal employer, he would have been responsible for payment. Very little vestige therefore of a contractor, thwarting emergence of employer-employee relationship between the labour mate system workmen and the Corporation did not in fact exist. There does not seem to be any distinction and if some distinction was by microscopical examination to be discovered, there does not really appear much difference between the two systems, namely direct payment system and labour mate system. Consequently, the Corporation can not be said to be justified in not paying to the workmen under the labour mate system bonus for the years 1982-83 and 1983-84.

34. A reference was made to some of the decisions both by the union as well as the management, such as 1984-1 LLJ p. 459, 1982-1 LLJ p. 344 which say that equal pay for equal work must be paid. Presumably, it was felt that bonus being a part of pay, if direct payment system workers were entitled to receive it, there is no justifiable reason for denying it to the labour-mate system workers in whose case the same indicia were available.

35. A reference was also made to the 1978-11 LLJ p. 397 which lays down the criteria for determining the employer-employee relationship between two persons whether it exists.

36. In the view which I have taken of the terms of the reference in this case, I do not think any further elaboration or dealing with this case is necessary or called for.

37. The result is that the reference must be answered against the Corporation, and it must be held that the labour mate system workmen are entitled to be paid ex-gratia in lieu of bonus for the accounting years 1982-83 and 1983-84 on par

with the direct payment system employees.

38. Award accordingly.

R. D. TULPULÉ, Presiding Officer

[No. L-42011/3/85-D.V.]

HARI SINGH, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1986

का.प्र. 1231:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, भारत सरकार टंकप्रिंट, हैदराबाद, तथा सेक्यूरिटी प्रिंटिंग प्रेस, हैदराबाद के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पवाद को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रिय सरकार का 26-2-86 का प्राप्ति हुआ था।

New Delhi, the 14th March, 1986

S.O. 1231.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the industrial Tribunal Rankote, Hyderabad in respect of a complaint U/S 33A of the said Act filed by Shri the workmen of India Government Mint represented by Hyderabad Employees Union, against the management of India Government Mint and Security Press Hyderabad which was received by the Central Government on the 26th February, 1986.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL  
(CENTRAL) AT HYDERABAD

Dated this the 31st day of January, 1986.

Miscellaneous Petition No. 78 of 1985

in

Industrial Dispute No. 31 of 1985

BETWEEN

The Workmen of India Government Mint,  
Hyderabad represented by Hyderabad  
Mint Employees Union. ...Petitioners.

AND

1. The Management of India Government Mint, Hyderabad.
2. The Management of Security Printing Press, Hyderabad. ... Respondents.

APPEARANCES :

S/Sri G. Bikshapathy and G. C. Venkataswamy,  
Advocates for the Workmen.

Sri M. Panduranga Rao, standing counsel for  
Central Government for the Respondent.

AWARD

The workmen represented by Hyderabad Mint Employees' Union, Hyderabad, filed this complaint under Section 33(A) of the Industrial Disputes Act, 1947 stating that the (18) workmen who were working under second respondent on transfer-cum-deputation basis, were originally appointed under

1668 GI/85—C9

the 1st respondent. They were all holding permanent posts under the first respondent. All the workmen were making demands for retransfer to the parent department of the Government of India Mint. Since there was no response, the matter was taken up in conciliation and the Central Government have referred the matter for adjudication with the following terms their Order No. L-16011(1)/83-D.II(B), dated 19-12-1983.

"Whether the management of India Government Mint, Hyderabad and Security Printing Press, Hyderabad are justified in refusing to transfer 18 workmen whose names are mentioned in the annexure below from the Security Printing Press, Hyderabad to India Government Mint, Hyderabad. If not to what relief, the workmen are entitled?"

It is also submitted by the workmen that they have filed the claims statement in the Industrial Dispute No. 31/1983 pending before this Tribunal. The respondent managements have also filed their respective counters. (It is stated that) one of the contentions raised by the respondents was that retransfer at this stage would upset the situation and the following relevant portion is extracted below from the counter:—

"After number of employees joined the new establishment recruitment and promotion in Government of India Mint took place. The posts have been filled up and persons have been promoted. Now this would upset if the petitioners are sent back to the Government of India Mint."

The workmen raised various other contentions and submitted that during the pendency of the dispute the respondents have taken action which will have the effect of altering service conditions of the petitioners in dispute. According to the terms and conditions of the service of the petitioners in dispute, they are entitled to go back to their parent department i.e., India Government Mint and the very same issue is pending in I.D. No. 31/1983 before this Tribunal. It is further stated that during the pendency of such an Industrial Dispute, the respondents cannot in regard to any matter connected with the dispute alter to the prejudice of the workmen concerned in such dispute, the conditions of service applicable to them immediately before the commencement of such proceedings except with the prior permission of this Tribunal. It is stated that by making fresh appointments, the Mint authorities are blocking the way of petitioners for retransfer, thus their conditions of service have been altered to their detriment. They have also stated that the 1st respondent cannot appoint any new persons or fill up the vacant posts without the prior permission of this Tribunal. Thus the first respondent has clearly and deliberately violated the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, and therefore, the petitioners are constrained to file this application under Section 33-A of the Industrial Disputes Act. Raising various other contention the workmen prayed this Tribunal to adjudicate the

complaint as if it is a reference made by the Government and pass an award holding that the impugned action of the 1st respondent appointing mazdoors in the grade of Rs. 198-232 vide Order No. 1 dated 1-4-1985 as illegal and unjustified. They have also prayed to direct the first respondent not to make any further appointments pending disposal of the I.D. No. 31/83 on the file of this Tribunal.

Soon after the receipt of the petition in this Tribunal, it was registered as M.P. No. 78/85 and notice was issued to the respondents directing them to file their counters on 10-6-1985. From 10-6-1985 the petition was adjourned to 25-6-1985. On 25-6-1985 the standing counsel for the Central Government filed authorisation and sought extension of time for filing counters. Time was extended till 17-7-1985. On 17-7-1985 the respondents filed a common counter and the petition was posted for enquiry on 19-8-1985. From 19-8-1985 the petition was adjourned to 4-9-1985, from 4-9-1985 to 1-10-1985, from 1-10-1985 to 16-10-1985, from 16-10-1985 to 15-11-1985, from 15-11-1985 to 12-12-1985, from 12-12-1985 to 21-1-1986 and from 21-1-1986 to 31-1-1986. The respondents filed a common counter denying various allegations made by the petitioners. The respondents raised the contentions that the petition under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, is not maintainable. Since the petitioners are not concerned workmen they prayed this Tribunal to dismiss this petition. Various other contentions were also raised by the respondents. During the pendency of this petition this Tribunal submitted its award in I.D. No. 31/83 dated 29-12-1985 to the Central Government, and the same has been ordered to be published. This Tribunal by the award dated 29-11-1985 held that though the reference is perfectly in order and maintainable the management of India Government Mint, Hyderabad and Security Printing Press, Hyderabad are perfectly justified in refusing to transfer the 18 workmen mentioned in the reference from the Security Printing Press to the India Government Mint, and they are not entitled to any relief in the above reference. Since this Tribunal has upheld the contention raised by the respondents this petition becomes infructuous. I hold that the petitioners are not entitled to any relief in this petition and an award is passed accordingly.

Dictated to Steno-typist, transcribed by him, corrected by me given under my hand and the seal of this Tribunal this the 31st day of January, 1986.

Sd/-

Industrial Tribunal

Appendix of Evidence

NIL

Dated : 12-2-1986.

J. VENUGOPALA RAO, Industrial Tribunal

[No. L-16011/1/83-D.II(B)]

का.प्रा. 1232:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, एक शिकायत जो कि 33-ए के तहत की गई है तथा पश्चिमी रेलवे के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निर्दिष्ट

औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, अहमदाबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1232.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad in respect of a complaint under Section 33A of the said Act filed by Shri Dayachand Hukumchand and seven others against the management of Western Railway which was received by the Central Government on the 26th February, 1986.

BEFORE SHRI G. S. BAROT, INDUSTRIAL TRIBUNAL, GUJARAT

Complaint (ITC) No. 2 of 1981

IN

Reference (ITC) No. 13 of 1981

Shri Dayachand Hukumchand and 7 others.  
C/o. Western Railway Workers Union,  
Ahmedabad. ...Complainants.

Versus

1. The Deputy Chief Engineer,  
Western Railway Engineering Workshop,  
Sabarnati, Ahmedabad.
2. The Executive Engineer (Construction),  
Western Railway, Viramgam, Okha Project,  
... Respondents.

In the matter of a complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

AWARD

This is a complaint under Section 33-A of the Industrial Disputes Act, 1947, against the Order of the Respondent No. 2 transferring them from Surendranagar to Jaipur and thereby contravening the provisions of Section 33 of the Act during the pendency of Reference (ITC) No. 13 of 1981.

2. However, before the complaint can be heard and finally disposed of, Shri J. S. Parashar for the complainants has given the purshis Ex. 15 wherein it is stated that the complaints do not want to pursue the present complaint and beg to withdraw the same. The complaint is, therefore disposed of as withdrawn. No order as to costs.

Ahmedabad, 13th January, 1986.

G. S. BAROT, Presiding Officer

[No. L-41011/7/80-D.II(B)]

HARI SINGH, Desk Officer.

नई दिल्ली, 6 मार्च, 1986

का. प्रा. 1233.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जवतपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 26-2-86 को प्राप्त हुआ था।



New Delhi, the 6th March, 1986

S.O. 1233.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 26th February, 1986.

BEFORE SHRI V. S. YADAV, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-  
LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(41)/1986

**PARTIES :**

Employers in relation to the management of State Bank of India, Regional Office, Marhatal, Jabalpur and their workman, Ashwini Kumar Mishra, Ex-temporary messenger represented through the Secretary, State Bank of India Employees' Union (Bhopal Circle) 13 State Bank Officers' Colony Laxmipur, Jabalpur (M.P.).

**APPEARANCES :**

For Workman—Shri S. K. Rao, Advocate.

For Management—Shri G. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY : Banking DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

**AWARD**

Dated : February 21, 1986

In exercise of the powers conferred by Clause (d) of Sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute, for adjudication, vide Notification No. L-12012/211/84-D.II(A) dated 28th May, 1985:—

“Whether the action of the State Bank of India in terminating the services of Shri Ashwini Kumar Mishra, Ex-temporary messenger with effect from 29-2-84 and not considering him also for further employment while engaging fresh hands and also retaining in service persons junior to him is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

2. Facts which are not very much disputed are that the workman Shri Ashwini Kumar Mishra was employed as a temporary messenger at various branches from 16-10-1981 to 29-2-1984 and on the last date i.e. 20-2-1984 his services were dispensed with. The workman, therefore, raised an Industrial dispute before the Assistant Labour Commissioner (Central) Jabalpur. Hence this reference.

3. The case of the workman is that he was employed by the State Bank of India during the aforesaid period from time to time at Jabalpur, Bhedaghat, Jawaharganj, Lamta, Adhartal and Deogaon branches. The management discontinued his employment by striking his name of the rolls, without complying with the provisions of Sastry Award para 522(4) and Section 25F of the Industrial Disputes Act and against the pronouncements made by the Supreme Court in various authorities mentioned therein in spite of the fact that he had completed more than 240 days service within the meaning of Sec. 25F of I.D. Act. He be therefore reinstated with full back wages.

4. The case of the management is that hierarchy of the Bank management is —

- Central Office in Bombay;
- Local Head Offices at various places; for M.P. it is situated at Bhopal;
- Chief Regional Managers;
- Branch Managers,

Recruitment of clerical and other subordinate staff is done by the Regional Recruitment Board. The power to appoint subordinate staff (temporary) is given to the Branch Managers

and they are empowered only to appoint persons on daily wages, temporarily but not permanently or for a period not exceeding 90 days at a stretch.

5. The workman, Shri Ashwini Kumar Mishra, was engaged as a Messenger purely on temporary basis by the different branch Managers during the period mentioned below (correct period was submitted before the Asstt. Labour Commissioner which is also not disputed by the workman, hence it is reproduced below :—

|                    |                      |
|--------------------|----------------------|
| Jabalpur Br        | 16-10-81 to 15-12-81 |
| Bhedaghat          | 29-12-81 to 18-1-82  |
| Jawaharganj Ev. B. | 5-5-82 to 3-8-82     |
| Lamta              | 20-1-83 to 9-5-83    |
| Adhartal I.E.      | 22-7-83 to 22-10-83  |
| Deogaon V.B.       | 24-11-83 to 29-2-84  |

6. Thus it is crystal clear that he was employed at the above mentioned branches for temporary period for a particular tenure. As the Branch Managers were different at these places the employers were different each time, neither there was one employer nor was the employment continued. As such the period of employment at one branch cannot be clubbed with that of other branches where he was subsequently employed. He himself mentioned in his application made to the Branch Manager Deogaon dated 28-11-83 that he had not worked anywhere in the Bank prior to the date of application. As such the provisions of Sastry Award or Sec. 25F of the I.D. Act and the various authorities relied on by the workman do not apply as he has not actually worked for 240 days or more with one employer.

7. The management has filed the copy of his appointment letters dated 16-10-1981, dated 1-12-1983, application of the workman for temporary appointment to Deogaon Branch dated 28-11-83 and photo copy of particulars of payment made by various branches to the workman. The workman adduced no evidence in support of his contention that he worked continuously during the period from 16-10-1981 to 29-2-1984. He has also not challenged or rebutted the pleading and the documents of the management. In view of these facts the crucial question for determination is whether the workman will be deemed to have worked for one employer in view of the fact that the Branches of the Bank in which he worked were under the management and the control of the State Bank of India.

8. In this connection, on behalf of the Bank a judgment of this Court by my learned predecessor Justice Shri K. K. Dube dated 31-1-1985 in case no. CGIT/LC(A)(36)/83 has been relied on where my learned predecessor laid down that workman cannot be said to be under the same employer when he worked in two different branches. The recruitment in the Bank is governed by certain set of rules. Appointments on temporary nature are contemplated in para 20.7 of the Sastry Award but in the instant case he would not come in the category of appointment contemplated in the Sastry Award. The power given to appoint for such a work was given to the Manager or the Officer-in-charge of the Branch. Therefore when the workman employed by one branch he cannot be said to be the servant of the other branch. I am in respectful agreement with my learned predecessor.

9. In this connection, it is pertinent to note that in the instant case the workman had not even worked continuously from one branch to the other. In Jabalpur Civil Lines Branch he worked for 60 days upto 15-12-1981. Thereafter he took appointment at Bhedaghat on 29-12-1981 where he worked for only 21 days. Similarly after lapse of few months he worked for 90 days at Jawaharganj upto 3-8-82. At Lamta Branch after lapse of couple of months he worked for 110 days from 21-1-83 to 9-5-83. At Adhartal Branch he got employment on 22-7-83 and worked for 93 days. At Deogaon Branch which was the last he worked from 24-11-83 to 29-2-84 for 98 days. The contention of the workman is that at least from the date of his termination i.e. 29-2-1984 in the preceding 12 months with a single break he at least worked for more than 240 days, therefore it will amount to retrenchment within the meaning of Section 2(oo) and since his services were terminated without notice and without complying with the provisions of Sec. 25F of I.D. Act he is entitled to reinstatement as has been laid down in AIR 1977 SC. 31 and AIR 1984 SC 500 with full back wages.

10. I am unable to accept this contention in view of the fact that for this period he did not work under the same employer. His services during this period were with two different employers. It is not intended by the workman that his services in the Ashwini Branch should also be counted with the Deogaon Branch service he would have disclosed in his application dated 28-11-83 his previous service record but instead of doing this he misled the Deogaon Manager and gave wrong information in his application that he has not worked before any other Bank in the last preceding 12 months. Thus he cannot be allowed to blow hot and cold in the same breath. His appointment in different branches was temporary and for special period as is apparent from the appointment orders dated 16-10-81 and 1-12-83. These appointments were made by the Branch Managers and not by the Regional Manager or the Regional Committee who were only empowered to appoint on permanent post. In view of these facts it cannot be said that the State Bank of India was the employer. As such even para 522(4) of the Sastri Award does not help his case.

11. The workman adduced no evidence that he has not been considered for further employment and persons junior to him had been retained. In any case since he was not working continuously in any one particular branch these factors are not relevant for the purpose of deciding his reference.

12. In the result the reference is answered as under:—

That the action of the management of State Bank of India, Deogaon Branch, in terminating the service of Shri Ashwini Kumar Mishra, Ex-temporary messenger with effect from 29-2-84 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. S. YADAV, Presiding Officer.  
[No. L-12012/211/84-D.II(A)]

का. प्रा. 1234.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधक से सम्बद्ध नियंत्रकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुसूच में विद्युत् औद्योगिक विवाद से केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, कानपुर के पचाट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1234.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (44 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India, Kanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SHRIVASTAVA, PRESIDING  
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL  
TRIBUNAL CUM LABOUR COURT KANPUR

Industrial Dispute No. 159/1981

Reference No. L-12012/37/81-D.II(A) dt. 18th Dec., 1981  
In the matter of dispute between :

Shri S. K. Dubey, son of Shri Nck Ram Dewedi, Village  
and Post Agous District Farrukhabad, Uttar  
Pradesh.

AND

The Regional Manager, State Bank of India, Region No. 2  
The Mall, Kanpur (U.P.)

APPEARANCE :

Shri G. N. Mishra representative for the Management.  
Shri A. S. Saxena representative for the Workman.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/37/81-D.II(A), dt. 18th December, 1981, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal;

Whether the action of the management of State Bank Of India, in relation their IT Kanpur Branch in discharging Shri S. K. Dubey, Agriculture Asst. from 20-9-1980 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?

2. It is common ground that the workman was working as Agriculture Assistant in the Management bank at the relevant time i.e. the date of termination (20-9-1980), at the I. I. T. Branch at Kanpur. The workman was served with a charge sheet on 17-1-1979, first charge of which was that he accepted Rs. 100/- from each of the prospective borrowers promoting them for loan for purchase of buffaloes and the second charge was that he was absent from duty after marking attendance fraudulently in the attendance register without submitting leave application. The workman submitted explanations to the charge sheet on 17-1-79 denying the charges, and as the explanation was found unsatisfactory by the disciplinary authority the enquiry on the charges proceeded and that the enquiry officer after conducting the enquiry on 20th August, 1979, and affording the workman full opportunity therein to contest, submitted his enquiry report on 25-9-1979. The Disciplinary Authority after considering the enquiry report, consider it proper to discharge the services of the workman w.e.f. 31st December, 1979, in terms of para 521(10)(C) of the Sastri Award, and the workman was given one month's salary and allowances in lieu of notice.

3. It is admitted that the workman after the discharge from the bank submitted a representation on 22-1-1980 alongwith affidavit of four complainant who were examined in the enquiry proceeding in respect of the first charge against the workman repudiating their own statement which was considered and rejected. The workman preferred an appeal against the discharge order treating it to be a punishment which was considered by the appellate authority and the appellate authority, however, ordered that the workman should have been paid retrenchment compensation under section 25F of the act which was subsequently paid.

4. Para 521(10)(C) of the Sastri Award reads as follows :

In awarding punishment by way of disciplinary action, the authority concerned shall take into account the gravity of the misconduct, previous record if any, of the employee and any other aggravating or extenuating circumstances that may exist. Where sufficient extenuating circumstances exist, the misconduct may be condoned and in case such misconduct is that of grave type he may be merely discharged with or without notice or a payment of a months pay and allowances in lieu of notice. Such discharge may also be given where the evidence is found to be insufficient to sustain the charge and where the bank does not for some reason or other think it expedient to retain the employee in question any longer in service. Discharge in such cases shall not be deemed amount to disciplinary action.

5. The very fact that the workman has been discharged under above said para of the Sastri Award, it appears that sufficiently extenuating circumstances existed. Such discharge can also be given where evidence is found to be insufficient to sustain the charge. The disciplinary authority in its discharge order dt. 31-12-79, copy of which is on record, shows that the enquiry proceedings and findings of the enquiry officer was considered and both the charges were grave and warranted dismissal yet having regard to the young age and past record of service I have decided to condone your misconduct discharge you from the bank service. The question of condoning of misconduct under above said para comes only where sufficiently extenuating circumstances exist, he consequently ordered discharge by tendering one months salary through cheque in lieu of notice.

6. Admittedly the workman was a permanent employee of the management and his discharge under the above said para amounted to retrenchment and in that event he should have been paid retrenchment compensation under section 25 F of the I. D. Act alongwith the discharge order and cheque of one months pay. The appellate authority well noticed this lacuna and ordered payment of retrenchment compensation, which was complied later.



7. The question arises whether that payment of retrenchment compensation later would rectify the misconduct or rigour the law being there retrenchment not accompanied by retrenchment compensation would be void abinitio, relegating the workman to his original position by way of reinstatement. I am afraid the subsequent payment of retrenchment compensation will not condone the legal defect. The matter might have been otherwise had workman punished on the ground of proved misconduct.

8. It appears that the Punishing Authority had received four sworn affidavits of witnesses namely S/Shri Gurdial, Bahadur, Gangaram and Nangoo, who had testified before the enquiry officer and who resiled from their earlier statement in their subsequently sworn affidavit, thus the Disciplinary Authority has rightly took recourse to the provision of para 521 (10)(C) of the Sastri Award, but the order without paying him retrenchment compensation alongwith one months notice would be illegal and void abinitio in law.

9. In these circumstances, the order of discharge being illegal he is entitled to be reinstated in service with full back wages.

10. I, therefore, hold that the action of the Management, State Bank Of India, in relation to their IIT Kanpur Branch in discharging Shri S. K. Dubey Agriculture Assistant from 20-9-80 is not Justified and the workman is entitled to be reinstated back in service with full back wages.

11. I, accordingly answer the reference.

12. Let six copies of this Award be sent to the Government for publication.

Dt. 13-2-85

R. B. SHRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012(37)|81-D.II(A)]

का. ग्रा. 1235.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, इलाहाबाद बैंक के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1235.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Reference No. L-12012/136/81-D-II(A) dated 2-12-1981

Industrial Dispute No. 186 of 1981

In the matter of dispute

BETWEEN

Shri Baboo Singh C/o The Assistant General Secretary,  
UPBEU 36/1, Kailash Mandir, Kanpur.

AND

The Regional Manager, Allahabad Bank. The Mall,  
Kanpur.

APPEARANCE:

Shri V. N. Sekhari—for the workman.

Shri M. K. Verma and Shri Rajeev—for the Management.

## AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/136/81-D-II(A) dated 2nd December, 1981 has referred the following dispute for adjudication to this tribunal:

Whether the action of the management of Allahabad Bank in terminating the services of Shri Baboo Singh Caretaker from 17th December, 1980 is justified? If not to what relief is the workman concerned entitled?

2. The case of the workman is that he was appointed as caretaker by the opposite party on 3rd December, 1971 to watch the bank's godown M/s. Northern India Oil Industries Limited, Kanpur, on Rs. 600 as monthly pay. Three persons namely S/Shri Uma Shanker Misra, Paras Nath Yadav and Raja Ram Singh were also working under care of Shri Baboo Singh. The services of the workman were suddenly brought to an end on 18th December, 1980 without payment of retrenchment benefit violating the provision of section 25F of the Act. The above named three persons junior to the workman were allowed to continue and eventually absorbed also whereas the services of the workman were terminated without complying with the mandatory provisions of the act and management has also breached the rules 77 and 78 of the ID (Central) rules. It is further pleaded that the services of the workman were terminated during the course of conciliation proceedings before the Assistant Labour Commissioner (Central) Kanpur violating the provisions of section 33(1) of the Act. In the end the workman has prayed that he be reinstated in service with full back wages and other related benefits.

3. The management bank in the instant case filed its reply to the application of the workman alleging that the dispute has not been espoused and sponsored by the union, that no demand notice has been served upon the management before initiating the proceedings and on merits it is alleged by the management the workman was engaged on contractual basis exclusively to arrange for guarding premises of M/s. Northern India Oil Industries Limited Kanpur 'Under liquidation' round the clock. Management has denied that S/Shri Uma Shanker, Paras Nath and Raja Ram Singh were working exclusively for M/s. Northern India Oil Industries, Kanpur and were paid from the special suspense account of the said company. The management has further alleged that the workman was engaged exclusively to arrange for guarding the premises of M/s. Northern India Oil Industries Kanpur, and the moment the property of the said company was disposed off his contract as such came to an end itself. It is further alleged that the other concerned as named by the workman were absorbed in service on separate ground and lastly it is alleged that the workman is not entitled to get any relief.

4. In the instant case 17th June, 1985 was fixed for filing rejoinder and on the same date parties representatives were present and the representative for the management stated that the management wants to file agreement in the case hence the time be allowed to him. The case was ordered to be put on 28th June, 1985 for filing the same failing which no further time shall be given in the case. On 28th June, 1985 parties requested for time which was allowed fixing 12th July, 1985 for filing settlement in the case.

5. On 12th July, 1985 again management moved application for time to which opposite party has not raised objection which was ultimately allowed and 31st July, 1985 was fixed in the case to file the settlement. On 31st July, 1985 representative for the workman present and none appeared for the management and workman filed rejoinder and 13th August, 1985 fixed for management affidavit evidence and document. Later Shri M. K. Verma appeared and sought time to file compromise in the case to which workman has no objection and the same was allowed fixing 30th August, 1985 for filing compromise. On 30th August, 1985 representative for the workman did not appear and management filed compromise verifying the contents of the same. The settlement is duly verified by the workman and by the management also. It was ordered on 30th August, 1985 that an award be sent to the government in terms of agreement dated 30th August, 1985. The terms of the agreement dated 30th August 1985 is as under:

1. It is agreed that the workman concerned Shri Babu Singh will be absorbed with prospective date hereafter in the permanent cadre of peon-cum-Farrash in terms of settlement dated 13th May, 1982 arrived at with All India Allahabad Bank Employees Coordination Committee.
2. It is further agreed that the workman concerned said Sri Babu Singh voluntarily relinquishes his claim of back wages and/or benefits.
3. It is further agreed that the said Sri Babu Singh will be absorbed as aforesaid within fifteen days of this settlement.
4. Thus this fully and finally resolves the entire matter of dispute under reference.
6. Thus in view of the above, settlement dated 30th August, 1985 duly verified and signed by the parties concerned I, hereby give my award in the light of the same.
7. I, therefore, give my award accordingly.
8. Let six copies of this award be sent to the government for publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012/136/81-D.II(A)]

का. घा. 1236.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 25-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1236.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India, Kanpur and their workmen, which was received by the Central Government on the 25th February, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-  
LABOUR COURT, KANPUR

Ref. No. L-12012/245/84/D-II(A) dt. 8-7-85

I.D. No. 254/85

In the matter of Dispute between

Shri Dan Bahadur Rana C/o the Secretary U.P. Bank Employees Federation, 26/1C4 Birhana Road, Kanpur.

AND

The Chief Regional Manager, State Bank of India, The Mall, Kanpur.

APPEARANCE :

Shri Vijay Man Singh—for the Management.

Shri V. N. Sekhri—for the workman.

AWARD

1. The Central Govt. Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/245/84-D-II(A) dated 8-7-85, has referred the following Dispute for Adjudication to this Tribunal.

"Whether the action of the management of State Bank of India in relation to their branch at Cantonment Kanpur in terminating the service of Shri Dan Bahadur Rana, temporary guard with effect from 2-5-84 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The case of the workman that the workman was appointed by the management on 8-1-79 and worked for over

932 days as armed guard, and that on 2-5-84 all of sudden the Branch Manager Cantt. Branch Kanpur terminated the services of the workman without assigning any reason or justification. It is further alleged that the petitioner was working against the permanent vacancy and was performing the duties of permanent nature, and that the juniors were retained in service after the termination of the workman and fresh hands were also appointed by the management and that the workman was not offered re-employment by the Bank management. The workman had completed more than 240 days of work in one calendar year prior to his termination as he completed 275 days continuous work between the period June 83 to 1-5-84 and on the court it is alleged that the termination was illegal in view of provision under section 25-B of the Act. That the workman was neither given any termination letter nor appointment letter, notice pay and also retrenchment compensation was not paid and thus the Bank has violated the provisions of Section 25G, H and F of the I.D. Act and as such the termination is void ab initio. The termination was called illegal on the count that the management has contravened the mandatory provisions of the relevant paras of the Shastri Award such as paras 493, 495, 507, 516, 518, 522 and 524 of Shastri Award. It is further averred by the workman that the termination of the services was against the principles of natural justice and is also violation of the article 14 and 16 of the Indian Constitution. The workman is not in employment since his termination and lastly it is prayed that the workman is entitled to be reinstated in service with full back wages and other relative benefits.

3. Management moved an application dated 6-8-85 alleging that the workman's representative has not furnished them copy of claim statement and the applicant be directed to furnish them a copy of the statement of claim to answer all material questions relating to the said dispute and since then the case was lingering on one pretext or the other. On 8-1-86 management moved an application for time to file Written statement in this case which was allowed on payment of Rs. 30 as cost and 7-2-86 was fixed for W.S. On 7-2-86 parties representative present and parties filed settlement in this case requesting that the case be decided in terms of settlement dt. 7-2-85 which was duly signed and verified by the counsel of the parties. The terms of settlement dated 7-2-86 reads as follows :—

- (i) The workman shall be re-employed by way fresh permanent appointment and not by way reinstatement.
- (ii) The workman shall not be entitled to receive any benefit either for the post temporary service rendered by him or for the intervening period till the date of appointment and that the workman shall give in written an undertaking to this effect.
- (iii) That since the workman was found unsuitable for appointment as the bank guard in an interview conducted by Bank he shall be appointed in the Sub Staff other than as a guard.

I, therefore, taking into consideration the request of the parties and terms of settlement give my award accordingly. I further hold that the management will employ the workman in the light of settlement filed on 7-2-86 in this Tribunal.

I, therefore give my award accordingly.

Let six copies of this award be sent to the Govt. for publication.

Dated 20-2-86

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012/245/84-D.II(A)]

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

का. घा. 1237.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-2-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 7th March, 1986

S.O. 1237.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-  
CUM-LABOUR COURT, KANPUR

Dated, the 18th December, 1981

[L-12012/160/81, D-II(A)]

Industrial Dispute No. 197 of 1981

In the matter of dispute

BETWEEN

Shri Radhey Shyam Singh Chauhan, 1/82 Talayalane,  
Fatehgarh Uttar Pradesh.

AND

The Regional Manager, Region No. 2, State Bank of  
India, The Mall, Kanpur, Uttar Pradesh).

APPEARANCES :

Shri Shri Vijaijan Singh, representative for the Manage-  
ment & Shri Gyanendra Singh for the Workman.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/160/81, D. II(A), dt 18th December, 1981, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal.

Whether the action of the Management of State Bank of India, in relation to their Fatehgarh Branch, in dismissing from service Shri Radhey Shyam Singh Chauhan Clerk from 13-10-1980, is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. It is common ground that the workman was working with the management as clerk at its Fatehgarh branch and his services were terminated w.e.f. 13-10-80. The workman was suspended on 25-1-1980, and was served with a charge sheet on 18-6-1980, to which he submitted reply after inspecting the relevant records on 9-8-80 and an enquiry on the charge sheet was conducted by the enquiry officer on 30-9-80 by Shri A. A. Husain, Enquiry Officer at management's Fatehgarh branch. The management examined witnesses during the enquiry proceedings, who were cross examined on behalf of the workman. The workman was given opportunity to give his evidence, but the representative for the workman stated that he has not to give any documentary or oral evidence in defence and only stated that would submit his defence argument on 5th October, 1980. Thereafter, the enquiry proceedings were concluded, but neither the workman nor his representative submitted any defence argument as desired by them. The enquiry office submitted his report on 7th October, 1980.

3. The Disciplinary Authority thereupon made his order dated 13th October, 1980 ordering that on the basis of enquiry report he is satisfied and has decided that the workman be dismissed from service without notice but before taking final decision, 7 days time was given to the workman to make his submission against the proposed punishment. The workman did show cause vide letter dated 6-11-1980 which was considered by the Disciplinary Authority and he did not consider it proper to revise his tentative order dt. 13-10-1980 and consequently confirmed the punishment that the employee be dismissed from service without notice.

4. It is averred in the claim statement that the statement of the applicants witnesses was not taken by the enquiry officer neither a date was given for the same and

the entire enquiry concluded in a day between 2 pm to 8 pm. He has contested his claim that he was charge sheeted six months after his suspension on 25-1-1980 during which details were fabricated for the charge sheet; that as his defence witnesses were not recorded and his memorandum in this respect was turned down; that the enquiry was not fair and proper and violates the principle of natural justice that the findings of the enquiry officer are perverse and that the applicant was not given a chance to cross examine the prosecution witnesses. In these circumstances it is prayed that the order of termination be struck down as illegal and the workman be reinstated with full back wages.

5. The management in its written statement has averred that on account of acts of misconduct committed by the workman it became unavoidable and necessary to hold a detailed departmental enquiry into acts of grounds perpetrated in saving bank's account of various depositors and pending detailed enquiry it was not considered expedient to allow him to continue to work in the branch consequently he was placed under suspension w.e.f. 25-1-1980. That during enquiry one Shri N. K. Paliwal representative of the workman cross examined all the witnesses examined by the management in support of the charges levelled against the workman and after close of the evidence of the management, the workman representative himself desired not to produce any oral or documentary evidence in defence, consequently the enquiry was closed. He did not submit any defence argument on 5th October, 1980 the date taken for the same. The enquiry officer, thereafter submitted his findings.

6. The appellant did not file any appeal against the termination order. It is averred that the departmental enquiry conducted by the enquiry officer was quite fair, proper, legal and in accordance with the principle of natural justice.

7. It has been argued by the counsel for the defence that the enquiry was not conducted in good faith and was not fair and proper and principle of natural justice were not observed which all resulted in victimization the workman by terminating his services. The workman himself appeared in the witness box and in cross examination admitted that Shri Paliwal was working as his defence representative in the enquiry and on 30-9-80 he adduced evidence. He further admitted that in the enquiry witnesses were produced and they were cross examined by Mr. Paliwal on his behalf and that on every page of enquiry he and Mr. Paliwal have signed. He has further admitted that he was not allowed full opportunity of defence and that Shri Paliwal has stated on his behalf that he has not to adduce any defence witnesses. He admitted that as a matter of fact his representative has told the enquiry officer to file document till 5th Oct. 1980 and had not demanded time to produce oral evidence till 5-10-80. He further admitted that he did not given any application to the enquiry officer that my defence was not taken as on the thought that the enquiry will continue. The enquiry officer did not call for defence after the prosecution evidence was over on 30-9-80. He admits that no application was given on their behalf to produce defence. He goes on to depose that he was not allowed to give evidence in defence till 5-10-80 but was only asked to give brief of defence. He has further admitted that the representative did not give brief on that day. He admits that on 9-10-80 he gave a supplementary reply to the charge sheet after inspecting records and in the end he admitted that he did not file any appeal against the order of dismissal.

8. In view of the above admissions it does not lie in the mouth of the workman to say that he was not allowed opportunity to give defence.

9. The records of the enquiry proceedings filed in the case show that the defence representative did cross examined, the management's representing officer and four witnesses examined by them. In all four witnesses who were examined on behalf of the management of whom P.W. 4 is Smt. Sushila Devi, it is mentioned at page no. 6 that examination and cross examination of P.W. 4 Smt. Sushila Devi

is attached herewith. This shows that till then cross examination and examination of all prosecution witnesses had taken place. The defence counsel has also cross examined the presenting officer and after all this the enquiry officer asked question to the workman and the enquiry officer put all the question to the workman which required his explanation and his reply to which the workman did reply. The proceedings after question put to him and his reply is signed by defence representative and the workman himself. If the workman wanted to cross examine more person in defence he should have mentioned it then and there or should have moved an application showing his intention clearly to give defence. The enquiry officer in his finding dated 7th October, 1980 has mentioned at the end that the defence brief which was to be submitted by 5th October has not been submitted till date. When the workman admits that he was allowed time till 5-10-80 to give brief defence as corroborated from the enquiry report it does not appeal to reason that he was not allowed opportunity to give defence. If he wanted to examine any one or file any document he could have done so after the close of the management witnesses and should have examined on 30th September, 80 or atleast moved an application that day. Taking the worst he had opportunity till 5-10-80 and could have moved an application that he wanted to give defence besides defence brief if any, thus this having not been done, I am not inclined to believe the workman that he was not allowed opportunity to give defence.

10. On the point of good faith also, the counsel for the workman has argued that copies of documents have not given to the workman before the evidence to enable him to cross examine effectively. The workman representative should have moved an application before the enquiry officer as required particular document for effective cross examination. Further as admitted by the workman himself all relevant document were given to him and it was after perusing the relevant documents that he gave his detailed supplementary reply on 9th August, 1980 copy of which is on record.

11. It is further argued that the entire enquiry proceeded and concluded in one day which shows that the prosecution was in great hurry and haste to punish the workman. I do not agree with this contention of the representative for the workman, the crux of the matter is whether any prejudice was caused to the workman. It is true that after enquiry hurriedly concluded in a day without affording opportunity for defence it could be said that the enquiry was not fair as no reasonable opportunity was given to the workman to give his defence. In the instant case no doubt the enquiry concluded in one day but the workman was allowed full opportunity to cross examine the witnesses and was allowed time till 5-10-80 to file defence brief. He had opportunity till 5-10-80 to bring anything alongwith the defence brief if there was some cogent defence available. Thus it can not be said that no opportunity was given to the workman for defence.

12. It is also true that Smt. Bitta Devi did not appear in the witness box but the workman has made certain admissions regarding the discrepancy between the pass book of Smt. Bitta Devi and the entries in the ledger in her account and gave an explanation for the same. Thus he had done after perusing the account of the Smt. Bitta Devi and submitted his supplementary reply on 9-8-80 and stated about that before the enquiry officer on question put to him.

13. Now coming to the point whether the findings of the enquiry officer is perverse. I have gone through the same minutely and in detail and am of the opinion that the same can not be called to be perverse. It is true that for checking the averments made by Smt. Sushila Devi P.W. 4, the pass book is not there on record and it would not be safe to rely on her bald testimony that she did not deposit the amount of Ext. P-16 on 2-11-79 and was prepared later on the paying slip on which signatures of Sushila Devi PW 4 were obtained. Similarly the same arguments applies to Ext. P-15 that the same was not deposited by her on 30-10-79, but the pass book and ledger were available in

the case of Smt. Bitta Devi. No doubt Smt. Bitta Devi did not appear in the witness box to corroborate her stand or prove her application but the two relevant documents were there namely (i) original pass book of Smt. Bitta Devi Ext-P-16 and (ii) bank's ledger extract of which is Ext. P-11.

14. The workman submitted his reply after seeing the two and he had full opportunity to peruse the same at the time of enquiry and did make a statement reconciling the two. He admitted to the enquiry officer that he had put in about 10½ years service in the bank and that it was not regular to record entries in the pass book on the strength of voucher's counter foils alone. The workman admitted in his reply to the charge sheet dt. 30-7-80 that he recorded the entries in the pass book of Smt. Bitta Devi on the strength of counter foils alone, the enquiry officer asked him why he did not make the corresponding entry in the ledger account also to this the workman replied that he did not record the transaction in the ledger whereas he thought that it would be done on the strength of voucher from cash department less transaction should not be recorded twice. There was no question of recording transaction twice had he made the entry in the ledger in that date, the same could have been checked when the original vouchers would have been put up for subsequent balancing. The workman had admitted that all the entries in the pass book Ext. P-1 to Ext.-P-10 were in his hand and were also authenticated by him and the deposit entry of Rs. 500 in the ledger account copy of which is ext. P-11 is also in his hand. He has admitted that keeping in view the customers service only on the strength of counter foils of the cash paying slip he made the entries in the pass book. A comparison of the two i.e., Ext. P-10 and P-11 shows that the entries in the pass book made on 18-7-79, 1-8-79, 5-8-79 and 17-11-79 of amounts Rs. 1500, 1200, 400 and 400 respectively which are not entered in the ledger. Believing to their witness on that point that it was the practice of the workman to accept money, authenticated the receipt in the pass book and hand over the same. It is amply clear that the workman did receive those amount made entries in the pass book of Smt. Bitta Devi also and handed over the same without making entry in the corresponding ledger and brought the money so given to him to his own use. The workman should not have made the entries in the pass book and authenticated them simply on the basis of counter foils without verifying it from the voucher whether the entries had been made in the ledger or not. His explanation that he had left entry in the ledger to be made on the basis of original deposit voucher does not appeal to reason and is against the normal procedure adopted in the banking industry. The workman has admitted that entry in the pass book merely on the strength of the counter foil of voucher is not regular.

15. Thus I do not find any perversity in the finding of the enquiry officer who after believing the witnesses examined regarding the modus operandi of the workman finding discrepancy on the entries of pass book and ledger in the case of Smt. Bitta Devi came to the conclusion that the workman is guilty of the charge of embezzlement and so far it relate to the case of atleast Smt. Bitta Devi Chauhan.

16. The workman was given opportunity to show cause against the proposed punishment of dismissal which having not been given the proposed punishment was confirmed by the Disciplinary Authority subsequently.

17. Lastly coming to the point whether the workman was punished by the appointing authority by way of dismissal, the question falls into insignificance as the same was not raised at the earliest opportunity, moreover, in view of the para 19.14 of the Bipartite Settlement it is the head office or the principal office which decides which officer shall be empowered to hold enquiry and take disciplinary action case of each office or establishment and on that count it is not necessary that the punishment order should have been passed by the same officer or equivalent officer who appointed him. What is required is that it should have been done in consequence of para 19.14 of the Bipartite Settlement.

18. Thus in the circumstances of the case and in view of the observation made above, I hold that the action of the management of State Bank of India in relation to their Fatehgarh Branch in dismission from service Shri Radhey Shyam Singh Chauhan Clerk, w.e.f. 13-10-1980, is justified.

19. The result is that the workman is not entitled to get any relief as proved.

I, therefore, give my award accordingly.

21. Let six copies of this award be sent to the government of publication.

Dated : 14-2-1986

R. D. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/160/81-D. II (A)]

का. आ. 1238.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-2-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1238.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Govt. Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Bank of Bikaner & Jaipur and their workmen which was received by the Central Government on the 24th February, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL  
CUM LABOUR COURT KANPUR

Reference No. L12012/212/81-D.II(A) Dt. 19-3-1982

INDUSTRIAL DISPUTE NO.92/1983

In the matter of dispute between;

Shri Khema Nand Joshi C/o The Asstt. General Secretary OPBEU, 36/1, Kailash Mandir, Kanpur.

And

The Manager State Bank of Bikaner & Jaipur Birhana Road, Kanpur.

APPEARANCE :

None—for the workman.

Shri T. N. Tondon—for the management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/212/81-D.II(A), dt. 19th March, 1982, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal:

Whether the action of the Management of State Bank of Bikaner & Jaipur in relation to their Bishana Road Branch, Kanpur in not providing employment to Shri Khema Nand Joshi clerk after 8-3-79 and terminating his services is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. The case of the workman is that he joined the services of the management bank on 19-12-1978 as clerk and his services were terminated on 8-3-79 without issuing any termination letter. It is further alleged that the workman was also not issued appointment letter and this violates the provisions of paras 516.495 and 522 of the Bipartite settlement. It is further pleaded by the workman that he was appointed against a permanent post yet his services were terminated and new hands were appointed which is an unfair labour practice on the part of the bank management. Further it is alleged that when the services of the workman were terminated he should have been given an opportunity for re-employment but the opportunity was denied by the management violating the provisions of section 25H of the ID Act. Lastly it is prayed by the workman that he be reinstated in management's service with full back wages.

3. The bank Management contested the claim of the 1668GI/85—30

petitioner on the ground (preliminary) that the reference is not maintainable and the Tribunal has no jurisdiction, that the workman in question had not completed one year's continuous service within the meaning of section 25B of the Act and is therefore, not entitled to seek any relief from the Hon'ble Tribunal. On merits it was pleaded by the management that the appointment of the workman was purely in a temporary capacity which clearly provided that his services would automatically stand terminated on the expiry of the appointment letter issued to the workman and there was no question of giving him any further notice. It is further averred that the workman voluntarily accepted the terms and conditions of the appointment and therefore, he is not entitled to raise any plea in this regard. It is further averred by the management bank that the bank is not bound to give 14 days notice under the provisions of Sastri award as the appointment of the workman was to come to end by efflux of time, and further it is emphatically denied that the workman was posted against permanent vacancy and was doing permanent nature of work. It further alleged that the termination of the workman was legal, and justified and proper and the question for violating the provisions of Sastri Award and I. D. Acts does not arise and lastly it is alleged that the claim of the applicant be dismissed as he is not entitled for the same.

4. The workman has filed rejoinder reiterating the averments made in the statement of claim. Workman has also shown certain names of other candidates who were appointed after the termination of the workman from the bank's service and that it was the practice of the bank management to appoint persons and thereafter terminated their services after 80 days. It is further averred that this act of the management bank is under labour practice and against the provisions of Sastri Award and Bipartite Settlement. It is stated that para 25G and H of the Act are attracted.

5. In the instant case, parties have filed their respective documents related to the case. But the affidavit evidence and cross of the witnesses could not have been done as on 19-6-1985 Shri V.N. Sekhri representative of the workman has moved an application withdrawing his authorisation as the workman is not traceable and it was ordered that notice be sent at the address of workman/union fixing 15-7-1985. On 15-7-1985 Shri T. N. Tondon appeared on behalf of the management but again none appeared to press the case of the workman despite notice to the union concerned. Later union filed application requesting to allow one month's time which was allowed and 7-8-85 was fixed in the case. On 29-7-85 it was ordered that the date has been changed in the case fixing 21-8-85 at Lucknow Camp issue notice to the management intimating the date and venue of the court. On 21-8-1985 none appeared for the workman despite notice and representative for the management appeared, and on the same day the case was decided against the workman as he failed to appear in the case despite notice and it was ordered that this case be treated as no claim award in the absence of workman, despite notice.

6. In view of the above, I hold that the action of the Management of State Bank of Bikaner & Jaipur in relation to their Birhana Road Branch, Kanpur, in not providing employment to Shri Khema Nand Joshi Clerk after 8-3-1979 and terminating his services is justified and the result is that he is not entitled to get any relief.

7. I, therefore, give my award accordingly.

8. Let six copies of this award be sent to the Government for publication.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

[No. L-12012/212/81-D. II (A)]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का. आ. 1239.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-3-86 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1239.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Central Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT KANPUR

Industrial Dispute No. 101/1981

Reference No. L-12012/94/80-D.II (A) dated 30-7-1981

In the matter of dispute between :

Shri Kali Charan C/o Shri Tara Chandra Gupta 91 Sarai Nazar Ali Ghaziabad, Uttar Pradesh.

AND

The Divisional Manager, Central Bank of India, Delhi Road Cantt. Meerut

APPEARANCES :

Shri Tara Chandra Gupta—for the workman.

Shri S. Trivedi—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/94/80-D.II (A) dated 30th July, 1981, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of Central Bank of India, in terminating the services of Shri Kali Charan Sharma, a Daftary in the bank w.e.f. 30-8-74, on the basis of his letter of resignation was justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?

2. It is common ground that the workman was cash peon in Meerut City Branch of the management bank and a number of memos and charge sheets were given to him and he was under suspension. On 12-8-74, the workman gave the resignation letter to the manager management bank at Meerut in the following words :

Nivedan Hai Ki Mai Agent Meerut Shaher Se Bahoot Pareshan Hoka Naukari Se Istecfa De Raha Hoon. Krappa Meri Aap Se Hath Jor Kar Prarthana Hai Ki Meera Istecfa 11-7-74 Se Sweetkar Kiya Jai Aap Ki Ati Kripa Hogi.

3. According to the management he met the agent that very day in the afternoon i.e. on 12-8-74 and expressed that he had given resignation letter in a state of utter frustration and requested him to return the letter on which the agent expressed his inability stating that he had already forwarded the same to the higher authorities, consequently workman send a letter the same day to the agent Meerut City Branch under certificate of posting requesting the management not to act upon the said resignation letter and treat it as cancelled. After August, 1974 the management stopped payments of subsistence allowance. On 4-9-74 he received the registered cover from Meerut City Branch which contained only a blank paper about which the workman informed the Zonal Manager of the management bank on 12-9-74 and also wrote several letters in October, November and December enquiring about non payments of subsistence allowance on which management vide letter dated 5-12-74 that the resignation of the workman moved on 12-8-74 was accepted by the management on 30-8-74 as he was not available, the memo accepting the resignation letter was displayed on the notice board on the same day and the copies were sent to his postal address known to the department and as such the services of the workman stood terminated from 30-8-74 and therefore question of subsistence allowance thereafter does not arise. The management took back the workman on service on a starting salary of peon w.e.f. 5-5-75 after obtaining a letter of apology taking advantage of workman's financial hardship. The workman had been requesting the management to give him continuity of service but as the management did not agree the industrial dispute has been raised.

4. Alongwith the claim statement the workman has filed annexure III true copy of the management letter dated 23rd September, 75 addressed to City Magistrate Meerut regarding criminal proceedings under section 110/117 of the Cr. P.C. State Versus Kali Charan Sharma by Suptd. Divisional Manager's Office of the management in which he mentions as follows :

The above case was initiated on the bias of a complaint lodged with S.O. Sudder Bazar, Meerut Cantt under our No. CID/3/74/5453 dated 29-7-74 against the then Cash Peon Shri Kali Charan Sharma, who was working in the Meerut City Branch. On account of certain charges of gross misconduct he was placed under suspension w.e.f. 11-7-74 and later on he tendered his resignation on 12th August 1974, which was accepted by the management. He subsequently tendered unconditional apology with regrets for his misconduct and behaviour. On his assurance to work honestly and sincerely he was appointed as a fresh appointee and was posted at Byland-shahar where his conduct has been reported to be satisfactory.

In view of the above we would request you to drop the proceedings.

5. The management has filed letter dated 30th August, 1974 Annexure M-1 filed with the written statement, this states that his resignation has been accepted and that the allegations made against agent Meerut City branch is false, frivolous and without any basis. The management has filed letter of workman dated 27-12-74 in which he requested for his reappointment in the bank and having unconditionally apology for what happened in the past.

6. The workman made similar request on 2-1-75 vide letter Ext. M-3. The Joint Secretary of the Employees Union (AICBIEF) wrote to the Zonal Manager vide letter dated 19-4-75 Ext. M-5 whereby he requested for the appointment of the workman assuring that he will be obedient in future conduct. On this the Divisional Manager issued an appointment letter dated 3-5-75 Ext. M-4 with fresh terms asking him to consent in writing if agreeable to the conditions mentioned therein on which the workman signed that the condition mentioned in above letter is accepted to him.

7. The management has filed 16 documents per list dated 11-6-84 of which paper No. 1 is charge sheet dated 7-11-83 given to the workman and then paper No. 2 is memo dated 1-7-74 then again another memo paper No. 3 dated 2-7-74, paper No. 4 dated 3-6-74 memo for absence from duty, then another memo dated 9-7-74 and then last memo dated 11-7-74 whereby he was placed under suspension, paper No. 7 is dated 12-8-74 is copy of the resignation letter of the workman resigning his service from 11-7-74, paper Nos 8 and 9 are replies of the workman to the memos, paper No. 10 dated 13th August, 74 is the letter addressed to the Zonal Manager by the Agent Meerut City Branch of the management bank in which he mentioned that the workman submitted his resignation copy of which was enclosed for information and in view of language of the resignation intimation was required as to whether he should be paid subsistence allowance for August 74, paper No. 11 is dated 30th August letter of Divisional Manager of the management bank intimating that the resignation letter of the workman has been accepted.

8. The workman has filed memo of assistant Zonal Manager dated 23-7-74, even when he was under suspension for misbehaviour. In support of its contention the management has examined Shri P. K. De who has testified management's stand as set out in the written statement on affidavit.

9. In cross examination he has deposed that when resignation of the workman was accepted on 30-8-74 he was under suspension and enquiry was pending against him.

10. On the other hand the workman has testified his stand of the claim statement on affidavit. He has deposed on oath that he never received the letter dated 30-8-74 but the envelope received by him contained only a blank paper. On being enquired as to why he did not send the letter withdrawing resignation dated 12-7-74 Annexure W-1 of the claim statement by registered post, the workman stated he did not send it under registered cover as for that he had no money. From that day till giving letter dated 27-12-74 Annexure



M-2 in which he mentioned about unconditional apology and fresh appointment, the workman did not send any letter by register post except one allegedly sent on 12-9-74, that letter too he send not by registered post but under certificate of posting. Letters send under certificate of postings it deposited on oath have simply a presumption that such a letter was sent and there is no presumption that that must reached the addressee as the case is in matters of letters send by registered post. The management witness has denied having received any such letter as alleged by the workman. In these circumstances I am not inclined to believe the workman that he did sent letter Annexure W-1 under certificate of posting or letter Ext. W-2 dated 12-9-74 under certificate of posting as alleged. Thus the question of recalling the resignation letter before it has accepted by the authorities of the management false.

11. The counsel for the workman has drawn my attention to the circumstances that the workman's services were terminated on the basis of resignation letter during his suspension and when admittedly enquiry was pending against him, which could not have been done as the relationship of master and servant stands suspended during the suspension and unless and until the suspension is revoked termination by way of accepting the resignation letter could not have been brought about. In support of his contention he referred me a ruling in Delhi Electricity Supply Undertaking Versus Tara Chandra All India Services Law Journal Part II page 467 Delhi High Court wherein :

**Resignation Letter**—A letter of Grievance making some allegations against the superior authorities sent by the respondent to the management. In the end of the letter, the respondent mentioned under protest due to cruel behaviour and unfair term of the DESU throughout my nine years service I am being compelled by them hereby to resign from the service—The management treating the same resignation letter accepted the resignation letter and removed him from service—held that document should be held as a whole it is not a resignation letter.

12. On the point that termination could not have been made during suspension, the counsel for the workman referred me the ruling V. P. Gindroniya Vs. State of M.P. 1970 Lab IC 1352 wherein law laid down is that :

Whether the contract of service or the terms and conditions of service provide for suspension of an employee pending departmental enquiry, the employee can not resign and the employer can not accept his resignation till his suspension is continuing. In other words the contract of service between the employer and employee which is suspended during the period of suspension will have to be revived by revoking the suspension, before the employee concerned can be allowed to resign or before his resignation can be accepted.

13. My attention was further drawn to the ruling G.S. Sial V Union of India AISLJ Part II page 88 wherein it was held that premature retirement of a government servant during the pendency of a departmental enquiry initiated on the ground of misconduct without complying with the requirement of article 311(2) of the Constitution was invalid.

14. On that apology in the instant case also as a departmental enquiry was pending against the workman his services could not be terminated during the pendency of enquiry without withdrawing the charge sheet and dropping the enquiry even though he had tendered his resignation letter dated 12-8-74.

15. Thus in any view of the matter, the termination of the workman during the suspension period and also during the pendency of the departmental enquiry, the termination of the workman was illegal.

16. The result is that the workman has to be reinstated in service with full back wages w.e.f. 30-8-74.

17. I, therefore, give my award accordingly.

18. Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

Dated : 28-2-1986.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012/94/80-D.II (A)]

का. आ. 1240.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधि-करण, कानपुर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-3-86 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1240.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1986.

BEFORE SHRI R. B. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT KANPUR

Reference No. L-12012/83/83-D.II (A) dated 20-12-83

Industrial Dispute No. 252/1983

In the matter of dispute between :

Shri Kanhaiya Lal Sahu 112/1, Laxmi Ratan Colony  
Kabari Market, Kanpur

AND

The Chief General Manager State Bank of India, Halwasia  
Palace 24, MG Marg, Hazratganj, Lucknow.

APPEARANCES :

Shri V. N. Sekhari—representative for the workman.

Shri Vijai Man Singh—for the Management.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-12012/83/83-D.II (A) dated 20-12-1983, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal.

Whether the action of the management of State Bank of India, Kanpur, in relation to their Swarup Nagar Branch in terminating the services of Shri Kanhaiya Lal Sahu, temp. messenger w.e.f. 24-3-81 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

2. The case of the applicant is that he was appointed as temporary sub stall (messenger) on 14-3-80 against a clear vacancy and his services were terminated on 24-3-81; that the management bank has adopted unfair labour practice of employing persons for below 90 days and terminating their services so that they may not get any benefit. In this way persons namely Santosh Kumar Tewari, Tijugi Narain, Ashok Kumar and Surendra Kumar were employed and terminated. That after the termination of the workman the management appointed Chotey Lal Sonkar, Jai Bharat and Rajesh Kumar who were also terminated within 90 days. The bank did not issue appointment letter or termination letter as required in terms of the Sastri Award, that the management did not maintain the seniority list or service book, that on vacancies arising after 24-3-81, the management appointed other persons but the applicant was refused for employment. All this action of the management is not just, improper, unreasonable, illegal and unfair labour practice. He is consequently entitled to be reinstated with full back wages.

3. The management raised preliminary objection that no demand or claim was made before raising the dispute. In their written statement, the management averred that there was well established system in the bank for engaging temporary/casual employee in the bank against purely temporary/casual requirement and such temporary appointments are made for specific periods when required and they are not made against permanent vacancies. After cessation of work of such temporary workmen further temporary hands are appointed only against fresh requirement of temporary nature. It is admitted that the workman was engaged as temporary

messenger at Swarup Nagar Branch of the management bank at Kanpur w.e.f. 14-3-80 against purely/temporary/adhoc requirement at the branch and his services were terminated w.e.f. 24-3-81 as no longer required. It is further admitted that Shri Santosh Kumar Trijugi Narain, Ashok Mishra and Shri Surendra Kumar were appointed as temporary hands for temporarily on temporary adhoc jobs which arose at the branch and was all different nature and that they were not engaged against any vacancy or against temporary ad hoc job on which no other workman working previously. It is further admitted that the bank management had laid down that temporary appointment should in no case exceed 90 days with a view to prohibit long terms appointment where work requirement are all regular nature.

4. As regards maintenance of seniority list it is averred that the same is neither practicable nor necessary. It is averred lastly that the termination of the workman was quite just and proper.

5. In the rejoinder the workman has averred that no demand is required to be made direct to the management rather the demand was made when dispute was brought before the Assistant Labour Commissioner (Central) who on failure of conciliation referred the dispute to the Government.

6. The workman summoned large number of document from the management to show that temporary employees were engaged for specific days and terminated. On this it was ordered that a joint inspection be made of documents at the premises of the bank and inspection report be filed. Such joint inspection report is dated 13-11-82 has been filed. This shows that the workman worked for 98 days in a span of one year from July, 1980 to March, 1981 and was engaged again for 8 days after a lapse of more than a year.

7. Another list No. 2 shows that in the year 1981 in all six temporary messengers were appointed amongst whom Shyam Kumar was appointed in April 81 for 27 days and again in May for 22 days, Surendra Kumar was appointed for 6 days in May 81. One Mahesh Chandra was appointed for 30 days in June 81 and for 12 days in July 81 and again for 8 days in August, 1981 and lastly for 15 days in September. One Sushil Kumar was appointed for 14 days in the month of July, 1981 and thereafter, Sunil Kumar was appointed for 14 days in August, 7 days in September, and 11 days in October 81 and last of all one Raj Kumar was appointed for 25 days in December, 1981.

8. On behalf of the management one Shri R. S. Sharma an officer of the management bank and conversant with the facts of the case filed his affidavit supporting the case set out in the management's written statement.

9. In cross examination he has admitted that the workman worked during his tenure from 14-8-80 to 24-3-81. It may be mentioned that in the joint inspection report no statement of temporary working before July 80 was made available for inspection. This admissions shows that the workman did work earlier to July 80 and till 14-3-80. He was not able to say without records as to how many days of work the workman put in during the month of March 81. He further admitted that after termination of the workman 12 persons mentioned at Page 2 of the joint inspection note were appointed and that they were all new hands having never worked earlier at the bank management.

10. According to the witness the workman in all worked for 89 days with breaks. he goes on to depose that the joint inspection report may be wrong and that he had issued certificate to the workman for 89 days of work and he was deposing so on the basis of that. He admits that the workman was not given a chance when subsequent temporary appointments were made because for the workman for the work he was appointed there was no need of that work. He further states that they were all appointed for temporary increase of work from time to time and as there was instruction that long term appointment should not be made in the bank in temporary cadre, hence the name of the workman was not considered in temporary appointment, and also added that he was not suitable.

11. On the other hand workman has given his affidavit confirming his statement of claim. In cross examination he

deposes that he was appointed in clear vacancy but not know in whose vacancy he was appointed. He named Santosh Kumar, Trijugi Narain, Ashok Kumar and Surendra Kumar who were appointed before his appointment who were all temporary workmen. They were not allowed to complete 90 days and they were terminated. He admits that after his termination he did not move any application for his re-appointment.

12. The workman has failed to substantiate that he was appointed in any leave vacancy as he is not able to name in whose vacancy he was appointed as temporary messenger. It is admitted and also established from the joint inspection note that the workman was appointed as temporary messenger from time to time by the management bank and in one span of year say from July 80 to March 81 he worked at least for 98 days. It is further established that after his termination 1 to 12 mentioned in list 2 of the joint inspection were appointed as temporary messenger. All this shows that the work of temporary messenger was there in the bank.

13. Para 1.1 of the bipartite settlement lays down that the parties are agreed with the provision of the award of the All India Industrial Tribunal presided over by Shri P. Sastri as finally modified by industrial dispute (Banking Company's decision Act 1955). The industrial dispute was Banking Company's decision Amendment Act 1957 and the provisions of the award of national Industrial Tribunal presided over by Mr. Justice K. T. Desai in reference No. 1 of 1960 which award inter-alia modifies certain provision of the Sastri award were shall govern service condition therein covered except to the extent that the same have been modified in the settlement. Thus this settlement as well as Sastri Award has its binding nature as required under section 18(3) of the Act. Thus the provisions of Sastri award will have the effect of sitting orders and binding on the parties. Under para 493 of the Sastri award it is laid down that the bank should also maintain a register of candidates in which their names, age, and qualification previous experience if any, and special merit and recommendation should be entered and such register should be kept upto date. The such register should also have the names of retrenched employees whose work has been found satisfactory. It was further recommended that the bank shall give him a written order specifying the kind of appointment, the pay and allowances to which he would be entitled and such orders will be given on the point of part time employee.

14. Para 516 lays down that a service record should be maintained in case of temporary employees and para 522 lays down that the temporary employee may be terminated after 14 days notice which notice should be given in writing.

15. In the instant case nothing as above, has been done. Only this much is admitted that the workman was not appointed in permanent vacancy but was simply employed as temporary any messenger on account of temporary increase in work. If that was so he could have been given notice of 10 days when he worked for 30 days in November 80. Had a register of temporary employees maintained, the workman would have been called to work and given work of temporary messenger when required again instead of giving work to persons mentioned in list No. 2 of the joint inspection.

16. In these circumstances termination of services of workman after taking work from him for about 90 days in a span of year and not reemploying him besides infringing other provisions of the Sastri Award as mentioned above infringed provisions of 25-G and H of the Act. Had a register of temporary employees been maintained the workman would have been given work of temporary messenger and not Shyam Kumar and others mentioned in list 2 of the joint inspection, thus there has been infringement of section 25-H of the Act.

17. In view of the law laid down in 1978 Lab IC 523 (All) BIC Case 1961 II LLJ 110 SC Cawnpore Tannery Case 1966 I LLJ 254 (Delhi) Muller and Phillips Case the termination of the workman would be illegal and void ab initio on that count.

18. For the reasons discussed above, I hold that the action of the management of State Bank of India, Kanpur, in relation to their Swarup Nagar Branch in terminating the service:



of Shri Kanhaiya Lal Sahu, temporary messenger w.e.f. 24-3-81 is not justified.

19. The result is that the workman be reinstated with full back wages.

20. I, therefore, give my award accordingly.

21. Let six copies of this award be sent to the Government for its publication.

Dated : 27-2-1986.

R. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer  
[No. L-12012/83/83-D.II (A)]  
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 7 मार्च, 1986

का. अ. 1241.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की सुरेशोह कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कार्यकारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकांश नं. 2 के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 4-3-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 7th March, 1986

S.O. 241.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2 Dhanbad, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Muraidih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, and their workmen, which was received by the Central Government on the 4th March, 1986.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.

Reference No. 53 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10 (1)(d) of the I.D. Act., 1947.

#### PARTIES:

Employers in relation to the management of Muraidih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

#### APPEARANCES:

On behalf of the employers: Shri B. Joshi, Advocate.

On behalf of the workmen : Shri J. P. Singh, Advocate

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 21st February, 1986

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act., 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication under Order No. L-20012(287)/82-D. III (A), dated, the April, 1985.

#### SCHEDULE

"Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh for reinstatement of Shri S.K. Jha, Bonus Clerk by the management of Muraidih Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited who had dismissed him from service in June, 1975 is justified? If, so to what relief is this workman entitled and from what date?"

The concerned workman Shri Surdendra Kumar Jha (for bravely we will refer to as S. K. Jha) was a Bonus Clerk during 1974 at Muraidih Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. He prepared sick and leave bills of workmen of North Baramasia section of Muraidih Colliery on 31-8-74. On that date he received a total amount of cash and disbursed the said

amount to the workmen and submitted his accounts. He had put his signature in the bill to show that he had prepared the bill and had paid the amount to the workmen. It is alleged that the concerned workman adopted a fraud in preparing the bills of P.F. deduction on the basis of sick and leave records and obtained the signature of the competent authorities on the bills. The concerned workman after obtaining signature of the competent authorities did interpolation in the bill in respect of 9 workmen by adding 100/- to such amount and inflated an amount of Rs. 900/- in calculating the total amount of Rs. 1000/- in excess. The management detected the interpolation on when the P.F. Clerk pointed out the calculation errors and thereafter the records were checked. It was found that the P.F. had been deducted on actual bills and it had not been accounted on the inflated amount. The duplicate bill was also checked and it was observed that the interpolation had not been done in the dup. bill. It was observed that the original bills were only interpolated, after it was passed and before drawing the amount from the cash Section. The original bills were with the concerned workmen and he had obtained the cash and paid the amount to the workmen. The concerned workman had interpolated in his pen deliberately to misappropriate excess amount of Rs. 1000/- in course of making payment to the workmen. The concerned workman had made payment to the workers their sick and leave wages and the unpaid amount was returned. He had indicated the figures as if he had paid the inflated amount to the respective workers. The respective workers stated that they did not receive inflated amount and had received the correct amount. Thereafter chargesheet was issued against the concerned workman on 15-9-74. The concerned workman submitted his reply to the chargesheet by his letter dated 13-10-74. Thereafter a departmental enquiry was held by Shri R. Mohan the then Senior P.O. of Phularitand Sub-area. The letter of enquiry dated 30-10-74 was issued to the concerned workman fixing 2-11-74. On the prayer of the concerned workman on 2-11-74 the enquiry was adjourned to 8-11-74. The enquiry was conducted on 8-11-74 and it was completed on the same day. The concerned workman had been given full opportunity to cross-examine the management's witnesses and to adduce his own witness in defence. The enquiry was conducted in accordance with the principles of natural justice. The concerned workman had participated in the enquiry. The misconduct levelled against the concerned workman was fully established. The enquiry proceeding, enquiry report and all relevant papers were examined at various levels by the authorities and thereafter the competent authority passed the order for the dismissal of the concerned workman and he was dismissed from service vide letter dated 14-6-75. The management also stated that the reference was bad as the present dispute was sponsored by union after 10 years of the dismissal of the concerned workman. The concerned workman was an educated person and if he was not guilty he could have raised the dispute himself much earlier.

The case of the workmen is that the concerned workman was served with a chargesheet dated 15-9-74 by the Manager of Muraidih Colliery and was also suspended. The concerned workman submitted his reply to the chargesheet denying the charges. Shri R. Mohan, P.O. of the colliery was deputed to hold the domestic enquiry against the concerned workman. The enquiry officer concluded the entire enquiry in one sitting on 8-11-74. After the close of the enquiry the concerned workman received a letter from the management to resume his duty from 2-12-74 as the concerned workman had earlier made a representation before the management. It is said that the said order was passed by the sub-Area Manager after considering the matter given in the representation and also the enquiry report submitted to him by the Enquiry Officer. However, the Enquiry Officer submitted his enquiry report on 14-6-75 and thereafter the concerned workman was wrongfully dismissed by the dismissal order signed by the then Agent of the Colliery. The concerned workman made representation before the Sub-Area Manager on 6-7-75 for considering his case alleging that the Agent had no authority to sign as Sub-Area Manager on the dismissal order. But the management did not reply. The concerned workman made several representations from the year 1975 to 1980 but no reply was given to him by the Manager. The management had always assured through its officers that his case being considered by the higher management. The concerned workman did not suspect any foul play on the part of the management and was assured by the union authorities

that since his case was genuine the management was bound to consider the same and therefore there was no need to unduly interfere by raising industrial dispute which may annoy the management. The concerned workman at his own initiative approached the management through a lawyer by letters dated 19-8-80, 2-8-81, 3-4-81, 6-7-81, 26-10-81 and 12-4-82 but no reply was received by the concerned workman. He also took up his case with Shri Ramesh Chandra, Jha the then Minister, Govt. of Bihar who had handed over all the papers to Shri C.S. Choubey, Dy. P.M., Karmik Bhawan. Shri Choubey submitted his report recommending the reinstatement of the concerned workman as he had not found any proof against the concerned workman. The union raised an industrial dispute. The management concealed all the papers from the conciliation officers and thereafter the conciliation officer submitted a failure report to the Ministry of Labour. The Ministry refused to interfere in the dispute for adjudication. The union however took up the matter again with the Ministry when the entire matter was reconsidered and thereafter the present reference was referred for adjudication. There was no delay on the part of the concerned workman in raising the industrial dispute as he had been agitating the matter with the management although after his dismissal.

The chargesheet submitted against the concerned workman did not disclose the fact or the case. The total of the bill had been made by Head Clerk and the Accountant both on the original and on the carbon copy and on the basis of the same money had been drawn. Although it was not a part of normal duty of the concerned workman he was directed to disburse the said amount to the workman and the payment was made to the workers on the basis of the bill received by him. The concerned workman did not make any interpolation in the bill and he had not defalcated any amount. The concerned workman is an active member of RCMS and due to his union activities the officers of the management were ill-disposed towards him and that may be the reason for his false implication. The management had also lodged a criminal case against the concerned workman at Baghmara P.S. under Section 420 I.P.C. simultaneously when the chargesheet was issued against him. The concerned workman had made a prayer to stay the departmental proceeding till the dismissal of the criminal case but his prayer was rejected by the management. On the above plea it is submitted that the concerned workman be reinstated with full back wages.

The point to be decided in this case is whether the charges against the concerned workman has been established by the management in the domestic enquiry leading to his dismissal from his services.

The management witness S/Shri S. S. Sinhababu, Manager of Muraidh Colliery, Shri Mahes Pd. Singh Office Supdt. H.S. Choudhary, Cashier, Makbul Mia, Coal Cutter, Hakimjan, Coal Cutter Muslim Mian, Coal Cutter, Nunu Singh Coal Cutter and Shri Sukdeo, Water Cooly have been examined to prove the charge against the concerned workman. The concerned workman also had given his statement before the Enquiry Officer and he was cross-examined on behalf of the management. The management has produced all the papers of the domestic enquiry which have been marked Ext. M-1 to M-15.

It will appear from the charge Ext. M-1 that the concerned workman was deputed to disburse the payment of leave and sick wages to the workman of North Baramasia unit on 31-8-74 and it was found subsequently on checking that the concerned workman had tampered with the figures as contained in the statement attached with the chargesheet which is marked Ext. M-2 in this case, showing embezzlement of Rs. 1000 by the concerned workman and this amounted to misconduct under Section 18(1)(a) and (i) of the Model Standing Orders. Ext. M-4 dated 13-10-74 is the explanation of the concerned workman to the chargesheet. He has denied that he had tampered with the bill as alleged. He accepted to have prepared the bill and that the amount was correctly calculated. He has further stated that some body must have tampered with the bill afterwards changing the amount by putting digit one (1) before the actual amount written in the bills with malicious intention to involve him in a case of misconduct. He has further stated that the bill was checked by several persons before it was passed

for payment and therefore he cannot be held solely responsible for over payment. It will thus appear from his reply to the chargesheet that he had prepared the bill and also there was interpolation in the bill by putting digit one before the 9 Sl. Nos. of the bill as stated in Ext. M-2. The first management witness was S. S. Sinhababu. He had made a preliminary enquiry when he received the report of discrepancy in the bill prepared by the concerned workman. He has stated that on 31-8-74 the concerned workman had prepared the leave and sick leave of North Baramasia section. Ext. M-14 which was marked as Ext. No. 5 before the Enquiry Officer is a true copy of the bill prepared by the concerned workman. On perusal of the said bill it will appear that the grand total of the bill was Rs. 7184.78 P. There is a mistake in the total of Rs. 1000 on page No. 4 of the bill. The actual total at that page should be Rs. 5776.38P but the total was shown as Rs. 6776.30P. On further perusal of page 4 of Ext. M-14 it will appear that in Sl. No. 63, 64, 67, 71, 73 and 76 the amount was increased by putting one before the total amount in Col. "total amount earned" and "net amount payable" and thus in all these Sl. Nos. the amount was increased by Rs. 100/- in each. Thus Rs. 600/- was covered on page No. 4 against the inflated amount of Rs. 1000/- To be very clear it will appear that the amount earned by Shri Nunu Singh in Sl. No. 63 was Rs. 10.70P out of which his contribution to C.P.F. was Rs. 0.88P and the net amount payable to him was Rs. 9.82P. but one was added before Rs. 10.70P, making it Rs. 110.70P, 10 was added before Rs. 9.82P, making it Rs. 109.82P. Similarly in case of Hakimjan Mia, Chandrika Gope, Ganga Sagar Mahato, Makbul Mia and Muslim Mia the amount was increased by 100 just by putting one before the amount in the total amount earned and the net amount payable to them. Similarly in Sl. No. 27 and 32 of page 2 of the bill one was added in the gross wages and the net amount payable thus increased the amount by Rs. 100/- Thus out of the inflated amount of Rs. 1000/-, Rs. 200/- was covered. It will further appear that in Sl. No. 42 again the same mischief was done by putting one before Rs. 32.10P. in the gross wages of 29.54P, and in the net amount total column. It will thus appear that Rs. 900/- was inflated in the bill by adding one before the amount which was payable to the nine workmen. The management witness Sinhababu stated that P.F. deduction @ Rs. 8 per cent was shown in the original bill and not on the figures which was increased vide interpolation. It appears therefore that after the preparation of the bill the inflated amount was manipulated and increased by interpolation. Sinhababu also said that the interpolation were made only in the original bill and not in the copy of the said bill. It can further be noted that the actual total figure of page 2 of the bill was Rs. 3266.11P although this should have been Rs. 3466.11P. only in view of the fact that Rs. 200/- was raised on the said page by putting one before the amount in Sl. No. 27 and 32. This also according to Sinhababu was done in the original copy only and not in the office copy of the bill. On perusal of the pay bill it is clear that in order to cover the inflated total of Rs. 1000/- at page-4 of the bill Rs. 900/- was adjusted against it by manipulating in the 9 Sl. Nos. of the pay bill and thus Rs. 9.00 were adjusted against the inflated total of Rs. 1000. It will also appear from the evidence of Sinhababu and the statement of the concerned workman himself that the amount of the bill dated 31-8-74 of North Baramasia unit drawn by the concerned workman for payment was Rs. 7184.78P, but the actual payment of the bill was Rs. 6184.78P.

The second witness examined before the E.O. was Shri Mahesh Pd. Singh, Office Supdt. He has stated that he was asked by MW-1 to check the leave and sick bills. He has stated that as the papers were not in order and time was short he directed Shri S.K. Jha, Mantosh Sarkar and Gopi Prasad to prepare the leave and sick bills of 31-8-84 and that as far as possible he tried to verify the bill. It will appear from his evidence that the leave and sick bill of North Baramasia unit was checked by him and that he himself had totalled up to page 3 of the bill the total of which came to Rs. 4305/- and odd paise and that thereafter the bill was given to the concerned workmen for the totalling of the rest. He had also stated that the totals on the original sheets were not completed. He himself started doing it upto page 3 but in the meantime the concerned workman arrived and thereafter the concerned workman was asked to complete the totals. He has also stated that

on being informed by the Cashier that there was no pay Clerk for making payment. The Welfare Officer was requested to spare the concerned workman for the same and that thereafter the concerned workman was deputed for making the payment. He has also stated that 3/4 days after the payment of leave and sick bills the cashier pointed out that there was some irregularity in as much as less P.F. was deducted against the amount payable in some of the cases of the workmen and thereafter the Welfare Officer checked the entries and thereafter the matter was reported to the Manager. He has also stated that P.F. was shown deducted in the original entries of the bill before the interpolation was made. According to him also copy of pay sheet were checked but the increased amount as shown in the original was not shown in its copy.

The management witness No. 3 Shri H.S. Choudhuary Cashier released the cash of the bill dated 31-8-74. The concerned workman had cross-examined him and in answer to the question of the concerned workman he stated that the concerned workman had not deposited the balance cash of sick leave wagesheet to him in the evening of 31-8-74. The other witness Makbul Mia Sl. No. 73, Hakim Jah of Sl. No. 64, Muslim Mian of Sl. No. 76, Nunu Singh of Sl. No. 63 and Sukhdeo of Sl. No. 42 of the bill Ext. M-14 have all stated that actual amount was paid to them by the concerned workman. Makbul Mia, Hakim Jan, Muslim Mia, Nunu Singh and Sukhdeo have stated that they received Rs. 31.00 Rs. 57.00, Rs. 40.00, Rs. 993.00 and Rs. 29.00 only against their sick and leave wages. They have denied to have received the amount which was shown inflated by Rs. 100/- against their entries. It is clear therefore that the concerned workman had not paid the amount as shown in the bill against their names and the payment was short of Rs. 100/- in each case of these workmen.

The concerned workman stated that he was working in the Welfare Section of Muraidh Colliery and prepared the leave and sick wages bill of North Baramasia Section in dup. without doing the total on 31-8-74 and that he had handed over the bill to MW-2 Shri M.P. Singh. He has also admitted that he was asked to make payment of the bill and that he had made payment. He has admitted that MW-2 Shri M.P. Singh had given him the bill after doing the total upto page 3 of the bill. He has also stated that after making payment of the amount as shown in the bill he deposited the payment sheet and the cash balance to the cashier in the evening of 31-8-74 and he has also stated that he had made payment. He has admitted that MW-2 the workman except the unpaid amount as shown in Ext. M-15 (Ext. No. 6 of the enquiry proceeding) prepared by him. He also stated that he had totalled the bill separately for the purpose of closing of accounts of the payment of 31-8-74. He had taken the money for payment as per grand total and net total as shown in page-6 of Ext. M-14. He has stated that he had taken the amount for payment in instalments of Rs. 5000/- upto page No. 5 of the bill and the unpaid amount of page-5 and 6 in another instalment the total net amount of which come to Rs. 7184.87P. He also admitted in his cross-examination that after proper total it revealed that the actual amount of payment was Rs. 6184.78P. Thus there was the difference of Rs. 1000/- between the actual amount of payment and the total amount of Rs. 7184.78P. received by him for payment. Thus there was difference of Rs. 1000/- and this should have been shown in his closing accounts. The concerned workman stated that he had paid the amount to the workmen as per payment sheet but the evidence of some of the persons to whom the amount was paid have stated that they had received the actual amount and not the amount which was inflated by Rs. 100/- in the bills. It is clear therefore that the inflated amount of Rs. 1000/- had not been paid to any person and that the actual amount which was paid by the concerned workmen to the workmen was Rs. 6184.78P only. Ext. M-15 is the account sheet which was submitted by the concerned workman after making the payment of the bill. It will appear from this Ext. M-15 that the amount of Rs. 9.82P. standing in the name of Nunu Singh of North Baramasia section remained unpaid. The pay sheet shows the amount of Rs. 109.82P. as the net amount payable to Nunu Singh and if the said amount of Rs. 109.82P. was

not paid to Nunu Singh the unpaid amount in the account sheet should have been shown as Rs. 109.82P. but the concerned workman has shown the unpaid amount to Nunu Singh as Rs. 9.82P. It is clear therefore that the concerned workman although had shown the amount payable to Nunu Singh as Rs. 109.82P. in the bill was actually showing Rs. 9.82P. as not paid to Nunu Singh. This is very important to indicate the mind of the concerned workman. If the amount to be paid to Nunu Singh was Rs. 109.82P. and the same was not paid to Nunu Singh, the concerned workman ought to have shown the unpaid amount of Rs. 109.82P. against the Name of Nunu Singh in Ext. M-15. This is obvious that the concerned workman had taken Rs. 100/- with him and had shown that only Rs. 9.82 was not to be paid to Nunu Singh. It cannot therefore be said that the concerned workman had no knowledge of the embezzlement of the inflated amount.

Even if the payment was made by the concerned workman according to the inflated entries made in the bill, there is still a sum of Rs. 200/- which has not been accounted for by the concerned workman and the said amount appears to have been embezzled by him. On perusal of the payment sheet it will appear that in case of 9 Sl. Nos. the net amount payable was inflated by an amount of Rs. 100/- but in the total at page 4 there was another mistake showing the inflated total of Rs. 100/- even if the inflated amount of Rs. 100/- in the 9 Sl. No. is included the said Rs. 100/- which was in excess total had not been shown to have been returned vide the account Sheet Ext. M-15. Thus Rs. 100/- of the total of page 4 of the Pay bill and 100/- of the amount in excess of Rs. 9.82 in the name of Nunu Singh total being Rs. 200/- has not been shown in the account sheet Ext. M-15 and the same has been embezzled by the concerned workman.

The evidence discussed above will show that it was the concerned workman himself who was responsible for embezzlement of Rs. 1000/- out of the bill which was given to him for payment. It was only the concerned workman who had made the payment and as he was the person who had made the total after page 3 of the bill, it was he who had made interpolation in the bill so that the excess amount of Rs. 1000/- may be pocketed by him. The charge made against the concerned workman appears to have been fully established and I find no reason to differ with the conclusion arrived at by the Enquiry Officer in his enquiry report. I have gone through the enquiry report in which there is full discussion of the evidence and it cannot at all be said that the finding is perverse. In fact there could be no two opinion on the materials on record and the only conclusion is that the concerned workman had embezzled the said amount of Rs. 1000/- and the charge of misconduct under Section 181(a) and (1) of the Model Standing Orders has been established against the concerned workman.

The concerned workman has been dismissed after considering the materials before the Enquiry Officer. As it is a case of embezzlement of the management's money, the amount of money actually embezzled is not of much importance. The importance is the mental attitude of the concerned workman in defrauding the management and for such act lenient view of punishment cannot be taken. In my opinion the management has rightly dismissed him from service for such a serious act of misconduct and I see no reason to interfere with the finding and the punishment inflicted upon the concerned workman.

In the result I hold that the demand of RCMS for reinstatement of the concerned workman Shri S.K. Jha. Bonus Clerk by the management of Muraidh Colliery who had dismissed him from service in June, 1975 is not justified and that the concerned workman is entitled to no relief.

This is my Award.

Dt. 21-2-86

I.N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-20012(287)/82-D. III(A)]  
MADAN MOHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का. आ. 1242.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 40 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार धारा 15 का उपधारा (1) के अर्थात् नियुक्त सभ्य प्राधिकार को शक्तियाँ श्रम मंत्रालय के उपसचिव, श्री ए. के. लुथरा को 10-3-81 से अगले आवेश जारी होने तक प्रत्यायोजित करता है।

[संख्या एस-11011/2/84—उत्प्रवास-II]

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1242.—In exercise of the powers conferred by Section 40 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983) the Central Government hereby delegate the powers of Competent Authority appointed under sub-section (1) of Section 15, to Shri A. K. Luthra, Deputy Secretary Ministry of Labour with effect from 10-3-1986 till further orders.

[No. S-11011/2/84-Emig. II]

का. आ. 1243.—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 19) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, श्रम मंत्रालय के सहायक, श्री के. एन. एस. नायर को 17 मार्च, 1986 से 27 मार्च, 1986 तक उत्प्रवासी संरक्षक, कोच्चिन के सभी कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता है।

[संख्या ए-22012/3/84-उत्प्रवास-II]

अमित दास गुप्ता, अवसर सचिव

S.O. 1243.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Emigration Act, 1983 (19 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri K. N. S. Nair, Assistant, Ministry of Labour to perform all functions of Protector of Emigration, Cochin with effect from 17th March, 1986 to 27th March, 1986.

[No. A-22012(3)/84-Emig. II]

AMIT DASGUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1986

का. आ. 1244.—केंद्रीय सरकार राज्य कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 16 (1) के अनुसरण में श्री बी. एस. रामास्वामी, के स्थान पर श्री के. सी. शर्मा, भारतीय डाक सेवा अधिकारी को फरवरी 1986 के 12वें दिन के पूर्वाह्न से आगामी आवेश जारी होने तक महानिदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के रूप में नियुक्त करता है।

[संख्या ए-12026/2/86-एस. एस-1]

चित्रा चोपड़ा, निदेशक

New Delhi, the 10th March, 1986

S.O. 1244.—In pursuance of Section 16(1) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints Shri K. C. Sharma, an officer of the Indian Corporation, with effect from the forenoon of the 12th day of February, 1986, until further order vide Shri B. S. Ramaswamy.

[F. No. A-12026/2/86-SS.I]

CHITRA CHOPRA, Director